

ग्रन्थ संख्या १९

द्वितीय संस्करण १९६२

प्रकाशक — फ़िलाय महल (होमटेक डिपॉजिट) प्राइवेट लिमिटेड
एजिस्टर्ड ऑफिस ५९ ए, बीरो रोड ३ इलाहाबाद ।
मुद्रक — नेशनल प्रिंटिंग वर्क्स १ बरिदानाबाद, दिल्ली ।

अखिलेश्वर
डॉ० माताप्रसाद गुप्त
को
छात्राट

अवतरणिका (प्रथम सस्करण की भूमिका)

भाषा संबंधी सख्तों और पुस्तकों के लिखने के सिलसिले में स्वभावतः मेरा ध्यान सख्तों की ओर गया और तभी से मैंने पर्यायों को इकट्ठा करना प्रारंभ किया। प्रारंभ में मे पर्याय केवल सख्तों के अध्ययन की दृष्टि से एकत्र किये गए थे पर बाद में एक बसोबस संस्करण के आबैधानुसार मैं अपनी सामग्री को एक पर्याय कोश का रूप देने के प्रयास में लग गया। पर, काम इतना बिखरा और अधिक भा और कुछ परिस्थितियों-बध में उबर इतना कम समय दे सका कि निर्धारित से दूने समय में भी कार्य समाप्त न हो सका। अतः स्वभावतः संस्कृत संस्करण के साथ हुआ निर्णय समाप्त हो गया और फिर भी पर्याय कोश का कार्य शुरू हो चुका था मैंने धीरे-धीरे इसे पूरा किया। संतोष और प्रसन्नता है कि अब यह छपकर हिंदी पाठकों के सामने आ रहा है।

यह कार्य हर दृष्टियों से पूर्ण हो ऐसी बात नहीं है। हिंदी में इसके पूर्व उत्कृष्ट पर्याय कोश केवल एक ही प्रकाशित हुआ है और वह भी अधिकतर संस्कृत सख्तों का। संस्कृत पर्यायों के साथ हिंदी सख्तों को भी यथासम्भव समेट लेने का इस पुस्तक में प्रथम प्रयास है। साथ ही इसमें पर्याय के अतिरिक्त विद्योम भी प्रायः काशी स्वर्ण पर दे दिये गए हैं जिससे यह बेतारत की श्रेणी में आ जाता है। इस प्रकार यथार्थ हिंदी का यह प्रथम कोश है। ऐसी दशा में पूर्ण और वैज्ञानिक बनना तो दूर रहा बहिः अपने क्षेत्र में यह क्षेत्र के पत्रकार का भी काम कर सका तो मुझे पूर्ण संतोष होगा।

पुस्तक के विषय और प्रयोग करने के नियमों के लिए भागों के 'यह पुस्तक' शीर्षक को सामग्री देखिए।

पर्यायों के एकत्र करने प्रेस काफी तैयार करने अनुक्रमणी बनाने तथा प्रूफ देखने में भाई मुक्तेश्वर राव एम ए साहित्यरत्न तथा श्रीप्रकाश ने बड़ी सहायता की है। श्रीविद्याश्री श्रीनिवास हनुमान प्रसाद तथा महाश्रीर प्रसाद चौधरी भादि ने भी कम हाथ नहीं बँटाया है।

पुस्तक में विद्योपल अनुक्रमणी भाग में प्रूफ संबंधी अपुष्टियाँ रह गई हैं तथा कहीं-कहीं कुछ सख्त भी छूट गए हैं जिनके लिए लेखक क्षमाप्रार्थी है। दृष्टि-गम इस-लिए नहीं किया जा रहा है कि कुछ अपवादों को छोड़कर प्रायः कोश उसका उपयोग नहीं करते अतः देना न देना बचकर हो जाता है।

पुस्तक के लिखने में संस्कृत के प्रसिद्ध कोश अमर, हज्जायुष भेदिनी तथा हिंदी के नाम-आका निरवकोश हिंदी-संस्कृत-सागर एवं पर्याय-कोश भादि से बड़ी सहायता

मित्री हैं यद्यपि अधिकतर प्रचलित हिंदी पत्रियों की खोज-खोज कर अपने स्मरण के आधार पर ही एकत्र करना पड़ा है।

सुझावों और सम्मतियों के लिए अनुग्रहीत हूँगा।

२ जनवरी १९५४
हिन्दुस्तानी एकेडेमी
इकाह्मनाद

}

संपादक

यह संस्करण

यह संस्करण प्रथम बार संशोधित और कुछ परिवर्द्धित रूप है।

किरीटिमल काकिय
दिल्ली

}

संपादक

भाषक प्रायः कोशों में शब्द ध्वनि या अक्षर-क्रम से रक्के रहते हैं। ऐसे कोशों में शब्दों की लोचने में आसानी रहती है। पर साथ ही ऐसे कोशों की भी उपयोगिता कम नहीं है जिसमें अक्षर क्रम से शब्द न रक्के जाकर बर्णों में पर्याय रूप में रक्के जाते हैं। संस्कृत के पुराने कोशों में यही परंपरा मिलती है। अंग्रेजी में इस प्रकार के कोश 'बेसारस' कहे जाते हैं। बेसारसों में पर्याय के अतिरिक्त बिलोम शब्द भी दिये रहते हैं।

सामान्य कोशों और बेसारस या पर्याय कोशों के प्रयोग में बहुत अंतर है। जब हमारे सामने कोई ऐसा शब्द आ जाता है जिसका अर्थ हम नहीं जानते या जिसके अर्थ के संबंध में हमें निश्चय नहीं रहता तो हम सामान्य कोशों की सहायता लेते हैं पर दूसरी ओर जब हमारे हृदय में कोई भाव उठता है और उसकी अभिव्यक्ति के लिए हमें उचित और सटीक शब्द की आवश्यकता पड़ती है तो हम बेसारस या पर्याय कोश की सहायता लेते हैं। इस प्रकार कवियों और लेखकों के लिए बेसारस या पर्याय कोश प्रायः अपरिहार्य-सा है। विद्यार्थियों के लिए भी लेखन-कार्य की दृष्टि से इसके महत्व को अस्वीकार नहीं किया जा सकता।

प्रस्तुत कोश प्रचलित पर्याय कोशों से इस बात में भिन्न और जाये है कि इसमें यथा-साध्य बिलोम शब्द देने का भी प्रयास है। बिलोम दो शब्द से दिये गए हैं। कहीं-कहीं तो शब्द के आस-पास ही बो-बार अंक आने या पीछे से दिये गए हैं और कहीं शब्दों के पर्याय देने के बाद 'वि' या 'बिलोम' लिखकर बिलोम शब्द दे दिया गया है। ऐसी स्थिति में बिलोम शब्द की अनुक्रमणी के आचार पर मूल पुस्तक में अन्यत्र उसके पर्यायों के साथ लौजा जा सकता है।

अंग्रेजी भाषा में विभक्त है। प्रथम भाग मूल पुस्तक है जिसमें ९ बर्णों में शब्दों के पर्याय (वर्णानुक्रम से) और यथास्थान बिलोम शब्द दिये गए हैं। दूसरे बर्ण में अनुक्रमणी है। पहले मूल पुस्तक में माये सभी शब्दों को अनुक्रमणी में स्थान दिया गया था पर यह देखकर कि पुस्तक अनावश्यक रूप से बड़ी हो गई, अप्रचलित शब्द अनुक्रमणी से निकाल दिये गए। ऐसा करने से पुस्तक की उपयोगिता में कोई भी कमी नहीं आई है और साथ ही आकार में यह शायः आधी भी आ सकी है। अनुक्रमणी में न दिये गए शब्दों के विषय में कुछ और बातें बतानी भी आवश्यक हैं। अनुक्रमणी का उपयोग यह है कि जब किसी की किसी शब्द के पर्याय या बिलोम शब्द ज्ञात करने की आवश्यकता होती तो वह उस शब्द की अनुक्रमणी में देखेगा और फिर उसके आचार पर मूल पुस्तक

में उसके पर्याय या बिक्रम हूँगा। अतः ऐसी अवस्था में प्रायः प्रचलित सभ्य ही अनुक्रमणी में लगे देखेंगे। उदाहरण के लिए 'बोड़ा' सभ्य लीजिए। प्रस्तुत क्रम में 'बोड़े' के १ से ऊपर पर्याय दिये हैं जिनमें बोड़ा असब चोटक, सुरंग बाजी, सीमन तथा हन बादि प्रचलित सभ्यों के अतिरिक्त प्रायः ५ सभ्य ऐसे हैं जिन्हें सामान्यतया लोग नहीं जानते। ऐसी स्थिति में उन ५ सभ्यों को अनुक्रमणी में स्थान देना निरर्थक वा। जिनसे बोड़े के पर्याय की आवश्यकता होती वह अनुक्रमणी में बोड़ा असब चोटक, सुरंग बाजी, सीमन या हन बादि प्रचलित सभ्यों को देखेगा और उसी के आधार पर पर्याय सभ्य कोरेगा। बोड़े के अप्रचलित पर्यायों—'कोकाह', 'बियाह', 'प्रोधी', 'बलाभन' या 'ह' बादि—को अनुक्रमणी में कोई भी नहीं जोड़ेगा। इसलिए इस प्रकार के अप्रचलित सभ्यों को अनुक्रमणी में देना अनावश्यक विस्तार वा अतः ज्ञान-भ्रम कर उन्हें छोड़ दिया गया है।

पुस्तक का तीसरा भाग परिशिष्ट 'क' है। इसमें मूल पुस्तक के कूटे सभ्यों के पर्याय तथा यथावश्यक बिक्रम दिये गए हैं।

मूल पुस्तक की विस्तृत रूप रेखा

वर्ष क. वर्ष

पृष्ठ १—४

वर्ष प्रदान वर्ष वर्ष-संप्रदाय (पृ १) बर्मावरण (पृ २-५) तीर्थ (पृ १) लोहार (पृ ४) मक्ति (पृ ४-५) यज्ञ (पृ ४-५) संस्कार-आयम (पृ ५-६) ईश्वर, ईश्वरवाहिता-निर्देशरवाहिता देवी-देवता अक्षर तथा पीठ-भिक व्यक्ति और उनसे संबंधित बातें (पृ ५-३५) श्रुति श्रुति, ब्रह्म ईशाई तथा मुसलमान वर्ष (पृ ३५-३७) वर्ष-संघ (पृ ३८-४२)

वर्ष का कला शास्त्र और विज्ञान

पृष्ठ ४२-६८

कला (पृ ४२-४४) विज्ञान और रंग (पृ ४४-४५) संगीत (पृ ४५-४८) साहित्य (पृ ४८-५२) माया-कवि (पृ ५२) धिमा (पृ ५३-५६) राजनीति और राजा (पृ ५६-५९) वर्ष-शास्त्र (पृ ५९-६१) चिकित्सा-शास्त्र (पृ ६१-६५) मक्ति (पृ ६५-६८) ज्योतिष (पृ ६८)

वर्ष ग और

पृष्ठ ६८-९९

प्राणी—मनुष्य (पृ ६८-९९) अन्न और तत्संबंधित अन्य वस्तुएँ और बातें (पृ ९९-७४) संस्कार (पृ ७४-७६) संवत् (पृ ७६-८१) वर्ष-वाटियाँ और उपजाटियाँ (पृ ८१-८४) अधिकार और कार्य के आधार पर बने कुछ वर्षों के नाम (पृ ८४-८७) ज्ञान, कौड़े पत्रियाँ और उनसे संबंधित सभ्य (पृ ८७-९९)

वर्ष व वनस्पति जंतु तथा रत्न

पृष्ठ ९९-१३१

वनस्पति (पृ ९९) पैड़-पौधे पत्रियाँ और उनके अंग तथा उनसे संबंधित

स्वान वस्तुएँ तथा बातें (पृ ११-११४) अन्न (पृ ११४-११९) तरकारी (पृ ११७-१२) फल (पृ १२०-१२२) फूल (पृ १२२-१२६) चादु (पृ १२६-१२९) रत्न (पृ १३०-१३१)

वर्ष क फुटकर वस्तुएँ पृष्ठ १३१-१५४

चिकित्सा की वस्तुएँ और औषधियाँ (पृ १३१-१३३) ज्ञान-ज्ञान संबंधित वस्तुएँ (पञ्चबाण मित्राह्वयों तथा पेय आदि और बातें) (पृ १३४-१३९) नये की चीजें (पृ १३९-१४) पशुओं के साथ (पृ १४) वस्त्र (पृ १४०-१४३) शृंगार की वस्तुएँ (पृ १४३-१४५) सामूहिक (पृ १४५-१४७) श्रद्धा और श्यामाम की वस्तुएँ और उत्सवों की बातें (पृ १४७-१४८) यात्रा (पृ १४८) इतिहास (पृ १४८-१४९) बरेलू सामान (पृ १४९-१५४)

वर्ग ख स्वान पृष्ठ १५४-१९८

स्वान (पृ १५४) आकाश प्रह-नक्षत्र और राशियाँ (पृ १५४-१५७) विद्याएँ (पृ १५७) पृथ्वी समुद्र और उस पर के विभिन्न प्रकार के स्वान तथा उनसे संबंधित बातें (पृ १५७-१९८)

वर्ग छ समय पृष्ठ १९८-१७९

समय (पृ १९८) युग वर्ष महीना ऋतु, तिथि दिन रात (पृ १९८) समय संबंधी अन्य बातें (पृ १७२-१७५) त्योहार (पृ १७५-१७९) वर्षों जाड़ा और गर्मी संबंधी अन्य बातें (पृ १७७-१७९)

वर्ग झ स्वभाव मन-हृदय-मस्तिष्क आदि की वृत्तियाँ बघाएँ तथा उनसे संबंधित अन्य बातें एवं युग या भावनात्मक संज्ञाएँ, विशेषण तथा उनसे सम्बन्धित क्रियाएँ एवं अन्य विभिन्न बातें

पृष्ठ १७ - २३४

वर्ग झ छूटे घट्टों का नियमन पृष्ठ २३४-२५३

पुस्तक में पर्याय या विलोम कसे देखें ?

क. पर्याय देखने के सम्बन्ध में—जिस शब्द का पर्याय देखना ही उस पहले अनुक्रमणी में देखें। अनुक्रमणी में शब्द सामान्य क्रमों की मति अक्षर क्रम से रने गए हैं। शब्द क आगे 'क' से 'स' तक के अक्षरों में कोई अक्षर और फिर उसके जाने कोई अक्षर मिलेगा। अक्षर जैसा कि ऊपर विस्तृत रूप-रेखा में स्पष्ट किया गया है वर्णों के निरंतर शब्द है। जो अक्षर हो मूल पुस्तक में वह वर्ण निजाम में और फिर उस वर्ण में अक्षर के आगे किया अक्षर निवाले। उनी अक्षर पर उस शब्द के पर्यायवाची शब्द मिलेंगे। अनुक्रमणी में कुछ शब्दों के आगे कई वर्णों के अक्षर और अक्षर अलग-अलग लिखे मिलेंगे। इनका अर्थ यह है कि वह शब्द कई शब्दों का पर्याय है और ऐसी स्थिति में उन सभी शब्दों पर इच्छित पर्यायों के पाने के लिए शोध उभटना होगा। अनुक्रमणी में यदि किसी शब्द के

जाये वे (देखिए) और कोई शब्द लिखा है तो वह शब्द अनुक्रमणी में निकाटना होगा और उस आचार पर फिर मूल पुस्तक में देखना होगा।

यदि किसी भाव के लिए आपको उचित शब्द देखना हो तो उसके लिए कोई भी शब्द जो आप के विमान में उस भाव से मिलता-जुड़ता जाये अनुक्रमणी में देखिए और फिर उसे मूल पुस्तक में देखिए। मूल पुस्तक में उस शब्द के पर्यायों में या उसके दो-चार अंक नीचे या ऊपर आपके लिए उचित शब्द मिल जायगा।

एक विशेष शब्द देखने के सम्बन्ध में—विशेष के संबंध में एक बात का ध्यान रखना चाहिए कि सभी शब्दों के विशेष नहीं होते। उदाहरण के लिए 'अंधकार' का विशेष 'अंधकार' होगा पर यदि कोई 'कर्म' का विशेष देखना चाहे तो उसे निराश होना पड़ेगा। जो किसी शब्द का विशेष देखने के लिए पहले उस शब्द को अनुक्रमणी में देख कर मूल पुस्तक में उसे निकालिए। वहाँ पहले आप चार-पाँच अंक ऊपर या नीचे देखिए। बहुत संभव है आपके शब्द के ठीक पहले या बाद के अंक पर या चार-पाँच अंक आगे-पीछे उसका विशेष तथा उस विशेष के पर्याय मिल जायें या यदि इन स्थलों पर न मिले तो मूल शब्द के पर्यायों को देने के बाद उची या दूसरी पंक्ति में 'वि' (जो विशेष का संक्षेप है) या 'विशेष' लिखा मिलेगा और उसके आगे लिखा शब्द विशेष शब्द होगा। ऐसी रीति में यदि आप विशेष का पर्याय देखना चाहें तो उस विशेष शब्द को अनुक्रमणी में देखकर फिर मूल पुस्तक में उसका पर्याय पा सकते हैं।

कभी-कभी बिना समय देखा भी होता है कि अपने किसी भाव के लिए शब्द नहीं मिलता और साथ ही उस भाव के लिए उस भाव के समीप का भी कोई शब्द नहीं मिलता। ऐसी अवस्था में उस भाव के बिटोरी भाव के लिए आपके पास यदि कोई शब्द हो तो उसका विशेष प्रस्तुत कोष में निकाल कर आप अपना उचित शब्द पा सकते हैं।

पुस्तक में प्रयुक्त संक्षेप

दे = देखिए। वि के बाद यदि कोई शब्द है तो उसका अर्थ यह है कि उस शब्द को अनुक्रमणी में देखिए या अनुक्रमणी के आचार पर मूल पुस्तक में देखिए किन्तु यदि वहाँ परिशिष्ट का उल्लेख है तो परिशिष्ट देखिए।

वि = विशेष

पर्यायवाची शब्द और उनके अर्थ की कसौटी

पर्याय या पर्यायवाची शब्दों को प्रायः लोग बिनाकुल एक अर्थ वाले शब्द समझते हैं पर यथार्थतः पर्याय मिलते-जुलते अर्थ वाले शब्दों को कहते हैं। 'रामा राम' और 'अनिलानंदन दोनों एक सुन्दर के पर्याय हैं पर इनका अर्थ बिनाकुल एक नहीं है। प्रयोग की दृष्टि से दोनों का एक स्थान पर प्रयोग नहीं हो सकता। उदाहरण के लिए 'रामा

रम्य । उस दुष्ट से मेरी रक्षा करो' कहने की अपेक्षा है कंसनिकंदन उस दुष्ट से मेरी रक्षा करो' कहना अधिक उपयुक्त होगा । रक्षा करने के प्रसंग में 'रम्य करने वाले दुष्ण' की अपेक्षा 'कंस के मारने वाले दुष्ण' को पुकारना अधिक समीचीन है । इसी प्रकार अन्य शब्दों के संबंध में भी ऐसा वा सकता है ।

यहाँ ध्वज के पर्याय शब्द पर ध्यान देने से अंतर माहूम हुआ । कुछ पर्याय ऐसे भी होते हैं जिनमें अंतर इस प्रकार नहीं सात किया जा सकता । उदाहरण के लिए 'बसब' और 'नीरब' दो शब्द हैं । दोनों का ही शब्द पानी से बचने वाला अर्थात् कमल' है पर इन दोनों में भी इनकी ध्वनि को देखते हुए अंतर किया जा सकता है । 'बसब' अपेक्षा इय अधिक कोमल पारदर्शी और शिथिल होता है । नीरब में 'न' अक्षर ने इसकी कोमलता और पारदर्शिता नष्ट कर दी है । श्री सुमिभानन्धन पंत ने पल्लव की भूमिका में कुछ शब्दों के पर्यायों को लेकर इस दृष्टि से बड़ा सुंदर विवेचन किया है । यहाँ उसे देख लेना अत्यन्त ही होना—

"मिश्र-मिश्र पर्यायवाची शब्द प्रायः संपीत शब्द के कारण एक ही पर्याय के मिश्र-मिश्र स्वस्वों को प्रकट करते हैं । जैसे 'मू' से कोष की बहता 'मृकृटि' से पटाव की बचकता 'धीर्' से स्वामाधिक प्रसभता अनुठा का रूप में अनुभव होता है । ऐसे ही 'हिंकोर' में उठान 'बहुर' में सलिल के बस-स्वल्प की कोमल-कम्पन 'तरंग' में सहरों के समूह का एक दूसरे को धकेलना उठ कर फिर पड़ना 'बड़ो-बड़ो' बहुरे का ध्वज मिळता है 'धीर्' से जैसे किरणों में चमकती हवा के पक्षों में हीरे-हीरे मूक्यो हुई हैं समूह सहरियों का 'अम्म' से मधुर-मुकरित हिंकोरों का हिंकोर-कस्तोर से अंधी बाहें उठाती हुई अस्वल्प-मूर्धं तरंगों का बामाल मिळता है । 'पंख' शब्द में केवल पंख ही मिळती है उड़ान के लिए चारों ओर है जैसे किसी ने पत्ती के पंखों में सीसे का टुकड़ा बांध दिया हो वह उड़पटा कर बार-बार नीचे फिर पड़ता हो अंदरेजी का 'wing' जैसे उड़ान का जीवा-जागता चिब है । उसी तरह 'touch' में जो छूने की कोमलता है वह "स्पर्श" में नहीं मिळती । "स्पर्श" जैसे प्रेमिका के अंगों का अचानक स्पर्श पाकर हृदय में जो रोमांच ही उठता है उथका चिब है बज-भाषा के 'परस' में छूने की कोमलता अधिक विद्यमान है 'Joy' से जिस प्रकार मुंह भर जाता है 'हृय' से उसी प्रकार आत्मन्त का विद्युत-स्फुरण प्रकट होता है । अंदरेजी के 'air' में एक प्रकार की transparency मिळती है वानो इनके हाथ दूरी और भी बलु रिबाई पड़ती हो 'अनिल' से एक प्रकार की कोमल धीरलता का अनुभव होता है, जैसे लाम की दृष्टि से उल कर जा रही हो 'बाद' में निर्मलता तो है ही लचीलापन भी है, यह शब्द रबर के कौते की तरह विच कर फिर अपने ही स्थान पर आ जाता है 'अनिल' 'wind' की तरह ध्वज करता बालू के बग और पत्तों को बढ़ाता हुआ बहता है, 'रम्य' की सनसनाहट छिन नहीं लचकी 'पवन' ध्वज मुझे ऐसा लगता है जैसे हवा बक गई

हो। 'प' और 'न' की बीबारों से बिर-सा जाता है, 'समीर' सहृदयता हुआ बहता है।"

यहाँ संगीत से पंथ भी का आनाम नहीं सम्भ-व्यति है। कविता के लिए इस ध्वनि या संगीत की आवश्यकता के विषय में आगे पंथ भी लिखते हैं—

"कविता के लिए चित्र-भाषा की आवश्यकता पड़ती है उसके सम्बन्ध स्वर होने चाहिए, जो बोलते हों शेष की तरह जिनके रस की मधुर-कामिमा भीतर न समा सकने के कारण बाहर सतक पड़े।"

पंथ भी ने यह विचार कविता की दृष्टि से किया है। पर यह बात केवल कविता तक ही नहीं सीमित होनी चाहिए। गद्यकार भी यदि इस प्रकार ध्वनों को परतने का ध्यान रखें तो उसका वच अधिक सुंदर हो सकता है। उर्दू के हास्वरसाधार नवाब्दार की अमीम बेव बरतारि ने 'बप्पड़' के एक पर्याय को अपनी एक कथागी में प्रयुक्त करने के पूर्व उसके पर्यायों की ध्वनि का विश्लेषण किया है। वह मनोरंजक विश्लेषण भी पर्यायों की आत्मा और ध्वनि की परब के लिए यहाँ अंगुकि-निर्देश कर सकता है—

"पंजाब से बकिबन तक बयर हाब को किसी के गाल पर मारा जाय या बाब किरी के हाब पर मारा जाय तो कहा जाता है कि 'चाँटा मारा' या 'चाँटा पड़ा'। 'चाँटे' का ध्वय बहुत प्रचलित है। 'बप्पड़' भी प्रचलित है लेकिन इन ध्वयों के पर्यायवाची बितने भी ध्वय मुक्तप्रांत या बुरे प्रांतों में बोले और इस्तेमाल किये जाते हैं उनके उच्चारण की साइकालोजी (मनोवृत्ति) पर और करने से पता चलता है कि चाँटे के अपभ्रंश शेष हो सकते हैं। जीपों ने आबाब के मुताबिक अल्प-अल्प नाम भी रच लिखे हैं। 'चाँटा' वह है जो मुस्ते में किसी के गाल पर रसीब किया जाता है। इसके उच्चारण से ही इसकी ध्वनि-अव्यञ्जना प्रकट हो जाती है। यानी यह बकती है कि चाँटा आबाब के साथ उठते। इस आबाब में एक बटाखे की आबाब भी छिपी हुई है। 'बप्पड़' कभी चाँटे की बरबरी या चाँटे के उच्च अर्थवाची नहीं हो सकता क्योंकि बप्पड़ से बटाखे की आबाब—वह आबाब बिरका टास्तुक सिर्फ उंपकियों से ही है—नहीं निकलती। बप्पड़ में आबाबे गाल पर हाब की बँदकियों के अलावा हथेली का भी कुछ हिस्सा पड़ जाता है जो आबाब की कमनीयता को भी देता है लेकिन चाँटे बबबब ही कपटी लगती है। गाल पर एक बप्पड़ में उंपकियों के निदान पढ़ना मुमकिन नहीं है, अतः प्रकट है कि बप्पड़ और चाँटे में अमीम-आसमान का फर्क है। चाँटे के बोव का ध्वय ठमाँचा है मगर धसमें भी वह ठेवी नहीं जो चाँटे में है। इसके अलावा ठमाँचा बरबर बालों में इस्तेमाल नहीं होता। आम ठीर से यह बड़ों की और से छोटी के लिए ही 'रिजर्व' रखा जाता है। बप्पड़ की कहीं-कहीं बप्पड़ भी कहते हैं परन्तु वह ध्वय प्रभासुपुत

१ तु न पंथ बघपब १९५३ प्रयाग पुक १७—१८

२ पञ्जाबी में बप्पड़ को 'कप्पड़' कहते हैं और पंजाबी बप्पड़ की बप्पड़ मसजना बिलकुल ही ठीक है।

नहीं है मगर क्या किया जाय वहाँ पर मजबूरी यह हो कि एक तरह तो माक किसी मोटे बादमी का हो तो दूसरी ओर हाथ भी मीकागा चीकत बली का जिसमें चरबी की अधिकता ने सुस्ती पैदा कर दी हो। मतकब यह कि इसी किस्म के और भी किस्मने सम्भ हैं। इन्हीं शब्दों में से एक बहुत ही मीरू और बलता हुआ शब्द है 'बपाटा'। मुक्तप्रांत से उत्तर छायाद भूपाक की तरफ बोला जाता है। इस भूपाकी बपाटे में बिजली की-सी गति और हर दर्जे की तेजी मौजूद है। इसकी प्रचंडता वर्णन से बाहर है। असल में यह चाँटा ही है मगर बेहद तेज किस्म का। अपनी तेजी और प्रचंडता के कारण चाँटे और तमाषे की बटोलोहार आबाद विशेषकर 'बपाटे' का उभारा अपना आतक उत्पन्न कर देता है। इसकिप् 'बपाटा' यह चाँटा है जिसमें चाँटे की सारी छतरणाक बायीकियाँ और सम्भियाँ मौजूद हों और उनके बकाबा बिजली की-सी तेजी भी हो।^१

इस प्रकार पर्यायवाची शब्दों में अर्थ और ध्वनि का इन दो आकारों को केकर भेद किया जा सकता है। और यह निश्चय किया जा सकता है कि कई पर्यायों में कोई एक ही किसी विशेष स्वल पर प्रबोध के योग्य है।

यहाँ एक कवि और एक गद्यकार ने जो कुछ कहा है उसे अपनी दृष्टि के सामने रखते हुए यह कहना अन्याय न होया कि किन्तने के पूर्व अपनी भावना को व्यक्त करने वाले प्रबोध शब्दों के पर्यायों पर यदि एक बार दृष्टि डाल ली जाय तो हम अपने भावों के प्रति अधिक ग्याय कर सकते हैं। पर इसका यह अर्थ कदापि नहीं कि हम पर्याय कोय लाने फिरें और हर नामक के हर शब्द के किप् सजे उकटें। इस प्रकार का ध्यान मात्र रखने से और कभी-कभी कुछ सोच देने से उचित शब्द के चयन का हम अभ्यास बढ़ा सकते हैं और इससे अपनी अभिव्यंजना में शक्ति और सौंदर्य ला सकते हैं।

हो। 'घ' और 'ग' की बीमारों से बिर-सा जाता है, 'समीर' कहता हुआ बहता है।

यहाँ संगीत से पंथ भी का आशय नहीं शब्द-ध्वनि है। कविता के लिए इस ध्वनि या संगीत की आवश्यकता के विषय में जाने पंथ भी लिखते हैं—

"कविता के लिए चित्र-भाषा की आवश्यकता पड़ती है, उसके शब्द संस्कार होने चाहिए, जो बोलते हों। ये बोलते बिनाके रख की मधुर-कालिमा भीतर म समा करने के कारण बाहर झलक पड़े।"

पंथ भी ने यह विचार कविता की दृष्टि से किया है। पर वह बात केवल कविता तक ही नहीं सीमित होनी चाहिए। पद्यकार भी यदि इस प्रकार शब्दों को परखने का ध्यान रखे तो उसका पद्य अधिक सुंदर हो सकता है। ऊर्ध्व के हास्यरसावहार कथाकार भी अमीर बेन बघाई ने 'बप्पड़' के एक पर्याय को अपनी एक कहानी में प्रयुक्त करने के पूर्व उसके पर्यायों की ध्वनि का विश्लेषण किया है। वह मनोरंजक विश्लेषण भी पर्यायों की आत्मा और ध्वनि की परख के लिए यहाँ अनुचित-निर्देश कर सकता है—

"पंजाब से बहिष्कृत एक अयर हाम को किटी के गाक पर मारा नाम या पाक किसी के हाथ पर मारा जाय तो कहा जाता है कि 'चाँटा मारा' या 'चाँटा पड़ा'। 'चाँटे' का शब्द बहुत प्रचलित है। 'बप्पड़' भी प्रचलित है। लेकिन इन शब्दों के पर्यायवाची मिलने भी शब्द मुक्तप्राप्त या दूसरे प्राप्ति में बोलके और इस्तेमाल किये जाते हैं, उनके उच्चारण की सादृश्यात्मिका (मनीषुति) पर ध्यान करने से पता चलता है कि चाँटे के अव्यय भेद हो सकते हैं। दोनों ने आवाज के मृताधिक अलग-अलग नाम भी रख किये हैं। 'चाँटा' वह है जो मुँसे में किसी के घाल पर रखीया जाता है। इसके उच्चारण से ही इसकी ध्वनि-सम्बन्धता प्रकट हो जाती है। यानी यह पकती है कि चाँटा आवाज के साथ उतरे। इस आवाज में एक बटाखे की आवाज भी छिपी हुई है। 'बप्पड़' कभी चाँटे की बराबरी या चाँटे के समुप अर्थवाची नहीं हो सकता क्योंकि बप्पड़ से बटाखे की आवाज—वह आवाज जिसका तात्कृत सिर्फ जंगलियों से ही है—नहीं निकलती। बप्पड़ में अभागे घाल पर हाथ की उँगलियों के अलावा हथेली का भी कुछ हिस्सा पड़ जाता है जो आवाज की कमनीयता को जो देता है, लेकिन चोट अवश्य ही करता है। घाल पर एक बप्पड़ में जंगलियों के निहाल पड़ना मुमकिन नहीं है। अतः प्रकट है कि बप्पड़ और चाँटे में अमीर-आवमान का फर्क है। चाँटे के जोड़ का शब्द समाया है। मगर उसमें भी वह ठेकी नहीं जो चाँटे में है। इसके अलावा समाया बटाखर वालों में इस्तेमाल नहीं होता। आम तौर से वह बड़ों की ओर से छोटों के लिए ही 'रिचर्न' रखा जाता है। बप्पड़ को कहीं-कहीं कप्पड़ भी कहते हैं परन्तु यह शब्द प्रवाहयुक्त

१ मु. मं. पंथ बघाव १९५३ प्रवाह पृष्ठ १७—१८

२ बजायी में बप्पड़ को 'कप्पड़' कहते हैं और पंजाबी बप्पड़ को कप्पड़ मयसगा लिखतुल ही ठीक है।

नहीं है मगर क्या किया जाय जहाँ पर मजबूरी यह हो कि एक तरफ तो यास किसी मोटे बाबरी का हो तो दूसरी ओर हाथ भी मौसला खीकत बली का जिसमें बरबी की अधिकता ने सुस्ती पैदा कर दी हो। मतलब यह कि इसी किस्म के और भी कितने शब्द हैं। इन्हीं शब्दों में से एक बहुत ही मीठू और जसदा हुआ शब्द है 'जपाटा'। मुक्तप्रांत से उत्तर छायाद भूपाल की तरफ बोला जाता है। इस भूपाकी जपाटे में बिजली की-सी पति और इय दर्बों की तेजी मौजूद है। इसकी प्रचंडता वर्णन से बाहर है। असल में यह चाँटा ही है मगर बेहद तेज किस्म का। अपनी तेजी और प्रचंडता के कारण चाँटे और तपाने की बटाखेदार आवाज विशेषकर 'जपाटे' का जमाद अपना मार्तक उत्पन्न कर देता है। इसलिये 'जपाटा' वह चाँटा है जिसमें चाँटे की सारी खतरनाक बाँटीकियाँ और सम्बन्धियाँ मौजूद हों और उनके अलावा बिजली की-सी तेजी भी हो।^१

इस प्रकार पर्यायवाची शब्दों में अर्थ और ध्वनि का इन दो आधारों को लेकर घेद किया जा सकता है। और यह निश्चय किया जा सकता है कि कई पर्यायों में कोई एक ही किसी विशेष स्वक पर प्रयोग के योग्य है।

यहाँ एक कवि और एक गद्यकार ने जो कुछ कहा है उसे अपनी दृष्टि के सामने रखते हुए यह कहना अल्पमात्र होगा कि लिखने के पूर्व अपनी भावना को व्यक्त करने वाले प्रधान शब्दों के पर्यायों पर यदि एक बार दृष्टि डाल ली जाय तो हम अपने भावों के प्रति अधिक ग्याय कर सकते हैं। पर इसका यह अर्थ कदापि नहीं कि हम पर्याय कोय कावे चिरे और हर शाय के हर शब्द के लिए उसे ठसटे। इस प्रकार का ध्यान मात्र रखने से और कभी-कभी कुछ सोच देने से उचित शब्द के चयन का हम सम्पास बढ़ा सकते हैं और इससे अपनी अभिव्यञ्जना में शक्ति और हीरय का सकते हैं।

- १८. पय के १० लक्षण—अथाप अस्तेय इन्द्रियनिग्रह धामा दम वृत्ति बुद्धि बिद्या धृति धरय (मनु के अनुसार) ।
- १९. मन्थिर—आयतन अत्रक पीर, टानुरडास्य व्यभुरडाकी देवगृह देवधान देवधरिद, देवत देवस्थान देवामय पान देहय प्राणाध, ब्रह्मस्थान पूर्ण मन्दिन विष्णुदरक, विष्णुदरक विष्णुधावास विवालय विवासा सतिवङ्ग सुरभवन सुरधलय स्थान ।
- २०. परिष्कमा—पुमाई, बरकर बक फेटी भाबर ।
- २१. परिष्कमा करना—बरकर काटना परबदा देना फेटी देना भाबर डाकना भाबर फेरना ।
- २२. कृति—आहार, आरुति प्रतिमा प्रतिपुति प्रतिविध प्रतिरूप पुन मूरत मूर्ति विग्रह मूर्ति ।
- २३. मूर्ति स्थापना—प्रतिष्ठा प्रतिष्ठात प्रतिष्ठातना स्थापना ।
- २४. कृतिपुत्रा—प्रतिष्ठापुत्रन प्रतिष्ठापुत्रा कागण्ठी गणुन पुत्रा ।
- २५. कृतिपुत्रक—कृतिपुत्रा पुत्रापी ।
- २६. पुत्रा—अपत्ता माहना अगपना अर्धन अपना अपी, अपी अर्धन अगपन अगुपी अगपन आरु अगपन अगुपी अगपना दशान ईशना उगपना कश्चित् पीरिषेन पुत्रन कश्चित्ना अत्ता कृष्णा लेचना देना ।
- २७. पुत्रा करना—अपने देना अर्धन करना अर्धता करना अगपना करना इहना करना, कृतिपुत्र करना कृति

- लेचना पुत्रिया करना पुत्रन करना, पुत्रना सेचना ।
- २८. पुत्रा हुमा—अचित् भापचित् इचित् पुत्रित् वदित् ।
- २९. पुत्रय—अर्धनीय आरुध्म आरुधीय इगय इम्भ उपासनीय उपास्य परधपुत्रय परमेध्म पुत्रनीय पुत्राई पुत्र्य माननीय मास्य अर्धनीय सम्माननीय सम्मान्य ।
- ३०. पुत्रा के सामान—असाठ पुत्र अर्धन नैवेद्य फूठ पन पुप दीप रोली ।
- ३१. असाठ—अच्छठ ।
- ३२. होरता (बहन राकने का) करना करना पीना पीटी होरिता ।
- ३३. पुप—अभियापी वसाप ।
- ३४. पुपवती—अगरवती मुर्धनवतिना ।
- ३५. भारती—धीर धीया कुपवती नीरांजन नीरांजन नीरांजना ।
- ३६. भारती उतारना—भाटी करना, धीर बन करना नीरांजन करना नीरांजन करना नीरांजना करना विनर्जन करना ।
- ३७. पुत्रापी—अवतपक अवतपी, अर्धक आरुधक उगमक उगपी, पुत्रक ।
- ३८. गुणितन—अ ध्याय पाद, धनन रपसे ।
- ३९. गुणितना—(देवर के नाम आदि) आना ध्याय करना ध्याना नाम लेना, नाम रपसेना नामा अरना अरन करना नामा लेना पाद करना गुणितना गुणितन करना पीरना ध्ययन करना रकरना ।
- ४०. गुणितपी—अवतला तनपीर

- मनका मनिया माका श्यास स्मरणी ।
 ४१ सुमिरनी का बाबा—सुरिया मनका
 मनिया श्यास सुमेह ।
 ४२ कठी—कंठी कंठका कंठुका
 मनिया माका ।
 ४३ कीर्तन—कीर्तिस्वदन कीर्तियाग
 मुन-कवन मुन-कीर्तन मुन-स्वदन
 पूगानुवाद, मजन स्तव स्तुति स्तवन
 स्तुतिवाद ।
 ४४ कीर्तन करना—ऊपर के छप्पों
 में करना वादि जोड़कर इसके पर्याय
 बनावे वा सफ़्टे हैं ।
 ४५ क. मजनीक—कीर्तनिया मजनिहाँ
 मजनी ।
 ४६ स्तुति—अभ्यर्चना अस्तुति ईच्छित
 इच्छा नृति पद्यायित प्रार्थना प्रस्तुति
 प्रार्थना बनिवत एस्त स्तव स्तोत्र ।
 बिलोप—दे 'निवा' 'माठी' ।
 ४६ स्तुति करना—ऊपर के छप्पों में
 'करना' जोड़कर पर्याय बनावे वा सफ़्टे हैं ।
 ४७ मनीसी—मदत मानता मान-
 मनीसी मिदत ।
 ४८ जप—जपन जाप नामस्मरण
 मजन मंत्र-स्मरण मन्त्रोच्चारण मंत्रो-
 डरण । तीन प्रकार के जप बाबिक
 जपानु, मानस (उत्तरोत्तर सेठ) ।
 ४९ जपना—नाम लेना मजन करना ।
 'जप' के पर्यायों में 'करना' लगाकर और
 भी पर्याय बनावे वा सफ़्टे हैं ।
 ५० जपक—जपनेवाला जप, जारी
 मजनीक ।
 ५१ जपनाला—जपनी जाप ।
 बिलोप—दे 'सुमिरनी' ।

- ५२ जल—उपबास उपास ।
 ५३ जल रहता—उपबास करला निरुहार
 रहता मुबना बरत रहता वर्ती रहता ।
 ५४ तीर्थ—तीर्थ तीर्थस्थल तीर्थस्वान
 देवनाम देवस्वान नाम पुष्पस्वक
 पवित्र स्वान ।
 बिलोप—दे० 'प्रयाग' तथा उसके बास
 पास की सामग्री । तीर्थ रूप पवित्र नदियों
 के लिए दे 'गंगा' तथा उसके बासपास
 की सामग्री ।
 ५५ तीर्थ करना—तीर्थटिन करना नाम
 बागा तीर्थयात्रा करना ।
 ५६ ४ बाग—जपभाबपुरी द्वारिकापुरी
 बरिकापम रामेस्वरम् ।
 ५७ ७ मोनवायक तीर्थ—अयोध्या
 बबनिका काशी काशी जपभाबपुरी
 द्वारिकापुरी मधुप ।
 बिलोप—सप्तपुर में भी ये ही स्थल हैं ।
 केवल जपभाबपुरी के स्थान पर हज्जार
 का नाम मिलता है । पर्याय के लिए,
 देखिए 'प्रयाग' 'अयोध्या' 'मधुप'
 'काशी' 'जपभाबपुरी' 'द्वारिका' ।
 ५८ शिबुओं के कुछ प्रसिद्ध तीर्थ—
 अयोध्या काशी केदारनाथ कैलाश
 यमोत्री पंजासागर, तथा चित्रकूट,
 बन्नीषी जपभाबपुरी द्वारिका पशुपति
 नाब पुष्कर, प्रयाग बहीनाप बन्दाबन
 मधुप बिष्वाचक शिबु-बाप-रामेस्वर
 हरिद्वार ।
 ५९ बाग—तीरात बिदुमी पकाज
 बाग-मुष्प सिडा ।
 बिलोप—इस सम्बन्ध में बिलोप के लिए
 दे प १ ५ ।

१ त्योहार—तिहुमार, पर्व ।
 विशेष—३ विशेष के किये 'होनी' तथा 'दिवाली' आदि के आसपास की सामग्री ।

११ त्योहार के दिन दिया जाले वाला दान आदि—त्योहारो तिहुमारो ।

१२ तपस्या—मनुष्ठान तप तपनी तपस्वर्या ध्यानापासना योग श्रीपासन योगान्यास योगसाधन साधना हठयोग ।

१३ तपस्वा करना—तप करना तप साधना योग साधना साधना करना ।

१४ तप करने वाला—अती लौगी तपसी तपस्वी तापस तापसी परिक्रम्यो मुनि मती योगान्यासी योगी सम्भासी साधक, साधु, साधु सिद्ध ।

१५ तपोवन—तपभूमि तपस्वक तपस्वसी तपान्नम तपोभूमि साधनास्नान ।

१६ संन्यास—अपुर्ण्यम भोज त्याग कभीरो परिश्रम बीरव मतिमर्भ योग वैराग्य साधना ।

१७ संन्यास लेना—'संन्यास' के पर्यायों में लेना नारण करना ग्रहण करना आदि समाकर, 'संन्यास लेना' के पर्याय बनाने वा सन्दे है ।

१८ संन्यासी—दे १४ क ११ ।

१९ भक्त—उपासक भगत भयवहीन ।
 विशेष—३ 'भूतिपूजक' 'पूजापी' 'संन्यासी' ।

७ भक्ति—भारतिका उपासिका देवदासी पूजारीन भयवही भयवित्त भक्तिया सजुनी सजुबादन । दे क १११ ।

७१ भक्ति—भक्त्याई भक्तिमात्र भक्ती

भवति भगती भावभक्ति ।
 विशेष—३ 'पूजा' ।

७२ भक्ति करना—'भक्ति' के पर्यायों में 'करना' जोड़िए ।

विशेष—३ 'पूजा करना' ।

७३ भवधानक्ति—अर्धन आत्मनिवेदन कीर्तन वात्म पादसेवा बंदन यवन सख्य स्मरण [भागवत के अनुसार] ।

७३ क. भक्ति के ११ भेद [नारद भक्तिसूत्र के अनुसार । नारद ने इन्हें आसक्तिर्षा कहा है] आत्मनिवेदनासक्ति कर्तासक्ति मुक्तमहात्मासक्ति ठमपासक्ति सास्यासक्ति परमकिरहासक्ति पूजासक्ति रूपासक्ति वासस्यासक्ति लब्धासक्ति स्मरणासक्ति ।

७४ ब्रह्मज्ञान—ज्ञान तत्त्वज्ञान ।

७५ ब्रह्मज्ञानी—आत्मज्ञ वात्मज्ञानी ज्ञानी तत्र तत्त्वज्ञ तत्त्वज्ञानी तत्त्वदर्शि, तत्त्वविद्, तत्त्ववेत्ता ।

७६ कथा—आख्यान कथाकारो कहानी गाथा पुराण बात ममकत्-कथा कृतान्त ।

७७ कथा बोलना—कथा कहना ।

७८ कथा बोलने वाला—कथावाचक, पंडित पीठपठिक रामायणी कथा व्याप्त ।

७९ कथं—अध्यक्ष कुकपति पीठापीठ मठाधीश संहत ।

८ कठ—महाका पीठ जमलत जमायत मठिया मठी मही ।

८१ कठ—कण्ठ, कठिण, अस्वस्थ, अहुत आह्व आहुत इत्या अप्य देकपुत्रा इष्टि, कठ क्तु, किष्टि नम नमर् पम्, पशुमत्र प्राजापत्य मन्त्र मन्वु, मेव

- याम मय्य यजति यज्ञक युपभज्य वर्हा
वाज विधान सप्ततनु, सब हरिकर्म ।
- ८१ मज्ज करणा—आहुति करना हवन
करना। 'यज्ञ' के पर्यायों में 'करणा' जोड़कर
भी भी शब्द बनाये जा सकते हैं ।
- ८२ कुष्ठ प्रदान यज्ञ—अरुमेधयज्ञ चामु
र्मास्ययज्ञ नरमेधयज्ञ पिडपितृयज्ञ पुत्रेष्टि
यज्ञ राजसूययज्ञ वाजपेययज्ञ सर्वमेधयज्ञ
सोमयज्ञ ।
- ८४ पंचमहायज्ञ—अग्निहोत्र आतिथ्य
पितृपण अग्निर्वैश्व स्वाध्याय ।
- ८५ यज्ञ के ४ श्रुतिक्रम—अध्वर्यु, उद्गाता
ब्रह्मा होता ।
- ८६ यज्ञकर्ता—याज्ञक याज्ञिक ।
- ८७ यज्ञमाल—श्रुतिक्रम यज्ञमान यज्ञपति
याज्ञक, याज्ञिक ।
- ८८ पुरोहित—पंडा पाषा पुरोधा पीषा
पौरोहित प्रौहित सस्मावान ।
- ८९ यज्ञमंडप—चैत्यघाम अय्यमंडप
यज्ञघाषा यजनापठन यज्ञसोत्र यज्ञ
स्वामी यज्ञभूमि यज्ञघाटा यज्ञस्वयं
यज्ञस्थान वेदी ।
- ९ हरि—अग्नि स्मृतीक हविष्य ।
- ११ हवनीय—हविष्य ।
- १२ मंत्र—श्रुचा गायत्रीमंत्र संतर,
वेदमंत्र षोडश स्तोत्र ।
- १३ वाद्यत्री—ब्रह्मवीज ब्राह्मी देवमाता
धारस्वत्री सावित्री ।
- १४ स्तव—श्रुचा नव प्रार्थना, स्तवक,
स्तवक स्तुति स्तोत्र स्तोम ।
- १५ स्तुतिपाठक—प्रसक्तक स्तुतिज्ञ
स्तवक, स्तुतिपाठक स्तुतिपाठक स्तुति
ष्ठ स्तुवठ स्तोठा स्तोत्रगायक ।

- १६ वैश्वन्ति—ब्रह्मघोष ।
- १७ सत्कार—कृत्य सुबाट, परिष्कार,
पुष्टि ।
- १८ १६ सत्कार—गर्भधान पुंसकन
सौमंत पाठकर्म नामकरण निष्क्रमण
अभप्राप्तन चूड़ाकरण कर्णवेध उपनयन
वेदारंम समावर्तन विवाह, गृहस्वायम
वानप्रस्थाभ्रम संन्यासाभ्रम ।
- १९ आभ्रम—अवस्था ।
- १ ४ आभ्रम—ब्रह्मचर्यं गार्हस्थ्य
वानप्रस्थ संन्यास ।
- १ १ ब्रह्मचारी—प्रथमायमी बटु, बटी
यमी चर्मी वेदपाठी संयमी ।
- १ २ ब्रह्मचारी का बंध—बंध राम्भ
वीण्य वीमुखंड ।
- १ ३ ब्रह्मचारी का पात्र—कर्मंडल
कर्मंडली कर्मंडलु, कुडी पंचपात्र
पंचपातर ।
- १ ४ कौरील—कला कष्ठा कठनी
कष्ठी काळा कोपिड कौरीड चीट,
बटी भगई भगवा छेपोट, छेगोटी ।
- १ ५ पेंठी—कुष्ठमुत्रिका कुष्ठपेंठी पवित्री
पावित्री ।
- १०६ यज्ञोचवीत—उपनयन उपवीत
अनेक, अनेक निवीत प्राचीनावीत
अतर्षय यज्ञमूत्र ।
- १ ७ आसन—मासुरी आसनी
पीठिका ।
- १ ८ गृहस्थ—गृहस्थी गृहपति गृह
मेधी गृहनाय गृहस्थी गृहपिप गृह-
यनिक गृही गृही अवेष्टाभमी छत्री
स्नातक ।
- १ ९ बान्धवस्थी—वीधानस वीधानस ।

११० संघासौ—बर्मेसी अनुसंधिमी
 पत्नी प्रोमी तपसासी तपसी तपस्वी
 तपा तपाबंध तपी तपापत्र तपापत्र
 तापसी तपासी परिहासक परिहास
 तापसासी तपीर तिरागी तैरागी
 तिता, मस्त्री मुनि यति यती
 योवासा योगाभ्यासी योमितार योमी
 योमीपत्र योमीर योमीर योयत्र
 योयत्रम तिरागी तीतयनी संत साम्,
 साम्, सिद्ध ।

३३३—(मुस्लिम) औकिया पीर,
 छेड यही ।

१११ संघासिनी—रतिनी धोमन
 धोमिन धोमिनी तपसासिनी तपसिनी
 तपसिकनी तपिनी तपसी ३३३रिनी
 ३३३रिन तैरागी तपुनी समुभासन
 धातुनी ।

विज्ञेय—बर्ष के लिए देखिए 'बर्ष' तथा
 जाति के लिए 'जाति' ।

११२ ईश्वर—बंतक बंतरबानी बंत-
 रज बंतरपुत्र्य बंतज्योति बंतरामी
 बकरय बकती बकर्तुक बकक बकाय
 बकारय बकाय बकाकमूर्ति बकृष्ट
 बसय बसाद, बसीम बनाय बनुय
 बनीपद, बचित्पारमा बभ्युठ बभ्युठा
 नर बर बरन बरयय बबर, बरुय
 बपीठ बपुय बडैठ बकिष्ठाठा
 बध्यास्मा बरंगी बरंत बनाधि,
 बनीह बधाय बभूर्त बभूर्तिनर्त बभूर्ति
 बभूर्तिमान बबोनि बबोनिब बरुय
 बर्कमयन बर्त्य बर्ह बरुय बरुय
 बभ्युठ बभ्युपदेस्य बभ्यय बरुयबानी
 बाबनबानी बात्पम् बात्पमभुम्भ

भादि भादिपुत्र इतर, ईत इतर-
 स्त्रोक्त करता करीम करन रती,
 कर्तार, कर्तु नामर, कासतंर कृत्य,
 कृतवर्मा केराव भांतरतीं छयन, बुद्ध,
 मुदाबंध मुसाठीठ मुये-बर, मोती,
 अनुपारमा अनुसंधि अनुसंध, अनुसंधि,
 अनुसंधे अनुसंधेन तिरासधि किस्त्र,
 बितन पैठय्य बयबुपिता बयबुयु,
 जगधरि जगधायर, जयवर्नर जयवीर,
 जयवीरवर, जगत्तुष्ट, बबर्भयंति बर-
 भाय बरभ्रिबंधता बयभ्रिबाध बर-
 नाय जगत जमाबिनाय ब्युठ, बभुए,
 डाकोर, तत् तरक तरकविद् इत्यारै,
 तत्पुत्र्य तपोमय तपोभृति तपोरुय,
 तपीयय त्रिपाद त्रिभुवननाथ त्रिलोकी-
 नाथ त्रिलोकेय त्रिभक्तिभृत् त्रिषाय,
 त्रिशीतर्ष त्रिस्वान ब्यंगट इइर, रई,
 दयानिधि दयामय इहरात्रस दीनवन्तु,
 दीनानाथ देवदूत देवेश देवेश्य नटी-
 त्तम निरंजन निरुकार, निर्गुन विधि-
 शैव पति पठित-उच्चारण पठित-
 पाथन परधाम परब्रह्म परच्छत्र, पर-
 मिता परमपुत्र्य परमब्रह्म परमईठ
 परमारना परमेष्ठ परमेष्ठवर, परवर
 त्रिपाद, पचात्पद, परात्मा परैठ
 पुस्पोत्तम पुनीर्ष प्रबब प्रनु, इष्ट,
 इष्ट भयबंध धगधठ भमबालु, भयवर्न,
 भभ्यु, भवर्भयन भामनी भूतात्मा,
 भूतापि भूतावन भूतेश भूमा भयर्भ-
 क्य महापुत्र्य महामभु, महेष्ट यहेष्टवर,
 महेष्ट मायापति मायावी भाक्ति,
 बावन रव रमीमा रहीम राम कर्क,
 बासु, बिभु, बिपटपुत्र्य विस्वभर, विस्व-

कर्त्ता विद्वत्कर्म्म विद्वत्काष्ठ विद्वत्
 कृत विद्वत्कलु, विद्वत्बीज विद्वत्बाम
 विद्वत्पति विद्वत्पा विद्वत्पाल विद्वत्-
 मर्त्ता विद्वत्मात्र विद्वत्मात्रन विद्वत्
 मूत्र विद्वत्पत्र विद्वत्विद् विद्वत्भ्यापी
 विद्वत्संभव विद्वत्साक्षी विद्वत्पु
 विद्वत्पात्र विद्वत्पातीठ विद्वत्पापट, विद्वत्पा-
 पित विद्वत्स्वट, विद्वत्सेट, व्यापक
 पंकर, सर्वं धिक् क्षुभ्य सेप लीपति
 सन्निधानंद सत्यमुख्य सधानव सर्वज्ञ
 सर्वस्वट, सर्वरिया सर्वै, सर्वै, सारंग
 साहब सिरजनहार, सुभाज सृष्टिकर्त्ता
 स्वयन्-श्रोति स्वरात् स्वर्न स्वामी ईश।

११३ ईश्वर के दो रूप—निर्गुण समुच्च।

११४ निर्गुण—सर्वेह निरंकार, निरकार,
 निरवेह।

११५ समुच्च—सर्वेह सरसुज साकार।

११६ स्वर्ग्यम्—अकारण बहुल अजन
 अजन्य अजन्मा अजीविज कृतकर्म्मा।

११७ ईश्वरत्व—बुद्धाई, ठडुदाई, प्रमु-
 दाई, परब्रह्मत्व ब्रह्मत्व मलिकार्ड,
 रामुज।

११८ ईश्वरवादी—आस्तिक, ईश्वर
 सत्तावादी।

११९. निरीश्वरवादी—अनीश्वरवादी
 आर्वाक नास्तिक।

१२ ईश्वरवादिता—आस्तिकता।

१२१ निरीश्वर वादिता—अनिश्वर
 वादिता आर्वाकमत नास्तिकता।

१२२ विदेव—वेवजन [तीन देव ब्रह्मा
 विष्णु, महेश है।]

१२३ ब्रह्मा—अंगति अंडज अंडुज
 अंडुजासन अ अणजन्मा अण्य अज

अदिति अम्बयोनि अरविष्मोनि आत्मन्
 आत्मसमुद्भव त ओ कंज क कमरुज
 कमसमव कमसम् कमसासन कमी
 कमसोद्भव कर्त्तरि, कश्चि कुप्तकेतु, सं
 गिरेष चतुरनीक चतुरानन चतुर्बन्ध
 चित्तामनि अण्डयोनि अण्डादि अण-
 डाता अण्यु, अलजासन अणि तत्व
 ऐनोक्ष्य देवदव ब्रह्म ब्रह्मिण वा
 बाता विपल मन्मोक्ष, मन्मोक्ष
 नामिजन्न निजत निष्कस पंकजासन
 पधमं पधज पधपाणि पधम्, पध
 योनि पध-काञ्चन पधाम्म पधासन
 पद्मोद्भव पर, परमतल परमेष्ठ
 परमेष्ठी परम्, परेश पितामह पितृ
 पित्रु, पुत्रजय पूर्व प्रजाकार प्रजाधिप
 प्रजाताज प्रजापति प्रपितामह प्राण
 बहुक्ष्य बहुदेवस विज विजना विरंजि
 ब्रह्मा ब्रह्मज भाववृत् मीपण मूर्ति,
 म रजोमूर्ति लोकपितामह लोकनाम
 लोक्य लोकपति लोकपाल लोकेश वसु
 नीठ वागीश वागीश्वर, विप विषाटा
 विजि विष्णु, विष्णु, विमलापति विरंज
 विरंजि विरिचन विस्वजात्मा विरव
 कर्म्मा विरवकाश विरवग विस्वयोनि
 विस्वमूत्र विस्वसुद् विस्वायन वेवा
 घतागव, घस संज संजय संख्यासन
 सतपथ सरयक सदानव सनासन
 सरोजी सहस्रात्मा सात्विक सामयोनि
 सुभाषपी सुभामबा सुरजेटी सुरज्येष्ठ
 सुरसतजनक मुद्राप्यस सृष्टिकर्त्ता
 स्वधिर, सप्टा स्वभावपम स्वम्
 स्वर्ग्यम्, स्वराट् ईश्वर्य ईशवाहन
 ईशास्त्र ईशाकडा हिरण्यमं ईमाय।

११० संन्यासी—कर्मन्दी अनुर्पाययी
 वती जोषी उपसाली उपसी उपस्वी
 उपा उपसर्त उपी उपोयन उपसत
 उपासी त्यामी परिव्राजक, परिव्राट्,
 पापघटी छत्री, विद्यायी वीरपी
 शिष्ट, मस्करी मुनि मति मती
 मोक्षाला योषाम्मावी योषिपत्र वसो
 मोषीरुच मोषीरु मोषीष योषइ
 वाचनन विद्यावी वीतरामी संत सान्,
 सान् शिड ।

छत्री—(मुक्तिम) श्रीकिया पीर,
 सेव वधी ।

१११ संन्यास्त्रिणी—प्रतिनी प्रोभान
 प्रीपिन प्रीकिणी उपसाक्षिणी उपसिनी
 उपसिक्की उपिनी सापसी छकिरिनी
 छत्रीरिण वीरगनी सधुनी सधुनाशन
 सधुनी ।

विलेख—वर्ण के छिए हे छिए 'वर्ण' तथा
 जाति के छिए 'जाति' ।

११२ ईश्वर—अंतक अंतरवामी अंत
 एव अतरुण्य अंतर्ध्याति अंतर्दमी
 अकरन अकटी अकर्क अकक अकार
 अकारन अकारन अकासमूर्ति अकृत
 अक्षन अक्षर, अक्षीम अगाम अनुन
 अयोधर, अविद्यात्मा अभ्युत अभ्युता
 नंद, अर अरन अराम अरर, अक्षैव
 असीत अभ्युत अक्षैव अविच्छेता
 अघ्यात्मा अतवी अंतत अनादि,
 अनोह, अमान अमूर्त अपूर्तिगर्भ अनूति
 अमूर्तिमान अयोनि अयोनिन अक्षर
 अक्षननन अर्थ अह, अक्षर अक्षर
 अक्षरत अभ्यपदेश्य, अक्षर्य आगमकारी
 आपमकारी आत्मन् आत्मअनुभव

आदि आदिपुरुष इतर, ईश स्वत-
 स्मोक करता कटीन कर्म वर्य,
 कर्तार कर्तु कानन वाक्यर इतर,
 इत्यकर्मा वीरव कर्तवर्ती वेणव वृष्ट
 सुखाबंध गुणतीत सुखेस्वर, वीर्य
 अनुत्तमा अनुर्पति अनुर्पट, अनुर्पति
 अनुर्पेव, अनुर्शीन चित्तमनि किन्नर,
 चेतन चेतन्य धमदुक्ति धमकेटु,
 धगवादि, धमदापर, धमवानेव धमकीन
 धगदीस्वर, धमदुभव धमदुनि धम-
 प्राय धमधर्मता धमप्रियात धर
 नाच, धनन धनाधितान अ्येठ, धनु,
 डाकोर, धर, धाव धावकिन् धरवर्त
 धरुष्य धपोमय धपोमूर्ति धरोर्येव
 धमीधय धिपाव धिभुवननाथ धिकोरी
 नाथ धिकोकेष धिधकिन्धुष्ट, धिधम,
 धिधोपर्व धिस्वान म्ययट, धव ध
 ध्यामिधि ध्यामय दहृताकाश दीनरुष्ट
 दीनलगाव देवकुट देवेष्ट देवतन धो-
 तन निरंजन निराकार, निर्गुण निरि-
 क्षेव पति पतिष्ठ-अभारत पतिष्ठ-
 पावन परधाम परब्रह्म परात्म परम-
 पिता परमपुरुष परमब्रह्म परमईष्ट,
 परमात्मा परमेष्ठ परमस्वर, परवत्
 धिताट, धरात्मा, धरात्मा वीर,
 पुष्पोत्तम पुर्गनिव, प्रथम प्रभु, प्रभु,
 ब्रह्म, मगर्भत मगर्भत अगवान्, मगवान्,
 धम्भु, मगर्भवन मामनी मूर्ततन,
 मूर्ताधि मूर्तामन मूर्तेष्ट मूमा मंगल-
 क्क मङ्गलपुत्र महाप्रभु महेष्ट महेस्वर,
 महेष्ट मायापति मायावी याकिन्,
 नाचन रच रनीवा रहीम राम कावे,
 वाधु, विभु विद्यापुरुष विस्वयट, विस्व

कर्ता विद्वक्कर्मा विद्वक्काष्ठ विद्वक्-
कृष्ट विद्वक्चक्षु, विद्वक्जीव विद्वक्धाम
विद्वक्पति विद्वक्पा विद्वक्पाञ्च विद्वक्-
धर्ता विद्वक्मात्र विद्वक्मात्रन विद्वक्-
भुज विद्वक्प्राज विद्वक्विद् विद्वक्भ्यापी
विद्वक्संभव विद्वक्साक्षी विद्वक्सु
विद्वक्क विद्वक्काठीठ विद्वक्काष्ठ, विद्वक्-
क्षिप विद्वक्स्वर, विद्वक्सर, व्यापक
संकर, सर्व शिव सूर्य शेष भीपति
सम्बिधानंभ सरयपुत्र्य सखानभ, सर्वज्ञ
सर्वस्वर, सर्वरिया सर्वै, सर्वै, सार्य
साहज सिरजनहार, सुमान सृष्टिकर्ता
स्वयंभ्योति स्वराट् स्वर्ग स्वामी हंस ।

११३ ईश्वर के बी क्य—निर्गुण सगुण ।

११४ निर्गुण—यदेह निरंकार, निरकार,
निरवेह ।

११५ सगुण—यदेह सरगुण साकार ।

११६ स्वयम्—अकारन अकृत अजन
अजन्म अजन्मा अयोनित्र कृतकर्मा ।

११७ ईश्वरत्व—शुवाई, ठकुराई, प्रभु
ताई, परब्रह्मत्व ब्रह्मत्व मलिकार्ई,
रामगुण ।

११८ ईश्वरवादी—आस्तिक, ईश्वर
सत्तावादी ।

११९ निरीश्वरवादी—अनीश्वरवादी
आर्वाक नास्तिक ।

१२ ईश्वरवादिता—आस्तिकता ।

१२१ निरीश्वर वादिता—अनिश्वर
वादिता आर्वाकमत नास्तिकता ।

१२२ विदेह—वैजय [तीन देव ब्रह्मा
विष्णु, महेश है ।]

१२३ ब्रह्मा—अपति अंडज अंधुज
अंधुजासन अ अण्डजमा अण्ड्य अज

अदिति अश्रयोनि अरविष्मोनि आत्मभू
आत्मसमुद्भव उ ओ कष क कमलज
कमलमज कमलसु, कमलासन कमली
कमलोद्भव कर्तार, कवि कुण्ठेनु, सं
मिरेष चतुरलीक चतुरानन चतुर्भक्त
चितामधि जगद्योनि जमदादि जप
जाता जस्य जलजासन जूणि तरब
तेजोस्य देवदेव हुहण हुहिन वा
घाता धिपण लक्ष्मीदेह, महिनेश्व
नामिजग्म निधन निष्कल पंकजासन
पद्यार्थ पद्यज पद्यपाणि पद्यभू पद्य
योनि पद्य-अंकन पद्यालय पद्यासन
पद्मोद्भव पर, परमठल परमेष्ठ,
परमेष्ठी परायु, परेश पितामह पितु
पितु, पुराणग पूर्व प्रजाकार, प्रजाधिप
प्रजाताप प्रजापति प्रपितामह प्राण
बहुवच बहुरेठस विष विषना विरचि
ब्रह्मा ब्रह्मज भाववृत् भीषण भूरि,
म रजोमूर्ति लोकपितामह, लोकनाथ
लोकप लोकपति लोकपाल लोकेश वसु-
नीठ वागीश वापीदेव, विष विधाता
विधि विद्, विष्णु, विमलापति विरंच
विरचि विरचिन विरचभारमा विरच
कर्मा विरचकाक, विदवय विद्वयोनि
विद्वसुज विरचसुद् विरचायन वेधा
घतानभ, अक संभ संभय संध्यासम
सतथत सत्यक सवार्थ सनातन
सरोजी सहकारमा सारिक धामयोनि
मुवाभयी मुवाभवा सुरजटी सुरवेष्ठ
सुरसतजनक मुचम्पत सृष्टिकर्ता
स्वविर, घटा स्वभावरूप स्वभू
स्वयंभू स्वराट्, हंसरथ हंसबाहन
हंशाकड़ हंशाकड़ा हिरण्यवर्ष इमान ।

- १२४ ब्रह्मा कर्म—चतुरस्रतमी ब्राह्म ।
 १२५ स्तिरस्वता—अन्त देना अगमाग
 निर्माण करना निमित्त करना सृष्टि
 करना । दे 'ब्रमाग' ।
 बिलोम—दे 'संहारता' ।
 १२६ सृष्टि—रचना चिरञ्जन सुजन ।
 दे 'संहार' ।
 बिलोम—दे 'संहार' ।
 १२७. सृष्टि—निर्मांभित निर्मित
 प्राणित प्रणीत रचित विरचित चिर
 जित सृष्ट ।
 बिलोम—दे 'नष्टि' ।
 १२८ ब्रह्मा का ब्रह्म—कर्मकर्म गस्तु
 अक्षय पुस्तक मध्य मानसात्म्य
 मानसीकृत मुक्तमुक्त, सरकाक सित
 चक्र, सितपत्र ।
 १२९ ब्रह्मा का अस्तन—कर्मक । दे
 'कर्मक' ।
 १३ सरस्वती—(ब्रह्मा की पुत्री जीर
 स्त्री एव विज्ञान तथा ज्ञान की अविष्ठात्री
 देवी) । य इहा इय इहा ईवती
 कर्म विद्य गी गीर्षी की अयज्ञात्री
 नू देवभूती च पद्यभाङ्गा पावका
 पूल्काटी प्रजा वाक वाग्देवती वाग्देवती
 वाग्वा वागी ब्रह्मचार्यी ब्रह्मपुत्री
 ब्राह्मणी ब्राह्मी अयज्ञी अवीती भारती
 भाषा महास्वेता अक्षयिणी अर्धमातृका
 वाग्देवती वागीश वागीश वागीश्वरी
 वाग्देवता वाग्देवी वाग्वाहिनी वाग्वा
 वाग्मयी वागी वाहि, विद्यादेवी
 विद्ययानी विद्ययन् विद्यात्री विमला
 बीजापात्रि बीजापात्री बीजावती
 बीजावाहिनी धारवा पूल्का श्री संप्ते-

- अवी सत्या साख सारसुती सुरसंत
 सुरसती हंसवाहिनी हंसवाहिनी ।
 १३१ सरस्वती का ब्रह्म—हंस । दे
 'हंस' ।
 १३२ सरस्वती का अस्तन—कर्मक । दे
 'कर्मक' ।
 १३३ सरस्वती का वाग्वाग्—बीजा ।
 दे 'बीजा' ।
 १३४ विष्णु—अंगति अंतरीय अंतु
 आस अचित अक्षुत अज अमित
 अतिदेव अर्जुत अक्षोभय अमूर्ततप
 अरविजनयन अरविजनम अर्क आत्म-
 योनि ईश्वरय इन्द्रावरय सद्य उपेक्ष
 उपदेव कसाराति कर्मजनयन कर्मक-
 नाम कर्मसाकांत कर्मसापति कर्मकेश
 कांत कामी कारण कुबकी कुम्ह, कुमुद,
 कुस्तुज कुति कुप्न ईश, कष्ट केशव
 कर्मभित् कर्मभारि, कोक क्नु, शाय
 संकरय, सारति, सारती गदाधर, वरु
 यामी गङ्गाधर गमुद्गामन गवीश
 उवेश विरेस विरेस गृह गृह, गोपति
 गोपेश गोविंद गौरांन ग्रामणी अक्षर,
 अक्षारी अक्षयानि अक्षयत् अक्षयुष
 अक्षि अक्षी अतुयामा अतुयति अतु
 अक्ष अतुर्मुख अतुर्मुख अतुर्मुख अतुर्मुख
 अतुर्भाषि अतुस्सन अतु अिर्जीवी
 अभाति, अ अयवीस अगद्वाता अजन्
 योनि अयवाध अयविवाध अयमय
 अतार्कन अलाधय अक्षयन अक्षयानी
 अक्षयय अक्षु, अिग अिप्नु, बीज वेता
 अयोति अकोर, तपस्तति तपोहन ठारन
 ठिकीकपति ठीर्ककार, ठीर्माय, तुपित
 ठिकुद विद्यायन विद्यायन्

त्रिनाम त्रिनाम त्रियुग त्रिलोकनाथ
 त्रिलोकपति त्रिलोकीनाथ त्रैलोक्य भ्य
 त्रिपति त्र्यं दश दम दमन दानवादि,
 दामोदर, दारुण दारुणादि, दारुण त्रिभ
 स्पृष्ट कुण्डल्यं दुर्गम दुर्जं देवकीनंदन
 देवदेव देवभृत् देवातिदेव देवेश देवेश्य
 दैत्यादि, दारुण त्रिजवाहन धनंजय धनेश
 धन्वी धर, धरणीधर, धराधर, धराधरल
 धर्मनाम धर्मी धाता धाम धियय
 धूर्त धूर्त धृतात्मा ध्वज धं दं दं दं दं
 दन्वन दन्वी दद, ददकांतक दारायण
 दिगमनिवासी दिग्गह, नियम दिवृत्तामा
 नैता म्यधेश पतत्रिकेठन पद्मनाम
 पद्ममास पद्माश्र पद्माधीश पद्मेधय
 पद्मी परशाम परपुरुष परम परमादित
 परमेस्वर, परमेष्ठी परत्पर परादि
 परिमोक्ष परेश पर्यय पवन पापनाशन
 पावन पीतांबर पुच्छटीकास पुष्पक
 पुष्पस्लोक पुनर्बंसु, पुनंदर, पुण्यपुरुष
 पुण्यतन पुत्रजित पुत्र्यपुरातन पुरपाद्य
 पुरपोत्तम पुरहृति पुष्कर, पुष्पहास
 पुरयिता पुरजित पूर्ण पृथु, पेशक
 प्रकाशन प्रगह, प्रजापद, प्रतर्जन फणि
 तल्पग वनमाली ब्रह्मदहन वक्रावृति
 वरिन्दय ब्रह्मिर्वसी बहुभृति बहुस्व
 बहुधिर, बहुभृत् बाहुवेशी विद्वच्छ ब्रह्म
 नाम ब्राह्मण भगवत् भववान् भग
 वान भयनाशन भव भर्ता भवप्राप
 भानु, भार, भीम भुवर्ग भूतपाल भूत
 भय्य भूतमाशन भूतभूत भूतवास
 भूतात्मा भूति भूधर, भूदि, भूधय भूषण
 भृशुरिणु, मधुनूदन मनुजायनिकंदन
 मनोरथ महेश्वर मार्क माधव मुकुन्द,

मुनीश मुनीश्वर, भुरमर्शन यज्ञपति
 यज्ञकल्प यज्ञकणु, यमभाता यज्ञधर, यज्ञ
 पुरुष यज्ञमोक्षता यज्ञमय यज्ञवराह यज्ञ
 बाहन यज्ञवीर्य यज्ञसाधन यज्ञसेन यज्ञ
 हृदय यज्ञांग यज्ञात्मा यज्ञेश्वर, यम
 याम्य योगनिद्रासु, योगपति रमप्रिय
 रनेश्वर, रत्ननाम रत्ननिधि रत्नबाहु
 रत्नांगपाणि रत्नाकान्त रत्नाभाष रत्ना
 मरेश रत्नानिवास रत्नापति रत्नारमण
 रत्नेश रत्नेश्वर, रत्नधी रत्निलोकन राज
 स्वामी लक्ष्मीपति लक्ष्मीवल्लभ लक्ष्मीश
 लक्ष्मीधर, लक्ष्मिनाथ लक्ष्मिनिवास
 लक्ष्मापणं बंध वनमाली वरांग वराह
 वसु, वसुध, वसुधाधार, वाकपति वाजि
 राज वामन वारिण वासु, वासुधेश
 विक्रम विष्णु, विष्णु विरज विरोक
 विद्याकाय विभूतात्मा विदर्भधर,
 विरव विरवक्राय विस्वतनु, विस्वतुष्ट
 विरवधर, विरवनाम विरवप्रबोध विरव-
 बाहु विरवमूर्ति विरवस्वय विरववृषा
 विरवहेतु, विरवात्मा विरवावसु, विरवेश
 विरवक्षेम विरटरभयस् वीरवश्रेयधर,
 वीरबाहु वीरहा वेशा वीकुष्ठ व्यास
 वंकर्यं वंशमूत वंशी वंशधर वंश
 पाणि वृत्तानन्द वृंगी विद्याधी धूर,
 धेपपायी धीरी श्रीकांत श्रीधर,
 धीनिवास धीपति धीरंग धीरमण
 धीवत्स धीवत्सकांछन धीवाचक धीश
 पदंगजित् संपत्कुमार, सद्येश्वर, सक्रपति
 सत्यवाम सदातन सदानन्द, सदापोयी
 सनातन सप्तधीर्य सभित्तिय लकीहन
 सर्व सहस्रचरण सहस्रचिन् सहस्रचिन्
 सहस्रदृष्ट सहस्रनयन सहस्रनाया सहस्र

१२४ ब्रह्मा का—चतुष्पदी ब्राह्म ।

१२५ सिरजना—बन्म देना बन्माणा निर्माण करना निर्मित करना सृष्टि करना । दे 'बनाणा' ।

बिलोम—दे 'सहारणा' ।

१२६ सृष्टि—रचना सिरजन सृजन । दे० 'संसार' ।

बिलोम—दे 'संहार' ।

१२७. सृष्टि—निर्मापित निर्मित प्रापित प्रणीत रचित विरचित सिर चित सृष्ट ।

बिलोम—दे 'नष्टित' ।

१२८ ब्रह्मा का ब्रह्म—कर्मकर्म गद्दु बर्णाय पुद्गर्षक मण्डक मानसात्मय मानवीकृत मुक्त्रमुक्त, सरकाक, सित च्छन्द सितपत्र ।

१२९. ब्रह्मा का भासन—कमस । दे 'कमस' ।

१३. सरस्वती—(ब्रह्मा की पुत्री और स्त्री एवं विज्ञान तथा ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी) । अ इडा इण इडा ईश्वरी कर्म विद्या गी पीरेंदी गो जयज्ञानी पू, देवमुही छ चणकाछना पावका भुत्कारी प्रजा बाक बायेस्वरी बायेसरी बाबा बानी ब्रह्मचारपी ब्रह्मपुत्री ब्राह्मणी ब्राह्मी भमकनी भयैनी मारुती भाया महादेवता बप्रणिनी बर्षेमानुका बास्ते-बरी बावीय बागीया, बावीरबरी बायेबना बायेरी बाभादिनी बाबा बा-मदी बापी बादि, विद्यादेवी विचित्रनी विचवपु विपारी विमला बीजागामि बीजागामी बीजाकनी बीजाबादिनी धारय, मुन्ना भी संघे

श्वरी सत्या सारय सारसुती सुरसंत, सुरसती हंसबाहनी हंसबाहिनी ।

१३१ सरस्वती का ब्रह्म—हंस । दे० 'हंस' ।

१३२ सरस्वती का भासन—कमस । दे० 'कमस' ।

१३३ सरस्वती का बाह्येयं—बीया । दे 'बीया' ।

१३४ बिष्णु—अनति अंबरीय अंबु बाह्य अहित अच्युत अज अनित अतिदेव अनंत अघोराज अमृततप अरविबदनपल अरविबनाम अर्क आत्म-योनि इक्षवरज इन्द्रावरज उग्र उपेद्र ऊर्ध्वदेव कंसाराति कमकनयम कमल-नाम कमलाकृत कमसापति कमलेश, कंत कानी कारण कुंडसी कुम्भ, कुमुद, कुस्तुम इति कृष्ण केच केसट केसब कंटमजित् कंटमारि, कौक क्नु, शार्म धंभपरसु, अघटि, अघरी गवाघर, नयङ्ग गामी मरुङ्गभज गमुङ्गायन गभीस उवेद्य गिरेद्य विरेस गुरु गुरु नोपति नोपत्र पोचिव यीशय ग्रामनी अक्यर, अक्यारी अक्यानि अक्यमृत, अक्यमुक्त, अकिर अकी चतुष्पत्ता चतुर्नति चतु बाहु चतुर्मुख चतुर्भुज चतुर्भुह, चतुर्होत्र, चतुष्पाणि चतुस्तन अज चिरजीवी अंभारि, अ जयवीर्य अगद्वाता अयद् योनि जयप्राब अजप्रिबास अजग्मय अजार्न अलासय अलसायन असपायी असेनय अहनु, जिन जिष्णु, जीव जेता ज्योति शकोर, तपस्वति तमोपन तात्त्र त्रिलोक्याति तीर्थकार तीर्थपात्र, तुपिन त्रिभुव विरचायन विरचाम्यय

१५९. विष्णु की पत्नर की पिढी—
 घालप्राम घालिकराम घालिप्राम
 घालिकराम घालिप्राम ।

१६. पदङ्—अमृताहरण उरगात् किरा
 तापी अनेस जगेस्वर विराद मुद्रमान
 ठरस्वी ठारय ठार्धं ठार्यं ठिञ्जपति
 ठिञ्जेश मममनाथ नमगेस नापांतक
 नागासन मीकच्छद पतंगेद्र पक्षिराज
 पतिंसिंह पप्रपारि, पद्मगासन परमेष्ठी
 पद्मिभुज मुजंयभुज मुजंयभोजी महा
 बीर, रक्तपद्य बयतुच्छ बिच्छहा विनता
 सुत विद्यासाज विष्णुरय विष्णुबाहन
 बिह्नराज बीनठेय व्याठ सूदन शास्त्र
 तिस्य घाल्मसी सिधानीक सिद्धीका
 सुबाहरम सुबाहुत सुपर्भं सुपर्षी
 सुपर्भतनय सुप्रेजित्, सुबर्भपद्य स्वर्ण
 काय स्वर्णपल स्वामी हरियाज हरि
 बाहन हेमांग ।

१६१ गण्ड के पुत्रों के नाम—बंड तुंडक
 बिभकेतु, बिभबड् बिबार, वंक्रजित्
 पद्मकेतन परिशीप बयविष्कभा ।

१६२ गण्ड का बड़ा भाई—अरण
 ठार्यं ।

१६३ लक्ष्मी—(विष्णु की स्त्री तथा धन
 की अपिष्ठात्री देवी) अंबुजासना अंबेजा
 अमिषा अमला इंदिरा उदधिगुला
 कमल्योनि कमला कमलाकया कुमारी
 धीरजा धीरमागरकभ्यवा धीराभिषठ
 नया धीरोरननया अंबला अरला असा
 अगमयी अगमना अलपितनया पद्म
 पूग पद्मा पद्मासनरथा पद्मासना
 पद्मालया पद्मावती पियला अला
 आर्यवी, जूति महाभावा महासप्ती

मा माता मातृ मामा योगजा योग
 संमृता रमा रामा सक्ष्मी सक्षि
 सक्ष्मी सक्षि सक्षिमी सक्षिमी
 लोकजननी लोकमाता लोका वर
 बर्णिनी विभूति विष्णुवल्लभा धक्ति
 घोमा धी भीमती समुद्रजा सम्पति
 सम्पदा सर्वमंगला सिद्धकन्या सिद्धजा
 सिरी सुरेस्वरी स्त्रीरत्न हरिप्रिया
 हरिवल्लभा ।

१६४ सक्ष्मी का बाहूत—उसूक । हे
 'उसूक' ।

१६५. महादेव—अतक अंतकरता अंत
 कर्ता अंतकारक अंतकारी अंपकरियु,
 अंबरीष अकुल अजिकेतु, अपीरनाथ
 अज अजातघनु अजिन अट्टहास अति
 शैव अनगारि, अपराशित अयुग्मनेत्र
 अर्षीस अर्षीगी अष्टमूर्ति अष्टमनेत्र
 अस्त्रिमासी अहिर्बुध्न्य आत्मयोगि
 आत्मसमुद्भव ईश ईशान ईश्वर, उद्य
 उद्यवन्वा उमाशय उमापति उस्कामुस
 ठ, उर्ध्वशक्तिगी उर्ध्वरेता ऋतुकर,
 अयमप्यत्र एकदृक एकपात ऐ, कंकाल-
 मामी कटपू कपर्षी कपालमृत् कपाली
 कपिल कलावर, कस्मापकंठ कबची
 कांत कापासिध कामजित्, काममाल
 कामरियु, कामारि कारण कालकंठक
 कालकंठ कालंबर, काकनाथ काजीनाथ
 किरातपति कुसेस्वर, कैलासनाथ
 कैलासपति हुंकर हृत्तिकाय हृत्तिबासा
 हुंयानुरैत हुंयानुरैता अगुर्ध्वी रात्रहा
 रंठपरानु रात्री रोचर, रंगापर, रनेस
 रंठमी रंभीर, यत्रारि गगनाय
 गगनायक यमपति गयाध्यत

नेत्र घृहमपाद, घृहसमूर्धा घृहसमीति
 घृहसमीर्षं घृहमानन सास्वत घारिषक
 घायन घायनर्म चिबुक्ष्य चिबुग्यन
 मुबजम, मुनांतु मुनपा मुमग्वा मुबन
 मुपर्णकेतु, मुप्रसाद मुब्रह्मस्य मुभ
 मुमामुन मुरनाम मुरपति मुरमूय मुर
 मीट, मुरराई, मुरसाई मुराजीव मुरा-
 रिष्म मुराण्डिता सुरेस सुरेस मुबर्भविन्दु,
 मुबर्भर्ष्य सुपेय सूर्यविष्म सूर्याभि
 सोमगर्भ सोमसिन्धु, स्वर्धवितु, स्वूल
 स्वः स्वन् स्वयन् स्वर्णविन्दु, स्वामी
 हुंस ह, ह्यपीव हटि, हरिय ह्रिदेव
 हरिपंकर, हिरण्यकेष हिरण्यपर्ष हिरण्य
 नाम हृपीकेष हेमान ।

१३५. पाकना—दे पाकना (जीव) ।

बिलोम—दे 'संहारना' ।

१३६. पाकन—निवाह, निर्वाह, परवरिष
 पाकन-पोषण पोषण भरण रसा ।

बिलोम—दे 'संहार' ।

१३७. पाकनीय—निर्वाह पोषणीय
 पोष्य भरणाय रक्षणाय ऋष ।

बिलोम—दे 'विनाशनीय' ।

१३८. विष्णु का धर्म—वाचस्पत्य ।

१३९. विष्णु की परा—कीमोक्षकी
 कीमोक्षी ।

१४. विष्णु का अक्ष—सुहर्षण ।

१४१. विष्णु की लक्ष्मण—नवक ।

१४२. विष्णु का अनुप—धार्म ।

१४३. विष्णु के हाथ का बन्ध—तीक्ष्ण ।

१४४. विष्णु के हाथ का एक नाम—
 पद्म ।

१४५. विष्णु के परिपद्—चंद्र भम
 विजय ।

१४६. विष्णु की स्त्री—सदमी । दे
 'सदमी' ।

१४७. विष्णु की मति—कौमुद ।

१४८. विष्णु की छाती का बिन्दु—मूषु
 रेता मूनुसता भीवत्स ।

१४९. विष्णु की माला—वीजंती वीजपंती ।

१५. विष्णु का बन्धन—नवक । दे
 'गठ' ।

१५१. विष्णु का घोड़ा—बसाहक वेवपुत्र
 रोष्य मुधीन ।

१५२. विष्णु का सारथी—द्वारक ।

१५३. विष्णु का मंत्री—उद्यम ।

१५३. क. विष्णु का छोटा भाई—गव ।

१५४. विष्णु के २४ अवतार—अपरा
 कपिल कल्कि कूर्म कृष्ण वत्सनेन
 वावतटि, परमारामन नारद नृसिंह,
 परशुराम पूषु, बलराम ब्रह्मा बुध मत्स्य
 मोहिनी यम राम रामन वाराह वेव-
 ष्यास हुंस ह्यपीव ।

१५५. विष्णु के प्रधान १ अवतार—
 कल्कि कूर्म कृष्ण नृसिंह परशुराम
 बुध मत्स्य राम रामन वाराह ।

१५६. अवतार केना—अवतरण करना
 अवतरना अवतरित होना अवरोहण
 करना अवरोहना अवतीर्ण होना
 आदिर्भाष होना उतरना उत्पन्न होना
 उपवना उन्मना नीचे जाना प्रकट होना
 प्रवृत्त ।

१५७. विलने अवतार लिमा हो—अव
 तरित अवतारो अजतीर्ण उतप
 जीवती ।

१५८. अवतार केने बोष्य—अवतरणीय,
 अवतीर्ण्य ।

१५९. विष्णु की पत्नर की पिंडी—
 धालधाम धालिक्राम धालिधाम
 धालिक्राम धालिधाम ।

१६० गवड़—अमृताहरण उरगाव किरा-
 टाही अयेस अगेरवर, किराद गुरुमान
 ठरसी ठारल ठार्क ठार्क द्विजपति
 द्विजेश मनगनाब मनगेश मापातक
 नागाधन नीलच्छत्र, पतंगेद्र पक्षिराज
 पक्षिसिंह पद्मपादि, पद्मपाधन परमेष्ठी
 फणिभुज भुजंगभुज भुजंगभोजी महा-
 बीर, रक्तपक्ष बग्यतुष्य बिलहा बिनता
 सुत बिसाकास विष्णुरथ विष्णुबाहन
 बिहगापत्र बैनतेय व्याक सूदन धात्म-
 किस्व धात्मली धिसानीक धिसीका
 पुबाहरण मुबाहृत सुपर्ण सुपर्णी
 सुपर्णतनय सुरेन्द्रविद्, सुवर्णपक्ष स्वर्ण
 काम स्वर्णपक्ष स्वामी हरियान हरि
 बाहन हेमांश ।

१६१ गवड़ के पुर्णों के नाम—बंद तुंडक
 बिभकेतु, बिभबहु बिभार, पंकजिद्
 पद्मकेतन पच्छीप बग्यविष्कमा ।

१६२ गवड़ का बड़ा भाई—अरुण
 ठार्क ।

१६३ कम्पी—(विष्णु की स्त्री तथा घन
 की अविष्ठात्री देवी) अंबुजासना अंबुजा
 अम्बिका अमला इंदिरा उदबिमुठा
 कमळ्योनि कमला कमलाक्या कुमारी
 शीरजा शीरसामरकम्पका शीराम्बित
 नया शीरोरतनया अंबला अपला अला
 अमगमयी अमगमाता असमितनया पद्म
 पूरा पद्मा पद्मासनस्था पद्मासना
 पद्माक्या पद्मावती पियला बला
 भार्यवी भूति महामाया महाकम्पी

मा माता मातृ माया मोयजा योग
 संमृता रमा रामा कम्पी कलि
 कम्पमी कण्ठि कण्ठिमी किन्ठमी
 लोकरजनी लोकरमाता लोका बर
 बर्णिनी बिभूति विष्णुवस्त्रमा धक्ति
 घोमा थी थीमठी समुद्रजा सम्पति
 सम्पदा सर्वमपला सिधुकन्या सिधुजा
 सिरी सुरेन्द्ररी स्त्रीरत्न हरिप्रिया
 हरिवस्त्रमा ।

१६४ कम्पी का बाहन—उसूक । दे
 'उसू' ।

१६५ महादेव—अंतक अंतकरता अंत
 कर्ता अंतकारक अंतकारी अंबकरिपु,
 अंबरीप अकृक अग्निदेतु, अचोरनाथ
 अज अजातशत्रु, अजिन अदृहास अति
 देव अलगारि, अपराजित अयुग्मनेत्र
 अर्भीष अर्वांगी अष्टमूर्ति असमनत्र
 अस्त्रिमाही अहिर्बुध्न्य आरमयोनि
 आत्मसमुद्भव ईश ईशान ईश्वर, उग्र
 उग्रपत्न्या उमावब उमापति उल्लामुख
 ऊ, सर्वव्यक्तिगी ऊर्ध्वरेता अतुकर,
 अथमप्यज एकवृक एकपात ऐ, कंकाक-
 माली कट्यु, कपर्दी कपालमूत् कपाली
 कपिल कलावर, कस्मापकंठ कवची
 कंठ कापालिक कामजिद् कामयाक
 कामरिपु, कामारि कारण कालकंठक
 कालकठ कार्जुनर, कामनाथ काशीनाथ
 किरातपति कुसेद्वर, कैलासनाथ
 कैलासपति कृकर, इतिबास इतिबासा
 इमानुरेत इमानुरेता अनुषंठी सुब्रह्मा
 पंडपरणु अली अंबेर, अंघापर अंघेस
 अंबली अंबीर, अजादि, अजनाथ
 अमनाथक अथपति अथाप्यज

गच्छन्त पृथिव्य गिरिक
 गिरिजापति गिरिष गिरिनाथ गिरिष
 गिरिन्त्र गिरीस गीतप्रिय गुडाकेस
 गुरु बुद्ध गोनर्ष गोपति गोपाति
 गोपीपति गोरुप ग्राम ३ चंद्रिकर्षट
 चंडोपति चंडीच चंद्रकलापट, चंद्रबुद्ध
 चंद्रवर चंद्रमाळ चंद्रनूपन चंद्रमाळ-
 काट, चंद्रमालकाम चंद्रमीनि चंद्रवेष
 चंद्रसहसर, चंद्राक्षिठ चंद्रापीड चंद्रार्ध
 बुद्धामणि चंद्रिल चतुर्बाहु चमूहूर,
 चरनेडी चर्मबसन चस चापी चौर
 चासा चेक्रिदान च पचत् पचद्बुद्ध,
 चमहीप चमद्वाठा चटाबीट, चटाटक
 चटाटीट, चटाचर, चटामारी चटामाली
 चगप्रिय चम्पाधिप चग्य चकमूर्ति
 चोनिच चोगिह, चोयेरवर, चोठिम
 च्योठिक्रिय क्षमारी टंकटीक ठ, न ठट,
 ठप्य ठमोष्ण ठस ठारकामय ठारकेस्वर,
 ठारधिप ठाचबीच ठाचपति ठास्मं
 ठाल ठालोक, ठाममभ्यु, ठीस्वठाप
 ठीच ठीर्बवेव ठीर तुग तुपीच तेजस्व
 तोरन तोरन विचसु, विचट विचटी
 विदुस् विचमी विचाम विनमन
 विनेन विपुरस्न विपुरबहन विपुरीठ
 विपुपति, विनीचन विभूमी चंबक
 म्यन लव्या रंड रडी हसन
 हराबाहु हारुप हृषन हिरकर, विर्षवर,
 हिम्बरन हुरापार, हुरीन हुर्मुच हुक्क
 हेबदेव हेबनाच हेवेच घनी चम्पी
 चरबीचर, चर्बेबाहन चर्बीचरस चर्बन
 चाता चारन च, चूर्षट चूमकेतन चूच
 चूर्षेति चंसा चरन चरि चरिकर,
 चरिच्य चर्दिचर्दन चर्दीपति चर्दीप

मंवीस्वर, नक्त नक्तचर, नयबाहन
 नटपत्र नम नमयोगि नमस्वळ नर,
 नर्तक नागबुद्ध नाद्यप्रिय नाम नामि
 निग्रह, निरयनर्ष निभनपति निपठ
 नियम निरजन निष्ठाकर, निष्ठाचर,
 निष्ठाचरपति निष्ठामय नीळकंठ
 नीलपीव नीलकोहित नृत्यप्रिय
 न्यग्रोम पंचमुख पंचबहन पंचानन
 पक्ष पक्षस्व पतिवेहन पद्मासन
 पर परम परमेस्वर परमेष्ठी परमेसर,
 परमेपुर, परागह, पवित्र पद्मनाभ
 पद्मपति पीडुचंबन पीडुल पीडुचंबन
 पासुक पाधिकर्म्म पाधिकर्म्म
 पाद, पादमुख पापनाशक पिगाळ
 पितामह पितृस्व पितृबनेचर, पिताली
 पुंयबकेतु, पुनर्बसु, पुरहित पुरमिह,
 पुरमबन पुरसासन पुरहून पुरावित
 पुरातक पुरान पुचरि, पुष्य पुम्भस्व
 पुळह, पुष्कर पुष्कळ पुषु, प्रकाशक
 प्रकाशकार, प्रभु, प्रबमाधिप प्रळ
 रंबन रंङ्गल बटाक बहुवर बहुस्व
 बहुळ बाणपति बाहुवाली बीजबाहन
 बीजाप्यल बहामुख बन्न बाहूप
 भगवत भगवान्, भयवान भगहारी
 भयाली भइ भद्रकपिळ भव भर्ग
 भव भवेच भामी मातभद्र
 मारुनेत्र माम्कोचन माळाक मात्कर,
 मिसुरूप भीम भीयन भीष्म
 भुवनेच भुवनेपी भुवनेस्वर, भूचर,
 भूतपारी भूतनाभ भूतपति भूतमर्ता
 भूतिमान्न भूतराज भूतबास
 भूतबाहन भूतविनायक भूताधिपति
 भूतिहृत भूतिभ भूतिबाहन भूनेच

धृतेद्वर, श्रुति, मृगीष मृगु मृरव
 धैरवेद्य भोरानाद्य भोक्तानाय
 धीतिक म भवनकथम मन्नादि, महान-
 काल महानट, महामृत्युञ्जय महास्त्र
 महाशक्ति महेश महेश्वर, महेश माधवी
 मुञ्जनाली मूढ मृत्युञ्जय यमाठक यमे
 श्वर, यपी याम्य युमाबिहृष्ट योगनाय
 योगनिष्ठ्य योगपति योगपारंग योग
 मूर्तिश्वर, योशक्ति योगी योगीनाय
 यापीष योपीद्वर, योमश्वर, रणस्वामी
 रणेद्य रसनायक रिपीक रीर, र्द्य
 र्द्यपति रैरिहाण रुक्माटास लोकेश्वर,
 रक्षक, रपक बरेष्य वसु, वसुप्रद
 वसुक्षय वसुरेता वसुदोषी वशिरेता
 वामदेव वामन वार, विद्यारासि विशेष
 विद्युत् विभु, विभूष्यु विर्यम विरचप्रम
 विरिच विरुपाल विद्यालास विद्व
 विस्वकारक विद्वबर्भ विद्वनाथ विद्व
 वंशु, विद्वमहेश्वर, विद्वलय विद्वहर्ता
 विद्ववारमा विश्वेश विश्वेश्वर, विपकंठ
 विपमनबन विपमनेत्र विपमास विप
 येसग विपाठक विप्यकसेन विस्तर,
 विस्तार, बीजबाह्य बीजहस्त बीर,
 बीरेद्य बीरेद्वर, वृपदेसग वृपकेतु,
 वृषभञ्ज वृषमपेत्तु, वृषमांक वृषभञ्ज
 वृषलाघ्न वृषवामी वृषस्कंध वृषांक
 वृषांचन वृषाकपि वृषाचक वृषायय
 वेवा व्यामकेद्य व्याघ्रवक्त्रा वंकर,
 वंकरय वंशु, वंशु वंशु व वंशुप्रह, वंशु
 वशिष्ठर, वशिष्ठमास वशिष्ठमूषण वशि
 वेश्वर, वशिष्ठी वितिबंठ गिरिरेष्वर
 गिरिक गिब गिबकर, गिबनाथ गूस्-
 घाटी गूळपाणि गूळहस्त गूळि गूळी

श्रुवी-शेषधर, शोभन समसागपति
 श्रीकंठ श्रीवास श्रीवासक पंड पांड
 श्रव शंजय श्रध्यानाटी शंयत श्वत्सर,
 शंसारसारथि श सकलाधार, शदानव
 समकर्ण समन्तु, सम्य सर्व सर्वनाम
 सर्वय सर्वश सर्वेशमुख सारंग
 सावित्र सितिकंठ, सिद्धदेव सिद्धनाथ
 सिद्धमोषी सिद्धसेवित सिद्धीश्वर,
 सिद्धेश्वर, सुन्दरेश्वर, सुब्रह्म सुतनु,
 सुबर्धन सुनिधि सुप्रठक सुप्रसाव
 सुबस सुबीज सुबह्यारय सुमय सुमुख
 सुरसनुहन सुरधेय सुराध्यक्ष
 सुरारिहन सुरासुरसुत सुख्य सुरेश
 सुरेश्वर, सुरैद्य सुबभु, सुबभंदेता सुक-
 र्थास सुरारण्य सुसशेष सुसरण
 सुसह सुसम सुठमाराम सुव्यंघ्नञ
 समारुप स्कंभ स्कवदुर् स्कंभविद्यास
 स्वानु, स्वित, स्मरधनु, स्मरहृद, स्मरारि,
 स्वनु स्वयंमु, स्वयभेष्ट स्वस्तिहृत्
 स्वामी हस ह, हर, हरि, हरिच
 हरिच हरिबाहन हरिद्यर, हस्तरोपी
 हिरुकी हिरुंक हिरुम्पबाहु हिरुम्परेता
 हिरुम्पबाहु हरि, हरी हेमकेद्य हेम ।
 ११६ शौकारनाथ (शिब) — शौकार
 सिग सानिध ।
 ११७ शिब की ८ मूर्तिर्मा — जनिमूर्ति
 (रु) भाकाधमूर्ति (भीम) धिति
 मूर्ति (सर्व) अत्रमूर्ति (महादेव)
 बलमूर्ति (अब) यजमानमूर्ति (पशु
 पति) वायुमूर्ति (उध) सूर्यमूर्ति
 (ईशान) ।
 ११८ ११ र्द्य — यत्र अयपत्रित बहि
 र्द्वय ईश्वर, एकपात ध्वंशक, पिनाकी,

- महेश्वर, कृष्णकपि अम्बु, हारण ।
१६९. भैरव—कण्ठ काष्ठमूर्ति धर्मकर, मयातक भीम भूतनाथ स्तम्भमूर्ति विक्रान्तक म्यानबाहन ।
१७०. अष्ट भैरवों के नाम—असितीय शैरव काष्ठभैरव कोपशैरव चंद्रचूड़ शैरव ताम्रचूड़भैरव महानैरव अश्व शैरव संहारभैरव ।
१७१. संहारना—अंत करना अंतना अन्वयान करना कल्पांत करना बाधना ताडन करना वृथीय नैत्र झोठना अन्वयना अष्ट करना नाशना भासना प्रक्षय करना मारना मिटाया भेटना दिवाङ्गना विनाशना विध्वंसना विध्वंसना विभासना भठियाभेट करना मधिम्याभेट करना महाप्रलय करना मय करना जौपना विनयाणा संहार करना । दे 'विगाङ्गना' ।
- विशोभ—दे 'विरचना' 'पाळना' ।
१७२. संहार—अंत व्यवसाय कल्पांत अन्वय नाश प्रलय महाप्रलय भेट विध्वंस विनाश समाप्ति ।
- विशोभ—दे 'पाळना' ।
१७३. विनाशनीय—अंतनीय अंत्य नष्ट्य नाशनीय नाशय विध्वंसनीय विनष्टनीय संहारनीय समाप्य ।
- विशोभ—दे 'पाळनीय' ।
१७४. शिव के नखीयल—मुंडी नखिक नखिकेश्वर, मुंडी रिटि शूरी ।
१७५. नखी (शिवबाहन)—अनप्री बैल आनखी आनखी बैल हाडवतालिक, नखिनखिन नाख, देह पाळकायल शिवनूपक पिचवाहन शूरी । दे 'बैल' ।

१७६. पिलाक (शिव का धनुष)—अक कव अजगव थाजगव मधभाप ।
१७७. शिव का बाधा—अमक विमक्तिम ।
१७८. बटाबूट (शिव की बटा)—कपर्द कपर्दक बटाबंध बटाबस्तौ, विप्यक ।
१७९. शिव का तीसरा नेत्र—बटाज्वाल, त्रिनेत्र अस्मक ।
१८०. शिव पारिपत्र—पारिपत्र, पारिपत्र प्रगव ।
१८१. शिव का नृत्य—वाडव शिव-नृत्य प्रलयकर ठास ।
१८२. शिव की पुरी—ईकाश ईकास ।
१८३. शिव—करिवाटी काकोस कालकूट, गर, श्वेड गरम जहर, शिव माहुर, हुकाहक हाकाहक ।
१८४. ९ प्रसिद्ध शिव—दारव प्रशीपन इष्टपुत्र वसुनाथ (वञ्जनाथ) शीकिचकेय सापोष्टिक शीपष्टिक ।
- विशोभ—दे 'अपुत्र' ।
१८५. पार्वती—अंबा अशिका अजा अशिका अशिकानबा, अनंता अपर्वा, आर्या इषा ईश्वरी अमा कात्यायनी काडी कुमारी कीमारी गिरिजा गिरि गिरिनी गिरिसुता गीर गीरी अशिका अपर्वा अया विमुननसुंदरी वसुमुता हात्यायनी दुर्गा देवैनी गिरिनी नकुमा अनबा निरमा मीळलोहिता पंचमुखी पवित्रता पर्वतजा पर्वतनदिनी पार्वती इष्टचारिणी अवभामिनी भवभामा अवा अशानी भव्या मार्वती अमरी आरपी अंगला माहेशी माया, मुडानी, मेनकारमना मीनातुना अश्रिया अशानी

विद्यावाही विद्वत्कारिणी विद्वत्पुत्री
 संकरधरणी संकरप्रिया संकरा संकरी
 संवापी संवरानी सावा श्रीकृमारी
 श्रीकृवा श्रीकृनिनी श्रीकृपुत्री श्रीकृमुता
 संवत सपती सती सर्वमंगला सिद्ध
 बाहिनी स्वयंभुवनी हिमगिरिसुता हिम
 कृमुता हिमगीकृवा हिमांकृमुता
 हेममुता हेमवती ।

१८५. पार्वती का बहून—सिंह। दे 'सिंह' ।

१८६. पार्वती का मृत्य—कास कास्य ।

१८८. कार्तिकेय—प्रतिकेय अमिकुमार,

अनुकाम अमिमु, कुमार, कौचधारण

बंगापुत्र नंभामुठ गुह, तारकजिप् तारक-

जित हावसकर, हावसास पवित्र

पार्वतीनंभन पावकारयत्र बाहुसेय भववत्

भयवान् भयवान मयघासा भूतेष

महासेन मुद्धरंग रघतेज विद्याज्य शक्ति

वर, शक्तिध्वज शक्तिपाणि सरजग्ना

पिषिबाहन सिषिध्वज श्रीविद्याज

पद्मान पटमुञ्ज पद्मर्ष पद्मामुञ्ज पार-

मस्तुट, सारम्, सगानी सेनापति सिद्धसेन

सुहृद्वाप्य स्वप्न स्वामिकातिक स्वाहेय ।

१८९. कार्तिकेय का बहून—मोर । दे

'मोर' ।

१९ कार्तिकेय के मोर का नाम—

परिषाधि ।

१९१ कार्तिकेय की स्त्री—क्रीमारी

देवसेना सेना ।

१९२ पञ्चेश—अधिकेय आर्युष आदि

बुभ्य एकवत य यजबहन यजमुञ्ज

वजानत वजास्य वजनाप वजनायक

वजप वजपति गणाधिप वजाध्वज

वजराज वजकन्द वृद्धि विद्यानु, देवदेव

द्विमातृज ईमातृट, नवनीतपत्रप नाममुञ्ज
 नागानन परशुमाधि पर्शुपाणि पृथ्वी-
 गर्भ पृथ्विभृंग्य युद्धिभिभाता भवानी-
 नवन भास्वभ्र महाकाय मोदप्रिय
 मोददाता संबोधर, वक्तुर्द वक्तुर्द
 वय्तुर्द विकट, विष्णुजिप् विष्णुनायक
 विष्णुनायक विष्णुपति विष्णुराज विष्णु
 विनायक विष्णुहल विष्णेश विद्या-
 वारिधि विनायक विषनंदन विषसुत
 सूर्यकर्ष सदाशान सिद्धिविनायक सुमुञ्ज
 हस्तिमन्त्र हस्तिमुञ्ज हर्ष हेष्क ।

१९३ पञ्चेश का बहून—दे 'बुहा' ।

१९४ बुर्पा—अंवा अंधिवा अवा

अनतसक्तिका अपराजिता अपर्णा अप्ट

मुवा अप्टमूजी इंधाणी इडा ईसा

ईस्वर उषा उषा एकपणिक एकपर्णी

ऐरी कंकालिन कर्पादिनी कर्पाकिनी

कर्बुरी कर्ममोटी (बामुबा का पवार्य)

कस्यापी कात्यामनी कामाक्षी काष्ठिका

काली कुम्बिका कुमारी कूर्मांडा

कैटमा कोट्टनी कुरवती क्षमा

गदिनी गंधर्वा गयनायिका योगवी

गावत्री गार्गी घोला गौरी चंडनायिका

चंडमुडविनायी चंडवती चंडालिका

चंडिका चण्डिका चममुडा चामुंडा

चामुंडी चिति जपदंबा जपदंडिका

जगदीस्वरी जगद्गौरी जगन्माता जप-

ग्मोहिनी जयंती जया जयी त्रिमुसा

त्रिदोहरी त्रितामसा त्रिभुक्तमुदरी

त्रिमूर्ति त्रिलोचना त्रिलोचिनी त्रिगुणी

त्र्यंबकी त्वाप्टी वनुजदत्तनी दिर्कवरी

सुर्गविनायनी वारीभुम्बदिनी वंदा

वदिनी विपति विरंजना निगुंभदिनी

- महेस्वर, कृपाकपि धम्मु, हरय ।
१६९. धैरव—जरास कालमूर्ति मयंकर, ध्यानक भीम भूतनाथ धर्ममूर्ति विकरास स्थानमाह्व ।
- १७ अष्ट धैरवों के नाम—असितोप-धैरव काळधैरव क्रोधधैरव चंद्रचूड़ धैरव ताम्रचूड़धैरव महामैरव ध्रु धैरव संहारधैरव ।
- १७१ संहारना—बंठ करना बंठना बलघान करना कर्पात करना बाळना तांडव करना तृतीय नेत्र खोसना ध्वंसना नष्ट करना नाशना नासना प्रलय करना मारना मिटाना मेटना विगाड़ना विनासना निर्धंसना विध्वंसना विनासना भट्टियामेट करना मक्खिमामेट करना महाप्रलय करना लय करना लोपना विनशाना संहार करना । हे 'विनासना' ।
- विलोप—दे 'विरजना' 'पाकना' ।
- १७२ संहार—बंठ लक्ष्मण कर्पात ध्वंस माउ प्रलय महाप्रलय मेट विध्वंस विनास समाप्ति ।
- विलोप—दे 'पाकना' ।
- १७३ विनाशनीय—बंठनीय बंध्य नष्ट्य नाशनीय नाम विध्वंसनीय विनष्टनीय संहारनीय समाप्य ।
- विलोप—दे 'पाकनीय' ।
- १७४ शिव के मन्त्रीपद—शुद्धी मंदिक मणिकेश्वर, शृंगी रिटि शृंगी ।
- १७५ मन्त्री (शिवकाह्व) —जननी बंस जाननी जाननी बंस तांडवनामिक मणिकेश्वर नाम, देह शालकायण पिबज्जइ पिबकाह्व शृंगी । हे 'बंस' ।

- १७६ पिनाक (शिव का वज्र) —वज्र-कव लक्ष्मण भावमव मवचाप ।
१७७. शिव का राजा—वमरु किमडिम ।
१७८. जटाजूट (शिव की जटा) —कपर्व कपर्दक, जटामंथ जटाकस्त्री विप्यक ।
१७९. शिव का तीसरा नेत्र—जटाम्बाक, त्रिनेत्र मस्मक ।
- १८ पारिवश—पारिवशु, पारिवश प्रमथ ।
- १८१ शिव का मृत्यु—तांडव शिव-मृत्यु प्रसमंकर ठाक ।
- १८२ शिव की पुरी—बीसास बीसास ।
- १८३ शिव—करियाटी काकोरु काळकूट, वर, श्वेड परस जहर, शिव माहुर, हुकाहल हाकाहल ।
- १८४ ९ प्रसिद्ध शिव—दारव प्रवीणत ब्रह्मपुत्र बलनाथ (बलनाथ) लौकिककेय शारोष्ट्रिक लौकिक ।
- विलोप—दे 'जमृत' ।
- १८५ पार्वती—जंबा बंजिका जंबा बंजिका बंजितनाथ, जगता जपनी, जार्या इका ईश्वरी जमा कात्वापनी, काळी कुमाटी कौमाटी गिरिजा गिरि मदिनी गिरिसुता वीर वीरी बंजिका जयंती जया त्रिभुवनसुंदरी बलसुता शालापनी कुर्वा बेबेबी मदिनी मद्रुका नमना गिर्या मीळलोहिता पंचमुखी पवित्रता पर्वतजा पर्वतनदिनी पावित्री ब्रह्मचारिणी भवभाषिणी मवबामा जंबा भवानी भव्या पार्वती प्रमटी प्रामटी मंगला माहेयी माया मुझनी मेनकावना मैनामुता धर्मिया छापी

२२७. ईंद्र की स्त्री—ईंद्रपत्नी ईंद्रवधु,
 ईंद्रा ईंद्रानी ऐंड्री आइबाबाय अइबाहिनी
 ऐइपानी पुळोमजा पूळकृतायी पीळोमी
 मघोनी माहेंद्री घञि घञी घटावरी
 घञी मुण्डेवती सेना ।
२२८. अर्षत (ईंद्र पुत्र)—उणेंद्र ऐंड्रि
 अय तेअस्त्री परमअ्या पाकघासनि
 पागसंतान सुरपठि-तनय ।
२२९. ईंद्र का घोड़ा—ईंद्रास्त्र उणै-अवस्त्र
 उणै-अवा ।
- २३० ईंद्र का सारथी—मातलि ।
- २३१ ईंद्र का मूक—ईंद्रपंत ईंद्रपंत ।
- २३२ ईंद्र का उपवन—कंदसार, मन्धन
 मन्धन-कानन मन्धनवन ।
- २३३ ऐरावत (ईंद्र का हाथी)—
 अअमार्तग अअभुवस्तम ईंद्रहस्ती
 ऐरावत यजाप्रणी गर्जेद्र अतुर्वंत
 नायमन्त मस्तनाग दवेतकुंजर, दवेत
 हस्ती सबाधान सुबाया सुपंडिप मूर्ध्व
 म्याता ।
- २३४ विमान (ईंद्र का)—अ्योमवान ।
- २३५ कामधेनु—कामधुइ कामधुकधेनु,
 सुरधेनु, सुरसुरमी ।
- २३६ वध—अदात्र अघनि अघोत्प
 आरोध कुलिघ गिरिकंटक पो अघादि,
 वंन वंमोळि पकि भिदुद, मेरी धंन
 घतक्रीटि, घात्राट, घतवाट, स्वव स्वस्व
 ह्यारिनी ।
२३७. ईंद्रपुरी—अमरावती ईंद्रलोक
 ईंद्रलोक सुरधाम सुरवेध सुरपुर,
 सुरववन ।
२३८. स्वर्ग—अंतरीठा अपरलोक,अपरपुर,
 अपरलोक अमरावत अमरावती

- अमृतलोक अर्ष अअय आसमान इडा
 उर्द्वलोक अमृन्न कबिळास ईंळास
 ख ख मो गोपुर, मोलोक तविप
 तावीप त्रिदशाअय त्रिदशावास त्रिदिश
 त्रिनाम त्रिपिण्डय त्रिदिष्टय दंडपाणि
 दिन् दिव दिवाग देवतिकाय देवमवन
 देवभूमि देवज, देवराज्य देवलोक
 देवसवन दु, दुलोक दुवन दुसप ही
 धाम गाक परधाम परमधाम परवेस्म
 पव पुर पूषभाया फलक बहिस्त
 बिहिस्त ईकुंठ, मिस्त महर, मंवार,
 महोत्थय रपुर, रोपरी रहस बाण
 बिबुधपुर, बिडोपनी बिष्टय बिष्णुलोक
 बीरमार्य बीरलोक ईकुंठ ईंष्ट शक्र-
 मवन शक्रलोक शून्य शिवलोक धी
 निकेतन धीनिवास प सवैतमुख
 सुबावाट, शक्रमवन सुवर्धना सुवर्धनी
 सुमर्गाकस सुरधाम सुरवेध सुरधाम
 सुरतगर सुरपुर, सुरलोक सुरवेधम
 सुरसवन सुरसध सुरेज्जलोक सुरेधलोक
 सुपैका सुलोक सोमवाट शीरिक
 स्व, स्वट, स्वर्गलोक स्वर्गोव ह, हरि
 धाम हरिपद हरिपुर, हरिलोक ।
- बिलोम—दे 'नरक' ।
२३९. स्वर्ग जाला—दे 'मरना' ।
- बिलोम—दे 'जीता' ।
- २४ स्वर्गीय—अधीकिक गोळोक्र-
 वाती दिवंमत निर्वाणप्राप्त मुक्त मृत
 ईकुंठवायी स्वर्गस्य स्वर्गत स्वर्गी स्वग
 गामी स्वर्गकिङ्क स्वर्गवासी स्वर्गभोयी
 बिलोम—दे 'नारकीय' ।
- २४१ अत्यधुन—अमरपुण्यक अत्यध
 अत्यधुन अत्यपादय अत्यधता अत्य

२२१ देवदत्त—अमरत्त अमरत्ता अमरत्त
 देवताई, निर्मरत्त ।
 २२२ पंच देवकाम्या—अहस्या कुटी
 पनेस ताप दुर्गा प्रोपरी पंचदेव मंशो-
 री विजु, सिव सूर्य ।
 २२३ अश्विनीकी कुल प्रमुख देवियाँ—आत्री
 इराणी इका उवा पुत्रिनी टका रोदणी
 सरस्वती विनीवाकी सुनटा होवा ।
 २२४ देवताओं की शक्तिवाँ— इराणी
 कीमारी शक्तिका चामुंडा बाही
 माहेरबरी बापही वैष्णवी ।
 २२५ ईश्र—अ अक्षरम अक्षुताक्ष
 अतिरिज अमरताप अमरपति अमर
 राज अमरवर, अमरेस अमरेस्वर, अर्क
 अर्चन अर्त अर्ह अहितिप आर्षटक
 वासवता आदित्य उषसवा अमुल
 अमुसा अमुज फिरीट, कुलिशवर,
 कौशिक गमनपति विरिष्वज पौत्रनिव,
 बलावन जमघेरी अमारि, विष्णु भीमूत
 भीमूतबाहन जेमानसु, तपस्तक तुपपाट,
 तुरापाह तुपसाह, निरुषपति, निरुषाधिप
 निरुषेवर, निरुषाभीष बसेव र्वंटीक
 बस्तुमृति शानवारि, दिवराज विवस्पति
 पुष्पवज्र देवताधिप देवदेव देवनायक
 देवपति देवमूत देवराज देवराज
 देवाधिप देवेन्द्र देवेष्ट देव्यादि, सुवति
 नंदनप्रधान नगनिव नाफनाथ ननुधि
 सुवन नेत्रपोनि पर्यस्य पर्यस्य पर्यराज
 पर्यतादि, पविवर, पाकशिप पाकरिपु,
 पाफनाशन पाकईता पाकादि, पुष्पूत
 पुष्पोमारि प्राचीनबहि पुरंदर, पुपसाह,
 पुषरंसा पुनरु, पूर्वविभीष पूर्वपाली
 पुतनापाह बयी बलगुरज बलहन

बछारति बासव बाहुवती विहीना
 बृहस्प भूरि, भववा मस्वान महेर,
 मेवपति मेवराज मेवबाहन मेवबुध,
 मामनेमि मुमुक्षान रंभापति स सेवर्षम
 बंदीक बयवर, बयपाभि बयबाहु
 बयानुष्टि, बयहस्त बयामुज बयी
 बरकनु, बरेत्र बससुवन बसईता बासव,
 बास्तोपति विजयत विहीना विदुष-
 पति विदुषाधिप विदुषेस विस्वनीटा
 विस्वम्बर, विस्वमूज विषामु, विस्व
 भोज वृषहा वृषभवा वृषा वृषि
 वृहजव स्याह शक्र, शक्रवेव शचीपति
 शतवृष शतमस्यु, शिखी सुतासीर,
 शंकरेन शक्र, समिप सहसाकी सहस-
 चतु, सहसवृष सहसनयन सहसर्ष
 सहसलोचन सहसाक सहोवा सुषामा
 सुषासीर, सुरकंत सुरकेतु, सुरप्रामर्षी
 सुरठाठ सुरमाता सुरनाम सुरलावक,
 सुरनाह सुरप सुरपति सुरपाळक सुर
 भिम सुरपुरकेतु, सुरमान सुरमूष सुरराई,
 सुरराजु, सुरराज सुरराजा सुरराज
 सुरराज सुरर्षम सुरवर, सुरवेष्ट,
 सुरराज सुरराई, सुररीयाँ सुरस्वीष्ट
 सुरस्वामी सुराधिप सुरावीष्ट सुर्य
 सुरेष्ट सुरेस्वर, सुरेस सुबज्य सुषामा
 सोमपति स्तुवेम्य स्वर्षपति स्वर्षलोकेष्ट,
 स्वर्षति स्वाराट, ह्य हरि, हरिबाहन
 हरिहय ।
 २२६. १४ ईश्र—(देवीपुटाजके अनुठार)
 ईश्र अतवाता तजस्वी विदिव विव-
 स्पति प्रभु, बकिर्याम्य मनोजब विपा-
 वित विभु, विरवमुक विधि सुकीति
 मुजाति ।

२२७. ईंद्र की स्त्री—ईंद्रपत्नी ईंद्रवधु,
ईंद्रा ईंद्राणी ऐंरी आदभाय अयवाहिनी
देवराणी पुत्रोमवा पूतक्याप्ती पीकोमी
मघोमी माहेरी घषि घषी घटावटी
घषी सुरेन्द्रवटी सेना ।
२२८. अयंत (ईंद्र पुत्र)—उरेंद्र ऐंकि
अय ठेअस्ती परमण्या पाकसासति
यागसंतात सुरपति-तनय ।
२२९. ईंद्र का घोड़ा—इंद्रास्त्र उषी-अवसु,
अषी-अवा ।
२३. ईंद्र का सारथी—मातलि ।
२३१. ईंद्र का मूक—वीजयंत वीजयंत ।
२३२. ईंद्र का जपजन—अंबसार, मन्दन
मन्दन-कानन मन्दमवन ।
२३३. ऐरावत (ईंद्र का हाथी)—
अयमारोग अयभूवस्त्रम ईंद्रहस्ती
ऐरावत गजापथी पञ्चैर अतुर्बन्ध
नाममस्क मत्स्यनाम श्वेतकुंजर, श्वेत
हस्ती सबावान मुषाया सुरविप सूर्य
प्राता ।
२३४. विमान (ईंद्र का)—म्योमयान ।
२३५. कामधेनु—कामबुद्धा कामधुकरधेनु,
सुरधेनु, सुरसुरधी ।
२३६. वय—अयज अयनि अय्नोत्प
आनीन कुमिष गिरिकंटक, गो, जंभादि,
रंम रंमोक्ति पवि मिदुर, मेरी रंम
घातकोटि घाटा, घतपाट, स्वक स्वकम्
ह्यारिणी ।
२३७. ईंद्रपुरी—अयरावती ईंद्रकोक
देवकोक सुरपाम सुररेण सुरपुट,
सुरमवन ।
२३८. स्वर्ग—अंतरिता अपरलोक, अमरपुर,
अमरलोक अमरानय अमरावती

- अमृतकोक अर्ध अय्यय आसमान इन्द्रा
उर्ध्वकोक अमुद्र अविष्ठास कैष्ठास
अ अ पो गोपुर, गोकोक ठविप
ठावीप त्रिदशाअय त्रिदशावाध त्रिदिश
त्रिधाम त्रिपिष्टय त्रिभिष्टय बंडपाणि
दिव, दिव विमान देवतिकाय देवमवन
देवभूमि देवम् देवराज्य देवकोक
देवसवन शु, शुकोक शुवन शुसघ धी
भाम नाक परधाम परमधाम परवेरम
पव पुत्र पुपभाया फळक बहिष्ठ
बिहिष्ठ बीकुंठ मिष्ठ मडर, मंडार,
महोदय रपुर, रोषधी ररुस बाण
विबुधपुर, विष्ठीपनी विष्टय विष्णुकोक,
वीरमार्य वीरकोक वीकुंठ वीट्ट अक्र-
मवन अक्रकोक सूस्य धिबकोक धी
गिक्केतन श्रीनिवास प सर्षोतमुत्र
मुष्ठावाट, अक्रमवन सुवर्षना सुवर्षनी
सुमनीकस सुरपाम सुररेण सुरधाम
सुरजगर, सुरपुट, सुरकोक सुरवेरम
सुरसदन सुरसघ सुरेन्द्रकोक सुरेष्ठकोक
सुरीका सुमीक सोमपाय धीरिक
स्व स्वर, स्वर्गकोक स्वर्गकोक इ हरि
धाम हरिपद, हरिपुर, हरिकोक ।
- बिलोम—दे 'नरक' ।
२३९. स्वर्ग आता—दे 'मरणा' ।
- बिलोम—दे 'जीना' ।
२४. स्वर्गाय—अधौकिक धोलीक-
वासी दिवंधत निर्वाणप्राप्त मुक्त मृत
बीकुंठवासी स्वर्गस्य स्वगत स्वर्षी स्वर्द
आपी स्वर्गाकिक स्वर्गवासी स्वर्गभोजी
बिलोम—दे 'नारकीय' ।
२४१. अय्यबुद्ध—अमरपुण्यक अत्यतद
अत्युम अत्यपाद अत्यतता अत्य-

बिटप कल्पसाक्षी कामतव काममुख
देवतव देवहूम देवबुद्ध परिचातक पारि
षाठ मंशर, संतात सुरतव सुरतस्वर,
सुर्युम सुरपादप सुरभूद्ध सुरबिटप
हरिचंदन ।

२४२ अमृत—अंबर, अ जगदकार
अमिय अमी कज किलाक देवभोग्य
देवाचस देवाहार, निर्धर, पीयूष मधु,
सधिरस समुद्र-नवनीत सुधा सुरभोग
सोम स्त्येत हिरण्य ।

बिडोम—दे 'बिष' ।

२४३ पंचर्ष—अप्सरस् किन्नर, क्षम प
पाठ पाशु, दिव्यगायन देवगायक
देवगायन देवाजन नमचर, नमचर,
पुण्यवंत यज्ञ मुषप विद्याचर,
सुरगायक ।

२४४ पंचर्षी के ११ पञ्च—(अग्नि
पुराण के अनुसार) अंबारि, अमाज्य
कृष्णानु, क्यु, मूर्धन्वा अंमारि विरवावसु,
सूर्यवर्षा सुहस्त स्वन हस्त ।

२४५. प्रवाल पंचर्ष—गोमायु, विचरव
सुबुध, मदि, विस्वावसु, हस हाहा हूह ।

२४६. कुष्ठ प्रसिद्ध पंचर्ष—विचरव
सुबुध विरवावसु, हहा हाहा हाहास्
हूह हूह ।

२४७. अप्सरस—अप्सरस अप्सरसी
अक्षरा अक्षरी अक्षप्रिया अक्षमुपा
गयनाग्ना विरवावसु विष्णुनाटी देव
दुती देववसु देववाका देवायगा नाक-
नटी परी सुरनाटी सुरवासु सुर
मुखी सुरभोगिण सुरमुखी स्व सुखी
स्वर्षवसु, स्वर्षदेवया स्वर्षेणी स्वर्षिणु,
स्वर्षु, स्वर्षिणा स्वर्षेया हुर ।

२४८. प्रवाल अप्सरस—अक्षमुपा
उर्षधी मुठाची तिडोचमा मेनका
मंजुलोवा रमा सुकेयी ।

२४९. किन्नर—अक्षमुक्त किपुक्ष्व पीठ
मोदी सुरंगमुख सुरंगवदन सुरंगवदनस्
मयु, हरिचनर्तक ।

२५० अश्विनीकुमार—(स्वर्ष के बीच)
अक्षमुक्त अश्विनी अश्विनीसुत
अश्विनेय गवागद वल वासययी
वैवधिकिस्तक देवनिपद् मासतव
नासिचम पुष्पकसज सूर्यपुत्र स्वर्षेय ।

२५१ सनत्कुमार—अक्षमुक्त वैवाच ।

२५२ विश्वकर्मा—अक्षमुक्त सिन्धु-
राट् सुरसिस्वकी सुरधिष्ठी ।

२५३ देवतवी—आकाशमया देवतवी
देवसति, मंशाकिनी विवर्षगा सिद्ध
सिद्धि सिद्धसिधु, सुरवीचिका सुरतवी
सुरसतवी स्वर्षमया स्वर्षपिया स्वर्षी
स्वर्षेयया ।

२५४ देवतमा—देवतमाज सुधा
सुधर्मा सुधर्मा ।

२५५ कुबेर—अ अर्षय अर्षपति
अक्षकापिप अक्षकापति ईश्वर-सख
एक-कुबल एक-पिय एकपिगस एकस
पियल ऐश्विड ऐलविस किन्नरेष
कुह कुबपति मुहकेशवर, मुहपति
अक्षकसता अक्षकेडी अक्ष अक्षदेव
अक्षमाध अक्षपति अक्षस्वामी अक्षपिप
अक्षाप्यस अक्षेय अक्षेश्वर, अक्षवाहन
अक्षिनाथ अक्षिप अक्षिपति अक्षिपाक
अक्षीश्वर, अक्षपति अक्षकाञ्चन अक्षिपकी
पुष्पअक्षेश्वर, पुष्पकायल पीछस्य अक्ष
अक्षुष्पवर्मा यज्ञ यज्ञगायक यज्ञप यक्ष-

पति यज्ञराज यज्ञराट् यज्ञाधिप यज्ञा
 धिपति यज्ञेश यज्ञेश्वर, यज्ञवृत्ति रत्न
 कर, रत्नपर्य रत्नाधिपति राजराज
 यज्ञ बसुद बसुप्रद वित्तनाथ वित्तप
 वित्तपति वित्तपाठ वित्तेश वित्तेश्वर,
 वैश्वानर धवि धीपति सुप्रसन्न सोम
 धीरन्म स्वपति ह्यर्ष्यश ।

२५६. कुबेर का धीरोष्ठा भाई—राजप ।

२५७. कुबेर का पिता—विषवत् ।

२५८. कुबेर का पुत्र—मलकपुर ।

२५९. कुबेर की पुरी—मलकापुरी ।

२६०. कुबेर का उपवन—वैतरण ।

२६१. कुबेर का विमान—पुष्पक ।

२६२. कुबेर का ऐश्वर्य—जाठ सिद्धियाँ

नम विषियाँ किन्नर, कुबेर के दूत ।

२६३. सिद्धि—ऐश्वर्य मूर्ति विमूर्ति
 सिद्धि ।

२६४. ८ सिद्धियाँ—अभिमा ईश्वर
 परिमा प्राकाम्य प्राप्ति महिमा
 कविमा वधिरण ।

२६५. ऋद्धियाँ—वेतनीमा जीवराधी
 जीवयेष्वा प्रवशा प्राणप्रदा प्राणप्रिया
 र्मपस्या योष्या वरास्या रवांगी लक्ष्मी
 लोकांता वृष्या उपराह्वया सिद्धा
 सिद्धि ।

२६६. ९ विषियाँ—कण्ठ्य खर्व नर
 नील पय मकर, महापय मुकुट ध्वज ।

२६७. कोय (कुबेर का)—निधि मंडार,
 वांशार, ऐश्वरी ।

२६८. ऐश्वर्य (कुबेर का)—मूर्ति
 विमूर्ति ।

२६९. कुबेराचल—कुबेरसि ईलाय ।

२७०. कुबेरपुरी—मलकपुरी मलकपुरमा

मलका मलकापुरी यज्ञपुर, बसौकसार,
 बसुबाण बसुबाण बसुस्वामी वित्तपुरी
 धरपुरी ।

२७१. कामवेश—जंगम धर्महीन मर
 न्न बतनु, मदेह, जनंग अनंगी
 अनन्यत्र अनलमुक्त अभिरूप धर्मम
 बाण वसमबाण वसमघर, भारमज
 भारमजाठ भारममु, आत्मयोगि आत्म
 समुद्भव आत्मोद्भव इप्स कजन कनु,
 कर्षण क कर्मण कसाकेसि काम कामग
 कामव कामचार, कामबर्द्धन कामी
 कामुक किंकिर, कुमुमकार्मुक कुमुमबाण
 कुमुमघर, कुमुमाम्बु कुमुमेप कृष्णी
 लक श्लोक पदयित्नु, मृशु, गुत्त वित्तत्र
 वित्तमु, भेटीजग्मा वैतरणा जयनीस
 जयकेतु, जयांक तिन दर्पक दीपक
 धानकी नंदक नंदन नदी नवरंभी
 पंचघर, पंचेयु, पल्लवास्त्र पुष्पकेतु,
 पुष्पबाण पुष्पवत्सुप पुष्पवन्ता पुष्पध्वज
 पुष्पपत्री पुष्पायुध पुष्पबाण पुष्पघर,
 पुष्पघरासन पुष्पेयु, प्रदुम्न बहुरुप
 ब्रह्मसु, भव भावज मधि मकरकेतु,
 मकरध्वज मच्छमच्छवार, मय महम
 मपुदीप मधुसूज मनसिज मनोदत
 मनोज मग्मज मयन भारतप मानस
 मायासुत मायी मार, मीनकेतन मुरमु
 मुहिर, मीन मोह मोहक मोहन मोहन-
 बर्द्धन यौवनोद्भव रणरणक रत्नारीच
 रतिक्रांत रतिनाथ रतिनायक रतिनाह
 रतिवति रतिप्रिय रतिरमज रतिराट्,
 रतिराज रतिवर रम रमण रपति
 रवन रबीपु रामरज्जु, रागकुल र्पास्त्र
 सरमीपुत्र शरीपु शर्व्य शर्वतर्द्धु शर्वत

सब बसंतघटा नाम बिलास बिबबकेतु,
बिपमबाध बिपमबिधिष बिपमायुष
बिपमेयु, बिस्मापन बीरबन्वा धवर
सूवन संबपरि, घिषि भीनरन भूमार
योनि संकल्पनाथ संकल्पयोमि समांतर
संबपरि, संसारयुष घाण सुप्रवीक
सुमसामक सुरभिवाण शीयत शीर्य
स्मर, स्वयम् ।

२७२ कामदेव की प्यरा का बिन्दु—
मच्छी । दे मच्छी ।

२७३ कामदेव का बहून—सूक दे
'घोठा' ।

२७४ मोहित करना—अकरलना अनु
रक्त करना आकर्षित करना लीचना
दिल लीचना रिक्त सेना मुक्त करना
मोहना लमाना विमोहना विमोहित
करना समोहित करना हृदय लीचना ।

२७५. मोहित होना—अशुचना अनुरक्त
होना अरमाना आकर्षित होना आसक्त
होना कर्षित होना रिक्त आना उरमाना
उरमाना मुक्त होना मोहना मोहित
होना लमाना छटपटाना कट्टू होना
समा आना विमुक्त होना विमोहित
होना विमोहित होना ।

२७६. सम्मोहन—आकर्षण विचार
विमोहन मोहन सम्मोहन ।

२७७ मोहनीय—आकर्षक मोहक रम
नीक रम्य । दे सुन्दर ।

२७८. मोहित—आकर्षित आगना मुक्त
लट्टू लक्ष विमोहित ।

२७९ उच्चाटना—अपना करना बना
गना करना उच्चाटना उच्चाट करना
उच्चाटन करना उच्चाट करना गिर

करना तोड़ना विरक्त करना हटाना ।

२८० उच्चाटना—अपना होना बना-
सक्त होना उच्चाटना उच्चाट होना
उच्चाटन होना उच्चाट होना विरक्त
होना टूटना न अपना विचारना विच
कना विचकना विचकित होना विरक्त
होना विरक्त होना हटना ।

२८१ उच्चाट—अपनापन उच्चाटन
उच्चाटी उच्चाटीनता विरक्त विरक्त
विरक्त ।

२८२ उच्चाटुवा—अपकर्षित उच्चाट
उच्चाटित उच्चाटित हटा ।

२८३ कामदेव के ५ बाण—अन्वारन
तापन घोषण सम्मोहन स्तम्भ ।

२८४ कामदेव के पुष्पयु के ५ पुष्प-
बाण—अरविह बडोक बाण नक-
मस्तिका लीमकमल ।

२८५ रति—कामकला कामी काम-
पत्नी कामप्रिया केळिकला बलसुता
प्रीति मदनप्रिया मायावती रती रम्य
भटा रेवा शुभांगी स्मरप्रिया स्मरयु ।

२८६. र्बुन करना—कामकला करना
केलिक करना केळिकिक करना चोरना
चोराई करना घुटना जोड़ पाला
परिभोग करना परिभोग करना प्रसंग
करना मीय करना मोक्षबिलास करना,
रति करना रतिरमर करना रमण करना
बिलास करना समोय करना संवास
करना संस्नेह करना सहवास करना
सुरण करना रती प्रसंग करना रती मीय
करना रती संय करना रती समावम
करना ।

२८७. र्बुन—कामकला बीड़ा केलिक

केतिक्रिष्ण यमन धाम्यकर्म धाम्यकर्म
 शोदन शोदाई, शमन शर्पण शर्पणा
 निपुदन परिशोय परिमल परिरेमण
 परिष्णग प्रसंग शिकता भोग भोग-
 विकास याम रत रति रतिवान रति
 रमन रतिसमर, रती रमन रमन
 विकास श्यवाय रीन संपति सप्रह
 संप्रहण समोय संवास संबिधन सभय
 संश्लेष संसर्ग संहनन समीचक सहास
 सुरत सुरति सुरभिवान स्त्रीकरण
 स्त्रीयमन स्त्रीधर्म स्त्रीप्रसंग स्त्रीभोग
 स्त्रीबंध स्त्रीविषय स्त्रीसंग स्त्रीसंभोग
 स्त्रीसंसर्ग स्त्रीसमागम स्त्रीमुक्त स्त्री
 सेवन ।

२८८. मीचुन करने घोष—प्रसंगीय
 भोगीय भोग्य मीचुत्य रमणीय रम्य ।

२८९. बरन—अनुनास अनुपति अनु
 रात्र अनापति अप्पति उत्तम कुष्मिनी
 कुष्मिनी केस अनुक अस्कांत अस्-
 कांता, अस्त्रेव अस्त्रेवता अस्त्रपति
 अस्त्राधिदेव अस्त्राधिप अस्त्र अस्त्रेव
 अस्त्रेव, अस्त्रेव बहुर, हुनुमि ईत्यरेव
 अर्मपति अरपाक महीन महीपति
 पत्रोदेव परंजन परंजय पात्रस्पति
 पात्रक पात्रकर, पात्रभूत पात्रवान
 पात्रहस्त पात्री प्रवेता व बरन मेघ
 नात्र माकपति मात्रसाम्पति राम व
 बारिनात्र बारिनीम बारिनीमा बिनीम
 वदुत संवृत्त सामरात्म्य सावन मुष्ठाप
 सूर्यपुत्र ।

२९० बरन का बाह्य—मकर ।
 २९१ बरन का अस्त्र—नामपात्र पात्र
 पुलकात्र विरवजित ।

२९२ बरन की नपरी—बसुधानगर, मुष्ठा
 २९३ बरन का प्रिय निवास स्वस—
 पुष्पविरि ।

२९४ बरन का छात्रा—आभोग ।
 २९५ बरन के पुत्र—अपति ।
 २९६. बरन की स्त्री—बास्नी ।

२९७. सूर्य—अंधकरिपु, अंबरमणि
 अंबरीय अंबरोप अंधु, अंधूमंत अंधुमान
 अचमाली अंधुमाली अय अनु, अरि
 अरिद्विगुत अम अयुग्माबाह अरि
 अरणी अरिदंबनु, अराय अरण अर्क
 अचिप्मान अर्णव अर्जमा अरबोधक
 अबरवत अरि असुर, अह अहर्षति
 अहस्कर, अहि आकाशचारी आठपी
 आदित्य आष्टाव इन ईशान उष्ठा
 उष उष उष्णक एकचक, एकपात
 ओकपति क कपि कपिस कमलबंधु,
 कचिच, कचि किरणमाली केस शिर
 अय लगपति अचर, अघोत अघोतक,
 अरींधु, अक अचर, अचर नगननीति
 यमनम्बज यमनवटी गमस्ति गमस्ति
 पात्रि गमस्तिमान यमास्तिहस्त पो
 गोपति ग्रहपति ग्रहपुष्प ग्रहरात्र अंड
 कर, अंडवीधित अंडांधु, अक्कांधु, अक-
 काचर अक्षुप्ति अिनमानु, अिनरव
 छायानात्र अगच्छनु, अगत्वाली अग
 चनु, अिन अिप्नु, अीमूत अ्योति
 अ्योतिप्मान अ्याकमाळी उपन उपनि
 उपर उपु, तमारि, तमोष्ण तमोरि,
 तमोहणह, तमोहुर, तमोहुरि, तरनि
 तापन तापेन्द्र तिग्मरीधिति तिग्मरकिम
 तिम्मासु, तिमिरनुद, तिमिरभिधु तिमिर
 रिपु, तिमिरहुर, तिमिररि, तीक्ष्णरदिम

दीर्घान्, सुनीच दीर्घोराधि शवीरन
 शवीरमय विमूर्ति विद्योकेष विधिप
 मीघ शनिघट, दनकर, वनमधि दिनकृत
 दिनकर, दिनकर्ता दिनकृत् दिनदीप
 दिननाथ दिननायक दिनताह दिनप
 दिनपति दिनपाक दिनबन्धु, दिनमणि
 दिनमति दिनयपूरक दिनमाजी दिन
 रत्न दिनराई, दिनराठ दिनराज
 दिनापीथ दिगिघट, दिनेस दिनेस्वर,
 दिनेस दिवसकर, दिवसगाय दिवसपति
 दिवसमधि दिवाकर, दिव्याधु, शीत
 शीघ्रकिरण शीत्याधु, बुधियर, दूरोहन
 बुज्जू बुज्जू देवननि धूपति धुमधि
 धुम्न धुम्न द्वाष्टात्मा धरक धामनिधि
 ध्यातलधु, मय नमकैतन नमपाव
 नममामी नमस्वधु, नमस्य मयोमार्ग
 निदासकर, पठन पद्मनाभ पद्मनर्म
 पद्मपाणि पद्मलोक्यन पद्मास
 पद्मासन परित्र पर्यैक प्रमा पाव
 पाव पावक पीतु पीव पीयु, पुंश्च
 पुष्कर, पुष्पमाध पुष्कृत पुष्प पुषा
 देरु, प्रकाशात्मा प्रवादाट, प्रवाभ्यध
 प्रवापति प्रमाकर, प्रातनाथ बक्रुट,
 बयल बस्त ब्रह्म भव मगकत माकर,
 मान धानु, मानुकेषर, मानुदेव मानुमत्
 मानुमान मानोमि धानु, मासु, भास्कर
 भास्कर, भास्वर, मुक्कधु, मुतास भूपर
 ब्रह्मी मरीचिमाती मार्तण्ड मित्र
 मिहिर, मीनेत्र यमसु, यमाविरय रव रवि
 रतापति रचिनासक रचिनाम रचि-
 मर्ता रोहित लोकाधु, लोकधु, बच
 बरी बहम बसु, बावसति वाति
 वाधरमनि विकर्तन विवाकर, विमा-

बसु, विन्यमधि विरोचन विवस्वत्,
 विवस्वान् विरवकर्मा विरवकार विस्व-
 प्रकाशक विस्वस्त विरवलोचन विह्वम
 विह्वम बीठिहोत्र वेवा व्योरल घूर,
 घूर घीमुख सवागति सप्तत्र सप्ताश्व
 सप्त सपिता सपिनास सहरि, सहसकर,
 सहस्रकिरण सहसाध सहस्रचित सहरि,
 सानु, सावित्र सुतपा सुट, सुत्त्र सुरभान,
 सुरानुप सुस्त्र सुरोत्तम सुवन सूत सूनु
 सुत्र सुटि, सूर्यदेव सूर्यनारायण,
 सूर्यपति सोमबन्धु, सून स्योन स्वर्ग
 माव ह्यं हरि, हरिण हरिन् हरिनाहन
 हिमाराति हिरण्यरेता हिरण्यवीर्य
 ह्यु, हेममाजी ।

- २९८ १२ आदित्य—जर्बमा उदक्रम
 लम्बटा वसता युवा भग मित्र वरक
 विवाता विवस्वान् वक्र, सपिता ।
- २९९ सूर्य की १२ कक्षाएँ—जमा ज्वा-
 लिनी तपिनी तापिनी वारिणी ब्रूमा
 बोधिनी भोगदा मरीचि शचि विस्वा-
 सुवृन्ता ।
- ३ सूर्य के पुत्र—अश्विनीकुमार, कर्क
 मगुर्वैवस्वत वम धनि सुपीव ।
- ३ १ सूर्य की कन्या—ममृता (वमी)
 के ममृता ।
- ३ २ सूर्य की स्थियाँ—कान्ति छाया
 प्रमा प्रमाकटी महावीर्या बरी संज्ञा
 संवरणा सूर्य-प्रिया सूर्या सूर्याची
 स्वस्ती ।
- ३ ३ सूर्य के बीड़े—उज्ज्वी-भवा रविह्व
 सप्ताश्व ।
- ३ ४ सूर्य के सारथी—अनूप बरुन
 काश्यपी बक्राप्रज विवस्वत सूर्यसुत ।

१ ५. सुय के पारिपार्श्वक—खंडीय
 पियकोबंध माठर ।
 १ ६. सुय की जपरी—भास्वती विव-
 र्कती ।
 १ ७. खंडमा—संभकरिपु, संभोज बज
 अत्रिज अत्रिनेत्रज अत्रेय अत्र्य अत्रिज
 अमित अमीकर, अमृत अमृतकर,
 अमृतवीरित अमृतघृति अमृतबंधु,
 अमृतरश्मि अमृतवपु, अमृतसू, अमृतांघु,
 आनेय ईंधु, उडप उडपति उडुपज
 उदधिसुत ऊ, ऋक्षपति एनमृत ओक-
 पति ओपधिपति ओपवीरु कर्कशर,
 कलाकर, कलाभाव कलानिधि कलाप
 कलाभूत कांठ कामी कुमुदबंधु, कुमुद
 बांधव कुमुदिनीपति कसेकु, क्षणदाकर,
 क्षपाकर, क्षपानाथ क्षपापति क्षीरज
 क्षीरोर्नहन क्षुमासुति क्षममथ लग
 खरिद, खिरिद, खचर, गगनगति रत्नी
 भौ प्रहृनेमि प्रहृपज बन्ध, बन्धक बन्धा
 बन्धिर, बन्ध बन्धक, बन्धदसु बन्धदि,
 बांर बिनाचीर, बिनाटीर, बिनेष
 छपाकर, छत्याभूत छायांक छायामान
 चवत चर्ज चसत्र चसत्रिज चून्हाई,
 चौबालूक चोन्हाई, तपस तपिनाथ तमि
 पति तमीष तमोष्ण तमोर्द्धन तमो-
 रूपह, तमीहृर, तमोहृदि, ताटात्रिप ताटा
 बीष ताटानाथ ताटापति ताटापीड
 त्रिपिप्रज्ञी तुंगीपति तुंगीष तुपारकर,
 तुपारकिरक तुपारसूति तुपाररश्मि
 तुपारंगु तृहिनापु भ्यंगट, दत्तात्रायति
 दपिसुन दत्तात्री दत्तारक दत्तात्रय-
 पति दौपाकर, दुमेरकर, द्विजपति द्विज
 रात्र द्विजेंद्र द्विजक दोपाकर, द्वाव-

धनु, नक्षत्रनाथ नक्षत्रनेमि नक्षत्रय
 नक्षत्रपति नक्षत्रराज नक्षत्री नक्षत्रेण
 नक्षत्रेरकर, नक्षत्रराज नक्षत्राय नयपति
 नभनामी नभरश्मस निघाकर, निघा-
 नाथ निघामणि निघाररत्न निघिकर,
 निधिनाथ निधिनायक, निधिपाल
 निधिपति निधेप निघकर, निघाकर,
 निधिपति निधिपाल नितिमणि निघठ
 नेभयोनि पक्षजम्मा पक्षकर, पतउड
 पतय पतस पतोल्लव परिष परिजम्मा
 परिजा परिज्जा पर्वत्रि पबमान पीमुप
 र्बत्रि पीमुपवर्ष पीमुपमहा पूर्वमास
 पीरुस्य प्रभाकर, भुधबामी भग भयत
 भरभ्यु, भुवभ्यु म मनोभूत मयंक
 मरीची माहृठाव मिहृद, मुपमिष
 मृमाळाङ्गन मृपांक मेहृठाव मामिनीपति
 यामीर, रजभीकर, रजनीचर, रजनीपति
 रजनीप रसपति राकेष रात्रिमणि
 रघाछि रर्षस्त्री रोहिणीपति रोहिणीष
 सन्धीसहृज वाति विकस विकुस्त विधु,
 विदुज विमावरीष विमकात्मा विरोक
 विरोचन विवस्कोचन विहृग संमु
 मूपन घघाकर, घघांक घधि घधि
 घधी संर समुद्रनवनीठ सव सघ
 सधि सतिचर, सची सारंग सारस सिम्पु-
 जमा सिम्पुपुत्र सिठमानु, सितरश्मि
 सितांघु, सितारक सुन्नग मुबाप मुबांघु
 मुषाकर, मुषामेह मुषापट, मुषावीरित
 मुषाकर, मुषाकरक मुषाबाम मुषापार,
 मुषानिधि मुषानूति गुषाम मुषावपुष
 मुषायोनि मुषारश्मि मुषाबाम मुषा-
 सदन सुप सृ मुषानूति मुषन सूनि
 सुग सुय सनभुति सेठबाह सीम सीम

शेष सोमराज स्त्रुम स्नेह स्मरसख
 संस्त्र ह, हरि, हरिणकसंक्र हरिणसख्य
 हरिणसांजन हिम हिमकर, हिमकिरण
 हिमनु, हिमबीजिति हिममाण, हिममयुक्त
 हिमरथिम हिमरथि हिमस्त्रुति हिमांशु,
 ह्यांशु ।

१ ७. व चंद्रमा की रथी—अव्यययोगि
 पाद् रथनपठ रोहिणी विजासु ।

१ ८. चन्द्रमा का पुत्र—बुध रे 'बुध' ।

१ ९. चन्द्रमा की १६ कक्षाएँ—अथवा
 अमृता क्रांति अग्निका ज्योत्स्ना पुष्टि
 धृति प्रीति पुष्टि पूर्ण पूर्वामृता पूवा
 मानद्य रति राशनी भी ।

११ चन्द्रचिन्ह—अंक अक्षम कलंक
 चिन्ह, मिर्बाद प्रगाद मक्किन मकी
 मसि मूत्रचिन्ह मृदांक कक्षण कर्म
 कांजन सद्य सद्यक ।

१११ अग्नि—अथति अथकरिपु, अ
 अग्नि अग्नि अतिभि अतल अथित
 अमितासत अथिन्मान आनी आतस
 आतिष आसुसिद्धिभि आम्पयाद्य जीर्ण
 उपर्वध अन्वर्धुब क, कुंत कुतप कुमार,
 कुपीटयोनि कुप्प कुपामु, सिप्रहस्त
 कुहपति विभमानु, छागरथ अंसादि,
 अवनु, अय्यु, अर्जापिठ अन्ध, आतवेद
 अंभ्यादस ज्योति अदक अत्तम अवाल-
 विन्धु, तनूनपतत तपन तपु, तमोष्ण
 तमोवर्तन तमोह्वयह, तमोहर तमोहरि,
 तट, तिष विनाम्य अन्वर्धुम अमुन दवा
 अहन बाढ़ा विष्व देवाहत देवपात्र
 देववक्त्र देववाहन सु, धर्मदय अनर
 विष्टप भुवन भुवीध्वज भूमकटन
 भूमनेनु, भूमधर, भूमध्वज ध्यातधनु,

नाथिकेठा निर्बेरबीभ नीळमृष्ट, पथि
 पतस्वाहा परिज्वा परंटीकि पवन पावक
 बाह्व पवनारत्यज पशुपति पांचजन्य
 पाकळ पाय पाव पावक पावन पियळ
 पिनेस पैशु, पीच पुंडरीक पुषु, पेस
 प्रबह्विष्ट प्रभाकर, प्राय प्रातिपदिक
 प्पक्षि प्पवर्ग बड़वानस बहि, बहुर
 बाहुव बाप बासुरेव बाहुक बीतिहोत्र
 बुध बीसन्धर, बाह्यन बृहद् बृहस्पतानु,
 भरभ्यु भारत आस्कर, मुक मुग्ध,
 मुब भुवम्भु, भरितेजस संवसान पथिष्ठ,
 र, रोहिठास्व रोहितबाव, लाठीक,
 काव लोहितारथ क्यवाह, बर्मा बन्धि,
 बहिष्पुष्पा बहा वसु, वसुनाथ वसुरेठा
 वसुकिर् बाजपति बातच्छ बातसारथि
 बातस्वन बासुसख बातदस्वनी बाधि
 बिमेळ विमाकर, विभावसु, विस्वप्नु,
 विरवाद् विस्वेदेव विस्वेदेव विष्णु,
 बीतिहोत्र बीघ नृक बुधि बीस्वानर,
 धिजावान सिद्धि सिद्धी शुक, सुधि
 पुष्पा शौरय शीथिष्केस शोमन संविस
 सप्तबिम्हा सप्तबधि सप्तार्थि स
 समिष समधि समुद्रबास सम्महा
 सरळ सवन सुवग सुधिष सूचीक,
 सुबाहु सोमनोपा स्वधि स्त्रुकर,
 स्वबाधिप स्वबाधिया स्वमि स्वर्ण
 शीथति स्वाहापति स्वाहाधिय स्वाह-
 बल्लम हर, हरि, हन हवन हविम्ब
 हृष्यभुव हृष्यवाह हृष्यवाहन हिमा-
 पति हिरण्यविष्णु, हिरण्यरेठा हिरण्य-
 बीर्य हुतवस्य हुतमृद् हुतम्भ हुतमुव
 हुतवह हुताघन ह्यु, होमि ।

३१९ अग्नि की जिह्वाएँ—उषा कपली

कामी पुम्बर्ष प्रवीप्ता मनोज्ञा मुसाहिवा ।

३१३ पवन—अ अद्यति अग्निस्त्रजा अग्निसहाम अजगत्प्रोथ अत्रिर अम्पर्ष अत्रिष्ठ अपात्र अमूठ आकाशचारी आबक आगुग आगुगुदाणि उदान कंसस्यमा कर्कशेवता तय अक्षर गरबाष्ठ लक्षर, संपबह संपबाह रंधा एन बंधस बहुप्योम छुप जगत् जगदापर, जगदाम् जगद्बक जग्मि जगता जगत्भूय तत्र तत्, तय्यत्, तमुन हीरगति त्रिबलीक दबरीक ईत्येव पबालक पाशावति भूक भुक्तिध्वज नमःभुज नमय नमप्राण नमरावर, नमरवान् निस्वास्तक निरपगति निरपवत निकप परिमर, पव पवमान पाप पुपतासक पुपदस्व पुपोदर, पोता पीत प्रकरण प्रमजन प्राण फलप्रिय भगान बाउ बाऊ, बाय बायु बाव औदिरात मरुत मारुतिरुका मारुत मरु व ध्यान बर्ष्यन बहन बहति बहिमिब बाउ बाति बायु बाह बाय बिम् बिहग बीष्, बुप्ति लोनीनि स्वसन ग शरीक लक्षणति गवान शमीर, शमीरम गरर गरर्य गररिन गरुं मार, मुगाग गुमा गुर गुर गुगाव गुदागु गोम रारांन गुग स्वन्न स्वन्नन स्वन्नाय हरि हितानी हवा हावा ।

- ३१४ वरुन जो ली—अजता पुनी ।
 ६ 'अजता' । ६ 'पुनी' ।
- ३१५ वरुन के पुत्र—भीम हनुमान ।
 ६ भीम । ६ 'हनुमान' ।
- ३१६ ४९ वरुन—अद्यति अजगत्प्रोथ

अदिक अपान आवक आगुग उदान कंपकस्यमा एस्वास्त संबबह बंधन जगत्प्रोथ पुमिध्वज नमप्राण नमस्वर, नमस्वान् निस्वास्तक पवन पवमान पुपतापति पुपदस्व प्रकम्पन प्रमंजन प्राण फलप्रिय त्रौगिवांठ मरुत् माठिरिदवा मारुत मृगवाहन बाउ बाति बायु, बाय बाह, बिहग ध्यान लोनीनि स्वसन सवावति समान समीर, समीरण छार, मुगाग स्तनून स्पर्शन स्वकंपन हरि ।

३१७ यमराज—अंतक अंतकर, अंत कर्ता अंतकारक अंतकारी अंतकृत अर्कंज औईपर कंक क कर्मकर बाल कीनाय कृताठ कोपठ बनात जम औचनपति पीबिठेठ तरणिमुन बंडपर, बंडपार बंडयाम दहापर, बंडी दक्षिणा शागति ह्यन रिनेपारमज ईवाकरि, धर्मनाथ यमराइ धर्मराज धर्मराय भररंडपर, पापर वरीतरा, पितरपति विगुदैबन विगुनाथ विगुति विगुराज पुपिबीगति प्रजांक प्रजागति प्रेगछद् भानुज भीममामन भूगागक म महा बटवारी बहिनेठ भूपु म धम धमन यमगुण यमुनाग्याना रविनय रवि मंन रविगुन रविभुवन देववठ पाउ देव धमय लक्ष्मीरति लक्ष्मीत लक्ष्मी गविगिनय लुम्बंर लुम्बुन मोम हरि ।

३१८ १४ यम—अजत औदरर वान बिब बिबपन ह्यन धर्मराज भीम धर्मराज, बायु मर कुलीन ईवावत लक्ष्मीरप ।

३१९. नरक—बंबरीय उष्ण कटाह,
 कालमुन बहमुन तनुबल तप्तपापाण
 तप्तबाष्क तप्तधमि तप्तसुराकुड
 तमप्रम तमिल तमिल तुपित दुर्गति
 दोबळ दोबळ मर्क नारक निरम
 यमळोक यमपुरी यमपुर, यमराज्य
 यमराष्ट्र यमसदन यमाख्य रसातल
 रौरव सजल सजपगी।

बिबोम—दे 'स्वर्ग'।

नारकीय—नरकनीची नरकी नारकी
 नारकीय पठित पातकी पापी।

३२ कुड प्रसिद्ध नरक कुंड—बककुंड
 तप्तकुंड बसकुंड सर्पकुंड।

३२१ ७ नरक—अवटनिरोधन क्षार
 मईम बंधसूक पर्यावर्तन रक्षोन्ननोन्नन
 सूक्ष्मोत्त सूक्ष्मोत्त।

३२२ २१ नरक—(मनु के अनुसार)
 बंधधामिल बधियनधन बंधीय
 काकोक काकसुन कुड्मळ तपन
 तामिल नरक प्रतापन प्रतिभूतिक
 महानरक महारौरव महाबीधि रौरव
 कोडवारक कोडसंजु वैतरणी धातमकी
 संजीवन संज्ञात।

३२३ २१ नरक—(धामिल के अनुसार)
 बंधकूप बंधधामिल बंधपाल बंधीची
 बधियनधन काकसुन कुंडीपाक कुमि
 भोजन तप्तधमि तामिल पूयोव
 प्राचरोध महारौरव रौरव काकामस
 बयकटकधातमकी विपसन वैतरणी
 धूररमुख संबंध सारयेमादन।

३२४ २५ नरक—बंधकूप बंधधामिल
 अवटनिरोधन बंधीधिरयपान बधियनधन
 कुंडीपाक इनिभोजन क्षारकर्षम तप्त

मूमि तामिल बंधसूक, पर्यावर्तन पाप-
 बास पुमोव प्राचरोध महारौरव रक्षो-
 गन्नभोजन काकामस बयकटक,
 धातमकी धूररमुख सूक्ष्मोत्त संबंध
 सारयेमादन सूक्ष्मोत्त।

३२५. नरक भोगता—कर्मकष्ट सहना,
 भोगता यातना भोगना रौरव भोगना।

३२६. नरक की पीड़ा—आज, आममस्य
 कारण कष्ट, तीव्रवेदना तेसस्त कुड
 नारक निष्कृति पीड़ा प्रेत, बाधा
 यातना यथा विष्टि।

३२७. नाप—काप्रवेयस पाठाकी छीर
 सेय। दे 'छाप'।

३२८. नापमाता कज के ९ पुत्र—अनंत
 अपराधित कंबळ कर्कोटक कुडिक पध
 महापध बासुकि संस।

३२९. प्रमुख ८ नाम (इनसे ही नामों की
 ८ धातुएँ बनीं)—अनंत कर्कोटक
 कुडीर, तसक पध महापध बासुकि,
 संस।

विशेष—इन्हें 'अष्टनाम' कहते हैं।

३३. छेवनाप—अनंत महिराज अहीत
 कुबट, कुमूत बरणिधर, बराधर, बर-
 धरन बराधर, धाता नायराज नावेण,
 नागेश नापेरवर, पद्मगपति पद्मनेत्र
 परिब पाठाकीकस फलिपात फनीर
 फनीस फनिह फनीह, फनिराज फनिधर,
 बासुकी भुवंगपति भुवंगइ भुबट, भूमि-
 बर, भोगी महाबहि महिबट, महीबट,
 बासुकी छेप सर्पपति सर्पराज सहुस
 शीव सहसमुख सहसवरन सहसरीस
 सहसासन।

३३१. छेवनाप का स्वभाव—पताळ।

३३२ छोपनाय का प्रासाद—मणिमिति
मणिमंडप ।

३३३ छोपनाय की स्त्री—अनंतशीर्षा ।

३३४ छोपनाय का कव—मणिद्वीप ।

३३५ पाताल—अबीसोक उरगस्थान
नामसोक निम्नसोक पाठार, पाताल-
कंड पातालपुरी ।

३३६. ७ पाताल—(विष्णुपुराणानु-
सार) अठक विठक निठक ममस्ति
अथ महाठक मुठक पाताल ।

३३७. ७ पाताल—(पद्मपुराणानुसार)
अठक (महामाया) विठक [हाटकेश्वर
(पिब)] मुठक (बलि) ठकाठक (माया)
महाठक (बड़े सर्प) रघाठक (दैत्य
तथा दानव) पाताल (बामुकि) ।

बिद्योप—कोष्ठकों में घासकों के नाम हैं ।

३३८. ८ पाताल—(विष्णुपुराणानुसार)
ठक अठक विठक ठाठ विधिपाताल
घईरामुमि विजय ।

३३९. पाताली में रहने वाले प्रमुख
नाक—कचोटक कामिय कुधिक कुहक
तराक बर्नरय रंघ रानबूड गुपन ।

३४ पातालों में रहने वाले प्रमुख
रासस—पाणि पातालनेतु, बलि मय
बठ ।

३४१ कचोट (सर्पराज)—कचोटक ।

३४२ कालीनाय—कालिय काली महा
नाय ।

३४३ बलि—पातालीबठ प्रह्लादादीप
महाबलि विष्णाकपीति विरोचनमुन ।

३४४ बलि की स्त्री—विष्णाकनी ।

३४५. बलि की पुरी—महापत्तिपुर ।

३४६ अठक अंठक अठक अठक

कर्बुर कुहप कैंकध लपाचर, धपाट,
लचर, तमीचर दंत बनुब दानव
दितिज विठिसुठ देव देवपानु, देवारि,
ईठ ईतेम ईत्य ईयठ घूम प्वाठचर,
मकठचर, निळाचर, निघाचर, निघाठन
निघाबिहार, निधिचर, निरचर, निघाचर,
नीर्हंत पर्थ्य पीठ, पुष्कल पुर्बदेव
मनुजाय, रासस रुबण बयदंष्ट्र बनीन
घर, गुम्भ दुरुधिप्य मुरद्विप मुररिपु,
मुरबीरी ।

३४७. बालक—अयोमुक्त अरिष्ट बरण
एकचक्र कपिल तापन कुर्बय त्रिमूर्दा
पुत्रकेस पुसोमा विप्रचिति विभावनु,
विठपाल नृपपर्वा रंकुधिठ चबद,
रवर्मानु, ह्यपीब ।

३४८. रासस—अगिर अदेव अविबुध
अधय अघप अमुर, अमुरसेन आकाश
बाठी आघर, कर्बूर, कम्पाद कम्पाठ
कौणय तमचर, तमाबाठी तमीचर,
निळाचर निपकात्मज निघाचर निधि
चर नीर्हल पसाद पलायन पलाय
पसाशी पुष्पजल पुष्पाघ पुरवापी
प्रपठ भीष्म नृन मनुजाय पञ्चपानु
यकारि, यज्ञइह यानु यानुपान यामि
नीचर, रत्नपीब रत्नप रत रसत
रच्छम रजनीचर, राकस राठन
रात्रिचर रात्रिबाठी रात्रिचर रात्रि
बल रात्रिमल रात्रिभट रनिचर, रंघ
बर्ष विपुल साहाय रंघ्याबल ।

बिद्योप—अमुर दानव तथा रासस अथ
प्राय पर्याय क कय में ही प्रयुक्त होने
हैं ।

निशिचरा निशिचरी निश्चरी चान्धी
पलासिनी पुलोमी भूतिनी मासुबानी
राष्मसी राशिचरा सिहूकी ।

३५ भूत—बासेब जिन जिय ठेठिया
मघान पिघाच पिघाच प्रेठ पीन
बेठास बीठास मराग ।

३५१ भूतों के कुछ बेद—जिन ठेठिया-
ममान मट, बरम ।

३५२ भूतिनी—बुईल बुरहन जिमिन
बाहन प्रेठिनी बीठासिन ।

३५३ भूत पिघा—बोसइली प्रेठविघा
छोबपती ।

३५४ भूत झाड़ने वाला—बोसइल
बोसा छोबइल छीला ।

३५५ भूत प्रेठ की बापा—बासेब फेर,
भूतबाबा ।

३५६ जहाँ भूत हो या जितमें भूत
हो—फेरबाका भूतहा ।

३५७ भूत झाड़ने का स्थान—बीर
बात देबइल देबस्थान बइस्थान
स्थान ।

३५८ भूतों के स्थान—अबसवान बीर
बीह थोरपइटा बइस्थान समान
नतिबइ ।

३५९ भूत लगना—बुरहन परना फेर
बइना फेर लगना भूत बइना हुआ
लगना ।

३६ अन्न लगाना—टोना करना फेर
हालना मेलन हाँवना ।

३६१ भूत झाड़ना—जना जोन-टो-
कना झाड़ना झाड़ना-बूटना झाड़
बूड बनना टोना-टोका करवा बूँटना
भूत जगालो बँडर बालो बँब बनना ।

३६२ टोना—कुर्बन बाहु, टोना मूठ ।
३६३ टोना करना—बूटि जगाना मबर
जगाना मूठ बनाना ।

३६४ टोना करने वाली स्त्री—टोलहिन ।

३६५ रबिकुल—रबिबंस सुबंबंड ।

३६६ राम—अबसेठ कपिरय कमल-
नयन कमलाकांत काकुरख छपटि,
ठाकिकारि, तिरलोकीनाथ बिजोकराथ
मिलोकपति मिलोकीनाथ बघबंठबहा
दलकंठादि, बघरखसुठ बाघरख बाघरखि
माबब रघुबंठ, रघुबंठन रघुनाथ रघु
नायक रघुपति रघुपाई, रघुपत्र
रघुपत्र रघुरीया रघुबंठकुमार, रघुबट,
रघुबीर, रघुलम रघुइह रामच राम
चंद्र रामभद्र रामनादि, संश्रुति,
बीररामच बीपति उत्तमसंघ सीतानाथ
सीतापति सीतारमण सीतारखन
सीतायना सीताबर, सीताबल्लभ
मुषीवेग मुवाहुपनु हरि ।

३६७ सीता—उबीना अनकनुठाटी
अनकनंदिनी अनकनी अनवपुत्री
अनकायना या जानकी बरभीमुना
मघरमजा पुष्प-रसोका भूतनवा
भूपुत्री भूमिज भूमिजा भूमिबंठबट,
भूमिकुना भूमुना भीमी मैथिली,
बोवनपंथा बोवनभंपिका रात्रिया,
रमा लक्ष्मी लालाकी बीदेही छाया ।

३६८ बघरख—अबसेठ कीउलपति
बघरख दलसहन दिनस्यहन पकिरख
रघुबगवधि रामरिनु घामनेबी ।

३६९ बीरस्था—बीरस्था कीठिया,
कीगत्या कीरिस्था ।

३७ लगनन—अनंत अहीर गैबाहुट

रामानुज कलन सक्तिमन सधूमन कसु-
मन धप सीमित ।

- ३७१ कसमन की स्त्री—उगिला ।
- ३७२ कसमन के पुत्र—अंगद चरकेतु ।
- ३७३ मरुत—कैकेयीसुत मरिचीपति ।
- ३७४ मरुत की स्त्री—कृष्णध्वजकुमारी
मरिची ।
- ३७५ शत्रुघ्न—अरिधमन अरिमर्दन
अरिहन् अरिहा रिपुधमन रिपुसूदन
उजवातक शत्रुघ्न शत्रुधमन शत्रुमर्दन
पनुहा शत्रुघ्न ।
- ३७६ शत्रुघ्न की स्त्री—सुतकीर्ति ।
- ३७७ सुमित्रा—मित्रा ।
- ३७८ कैकेयी—अस्वपतिसुता केकई,
कैकेयकुमारी ।
- ३७९ जनक—तिर्हृतराज मित्रिकेश
राजपि विदेह, मित्रिकमिषि ।
- ३८ जनमान—अंजनानंद, अंजनीकुमार,
अंजनीनंद अंजनीपुत्र अंजनीसुत असा
हंत अंजनेय अतिकेयरी कपीध भिरं
भीषी विदेहत्रिय पवनकुमार, पवनज
पवनजनम पवनमर्दन पवनपुत्र पवन
पुत पवनसुत पवमात्मज प्रमंजनबात
पावनि बंकट बजरंगवली बक्षानी
बक्षान महाबीर, माक्ष माक्षति योग
बद रबतपुति रामवास रामवृत्त राम
बक्ष लंबी बयककट, बरिष्ठ, वात-
पुत्र वातात्मज वातरेत्र वायुपुत्र
विजय हनुमान हरीध हनिवत हनुवत ।
- ३८१ अंजनी—अजना अंजनि केयरी
धिय ।
- ३८२ बाकि—तापधिप तापभीष ताप
नाथ तापपति ।

- ३८३ मंपद—तारेय भुजबंध ।
- ३८४ बामवत—श्लेषपति श्लेषराज
बांबवान बांबुवान बामवान मामुनाथ
रीशराज ।
- ३८५ सुधीज—अर्कज तापधिप ताप-
भीष तापनाथ तापपति विनेशारमज
रवितगय रविनंदन रविपुत रविसुजान
बागरे हरीध ।
- ३८६ विभीषण—निक्षिचरराज अंक-
नाथ अंकनायक अंकपति लकेध ।
- ३८७. कागमुष्टि—कायमुष्टी मुष्टि
मुष्टि ।
- ३८८ शबरी—भीरुनी विकुनी शबरी
शबरी ।
- ३८९ अहल्या—अहिल्या पौतमी ।
- ३९ रावण—कुंभीनर कृत्तिकर,
निष्ठाचरपति दनुजेध दधकठ, दधकंध
दधकंधर, दधपीबा दधमाथ दधमुक्ष
दधमीक्षि दधवदन दधधिर, दधधीर्ष
दधधीध दधानन दधास्य ईत्येत्र
निश्चरपति पक्षिधीव पीलस्य बहुबाहु
यातुवानेश रचना रासपति रावण
लक्ष्मण लक्ष्मणायक अंकपति अंकाधि-
पति अंकपति लकेध अकेरवर, विद्यति-
बाहु ।
- ३९१ मन्त्रीशरी—मन्त्री मयसुता ।
- ३९२ केसिनी (रावण की माता)—
कैकयी ।
- ३९३ मेघनाद—अंजित मधवावित
मधवारिपु, मेघनाथ शम्भरि ।
- ३९४ अक्षयकुमार—अक्ष अक्षकुमार,
अक्ष अक्षयकुमार ।
- ३९५ विजटा—धर्मज ।

४२६. भीम की स्त्रियाँ और उनसे
 उत्पन्न पुत्र—श्रीपरी—भूतशोम
 द्विडिवा—पटोल्कच बर्कमरा—उरवय।
 ई 'श्रीपरी' ।

४२७. लकुल—अश्विनीकुमारज उषिपाक
 बाहुक माद्रिज ।

४२८. लकुल की स्त्री—करेजुमति बेदि
 कुमारी ।

४२९. लकुल का पुत्र—मिर्दिमत्र ।

४३. सहदेव—अश्विनीकुमारज माद्रिजा
 लजुपावन ।

४३१. सहदेव की स्त्री—विजया ।

४३२. सहदेव का पुत्र—सुहोष भूत
 क्षमत् ।

४३३. सत्यवती—कालीपत्नी पंचकालिका
 पंचकाली पंचवती लसोही वासुदेवकी
 वासेमी मन्त्रोत्तरी मत्स्यपंथा मोहनपंथा ।

४३४. भीष्म—कौमपर्वज गंगापुत्र गंगा-
 सुत तंयैम गंगामनि धायेव
 ताककेतु, ताकम्बज शैवजत पितामह,
 पुरावसु, भीष्मपितामह, भीष्म धान्तनु-
 सुत सतनुसुत सरितसुत स्वेच्छामृत्यु ।

४३५. वृत्रराजु—अश्विकेय अश्विकेय ।

४३६. दुर्वासन—कौरवपति कौरवेष्ट
 सुयोधन ।

४३७. दुसला—कौरवपत्नी दुसका
 दुसका दुसका ।

४३८. कर्क—अथवाद् अंगाश्विपति अश्वि
 रथि अर्कज अर्कनवन करव काशीन
 भीपुत्र पटोल्कचातक अषाश्वि चाम्पेस
 विनेवात्मज राधासुत रावेम वसुदेव
 वीकर्तन सुतपुत्र दुर्वसुत ।

४३९. अथर्व—उषिपाकक ।

४४०. शोभाचार्य—कुंभज कुंभजात
 कुटज भाखाज ।

४४१. मयकल्पामा—धिरजीवी शोभि,
 शोभायन शोभायनि शोभि ।

४४२. अरस्तंभ—अरापुष्ट, अरायणि अर-
 सुत ।

४४३. अंत—अंतानुत्, कलांकुर ।

४४४. परशुराम—कुठारपाणि अतोष्क,
 अंबवरसु, वामदम्प्य गृपशोही परशुवत्,
 परशुपाणि परशुराम ब्रह्मराषि भार्गव,
 मृगु, मृगुनंद, मृगुनंदन मृगुनाथ
 मृगुनाथक मृगुपति मृगुमुक्ष्य मृगुपम
 यामवनि राम रेणुकात्मज ।

४४५. रेणुका—(परशुराम की माता)
 कोकड़ा कोकड़ावती ।

४४६. कच्छप—(अथवा) कच्छप,
 कच्छ कमट कुर्म महा अतुर्पित अ-
 गुल्म दोलेय जीवध पंचनृप पंचन
 पंचांगपुत्र पीवर ।

४४७. कुट्ट—अश्वि अर्कवसु, अश्विनती
 अर्हज अर्हज आर्य करुम कुलिष्ठासन
 अश्व पीतम अश्वतीचर, वितादि, विन
 ज्ञानकार, अ त तथापत तथापज
 तमोष्म निष्काम विहरण वम ववाकूर्ध
 वक्षपादितामर, वक्षवक वक्षभूषिद,
 वक्षभूषीत वसाई वसाई द्वारकाज
 धर्मकेतु, धर्मवक्र, धर्मज धर्मजापु,
 धर्मप्रभास धर्मप्रवचन धर्मराज
 नदीवत नागाधिमू नागार्जुन निष्कृती
 पद्यधर्म पद्ययोनि पुच्छक बलातम
 बहुकप मजवत धमबाल् धमनाग
 निमक भीष्मस्वरराज महाशोभि
 महार्मज महावीर, मामादेवीसुत

मारुचित मनि मुनींद्र मुनीघ मुनीश्वर,
मविमभू, मायासुत रत्नकीर्ति रत्नकेतु,
लोकचित लोकस्येष्ट, लोकनाथ लोक-
प्रदीप लोकामिप बन्दी बय्यकपाशी
बय्यसत्त्व बय्यसूर्य बामासनि विगतोद्धव
विनायक विपथी विपथी विस्वंतर,
विस्वबोध विस्तीर्षमेव ध्योमाम पडमिष्ठ
धाक्यमुनि धाक्यसिंह, धास्ता धीधन
संपुष्ट सत्यकेतु, समंतप्रभास समंत
मद्र समकर्म सम्यकसंबोध सरल
सरोबी सर्वज्ञ सर्वार्थ सिद्ध सिद्धार्थ
सुखावतीश्वर, सुपत सुगत-वेश सुवीप
सुभेष्टरूप सुभाषणी सुभाषित
सुमनोऽभोज सोमसिद्धान्त स्थित-
बुद्धिबल हर्षुल ह्म हिरण ।

४४८ कस्कि—कलकी कस्किन् ।

४४९ ऋषि—ब्रह्मर्षि मंचराठा मंच
इष्टा मनीषी महवि मुनि मुक्तकार,
सूक्तप्रदा ।

४५० कवय—सुध तासं मृताकुंठ ।

४५१ कवय की १३ परितपसा—अरिति
(ब्रह्मायनी) अरिष्टा इरा इला कद्रु,
श्रेया ताप्रा इनु, विरिठि प्रभा मुनि
विनता स्वधा ।

विधेय—कुछ मर्तों से मं १७ तथा कुछ
मर्तों से ७ की ।

४५२ हवीच—हवीचि हर्व्यच ।

४५३ शुक्राचार्य—अभरपति आदिगार्ह
एकाल कवि कविपुत्र काव्य ईत्यनुद,
मापमव श्रेण पीडसांशु ।

४५४ शुक्राचार्य की स्त्री—शतपर्वा
शुपमा ।

४५५ अदि—प्रभावकर ।

४५६ अदि के पुत्र—कुर्वासा रे
'कुर्वासा' ।

४५७ अनुसुमा—अग्निप्रिया अनुसुहमा
अनुसुय प्रभाकरप्रिया ।

४५८ अत्रमाह्वयि—अग्निनेत्रक ।

४५९ कुर्वासा—अग्नि अश्वेय आश्वेय
कुषारणि ।

४६० वास्मीकि—वारिकवि कुषी
कुषीरुत्र प्राचेतसु, वास्मीक मैत्रावरुणि
वल्मीकोद्भव ।

४६१ व्यास—कानीमा हृष्य हृष्य
हैपायन गागेव हैपायन पराधरसुत
पाराधर, पाराधर्यं पाराधरीर, पावन
व्यास वेदव्यास धारभरतु सत्यवतीसुत
[पुराणों के अनुसार विष्णु के अकतार
के रूप में २८ व्यास ही बूके हैं ।]

४६२ श्रुंगीह्वयि—गुणव विनायसुत
सातावध श्रुंगी ।

४६३ नारद—कपिलव्रत कक्षप्रिय कालि-
कारक कक्षिप्रिम जगद्गुरु देवमुनि
देवज देवभूत देववि पिशुन ब्रह्मपुत्र
ब्रह्मसु ।

४६४ अयस्य—अयस्त अयस्ति अयस्ती
अग्निवावति जीर्बशेय कक्षघिसुत कुम्भज
कुम्भराठ कुम्भयोनि कुम्भसंभव कूटज
कूटज कूटयोनि कूटसंभव पटोद्भव
पीताम्बि मैत्रावरुण माम्य विष्वक्
सम्पुत्रुलक सिन्धुघासनि ।

४६५ अयस्य की स्त्री—कौशिलकी
कौशामुद्रा वप्रदा ।

४६६ विरवामिह—कौशिक माविज
माविर्नदन माविगुनु, पाशेय पीरव
राववि ।

३९६ ताडका—ताडका ताडिका ।
 ३९७. मारीच—ताडकेय मरीच ।
 ३९८. सूर्यवला—पौलस्त्यी सूर्यनेत्रिया
 सूर्यनला सूर्यनला सूर्यनला ।
 ३९९. कल्प—मरिकेयी अङ्घ्रिन कंबैया
 कंवादि, कन्हीया कन्हाई, कमलावन
 कमलाकांत कांत कांपर, कान्हा कान्हा
 कामपाळ केसव कार्णवी पारदि,
 कापरी परङ्गामी गरुडावन मिरिपर,
 मिरिपरल गिरिवाहन गिरिवाही
 गोपति पोपाळ पोपीनाथ पोपेन्द्र
 पोसोकेश पोबिद गौराव वनस्याम
 वक्रवर, वक्रवारी वक्रमाणि वनार्जन
 वदुपति वदुपाळ वदुपार, वदुपाव
 वदुपय वदुवर, वदुवीर, वाचवपति
 वीसेवर, वृषीस विलोकनाथ विलोक-
 पति विलोकीनाथ रामोवर, देवकी-
 मन्दन देवकीपुत्र द्वारकावीर द्वारका
 नाथ धर, नंदकिशोर, नंदकुमार, नंद
 नंद नन्दनन्द नन्दनज नन्दलास नंदाळज
 नन्दाप नवनीत नवकविशोर, पांडवा-
 यन पीठबास पीठावर, पुष्पोत्तम पुंनि
 गर्भ पुंनिनर नंदीवर वनमामी
 वनवाही वनवीर, वाचदेव बाहुरजाभी
 बहुरीवर्त भगवान मदनपोदास
 मदनमोहन मधुपति मधुगुदन भन
 मोहन महरेटा मापव मापो मुपुद
 मुरदर, मुरमर्जन मुरलीवर, मुरलीमनो-
 हर, मुरहा मुरहापी मुपति, मुरापी
 मोहन मोहनायन यमनेमि यमकिण
 यदुनयन यदुनाप यदुपति यदुपव
 यदुपार, यदुपाव यदुपाय यदुपयपति
 यदुवर, यदुवीर, यदुनज यवतारि

यारव यारवेस योवीन्द्र योगेवर,
 रसिकविहापी रसेस रावापय
 रामानरुध्न रावाकांत लक्ष्मीपति
 कासमन कीलापुष्पोत्तम बंधीवर, वक्र-
 वीर वासुदेव विभूना विहापी वृषा
 वनेवर, वृष वृष्णि वजराथ वजमोहन
 वजलास वजवस्तम वजस्पति वनेन्द्र
 वजेवर, वासुदेव सकटादि, संखवर
 घटानंभ शिखंडी शिशुमार, रामानुवर
 श्रीकृष्ण श्रीराम श्रीपति सैबकिया
 सैबके सात्वत सारंग सुबह्य सुरबाता
 सुराभ्यस सुरेस सुरेस सेतुप्रद, सोमो
 सुमध, हृषीकेस ।

४० राया—कीर्तिकेशोपी कीरति
 कुमारी राजिका रागा वजराती
 वृषावनेवरपी वृषयातुजा वृषयानु
 मन्दनी वामा वीमपी सुरेस्वरपी ह्री
 त्रिया ।

४१ वरिमची—वीर्यकमुता विरय
 कुमारी ।

४२ वरिमची का वृष—प्रद्युम्न वै
 'कामदेव' ।

४३ अनिच्छ—उपापति अल्पक
 तपाक ।

४४ अनिच्छ वी रथी—उपा उप
 प्रीतिमुपा ।

४५ अनिच्छ का पुत्र—अनिरुद्रपुत्र वर
 ४६ वसुदेव—जानकपुंभुभि ।

४७ वसुदेव वी रथी—अरिति हृष्ण
 धननी देववमुता देवकी पुत्री ।

४८ नंद—गौतमाथ गोपराय ।
 ४९. यपीरा—वसुपति 'हरनी' रथ
 यमुता ।

४१ बलराम—अभ्युताम्रज महीस पक-
कुडल कामपाल काठिनी भेदन शरादि,
शरापी तालकेतु, तालध्वज तालध्वजी
तालसहाज तालांक राठ, बस बलराठ,
बलवेद बलबीर, बलभद्र भद्रबलकम
भद्रांग मुसली मूषकपाणिफ ममुनामिह,
राम इकिमहर्ष रकिमवापी रेवतीरमभ
रेवतीरमन रीहिगेय छांगकभ्वज कापकी
खेय संकर्वय सबर्तक सबर्तकी सात्वत
सीतावर, सीरपाभि सीनरी हूकदेव
हूकभर, हूकामुह हली ।

४११ कुंती—पांडुप्रिया पाण्डी पुवा ।

४१२ पांडव—पंडव पंडवा पांडवेय
पांडतनय पांडपुत्र पांडुमुत ।

४१३ ५ पांडव—मुषिष्ठिर, अर्जुन भीम
मकुल सहदेव ।

४१४ मुषिष्ठिर—अनाठराधु, कंक कुफ-
राय कठिय जय बर्भपुत्र बर्भराव
बर्भराव बर्भराय बर्भरावाट, पुष्परत्नोक
मुवातरिपु ।

४१५ मुषिष्ठिर की स्त्री—देविका (महा
मात्मानुसार) यीशेयी (विष्णु पुत्रना-
नुसार) ।

४१६ मुषिष्ठिर का पुत्र—यीशेय (महा
मात्मानुसार) देवक (विष्णु पुत्रना
नुसार) है 'द्रौपदी' ।

४१७ अर्जुन—ऐरि कपिध्वज कपिरम
कर्पादि, किपीट, कृष्ण कृष्णसहा
कठिय काठीरी माठीरबन्वा माठीरवट,
बुढाकेय विमबीबी विष्णु, तपत्य
बर्भनय बन्वी नट, पांडुनंदन पाकपाठनि
बार्भ फलपुत्र फलपुत्र मध्यमपांडव
राधानरी बाठबी विजय विजय

बृहन्न बृहन्नता विपुमस्त्रंभ शंबट,
सम्भवेपी सिधमस्त्र श्वेतबाहन सम्भ-
वापी सम्भसाधि सम्भसाची सितपुरय
सितबाजी सितारव सुनट, सेतबाहु,
हरिसुत ।

४१८ द्रौपदी—(पाँचों पांडवों की स्त्री)
कृष्णासत्री कृष्णा द्रुपदमुता द्रौपती
द्रौपदी द्रौपती नरुगारि नित्ययीवनी
नित्ययीवना पंचभज पंचालकुमारी
पांचामी पांचाली पारणती पार्यती
पुष्पस्त्रोका यज्ञसेनी देविका सत्यसंवा
सेरंभी सीरिभी ।

४१९ बाँचों पांडवों से द्रौपदी के बाँच
पुत्र—मथिबिध्व (मुषिष्ठिर) मुतसोम
(भीम) मुतकीरि (अर्जुन) सतानिक
(मकुल) मुतकमन् (सहदेव) ।

४१९. अ. द्रुपद—द्रुपत यज्ञसेन ।

४१९ आ कुमन्—(अर्जुन की स्त्री तथा
अभिमन्यु की माता) अर्जुनी कृष्णवाती
पीत्रा बनुदेवकुमारी सुमहरा ।

४२ अभिमन्यु—अभिमन्यु पाण्डु,
पार्यनन्धन सुमन्नामुत सीमन् ।

४२१ उत्तरा—उत्तरस्वता विराटकुमारी ।

४२२ उत्तरा का पुत्र—परीक्षित ।

४२३ परसुवी—कीर्य्यमुता नायक्या
नायकुमारी ।

४२४ परसुवी के पुत्र—इरावत बभ्रुबाहन ।

४२५ नीलतैम—अर्धत पवनकुमार,
पवनन पवननहन पवनपुत्र पवनसुत
पवनभारमज पवनतनय पवननंद, पवनमुत
पुष्टरुनी बाहुयाठी, भीम भीमा भीम्
भीब भीव्य भास्त भावति बापुपुत्र
बकनीत बाठपुत्र बुकोहर ।

४२६. भीम की विजया भीर उनसे
पत्वम पुत्र—हीपरी—मूठछोम
हिंडिका—बटोल्कन बलभरा—सरवग।
रे 'हीपरी' ।

४२७. नकुल—अश्विनीकुमारख तंनिपाक
बाहुक माहिनु ।

४२८. नकुल की स्त्री—करेकुमठि बेदि
कुमारी ।

४२९. नकुल का पुत्र—निरमित ।

४३ सहदेव—अश्विनीकुमारख माहिजा
लमुपांडव ।

४३१ सहदेव की स्त्री—विजया ।

४३२ सहदेव का पुत्र—सुहोत्र मुठ
कमल ।

४३३ सत्यवती—काकावती बंधकातिका
बंधकाली यंधवती लसोड़ी बासन्दिनी
बासेमी मच्छीठरी मस्सयगवा मोरनयबा ।

४३४ भीष्म—कीचपर्वड बंधापुत्र गंवा
मुन गंधैय यंयायनि गांधैय
ठाकनेनु, ठाकप्वत्र देवत्रठ पितामह,
पुरावमु, भीष्मपितामह भीष्म घान्तनु
मुन सतनुमुन सधितमुन स्वेच्छामृत्यु ।

४३५. मृतराज्य—अधिकेय आधिकेय ।

४३६. कुपोंवन—कीरवपठि कीरवेष
मुपोवन ।

४३७. कुतला—कीरवमिनी कुतला
कुतला कुतला ।

४३८. कर्क—अनघट्ट अंयाधिरति अधि
रवि कर्कत्र कर्कनंदन करल कानीन
नीनुत्र बटोल्कवातक अंयाधिर आम्पेय
दिनेयापत्र रायामुन राधेय अमुरेय
बैरउंन गूणगुन नूर्पमुन ।

४३९. अपडव—उचिरालक ।

४४ शोभाचार्य—कुंभज कुंभजठ
कुटन भाखाज ।

४४१ अश्वत्थामा—धिरजीवी शोभि
शोभायन शोभायनि शोभि ।

४४२ अरासेन—अरपुष्ट, अरायणि अर-
मुठ ।

४४३ अंत—अंघामुठ, कर्काकुर ।

४४४ परशुराम—कुठारपाणि अतंतक
अंतपरशु, जामदग्ध्य नृपशोही परशुवट,
पर्वुपाणि परशुपम बह्मराशि धार्कन
भुनु, भुनुंद, भुनुंदन भुनुनाच
भुनुनायक भुनुपति भुनुमुस्य भुनुपम
यामरनि राम रेनुकारमज ।

४४५ रैचुका—(परशुराम की माता)
कोकड़ा कोकड़ावती ।

४४६ कच्छव—(अकठार) कच्छुआ
कछ कपट, कूर्म पहा नतुर्वीठ अक-
गुम दौसेय जीवव पचनुष्ट पंचनक
पंचायनुष्ट पीवर ।

४४७. कुड—अधित अर्कबंनु अइयवावी
अईच अईठ अर्प कवन कुकिछासन
अइय पीतम जगतीवट, त्रितारि, त्रिन
ज्ञानकार, न ठ तवागत ठवापत्र
ठमोपत्र त्रिकाम त्रिसरन वम वयाकूर्प
दसपारमितावर, दसवक दपमुत्रिव
दपमुमीण दसाई दघाडि हारघाम
पर्वनेनु, धर्मचक्र, धर्मत्र धर्मबागु,
धर्मप्रभास धर्मप्रचवन धर्मराज
नदीवत नायामिनु, नागार्जुन निनुभी
पद्यगर्भ पद्यपोदि पुष्पन अलासन
बहुरूप अमवन भगवान् मवबल
विपक, भीष्मस्वरराज महाबोधि
महावीर महावीर, मापादेवीमुन

मारजित मनि मुनींद्र मुनीघ मुनीपवर,
 मभिममु, मायामुत रत्नकीर्ति रत्नकेतु,
 लोकरित लोकभ्येष्ठ लोकनाथ लोक-
 प्रवीप लोकभिय बन्नी बयकपाळी
 बयसत्त्व बयसूर्म बागाधनि बिगठोद्यव
 बिनायक बिपथी बिपथी बिस्वतर,
 बिस्वबोध बिस्तीर्णभेष ब्योमाम पद्मभिज
 घालयमुनि घालयसिंह घास्ता भीमन
 संगुप्त सत्यकेतु, समंतप्रभाघ समंत
 मरु समकर्न सम्यकर्तबोध सरल
 सरोत्री सर्वज्ञ सर्वार्थ सिद्ध सिद्धार्थ
 सुबावतीरवर, सुगत सुपठ-वेव सुभोय
 सुभेष्टरुप सुबावर्षी सुभाषित
 सुमनोहरभोय सोमसिद्धांत स्थित
 सुद्विस्त हर्षुज हेम हेरव ।
 ४४८ कल्कि—कलंकी कल्किन् ।
 ४४९. ऋषि—ब्रह्मवि यशदाता भंज
 इष्टा मनीषी महवि मुनि सूक्तकार,
 सूक्तइष्टा ।
 ४५ कश्यप—सुत तार्क्ष मृताकुंत ।
 ४५१ कश्यप की १३ पत्नियर्षी—अश्विनि
 (रत्नायत्री) अरिष्टा इरा इला कद्रु,
 जोषा ताम्रा वनु, विठि प्रभा मुनि
 विनया स्वहा ।
 विसेय—कुछ मर्तो से ये १७ तथा कुछ
 मर्तो से ७ वी ।
 ४५२ हवीष—हवीषि हर्ष्यव ।
 ४५३ मुकाचार्य—अनरपति आरिणार्थ
 एकास कवि कविपुत्र काव्य ईरयगुव
 मातमव स्वेत पोडसाण् ।
 ४५४ मुकाचार्य की हवी—घटपर्वा
 सुपना ।
 ४५५. अग्नि—ममाववर ।

४५६. अग्नि के पुत्र—बुर्वासा हे
 'बुर्वासा' ।
 ४५७. अनुसूया—अग्निप्रिया अनुसुहया
 अनुसूय प्रमाकरप्रिया ।
 ४५८. चंद्रमाण्डवि—अग्निनेत्रज ।
 ४५९. बुर्वासा—अग्निज अग्नेय आग्नेय
 कुधारणि ।
 ४६ बाल्मीकि—आरिक्वि कुशी
 कुशीरुव प्राभेतसु, बास्मीक मीभावकनि
 बस्मीकोद्भव ।
 ४६१ व्यास—कानीना कृष्ण कृष्ण
 द्वैपायन गागेय द्वैपायन पराशरसुत
 पाराशर, पाराशर्य पाराशरीर, पावन
 व्यास वेदव्यास सास्वतस सत्यकतीसुत
 [पुत्रार्थों के अनुसार विष्णु के अवतार
 के रूप में २८ व्यास हो चुके हैं ।]
 ४६२ श्रुंगीण्डवि—मृगज विमांडमुत
 घातावन श्रुंगी ।
 ४६३ भारव—कपिवक्त्र कल्पिय काळि-
 कारक कल्पिय अयद्भुव देवमुनि
 देवत देवमुत देववि पिशुन ब्रह्मपुत्र
 ब्रह्मसू ।
 ४६४ अमस्त्य—अगस्त अगस्ति अमस्ती
 अग्निमावति जीर्णसेय कलाधिमुत कुम्भज
 कुंभजात कुम्भपोनि कुम्भसंभव कूटव
 षटव षटपोनि षटसंभव षटोद्भव
 पीताम्बि मीभावकव याम्य विष्णुकूट,
 समुद्रचुतुक सिन्धुसासनि ।
 ४६५ अगस्त्य की हवी—दौष्टीतकी
 लोपामुद्रा वरप्रदा ।
 ४६६. बिश्वामित्र—कौशिक आश्विज
 आश्विनवन याधिसूनु, गाग्नेय पीरव
 पार्वि

४६७. बभ्रुवृ—कुम्भन कुम्भनाथ ब्रह्म
पुत्र ब्रह्मपि ब्रह्मन्, वीरधि ।
४६८. वतात्रेय—बभ्रुवृ अत्रेय ।
४६९. ब्रुव—जीतानपादि, ब्रह्मनाथ ।
४७०. विष्णु—वेपथु, सत्यव्रत ।
४७१. अनामिक—अनामीक द्विजर्षभु ।
४७२. जैनी—जीनाथर्षभी ।
४७३. जैनधर्म की दो शाखाएँ—दिवंबर,
स्वेषांबर ।
४७४. जितानपात्र का संस्थापनी—दिवंबर,
नामा बस्त्ररहित बस्त्रहीन विनिमोक ।
४७५. जैनधर्म के ५ मूहत्वात्—
अपरिव्रत, अस्तेय बहिष्सा ब्रह्मचर्य सत्य ।
इन सभी को अनुक्रमणी में देखाकर ब्रह्मा
स्वान देखिये ।
४७६. जैनियों के देवों के ४ प्रकार—
अनुत्तर (५) कल्पातीत (९) प्रैवेक
वैमानिक या कल्पमय (१२) ।
४७७. १२ वैमानिक देवता—अंतक
अश्वत्थ आर्य ईशान गण प्राक्त
ब्रह्मा माहुर सुक, सनत्कुमार, सहास्य,
सीधर्म ।
४७८. जैनायनों के दो काण्ड—
अवसपिपी उग्रपिपी ।
४७९. अवसपिपी काल के तीर्थंकर—
अतीत श्रीवीर्य तीर्थंकर ।
४८०. अतीत श्रीवीर्य—श्री निर्वाण
साबर, महासाधु, विमलप्रभु, श्रीधर,
सुव्रत अमलप्रभु, उद्धर, अंधिर, सत्यति
सिद्धनाथ कुसुमांगिक धिषयव फस्ताह
ज्ञानेश्वर, परमेश्वर, विमलेश्वर, यशोव्रत,
कुम्भमति ज्ञानमति बुद्धिमति श्रीधर
अतिक्रम सावि ।

४८१. अवसपिपी काल के तीर्थंकर—
तीर्थंकर, वर्तमान श्रीवीर्य ।
४८२. वर्तमान श्रीवीर्य—अपयवेव
अभितनाथ समवनाथ अभिनंदननाथ
सुमतिनाथ पद्मप्रभ सुपास्वनाथ चक्र
प्रभु, पुष्पव्रत शीतकानाथ शेषाधनाथ
वासुपुत्र्य विमलनाथ अनंतनाथ धर्म
नाथ साविताथ कुम्भनाथ ब्रह्माप
मस्तिनाथ मुनिसुव्रतनाथ पमिनाथ
नेमिनाथ पास्वनाथ महावीर ।
४८३. अनापत श्रीवीर्य—(प्रविष्य ये
होने वाले तीर्थंकर) श्री महापप
सुरवेव सुपास्व स्वयंप्रभु सर्वेश्वरानुत्त
श्रीदेव कुम्भपुत्रवेव सर्वेश्वरेव प्रोच्छिस्त्रवेव
अमकीति मुनिसुव्रत ब्रह्म, निष्पाप
निष्पाप विष्णु निर्मल चित्रानुत्त
धमाभिनुत्त स्वयंप्रभु अनिनुत्त अवननाथ
श्री विमल देवपाल अंतवीर्य ।
४८४. महावीर—जिन विनेत्र ज्ञातपुत्र
नामपुत्र भगवान महावीर, महाभिन
वर्द्धमान ।
४८५. अक्षयदेव—आदिनाथ ।
४८६. जैनों के दो प्रकार के तीर्थ—
अतिशय श्रेय सिद्ध क्षेत्र ।
४८७. प्रचल अतिशय श्रेय—ब्रह्मर,
अपिक कौशाबी कुंडकुपुट, अश्वरथी,
अद्वैत देवगढ़ पयोरा पना बजरंधर,
बालार्जुन ।
४८८. प्रचल सिद्ध श्रेय—पिरिता,
अपापुट, शोभगिरि, पाकीराना पावापुट,
घोलगिरि ।
४८९. बीर्य—बीर्य वर्मावर्षभी श्रीधर-
वर्षभी ।

४९. बौद्ध धर्म के २ प्रथम संप्रदाय—
महायान हीनयान ।
- ४९१ बौद्ध धर्म के ४ आर्य सत्य—
कुल कुलसमुदय कुलनिरोध कुल
निरोध गामिनी प्रतिपदा ।
- ४९२ बौद्ध धर्म के कुछ देवता
(विष्णुवहाण संघ के अनुत्तर)—
वक्रनिष्ठ अतप अनयक अप्रमाण शुभ
अप्रमाथाम अगूह, आभास्वर, चातुर
महापत्रिक तुपित निर्मागरति परि
निमित्तवशवर्ती पपीत्तगुम परोत्ताम
पुष्पप्रसव बृहत्कल सुभहस्सुन मुदर्य ।
- ४९३ बुद्ध भयबाल—दे 'बुद्ध' ।
- ४९४ पद्मोवरा—योपा ।
४९५. बुद्ध-गुण—उगुह ।
४९६. प्राचीन काल के २४ बुद्धों में
प्रथम—दीपंकर, कीर्त्तिम्य मंसक
मुमना रैवत घोभित अनोमदर्शी पप
नारद, पद्मोत्तर, सुमेध सुजात प्रियदर्शी
अष्टदर्शी ।
४९७. बौद्ध धर्म के कुछ प्रसिद्ध तीर्थ—
बुद्धीनयार, बोधिपया लक्ष्मिनी बाग
शालास्य ।
४९८. बोधिवृक्ष—परिभोग चैत्य बोधि
द्रुम ।
४९९. बपोडा (बौद्ध मन्दिर)—पया ।
- ५ ईसाई—क्रिस्तान ईसासत्तासत्तबी
शिष्टीय सस्यनी मसीही ।
- ५ १ ईसाइयों के प्रथम संप्रदाय—
बर्मनी बसुरट, नस्टीटी प्रोटेस्टेंट, माक्-
बीया जाकोबाइट, रोमनकैथोलिक
कैथोलिक ।
- ५ २ ईसा—ईसासत्तहीह नारस्ट युदा

- का देता मसीहा वीसुसुष्ट ।
- ५ ३ विरिजा (ईसाइयों का मन्दिर)—
गिरजाघर, चर्च ।
- ५०४ ईसाइयों के तीर्थ-स्वत—प्रतिवोक
मसंकर्मदिया आबेस इछेसास कोरिय
जेससकम रोम स्मरता ।
- ५ ५. मुसलमान—इस्लाम बदन तुर्क
मुसलमान बदन (इस शब्द का अर्थ
अर्थ प्रीक होता है पर इसका अर्थ
बदन का प्रयोग खोम मुसलमानों के लिए
भी करते हैं।)
५०६. मुसलमानों के कुछ संप्रदाय—
खार्जी शिया सुफी ।
- ५ ७. इस्लाम धर्म के ५ उलूक—ईमान
नमाज रोजा जकात हज ।
- ५ ८. नमाज—सलात सिबदा ।
- ५ ९. ५ प्रथम नमाज—(अजिब
(प्रातः) पूहर (दोपहर) हज (अप
उलूक) मसजिब (धाम) एषा (रात) ।
- ५१ कुछ और नमाज—नमाज जुमा
नमाज ईद, नमाज बकरीद, नमाज कुसुक,
(सूर्य ग्रहण की) नमाज लुसुक (चंद्र
ग्रहण की) सलानुलहर्ब (लफाई की
नमाज) नमाजे चारत (१ बने की)
नमाजे इगपकर ।
- ५११ मसजिद—मस्जिद नमाजखाना
मसीत मसीद, मस्जिद, महजीद ।
- ५१२ मकबरा—इमामबादा बर बहि
स्तान मजार ।
- ५१३ नमाज बजना—मुमना सिबदा
करना ।
- ५१४ मजान—दीप ।
- ५१५ रोजा—खोम ।

- ५१६ अकाल—सैपठ शान ।
 ५१७. मुसलमानों की तीर्थ-यात्रा—
 जेयारत हब ।
 ५१८. मुसलमानों के प्रचल तीर्थ—
 अजमेर, जेस्सलम मक्का मदीना ।
 ५१९. जेस्सलम—बैतुल मुकद्दस ।
 ५२० मदीना—मदीना मुम्बय ।
 ५२१ मक्का—काना खाने काना बैतुल-
 हुराम मक्क मोजरेबमा ।
 ५२२ बुदा—बस्ता बस्ताह अकाह
 ताका इकाही कपीम खालिक बफूर,
 परबखिगार, एरबाक रहमान खीम
 सत्तार हारी ।
 ५२३ पैगंबर—रेबहुत नबी रसूल ।
 ५२४ मुहम्मद—अमील पैगंबर, महमूद
 रसूल शफी हजरत शामिर ।
 ५२५. ४ खलीफा (मुहम्मद के ४
 सहाबा)—हजरत अबूबक सिद्दीकी
 हजरत उमर फारुक हजरत उसमान
 एनी हजरत अली मुर्तजा ।
 ५२६. १२ इमाम (घिया सम्प्रदाय
 के)—अली हुसेन हुसेन बीन-उल्-
 खाविदीन् मुहम्मद बाकिर, बाकुर,
 सारिक, मुसा खाविम मुहम्मद ठकी
 अली नकी हुसेन अस्करी महरी अली
 मुसारखा ।
 ५२७. ४ इनाम (सुफी सम्प्रदाय के)—
 हनीफ, माकिफ सफी हुनदक ।
 ५२८. ४ आत करिस्ते—जिबीक नीका
 इक (इंर) इमाफीक (संकर) हजरत-
 इल (बन) ।
 ५२९. छैताम—अबाबीक इबलीस ।
 ५३ अमरत (मुसलमानों का स्वर्ग)—

- नईम बहिस्त मिहिस्त ।
 बिलोम—रे 'रोजक' ।
 ५३१ अमरत और रोजक के बीच का
 बरखा—जापक ।
 ५३२ रोजक (मुसलमानों का गरक)—
 बहमुम अहीम गाऽ, सऊर ।
 बिलोम—रे 'अमरत' ।
 ५३३ मुसलमानी भूत—जिन गट
 शैताम । रे 'भूत' ।
 ५३४ हिन्दुओं के धार्मिक ग्रंथ—आस्त्र
 नागम ग्रंथ ज्ञान विज्ञान विद्या शास्त्र ।
 ५३५ हिन्दूशास्त्र—उपनिषद् दर्शन धर्म
 शास्त्र पुराण वेद, वेदांग ।
 ५३६. शास्त्रविद्—अंतवर्कामि पंडित
 शास्त्रज्ञ शास्त्रज्ञाता शास्त्रवेत्ता ।
 ५३७. शास्त्रीय—शास्त्रीकृत ।
 ५३८. वेद—नामम आम्नाय छंद, यज्ञी
 धर्ममूल दिगम प्रवचन ब्रह्म वेद,
 श्रुति ।
 ५३९. वैदिक आत्मा—छंद आरत
 वेदनावा वैदिकी संसृष्ट ।
 ५४ वैदिक—वेदविहित वेदसम्मत
 वेदानुक्त ।
 ५४१ वैदर्शन—ब्रह्म, आत्मा ।
 ५४२ वैदपाठी—अरत वैदपाठी वेद-
 प्यायी वैदिक, योनिय योत्री ।
 ५४३ यदी या वैदययी—ब्रह्म साम
 यजु ।
 ५४४ ४ वेद—अथर्ववेद, ऋग्वेद, यजु-
 र्वेद, सामवेद ।
 ५४५ वेदों के ४ भाग—संहिता ब्राह्मण
 आरण्यक उपनिषद् ।
 ५४६. ४ संहिताएँ—ब्रह्म संहिता यजु

संहिता सामसंहिता अथर्वसंहिता ।

५४०. ऋग्वेद की शाखाएँ—आश्वलायन
मांडूकायन शांखायन शाकल्य ।
५४८. यजुर्वेद की शाखाएँ—शांख्य
कपिष्ठल्य-कठ मैत्रायणी तैत्तिरीय वाज
सनेयी ।
५४८. स. यजुर्वेद के २ प्रधान भेद—
हृष्य यजुर्वेद ध्रुव यजुर्वेद ।
५४९. इन्द्र यजुर्वेद की शाखाएँ—कठ,
कठ-कपिष्ठल्य मैत्रायणी तैत्तिरीय शाखा ।
- ५५ ध्रुव यजुर्वेद की शाखाएँ—
माथ्यरिण शाखा कांड शाखा ।
- विशेष—यजुर्वेद की शाखाओं की पूरी
संख्या ८९ है । ऊपर केवल प्रधान शाखाओं
का उल्लेख है ।
- ५५१ सामवेद की शाखाएँ—कौषुम
रामायणीय पैमित्रीय ।
- ५५२ सामयान—उदगीय ।
- ५५३ अथर्ववेद की शाखाएँ—पिप्ल
कार शैलक ।
५५४. प्रधान ब्राह्मण ग्रंथ—ऐतरेय
(ऋग्वेद) नैपीथकि या शांखायन
(ऋग्वेद) ताण्ड्य या पंचविध (साम
वेद) पशुविध (सामवेद) तैत्तिरीय
(इन्द्र यजुर्वेद) घटपथ (ध्रुव यजु
र्वेद) यौषध (अथर्ववेद) ।
५५५. ६ वेदांग—रस्य छंद, ज्योतिष
निसन व्याकरण विज्ञान ।
५५६. उपवेद—अथर्ववेद (अथर्ववेद का)
वायुर्वेद (ऋग्वेद का) अथर्ववेद (साम-
वेद का) यजुर्वेद (यजुर्वेद का) ।
५५७. प्रारंभिकगी—उपनिषद्, ब्रह्मसूत्र
मयवर्णीता ।

५५८. प्रसिद्ध १८ उपनिषद्—अथ
ब्रह्मसूत्रिका अथर्वसिद्धि अथर्वसिद्धि,
अथर्व ब्रह्मसूत्र अथर्वसूत्र अमृतनाथ
वसुदेव अथर्वसूत्र अथर्वसूत्र आत्मबोध
आत्मा आदिति ईश ऋषि एकाक्षर,
एतरेय कठ, कठकठ कठिसंतरण
कामान्दिश कुठिका इन्द्र केन ईश्वर्य
कौपितिका क्षुरिक यजुपति पर्म वासु
वापाकतापनी बृहदा छान्दोग्य ब्राह्मसंन
बाबाक बाबाकि शारदा, तापनी
तुरीयातीत तेजोविद तैत्तिरीय त्रिपुरा
त्रिपुरातापन त्रिचिन्ता ब्रह्मिन्नामूति
दत्तात्रय देवी ध्यानविदु, नाथविदु,
मारायन त्रिचक्रं विर्वाय पंचब्रह्म
परब्रह्म परमहंस परिब्राह्मक परिब्राह्म
पाशुपत पैगळ प्रसन्न प्राणाग्नि हीन
ब्रह्म भस्मबाबासं भावना भिद्यु,
मंडल मंत्रिक महत् महानाटयण
महाबाक्य मांडूक्य मुंड मुक्तिका मुद्
गळ मैत्रायणी मैत्रेयी पाह्यबस्य योय
मुंडली योयतल यौनधिसा रक्ष्य
रामतापन रामरहस्य र्छादा ब्रह्मसूत्रि
बराह बामुदेव विद्या बृहज्जाबाल
बृहदारण्यक धरम शांख्य छांटपायनी
घाटी, रवेतास्वर, संन्यास सरस्वती
रक्ष्य संसार, सीता सुबाल सूर्य
सीमाथ्य स्कंद, हंस ह्यपीव हृदय
शांखी ।

विशेष—अ १८ उपनिषदों में १०
ऋग्वेद के १९ सृ यजुर्वेद के ३२
इ यजुर्वेद के १६ सामवेद के और ३१
अथर्ववेद के हैं । (उपनिषदों की कुल
संख्या नवीनतम खोजों के अनुसार अथर्व

- ५१९ बकल—बीरात बान ।
- ५१७. मुसलमानों की तीर्थ-यात्रा—
जैमाएत हज ।
- ५१८. मुसलमानों के प्रवास तीर्थ—
अजमेर, जैरघलम मक्का मदीना ।
- ५१९. बेइतलम—बीतुछ मुकइत ।
- ५२ मदीना—मदीना मुम्बरा ।
- ५२१ मक्का—काबा खाने काबा बीतुछ-
हयम मक्के मोसपखमा ।
- ५२२ बुवा—मल्ला बक्काह बकाह
ठाका इकाही करीम आत्मिक इफूट,
परवररिगाट, ररबाफ रहुमान रहीम
तरार, हापी ।
- ५२३ पैठर—वेबडूत नवी रसूक ।
- ५२४ मुहम्मद—अमीर पैठर, महमूद
रसूक धर्री हवरत हामिद ।
- ५२५. ४ अलीछा (मुहम्मद के ४
सहाबा)—हवरत अबूबक सिदीकी
हवरत उमर शारक हवरत उयमान
धरी हवरत अली मुतुबा ।
- ५२६. १२ इनाम (शिया सम्प्रदाय
के)—अली हुसैन हुयेन अिन-उब्-
आबिदीन, मुहम्मद बाकिर, बाऊर,
सादिक नूसा आबिम मुहम्मद धर्री
अली नफी हुयेन धस्करे महुवी अली
मुसाएबा ।
- ५२७. ४ इनाम (सुन्नी सम्प्रदाय के)—
हनीऊ, माकिर धर्री हवरक ।
- ५२८. ४ जलत करिखे—शिरीक नीका-
इल (ईर) इलाडीक (अंकर) हवरत-
इक (यम) ।
- ५२९. ईतान—अबाबीक इवलीत ।
- ५३ अजमत (मुसलमानों का र्वां)—

- नर्मि बहिष्ट बिहिष्ट ।
- बिलोम—दे 'होजक ।
- ५३१ अजमत और बीरत के बीच का
दरबा—मारऊ ।
- ५३२ बीरत (मुसलमानों का नरक)—
अहुमुम अहीम गार, सऊर ।
- बिलोम—दे 'अजत' ।
- ५३३ मुसलमानी मूत—जिन नद,
सैतान । दे 'मूत' ।
- ५३४ हिन्दुओं के धार्मिक ग्रंथ—घास्व
आयम ग्रंथ ज्ञान विज्ञान विद्या घास्व ।
- ५३५ हिन्दुशास्त्र—अपवेद दर्शन पर्य
घास्व पुराण वेद वेदांग ।
- ५३६. घास्वविद्—अंतकर्मि पंडित
शास्त्रज्ञ घास्वज्ञाता घास्ववेत्ता ।
- ५३७. शास्त्रीय—शास्त्रोक्त ।
- ५३८. वेद—आयम आत्माय अंर नपी
अर्ममूल नियम प्रवचन अहु नद,
भुति ।
- ५३९. वैदिक आत्मा—अंर, अंरस
वेदभाषा वैदिकी संस्कृत ।
- ५४ वेदोक्त—वेदविहित वेदसम्मत
वैदानुक्त ।
- ५४१ वेदनेत्र—अक नूबा ।
- ५४२ वेदपाठी—अंरस वेदपाठी वेदा-
ध्यामी वैदिक अधियम ओपी ।
- ५४३ अदी मा वैदजयी—अक साम
यनु ।
- ५४४ ४ वेद—अबवेदर अन्वेद, ननु
वेद सामवेद ।
- ५४५. वेदों के ४ भाग—संहिता ब्राह्मण
आरण्यक, उपनिषद् ।
- ५४६. ४ अहितार्थ—अक अहितार्थ मनु

- संहिता सामसंहिता अथर्वसंहिता ।
- ५४३. ऋग्वेद की शाखाएँ—भारवकायन मांडूकायन वाष्कक शांखायन वाकक ।
- ५४८. यजुर्वेद की शाखाएँ—काष्क कपिष्ककठ मीमांसयी तैत्तिरीय वाज सनेयी ।
- ५४८. अ. यजुर्वेद के २ प्रधान भेद—
कृष्ण यजुर्वेद सूक्त यजुर्वेद ।
- ५४९. कुर्या यजुर्वेद की शाखाएँ—कठ कठ-कापिष्कक मीमांसयी तैत्तिरीय शाखा ।
- ५५१. शुक्ल यजुर्वेद की शाखाएँ—
माध्यमिन शाखा कांड शाखा ।
- विशेष—यजुर्वेद की शाखाओं की पूरी संख्या ८१ है । ऊपर केवल प्रधान शाखाओं का उल्लेख है ।
- ५५१. सामवेद की शाखाएँ—कौषुम राचायनीय भीमित्रीय ।
- ५५२ सामयान—उरगीय ।
- ५५३ अथर्ववेद की शाखाएँ—पिप्प काद, पीनक ।
- ५५४. प्रधान ब्राह्मण ग्रंथ—ऐतरेय (ऋग्वेद) कौपीतकि या सांख्यायन (ऋग्वेद) ताण्ड्य या पंचविद (साम वेद) पश्विदा (सामवेद) तैत्तिरीय (हृण यजुर्वेद) शतपथ (शुक्ल यजुर्वेद) शौषथ (अथर्ववेद) ।
- ५५५. ६ वेदांग—वत्य छंद, ज्योतिष निरूपन व्याकरण धिशा ।
- ५५६. उपवेद—अथर्ववेद (अथर्ववेद वा) आपुर्वेद (ऋग्वेद वा) यजुर्वेद (सामवेद वा) यजुर्वेद (यजुर्वेद वा) ।
- ५५७. प्रसंगान्तरी—उपनिषद् ब्रह्मसूत्र मयवद्वीता ।

५५८. प्रसिद्ध १०८ उपनिषद्—ब्रह्म अक्षमालिका अथर्वसिखा अथर्वसिद्ध, ब्रह्म अथ्यारम अक्षपूर्ण अमृतनाद, अमृतविद, अक्षयुत अथ्यक्त आरमबोध आरमा आदधि ईछ अच एकाक्षर, एतरेय कठ कठवद कसिस्तरेय कासामिद्ध बुद्धिका कृष्ण केन कैवलय कौपितका क्षुरिक गणपति गर्भ गास्व गोपाकतापनी ब्रूडा छारोप्य जाकरयंन जाबास जाबासि तारसार, तापनी तुरीयातीठ तेजोविद तैत्तिरीय त्रिपुर त्रिपुरातापन त्रिदिशा बसिणामुति ब्रह्मभेम बेबी ध्यानविदु, नाशविदु, नारायण निराकंब निर्वाण पंचब्रह्म परब्रह्म परमहंस परिव्राजक परिव्राज पाशुपत वैपक प्रज्ञ प्राणान्नि होत्र ब्रह्म मस्मजाबाल भावना मिशु, मंडल मंथिक महूत महानाचमय महावाक्य मांडूक्य मुंड मुक्तिका मुद् गक मीमांसयी मीमयी माहवस्य योय-
मुंडली योयतत्त्व योयदिशा रहस्य रामतापन रामरहस्य चराय बप्ससूचि बराह बामुदेव विद्या बृहज्जावाक बृहदारण्यक छरम चादिस्य छाटपायनी छाटीर, रवेतापनर, संन्यास छरस्वती रहस्य सर्वसार, सीता सुबाक सूर्य सीमाथ्य स्कंद, हंस हृदयीय हृदय सावित्री ।

विशेष—इन १०८ उपनिषदों में १ ऋग्वेद के १९ गु यजुर्वेद के ३२ व यजुर्वेद के १५ सामवेद के और ३१ अथर्ववेद के हैं । (उपनिषदों की कुल संख्या नवीनतम खोजों के -----

२३५ ई और अंतिम उपनिषद् संभवतः
अल्कोपनिषद् ई ।)

५५९. ११ प्रथम उपनिषद्—ईस
ऐतरेय कठ, केन छांदोग्य तैत्तिरीय
गृह्यसूत्रपूर्वोपनिषदी प्रश्न मांडूक्य मुडक
बृहदारण्यक ।

विशेष—इस पर ही आचार्य शंकर ने
टीकाएँ लिखी हैं ।

५६ ज्ञान—आरमज्ञान प्यान तत्त्वज्ञान
बोध ब्रह्मज्ञान यथार्थज्ञान ।

५६१ ब्रह्मशास्त्र—आरमविद्या आन्वी
सिक्ती पर ।

५६२ ६ वर्णन—श्याम मीमांसा योग
वेदांत वैशेषिक सांख्य ।

५६३ वेदांतसूत्र—ब्रह्मसूत्र आरमयम
सूत्र वेदांतसूत्र व्याससूत्र ।

५६४ वेदांती—वेदांती ब्रह्मवादी ।

५६५. वेदांत के विभिन्न संप्रदाय और
आचार्य—अद्वैत (शंकर) अचिरय
मेधानेद (बलदेव) अविद्यामाद्वैत
(विज्ञानमिश्र) द्वैत (मध्व) द्वैताद्वैत
(निबार्क) मेधानेद (भास्कर)
विशिष्टाद्वैत (रामानुज) बीरबीन-
विशिष्टाद्वैत (भीषण) शुद्धाद्वैत
(बलराम) शैबविशिष्टाद्वैत (भीकंड) ।

५६६. व्याससूत्र—वैतानसूत्र ।

५६७. नैबार्किक—असपाठ, शांकि
नैबार्किक ।

५६८ योग—पार्श्वक सूत्र योगदर्शन
योगशास्त्र योगसूत्र ।

५६९. वैशेषिक सूत्र—कबाहसूत्र ।

५७ सांख्य सूत्र—कपिक-सूत्र ।

५७१ मीमांसा सूत्र—वैमिनि-सूत्र ।

५७२ मीमांसक—वैमिनीय मीमांसक ।

५७३ आचार्य सूत्र—बाहुस्पत्यसूत्र बृह-
स्पतिसूत्र ।

५७४ १८ पुराण—अग्नि कूर्म नरद
नारद, परम ब्रह्म ब्रह्मवैवर्त ब्रह्मांड
मविष्य मायवत मत्स्य मार्कण्डेय छिन्न
बटाह वामन विष्णु, शिव स्कंद ।

५७५ १८ उपपुराण (कूर्म पुराण के
अनुसार)—आद्य उद्योगा कपिल
कालिका, दुर्वासा नारदीय नारदसिंह,
पराशरसिंह ब्रह्मांड भार्गव मारीच
माहेश्वर, वामन वासुदेव शिव शिवधर्म
सर्वार्थ संचारक स्कंद ।

५७६. २ उपपुराण (सूत संहिता-
नुसार)—उपमसू, कपिल कालिका,
दुर्वासा नरदसिंह, नारी नारदीय पराशर,
ब्रह्मांड भार्गव महेश्वर, मानव मारीच
स्मि वरुण अक्षिष्ठ, शिवधर्म सतसुमार,
सांख्य सौर ।

५७७. प्रथम वर्मसूत्र—आपस्तंब वर्म
सूत्र गीतम वर्मसूत्र बीजायन वर्मसूत्र
अक्षिष्ठ वर्म-सूत्र ।

५७८. प्रथम स्मृतिवर्मा—अपिण्ड कारवा-
यन दस नारद पराशर, पितामह,
पुरुस्वर्य प्रचेतस प्रथापति बहुस्पति मनु,
मरीचि ब्रम याज्ञवल्क्य विश्वामित्र
व्यास हाटीठ ।

५७९. राजाधन्य (बास्मीक) आदि
काव्य बास्मीक रामायण रामायण ।

५८ महाभारत—अवकाव्य पंचमवेद,
भारत ।

५८१ पीठ—कुम्भपीठ, घमबर्हीठा
श्रीमद्भगवद्गीता ।

५८२ कुछ प्रसिद्ध मीतार्यै—बनुगीता
 बभ्रुत मीता अष्टावक्रगीता ईश्वर
 मीता उत्तरगीता कपिलमीता मणेश
 मीता शैबीमीता पांडवमीता पिण्ड-
 मीता बोध्यमीता कलमीता ब्राह्मण
 गीता मयवर्षीता मिश्रगीता मंकि-
 पीता यममीता राममीता विचक्षुगीता
 वृषमीता व्याचमीता छंपाकमीता
 विबमीता सूतगीता सूर्यपीता हंसपीता
 हाठीतमीता ।

५८३ रामचरित मानस—तुलसी राम-
 नथ मानस रामायन रामायन ।

५८४ कुछ प्रसिद्ध रामायन—मद्भुत
 रामायन अम्भ्याम रामायन तुलसी
 रामायन बाल रामायण शास्त्रीक रामा-
 यण माछात्र रामायन मुमुक्षु रामायण
 महारामायण याज्ञवल्क्य रामायण रामे
 स्थान रामायण ।

जैनों के धार्मिक ग्रंथ

५८५. श्वेतांबरों के 'अपम' के ६ भाग
 और प्रत्येक की संख्याएँ—अंग (१२)
 प्रपांग (१२) प्रकीर्णक (१) छेद
 सूत्र (६) सूत्र (२) सूत्रसूत्र (४) ।

५८६ १२ अर्थ—साधार, सूत्रद्वय स्थान
 समवाय यगवती ज्ञातामर्मकथा प्रपासक
 रथा अतद्वत् रथा अनुसर्तवपातिक
 रथा प्रत्यन व्याकरण विपाक सूत्र कुट्टि
 बाह ।

५८७. १९ प्रपांग—धीरपातिक राज
 प्रत्य जीवाधियम यज्ञापना धंरुडीप
 प्रकृति अहप्रकृति सूर्य प्रकृति निरत्या
 बली बल्पावउस पुष्पिण पुष्पचित्त
 कुष्पि रथा ।

५८८. २ प्रबान प्रकीर्णक—चतुःशरण
 तंदुल बीठाकिंक ।

विशेष—जैनों के प्रसिद्ध ग्रंथ श्वेतांबरों के
 आमत ही हैं । शिवांबरों के ग्रंथों में किन्त
 को ही अधिक प्रसिद्ध है ।

५८९. शिवांबरों के प्रसिद्ध ग्रंथ—यट
 संज्ञापम कसाय पाहुड ।

५९ ६३ टाकाका पुस्त (इनके ही
 चरित का जैन पुराणों में वर्णन है ।)
 २४ तीर्थंकर १२ चक्रवर्ती ९ ब्रह्मदेव
 ९ ब्रामुदेव ९ प्रतिब्रामुदेव ।

५९१ जैनों के कुछ प्रसिद्ध पुराण—
 रामचरित पद्यचरित उत्तर पुण्य महा
 पुराण ।

५९२ बोधों के धर्म ग्रंथ ३ पिठक—अधि
 बन्ध पिठक विनय पिठक सुत पिठक ।

५९३ अतिथम्म पिठक के ७ विभाग—
 बन्धसंगधि विनय वास्तुकथा पुष्पस
 पंचति नपावत्पु, यमक, पट्टान ।

५९४ विनय पिठक के २ विभाग—
 अंबक विनय ।

५९५ सुत पिठक के ५ निकाय—
 मग्गिम निकाय संयुक्त निकाय अंगुत्तर
 निकाय बुरह निकाय ।

५९६ सुहक निकाय के १५ ग्रंथ—
 सुहपाठ बन्धपद उराल इतिवृत्तक
 सुतनिपाठ विमानवत्पु, देगवत्पु, घेर
 पापा बेटीगापा जातक निहेन पटि
 अतिथामम्म अपदान बुद्धबंध चरिया
 पिठक ।

ईसाइयों के धर्म ग्रंथ

५९७. बाइबिल—मुगसाधार होली बाइ
 बिल होमी लिक्चर ।

५९८ दो बाइबिलें—बोल्ड टेस्टामेंट,
न्यू टेस्टामेंट ।

५९९. बोल्ड टेस्टामेंट—पुरानी किताब
पुरानी पोथी ।

६ न्यू टेस्टामेंट—नई किताब नई
पोथी ।

सुसज्जमानों के चर्म प्रबंध

१ १ कुरान—सककुरान कलाम-कुदा
कुरान मजीद, कुरान शरीफ कुरकान
मसहूद सैकमुसहद ।

१ २ हवीस—ककामे रसूख ।

१ ३ कुछ प्रसिद्ध हवीसैं—अबू बाऊर,
इमन मानां तिरमिबी शरीफ मसई
शरीफ बुखारी शरीफ, मुस्लिम शरीफ ।

१ ४ सुसज्जमानों के ५ पवित्र प्रबंध—
कुरान इन्जील तीरेत या तीरत बाइ
बिल हवीस ।

स

१ बी ककार्यै—उपयोगी कला ककिय
कला ।

२ ५ ककित ककार्यै—स्वापत्य मूर्ति
चित्र संगीत काम्य ।

३ कका—बाई, नूप इम बिछा हुमर ।

४ ककाकार—बाईस्ट ककाबिद् कका
पकिन ककामनीपी ककाघास्वी ।

५. ६४ ककार्यै—(काममूव के टीकाकार
अयसंगक के अनुमार) १ नीठ २ बाघ
३ नूप ४ आलेख्य ५ बिसेपकच्छघ
(अस्तक वर निकक ककामे के लिप
कागर बती आदि काटकर आचार या
सांके बनाता) ६ संदुलबुमुन ककि-

बिकार (बेवपुजनादि के अक्षर पर
तरह-तरह के रंगे हुए आसन की आदि
वस्तुओं को तथा रंगिरंगे फूलों को
बिभिन्न प्रकार से सजाना) ७ पुष्पा-
स्तरण ८ अक्षरवतनांपराग (बीठ स्त्र
तथा शरीर के अक्षरों को रंगना) ९.
मनिमूमिका कर्म (बर के छर्च के कुछ
नाचों को मोठी मणि आदि रत्नों से
बढ़ना) १ अक्षर रचना (पद्य
रचना) ११ अक्षरबाघ (अक्षररंग)
१२ अक्षरबाघ (हुरीं पर हाथों या
पिचकारी से बल की चोट मारना)
१३ अक्षरवतनीगा (अक्षरवतनीं के बीच
से बिभिन्न चीजें तैयार करना या ऐसी
अक्षर तैयार करना जसबा ऐसे मन्त्रों का
प्रयोग करना जिनसे धनु निर्बल हो या
उसकी हानि हो) १४ मास्यसंगक
बिकल्प (माका पूजना) १५ अक्षर
कापीड योजन (स्त्रियों की चोटी पर
बढ़ाने के बिभिन्न अक्षरों के रूप में पुष्पों
को रंगना) १६ नेपथ्य प्रयोग (शरीर
की अक्षर आसुवन पुष्प आदि से
सुवर्जित करना) १७ कर्म अक्षर
(अक्षर हाथी बीठ आदि के अनेक तरह के
काम के आसुवन बनाता) १८ अक्षरवतनी
(सुवर्जित रूप बनाता) १९. अक्षरवतनी
२ अक्षरवतनी (बाहु के अक्षर) २१
कौबुमार वीय (अक्षरवतनी बढ़ाने वाली
अक्षरवतनी बनाता) २२ अक्षरवतनी
(हाथों की काम करने में चूर्तों और
छाई) २३ बिभिन्न अक्षरवतनी
बिकल्प-किया (तरह-तरह के काम की
रस बिछाई आदि बनाने की क्रिया)

२४ पानकरसरासासब मोहन (बिबिध प्रकार के सर्वत आसब आवि बनाना) २५ मूषीबाग कर्म (सूई का काम जैसे सीता रफू करना कसीबा काढ़ना मोजे बंजी का बुनना) २६ सूतकीड़ा (ठागे या डोरियों से खेचना जैसे कठपुतली का खेल) २७ बीसाडमरुक बाघ २८ प्रहेलिका (पहेलियाँ बानना) २९ प्रति माता (स्त्रोक बादि कविता पढ़ने की मनोरंजक रीति अंत्यासरी) ३ दुर्बलक बोग (ऐसे स्त्रोक बादि पढ़ना जिनका अर्थ और उच्चारण दोनों कठिन हो) ३१ पुस्तक वाचन ३२ माटकाव्यायिका ध्यान ३३ काव्य समस्या-पूरण ३४ पट्टिकावेचनान विकल्प (पीड़ा आसन पुरी पत्थ मीड़े आदि चीजें बैठ आदि वस्तुओं से बनाना) ३५ तसकर्म (कड़की बागु आदि वस्तुओं को अमीष्ट विविध आकारों में काटना) ३६ तसध (बर्तन का काम) ३७ वास्तुविद्या ३८ कप्परलन-परीक्षा (सिक्के रत्न आदि की परीक्षा करना) ३९ वातुवार (पीठल आदि वातुओं को मिलाता बुद्ध करना आदि) ४ मन्दिनामाकर-ज्ञान (मन्दि आदि का रचना तथा ज्ञान आदि का ज्ञान) ४१ ब्रह्मायुर्वेदयोग ४२ मेघ—कुक्कुटकावचमुद्ध विधि (मड़े मुर्गे टीवर आदि को लड़ाना) ४३ मुक शारिवा प्रकारन (तोखे-मैने आदि की बोधी लिखाना) ४४ उल्लासन संवाहन—(केचमर्दन कीवल हाथ-पैरों से घरीर दाबना बेधों का बसना उनका मीत दूर करना आदि) ४५ असार मुष्टिवा बचन

(अक्षरों को ऐसी मुक्ति से कहना कि उस संकेत का जानने वाला ही उनका अर्थ समझे दूसरा नहीं) ४६ म्बेच्छित विकल्प (ऐसे संकेत से लिखना जिसे उस संकेत को जानने वाला ही समझे) ४७ देवनापा-विज्ञान ४८ पुष्पवाकटिका ४९ निमित्त ज्ञान (अकृण वागना) ५ संनमातृठा (बिबिध प्रकार से मधीन कक पुरे आदि बनाना) ५१ चारणा मातृका (मुनी हुई बातों का स्मरण रक्षना) ५२ संपाठप ५३ मानसी काव्य क्रिया (किसी श्लोक में छोड़ हुए पर को मन से पूरा करना) ५४ अमिबान कोप ५५ अंबीज्ञान ५६ क्रियाकल्प (काव्या संकारों का ज्ञान) ५७ अकितक बोप (रूप और बोधी छिपाना) ५८ बत्न योगन (शरीर के अंगों को छोटे या बड़े बत्नों से यथायोग्य ढँकना) ५९ दूत विसेप ६ आकप भीड़ा (पाशों का खेल) ६१ बालनीडनक ६२ वैजयिणी विद्या (अपने और पराये से विजयपूर्वक शिष्टाचार करना) ६३ वैजयिणी विद्या (विजय प्राप्त करने की विद्या अर्थात् घरन विद्या) ६४ व्यायाम विद्या ।

६. स्थापत्य कला—गृह निर्माण कला अवन निर्माण कला बागसार मेमाटी राजकीरी बाम्बुकला ।

७. राजकीर—गृहवार, पबर्द, मिस्री मेजवार, मेमाटे, राव बाम्बुवार ।

८. अवन—दे 'पर' बरान' 'गृह' ।

९. कृतिबला—मूर्तिकार ।

१०. कृतिकार—प्रतिभाकार ।

११. कृति—दे 'मूर्ति' ।

प्याही मोठिया रक्त रजठ रतनाए
 रतनाकिया रतनाए, रानी राता ककबी
 कसाम कनीहा काबी सोहित मोन
 विन्दुरिया विन्दुरी मूहा मूही धोतित ।

१५. कपूर काक रंग—बदन बरन
 मुकनार, मुकनार, तुक काक पाहाब
 मुकं ।

१६. कनई—बदनता बदनताई बर-
 नाई, बरनिमा बठिरिक कपिअता
 बानीकरता कनाई, साकिमा साकी
 घोष सुरंगता सुबीं रकता रतनाछा
 कनामी काछपन रति ।

१७. पीला—बमरसी बबरात कपित
 कपिक कपासी केसरिया बंधई, बंधनी
 पीर, बरर, बरं बाछरानी नारंजी
 नारंजी बंधक बंध, पांडुर, पिय विगक
 विजर, विजर, विधंय पीठ पीठक पीसा
 पीर घारवटी मुपीठ बसंती मुनहृप
 मुषन हरि, हरिआम हरित ।

१८. कुड हकका पीला रंग—कपासी
 कपूरी बंधरी घारवटी बंधनी ।

१९. पीलापन—कपिअता बरती बरती
 बांडुग, विजरई, विजरई, विपरी विपरी,
 पीरता पीलापन ।

२०. पीलापन सिंये काक रंग—नारंजी
 नारंजी बारापी ।

२१. हरा—अंगूठी कपि काही ठोठई
 बानी कपूर तप्य हरिजर, हरित
 हरिपर ।

२२. हरापन—कपूरी हरियाई, हरियाली
 हरिजरी हरीविमा हरीपी ।

२३. हरा—बनिक बरिण काकी काक-
 नेटी बाराबी बरवीला हरिय ।

२४. भूरापन—कपिअता कपिअता भूराई,
 मटमैकापन ।

२५. बीगनी—बरनबानी ऊया कासनी
 बामुनी ताऊसी मंडई, नीळकोहित
 फाससई, बीगनी बीगनी ।

२६. नीला—बासमानी कपूर, कपूरी
 कासनी हृप्य नील मीसा कौरोबी
 मोरपंथी बीसा सुरमई ।

२७. नीलापन—नीकिमा ।

२८. बितकबरा—कडू कपूर, कमीर,
 कस्मापक बितकबरा बितकाबर, बितक ।

२९. शोरंया—दुरंग दुरंग ।

३०. सफेद और काक निमित्त—बदनस्य ।

३१. मुलाबी—बदन बरन कुमुम्भी
 प्याही मोठिया ।

३२. पीला और मुलाबी—मोठिया ।

३३. चार रंग का—चौरंग ।

३४. कियमिअ के रंग का—कियमिधी ।

३५. कुड अय्य प्रसिद्ध रंग—अंगूठी
 बमानी कपूरी काही कसकसी प्याऊ,
 क्यहका घारवटी सिनेटी मुनहृवा ।

३६. संवीत कला—बंधनं विद्या नाम
 विद्या गायकी गायन संवीत घारव ।

३७. संवीतज्ञ—बनक बंधनं बंधना
 गायक बायकाचार्य गायन गायनाचार्य ।

३८. घानेबाली सिंधवी—मदनहृर, मदनहृपी
 गायकी गायिका गायिनी ।

३९. घाना—बलापना बलाप बरना
 बलाप केना गायन करना गीत घाना
 ठान घोरना मधुर ध्वनि करना ।

४०. गीत—घाना नाम गीति संवीत ।

४१. गाने की किया—गबदनी गनमई,
 गनाई, गाना ।

- ६२ घाने प्रौष्य—गेय ।
 ६३ घाने की मजदूरी—गवाई ।
 ६४ स्वर—आवाज तान ध्वनि बोध
 सभ्य सुर ।
 ६५ स्वर के ३ भेद—उच्चस्वर, मंजस्वर,
 मध्यस्वर ।
 ६६ उच्च स्वर—ऊँचा स्वर, तार स्वर,
 तीव्र स्वर, तेज स्वर ।
 ६७ मंज स्वर—गंभीर स्वर, धीर स्वर,
 मद्र स्वर, मज्ज स्वर ।
 ६८ मधुर स्वर—कठ काकली मंत्रस्वर,
 मधुर स्वर, मीठा स्वर, सुस्मस्वर ।
 ६९ राग की दृष्टि के स्वरों के ४
 प्रकार—अनुषासी बारी बिबारी, सबावी ।
 ७ संगीत के अन्तार स्वर के ७
 भेद—शुद्धम मायाट, वैजत निपाद
 पचम मध्यम पद्म ।
 विशेष—इन्हीं को संक्षेप में 'सारेकमपबनी'
 कहते हैं ।
 ७१ स्वर का आरोह—आरोह, आरोहण
 आरोहण प्ररोहण ।
 ७२ स्वर का अवरोह—अधोमगत अव-
 तरण अवरोह, अवरोहण अवरोहण ।
 ७३ धाम (स्वर के समूह)—गाँवार
 धाम मध्यम धाम पद्म धाम ।
 ७४ संगीत में लक्षों स्वरों का आरोह
 और अवरोह—मुरझना मुच्छंभा ।
 ७५ बाँपार धाम की मूर्च्छनाएँ—
 अलापा चित्र चित्रावती मंदा विद्याला
 मुला मुमुक्षी ।
 ७६ मध्यम धाम की मूर्च्छनाएँ—रत्नो-
 पमता पीरबी मार्गी शुद्धमध्या सीषीटी
 हरिचारवा हृष्यका ।

- ७७ पद्म धाम की मूर्च्छनाएँ—सफि-
 यता बस्वकीता उत्तरमंदा उत्तरमंदा
 मत्सरीहता रजनी सुदुपङ्गा ।
 ७८ संगीत शास्त्र में ४ बच—(स्वरो-
 न्धारक) अवरोही आरोही संघाटी
 स्वाई ।
 ७९ रागों के प्रधान ९ भेद—पुस्वराज
 स्वीराज ।
 ८ पुस्वराज—राज ।
 ८१ स्वीराज—रागिनी ।
 ८२ प्रतिज्ञ तीन रागिनियाँ—बीज
 पावन सपूर्ण ।
 ८३ प्रतिज्ञ ६ राग—धीपक धीरव गाऊ-
 कोय मेव भी ह्रिबोक ।
 ८४ ताल—करतल ध्वनि ठेका तान
 टाक ।
 ८५ ताल के मुख्य ५ भेद—अष्टताल
 द्वादश चतुर्दश ताल ब्रह्मताल ख,
 ताल ।
 ८६ 'अष्टताल' के ८ भेद—आइ पंचन
 चंद्रसेखर, ज्योति शीव पंचताल कपक,
 समताल ।
 ८७ 'द्वादश' के ६ भेद—इंद्रमात्र
 सुहर्मवर्ष देवचाली देवसार, पंचाधी
 मदनदोला ।
 ८८ 'चतुर्दश' ताल के १४ भेद—जई
 श्योतिका बर्द्धमात्र काककला लमाष्ट,
 चरमात्रा चिन्मूला लंडनी देवमात्रा
 भरापट, माया वसंतबाक वीरज्य
 स्वर्गसार, हर्षचारिका ।
 ८९ 'ब्रह्मताल' के ४ भेद—ब्रह्म विराज-
 ब्रह्म पटकला सप्तमात्रा ।
 ९ 'द्व्यताल' के ११ भेद—कंदर्प

बज्रनुब छटका डीधपाहिङ्ग बसकोपी
बरण भुववरण मंडूक विपम समुद्र
बीरदण्डक बीरविष्णु ।

११ बाजा—जातोय बाजन बाजा
बादिन बाघ ।

११ क बजानेबाजा—बजरीया बजीया
बजानेबाजा ।

१२ बजाना—बनमित होना शंकार होना
संहत होना शनकना शनघन करना
ध्वनित होना नाचना बजना रनना
स्वरित होना ।

१३ बजाना—बनमित करना शंकारना
ध्वनित करना नाचना पूँकना बजाना
स्वरित करना ।

१४ बाजों के ४ प्रकार—आनद या
अनद बज तल मुपिर ।

१५ 'आनद' के बाजे—बैरङ्गी अफसा
अड, डोकक तबका पसाबज मूरंग ।

१६ 'बज' के बाजे—करताल बंटा बड़ी
झांस बासुतरंग मजीर ।

१७ 'तल' के बाजे—इसराज तंबुर
बैजा बीया सरीर, सारंगी सितार ।

१८ 'मुपिर' के बाजे—अकनोजा तुखी
बासुरी संल चहगाई, हारमोनियम ।

१९ डोकक—डकका डोक डोकक
डोककी पट्ट, पनब ।

१ अफसा—बंय अफ डपका ।

१ १ तबका—ठेका दुम्पी बुफकड ।

१ २ पसाबज—पसाबज मुरज मूरंग ।

१ ३ माक—मुसाब बंका मीसा माब ।

१ ४ अमक—डिडिम ।

१ ५ मजीर—जोड़ी दुनकी मजीर,
बंजीर ।

१ ६ बेला—बाइलिन बायलिन ।

१ ७ सरंगी—भिकरा सरंगी ।

१ ८ बीन—परिवाहिती बीणा बीना
बिपंजी बीणा बीना ।

१ ९ झोस—जोड़ी सस्कारी माक ।

११० सिबा—तुखी धुमुका मुंहबंग
मुरबंग बिपाब श्रुंयी सिमा सिहा ।

१११ बज्जुनाई—नखीरी पिपिहरी
रोसन-बोकी चहगाई ।

११२ बंधी—मछबोबा पिपिहरी बंधी
बासुरी बासुरिया बासुकी मुरलिका
मुरली बेनु ।

११३ बुंभुमि—जानक बंका डकका
वमामा बुंभम बीसा मयाका नीकत
पट्ट, पट्टा घेरि, घेरी ।

११४ बंटा—बंट बडिमाक ।

११५ हारमोनियम—हरमुनिया ।

११६ धाभोअरेन—फेनुयिकास फोनो-
विकास फोनोवाक ।

११७ नाच—ठांडव नटन नर्तन नाट्य
नृत्य कास्य ।

११८ नाचना—भूमना धम्यक बम्या
करना बम्या बम्या करना बिरकना
नर्तना नाच करना निर्तना नृतना
नृत्य करना ।

११९. २ प्रकार के प्रचान नृत्य—ठांडव
(सिब) कास्य (पार्वती) ।

१२ कास्य के १ घेद—आधीनपाट्य
अधतरत्युक्त उत्तमीतमक गेयपट, त्रिगुड
त्रिगुड पुप्य-मंडिका प्रच्छेरक रीपब
स्मिथिपाट्य ।

१२१ नृत्य के २ अन्व घेद—बनाट्य
नाट्य ।

- १२२ नाचने वाला—गट नर्तक मच
नियी मृत्यक कासक।
- १२३ नाचने वाली—गटी नर्तकी
मृत्यकी कासकी।
- १२४ नाचने वाली बेधया—अप्यय कसवी
कसबिन फुरिया रंवा रंवी रंई बेध्या।
- १२५ नाचघर—नाच-महक मृत्यसाका
रपगहक रंमसाका।
- १२६ साहित्य—अदब काव्य लिटरेचर,
बाह्मय साहित्य।
१२७. साहित्यकार—अबीब आबर,
अप्यासकर, कथाकार, कलाकार, कवि
कहानीकार, काव्यकार, मद्यकार,
अंधकार, अंधकार, मुकड़ नाटककार,
निबंधकार, प्रबंधकार, मुसफिक, रचनाकर,
लेखक सायद, साहित्यसेवी साहित्यिक।
- १२८ साहित्यकर्मी—लेखिका निबंध
नाटक तथा कहानी आदि, अर्थों में कर्मी
अगाकर और भी अरु बन सकते हैं।
१२९. जो साहित्यकार नहीं—असाहित्यिक।
- १३ साहित्यिक—अबीबी कलात्मक।
- १३१ साहित्य सेवा—काव्य-साधना
साहित्य-साधना अरस्वती-आपचना।
- १३२ काव्य के २ भेद—दुरय काव्य
धम्य काव्य।
- १३३ दुरयकाव्य के दो भेद—अपक्यक
काक।
- १३४ अक्यक के १८ भेद—उस्ताव्य
काव्य पीठी पीउव दुर्मनिका
नाटिका नाट्यरंमक प्रकरयिता
प्रधान प्रेताड भागिका एतक विना
ठिका टिकाव पीनरिज अट्टर
सामन हुन्नीय।

- १३५ क्यक के दस भेद—अंग इहामून
डिम नाटक प्रकरण प्रहसन माच
पीपी म्यायोग समकार।
१३६. नाटक—एकाकी ड्रामा ठेहूर,
बियेटर, कृष्यकाव्य मकल नौटकी
अंड एमलीका एत एतकीका क्यक
सनीमा गिनेमा स्वीय।
१३७. नाटयकला—अमिनय मकक नाट्य
विद्या।
- १३८ नाटककार—एकाकीकार, क्यक-
कार।
१३९. कथा—(नाटक कहानी या अर्प-
म्यास की मूक कथा) कथानक कथावस्तु,
कहानी प्काट वस्तु।
- १४० वस्तु (नाटक की कहानी) के २
भेद—आधिकारिक प्रासायिक।
- १४१ प्रासंगिक के २ भेद—पताका
प्रकटी।
- १४२ आधिकारिक के विभिन्न भाव
या स्वक—अर्थप्रकृति काव्यावस्था,
अधिया।
- १४३ ५ अर्थ प्रकृतिवा—वीन विनु,
पताका प्रकटी, काव्य।
- १४४ ५ अर्थवाए—आत्म प्रवत्त,
प्रापयाथा अथवा प्राप्य संभव विन-
साप्ति फलावम।
१४५. ५ संधिया—मुख प्रतिमुख अर्थ
अवमर्थ या विमर्षी निबंधूप।
- विशेष—पहली के १२, दूसरी के १७,
तीसरी के १२ चौथी के ११ और
पाँचवी के १४ भेद होते हैं। इन संधियों के
अतिरिक्त २१ अंतर्धिया भी होती हैं।
इन प्रकार कुल ८५ भेद हुये।

१४६. नाटककार—अभिनेता ऐकर, गद, नाटकी नाट्यकार, पात्र प्रवेशक रंगपर, रंगजीवक रंग विद्यापर, रंगानुसारक रंगानुवर्ती रंगोपजीवी सुत्रपर, सुत्रधार ।
१४७. वेद्य—मेघ मेघ मेघ रूप वेद्य वेद्य सुरत सुरति स्वकल्प स्वाय ।
१४८. वेद्य करना—अना मेघ बनाना रूप धारण करना अना स्वकल्प धारण करना स्वाय बनाना ।
१४९. नाटक का प्रधान पात्र—नायक पुरुषोक्ता ।
१५०. नाटक में कार्य करने वाले पुरुष पात्र—ऐकर, पात्र ।
१५१. स्वभाव के आधार पर नायक भेद—बीरोबात पीरोबात बीरकल्पित बीरप्रशांत ।
१५२. नायक के अन्वय बार भेद—अनु कृत दक्षिण पृष्ठ, घट ।
१५३. नाटक की प्रधान पात्री—नायिका ।
१५४. नाटक में कार्य करने वाली पात्री—अभिनेत्री ऐकर पात्री ठारिका ।
१५५. नायिकाभेद जाति के अनुसार—विद्विधी पद्मिनी संक्षिपी हस्तिनी ।
१५६. कर्म के अनुसार नायिका भेद—पत्नीया नायाय्या स्वकीया ।
१५७. अनाका के अनुसार नायिका भेद—अनाया भया प्रीडा ।
१५८. अन्य आचारों के अनुसार नायिका भेद—अभिमानिका उत्पत्तिका कलहांगरिका सखिका प्रीतिपरत्रिका

- बातकसज्जा विप्रकल्पा स्वाधीनपठिका ।
१५९. सब के आधार पर नायिका भेद—कुलकर्तिका मानकर्तिका मीनकर्तिका रूपकर्तिका धीलकर्तिका ।
१६०. भरत मुनि के अनुसार नायिकाओं के ४ भेद—कुल स्त्री गणिका दिव्या मुपतिनी ।
१६१. नायिकाओं के कुछ अन्य प्रतिष्ठ भेद—अज्ञातपीवना अनुज्ञा जागत पठिका अभीर अनुद्ययना आरुद्यपीवना ऊडा कनिष्ठा कुकटा ज्येष्ठा ज्ञातपीवना भीरा पीरपीरा नवपीवना नवकर्मजा नवकर्मज, नबोडा परोडा प्रगल्भरचना प्रबस्मतपठिका प्रगल्भा रतिकोचिदा रूपपीवना अयस्संबि विधम्य नबोडा सकृत्परति सविधमा ।
१६२. नायिका के अन्वय अलंकार—भाव हाव हैला ।
१६३. नायिका के अफलज अलंकार—बीरार्थ कति बीप्ति धीर्य प्रगल्भता भावुर्म छोमा ।
१६४. नायिकाओं के स्वभावज अलंकार—किर्ककिचित कुट्टमित कुतूहल केलि चकित तरन विम्बोक मर, मोट्टमित मुग्गना सल्लि लीला विदेय विच्छित्ति विधम विस्तार विह्वल हस्तिन ।
१६५. ४ प्रकार की कृत्तियाँ—अरमटी कोशिकी भारती मात्की ।
१६६. प्रियागृह—नाट्यकथ नाट्यमंथन नाट्यगाना नाट्यस्वत रंगगृह रंगमूर्ति रंगमंथन रंगगाना रंगमल ।
१६७. अ. रंगमंथ—अथना नाट्यरथन मंथ ।

१६७. व्यम्बकाव्य के ३ भेद—पद्य पद्य मिथ या चंपू ।
 १६८. कविता—कविता कवित्त काव्य छंद तुकबंदी मरम पद्य घायरी । विलोम—गद्य ।
 १६९. कविता करना—कविता लिखना काव्य करना काफिर्यात मिलाला तुक जोड़ना तुकबंदी करना बंधिष करना छायायी करना ।
 १७. रचित—बनाया हुआ मुसल्लस, लिखित विरचित ।
 १७१ कवि—कवि काव्यकार, तुकबंद रचयिता घायर ।
 १७२ कवियत्री—घायरत केखिका स्त्री कवि ।
 १७३ काव्यरसिक—सरस सङ्ग्रह्य काव्य प्रेमी काव्य-मर्मज्ञ ।
 १७४ काव्य मूक—अरसिक मुण्ड सूजा ।
 १७५ रस के २ भेद—प्रबंध मुक्तक ।
 १७६. प्रबंध काव्य के ३ भेद—एकार्थ काव्य अह-काव्य मङ्गलकाव्य ।
 १७७. मुक्तक काव्य के २ भेद—गाद्यम प्रपीत या पीत ।
 १७८. काव्य के पञ्च—काव्य पद्य या नाव पद्य सौती पद्य या कथा पद्य ।
 १७८ क. काव्य के ४ तत्व—रूपता कथा भाव (हृदय) विचार (बुद्धि)
 १७९. काव्य के ९ रस—अद्भुत करण ध्यानक, रौद्र, नीलस्य बीर, घात भ्रुंवार, हास्य ।
 १८ भ्रुंवार रस के २ भेद—विषीय या विप्रबंध संयोग ।
 १८१ हृस्य रस के ६ भेद—अहंसित

- अपहंसित उपहंसित विहंसित स्मित हंसित ।
 १८२ बीर रस के ३ भेद—दवावीर, शानवीर, युद्धवीर ।
 १८३ २ विभाव—साधन्यन लक्ष्मीपन ।
 १८४ २ भाव—संचारी भाव स्वामी भाव ।
 १८५. ३३ संचारी भाव—अपस्मार, अमर्ष अमहिषा अघसता असूया आवेन उग्रता उग्राह अतिमुक्त्य बर्ष रञ्जति, अपकृता पिता अङ्गता ठर्क भाव ईश्व कृति निरा निर्दह, शीला नति मर, मरण मोह विबोध विपाह व्याधि धंका प्रम स्मृति स्वप्न हर्ष ।
 १८६. ९ स्वामी भाव—उत्साह क्रोध बुगुप्ता भय रति विस्मय धम शोक, हास ।
 १८७. ३ अनुभाव—आधिक, मानसिक सात्त्विक ।
 १८८ अलंकार—काव्य भुवन काव्य सौंदर्य ।
 १८९. ३ प्रकार के अलंकार—अर्था-लंकार, उभयालंकार, ध्वन्यालंकार ।
 १९ काव्य के प्रमुक्त प्रमुक्त अलं-कार—अनुप्रास अलंकारि अलंकार अठ-बुग अत्युक्ति अधिक अनुज्ञा अन्वोक्ति अन्वोप्य अन्वोत्तरमास अन्वोपिधि अस्य अथवा अन्वीकित उपमा, उत्प्रेष्य एक-बधी कारपमाका बुचक्य बुद्धीकित ठरनुच कृष्ठांत निवर्धना निषेध निस्वर परिकर, परिछन्ना घाति विहित प्रत्यनीक प्रमुक्ति प्रहर्षन माकापीनक, मीकित मुत्रा यमक युक्ति क्यक विधि

विशेष केवल विद्वतोक्ति व्याजोक्ति
 श्लेष संभाषण सम समाधि समासोक्ति
 समुच्चय सामान्य साद, स्मरण ।

१११ काव्य के ३ युग्म—शोक प्रसाद
 माधुर्य ।

११२ काव्य के १ गुण—अप्यम्भित
 उदात्ता शोक काति माधुर्य प्रसाद,
 श्लेष समता समाधि सङ्गुमात्ता ।

११३ ३ वृत्तियाँ—(काव्य की) उप
 नापरिका कोमला पद्या ।

११४ ३ रीतियाँ—गौड़ी पाषाणी बँदमी ।

११५ अर्थ की ३ शक्तियाँ—अधिया
 कथा व्यंजना ।

११६ शीघ्र के प्रमुख भेद—अर्ध-शीघ्र
 उच्च-शीघ्र उच्च-शीघ्र ।

११७ कुछ प्रसिद्ध शीघ्र—अधिकपद,
 अप्रयुक्त बदलीक अद्यमर्ष कट्टार्थ
 स्थित व्युत्पत्तिका, मेवांर्ष ग्युनपर
 यतिष्ठ, संक्षिप्त ।

११८ छंद—कविता काव्यबंध विपल
 बंद, बहुर, छंद ।

११९ गुण—अत्यानुप्रास क्राफिया बेल
 उत्र ।

२० छंदशास्त्र के गण—अपग लक्षण
 भवन भयन भगन यगन रगन
 भनन ।

१ १ छंदों के २ प्रमुख भेद—मात्रिक
 या यानि बन्धक या वृत्त ।

२ २ मात्रिक और बन्धक के भेद—
 अर्धमत्र विपन्न सम ।

३ ३ कुछ प्रमुख छंद—अनुष्टुप अगुन
 अनि आर्षा आर्षा इन्द्रय्या उर्वेन्द्रय्या
 अस्ताना बन्धित विरीट दुर्दशिया

पञ्च शीघ्र शीघ्रिका भगानरी शीघ्राई,
 छपय ठाटक तोटक निम्नी बडक
 दुमिल बोहा हुतबिम्बित मराच
 पञ्चशटिका पञ्चरि, पाशाकुलक, मंत्राश्रिता
 मास्ती मास्ती मुक्तछंद रूप भगानरी
 रेलता रीका अम्भित लाननी बसंत-
 तिष्ठता विद्युन्माला बंसस्वभिलम्,
 धार्किकविष्कीकित शिखरिणी सुम्बरी
 सुमुष्ठी अम्भरा हरिपीठिका ।

२ ४ बंध के भेद—आत्मकया आलो-
 चना उपन्यास कहानी पद्यकाव्य
 शीघ्रनी नाटक निबंध पत्र टिपोटनि
 रीकाचित्र संस्मरण ।

२ ५ शैली—बाक डंग डब तटीका
 ठबं ठौर, पञ्चति प्रनाली बिबि रीति
 बिबि ।

२०६ पद्य की शैलियाँ—पुराण शैली
 भावात्मक शैली भाषनात्मक शैली
 अर्थनात्मक शैली विवेचनात्मक शैली
 व्यंग्यात्मक शैली व्यास शैली समास
 शैली मूष शैली हास्यात्मक शैली ।

२ ७ शैली—अटिकित उतठेपन शीघ्रि
 निबंध वेपट, प्रबंध ।

२ ८ बहानी—अप्रसंगी आख्याय
 आख्यायिका कथा कहानी बेहानी गल्प
 भाषा शास्त्री शास्त्रान प्रसंगी कथाया
 वात वाता ।

२ ८ क उपन्यास—कारंशरी नाबिल
 नाबिल ।

२ ९ आलोचना—अध्ययन गुणशोध
 बचन परिचय, प्रयातोचना, विमर्ष
 विवेचन, विवेचना, तयालोचना तयीलम
 तयीला ।

- २१ अलोचना के प्रधान भेद—आत्म-
प्रधान वा प्रभाववाची ऐतिहासिक गण
नात्मक तुलनात्मक निर्धारणमक मनो-
वैज्ञानिक सैद्धांतिक ।
- २११ समालोचक—माओचक विवेचक
समीक्षक ।
- २१२ कथनीय—सचकाम्य ।
- २१३ कथा—कथान बोली भाषा ।
- २१४ भाषाविज्ञान—तुलनात्मक भाषा
विज्ञान तुलनात्मक भाषातत्त्व फिक्का-
कोजी भाषाओचन भाषा-शास्त्र किंसा-
नयस्य ।
- २१४ क. भाषाविज्ञान की प्रमुख शाखाएँ—
अर्थविज्ञान ध्वनिविज्ञान परबिज्ञान
लिपिविज्ञान वाक्यविज्ञान व्युत्पत्ति
शास्त्र अर्थविज्ञान सैद्धांतिक विज्ञान मुर
विज्ञान ।
- २१५ भाषावैज्ञानिक—किंसाओचिस्ट,
भाषा-विज्ञान-विद्यारथ भाषा-तत्त्व-विद
भाषा-विज्ञानवेत्ता किंकिस्ट ।
- २१६ व्याकरण—कथायथ, ग्रामर, भाषा-
नियम सन्धानुशासन ।
- २१७ व्याकरणवेत्ता—कथायथवा वैया-
करण ।
- २१८ भारत की प्राचीन भाषाएँ—संस्कृत
पाकि प्राकृत अपभ्रंश ।
- २१९ संस्कृत—देव भाषा देव वाणी
कौटिलिक संस्कृत वैदिक संस्कृत ।
- २२ पाकि—गाली बोलभाषा ।
- २२१ भारत की प्रमुख आधुनिक भाषाएँ—
बांगाली उड़िया उर्दू कन्नड़ कन्नड़ी
गुजराती तमिल तेलुगु, बंगाली बँगला
मराठी मलयालम छद्म संस्कृत

- खिची हिंदी ।
- २२२ हिंदी—नामही हिंदवी हिन्दुस्तानी ।
- २२३ बोली—उपभाषा ।
- २२४ हिन्दी के कुछ रूप—अवधी उर्दू
कन्नड़ी कन्नड़ीबोली उड़ीसगड़ी यमुपी
पहाड़ी बजेली बाँपक या बाटू बुरेडी
बैसबाड़ी बज मोजपुरी मन्धी मार
बाड़ी माऊनी मेवाती मैथिली
हिन्दुस्तानी ।
- २२५ लिपि—अक्षर, आक्षर, बर्ष हरक,
ह्रस्व हर्ष ।
- २२६ बर्ष के दो भेद—संजन स्वर ।
- २२७ स्वर—मंत्रा भाषा ।
- २२८ अंक—अक्षर तिनटी हिंदिया ।
- २२९ नागरी लिपि—देवनागरी लिपि
नागयक्षर, हिन्दी लिपि ।
- २३ भारत की कुछ प्राचीन लिपियाँ—
कुटिल सरोप्टी गुप्तलिपि बाहरी ।
- २३१ अक्षर—अक्षर ।
- २३२ वाक्य—बुम्भा ।
- २३३ कृताक्षर—अभ्यास वाक्यवाक
भाषा धरनि मुहुरित रोचमर्त ।
- २३४ कृताक्षर—अहाना भाषावक,
कन्नड़ी कहन कहनाउठ कृताक्षर कई
पुठ कृताक्षरि कृतीवक बापत मेवा
मकूला मसक मसला,मिसाल कोकोलित ।
- २३५ विद्या—इसम मुन ज्ञान गतीह
कन विद्या विद्या सरस्वती हुनर ।
- २३६ अविद्या—अंधकार, अज्ञता अज्ञान
अज्ञानता भावा मुकूठा मोह ।
- २३७ १८ तरह की विद्याएँ—अक्षर
देव अक्षरशास्त्र आयुर्वेद, आर्यवेद कल्प,
पापर्ववेद, छंद, ज्योतिष चतुर्वेद, बर्ष

- घास निरुक्त व्याय पुराण मीमांसा
 अनुर्वर, व्याकरण शिक्षा धामवेर ।
- २३८ शिक्षा—तामीम बीसा पढ़ाई
 शिक्षण शिक्षा चीस ।
- २३९ अक्षित—आकिम तामीमपापुठा
 पढ़ा पढ़ा-सिखा बिद् बिदुप बिठान
 मुपठित मुपिधित ।
- २४ अक्षित—अनपढ़ काका अक्षर
 रस अक्षर, बंधार, बेपड़ा मूरख लिख
 छोड़ा पढ़ पत्पर, सरस्वतीधनु ।
- २४१ शिक्षक—अध्यापक, आचार्य आदे
 एक आदेला उपदेसक, उपदेष्टा उपा-
 ध्याय गुरु गुरुजी टीचर, ट्यूटर, तत्क-
 शोधक बीसक प्राध्यापक प्रोफेसर,
 मास्टर, मुंशी मुबरिस मोलवी मीलबी
 मीलबी रीटर, लेक्चरर, व्याख्याता
 विद्यागुरु, शिक्षक ।
- २४२ शिष्य—अतिवासी अध्येता बेका
 छात्र बीसित पाठक मुरीर शार्गिर्
 विद्यार्थी शिष्यार्थी शैल ।
- २४३ शिष्यता—मुरीदी शार्गिर् ।
- २४४ छात्रवृत्ति—अश्रीद्ध स्काररुपिप ।
- २४५ छात्रालय—छात्रावास बौद्धिम
 बौद्धिमहास होस्टल ।
- २४६ पढ़ना—अध्ययन करना अनु-
 गीतन करना अध्यापन करना उच्चारण
 करना उच्चारित करना तामीम पाना
 तामीमपापुठा होना बीसा पाना
 पठन करना पठन-पाठन करना पढ़ना
 बीसना रटना शिक्षा पाना शिक्षित
 होना, स्मरण करना ।
- २४७ पढ़ाना—अध्ययन कराना अध्या-
 पन करना अध्यापन कराना तामीम

- रेना बीसा रेना पढ़ाना रटाना
 लिखाना-पढ़ाना विद्यारान रेना शिक्षा
 रेना शिक्षा-बीसा करना शिक्षित करना
 समझाना सिखाना ।
- २४८ मनन—अनुधीसन गौर, चिंतन
 मनन विचार, धोचना ।
- २४९ मनन करना—ऊपर के शब्दों में
 अंतिम को छोड़ कर 'करना' जोड़कर
 बनाया जा सकता है ।
- २५ परीक्षा—आजमाइश अकमोकम
 इम्तहान कस कसनी कसीटी कप छान
 बीन बीच बीच-पढ़ताल पामना देख
 देख देखमाक निरीक्षण पढ़ताल परल
 परीक्षा परीक्षण परीक्षा मुमायता
 धोष धोषन ।
- २५१ परीक्षित—अज्ञमाया आजमाया
 आजमुश बीचा परला परिक्षित परी-
 क्षित परीक्षत परीक्षित ।
- २५२ परीक्षक—कार्यिक बीचक
 परलीया परलबीया पारली मुन्त-
 हिन ।
- २५३ परीक्षार्थी—मुन्तहल ।
- २५४ परीक्षा करना—आजमाइश करना
 इम्तहान करना इम्तहान सेना
 कसना कसीटी पर रलना बीच करना
 बीचना ठोकना ठोकना-रटाना देखना
 देखना-आलना परलना परीक्षा सेना
 परीक्षण करना परीक्षण परेणना है
 'बीचना' ।
- २५५ परीक्षा करवाना—अज्ञाना अज्ञ
 जाना दिनमाना रिखाना परणाना
 परलवाना परीक्षा करवाना ।
- २५६ अध्ययन—अनुगीतन अध्ययन

पठन पठन-पाठन पढ़ना परिधीकन
मुठामा मुठामला स्वाध्याय ।

२५३. अध्यापन—शिक्षण निपाठ पढ़ाना
पाठन सिद्धय ।

२५८. अध्वेपय—अनुसन्धान अन्वीक्षण
अन्वीक्षा अध्वेक्षण योजन पवेपन
गवेपना अर्थ पुस्तक, ओह ओहना
ईह उभाय तहकीक तहकीकत पड़-
ताल परीष्टि, पर्यवेक प्रतिसंधान प्रति-
गधि भीष संपाल हेर ।

२५९. अध्वेपक—अनुसंधान अनुसंधान
कर्ता अनुसंधित, अध्वेपक खोजी
गवपी भीषक घोषार्थी ।

२६ खोजना—अनुसन्धानना अनुसंधान
करना अध्वेपन करना खोज करना
खोजना ईहना उभायना देखना
गना कमाना पत्रा सेना घोषना घोष
करना हेरना ।

२६१ खोजवाना—अनुसंधान करवाना
खोजवाना खोज करवाना ईहवाना
तलमवाना तलास करवाना बत्रा जग
वाना भीषवाना ।

२६२ खजाला—अखाना अखयाना
अगलाना अत्राना खान देना परबोधना
प्रबोधना अगलाना बत्राना बुलाना
खीबना बिबलन करना बिबले देना
बिबेचना करना ब्याख्या करना लम
खाना ।

२६३ खजाले—उदाहरण कृष्ण
नदी नदी नाल ।

२६४ खजना—खजरीह नाल ।

२६५ खान—खान खान ।

२६६ खानपन—खीदानन पनी देवर ।

२६७. खतर—खतर प्रतिकार, खतर-
खान ।

२६८. खुप कर देने वाला खतर—खुश
अवार मुंह-ठोड़ खतर खटीक खतर ।

२६९. लबास-खपाव—खतर-मखुल-
कमोपकवन खपड़ा खकल, खकितक
प्रतिवार, प्रखोखर, बाठ भीठ ख-
खिवा, खिवा, खंवा खुखत ।

२७. खेती—खडी प्रहेकिका खूनी,
खुनीख मुकरी खमत्या ।

२७१. खतित—अनोखाना ख उकुठि
कपन खमलकारपुर्न कपन खखर,
खकोकित ।

२७२. खिबेट—खकरी, खपन खकूत,
खखिवाय खखानुवा, खखिवा ।

२७३. खतासरी—खयोसरी पघो-
प्रतिबोपिता खतखानी ।

२७४. खक्याला—खयेन खकुक पठ,
मखपन मखला महाविद्यालय विद्यालय,
विद्यापीठ विखविद्यालय विखवालय
खकुक ।

२७५. खनिबलिनी—खकुकखून विख-
विद्यालय ।

२७६. खिया खंखा का अध्यास—खार्थ
खीन प्रखानाखार्थ प्रखानाख्याय,
प्रिखपन खखखयखर, खेखमाखर ।

२७७. खपन—खपन खकरी, खख्याय,
खपन खखीन खकुक खकूता ख-
ख्याय ।

२७८. खपन देना—खीतना कहना ।
'खपन' के पर्यायों में खपानुसार करणों
या देना लगा कर और खख भी खपान
या खपते हैं ।

१७९. वक्ता—वक्तावली, भाष्यवक्ता
भाष्यवक्ता व्याख्यानवक्ता ।

१८०. वंश—वायस पुत्रपितृ ।

१८१. विद्या—साईस ।

१८२. मघीन—मघीन आपरेटस वंश ।

१८३. मघीन का या मघीन संबंधी—
यात्रिक ।

१८४. भाषिकार—भाषिकार ईजाद ।

१८५. भाषिकारक—भाषिकारकी प्रव-
र्तक ।

१८६. प्रैस—छापाखाना मुख्यालय ।

१८७. मीनेटर—इंजिनकार प्रबंधक
प्रबंधकर्ता प्रबंधकार, मुंठजिम विद्यायक
विद्यायी व्यवस्थापक व्यवस्थापककर्ता ।

१८८. छापना—अंकित करना ठप्पा
करना टंकन करना टंकित करना टाइप
करना मुद्रित करना छिन्नना लीथो
करना ।

१८९. सभाचारपत्र—अनुसार, पत्र
पेपर ।

१९. वरिष्ठ—वीरजिन रैमाला ।

१९१. निकलने के समय के अनुसार वन
वरिष्ठानी में भेद—अर्द्धसाप्ताहिक
द्वयमासिक द्वैतिक, ईसासिक, पाषाणिक
मासिक वार्षिक वद्वैतिक साप्ताहिक ।

१९२. सफारक—अडीटर, एडिटर,
पत्रकार ।

१९३. सम्मान वन—प्रतिष्ठा वन मान
वन सम्मान वन ।

१९४. सिद्धना—अंकित करना अंकन
करना, अनुकरण करना अभ्यास करना
उपायना वक्तव्य करना वनसंबंध करना,
टाइप करना मद्रक करना रचना, रचना

करना लिपि बद्ध करना सेलनीबद्ध
करना ।

१९५. पांडुलिपि—पोषी मीनूस्त्रिष्ट,
मुसीबिदा ।

१९६. पुस्तक—विठाव धंभ पुस्तक
पुस्तिका पोषा पोषी ।

१९७. विषय—बीज भजमुन विषय ।

१९८. भूमिका—आमुल छपोद्घात
क्यामुल तमहीद, बीबाभा बी सम्भ
प्रस्तावना प्रस्ताविका प्राक्कथन मुक-
हमा मुसबंभ संभाषा ।

१९९. पाठ—अंक अभ्यास आह्विक
उच्छ्वास छरमात कांड किरण छरम
पटक परिच्छेद पाठ प्रकरण प्रकाश
प्रपाठक पिटक बाब मंजरी लहरी बर्ष
घासा समय समुस्तास छर्ष स्फंध ।

२. डीका—अर्ष कुजी टिप्पणी
टिप्पन तक्रसील भाष्य विवरण विवे
चन व्याख्या ।

२०१. अनुवाद—अनुवाद, जस्ना तरजुमा
भाषांतर ।

३ १. कापी—पुस्तिका अभ्यासवापी ।

३ ३. डायरी—ईनदिनी ईदिकी ।

३०४. वृष्ठ—पत्रा वृष्ठ, पेज वरव बर्द्ध
तक्रहा मद्रा ।

३ ५. कापक—बागद पटक पत्र पत्रा
भोजकत्र ।

३ ६. रोगनाई—अंजन वाणी वनांजन
अकिनाम्बु, मदी मति वनी केला
रंजनी रोगनाई रोगनाई विषाही
स्वादी ।

३ ७. अक्षय—अक्षय निव देन कास्टिन
देन मुरबबैद, रैतानी होटर ।

३८. फार्मेटेनपेन—आराप्रवाहसेखनी निर्धारिणी।
३९. निब—जिम्मा जिम्मी।
३१. बाबल—दबाव बोरकमा बोरका मसिकूपिका मसिदानी मसिपान मसिपानी मसिपान मसिमपि मस्याबार, मेकानबा मेकाब बर्णकूपिका।
३११. पटरी—ठकरी ठकरी पटिया पट्ट पट्टी पाटी।
३१२. स्केच—ईषी इसकेल पटरी पैमाना फुट फुटा रोडर रुक।
३१३. पेंटिल—पिनसिन पिनसिल पिनसन रुक सुष्कसेखनी।
३१४. सोखता—सोखता स्वाहीबुख स्वाहीसोख।
३१५. डिप्लोमा—एनबकप खरीता डिप्लोम।
३१६. पीसबकार्ड—कार्ट, कारड कार्ड बिट्टीकार्ड।
३१७. अ. डिप्लो—टिकस स्टंप स्टॉप।
३१८. लकमा—बिज बेधबिज लक्या मानबिज मीप राफ्टबिज।
३१८. स्पामपट—अधिरपट्ट काका ठकठ काका ठकठा ठकठास्या ठकठा स्वाह, स्केकबोर्ड स्पामपट, स्पामपट्ट।
३१९. इतिहास—अतीतास्यान इतिवृत्त अतास्यान तबाठीअ ताठीअ पुरान पुठबिद्या पुरावृत्त बुर्बवृत्तत प्राचीन कमा हिस्ट्री।
३२. इतिहासक—तबाठीअबी हिस्टो-रियन।
३२१. ऐतिहासिक—इतिहासिक तथा ठेकी ताठीकी पीठमिक हिस्टारिकक।

३२२. प्रार्थतिहासिक—प्रतिनिहासिक, प्रापतिहासिक, प्रीहिस्टारिक।
३२३. भूगोल—भूगण्डिया डिमाठीकी।
३२४. भूगोल संबंधी—भौगोलिक भूगोलिक।
३२५. अमवायु—आबहुवा हवापानी। बिज्ये—भूगोल संबंधी अम्य सामग्री के किए 'नवी' 'पबैठ' 'बैठ' आदि के बास-पास की सामग्री बैकिए।
३२६. भूगर्भ शास्त्र—त्रियालोबी पृष्ठी बिज्ञान पृष्ठी बिद्या। बिज्ये—भूगर्भ में मिलने वाली बापुनों और रत्नों के लिए 'सोना' तथा 'रत्न' और उसके बास-पास की सामग्री बैकिए।
३२७. बर्सेन शास्त्र—अम्यारम शास्त्र आल शास्त्र तत्वशास्त्र डिप्लोमा डिप्लो-सत्री।
३२८. तर्कशास्त्र—मैठिक काबिक।
३२९. तर्क—अहस अहस-मुदाहिदा बार, बिबार बाबाबिबार सरबर, हुजबठ।
३३०. नीति-शास्त्र—नीति नीतिबिद्या, राजबिद्या अ्यबहार शास्त्र।
३३१. नीति—अकलाकी उसूल आचार पद्धति अकल बुनियादारी नय निबन अोकपद्धति अोकआचार, अ्यबहारपद्धति।
३३२. राजनीति—अर्बशास्त्र नागरिक शास्त्र नीति पाकिटिकस राजबिद्या राज वंन राज्य शास्त्र विनासठ सिबिफस।
३३३. राजनीतिक—पोकिटिकक, अम्याठी।
३३४. राजनीतिक—पाकिटिधियन साम-धानी।
३३५. नेता—अनुवा अघबानी अकबी अकसर, अम्यअ अम्यअक नाबक,

निर्वाहक पत्र-प्रवर्तक प्रभात प्रमुख
 प्रेसिडेंट, मुखिया रहनुमा लीडर,
 संचालक सदर, समापति सरवार।
 ३३५. क. नेतापिरी—नायकरव नेतृत्व
 रहनुमाई, लीडरी सरवाठी।
 ३३६. संस्था—एयोसियेशन कावेच
 बयलत परिषद्, पार्टी लीग संघठन
 एंव समा सोसाइटी।
 ३३७. संस्थाओं के प्रमुख आचार—
 बर्षाशास्त्र बर्म राजनीति समाज।
 ३३८. समाजवाद—सोशलिज्म।
 ३३९. साम्यवाद—कम्युनिज्म।
 शिरोय—कभी-कभी समाजवाद और
 साम्यवाद एक बर्ष में भी प्रयुक्त होते हैं।
 ३४ प्रजासत्त—जनतंत्र जमहूरियत
 जमहूरी सभ्यतल डिमाक्रेसी लोकतंत्र
 सर्वतंत्र।
 ३४१ एकतंत्र—अधिराज्यतंत्र एक-
 तंत्र मानकी राज्यतंत्र।
 ३४२ सामंततंत्र—कृषक सिस्टम
 सामंतवाद सामंतशाही।
 ३४३ साम्राज्य तंत्र—इम्पीरियलिज्म
 साम्राज्यवाद साम्राज्यशाही।
 ३४४ साम्राज्यही—नाजिरम फासिरम
 हिटलरशाही।
 ३४५. साम्राज्य—नाजी एसिस्ट
 हिटलर।
 ३४६. भारत की वर्तमान प्रमुख संस्थाएँ—
 राष्ट्रीय किसान महासंघ प्रजा पार्टी जाति
 पार्टी समाजवादी पार्टी जनता पार्टी
 जनश्रम समायतुक दलमा मुस्लिम लीग
 रायराज्य परिषद राष्ट्रीय स्वयं सेवक
 संघ प्रजा समाजवादी पार्टी साम्यवादी

पार्टी हिन्दू महासमा।
 ३४७. बाल—बाबू, तर्क बलीक मत
 राय शास्त्रार्थ।
 ३४८. राज्य—अधिकार, उपवर्तन जन
 पत्र देश प्रवेश मंडल राज राष्ट्र,
 शासन सरकार, सभ्यतल स्टेट, हुकूमत।
 ३४९. राजा—अधिपति अधिराज
 बर्षपति ईश अक्षपति क्षोणिय क्षोणिय
 मजपति बड़ी बंडबल, बंडभार, बंडभाठी
 अराधीस नरकत नरदेव नरनाथ नर
 माह नरपति नरपाक नराट, नराधिप
 नरिय नरेंद्र नरेव नृप नृपति पातशाह,
 पातिशाह, पावशाह पाब पायिब
 पुषिबीपति पुषिबीपाक पुषिबीमुज
 पुषिबीस पुषीस प्रभु, बाबशाह, भुवन
 पति मुजपाक भुवार, भुशाक भुनेता
 भुशन भुबर, भूप भूपय भूपति भुपाक
 भुभुज भुभुत भूमिबेव भूमिपति भूमि
 पाक भुबस्त्रम भुधक, महाराज महा-
 राजा महाराजाधिराज महीप महीपति
 महीपाक महीमर्ता महीमुक महीमुज
 महीभुत माकिक राज राजराजस्वर,
 राजा राजाधिराज राजेंद्र राजेश्वर,
 रोट, रठ राजा राना लोकप लोकपति
 ब्याक सहृषाह शासक सभाट।
 ३५ बचवर्ती राजा—बचवर्ती बचरी-
 श्वर, महाराजाधिराज राजराजेश्वर,
 सभाट, सार्वभौम।
 ३५१ राजसी—बाबशाहाना राजसी
 शाहाना शाही।
 ३५२ राजकीय—राष्ट्रीय।
 ३५३ राजी—अर्थासिनी पटराजी पट्ट
 शैवी पट्टमहिषी पाट-महिषी महाशैवी

महारानी महिषी राजी राजपत्नी राज
महिषी राजी ।

३५४ राजकुमार-छोटे सरकार, युवराज
युवराज राजकुमार, राजपुत्र महाराज
कुमार, साहबारा साहबारा ।

३५५ राजकुमारी-कुँवटि, राजकुमारि,
राजकुमारि, राजकुँवटि, राजपुत्री साह
बायी साहबायी ।

३५६ प्रधान मंत्री-प्रधान मंत्री मंत्रि-
पति महामात्य महाप्रधिप ।

३५७ सचिव-अमलद, आनालय
बीबाल बीसब पार्वद, मंत्रभाषाया मंत्री
मूसाहब बनीर, सचिव धामबामक
सिक्कर, सेक्रेटरी ।

३५८ सेनापति-अमिय बछपति बछ-
बाब फौजदार, युवम युवनाथ युवम
युवपति युवपाक रजस्वामी सरवार,
शिपहसाछार, सेनप सेनावार, सेनाध्यक्ष
सेनानायक सेनानाथ सेनानी सेनापाक
सेनापति सेनेय ।

३५९ फौज-अनी अनीक अनीकिनी
कटक कटकई, कटकाई, मुस्लिमी बक,
बकबाहना बतुरंग बमू बक बकबक
बक-बाबक बानी बाटी अजिमी
पदाकिनी बकटन पुठना पुठमा पुठम्या
फौद, बक बाहनी बूब कस्कर, काम
बरबक, बकब बकबनी बबकिनी बाहना
बाहिनी बूह सेना सेना सेन्य शिपाह ।

३६० ब छत्र की सेनाई-बुइसवार वा
बोइसवार, पैरक, रबी हाथी-सवार ।

३६१ पैरक कीड-पती पदन पराति
परिक नाराय पैरक प्याय हउबल

हउबदि, हरीषा हिउबल हिरीक ।

३६२ अस्वारोही-अस्वपति अस्वक,
अस्ववार, बुइबका बुइसवार, बोइसवार,
तुरयाक, तुरपी सवार, सारी ।

३६३ रबी (सैनिक)-रबाक रबा-
रोही रबी स्पंरताक, स्पंरनारोह ।

३६४ योडा-बंठाबल बुमार, बोबा
सिबंगा पति प्रवीर, बानीय बट, युं-
बान योडा मीबा रजबका रजबीकुत,
रजबाबी रनी कड़ाका कड़ाया कनीटा
बीर, बुरबीर ।

३६५ शिवाही-अनीक सिबंगा पति
पतिमट पचाति पदाधिक पचदविश
प्याय बंदुकबी बंदुकबी बट, पारबी
शिवाही सीप्याय शिवाही सेनाबीनी
सैनिक सेन्य ।

३६६ अमलद-दरबारी परिवद् परि
बइल परिसम्य पारिवद, मंबर, बरब
अमासब अमास्ता, अम्य छाबु, सामाजिक

३६७ अकसर-अपसर, बौंसर,
कार्याध्यक्ष कार्याधिकारी कार्याधिपति ।

३६८ अधिकारी-अधिकारी अविप
अविपति अबीब अबीबर, अम्य
अमदला देसक लासक छासनकरी
सास्ता हाकिम ।

३६९ बूत-अपिसर्पक एकबी काशिर,
बदुक बट, बार, बूत बापक, बाब
पत्रबाहक प्रविधि सेरिसहूर, सेरिसिमा
हुंकाटी हरकाय ।

३७० राजकुल-एकबी सजोर ।

३७१ इरपाक-बंठपाक दरवान दर
बापकिनासी बीनारिक इरपाक, इर
पाक, इीवारिक ।

३७१ पहरवार—बीकीवार, उधोड़ीवार, हात्याक पहरौ पहरुवा पाहक पहरौ गौर, प्रहरौ मतीहार, ग्खबाला बेजक बेजवार, म्बितपर्यंक। दे 'संतरौ'।

३७२ सतरौ—बंदाबल संतरौ संतिक।

३७४ बंतपुररसक—बंतपुरिक बंत बेंपिक।

३७५ कर्मचाटी—बहुलकार, करमचाटी।

३७६ डाकिया—बिदूठीरसाँ डाक्यून बाबक बाबन पोस्टमैन हरकारा।

३७७. भेरिया—मुल्लचट, गुरया गोईबा चट, चार, चागुल पनियाँ पनिहा मेरी सी आई डी।

३७८ प्रजा—जनता परजा राष्ट्र रिजाया ईकल संतति।

३७९ अर्षघासत्र—इबनामिकम घन घासत्र मुहाघासत्र संपतिघासत्र।

३८० अर्ष—अडि लुत्पी लुपी पर, संत दरब इम्य बाम बाय बील्लत घन पब पूंजी पैसा बिल नय माक माकि-मन मुहा योग रक्रम राब एया कयया पैसा लक्ष्मी दिनु, बिल बिभव बिभूति बिबय ईबब पी संपति।

३८१ पूंजी—जना मूलधन बिल बिगाउ म्पति।

३८२ आबिक—मानी।

३८३ अर्षघासत्र—अर्षघासत्री इबना बिलट।

३८४ बबाला—जर्जन बरना अरिउ बरना बबाई बरना पैदा बरना पब बरना मुला।

३८५ अर्ष करमा—अपम्यर बरना

खरचना किमूल फूंकना फेंकना म्पतता म्प्य करना।

३८६ कमाई—जर्जन आमर आमरनी आय पैदा।

३८७. अर्ष—सपत खरच खरना म्प्य छाळा।

३८८ बमालेबासा—जर्जनधील कमा मुदा।

३८९ अर्ष करने बालन—अपम्यपी अर्षीसा अर्षीच फजुमअर्ष फेंकमुळ, मुकजइस्त रेड, म्पयक म्पयपीम म्पयी पाहअर्ष।

३९० कंजूस—जवाता अनुवार, कदर्य कज्जलखरीट, करपर, करमदूठा किम्यब किरपिन कूपन कृपिन कुड टम संग बस्त मीच नीबुनिचोड पत्बरचटा बलील बनिया मक्लीचूस पराबिल संक संचकट, संचपी मूम।

३९१ कंजूसी—अनुवारता करयता कपन-असीटी नारपटा कूपनता कृपि-नाई लनपना इरिपता बीनता ईम्य बरीली मक्लीचूसी मूमपता।

३९२ कंजूसी करमा—कूपनता बरला कृपिपता करमा कृपिनाही करमा पैसा बांड से पबइना, मक्लीचूसी करमा।

३९३ बिआपत—मिद्रम्यय मिद्रम्ययिना।

३९४ मजदूरी—करवाई कामकरवाई पारिपामिक मजदूरी मजुठी मेट्नागना रोडी। दे नीचे।

३९५ बैतन—उबलत लनग्राह लन क्वाट लनर दरमाहा महिनबाटी महिना बरीना बेजत। दे ऊपर।

३९६ मूलधन—अनन।

३१७. ध्याव—सूद ।

३१८. ध्वज—उबार, ध्वज करव करवा करव रिन देना लहना ह्यपेर ।

३१९. ध्वजी—ध्वजबोट, सव्पुष देन वाट, रिनिवा । रे ध्वजघर ।

४०. ध्वज सेना—उबार केना ध्वज खाना ध्वज खाना खाना ह्यफेर सेना ।

४१. ध्वज बुकाना—उध्वज होना उबार बेबाक करना ध्वज देना ध्वज पटाना ध्वज उठारना ध्वज बुकाना रिन पटाना ।

४२. उध्वज—उधारित धरिन ध्वज-मुक्त ।

४३. उध्वज करना—भीठ ठोकना बेबाकी सिखना ।

४४. ध्वज देने वाला—ध्वज महा जन ध्यावजीबी साहुकाट, सूरखोर, सेठ ।

४५. धरीव—अकिचन कंदला कंगाल चित्र वंगरस्त धरिखट, धरिख बीन दुनिया दुर्वत धनहीन नाशाट, निचन निचनी निर्धन निर्धनी निचन परखीन कपुष बेबर, भिसुक मिखापी भिसकिन भिसकी मुकमिख मुहताज रट रत हीन ।

४६. अ धमीर—अयाचक अयाची ऐरधर्मवान ऐरधर्मशाची अठ करीइ पति करीइ कौटपापीअ तुतहाल मखर, अकतसेठ धायीरवार, वासेबर बीपनमन्ट, धनबुबेर, धनपाटी धनपति धनवन्त धनवान धनाइप धनासठ, धनिक धनु महाजन रईय रलपट, लतापति लक्ष्मीपति लक्ष्मीवान लत पवी विमववान विमववाली विपई बीमववाली धीवन्त धीवन्त धीवान्,

उपतिवाली संपन्न धनुष सरवाट, सुयया मुदि, सेठ ।

४७. धरीबी—अकिचनता कंगालता कंगाली नुरवत वंगरस्ती ठपी धरिखा धरिख, धरिख धरिख्य बीनवा बीन-टाई, बीनल कुच देय धनहीनता धनामान माधारी निर्धनता भिसुकता भिसकीनता भिसकीनी मुकमिखी मुह-वाची रंफटा ।

४८. अमीरी—अमीरी अयाचकता कुसहाकी बीकतमन्वी धनता धनाइपता रियासत सगुडि ।

४९. अमूम्य—कीमत धर्ष धान पैषा धागत ।

४१०. अमूम्य—अनमोस अमूम्य कीमती गध्वर, बहुमूम्य बेसकीमत महाई मूम्यवाल ।

४११. डेस्त—कर टिकत महसुल अकाट जनत ।

४१२. धाल्पुखारी—जमा धुनिकट, माल महसुल कगान ।

४१३. धिराया—धैरावा भाड़ा महसुल धुलक ।

४१४. भाड़ा (रैल, मोटर आदि)—धिराया धैरावा टिकट, टिकट महसुल मसुल मासुल ।

४१५. भाड़ा (धर)—धिरावा धैरावा धारा महीना रैट ।

४१६. भाड़ा (नाब)—धातर उतर्पाई धवा खेबाई तरपम्य धोषी महसुल ।

४१७. धिरवत—अपद्रवान अमन धार्धवा अकौष उपादानक उपाध्वर, कौटलिष काइ धुंत बुध धीपन धवा धानुड धवा नाच हाट, धारी वा धुता ।

४१७. रिक्तबन्धोर—उत्तकोचक ब्रुसबोर।
 ४१८. रूपये का बंध—अर्धबंध चुरमाना
 बंध बनबंध।
 ४१९. जहेज—जहेज रहेज त्रिकक
 घाहना दाय दायन दामना मोलुक
 पीलुक मुस्क।
 ४२. प्रीस—प्री मुस्क।
 ४२१. तिकका—टंक दाम मुद्रा तिककः।
 ४२२. सीने का तिकका—गिनी बीनार,
 मुहर, मोहर, स्वर्णमुद्रा स्वर्णरूपया।
 ४२३. रूपया—मुद्रा रूपया रुपिया
 रूपया रुपिया।
 ४२४. मठप्री—मथेठी पेकी।
 ४२५. चबप्री—पाबकी मुका।
 ४२६. पैता—मोरकपुरी पैता डबल
 डबल डबुजा पइसा।
 ४२७. घबसा—अबप्री रुपइसी।
 ४२८. चिक्लिस्ता घास्त्र—इस्मेइलान
 बायुबेंद उपचार घास्त्र ओपपिघास्त्र
 बनबंधति घास्त्र स्वास्त्र घास्त्र।
 ४२९. विभिन्न प्रकार की चिक्लिस्तार्दे—
 बायुबेंद एलोपैबी नेचरोपैबी बायोके-
 निम्नी घुनामी होमयोपैबी।
 ४३. बायुबेंद—चिक्लिमाघास्त्र बन
 बंधति घास्त्र बैचक घास्त्र बैचकी
 बैचकिघा।
 ४३१. घुनामी—मुस्लिम चिक्लिमा घास्त्र
 डिम्बी सेबाबत हिनमत्र हकीमी।
 ४३२. नेचरोपैबी—अल-चिक्लिमा प्राह
 तिक चिक्लिमा स्वाजाकिच चिक्लिमा।
 ४३३. एलोपैबी—अंदेडी चिक्लिमा
 बाबटरी इलान बाबटरी चिक्लिमा।
 ४३४. घास्त्रजास्त्र—अरबचिक्लिमा, चीङ

- छाङ बरही घास्त्र बिया घास्त्र घास्त्र
 सजरी हजामी।
 ४३५. रोग—अनार्जब अम मपाटब
 अरवा मति वाकल्प आतंक आठम
 आम आमम आरवा इस्लत उपधात
 उपताप कष्ट क्षय गर तमोबिकार,
 बीमारी बरामी भंग भय मरज मर्ज
 माघ मृत्युमृत्य रज बिकार, बिहृति
 ब्याधि सिक्कापत।
 बिलोम—'स्वस्वता'।
 ४३६. रोग के दो प्रकार—मानसिक
 घाटीरिक्क।
 ४३७. मानसिक रोग—आधि मानसिक-
 ब्याधि।
 ४३८. घाटीरिक्क रोग—ब्याधि। ई
 'रोग'।
 ४३९. निदान—उपश्रीम रोगनिर्णय।
 ४४. लक्षण—चिन्ह, निदान पहचान
 लक्षण।
 ४४१. बिकार—अरबी मद्रबड़ी दोष
 रूपन बिहृति।
 ४४२. त्रिषोब—रफ, पित्त बाठ।
 ४४३. रफ—दे 'रफ'।
 ४४४. पित्त—दे 'पित्त'।
 ४४५. बाठ—दे 'बायु'।
 ४४६. रोग रोग—इंद्रकुप्ट इंद्रतणक
 केघण केघनातक बंधारोप।
 ४४७. अजताना—गडगना गाडर,
 गाडर कला समुधाना गुधाना,
 गहलाना मुद्रुयाना।
 ४४८. अजप्री—बंदु, गनु बाज गुज
 काहट, गनुनी गेनय।
 ४४९. बाह—गनय रट, बाहु, रिनाई,

दिनाय पाम पामा विषाधिका ।
 ४५५ बेबाई—बिमार, बेबाम पावस्फोट
 पावस्फोटी विषाधिका स्फुटि, स्फुटौ ।
 ४५६ सिङ्गुआ—फिछास सिम्भ सिङ्गुआ ।
 ४५७ मुह्रीता—मुह्रीक ।
 ४५८ मुह पर का बाघ—पनमय पना-
 बधी छार्, छाही छार्दि ।
 ४५९ अँहीरी—अँमीरी अँपीरी
 गर्मीराना ।
 ४६० बाघ—जहन टपन डाड़ा ।
 ४६१ पिली—बुकपित बुनपिली पिली ।
 ४६२ बर्म कीत—ग्यच्छ ।
 ४६३ करकमुली—कड़क करक मूज
 हुच्छ ।
 ४६४ गर्गी—जबईस बाठसक उपईस
 गरगी किरंपरीग ।
 ४६५ बुबाक—पूपमेह, मपुमेह बुबाक
 सीबाक ।
 ४६६ प्रमेह—गरमिह बहुमूज मूजबोप ।
 ४६७ पचरी—बभमरी ।
 ४६८ शूकरीय—किगबुदि शूकरा ।
 ४६९ कुच्छरीय—उच्छक कुच्छ, कोठ
 कोड पलित कुच्छ, पाकक पारिजय्य
 फूल फूला मडकक, बाप्य प्याधि
 रवेउकुच्छ ।
 ४७० कुच्छरीय के अंतर्गत रीय—
 अगियागन अपरस उकवत अउर
 पाय बाघ, सेहुँबा ।
 ४७१ अठराभि—अठर, अठराय अठ-
 राभक पावनाभि ।
 ४७२ अजीर्य—अजीरल अजीरं जन
 नव अजव बरहमी बरहरमी ।
 ४७३ अजड—अजध, नवड नपुड

अवधियत कवियपत कमियत कम्बी
 कोच्छवडता मकवड मलाचरोच कड-
 कोच्छ ।
 ४७४ अन्वामि—अन्वामि मंदाय ।
 ४७५ अजि—अजम अजामातिचार, अजम
 रस्तातिचार, मकनीपन्धरोग ।
 ४७६ अजुपीका—गुम्भ पीका रबी-
 धंमि बालपीका ।
 ४७७ अजि—उरावर्त अजि मुनबह ।
 ४७८ अजासीर—अजायक अजं कुनी
 अजासीर, नुवाकील नुवाकुट, कुनीय
 कुनीयक अमेसी अजासीर, अमेसी बादी
 अजासीर, रस्ताखं ।
 ४७९ अजासीर के बी अमेह—कुनी बादी ।
 ४८० अजाम—अरतेवर, अजाम ठंड,
 नजका पीनय प्रतिअ्याम छीठ अरपी
 अरपी ।
 ४८१ अकसीर—अकवीर, विनास ।
 ४८२ अितार्वा—आळा अितर्वा पाक,
 मुह्याका मुसपाक ।
 ४८३ अजि अला—अजि अलना अजि
 कूरणा ।
 ४८४ अजि अले का रोव—अजिपाठ
 अजिपाक अमित्यंय ।
 ४८५ अतीवी—अिपांथ अतीवी अतीवा
 रायपि ।
 ४८६ अितीवी—अिपठ-अंघठा अिवांघठा ।
 ४८७ अुजना—अरकना अरकना अरक
 हुला टपकना ठमकना टीठ अलना
 टीठना टीठ अलना अई करना अुजना
 अुलावा अुनबाई होवा पीडाअुला हुला
 अटना अुल करना अालना अुलना ।
 ४८८ अीत—अमक अठक टपक टपका

- ४८४ टमक टमकन टीसि सूक साक ।
 ४८५ बई—बार्सटा कष्ट बरब, पीड़ा
 बेरना बूक । रे 'टीस' 'बमक' ।
 ४८५. बमक (बई)—बटक बमक
 बिष्क बिसूक ।
 ४८६. बमकपारी—बाबासीपी सिरसूम ।
 ४८७. २ तरह की बमकपारी—बंजाबर्त
 सुवर्ष ।
 ४८८ बसिना—बोबारना बसिना बों
 बों करना ।
 ४८९. बसिनी—कास कास बसपु,
 बंसनी बंसनी ।
 ४९ बसा—बसास बसास रीय सांस
 हंसरी ।
 ४९१ बबर—बार्सक बर, बूड़ी बूति
 ताप तापक बुबार, बोसार, महा-
 बर संताप ।
 ४९२ बाइबाइड—टाईडामड मिमारी
 बुबार ।
 ४९३ प्रसूत बबर—परसूतबबर, बबर,
 प्रसूतिका बबर, सूतिका रोम ।
 ४९४. बडेरिया—बाड़ाबुबार, बूड़ी ।
 ४९५. बेंतरिया—बेंतराबबर, इकतरा
 इकतरिया पाटी बुबार ।
 ४९६. सभिपत्त—त्रिदोष सभिपत्त
 बरसाम बरसाम सुभपाव ।
 ४९७. बचली—बाम्बपित्त बबकाई,
 मोकाई, बीमबली बबिनी बवली
 मितली ।
 ४९८. बचली बाना—उकताई बाना
 बबकाई बाना उकटी बाना बोकाई
 बाना बित्त फरिबाना बी मित्तबाना
 बवली बाना बित्तबाना बित्तली बाना

- मित्तबाना मित्तली बाना भूह बिगड़ना
 भूह में पानी बाना भूह में पानी भर
 बाना ।
 ४९९. बई—बोककाई, उकाई, उप्मार,
 उबकाई, उस्ती उबाठ बोकाई, बई,
 बईट प्रच्छदिका मचली मठली बमन
 बमपु, बमन बमि हलूक ।
 ५०. बई करमा—उककाना उबकना
 उकटी करना बोकना बोकाना
 बोककाना बई करना बईट करना
 छाड़ना डाकना डाटना डाकना बमन
 करना बाहर करना भूह बकना बमन
 करना ।
 ५१. बर्बुद—(बड़ा) बलीठी मसि
 कीक मसिपुस्य ।
 ५२. बर्बुद (छोटा)—बर्बुद इस्का
 मोसब मीठा ।
 ५३. बत बूडि—बंजबूडि बंभांड
 बूडि बत उतरना बत बूडि पाभी
 उतरना हानिया ।
 ५४. बिसर्य—बिसरप बिषपि सचिवा-
 मम ।
 ५५. बामोपक—बामोपक सुन्यनायु ।
 ५६. बामबात—बाँबबात बामबात ।
 ५७. बहामारी—उड़नबीमाटी मटी
 बवा ।
 ५८. बूबा—बालरु बामेरा महाबीर्न
 बिदुषिका बिदुषिका बिदुषी ।
 ५९. ताऊन—ताउन जेग महामारी ।
 ५१०. बेबक—बसरत बैबी पापरीय
 मसूरिका मसूरी महयनी माडा
 रकनवटी बसंतरीय बिसफोट बिसफोटक,
 पीतका ।
 ५११. बतिसार—बतीसार, बमबि

अदरामय रक्ताविसार ।

५१२ हिक्का—हिक्का हिक्का ।

५१३ कमरुदोष—कसरु, कौबल कमरु-
दोष काँबका कामक कामला पांडु,
पाँडरोप पीठिया अरकान ।

५१४ संघृषी—मुष्वाहि, ग्रहिणी प्रवा
हिक्का छत्रही छत्रहिणी ।

५१५. आमामीर्ष—अमामीर्ष विरवा
बीर्ष बुष्वामीर्ष ।

५१६. पेंठिया—आमवात पठिया गाँठ-
रोप बटास बाई, बाठ बाठरक्त ।

५१७. फीकपात्र—पादकस्मीक स्कीपद,
हाथीपात्र ।

५१८. ककवा—अहित फाडिज बटास ।

५१९. मिरयी—अंबविहृति अपस्माट,
भूतबिहृति मिर्षी मृगी काकाब
छरजा ।

५२ कखरोप—अतिरोप असाध्यरोप
अम्मा क्षय क्षयी बवाघणी छई, टी बी
तपेदिक बिक नृपातय मक्षमा यक्मा
राज्यवदमा राज्यरोध राजरोध शोथ ।

५२१ कपोला—काला सलकर पंजाका
पंजोला फोंका ।

५२२ फीका—ईर्ष भूमका पकला
पिटक पीटक फुडिया फोंका फोट,
फोडिया विंक विटका विस्फोट बब
स्फोट, स्फोटक ।

५२३ पञ्जापस्त—अठाय अर्वाण इति
रवा पलाबब फाडिज ककवा भूमपाठ
भुभबाई ।

५२४ सुजल—मुलाब अरम शोष शोफ,
शबयु, मुज शोष शोबिज ।

५२५ अठमाता—अठमाका पञ्जपंड ।

५२६. पाब—अस्त ईर्ष अठ बाप
बीठ चोट रक्त बब ।

५२७. पीब—अतज पस पीप पीप पुप
पुपन प्रसित मबाब मकज ।

विदोष—भून के लिए दे 'धून' ।

५२८. कुरंड (कोड़े की पक्की)—
अंगूर, लईड कूटी कूटी कुरंड ।

५२९. मूर्च्छा—अचेतना बेहोशी मूरका ।

५२९क. मूर्च्छित—अचेत बेहोष अंवा-
हीन अवाधुन्य ।

५३ कौपकपी—कौपकपी अईया
राजवा वेमुपु ।

५३१ योनिकर—योनिकर, योनिज
योनिजन योनिजाब ।

५३२ यनेकी—स्तनकील स्तनपाक स्तन
बिहरी ।

५३३ प्रवर—क्षीयता वातुक्षय अिको-
रिया विवर, स्त्रीरोप ।

५३४ २ तट्ट का प्रवर रोप—रक्तप्रवर,
स्वेतप्रवर ।

५३५. हिस्तीरिया—अपठक बेहोशी
मूर्च्छा ।

५३६. दुग्ता—दुर्गता दुर्बलता बाब-
मातृका मेबकाकिमा ।

५३७. दुर्बली—दुग्ता क्षीयता दुर्बलता
सुखारोप ।

५३८. डकटर—अगबकर, आमुबेरी
कविराज बबहा विक्रिस विक्रिसक,
डकटर, डकटर, डकटर, बिरमाती
प्राणाचार्य मिशक विपक बीबज रोप
हापी बीच हकीम ।

५३९. अरहि—अराह, अर्जन ।

५४. आपरेक्षण—अस्त्रविक्रिसा बाप

रैखन नीर, नीरफाइ नीर बरही
सस्यक्रिया सस्यक्रिया ।

५४१ मकसूम—कवकेप मरहम सेपन
केप ।

५४२ विप-बैद्य—शासकिक जागुसिक
विषद्वैद विपन्न विपमारक ।

५४३ अस्पताल—भोपबाध्य चिकित्सा-
मवन चिकित्सालय चिस्वेसरी बवा
खाला भोपग्याबार, छफ़ाखाला ह्यस
पिटक ।

५४४ चिकित्सा—उपचार, इलाज बवा
बिरमाल मया एकप्रतिक्रिया रोम
प्रतिकार ।

५४५ स्वास्थ्य—समुस्ती बवा वैह-
बवा सेहत हाकस ।

५४६ बीमार—बनयन बनमना बना
रोम्य बनाटक बन्यमित बन्यत
बन्यीक अस्वस्व बातं बागुद, बीन
मकान चिकित्सित पीडित बिमरिह्य
बेरमिह्य बीरम मरीक बबी दन्न कन्न
रोमप्रस्त रोगागुद, रोगार्त रोमित
रोमिया रोमी विहृत म्याधिप्रस्त चकज
समर, सामय ।

५४७ स्वस्थ—अबद अस्था अकन अरोय
आयम आरोग्य कल बना ठीक
समुस्स्त बुद्ध निरोय निरोमी नीरोय
पाटब पुष्ट मला रोगहीन रोगरहित
सेहतमंद ।

५४८ स्वस्थता—अबदता आरोग्यता
समुस्ती निरोगता पाटबता ।

बिलोब—दे 'रोग' ।

५४९ बवा—अगद, ओलद ओरद
ओपधि ओखद ओपध ओरधि तकिक

तकिका बरमान बवादि, बाक बीरो
हिकमत ।

५५० कडा—बाबिट, बबाब ।

५५१ चूर्ब—चूरन पाठडर, बुकनी
सफ़ूक, फकी ।

५५२ चूर्ब करना—कूटना चूर करना
चूरन करना चूर्न करना तग्हियाना
पाठडर करना पीसना बाटना बुकनी
करना महीन करना सफ़ूक करना ।

बिद्येव—अग्य एबाबों के सिए बनस्पति
बातू रत बादि बर्ग तथा उसके आस-
पास की सामग्री बेबिए ।

५५३ बधित आत्म—अकगमित अक-
विद्या अरिबमेतिक गनना बगिन
मेनमुरेसन यैबमेटिसस संख्या सात्म
हिसाब ।

५५४ बीजगणित—अकजबा ।

५५५ ज्यामिति—अकजगणित अमेद्री
ज्योमेट्री रेखागणित ।

५५६ संख्या—अंक अबद यचना
मिगती तायाद, नंबर, हिसाब ।

५५७. संख्यावाला—संख्यक ।

५५८ बीज—टोटक मिजान बीजान
जुक योय संककन ।

५५९ बीजना—एकन करना एक में
करना यमा करना बीजान करना योग
निकासना ।

५६० यदाता—अक्य करना अकन
करना मझी करना निकासना ।

५६१ शेष—अबदोय बबा बाकी ।

५६२ गुणा—अरब ।

५६३ गुणा करना—गुणाना गुने
करना अरब करना अरब देना ।

- ५६४ मान—ठकसीम बँटाई ।
 ५६५, भाग देना—ठकसीम देना ठकसीम करना ।
 ५६६ मात्रक—अंशक विमात्रक ।
 ५६७, मज्जफलक—बाद, मज्जमफलक मानफलक कम्बि ।
 ५६८ गिफती—मज्जना मज्जता मंजर, रैसा शुमार ।
 ५६९, पिना—मज्जना करना बनना शुमार करना ।
 ५७० किलाना—गमना करवाना पन वाला किलवाना ।
 ५७१ जिघकी गिफती न ही सके—अपजनीय, अपचित अपधीम अगज्य अजमित अगमय अगिन अजिनठ अजिनित अजुकिठ अनठ अनजिनठ अनमिनित अजरिमित अपरिमिय अपार, अंसम्प बेधुमार, बेहर ।
 ५७२ पिने के घोष्य—गणनीय मध्य परिमध्य परिमित ।
 ५७३ शून्य—अ खीरो दिन्वी किन्तु, सिछर, शुभा घोषा ।
 ५७४ बाब—पार पीबा ।
 ५७५ आपा—मडा बई अर्न अर्नीय बाब निस्का, हाऊ ।
 ५७६ बीन—पीने ।
 ५७७, एक—जामा इक ईशर, पंथ नुम्बी ।
 ५७८ बहुला—एकला अम्बल प्रथम पहिल पहिला ।
 ५७९, एक का बाब—एकठा एकाव ।
 ५८० सबा—सगार, सबाई ।
 ५८१ बपोडा—बड़ बड़नुता देका

- देवक देवका ।
 ५८२ हो—बीस कर, कर्न डुर, डुरि, डू, बीर, डुव डन डि डी पछ पर, पानि मुन ।
 ५८३ होनों—दुलो होऊ ।
 ५८४ हुसरा (१)—जस मध्य बजर, बपर, बवर, बीर ।
 हुसरा (२)
 हुसर, द्वितीय हुबा
 ५८५ हुपुना—हुपुन हुपुन हुपार, हुना द्विपुन द्विपुमित ।
 ५८६ बाई—बकाई ।
 ५८७, सील—अभि काल पुन ठापीनि मय मि शोकि बहन ।
 ५८८, तियुना—तियुन तीलपुना तील, तेहर तियुन ।
 ५८९, तीसर—तीसर, तृतीय घोष, घोषम ।
 ५९० सिहाई—सिहाइ, तृतीयांश ।
 ५९१ बार—आभम बतुर, बहाड, बई, परार्न फड मुग बर्न मेर ।
 ५९२ बीबा—बतुर्न बहासन तुरिबा, तुरीय ।
 ५९३ बीपुना—बतुर्न बतुर्न बतुर्न ।
 ५९४ बाई—बई ।
 ५९५, बीबाई—बतुर्नीय बहासन बहासन बीब बीबाई, पार, पार ।
 ५९६, पीब—इहिय पंथ पंथ पांडव पीब प्राण महामुत बाण ।
 ५९७, बीबबाई—पंचम पंचुम ।
 ५९८ बीब का भाब—पंचता पंचाव ।
 ५९९, बीब का समूह—पंचक ।
 ६०० उः—ईति आनु, उर, रत रत

बेरान पट, पटक ।

६१ छटा—छटावाँ पटक ।

६२ छँ का समूह—छनका छनकी पटक ।

६३ छत्त—युपी रंग कोक बाद, छत छत समूह स्वर ।

६४ छत्तवाँ—छत्तम ।

६५ छत्त का समूह—छत्तक ।

६६ बाळ—मठ बाष्ट बाळक दिग्गज प्रहृ, वमु, सिद्धि ।

६७ बाळ बस्तुओं का संग्रह—बाष्टक ।

६८ बाळवाँ—बाष्टम् ।

६९ बी—अंक, ग्रह नव निधि बी, यक्ति ।

६१० नवाँ—नवम नौवाँ ।

६११ नव प्रकार का—नववा ।

६१२ बस—अवतार, इन्द्रिय बस विधा बीव ।

६१३ बसवाँ—बधन् बसाँ ।

६१४ बस का समूह—बसक बसक ।

६१५ ब्याह—एकादश छत्र धिब ।

६१६ बाह—आदित्य बाहय माघ पथि सविता सूर्य ।

६१७ बाह के समूह—बरजम बर्जत ।

६१८ बैरह—किरण नयोदय न्योदय नरी ।

६१९ बीरह—नगुर्दण मुनन रत्न विद्या ।

६२० बन्धह—विधि पंचरथ ।

६२१ सोलह—कला खोइस नृगाद, बोडय संस्कार ।

६२२ लभह—लठरह लठरय ।

विशेष—एक और सात के संकेतों को मिलाकर सत्रह के और संकेत बनाए जा

सकते हैं ।

६२३ बठारह—बठारह, बाष्टवष बाष्टा बध पुपन ।

विशेष—एक और बाठ के संकेतों को मिलाकर और संकेत बनाए जा सकते हैं ।

६२४ जमीस—जमिस एकोनविंशत ।

विशेष—एक और नव के संकेतों को मिलाकर उन्नीस के संकेत बनाये जा सकते हैं ।

६२५ बीस—नव विंश विंशति ।

६२६ बीस का समूह—कोड़ी बीसी ।

६२७ बठ्ठाइस—जठ्ठाइस बाष्टविंशति नवम ।

६२८ सी—सठ सी सीकड़ा सीक ।

६२९ सी का समूह—छठ छमट्टि, सीकड़ा ।

६३० प्रतिघत—प्रतिघत प्रतिघी प्रीसरी सीकड़े ।

६३१ हजार—सहस्र सहस्र हजार ।

६३२ लाख—दशमूत लख ।

६३३ दसलाख—दशलख त्रिंशत प्रमुत्त ।

६३४ करोड़—कोटि कोटिक कोड़ ।

६३५ अरब—अर्ब नृत्त पठकोटि, पाठार्बुद ।

६३६ अरब—अर्ब दस अरब ।

६३७ नील—पाठार्बुद ।

६३८ पय—पदुम पद्म पम दध नील ।

६३९ अंज—दसपय संख ।

६४० अहारांज—दसपुंज ।

६४१ एकावर्द्ध—आधिक, लेखापात ।

६४२ पञ्चदश—सैधमेदिघियन हितावी

३४१ भाप—बंद बंद बबरा बोट
बटा भाप बिभाग हिस्ता ।

३४४ बरा हुआ—उपसीमपुष्ट विधस्त
विभाजित ।

३४५ भाप—बोख तील पैमाला बबन
३४६ बर—भाब हिसाब ।

३४७ ज्योतिष—आकाशविद्या ज्योतिष
ज्योतिषा प्रहविद्या ज्योतिष शास्त्र
नक्षत्रविद्या नजूम नुजूम ।

३४८ ज्योतिष के दो भाग—धर्मित
ज्योतिष कर्मित ज्योतिष ।

३४९ मुहूर्त—धुनपड़ी धुन मुहूर्त साष्ट
घायत ।

३५० ज्योतिषी—कालातिक बलक
ज्योतिषी ज्योतिषी ज्योतिष ज्योतिषिद
ज्योतिषी ईश्वर नजूम पंक्ति मीहूर्त
मीहूर्तिक, विद्व शास्त्री साबस्तर ।

३५१ पंचायन—कर्मंडर, कर्मंडर, बंतेरी
पंचाय तिथिपत्र पत्रा ।

बिरोध—इस सम्बन्ध में और सामग्री के
लिए 'समय बर्ष' देखिए ।

३५२ कामशास्त्र—अथर्वविद्या कोष्ठास्त्र
रुद्रिशास्त्र मीथुनशास्त्र संमीमशास्त्र ।

श

१ शायी—शैतन जनु, जम्मी जम्मी, जीव
जीवभाटी देहभाटी देहबंद देहबाध
शायभाटी शरीरी ।

२ शनुष्य—शरणी बादनहार आदमी
इंसान डिगल मगई, मनुज मानव मानव
बालुन बालुन ज्योतिष ।

३ शुरव—शरणी आदमी बब बब
नर, ना नून पुमान बुधन बुधन

मगई, मरय

बालुन मानु

४ शमी—बबा

कलत्र काता

शरवरासी ब

बागी बोख ८

तन ठिय ति

शाप नाटी प्र

बामा बाला बी

महिला मारा

कलना बुनाई,

ठिनी शारंग ।

५ आत्मा—बंद

धावी शरव

बंदमूर्त बबर

बाममूर्त जीव

पुननन पुष्य

मग मुकुन रुद्र

शुक्रमदेह सुदम

इंस हुरय ।

६० 'जीव तथा

१ जीव—बंतेर

आत्माराम बह

क कटव बनु,

बाध जिरर, ८

बाटी जीवतल

निष्पाक्य पुष्या

शायभाटी बंजुम

सर्वय हुं ।

७. जीवतया—बं

शेषक शेरविपु

देहमून प्रत्यागा

पीन विनु, वि

दे 'आत्मा' तथा 'जीव' ।

८. वाया—अंबन अंबनी अत्र अज्ञानता
अविद्या बुद्ध, अमम्बोहिनी रम्या की
बुद्धि ।

९. बोस—असर, अठिबठि अठि
मृत्यु, अमपायिपद, अमवर्ष अमपुनरुत्पन्न
अमपुनरुत्पत्ति अमरपद, अमृत अमृतत्व
आत्मसिद्धि आत्मोद्धार, उब् उद्भवपति
अत काम्यभरत अ पोहित्वपद अज
वाट, अरकठारत अजात निःशेषस नि
निर्मुक्ति निर्वाण निवृत्ति निघेयस
विस्तार, पद, पर, परम कळ परिनिर्वाण
परिनिर्मुक्ति परिमोक्ष प्रभव ब्रह्मपद,
ब्रह्मभूय ब्रह्मवति भय मृत्यु, मुक्ति
मोक्ष मोय मोच्छ मीठ छिन्नता पिना
प संसिद्धि ।

दे 'स्वर्ग' ।

१. गरक—दे 'गरक' ।

११. अंब—अंब अंबो अमपन अमयव
पाठ गान प्रतीक ।

१२. घटीर—अंक, अंग अंड अंडा
अजिर, अकयशी आत्मा आत्माक
असेवर, काय काया कालिन कुल शर,
अंब पाठ गान अट मन जीवा
असिम अस्म डील उन वैह, वैहण
पंडल पंडर, पिड पिडा पिजट, अंब
बलन अपु अपुअ भूतारमा अर्ष यांवर,
माटी मिटटी मुकुअ मूर्ति अपु, अर्ष
विहह विरन म्युह अकट अंहनन अटीर,
स्वंब स्वर्गकोसेस ।

१३. अ. घटीरिड—आंगिक नायिक
विस्माती लटीपी ।

१३. तिर—अतमांग अपाळ अोपडी

मस्तक भाव मुंड मुंडिका मुंडी मुंडी
मुंड मुंडी मीळि छिर, छीस छीरे सर ।
दे 'सोपडी' ।

१४. अर—अरिया अरी अिन अीरे
विन्दु ।

१५. अेर—आठठि आगन आस्य
मुअ मुअडा अ रूप वरत ।

१६. भावा—अलिअ, कपाळ पोषि
पेलापी बेरी भाय्यमणि भाळ मत्वा
मय्य मस्तक भाव भावा अकाट लिळाट
छिळार ।

१७. भाक—अंबवहा बोणा भास नस
भाक, भावा भासिका फेन रेट ।

१८. नभुना—नयना नासा नासापुट,
नासाअम पुरवा ।

१९. अरि—अरिडी अरिया अंबक
अस अरि अरिडी अरिडी अज्ञान
इछन नो अणु, अण अणु,
अस अण अणु अण अणु, अण अण
अण अण नोन नोन अरिणी रोहज
अोचन अोचन अिओचन अिसअ ।

२०. अरि का अोना—अकप्रकोष्ठ
अपाप अटाळ अरिणी अोप अोपा
अिसंत अणुअोचन अेवांत ।

२१. पुतली—अकअट, अक्षितारा
अनीनिका अकक अक्षिअ योक्त
अरका अरकाअक अर अरिका अीरा
अीरी अण पुतरी पुतली अुरली
अिसारा ।

२२. वरक—अरापटन अणुपट, अण
अोळ अणअक अणअपट अिनीअन
अियेप अेरअक, अणनी अक अक
अिसापी ।

२३ मुँह—मँवार, भाकृति बाया
 जानन बास्य ल विर्य बीम तुंड
 तुंडि तुंडी रहन बदन मुँह मुल
 रसदा रसना रस्य क कपल बकल
 बदन बाबा बापी सकक सुरत ।

२४ होंठ—अवर, ओठ, ओठ ओष्ठ
 अंतच्छद, अद्यनास ररच्छद ररच्छद,
 ररनच्छद, द्विबोष्ठ क्व सुनिकपी होठ ।

२५ बसि—सर बीका अंत बगुडी अंष्ट
 अद्यन द्विज रर रदन ।

२६ बाड़—अपीपी कच्चा कट्टा बहुजा
 बीमर, बाड़ ।

२७ बीम—विर्य पी बजान जिह्व
 जिह्वा बीमि बीमी बीह रसदा रसना
 रसमाता रसमातुका रसका रसाका
 रसाक कसना अम्बो ओह, बाबा
 बापी हाबुस्तबा ।

२८ पाक—कपीक अंत बगुडी, स्वकार ।

२९ काम—कण कर्म अम्बदह, अथ
 अथन अथमेत्रिय सुति थोठ थोत्र ।

३ काम का डेर—कर्मकुहर, कर्मछिद्र
 कर्मरंज ।

३१ कनपटी—अविमुक्त कच्चा कट,
 कनपट कनपटी अंत अंतस्वक ।

३२ कुड़ी—बिबि बिबुक, ठीड़ी
 कुड़ी ठोड़ी डाड़ी बाड़ी हनु ।

३३ पररत—कष्ट कंज कंवर, गर्जन
 पला गिय प्रीव प्रीवा पीव गटई,
 नाड़ नाट, मोर, धिरोवि ।

३४ कंठ—कष्ट, बल पला ।

३५ बारी—अवट्ट, हवाटिका गटई,
 बररन पररना विड निरबान पीव प्रीव
 प्रीवा बाटा बाड़ बेवा ट्टुवा ।

३६ कंबा—अंत अंत कंब कंबा
 कंबा कंबी कान्ह, कया कबा निरंज
 मुबमूल मुबसनि मुबधिर, स्तंब ।

३७ बाक—अकक अक कच काकपच्छ
 काकुक कुन्तक केस येसु, विकुर, बटा,
 बूसक, अंत हाट, परम परम बाट, बाक,
 मूर्दज रोम रोबा ओम बुभिन धिरधिर,
 धिरोकह, स्वाम ।

३८ बाल (बीरती के धिर के)—
 अकक केसपाक केसरमुह, वृद्य पूपा
 शोटा ।

३९ बाक (बुधरासे)—अकक बुधिरकेस
 कुन्तक कंबधमकक ।

४ रोबा—ठगुच्छ रोबा रोम ठोन ।

४१ रोमाच—स्वकमुप्य स्वयंकुर, पुकक,
 रोमाच रोमीरुमेर ।

४२ बीडी—कंभूरा कच्छ कबटी बुटिया,
 बोटी बम्मिक प्रवेपी मौडिविसा बेपी
 धिखर, धिसा धिपा धिव धीव अंथ
 धेखर, धेवर, धर, धिज धिजा धिर,
 धीरख धीरख धीरव ।

४३ बटा—कपरक कीटीर, बटा बटा-
 बूट, बटी बूटक बूट, बूटक बूडा बड
 कच घट हस्त ।

४४ बी—अकक अहू लंडी ठेवर, अंज
 भुव भू, मुकुटी भीह भीही ।

४५ बरीनी—अधिलोम बरुठ नेबकि
 बरुठ नेबच्छररोम पल परम पानी
 बरुनी बरीनी ररिम बिरि ।

४६ बाड़ी—बिबुक ठोड़ी डाड़ी रमभु,
 हनु ।

४७ बूठ—असमोसु, माठ, मुच्छ मीठा,
 रमधु ।

४८. पङ्क—बमूङ्क अचिर, कर्मणं वर,
संज्ञकं ।

४९. शीमा—शामा उच्छमं उरसंमं उर,
उरस उरस्वत्त अद्द छविमा छाती
वत्त मसस्वत्त वत्त हिय हियरा
हिया हिरवय शीमं ह्यम ।

५०. स्तन—उरज उरबात्त उरोज उर
सिज कुच छविमा छाती दूम वन
पयोवत्त, पित्ता मसोज वसोज ।
रे 'शीमा' ।

५१. शूची (स्तनात्त)—शूची कुचात्त
शूची शूची शूची स्तनशूची स्तनमुत्त
स्तनशूची स्तनशूची ।

५२. पेट—अवपात्त उरर ओस ओसत्त,
ओसटी कर्मणं कर्मणं कुत्त कुत्त
कोत्त कोत्ता पर्म पठर ओत्त
ओत्त, मुत्त ओत्त, पिचंत्त मंत्तात्त
सिक्कम ।

५३. शिखरी (पेट के ३ अक्षर)—शिखरी
पेटी रोमपत्ती ।

५४. नाभि—उत्तरावर्त्त शूची शूची शूची
शूची शूची शूची शूची नाभी पेत्त,
पेत्त, शूची शूची ।

५५. पीठ—परच पात्त पात्ता पीत्ता पीठ
पीठि पुत्त पुठि पुत्त पुत्तमात्त ।

५६. बाहु—दो दीप प्राग्गं प्रवेत्त, बाह
बाह बाहा बाहु बाहुवंत्त बाहु, मुत्त
मुत्तवंत्त मुत्ता मंत्त बाहु ।

५७. वरक—शेकीटी वत्त कोत्त बाहुमुत्त
मुत्तकोत्त, मुत्तमुत्त ।

५८. केतुनी—कफोमि कूर्पत्त, केहनी
कोहनी टिहनी टिहनी ।

५९. हाथ—कर, पंचरात्त पात्त पात्ति

पात्ति पात्ती मुत्तात्त शय ह्व ह्वत्त
ह्वत्त । रे 'बाहु' ।

६०. कर्काई—कर्काई, गट्टा पट्टी पात्ति-
मुत्त प्रकोत्त मणिवंत्त ।

६१. हवेसी—करत्त करत्ती करपुत्त
करपुत्त करत्त गट्टी गट्टी प्रत्त
पात्तित्त कर्का हवेटी हवेटी हवेटी
ह्वत्तत्त ।

६२. करपुत्त—करपुत्त, करपुत्ति ह्वत्त
पुत्त ।

६३. अप्पइ—अत्तकन अपत्त अपत्त,
अपेटा अपेटिका चांत्ता अप्पइ अप्पइ
उमात्ता अपेटा शोत्ता प्रत्त
प्रह्वत्त ।

६४. मूसा—मूसा मुत्तिका मुत्तिका
मुत्ता मुत्ता ।

६५. मुट्टी—मुत्तिका मुत्ती मुत्त मुत्ति,
मुत्तिका मुत्तिका मुत्त मुत्ती ।

६६. पट्टमा—मूत्तिकात्त पट्टमा गट्टी,
गात्ता ।

६७. जंपली—जंपुरी जंपुली जंपुली
जंपुत्त जंपुरी जंपुली करत्त कर
पत्तत्त करत्तत्त करत्तात्ता ।

६८. पोर (जंगली)—पर्व पोर ।

६९. हाथ की ५ जंगुत्तिया—जंगुत्ता
जंगामिका कनिष्ठा तर्जनी मध्यमा ।

७०. जंगुत्ता—जंगुत्त जंगुत्त जंगुत्त ।

७१. तर्जनी—तर्जनी प्रह्विनी ।

७२. मध्यमा—जंगिका जंगेत्ता शिखरी
मात्तिका ।

७३. जंगामिका—जंगामा जंगामिका
जंगामिका ।

७४. कनिष्ठा—कनिष्ठा कनिष्ठा

कानी कानी क्युनी क्युनिपी क्युनी
क्युनी ।

७५ नाखून—करकंटक, करचंद्र करज
कररुह, करंजुस करपत्र करोवह
कामाकुस किरवार, लंहे, लस लखर,
लप पाणिज पुनर्मह ।

७६. पीह—उडप उतपं बंक बंकम
बंकवार, कोड़ पीपी मुखावर ।

७७. उवर—बोवर, पेड़ ।

७८. कमर—ककुद्मटी कट्ट, कटि, कटि
वासर् कटी कडीर, कमर, करम करि
हृदि कलम कापीपह, मध्याप बंक
भोधि भोधिचक्र ।

७९. किय—बाबा इद्रिय उपस्व कंदरै-
मुपब कामाकुस प्यब पुडिय मरना
कुस मुभेद्रिय, मेह मेहन मीमकी रति
साधन रावकता बंड लडाक जापु,
काइ लिय बीडा वीतस बंध सिखल
सेप, सतर, बावन स्वरस्तंभ ।

८ बौनि—बभ बबर, बपब बबाध्य-
देह उपस्व कंदरैसन्धि कंदरैसन्धाव
कलम कममधिर, गर्धशार, नर्ममुख
नर्मस्वावा पीड़ बन्मकर्म वारका
पुष्पी प्रकृति प्रकृति प्राकचन वरबंय
बुट, बुडि मय मधिवान मोयडा योनि
रतिकुह, रतिगुह, रति रतिबह रति
बवन रतिमधिर, बरंय संघारमार्यक
स्वीडिन स्वररूप ।

८१ पीता—बंड बंडकीय बंडकोय
बंडुवा बाइ बाइ कुसिया ओठा
बीना मुष्क एत बुपन बुपन ।

८२ बूतड़—कटक मुवा बुवा बूतर, बूत
बूतर, बचन मिठंय पानु, मकशार, योनि ।

८३ मुवा—बपाग मंड बाइ बुद,
पुरकर्म गुह्य पानु, नय मकशार,
बिष्ठानिर्गमशार, ह्यनहटी ।

८४ बीम—उब उरु बवा वचन,
बाब बाव बालु, प्रसूता रतन सरीर
स्तंभ छिन्न स्तम्भ ।

८५ मुठना—बुलक बुंठ, बुंठक बुंठना
बुंठरे, बुंठिक बुंठिका बालु, टिट्टी
ठेबुना पादप्रधि पादपुष्ट ।

८६ पाँब—बोधि बबमान कबम पोड़,
बरन टैपटी टैय पग पद, पी पाँठ
पाँठ पाँब पाबो पाव, पाय पैर ।

८७. एड़ी—बोधि एड़ एड़ी ऐड़ी छा
पाणि ।

८८. ठरवा (पैर का)—ठरवा ठरवा
ठरवा पकठ पाठल ।

८९. उँवली (पैर की)—उँवली प-
पस्मन पबाप्र पादांजुली प्रपद ।

९ बचड़ा—बकड़ी लकरी बाब
लोडकी बमकी बर्म बाम बिस्व, लक
लका निर्मोक सुखरा ।

९१ मांस—बकन बाभन बाभिन
कम्य कम्य गोस्त कोस्त बाबक तरत,
पल पलक पाकल पिधित मांस मांस ।

९२ मन्धा—बस्विन बस्विंसंभ
बस्विंसार, बस्विंस्नेह, बीवन तेज
वेहसार, बीब कुककर ।

९३ बरबी—बर्बी मेह, मेवा बवा
बवा ।

९४ बून—बस बसुक बोचप कठन
बून पकवार, रकक रक रक रक
रकमक रससंभ बधिर, बहिर, रोहित
कूड कोहू घोष घोषित घोषित ।

१५. ७ बालु—अस्त्रि मग्ना मौस मेव,
रत्न रत्न पुक ।

१६. मत्त—मत्त बभसा स्वायु स्नासा ।

१७. नाडी—ममनी नडी नम्ब नटी
मत्त नटी रत्न सिध सार ।

१८. मंतडी—मंतडी मंतबाटी मत्त
मंती मंत जाती पुरीठ काव
सेरडी ।

१९. हड्डी—अस्त्रि कीकस कुस्य मेदज
मेधोज हड्डी हड्डी हाड, हाड ।

१०० ठट्टी—मत्त-पत्त, अस्त्रि-पत्त,
कंकाठ ठट्टी ठट्टी ठट्टी पत्त,
मात्त, हडावटि, हडावक ।

१०१ खोपडी—कं, कपाट, कपाठ कपा
किका कपट, कपं, करोटी कपं,
खोपडा खोपिया टाट टाट, मपाठ
माठ माया मौलि सिट, शिरोप्रिन्धि
धीवं सट, सीस ।

१२ मीक का पीला—मीया पीलक
मैत्रिडि सिडाठ ।

१३ मवडा—मीमड मीहड ममा
डाड मंटा ।

१४. मंतली—पंजडी पंजट, पंजटी
पंतुनी पंजटी पंतुटी पंतुका पारवं
पारवंसि ।

१५. पीड—मोडना पुच्छवंस पुच्छा
सिध मेपवंस पीड ।

१६. पुन्हा—अट्टिओव कंठिमट, पुन्हा
पुन्हाट ।

१७. गौड—अग्निबंषाण धवि गौडि
गौड बंर, सीमंन ।

१०८. दिवाण—अकल मोर गौवं टाक
टाक दिवाण बुडि मण्ड मत्त

मस्त्रिक मस्त्रिक मस्तुकुमक मैजा
समस ।

१९. फेकडा—अमोम तिळक मुकमुकी
पुनपुस हृदय ।

११ कपेजा—अप्रमांस करेजा काल-
खंड जियट, बुकडा पकठ ।

१११ पकठ—करंडा काकन काकखंज
काकखंड काठेय जियट, महासायु,
पकठ ।

११२ तिल्ली—पुस्य तापतिस्त्री पकठ,
पकही पिलही पीला प्लिहा प्लीहा
बरकट ।

११३ पभांशय—उषट, उष्वन् बुधि
कोल परं गर्मकोष पठट, अयमु,
बीहव मय पेट, पैडू, बच्चादान
बच्चादानी ।

११४ मलाजय—कोठा कोठ, मलकोठ
मलाजय ।

११५. बायला—गलीज गूह, पुं पूष
बर्षक गूह, माडा ट्टी पुरीप बीट,
मत्त मीक मीला विट्ट विट्टा विट्टा
समस ।

११६. पाजला होना—पुम्पा करना
उरना अमल आना माडा डिरना
ट्टी होना दिना होना डोकडाह होना
नदी आना निगटना निमटना पेट
अकना अगनित्र होना बहरे जाना बडी
बिनायन आना बिनायन आना मीयन
होना घीच हाना ह्यना बडाना मावर
करना रीपचंचा बग्ना ।

११७. पेमाव—उषाट, बाकय विनाज
प्रसाव मत्त मत्त लपचंचा ।

११८ पैदाब करना—छोटी बिलाम्त
जाना निरंक होना मूतना अमुर्शका
करना।

११९ बाँसु—बैसुबा अस्क अय अयु,
अमुबा अस्त अस्तु, बाळ अकुजस
टमुबा टिमुबा नेमहुळ नेबाम्बु, बाप्य
रोदन लोच बाप्य।

१२ रोगा—बाठ बाँसु रोगा बाँसु
बिरना बाँसु बहाना बरुपना अंरन
करना किक्रियाता बिबियाता बाँसु
मारना प्रकाप करना बिबिभाता राव
काङ्गना ददन करना रोगा बिलपना
बिलाप करना सितकना मुमुकना। ३
'बिस्ताना'।

१२१ पनीना—अरक जप्पा ताप पंसा
प्रस्वद अमवारि अमबिदु, अमसीकर,
स्वेद, स्वेदन।

१२२ बूक—कड बीजार, पीक सार
अपेप्पा साता मुनिवा स्यन्दिनी।

१२३ बीडा—नचटी नामामक नेडा
त्रिपाळ।

१२४ चित्त—अलि अतस जप्पा तिक्त
तेजस् बागु पलज्जक मामु रंजन।

१२५ कड—बोभार, बरुगम अडेप्पा।

१२६ बीचर (बाँव का घेत)—बीचर
बीचर, गौड भुगिवा निरमक्त।

१२७ सौट—अममक भूट तिकुवा।

१२८ रज—आर्तव अणु अणुभाप
बुनुक पुण्य मानिरुचर्म रजोचर्म र्णी
चर्म।

१२९ बीर्य—अड इडिय बीचन तेज
बीच रंन अच नार हिरण्य हीर।

१३ मन—अंन अत अंतकरय अंतस्
अतयंक इच्छा इराश अट, चित्त वेत
त्रिय बी तवियत मनुबी मानव
बिचार, स्वांत हृद, हृषय।

१३१ मस्तिष्क—बेहन विमाण—३
'बुद्धि'।

१३२ बुद्धि—अकस अकळ चित्त
नेतना ज्ञान धारणा बी बीप्पा प्रजा
प्रतिपत्ति प्रतिभा प्रेक्षा बोध मति
मनस् विज्ञान संख्या समम ।—३
'मस्तिष्क'।

१३३ रिल—अभ्यंतर, अर्द्ध्य अट,
उरस्, करेजा कमेजा अट रिल मन
हिय हिया हिय हियत हिया हिरण्य
हीम हीमा हीम हीयत हीमा हृद
हृषय।

१३४ इंद्रिय—अरा इंही करण इयि
गुणकरण पो, अह्न ज्ञानेन्द्रिय विषयी,
हृपीक।

१३५. २ इंद्रियाँ—कर्णेन्द्रियाँ ज्ञानेन्द्रियाँ।

१३६. ११ इंद्रियाँ—५ कर्म इंद्रियाँ ५
ज्ञान इंद्रियाँ १ मन।

१३७. ४ अंतर्इन्द्रियाँ—अहंकार, चित्त
बुद्धि मन।

१३८. ५ कर्णेन्द्रियाँ—अपस्व मुदा वीर
भूँह हाथ।

१३९. ५ ज्ञानेन्द्रियाँ—बाँव विद्या
ज्ञान स्वभा मानिवा।

१४ गर्भ—अर्म अर्मर गर्भविड
पालक पैट, भ्रूज ह्वक्त।

१४१ गर्भ रहता—आणा आरी होना,
आणा होना गर्भ रहता पैट रहता, पैट
गे रहता पैट आरी होना।

- १४२ जीवन—बचसा बामु, बिबपी
जीवनकाळ बयबम।
- १४३ गर्भाधान—गर्मचारण गर्मस्थिति।
- १४४ अ गर्मपात—गर्मनाश गर्मसाव।
- १४५ जन्म—उत्पत्ति उद्गम उदभव
जनन जनम जात पैबाइल प्रज
नन प्रसव प्रसूत।
- १४६ जन्म केत—उपना उत्तरना
उत्पन्न होना जनमना जीवनपाना हेह-
चारण करना निकळना पैबा होना
उसार में जाना।
- जिलोम—दे 'मरना'।
१४६. जनना—बाबिर्मूठ करना उत्पन्न
करना जनन करना जननी होना
जन्म देना जनम देना निकळना पैबा
करना प्रसव करना बच्चा देना बिजाना
जानना।
१४७. नामकरण—नामकरण नामकर्म।
१४८. जन्मप्राप्त—जन्मप्राप्त जन्म-
नन पधनी पासनी।
१४९. कुंडल—केसुकर्म केयान्त क्षीर,
शीरकर्म चुडाकर्म मद्राकरण बपन।
१५०. यज्ञोपवीत—उपनयन उपवीत
कनेरु, जनेव ब्रह्मसूत्र यज्ञसूत्र अठबंभ।
१५१. विवाह—उदाह, उपयम उपयाम
करवह, करपीडन कुडुमाई बारकर्म बार
परिग्रह निकाह, निवैद्य परिचय परि
मवन पाधिग्रहण पाधिपीडन विवाह
बियाह विबाह, ग्याह र्जवनी बरबाज
घादी संबंध सपाई, हुबनेबा।
१५२. विवाह—बायं आमुद, गान्धर्व
द्वै विवाह प्रजापत्य ब्राह्म राघस।

१५३. गौना—मवन गवना डिवायमन
दुरायमन मुकळाबा बिबा।
१५४. धृत्यु—अठ अंतक अंतकर,
अंतकर्ता अतदारक अंतकारी अंतकाळ
अंतहुल अंतमति अंतशय्या अतसमय
अंतिमयात्रा अत्यय अबसाव अबसावन
अवसात इतकाळ उत्क्रमण उपरति
उज्ज्वारोह उज्ज्वारोहण कडा कटना
कवल काळ काळबर्म हुताण्ट धम
जातमा गंगायात्रा गंमाकाभ गमम
पमी अपर्बंतक बिप्टान्त वेहान्त वेह
त्याग वेहपाठ वेहमात्रा वेहान्तर,
वेहान्ताण ध्वंस नास निवन निपाठ
निमीळन निच्छति नैषन पंचता पंचत्व
परलोकममन परलोकास परिगत
प्रयम प्रभास प्राणत्याग प्राजांत मरण
महानिवा महाप्रस्थान महायात्रा
मोक्ष मोक्ष मोक्ष नीत व्यापति
व्यापद् बिबाळ घटीरत्याव घटीरपाठ
घटीरान्त पश्चिकार, स्वर्नयात्रा स्वर्न-
रोहण संस्थान सास्थिति स्वपण हानु।
१५५. मरना—अवसान होना पंगालाय
होना योलीक जाना जल बसना जीला
छीडना जोडा बरळना जान जाना
बिबंयत होना मुकना वेहान्त होना
निपन होना निपाठ होना निर्बाण होना
परलोक जाना परलोक विवालेना प्राण
त्याजना प्राणान्त होना मरुम होना
स्वर्न सिधारना।
१५६. मारना—कचरकूट करना कुटाई
करना कूटना पठ बनाना बमकना
पमपमाना पहरना बहरना छोट
शाडना टोंबना टटाना ताबना मय-

पाना बुरला होहवाना पीटना पीठभूजा
करला क्तमर्दन करला कठिमामा ।

बिलोम—दे बाहर करना ।

१५७. मरवाना (आन से)—कटवाना
कूल करवाना पकवाना बचाना बच
वाना मरवाना हठाना हठवाना हठ्या
करवाना हलवाना ।

१५८. मारना (आन से)—कटक करना
काटना कठम करना कूल करना बाकना
बच करना बचाना हठाना हठ्या करना ।

१५९. घब—अतीव कुपन कठिबद्धन
भूमिकर्षन मुरखा मुर्धा मूठ मूठक, मूठ
धरीर, लाघ डोब लोबि घब ।

१६० पूर्वक—नाउपंच नाउपंची
पुरखा पुरखा पुरिखा पूर्वक बुर्गी ।

१६१ बाबा के पिता—नकड़बाबा पर
बाबा प्रवितामह ।

१६२ बाबा (पिता के पिता)—बाबा
बाबक दबा बाबा बाबु, परदाबा पितृ-
पिता पितामह, दबा बाबा ।

१६३ बाबी (पिता की माता)—बाबी
बाय्या, पैया बाबी पितामही बड़की
माई ।

१६४ बाबा का घर—अनिहाक पहि-
हाक बदिबाजर ।

१६५. बाबी के पिता का घर—अनिबीर
बदिबीर ।

१६६. मूठ बाप बाबा अदि—अंध
अपका पितर, पितृ ।

१६७. माला का बाप—परलावा प्रमाता-
मह ।

१६८. माला (माता के पिता)—नछा
मातामह, मातृपिता मातमह ।

१६९. माती (माता की माता)—माई
मातामहपली मातामही मातृमही
मातृमाता ।

१७०. मामा (माता का भाई)—मातुब,
मामु ।

१७१. मामी (मामा की स्त्री)—मातुब
मातुबपली मातुबली मातुबी
माई ।

१७२. मामा का लड़का—मातुबेय ममेय ।

१७३. मामा का घर—ननघर, ननि-
बीर ननिहाक ननिहाक ।

१७४. पिता—अदिति अम्मा अम्मा,
पुब अ जनक जनक जनपिता अजिता,
अम्मा, अम्मा डोकुर ताठ पितृ,
पितृ पिब पिबर, प्रबापति बप अम्मा
बाप बापु, बाबा बाबु, मूठक बाबिब ।

१७५. ७ तरु के बाप—अम्म देने बाब,
पुब अम्म देने बाबा पाकन करने बाब,
बड़ा माई, मंत्र देने बाबा स्वपुर ।

१७६. सीसेका बाप—कठबाप ।

१७७. माता—अंबक अंदा अंबाकिक,
अंबिका अदिति अम्मा अम्मा पै,
अननि अनपिबी अननी अनि अनिबी,
अनी अनिबी या धानी पनु, मठरिब,
मठापी महठापी नी मा माह, माई,
मातु, मातृ मातृका माय माया बीबा
बाबिबा ।

१७८. योग्य पुत्र उत्पन्न करने वाली
माता—उपूती ।

१७९. अयोग्य पुत्र उत्पन्न करने वाली
माता—उपूती ।

१८. सीसेकी माँ—उपमाता दुपाठा,
मठेई, बीबा विमाता ।

- १८१ ७ लच्छ की माताएँ—गुह की स्त्री
 भी, बम्मबाणी माता बूब पिताने वाली
 दाई, बाह्यानी मातृभूमि राजपत्नी ।
- १८२ उपमाता—अप्रा उपमाता धात्री ।
- १८३ बुटी माता—कुमाठा दुमाता ।
- १८४ माता पिता का प्रेम—वात्सल्य ।
- १८५ ताऊ (बाप का बड़ा भाई)—
 ताबा पितृम्य ।
- १८६ ताऊ की स्त्री—ताई ।
- १८७ चाचा (बाप का छोटा भाई)—
 कका कका चचा ताऊ, पितृम्य ।
- १८८ चाची (चाचा की स्त्री)—काकी
 चची ताई ।
- १८९ समुर (पति या पत्नी का
 बाल)—बाबा घटानीक स्वमुद, दबमुद,
 घमुद, समुरा मुमाघ स्वमुद, स्वमुद ।
- १९ सात (पति या पत्नी की माता)
 —बासा मय्या स्वभू, सामु ।
- १९१ समुर का घर—समुय समुयक
 घाघघ सामुद, मुघराक स्वमुयक ।
- १९२ सासा (पत्नी का भाई)—
 बासनीक बारकीर, स्वाकक स्वाका
 स्वमुय्य सिफंडर, स्वाक स्वाका ।
- १९३ साले की स्त्री—सरहज सचहज ।
- १९४ साली (पत्नी की बहिन)—
 स्वाकी सड़ बाहन ।
- १९५ सार का सार—सरसरा ।
- १९६ सार का बेरा—सरपुन ।
- १९७ लड़का या लड़की का समुर—
 पबनी सम्बन्धी ।
- १९८ लड़के या लड़की की समु—सम-
 पिन ।
- १९९ समथी का पाल—समथी ।
- २० समथी की माँ—समथिन ।
- २०१ बहन—जामि बीबी बहनेकी
 बहिन बेबे भमनी भगिनी भेभ भेना
 लहोररा घहोरपी सोपर घीरपी
 मुसा स्वसा ।
- २०२ बड़ी बहन—अपजा त्रिबिया
 बीबी बेठी बेठी बिदिया बीबी
 पूर्वजा बहन ।
- २०३ बीजा—ग्रामहासक पाहुन बहनेक
 बहनेकी बहनोई, भगिनीपति स्वाक ।
- २ ४ भाजा (बहिन का लड़का)—
 जामेय बहनीता भमना भगिना भगि
 निज भगिनीय भगिनेप भगिम्य मान-
 नय भागिनभ भाजजा भेने स्वकीय ।
- २०५ भाजी (बहिन की लड़की)—
 भगिनिजा भगिना भगिम्या भेने
 स्वाकीया ।
- २ ६ कुमा (पिता की बहन)—पितृ
 प्वसा कुकी फुकी फूकू, मुमा मुमा
 भूजा ।
- २ ७ कूका (पिता के बहनोई)—
 कुप्य कुपू फूफू ।
- २०८ भाई (कुकेरा)—पितृप्वसेमी
 पितृप्वसीय ।
- २ ९ बहिन (कुकेरी)—पितृप्वसेमी
 पितृप्वसीया ।
- २१० बीसा (बीसी का पति)—सागु
 भाभा भीसिया ।
- २११ मौसी (माता की बहन)—बासा
 मानुभगिनी भागुप्वसा भासी ।

२१२ नाई (मीसेरा)—मात्पुष्पसेय
मात्पुष्पसीय ।

२१३ बहिन (मीसेरी)—मात्पुष्पसेय
मात्पुष्पसीया ।

२१४ नाई—बनुज जाति बन्दु, बन्दु,
बान्ब बिराहर, बीर, बीरन भइया
भाब मैया भात भाता बिराहर,
बीर, सहोहर, सोहर ।

२१५. नाई (सगा)—घाठ घाता
भाषामा भाबरबाब समर्भ सगा
समानोहर, सहज सहोहर, सांहर,
सोखीम सोहर, सोहर्य ।

२१६ हुष नाई—कोका बामाई ।

२१७. नाई बारा—भाइप भाई-बाउ
भायप मैयाभापी ।

२१८ बका नाई—मइज बपयन्मा
अभिम अभिय बरा बाठ बाछा बाहु,
पूर्वज पूर्वजन्मा मय्याजी बर्य ।

२१९. बानी—मजावटी घावज पीज
भीमाई, भीजी घाठपेहिनी घातु
बाया मात्पुमाया मात्पुबनु मात्पुजावा
सहबघह ।

२२ नाई (छोटा)—बनुज बबर्भ
कनिष्ठ, बबभ्यज पविष्ट, मधीन
बनुभाता सुनु ।

२२१ छोटे नाई की रानी—बपहु
मयाहु ।

२२२ भतीजा—बतीज घातुक घातुज
अत्पुपुन घातुम्भ आतुमुत ।

२२३ भतीजी—घातुजा ।

२२४ पति—बभिय बभियपति बभियु,
बाभं इंइ इन ईस ईसिता ईसवर,
कंठ कंठ कंठ सोदी बभय बभिय

बरजहा बरजाका बेट, बींगट, हुसह,
हुसस बब बभिक बनी नाब फल
पाभियाह पाभियाहक पिय पिया पियु,
पीठ पीय पीब पुस्य प्यारे, प्यो प्रभमी
प्राप प्राभजीवन प्राभनाब प्राभपति
प्राभप्यारा प्राभप्रिय प्राभबल्लन प्राभा-
घार, प्राभाबिक प्राभेध प्राभेस्वर, प्रिय
प्रियतम प्रीतम बकम बस्कम बाकन
भतार, भरतार, भर्ता भर्तार, भर्तार,
भर्तारि, मनुप भई मात्कि, मियाँ रऊ-
नुह, रमय रबन कम्भ ककन ककम
बीर, बीहूर, सहमाँ सवन साई, साह
साई, सीया सीयाँ स्वामी हुबवेस हुबवे-
स्वर ।

२२५. पत्नी—बभयिनी बभयिनी
बीरठ कबीला ककम कान्ता बोट,
बुहपी गृहिणी नेहनी बरवासी बरली,
बरवाली बरपवासी बनाना बनि
बानि बानी बाया बोह, बोन बोह
बीजा ठकोवटी तिम ती बार, बार,
बासी द्वितीया बर्भनी भर्मपत्नी बार्भनी
भंभिनी पठिनी परिगृहा परिगृहा
पाभियुहीठी प्रभयिनी प्राभ प्राभ-
पुहीठा प्राभपुहीठी प्रिया बभिता बह
बाका बीबी बबनी भवानी बामाई,
मेहपी रबनि रबनी कुमाई, लोमाई, बनु,
बल्लमा बसा बामांगनी बाया संपिनी,
सहगामनी सहजपी सहचारिणी सह-
बभिनी सुमासनी रानी हरम ।

२२६. ४ तरह के पति—बनुकूज बभिय
बुष्ट, रऊ ।

२२७. उपपति—उपपति बरवसा बार,
बदका बिनका पार ।

- २१८. बरखली—करीत लुपवा गूहीता
बरखाती शोह्या मवजूबा मुलाही
रखी रखेती सुरैत सुरैतिन हरम ।
- २१९. बैर्या से प्रेम करने वाला—
नायक बैरिफ ।
- २२। सखली—प्रतिकामिनी प्रतिकूला
धीठ छपलीक समानप्रतिका सबत
सखीक छीक छीकन छीठ छीठन
छीठनि छीठिन ।
- २२१। सपली का नाम का धर्म—
सापत्य छीठपन ।
- २२२। सली की छोटी बहन—पतिवा ।
- २२३। बहू—पुनवबू, पजोह पजोहू, बबू,
बपूटी, बहुरिया बबू, भुया ।
- २२४। पिठा का घर—नीहूट, पितुगूह
पीहूट मयका मायका मीका ।
- २२५। विधानबूबक हरी या पति का
संबन्ध-तलाक तिलाक संबन्ध
विच्छेद ।
- २२६। बति या सली की बारी—दरिया
वाड ।
- २२७। बति या सली के भावा—
बतिवा समुर ।
- २२८। बति या सली के भावा—मरिया
समुर ।
- २२९। बति या सली के बूझा—कुकिना
समुर, कुबुबासमुर ।
- २३। बति या सली के भावा—मरिया
समुर ।
- २३१। बति या सली का छोड़ा—अपनि
पापारी दरनि दरनी हनु मार्याती ।
- २३२। समुर (बति का बड़ा भाई)—

- खेठ, खेठखत खेठखट, खेठरा खेठ
मसुर, भाई भी ।
- २३३। खेबर (पति का छोटा भाई)—
खेबर खेबरा खेबू पतिभाठा बबुबा
बबुभा भी बाबू ।
- २३४। ननबीई (बति का बहनोई)—
नन्देऊ, नन्बीई ।
- २३५। ननर (पति की बहन)—नंदिनी
ननैर ननारी ननादरि, ननावू नन,
नन्दा ।
- २३६। सखाल—अपत्य सम्मठ बीसाद
मोहनमन ठंगु, ठाँवी लोक मुल्य पंछर
परिमार, प्रजा प्रसव प्रसुति बंध बंधन
बंधनर, बंधपरम्परा बन्धा बातबन्धे
तड़काबाधा सन्तति धर्म ।
- २३७। तड़का—अंगन बर्मक बाल
किरीट, कुँबर, कुँमरैटा कुँबर, कुमार,
बिजा छाबड़ा छाब पैया छोकटा
छोरा आठक टाबर, टोझा बाबर, बिब
दारण प्रसव बालक बटु, साठ सीका
पिगु । ई 'पुब' ।
- २३८। तड़की—दे 'पुबी' ।
- २३९। बर्षतंकर—अपत्य अष्टवाती
कमबनत विपुरण दुष्य पोलक
आरज बोयला बीपड़ बीगड़ा पापअथ
बामसकर, रामजना रामजना संकर,
संकर, हपनजाना ।
- २४। बूझ—अंगन अंपभूत आरज
आरज आरमबीज आरम आरम
बीपार कुमार, कुनपारण बिजा
छीबड़ा छोकटा छाबा छोहया छोर
जय जा, पाप छोकटा बाबर, छोटा
छोटैना तड तनर तन समुर समुर

२८९. पाडे—पाडे पाडेय ।
 २९. कुक्क—कुक्का कुक्क ।
 २९१ मिध—मिधा मिधिर ।
 २९२ कथिय—कथ कथी कथ
 कथिअ कथी द्विजाकिणी नाथि
 नृप पाथिअ बाबू, बाबूसाहब बाहुअ
 मूर्च्छक राजस्य राधा बर्मा विराज
 विराट, सार्वभौम ।
 २९३ कथाणी—कथिया कथियाणी
 कथिमी कथीपत्नी कथीस्त्री कतपत्नी
 कथानी महापत्नी पत्नपत्नी रानी
 बीरपत्नी बीरमाता बीरस्नुवा ।
 २९४ वैश्य—वैश्य ऊस्य ऊस्य गुप्त
 द्विअ पथिक बलककर, बनिमा वैश्य
 भूमित्रीवी भूमिस्फुक् महाजन मोदी
 थपिक थपिक थिट, थिअ थ्यवहर्ता
 थेष्ठ थेष्ठी साहु साहुकर, सेठ सेठी ।
 २९५ वैश्य-स्त्री—वर्षा वर्षाणी वर्षी
 बनिमाइन मोदिनी मोदिमाइन
 बीरपत्नी वैश्या सहुबाइन
 सहुबाइन ।
 २९६. सूड—अत्यज अत्यजमा अत्य-
 वर्ध अकूत उपासक अतुर्भ बाडाअ
 अकन्य अकन्यअ बास द्विअबास विअ-
 ठेवक पत्रअ पात्रअ नृपक सूड,
 सेवक हरिजन ।
 २९७. सूड-स्त्री—अत्यजा उपासिका
 वासी सूड-पत्नी सूडा सूदिअ
 सेविका ।
 २९८. बाडाअ—अत्यज अकूता अत्युस्य
 अडाअ अतंगम विवाकीति पत्र
 पुत्रकअ मातंग अकन्य ।
 २९९. कुड बाडाअ वासिणी—किरात

- केवट, कोल अमार, डोम दुसाअ बोवी
 नट पासी भंगी भर, भील मुसहर,
 भेदुक ब्याअ ।
 ३ वासि—वासपअ मासद कुटुम्ब
 कुड अानवान गोठी बोधिय काठ
 पंक्ति पाँत परिवार, विराठपी
 बंस बर्भ भेपी । हे 'बर्भ' ।
 ३ १ कथी—कथिय कतपी खेपी ।
 ३ २ कथी-स्त्री—कतपत्नी कथानी
 कथानी ।
 ३ ३ कथ्यस्व—कथमशीर, कथअ मुंठी
 मुंठी काला ।
 ३ ४ कथ्यस्व-स्त्री—कथवित कथिनी
 मुंठीबाइन कथबाइन ।
 ३ ५ अहीर—अहिर, आनीर, भेभुए
 भोप गोपाल गोसंख्य प्याअ प्याअ
 यावअ बलकन ।
 ३ ६ अहिरिअ (अहीर स्त्री)—अहि
 रिनी आनीरपत्नी आनीरस्त्री आनीर
 भोपस्त्री भोपी प्याअिन महाभूरी ।
 ३ ७. कोहरी—काळी कोरपी ।
 ३ ८. कोहरी स्त्री—काळिन कोहरिअ ।
 ३ ९. कहार—कमकर, कहारिअ भीमए,
 पनमटी पनहाए महारा स्त्रंअमार ।
 ३१ कहारिअ (कहार-स्त्री)—कमकरिअ
 कंहारिअ कहारपी भीमरिअ पनरिअ
 पनमटी बीवर, पनहापी महरिअ
 महरि ।
 ३११ नाई—अंतवसायी कन्यक कुटी
 कीरकर, शीरपी अमकी अडिअ ठाणुए,
 विवाकीति नखकुट्ट, नाऊ, नाउठाणुए,
 नापित थ्यामी बरकट्टा भांकुट्ट,
 मुड वासीनुव वीनी हजाम हजाम ।

- ३१२ नाहन—नाहन नाहन ।
 ३१३ बाटी—पनाजीवी पनासी बर-
 जीवी ।
 ३१४ बाटी-स्त्री—बारिन ।
 ३१५. बरई—बरजीवन बरजीवी ।
 ३१६. बरई-स्त्री—बरहन ।
 ३१७. तमोडी—तमोडि तांबूडिक
 तांबूडी बरई ।
 ३१८. तमोली-स्त्री—तमोकिन बरहन ।
 ३१९. तैली—कानू, चाकिक तैसकार,
 भुसर ।
 ३२ तैली-स्त्री—कनुबाहन तैकिन तैस-
 कारिन ।
 ३२१ छेरा—कैसकुट्ट, छेरा तमेरा
 तापकुट्ट ताप्राजीवी सीबिक ।
 ३२२ छेरा-स्त्री—छेरिन ।
 ३२३ कुम्हार—कुंभार, कुंभकार, कुलाक
 कौहार, बटक बटकार, बटजनक ।
 ३२४ कुम्हार-स्त्री—कुंभारिन कुंभकारिन
 कौहारिन कौहारिन ।
 ३२५ कुरमी—कुमाबी कुंभबंसी
 कुरमी ।
 ३२६. कुरमी-स्त्री—कुरमिन कुरमिन ।
 ३२७. बनिया—परचुनिया परचुनी
 बीवी ।
 ३२८. बनिया-स्त्री—बनियान बनिन
 मोरियान ।
 ३२९. लोहार—बयस्कार, कर्मकार, कर्मार,
 मुरार, लोहारक लोहार, ब्यौकार ।
 ३३ लोहार-स्त्री—लोहारिन लोहारिन ।
 ३३१ बड़ई—काठकार, चाटी तली
 पवनरी बरंकी मूय मूयकार, स्पन्दन-
 कार ।
 ३३२ बड़ई-स्त्री—बड़हन ।
 ३३३ गड़ेरिया—बजपोपी बजाजीवी
 वजी गड़ेरी बरवाहा बाबाक
 भेड़िया ।
 ३३४ गड़ेरिया-स्त्री—गड़ेरिन गड़ेरी ।
 ३३५ सोनार—ककार, नाडिमम पम्प
 तोहर, मुष्टिक रसकार, सोनी सेठ
 स्वर्णकार ।
 ३३६. सोनार स्त्री—सेठानी सेठिन
 सोमारिन ।
 ३३७. बर्ची—सकिफर छिपी मुसबाम
 बरजी सूबिक सूजी सूबमिब सीबि
 सीबिक ।
 ३३८. बर्ची स्त्री—सकिफरिन वजिन
 बजियान लखारी ।
 ३३९. कलवार—ककार, कसाल मंड
 हारक शूबी सीबिक ।
 ३४ कलवार-स्त्री—कलवारिन कलारिन ।
 ३४१ मस्काह—कर्मचार, केकट, कर्मरत
 खेवक खेवट, आकक रास बीवर,
 नाविक मैसाध्यजन मसाह, मीसी ।
 ३४२ मस्काह-स्त्री—मसाहिन मस्का-
 हिन मासिन ।
 ३४३ मासी—मुपकाव पुपकावक
 पुप्राजीवी बनार्थक बापवान मासाकर,
 मासाकार, मासिक ।
 ३४४ मासिन—पुपकाबी मासिनिया
 मासिकी मासिनी ।
 ३४५. बीबी—कर्मकीसक धावस निचें
 वरु नेवक, बरेटा रजक सीबिय ।
 ३४६. प्रीबिन—पोबहन धीवन निचें
 वकी बठान बरेटन बरेटिन
 रजकपली रजकी सीबेवी ।

तनी तनोज तस्त तायार वारक मंड
 मंडक मंदन मंदिरार्जन मकुल मारबर्जन
 पिसर, पुतरा पुत पूत फरखार बाकक
 बीर, बेटका बेटवा बेटा छड़का काक
 लौका बच्छ बरसु, बरब, बीर, सुमन
 सुठ सुब सुवन सुवनाप सुन सुनु,
 स्वबात ।

बिलोम—दे 'पुत्री' ।

२५१ अच्छा पुत्र—अपुत्र अपुत्र सुपुत्र ।

२५२ अरख पुत्र—अपुत्र अपुत्र कुपुत्र ।

२५३ हुलारा पुत्र—मककलकीता अकक-
 सकोष बुकहेटा काडका कालन ।

२५४ कैकल एक पुत्र—अर्धुन इकलीता ।

२५५ पुत्र के समान पाला हुवा लड़का—
 पालक पालक पोम्पपुत्र ।

२५६ बीर किया हुवा लड़का—बीरस
 बरक बरक पालक पाळट, पोम्पपुत्र
 पीछपुत्र सुतबभा रास केपाळक ।

२५७ पुत्र का पुत्र—कावा नतिकट,
 गप्ता गप्पु नबीर नसा नाती पुत्रात्मक
 पीठका पीठा पीष ।

२५८ पुत्र की पुत्री—बिय, नतिनी
 नपी गबीरी नातिन नातिनी पीठकी
 पीठी पुत्रात्मका पीषी ।

२५९ पुत्र के पुत्र का पुत्र—अकपुत्र
 पनापी परपोठा परपीष प्रपीष ।

२६ पुत्री—अंगजा अंगजाई, अंबजा
 अर्षा आत्मजा आत्मोद्भवा कनायिका
 कम्पका कम्पा कुमारिका कुमापी
 छोकरी छोरी छोड़ी जनी का चाई,
 चात चाठा चाभि चाबरी छोटी तनमा
 तनुजा तनीवा तन्वा चारिका बुखतरी
 बुहिता भी बीजाता भीरा भीवा नंदना

नंदनी नदिनी नमनी पुतरी पुत्रिका
 बाका बाकिका बिटिया बिट्टी बेटकी
 बटी माई माई, लड़की लौकिया मुठा
 स्वबा ।

बिलोम—दे 'पुत्र' ।

२६१ पुत्री का पुत्र—कुठप कुठ्य
 बोसता बोहित बोहित गप्ता नबास,
 नाठ नाठी सुनु ।

२६२ पुत्री की पुत्री—बोहरी बोहिनी
 नतिनी नातिन नातिनी ।

२६३ बामात्र—बैबाई, जबाज बबाई,
 बामाई बामासू बामासा बमार, पीर-
 पाहुना बटेऊ ।

२६४ ब्रह्मा—बुलहा बुलह पीष,
 पापिघाहक बगडा बगप बधा बर,
 काका बर, साह ।

२६५ बुलहित—बुलहन बुलहिया बुलही
 बुलहिया ब्रह्मन नौपी बनी बपी ।

२६६ प्रेमी—अनुपगी अनुरक्त
 आधना आधिक आसक्त बाहक हिल-
 वार, व्याप प्रेमिक रंगीका रकीब
 रसबंत रसिक रानी रिसकवार, रिष-
 वार, सनेहिया सनेही सपल सहबन
 साजम स्नेही ।

२६७ प्रेमिका—अधीज बहेठी बलिवा
 बानी डोका प्रियतमा प्रिया प्रीतिपात्र
 प्रेम-यात्र प्रेमिका प्रेयसी प्यारी भावठा,
 मायूक सजनी सखी स्नेह्यात्र
 स्नेहिनी ।

२६८ बियोबी—बिहूवा बिजोई
 बिछोही बिछी ।

२६९ बियोगिनी—बियोगिनी बिछ-
 लता बिहसंतपता बिछिनी ।

२७ सववा स्त्री—अहिवाती मुमवौरि,
वीवत्पति पतिवती पतिवाकी बभूटी
समवा सनावा समवृका सावित्री
सुवासिनी सुममा सुहागिन सुहामिनी
सुहागिण साहागिन सोहामिण सौमा-
मिनी सौमाम्यवती ।

२७१ विपवा—अववा अनावा अपति
एकवेणी वास्तिका पतिहीना बेवा
अतिनी मती रंदा रंड रंड विववा
विस्वस्ता ।

२७२ पतिवता—कुलवपु, गुणवौरि, तप
स्विनी पतिवेवा पतिपणपवा पति-
वता पतिवता पूति पारुवामन मंगला
मगस्विनी सतवती सती सापनी साप्नी
मुचरिवा ।

२७३ कुलवपु—कुलवती कुलवती कुल-
वपुटी ।

२७४ रंडुका (विसकी स्त्री मर गई
हो)—अपलीक रंदाभमी रंडुमा
रंडुवा रंदाप विपु, विकल ।

२७५ कुटनी (सनाचार पुरुषाने बाकी
स्त्री)—अर्जुनी कुटनी पटका
कुर्मया वृत्तिका वृती मिशुकी मुदा
वाक्यहारिणी रामकी संचारिका संवेण
इण संमली सारिका समया ।

२७६ परवारी—परठिरिया परविषया
पवाई स्त्री मुना ।

२७७ सती—अंतपुरवारिणी अंतपुर
वारिका अनी आति अनी मुईयां
वववा महस्विका वाभिजा गिस्व
वारिका शेवना सदनी मरयो सति
सर्वाणी सरस्वती सहचारिणी सहवती
सहेनी साविनी सैरंजी हारिणी रिदु ।

२७८ मित्र—अंतरंग अविरोधी इष्ट,
गोइयां गोई, दोस्त नंदीवर्द्धन प्ररिगाह,
वात्सव मार, संपाती संपी संपाती
सधी सखा सहवर, सहचार, सहवारी
सहपाठी साथी सुहृद् सीहृद् हित हितु,
हिलीपी ।

२७९ घणु—अवाक्ती अनहित अपन्न
अमित्र अरि, अहित भाणत कृतमात
शावागीर, कुईद कुमन डिपम डेपी
परिपंभी प्रतिपधी मीरी मुकाविक
मुवालिऊ रिपु, विद्वेषण विपधी विरोधी
मीरी शात्रव ।

२८० समवयस्क—बोड़ी-पाड़ी सम
अरिया समीरिया सवम सिण्ड
हम-उमर ।

२८१ वर्ण—आति बरन विपट्ट, भाई ।

२८२ बाह्यक—अपजम्पा अजनातक
कुवेव कुलमेष्ठ, गुड ज्येष्ठ वर्ण द्विज
द्विजाति मय पंडित बाइव बाह्यन
विप्र बह्या भूदेव भूमिदेव भूमिसुर,
भूरधु, महाराज महिसुर, महीसुर, मीव
यजुवर, बत्कव वामन विप्र पटकर्मा
भूवर्कठ ।

२८३ बाह्यधी—पंडिताइन पंडितानी
वामनी वाम्हीनी बाह्यक-वली महा-
पविन ।

२८४ भूमिहार—भूरहार भूमिहार,
आकुट, भूमिहार बाह्यक ।

२८५ तिवाटी—तिवाड़ी तिवाणी तिबेरी ।

२८६ चौबे—अनुरंसी चडवे

२८७ ओसा—सा ।

२८८ उपाध्याय—अधिया उपाध्या
उपाध्वे ।

२८९ पाँडे—पाँडे पाँडेय ।
 २९ कुल्ल—कुल्ला कुल्ल ।
 २९१ मिष—मिषा मिसिर ।
 २९२ क्षत्रिय—क्षत्र क्षत्री क्षात्र
 क्षत्रिय क्षत्री द्विजाक्षिणी नामि
 गृप पात्रिय बाबू बाबूसाहब बाहुब
 मूर्च्छक राजग्य राजा बर्मा विराज
 विराट चार्वमीम ।
 २९३ क्षत्रापी—क्षत्रिया क्षत्रियानी
 क्षत्रिणी क्षत्रीपत्नी क्षत्रीस्त्री क्षत्ररानी
 क्षत्राणी महापत्नी राजपत्नी रानी
 बीरपत्नी बीरमाठा बीरस्तुवा ।
 २९४ क्षेप—क्षय ऊष्य ऊष्य वृष्ट
 द्विष पत्रिक क्षत्रकर, बनिया वैश्य
 भूमिजीवी भूमिस्तुक महाजन मोषी
 भनिक वासिक बिट, विष ब्यवहर्ता
 श्रेष्ठ श्रेष्ठी छाहु छाहुकार, सेठ सेठी ।
 २९५ क्षेप-स्त्री—क्षत्री क्षत्रीणी क्षत्री
 क्षत्रियाहन मोक्षिनी मोक्षियाहन
 क्षेपपत्नी क्षेप्या सहुबाहन
 सहुबाहन ।
 २९६ क्षुद्र—क्षत्पत्र क्षत्पत्रमा क्षत्र
 क्षय क्षत्रुत उपासक क्षत्रुर्ष खांडाल
 क्षत्रग्य क्षत्रग्यत्र क्षात्र द्विजक्षत्र विज-
 क्षेपक पत्रत्र पात्रत्र क्षुपक क्षुद्र,
 क्षेपक क्षुरिजत्र ।
 २९७ क्षुद्र-स्त्री—क्षत्पत्रा क्षपासिका
 क्षात्री क्षुद्र-पत्नी क्षुद्रा क्षुद्रि
 क्षेपिका ।
 २९८ खांडाल—क्षत्पत्र क्षत्रुता क्षत्रुक्ष्य
 क्षत्राक्ष क्षत्रपत्र द्विजाक्षीति पत्र
 पुत्रक्षत्र मार्तत्र क्षत्रपत्र ।
 २९९ कुष्ठ खांडाल क्षात्रिया—क्षिपाट

क्षेपट कोष्ठ क्षमार, क्षोम क्षुसात्र क्षोवी
 नट पासी भंगी भर, भीळ मुसहर,
 बेबुक ब्याब ।
 ३ क्षात्रि—क्षात्रपत्र क्षात्र्यत्र कुटुम्ब
 कुल क्षात्रपत्र मोठी क्षोत्रिय क्षत्र
 पंक्ति पाँठ परिवार, विराटरी
 बंस बर्न क्षेपी । हे 'क्षत्र' ।
 ३ १ क्षत्री—क्षत्रिय क्षत्ररी क्षेठी ।
 ३ २ क्षत्री-स्त्री—क्षत्ररानी क्षत्राणी
 क्षत्राणी ।
 ३ ३ क्षात्रस्त्र—क्षत्रमवीर, क्षात्र्य मुषी
 मुषी क्षात्रा ।
 ३ ४ क्षात्रस्त्र-स्त्री—क्षात्रिय क्षेत्रिणी
 मुषीक्षेत्रिणी क्षेत्रिणी ।
 ३ ५ क्षात्रि—क्षत्रि, क्षात्री, क्षेत्रु,
 पोष गोपाल गोक्षत्र्य म्नाक्ष म्नाक्ष
 बाबब बाल्यत्र ।
 ३ ६ क्षत्रिण (क्षत्री स्त्री)—क्षत्रि-
 रिणी क्षात्रीपत्नी क्षात्रीस्त्री क्षात्री
 पोषस्त्री पोषी म्नाक्षिण महाक्षत्री ।
 ३ ७ क्षेत्री—क्षेत्री क्षेत्री ।
 ३ ८ क्षेत्री स्त्री—क्षेत्रिणी क्षेत्रिणी ।
 ३ ९ क्षत्र—क्षत्रकर, क्षत्रारिणी क्षीमर,
 पत्रमरी पत्रहार महाक्षत्र्यमार ।
 ३ १० क्षत्रारि (क्षत्र-स्त्री)—क्षत्रारि
 क्षत्रारि क्षत्रारी क्षीमरि पत्रमरि
 पत्रमरी क्षीमर, पत्रारि महाक्षत्रि
 महरि ।
 ३ ११ क्षात्रि—क्षत्रक्षया क्षत्रक्षत्र क्षुटी
 क्षीरकार, क्षीरी क्षामणी क्षेत्रि ठाक्षुर,
 द्विजाक्षीति नक्षत्रक्षत्र नाक्ष, नाक्षक्षत्र,
 नाक्षि म्यामी क्षत्रक्षत्रा क्षात्रक्षत्र
 मुक्ष क्षात्रीक्षुत क्षीनी क्षाम क्षत्राम ।

३१२ मादल—मादल मादलि ।
 ३१३ मारी—पत्राजीवी पत्राजी बस्-
 पीवी ।
 ३१४ मारी-स्त्री—मारिज ।
 ३१५ मरई—बस्नीवन बस्नीवी ।
 ३१६ मरई-स्त्री—बरइन ।
 ३१७ तमोकी—तमोकि तापुकि
 तापुकी बरई ।
 ३१८ तमोकी-स्त्री—तमोकि बरइन ।
 ३१९ तेकी—कनु, चाकि ठैसकान
 पूवर ।
 ३२ तेकी-स्त्री—कनुवाइन तेकि ठैस-
 काजि ।
 ३२१ ठेरा—ठेसकुट्ट, ठेरा ठेरा
 ठासकुट्ट, ठासावीवी धीसिक ।
 ३२२ ठेरा-स्त्री—ठेरिज ।
 ३२३ कुम्हार—कुमार, कुमकार, कुषाक
 कौहार, बटक बटकार, बटजनक ।
 ३२४ कुम्हार-स्त्री—कुमारिज कुमकारिज
 कौहारिज ।
 ३२५ कुरमी—कुमावी कुर्मबंशी
 कुमीय ।
 ३२६ कुरमी-स्त्री—कुमविज कुरमिज ।
 ३२७ बरिया—परचुनिया परचुनी
 मोरी ।
 ३२८ बरिया-स्त्री—बरिवाइन बरिज
 मोरिवाइन ।
 ३२९ कोहार—कमस्कार, कर्मकार, कर्माट,
 कुहार, कोहकारक कोहकार, क्योकार ।
 ३३ कोहार-स्त्री—कोहारिज कोहारिज ।
 ३३१ बरई—काठकार, बाटी तकी
 तबनेदी बरंकी सूठ सूत्रकार, स्वयन्-
 कार ।

३३२ बरई-स्त्री—बरइन ।
 ३३३ गड़ेरिया—बपपोपी बजाजीवी
 मजी गड़ेरी बरवाहा बाबल
 भेकिमार ।
 ३३४ गड़ेरिया-स्त्री—गड़ेरिज गड़ेरी ।
 ३३५ सोनार—कलाह माडिम पय-
 तोहट, मुटिक, स्वमकार, सोनी सेठ
 स्वमकार ।
 ३३६ सोनार स्त्री—सेठनी सेठिज
 सोनारिज ।
 ३३७ बर्षी—सडीफर छिनी तुमबाम
 बरपी सुधिक सूवी सूत्रमिद धीषि
 धीषिक ।
 ३३८ बर्षी स्त्री—सडिफाइन बरिज
 सडिवाइन क्यारी ।
 ३३९ ककार—ककार, कलाक मंड
 हारक सूवी धीषिक ।
 ३४ ककार-स्त्री—ककारिज ककारिज ।
 ३४१ मस्तान्—कंध्याट, केबट, कैंबर्ट
 खेक खेबट, बाकक बास बीबर,
 नाविक नैसाखवन मकाह, मीशी ।
 ३४२ मस्तान्-स्त्री—मकाहिन मस्तान-
 हिन मासिन ।
 ३४३ माली—पुप्लाव पुप्लावक
 पुप्लाजीवी बनार्थक बापबान माकाकर,
 माकाकार, माकिज ।
 ३४४ मालिन—पुप्लावी मालिनिया
 मालिनी माकिनी ।
 ३४५ मोवी—कर्मकीलक बाबल निर्दे
 बक नेबक बरेठा रजक, धीषेज ।
 ३४६ श्रीसिन—बोवइन बोवज निर्दे
 बकी बठाइन बरेठन बरेठिन
 रजकपकी रजकी धीषेयी ।

३४७. मछुआ—बीमर, बीबर, मछुवा
मत्स्यजीवी मोडुक।

३४८. महेक्षिया—महेरी माखेटी पिङ्गी-
मार, भिरहटा भिरिहार, बीबातक
शोष्ट, बलपाधुन व्यावा मुन-
बीचन मूमयू, मूमबबानीब व्याव
कम्बुक कुमुबना कुम्बक धाकुनिक
धिकारी।

३४९. मङ्गुआ—बोंड मङ्गुआ मुजवा
मुखी।

३५ मङ्गुआ-स्त्री—बोंडिन मङ्गु
भुषिन।

३५१. बमार—कुख, बर्मक, बर्मकार,
बर्मकारक बर्मक, बर्मारि, डेड लवक
पाडुकाकार, पाडुखट्।

३५२. बमारहन(बमार स्त्री)—बमारिन
बमारी बर्मकारिणी।

३५३. मार—वारय पञ्चबंन प्रतर्येव
बंदी बंदीजग बीताल बीतासिक, ष्ट
मवब मभुक, मायब कन्न सूव
स्तुतिपावक।

३५४. मेह्लार—भूडा, भूडका बमारार,
भरकार, भगी मह्लार, हूळखोर,
हूळालखोर, हेला।

३५५. मेह्लार स्त्री—भूडिन बमारारिन
भडिन मेह्लारनी मेह्लारिन हूळखोरिन।

३५६. मुसलमान—इस्लामी बवन
तुबक तुक मियाँ मुस्लमान मुहम्मबी
म्लेख पवन।

३५७. भुङ्गिहार—आकलक भुङ्गिहार
मनिहार कन्हाय कन्हेय कावक।

३५८. भुङ्गिहारिन—भुङ्गिहारिन मनि
हारिन कन्हेयी कावकी।

३५९. भुलखा—भुविब, कोरी तंगु
तंगुभाय।

३६ रेंपरेख—बिबकर, छीपा छीपी
रंपक रंपकर, रंगरेख रंगापीबी रंभी।

३६१. भुबिया—भुनका भुनिबाँ वंजार,
बेहना।

३६२. भुनिया-स्त्री—भुनिबाँइन।

३६३. क्साई—क्साई, कौटिक,
कौटिक गोमर, बिक बिकवा बुडक-
स्साव बूचक मांसक मांसबिकेता
मांसिक बीतंसिक हिसक।

३६४. कौककिरस्त—किराय कोबि,
मीळ मुसहट, व्याव खबर।

३६५. बंपेख—बांगकबेसी बांबबीन
इंमरेख पोरा गीरांग किरंभी बिकामयी।

३६६. बज—बलावर्षक बज बर्मपज
स्यायक स्यायकर्ता स्यामापीख प्रा
बिवाक।

३६७. बंज—सरपंज पाकस।

३६८. बमियोनी—बमियोक्ता अरि
बायी मुबई, मुबई, बायी।

३६९. प्रतिबानी—मुबबकेह, मुबबकेह
प्रतिपकी।

३७०. मुसबिम—अपराभी अबिपुल
बोयी मुसबिम मुजबिम।

३७१. पवाह—अपसावर्षी साकी साकी।

३७२. अंबी—उपग्रह, कंबी प्रग्रह, प्रति-
ग्रह बंदा बंदी बंदीबान बंदेय बंबुआ,
बंबुआ बंदी।

३७३. कन्कार—कन्काराव काठिक
वायक बलाव, बकिर, बभुआ।

३७४. बमीवार—इलाकेवार, बमीववार,
वास्तुकेवार, मुस्वामी बिककी रस्त।

१७५ कारिका—कामला इतनामकार
 एवैत कामदार, कामदार, कारकुनिदा
 कारपरदाव कारिका प्रबंधक मुंठबिम ।
 १७६ काठकार—काष्ठकार, किसान
 कृषक कृषिक, कृषिजीवी कृषीवक
 रोडिहर काठा चाठी धाम्याहठ ।
 १७७ हलवाहा—हलवाह हलवाह, हल-
 वाहा हलवाही चाठा ।
 १७८ वैदमान—अतिथि अतीथ अम्पा
 पठ भूहागठ पहुना पाहुना प्रापुष
 प्रापुषिक प्रापुष प्रापुषिक बटाऊ ।
 १७९ वैदमानदार—आतिथ्यक वैद
 मान ।
 १८० बालिक—अपिप अम्पल अग्र
 बाग बाग बायापक ईत कंठ दोषी
 पकिर, लक्ष्म प्वाविद नाव पठ पति
 प्थी प्रभु, प्रोयाइटर, बाबू, मियाँ
 बर, प्रभु लक्ष्मी छाई, भुमाबी स्वरा
 विराठी स्वाभि स्वाबी ।
 १८१ बालरिन—गृहिणी पत्नी मालि
 निन स्वराधिचारिणी स्वाभिनी ।
 १८२ बृहति—बृहत् बृहत्वापी ।
 १८३ बीरर—अपीन अनुम अनुमन
 अनुपापी अनुवर अनुपापी अजापाठी
 बारनी अपी बायापाठी बायापाण
 बरिणरई बयेठ बयैचार, बहाट,
 बिबर, तबाग सादिम मित्रमनिया
 विरमणार, मोठा मोयक बाबर बैट
 बैक बैट, बैरा टूल टाही दान
 टाणकार बामेय बायेर, मटर,
 मिनीर बीरर, बरार्ड बरारिण बरि
 बाबर बरिचारिक बरिणरिणर बरु
 बरक बरक विरमना धरा ईव्य

फरीस क्रियवी बंदा बंवेरा बांद भूत
 भूतक भूय भुजिप्य भडडूद मजूर,
 महुर महला माहली मुसाडिम
 रोडिहर घडूबर, सडूपाठी सेवक सेवी
 सीरंघ हजुरी ।
 १८४ भौकरानी—अनुचरी कहारिण
 क्रिकरी छारिमा बाकरानी बाकरानी
 बैटकी बैटी बैरी अनी टडूळनी
 बाठी पयवराती परिचरी परि
 चारिण बांसी भूया मजूरानी मजु
 रिण महरी महली माग लौडी
 सेवनी सेविका सीरंघी हजुरी हरय ।
 १८५ मजूर—कर्मकर, मजूर, मजूर
 भूतक भुतिभुक बैतभिक धमजीवी
 धमण भमिक भनी ।
 १८६ कुली—मजूर, मजूर, मुटिया
 मोटिया ।
 १८७ बीर—(मिट्टी घोरने बाले) बीर
 बैलगर ।
 १८८ विरमणार—अंगमरं विरम—
 वाट, विरमणवार, विरमणिया संघ
 हक ।
 १८९ बजानेबाता—बहाबादरी संघ
 रडोट, बाडक बांरबह बैपुनिव ।
 १९० बैनविह—(बंघी बजाने बाता)
 बैपुबा बैपुभ्य बैनुविह ।
 १९१ तबातधी—गडनधी, ठरतिहा
 तबाधी ।
 १९२ कुंरपिया—गतावनी मारंदिन
 मोरिहक ।
 १९३ बर—बुटावी बायावीध बरंभ
 बरभुवर टांडीर रंदाबजार
 रंतातिन टाण ।

३४७. मङ्गुवा—भीमर, भीवर, मङ्गुवा
मत्स्यग्रीवी मोङ्गु।
३४८. म्हेलिया—महेरी बाखेटी चिङ्गी-
मार, चिखटा चिखार, बीबाठक
डोहाट, बछपांशुन म्याबा मुग
बीकन मुकमु, मुगबभाबीव म्याब
कम्बुक कुनुभना कुम्बक धाकुनिक
धिकाटी।
३४९. मङ्गुवा—गोंड मङ्गुवा मुबवा
मुरबी।
- ३५० मङ्गुवा-स्त्री—गोंडिन यङ्-
मुभिन।
- ३५१ ममार—कुरट चर्मक चर्मकार,
चर्मकारक चर्मर, चम्मरि, डेड लचक
पाकुकाकार, पाकुह्य।
- ३५२ ममारन(चमारस्त्री)—चमारिन
चमाटी चर्मकारिनी।
- ३५३ मार—चारन पसबच प्रातमेय
बंदी बंदीवन बीटाक बीताकिक घट्ट,
मयन ममुक, मायन क्कन सूत
स्तुतिपायक।
- ३५४ महार—बूहा बूहा चमाबार,
बक्कार, मंगी महार, हलबीर,
हमाकडोर हेका।
- ३५५ महारस्त्री—बूडिन चमाधारिन
धंभिन मेह्वणनी महारिन हलबारिन।
- ३५६ मुसलमान—इस्लामी चवन
मुसक मुकं गिपी मुसलमान मुहम्मबी
म्लेच्छ यवन।
३५७. मुक्तिहार—आकनठक मुक्तिहार
मनिहार ल्हाण क्केण कासक।
३५८. मुक्तिहारिन—मुक्तिहारिन मनि
हारिन क्केटी कासकी।

३५९. मुलाशा—कुबिर, कोटी तंजुक
तंजुवाय।
- ३६० रंगरेख—चित्रर, डीपा डीपी
रंयक, रंयकर, रंगरेख रंगाबीवी रंपी।
- ३६१ मुनिया—मुनका मुनियी पंवाण
बेहना।
- ३६२ मुनिय-स्त्री—मुनिबीहन।
- ३६३ कसाई—कसाई, कौटिक
कौटिक योमर, चिक चिकवा बुबक-
स्वाव बुबक पाठक पाठविष्ठा
मांसिक वैठसिक हिसक।
- ३६४ कौलकिराल—किण्ट कोकि,
भीक मुसहर, म्याब सवर।
- ३६५ क्केरेव—जानकदेपी बावडीन,
इंगरेव पीण बीरांण किरंणी विजायती।
३६६. क्क—महाधर्मक, क्क चमैराण
म्यायक म्यायकर्ता म्यावापीठ प्रा-
विवाक।
३६७. कंभ—उरुंण पासस।
३६८. कभियोपी—कभिवोष्ठा अरि
यापी मुबई, मुई, बापी।
३६९. प्रतिबापी—मुहबनेह, मुहाकेह,
प्रतिपडी।
- ३७० मुनक्तिम—अपराधी अविदुक्क,
कोपी मुनक्तिम मुनक्तिम।
- ३७१ यवाह—मत्पसबडी साडी साडी।
- ३७२ डीपी—जपघह, डीपी प्रपह, इति
बह बंवा बंदी बंदीवान बंदेण बंदुवा
बंदुवा बंदी।
- ३७३ अस्तार—कतकदार क्कतिक,
भातक क्कार, बधिक म्मुवा।
- ३७४ कमीदार—इकाकदार, कमीतदार,
तालकुनेदार, मुस्वापी मिलनी रईव।

३७५. कारिका—समता इतबामकार,
एजेंड कामदार, कामदार, कारकुनिवा
वापरवाज कारिका प्रबंधक मुंजिम ।

३७६. कास्तकार—कास्तकार, कितान
हरक इपिक इपिजीबी इपीबल
सेडिहर वासा वासी मान्याइव ।

३७७. हुरबाहा—हुरबाह, हुलबाह, हुल-
बाहा हुलबाही वासा ।

३७८. मेहुमान—अतिथि अतीथ अम्मा
पत्र मुहापत्र पठुना पाठुना प्रापुब
प्रापुबिक प्रापुर्भ प्रापुनिक, बटाऊ ।

३७९. मेहुमानदार—आतिथ्यक मेहु
बात ।

३८०. बालिक—अपिप अप्पल अन्न
घडा बावा बाबापक, ईत कंत दोरी
लाबिद, बासम घाबिद नाब पत्र पति
प्यो, प्रमु, प्रीयाइटर, बाबु, भिवा
बर, प्रमु सहावा नाई, मुजापी स्वरावा
दिवाठी स्वाभि स्वामी ।

३८१. बालरिन—गृहिणी पत्नी माकि-
रिन स्वराबिवादिपी स्वामिनी ।

३८२. मुजति—गृह गृहवासी ।

३८३. बीरर—अबीन अगुग अनुग
अनुवासी अनुवर, अनुवापी अजावाठी
अरली बर्षी, अजावाठी अजावापक
अगिपारं कमेरा बर्षकार, बहर, बहर
बरात लवान नादिम गिरमतिवा
गिरमगात लोखा पोन्क वावर, वेद
वेक वेर वेर टरु टाटनी वान
एगुगल वामेज वामेज मकर,
गिरीग, वेरवा वरति वरतिरि परि
वगव वरिवागिक वरिवागिक वरि
वकर वावर रिउमरा, व्यास वेव

फरिग क्रिदबी बंरा बंदेरा वीर मुठ
भउक भुय मुखिप्य मखडूर, मजूर,
महरा महता माहसी मुताबिम
पोटिहा सहर, सहावाठी सेवक सेबी
संरंघ हुमुरी ।

३८४. बीकरनी—अनुवरी गहारिम
किफटी वादिमा वाकरनी वाकठनी
बेटकी बेटो बेटो वनी टहुमनी
दाठी पयपराठी पत्थरी परि
वारिका बांवी भुया मखडूरनी मजु
रिम महेठी महेसी मामा लौबी
सेवनी सेविका संरंघी हुमुरी इरम ।

३८५. मखडूर—बर्षकार, मजूर, मजुरा
भुयक भुतिभुय, वैतमिक अमजीबी
अमम अमिक अमी ।

३८६. हुमी—मखडूर, मजूर, मृटिया
मोटिया ।

३८७. बीड—(मिट्टी वाने वाले) बीड
बेतवार ।

३८८. गिरमतवार—अपमरं गिरम-
वार, गिरमत्रवार, गिरमत्रिवा संरा
हुक ।

३८९. बजानेवाला—महावाटनी बंरा
एटोड वावर वार्डवट वेमुनिक ।

३९०. बंवाचिक—(बंजी बजाने वाला)
वेमुवा वेपुभ वेमुनिक ।

३९१. तवातबी—अवतबी टवलिहा
तवातबी ।

३९२. बुधमिया—गवरी वार्डिक
वीडिक ।

३९३. बट—हुयानी वावाजीव वार्डिक
वगनुवक एगुग एगुगारक
टीगुग टैगुग ।

- ३९४ मटी—मट्टिन मर्तकी ।
 ३९५ मर्तक—(नाचने बाळा पुस्य)
 किलक, चारण ताळरेचनक मट मर्तक
 पोटाक ।
 ३९६ मर्तकी—(नाचने वाली स्त्री)
 चारणी मचनिर्वा मचनी मटी
 नाचनेवाळी मृत्पकी कसिका
 कस्वा ।
 ३९७ वैश्या—जप्परा कंचनी कसविम
 कसवी कस्वी कामरेबा कुंमा बुद्धा
 गणिका शर्षण ठबायक, पनापना
 पतुरिया पघयस्त्री पुरवामा बर्बटी
 मंडहासिनी मुजिप्या भोम्बा मंबलामुळी
 रामवनी रुपावीपी कम्बिका
 बंसुबरा चारवणु, चारवलिता चार
 विलासिनी वैश्या शाळमजिका घृता
 सर्वकस्त्रमा सामाग्या ।
 ३९८ कचक—(विश्यार्षी के पुत्र)
 कचक, पीठमर्ष मंडू वा रामवना ।
 ३९९ क. पईया—काठी गडक गडिया
 कईया बताने वाळा बताननहाण ।
 ३९९ मपीनासाळ—मपीनाजडिया ।
 ४ बुकानवार—पभ्येस हटवार,
 हटवीया हटुवा ।
 ४ १ घाडिया—(बाह्यण) बटवाई बट
 बार, बटवारिया बटिया बटवाळा ।
 ४ २ हुकवाई—जांबसिक जाणसिक
 जीविक बुज पाककर्ता पाकुक पाचक
 बलब वावरणी मध्यवार, रसोहया
 मूर मूपक मूरकार, स्वार ।
 ४ ३ रसोहयावार—वावणी महपच ।
 रे 'हुकवाई' ।
 ४ ४ महाजन—वनी प्रमुच बनिर्वा

- लाळा येठि सम्म चाहु चाहुभर
 सेठ ।
 ४ ५ किलक—मसरणु, मडरचन
 कासिक कर्क संकर्ता रचनाकर,
 रचयिता किकिक, किकिकर, किकि-
 कार ।
 ४ ६ कारीयर—काव शिन्पकार, शिन्प-
 की शिल्पी ।
 ४ ७ जामुपर—इंद्रवाळकारक ऐ-
 वासिक कौमुठिक प्रठीहाक,
 वावीगर, मायाकारक मायावी वाविक,
 मामी म्वंसक ।
 ४ ८ रत्नपारवी—बोहरी परखरीया
 परखरीया रत्नविशेता ।
 ४ ९ गडकबाल—कसणी कसरतिहा,
 बंडपेक पहेलवान मस्त संडमुसंड ।
 ४१ महाकत—मकुसुमह, बंडप,
 भावीरन इयपाकक गवालीब बडी-
 रोह चारकट्टी निपावी पपीक पीक-
 बान प्रठीकवान मर्तगी महाकत हति-
 पक हचिबान हावीबान ।
 ४११ साईत—जस्वपाल रकावराट,
 घईण ।
 ४१२ कोवबाल—कोववान शधिपत्र
 मियता प्राभिता चारवी मूर ।
 ४१३ शिकारी—बोहरी बाबोरक,
 बाबोटी पीवर, पारवी शिकारी ।
 ४१४ खेळाडी—सिलाडी शिलवर्ण
 खेळक, खेळवाडी खेळार, खेळा
 खेळार ।
 ४१५ जुजाडी—बसरीवी बडकूर्त फिा
 जुजारी ज्याठी घुतकार, घुतहा
 घुतकीडक कूर्त समिक समीक ।

४१६ ठप—गिरहकट, चार्ड, छकी बूर्त
बोलेबाब प्रवारक बंचक स्पग ।

४१७ ठपनी—ठपिन ठपिनी
कूटेरिन ।

४१८ बीर—उचका उचकता उठारीगीर,
ऐकावारिक कडाक कडाक गठकटा
गिरहकट, चार्ड, चार्ड, चोटटा
चोरकट चोरटा बेबकट बेबकटरा ठम
ठपिया डकैठ डहरबीर, डाकु, तस्कट,
रस्तु नकबजन प्रवारक प्रतिरोधी पराक
छंदी पाटकचट, पारिपंथिक, बंचक
बटपरा बटपार, बटमार, मसिमूच
मोपक एचिचट, राहबन कूटेरा कटक
बंचक संबिपाबीर, साहसिक सोतस्य
स्वामु, स्वयेन स्वैग हर्ता हारीत ।

४१९ सासेबार—सासी भाषी सरीक
गिरकटी हिसेबार ।

४२० पट्टीबार—बंधक दामार सासेबार,
हिसेबार ।

४२१ बज्जा—जननी जाठापरत्या
जापरत्या प्रजाठा प्रसविनी प्रसुता
प्रसूतिका ।

४२२ बज्जा—अज्ञ अदोष अर्म अर्मक,
किजीर, किजोरक अर्म जातक डिम
डिमक नबजाठ पाक, पुव पेतक
बट्ट, बट्टक बालक बेडा पापब
मुष्टिबय लङ्गना गिपु संठान हितक ।

४२३ बाय—अंफराबी अमा जाया
रात्री दानी दानी बाय प्रदानी ।

४२४ बर्बरार—अवमर्ष ज्ञानी देन
बार, देवा रिनिदा । दे
'बर्दी' ।

४२५ देनबार—महाजन कहेनेबार,

सूदखोर । दे 'अप देने बासा' ।

४२६. निजमंवा—अर्धी जाचक जातक
मिकमया बीबी जाचक मिशु, मिशुक
मिसोपबीबी मिसारी मंगता मंगन
मस्करु मंगन मार्गच जाचक ।

४२७. मिजमंगिन—मिजमविनि मिशुकी
मिसारिणी मिसारिन ।

४२८. स्हायक—गौण शैया हाम नेब
नेब मरदमार सहकारी सहयोगी सहार्ड,
सहार्ड, सहाय सहाम्पी ।

४२९. सरसक—अभिभावक देख-रेख
करने वाला रखक रखक ।

४३०. जालबर—बीलात गोरु बतुप्पद
चरिटा बीपाया बीबबंतु, बीबचारी
बीबयोनि डंवर, डीवर, ठिर्वक
ठिर्वग योनि निचक पधु, पधु, प्रापी
मुम हूवान ।

४३१. जालबर का बज्जा—छवा
छांबड़ा छीना बछड़ा बाळ पोठ
शाचक ।

४३२. सीप—बिजाल बिपाच मृंग
धीप सीह मृंग ।

४३३. जुर—धुर, टाप मुम ।

४३४. पूंछ—मुम पुच्छ पोंछ बालधि
लंमूट, लमूट, लमूत ।

४३५. हापी—अपज अनेकप हम कमु,
बंतुक, कपि करटी कटि, कटी कटीर
करेमु कालिम कुंजर, कुमी यत्र गजेंड
अयंर मय बंठाबल बंठी दुरर दुरराक
डिरर डीप ड्रिप नयत्र नाप पपी पील
पुंफरी श्रील भसुड मंवार, अंतप
मंतगज मरास भारतम मंगल बारप
बिनुंड ब्याल राहाल पुंठी मृंठी बारप

सिन्धु, स्तम्बेरम हस्ती ।
 ४३६ हजिनी—एरावती कट्टी करिणी
 करेणुका कुंवरणी मवी धेनुका बसा
 बरेणुका बाधिता हस्तिनी ।
 ४३७ हाथी की प्रसिद्ध आसिया—
 कुमरिया मून ।
 ४३८ बड़ा या जलम हाथी—करिद,
 करीस लकवा नजपाज गजेंद्र ।
 ४३९ बीना हाथी—कमरिया बीना
 मज्जना ।
 ४४ मस्त हाथी—अराक गाड़ा तुंग
 मय नमरमर्बा प्रभिन्न मत्त मयकल
 मबोत्कट, मययक मीयक ।
 ४४१ विष्णुाङ्गना—गरजना विष्णुाङ्क
 करना हौंकङ्गना ।
 ४४२ सूंड—(हाथी) कर, तुंड घुंड
 घुंडारंड तुंडा ।
 ४४३ सूंड की लौक—कनिका हस्त ।
 ४४४ हाथी के सूंड का उपयोग—
 अंगुली पुष्कर, सुबिजा ।
 ४४५ गंडस्वान्त—कट कटि, करटक गंड
 गंडस्वान्त सख ।
 ४४६ हाथी का बलि—काप गजरंग ।
 ४४७ हाथी का बह—बजवान बजमद ।
 ४४८ हाथी की बोली—गजैत विष्वाड ।
 ४४९ हाथी का बच्चा—करम कबल
 बालक घरम ।
 ४५ डेट—अमय डेटु डेट, कटकातम
 करम करट वैतिदीर्घ वनेल वमैलक
 बीबी जबी जविषा बालेटक बाघोर,
 बीर्ष बीर्षगणि बीर्षवीर बीर्षवच वृषक
 बृहट, बलिष्ट, बनी, बटवीर, भीनी

महाबंभ महाभाब महापुष्ट, रवण
 लम्बोष्ठ, बक्रगुल्फ, बरल घरम सुपु,
 मूलकक साडिया ।
 ४५१ डिस्त—कपुन कुम्बड डिठ
 डिम्बा ।
 ४५२ डोड़ा—अरब अरबी अराक अरप
 अर्बा अरब आसु, एराकी उन्नीअबा
 कच्छ कच्छा कीका कीकान केसरी
 केसी केसरी केसी केहूरी कोकाह,
 कपुपसु, मंभर्ब गिमाह, पुह पी बोट,
 बोटक बामरी जवन तुपे
 तुपेवम तुरा तुप्य तुप्य बनिभ
 बुर्मुक नर, प्रकीर्षव प्रीर्षी बाज बाभि
 बाजी अराक मभ्रव रवबाह, राज
 स्कंभ लताग बनिह बाजी बागामन
 बाह, विमान विमानक बीसी सुपय,
 सुपल साकिहोत्र छिनी सप्टि समेद,
 सापी सारंग सुपर्ण सुपर्णस ठीब
 हंस ह ह्य हरि ।
 ४५३ डोड़े का बोसना—दिनदिनाता
 दिनदिन करना हीसना ह्या ह्येवा ।
 ४५४ डोड़ी—अम्बा अस्विनी पुडिया,
 बोटकी डोडिया बडवा बायी ।
 ४५५ डोडियों की मस्ती—आलंय,
 उटना ।
 ४५६ डोड़े का बच्चा—अलतबडेड़ा
 विघोर, बट्टा बडवा बडेड़ा बडेरा
 बालक ।
 ४५७ जवान डोड़ा—अलक बडेड़ा ।
 ४५८ छोटा डोड़ा—टट्टु, टांगल पापु ।
 ४५९ तिथी डोड़ा—गिथी सीधव ।
 ४६ तुर्धी डोड़ा—तुर्धमान तुर्धी ।
 ४७ डोड़ी डोड़ी डोड़ी डोड़ी डोड़ी

४६२ बोड़े की आसिया—मलाई इणकी
कासी किसबाँक कीनाल कुही यिछ-
पिकी बुनिक टंकड़ ठिछक हुवाक
पमी बाकसर, बोकसर, भीभाबसि मीर,
मेम्ना रकबाहा स्त्री रोहाल लच्छी
बनीय संदबी सोलिया स्याह हिएपी ।

४६३ बोड़े का रंग—अवरण अकक
ऊर कमिज कुमीठ कुरंग कुन्का
नरी चाँकन मुरकी छासा मीला
संशक ।

४६४ बोड़ा के बरन का बाल—अयाल
बाक केसर ।

४६५ बोड़े का कुर—कुर, कुर, टाप
पक, पकप्रमुम मुम मुम्ह ।

४६६ बज्जर—बस्कर, बज्जर, लर,
बितपठ बेसर, रासम ।

४६७ बबहा—कूर, बर, खोटा परहा
बरम धाम्यारन बनीवान बारठ बार
पुल भीरमेही बूसर, बूसराह्यय बालेय
भूरिपम मारण रासम रासम बालेय
बेधन बीधाबनन संबकर्म सीतलाबाहन ।

४६८ बबड़े की बोधी—रंकना हूँको-
हूँको करना ।

४६९ बाय—अबन्या अर्जुनी इका
पस्ता पस्ता कस्याणी गऊ, या
पैवा पो, मोर की डायर, बाजी धेनु,
पयस्विनी पीवरी बकर, महा माता
माहेवी रोहिणी गृह्णिनी सुरधि
सुरमी सीरयेपी ।

४७० बाय का बोलना—बाँ बाँ करना
बाँ करना रंमाना ।

४७१ सखेय बाय—अर्जुनी कपिला
पीरी बबरी बबला बबबी पीरी ।

४७२ काली बाय—कजरी कजली काली
स्याम-धेनु, पमाना सबकी ।

४७३ कुजारी बाय—कसोर, कस्या ।

४७४ अकिक बिन की बिमाई बाय या
भंस—बकेन बकेना ।

४७५. गायों का समूह—मग्या गाजा
योक्रुल पोभन मोठी ।

४७६. बाय की शकरी—यसकंबल यकबन
शकरी शाकर, शाकरी कहर, शासा ।

४७७. बाय—अयन ऐन आमीन ऊब
पन पान पयोबर, बाय ।

४७८. बाय भंस के बन के ऊपर का
भाय—अयन ऐन पयोबर ।

४७९. बाय भंस की मत्ती—उठना
उमड़ना ।

४८ बलका—(बाय) बलक बलका
बल बलकी बलक बलक बलना
बलिया बलक लेदना बलक सहकरपी ।

४८१ साई—अड़वा गबीरवर, गोमान्
गोमी बंड मंवीयय बलिबर्द बुप
बुपय संड सिखा संड साई ।

४८२ साई का बोलना—होकरना ।

४८३ बाल—अनद्वान उब पसा नूपम
कुकुपान् कर्मकार, गार, गो पी डायर,
धीरिया पुंवर बरब बरना बकर,
बलिबर्द बलीबर्द बसह मर रिबन
बसह बुप बुपण बुपन बुपेड संड
पावर, पावल सिखी संड साई
सीरयेय ।

४८४ भंस—भंस मस महिष
महिषी सिपा ।

४८५. भंस का बोलना—बिबियाना ।

४८६ भंस—अस्नादि, आनूपा कटप

कटाह ककुप कासर, कासार, कबली
बली मल महिष महिष यमबाहन
रक्ताक्ष राजस्वक कुलाप कुलाभ
बंधनीर, बाहुद्विप विपञ्जर, धीरिम ।

४८७. कटका—(मेस का) कौटका कटरा
कटाह काटका पड़वा पड़िया पाका ।

४८८. मेड़—उरना मेड़ी लौमघा ।

४८९. मेड़ का शोक्तना—विदियाना
विदियाना में में करता ।

४९. मेड़ा—जब बहि उरज उरज
ऊर्ध्वम् एहक बली मेड़ मेड़क मेड़ा
मेटक मेड़ मेड़ा मेय रोमरा लौमघ
वृष्णि हड़ ।

४९१. बकरा—जब बकुफ अस्याम्,
बहि क्यधर लसिया लसी लस्वी
छग छगड़ी छगल छगलन छग
छगल छग पयस्वक पर्वमोजी पशु
बर्कर, बस्त बोक मेध्य मेनाद शुभ
स्वम ।

४९२. बहरी—जबया जरा मो, छापी
छेर छेरी पयस्विनी ।

४९३. बहरी का शोक्तना—विदियाना
में में करता ।

४९४. होर—हजारि बरीरक करपीर,
केगरी केपी केगरी केहरी कम्बाह
दीनगिणल नगराम्ब बरी नागायन
चित्रकाय नाहूर नाहूर पचगिण
पंचानन पंचास्य पगुगात्र पारीर पुडरीक
बनरात्र बनरात्र बरन बहुबल भीम
विचम बहुवीर जानी कुदृष्टि मृपश्वि
मृगनाथ मृगगात्र मृगरिणु, मृगात्र मृगादि,
मृगाय मृगायन मृगेड मृगेण मृडरीक
बनरात्र विचग व्याघ्र व्याघ्र धार्दक

होर श्वेत पिमल सटाक सगूर, सल
साहूर, सारंग सिंह, हृदि, हृदि हरेक
४९५. होर का शोक्तना—मजेना धार्दक
हुंकारना ।

४९६. होरी—चिहनी चिहनी
चिही ।

४९७. बाय—गुहाघन चित्रक तीरवरी
डीपी नक्षामुष नाहूर, नाहूर पंचना
पुडरीक, पुडाकु बनेय भीक बन
व्याघ्र व्याघ्र धार्दक व्याघ्र, छ
हिसक ।

४९८. व्याघ्र-नक्ष—करज नक्ष नक्षी
नक्षी बयनना व्याघ्र-नक्ष व्या
यय ।

४९९. बीला—उपव्याघ्र गुडाधार्दक
चित्रक चित्रकाय चित्रव्याघ्र चिबी
तरल तरल, तरधुक तरुं ब
बय नरबी मृगावक मृगायन पु
धार्दक छर ।

५ भात—बच्छ बच्छ-बस्त धा
मस्त्र मस्त्रुक बामुक भातुक बाल
रीक ।

५ १ बिरक—बिराक, बिरक, बिरा
जुराक ।

५ २ बीडा—बंद लंपहा लहू नर
लहूनी गंडक भंडा तीतर ।

५ ३ बाहृद्विप—बंरगाए, बाहृद्वि
बाहृद्विहा ।

५ ४ शोक्तनाय—नत्रय बबन ट
बनायु रोह लौमगाय ।

५ ५ हिरल—अजिनबीनि श्वाय कु
दुरगन बंवर बंधु बारलोचन कर
बीरहृदय बिरा कु बनानु बग

बागानु, सारंग सुरमी हरिज हरिज
हरिज ।

५६. हिरनी—मृगिनी मृवी हरवी
हरवी हरिनी ।

५७. हरिज के भेद—गंधर्व यवय राम
धरम धस सुमर ।

५८. कामा हरिज—करसायट, कर
सायक ।

५९. मृम—मिरणा मृया । रे 'हरिज' ।

६१. मृय के भेद—ऐष ऋष्य कृष्ण
घार, पोरुर्न यमर, म्बुंरु पूषठ रंरु
स्व रोहित रीहित शबर ।

६११. मृयभर्न—वमिन ऐष कृति
मृयछाछा ।

६१२. मृयनामि—बंड कस्तूरीनामि ।

६१३. त्रियार—क्रेप्य उरुक्कामुब
कटसादक कुरव कक पावड पीवड
पीवड, सोमामु, सोमी बोरबासन बंबुक
बंबुक, निप्टुट, फेरंड फेरव फेर घीर
मृरिनाम मृमनत मृयभूर्त मृयभूर्तक
त्रिडाट, बंबक बनसा शाकानुक
धिया त्रिवाळ, मग स्वभूर्त मृंगाळ
त्रिवाट, त्रियाळ स्यार ।

६१४. भेदिया—ईहामुग कोक मुरग
कानयोडी जनाधन लकडबन्वा
कानडया स्याटी वात्सादन विल्क
बुक हुंकार ।

६१५. लोमड़ी—कस्तूरुण बुंमर, सकटी
कोबरिया लोकरुटी लोबा लोमटी लोमण
लोबा ।

६१६. कुता—यकि बलिबक कपिल
काकेयक कुकुर, कुकुर, कुतडा
कुकुर, कौलेयक बंडक, ग्राम्यमृव मस्तुक

भयण भायक मृगदंशक मृमाटि, ड
रुकीक राजिजागर, बक्रलांगूक बुकाटि,
घयाळ, सुनक शुनि शुनी घूर, बबन स्वा
एवान सारमेय सुवान सूचक सोमहा ।

६१७. कुतिया—कुती कुतडी पंडकी
शुनी स्वनिका ।

६१८. भौकना—बिल्काना भूकना भौ भौ
करना ।

६१९. करपोदा—करबोस करुहा गायड
गडर, पीवड बंबुक निसाबर, निशिबर,
निशिचारी लीडार, लोमकर्न बुक राध
रायक राया रासा स्याळ मृंगाळ ससक
सियाट, सियाळ सुसिया सूसा स्याळ
स्याळिया ।

६२. कर्कष्य मारना—उरुक्कना कुरना ।
बौकडी मरना उरु भागना ।

६२१. विहार—मानुमुक, बाबुमुब जोरु,
किल्ली पुरवा जाहक विज्ञाप मिधंक,
बीपतलोचन बीपताळ विडाळ विडाट,
विहाई विहाटी विहाळ विहाव
विलैया विस्का विस्की मायानी मानाई,
मेनाड, विडाळ विहारक विराळ विहाळ
बृयदंशक शाकानुक सियाहबोस सूचक ।

६२२. म्याडं-म्याडं करना—म्याडं करना ।

६२३. सुमर—बाळु, किति, किरुटी किर
कोक क्केड गुटि बौवी बृळी ठम
बंतामुब टणी पोत्रायुब पोत्री पुमस्तंब
बराह मूसाट, रोमेघ बराह बग्यस्य
बहुपरय सुकर, सुकर, मूर, सतबरोमा ।

६२४. बंडर—कपि कपित्वास्य किकि
कीध कैलिप्रिय बौलांगूक बंड शंपी
बय बरम नयाटन पाटावत विपल
प्रबंन प्रबंनम प्रबाग कन प्बर्ग

व्यवहार व्यवहार बनरा बलीमुख
बांरर, बानर मरकर, मर्क मर्कट, बंरुर,
बनीका बलीमुख बानर, सासामुन
घासाबूक हरि ।

५२५ बंररी—बनरी बानरी प्रबंवी
मर्कटी सासामुनी ।

५२६ वित्तहरी—हंठो कट्टो गिरि,
विमहिरी गिलाई, कबंवी विस्की
बिहुर, बिहुर, बेहुर ।

५२७ मोह—मोहा मोधिका मोभार,
पीयेय बीबेर, निहाका विपक्षपर
विसक्षपर ।

५२८ जमपावड़—जंभ जजिन वभा
जमपावर, जमपीवर, जमभुवरी
जतुका जतुका तीक्ष्णामिका
पराप्पी ।

५२९ मेवला—मकुल मकुली म्बोला
गिगल बभु, बोहिनानन सर्गि,
मुपीषदन ।

५३ बिरमिट—किरमिठ कृकक्रोष
कृकनास कृकुलाम विहीना बिरमिठान
विरवान शरट, सरट ।

५३१ टिणकली—जंजन जंजना गृह
मोधिना गृहकोपी गृहमोक्षिना गृहामिना
टिणकिनी टिणकली ज्यप्टा टिकटिनी
पम्पी बिष्निषा विगुदया विसगुई
यवनी बुगनी मुनली विगुदया ।

५३२ बूग—बागनिज बागु, बागुद,
बागु जंरर, उरक उंरुर, ऊरुर,
बजिन यनर बूगा बाग्भारि,
बनी गिव यम बकुज बिनगारी
भूष भूषक भूरीक भुन भूना भुय
भुष ।

५३३ छमुंरर,—जंभमुली पंभमूविका
बिहुर, छमुंरर, विबामिका
बीरंरुंरिका सुहुररी ।

५३४ छापी—बागपुस्त बखी पक्षकी
सत्य स्वाधिन सेई ।

५३५ छापी के बरि—सल सलत,
सलती स्वाधिन ।

५३६ कीड़ा—किरम किमि कीट, कीर
कीड़ा-मकोड़ा कृमि तिरंर विजय
मकोड़ा नीरंयु, नीरंयु ।

५३७ रंगला—गुगुफना बीरे-बीरे बजना,
विलविलाना रिगय करना उरकना ।

५३८ मकड़ा—मकर मर्कट ।

५३९ मकड़ी—बनकूत बरुपरी उरं-
मान तंनुबामकीट, मकटी मकरी
मर्कट मर्कटक, मर्कटी कुषर कु,
कूटा कूठिका यनक ।

५४ बीटा—कीड़ा बिउंटा ब्यूंटा बीटा,
बिमटा बीला मकोड़ा ।

५४१ बमटा—(लाल बीटा)
बेमटा ।

५४२ बीटी—कीड़ी बिउटी ब्यूंटी
रिपील रिपीलिना रिपीला बीक
यनपद ।

५४३ रेशम का कीड़ा—कीणवार, पुंर
रीक ।

५४४ टिकड़ी—जंभ वभा वनीय,
कनया लालक ।

५४५ बीमक—बेकना बलीक
बलीन ।

५४६ बीरकूटी—बजिन बजिनर
इगरी इगबु इगबुनी गिगिन
गग्गान का हापी ।

सहस्रमी कीड़ा रस्तबर्भ बर्षामु, बीर
बहुटी रीट ।

५५७. सींगुर—सुरसुर चित्तिका
चिस्सिका बीरी बीसका बीसिका
बंबीण मिस्सिका सिस्सरी मिस्सिका
सिस्सी सीरिका सीरुका मिस्सिका
मिस्सीक मुक्कारि ।

५५८. होला—किरीना कीट, कीड़ा
पिठई, पिस्तु, पिस्तू ।

५५९. बैठया—बैठया अष्टपरी अष्टपाद
परम ।

५६०. किल्ली—कंठई, किल्ली ।

५६१. घुन—काष्टकीट काष्टहमि काष्ट
मेरक काष्टमेरक घुन पाया पिठारी ।

५६२. सटपल—उड़िस उड़िस उल्लुग
उड़य उप्पज करनाई, कटिम कीड़ा
कीपकुन अटकीट, अटकिड़ना अटकीड़ा
अटकीण अटकिरना अटबामक
मंचकामय मल्लुन रस्तपायी ।

५६३. बीकर—चित्तइ बीकइ बीककीट
बीकारि ।

५६४. किराकीट—उल्लुग कीड़ा चित्तई,
जुंजी जुं, जुंजी जुं बीस डेण
पायी मुवा चित्तिका किरा चित्तिका
कीक कील पटपट, संपई, स्वेपज ।

५६५. काटना—उठना बीनहना ।

५६६. तिलचटा—बपड़ा चिबड़ा तिल-
चट्टा तेलचटा ।

५६७. अग्निकीट—अग्निवीड़ा अग्निकीटी
समंहर ।

५६८. लप—अडब भस अग मपर,
अहि भावीविय उरण कंचुनी बरमु
करत्तं बबंटी बालिय बीड़ा बुंठमी

गूडपड बसुभवा चिकर, ठसक
ठमस दरबीकर, र्धी ठिजिङ्गा ठिरसन
नग नाम निघाचर, निघिचर, निघिचारी
पन्नग पबनासक पबनाशा फलबद,
फथिक कभी फनिम फनि फनी बिसेद्य
बिपचर, बिपहा भवग मुजग मुर्भगम
मुजग मुर्भया मुजग घोबी मणिचर,
मनी छांयमी बिसेद्यम बिपचर, ब्याल
सरूसुप सांय सारंग हरखार, हरि,
हार ।

५६९. सर्पराज—नागपज बासुकी
बासुकेय ।

५६ सौपिन—बामिन मामिन भुमं
मिनी मुर्भगी सपिनी ।

५६१ सौप का बन्धा—संपोला पोभा
पोया पोबा ।

५६२ सौप का झरीर—घोब ।

५६३ सौप का बिय—बबेड पर, परस
बहर पिय ।

५६४ फन—वरबी दरबी फट फटा फटी
फन फमा सट्ट, सट्टा सुट्ट ।

५६५ बौत—(सांय वा) बहिबंठु
बापी ।

५६६ कंचुन—कंचुक कंचुनी
निर्मोक ।

५६७ अजगर—अजबहा परपरचटा
बाहय उयु ।

५६८ वेहुंअन—वेहुंया गहुंअन गोटुअन ।

५६९. करहत सांय—अंअन अर्बट
करहत करत मोलत चिभाय ।

५७० डोड़हा सांय—अय्यरं अलिपरं
आतगरं आय्याल डेड़ह डेड़हा डोंरह,
पंडुर ।

५७१ बौ भूहा सौप—बहुम बभभ बुड
राबिस राबील ।

५७२ योनस सौप—गोनस ठिक्किस ।

६७३ बिण्डू—अरप अरि आली
हुम डोन बिण्डम विरधिक
बीला बीडू बुक्कन बुक्किक ।

५७४ बीबर—कनसजूर कनसकाई,
कनसकाका कनसकाई, कनसरैया कर्भ
अलीका कर्भसुषिका कांठर, कानसजूर
मौबर, सतपडी ।

५७५ बर—बंभमक्की बंभोळी टांटिया
तरीया बरें, मिडू निरें, मिरडू बरठ,
बरटा ।

५७६ हड्डा—हड्ड हड्डिका हाडा
हाडी ।

५७७ बलबर—बलबरी बलबारी
बलब बलबात बलबंतु ।

५७८ झूक—ठिमिगळ ।

५७९ नाक—कुंभीर, नक, नाका
नाकि ।

५८० मडिपाल—अवराह अवहार,
कुंभीर, कुंभी कुंभीर, प्राह बरियार, नक,
पकपाह, पंपुप्राह मकर, मकरी मपर,
मबरमच्छ मच्छ ।

५८१ मवर—अवहार, अरुड बलकिराट,
अरुडुंवर, मकर, मयरमच्छ ।

५८२ सूत—सिधुमार, सुस सुरेय
सुसमार, सूंस सूंस सुंस सूतमार,
सुंस सेतुबा सेवार ।

५८३ सकुची—सकुच सकुच मत्स्य ।

५८४ बडली—अंभन अडन अंभयव
कीट पंडक मुसवेन बलबर, बलबरी
बलब बलबीवन अड अंभ विभि

बिनात्मक पुबुरोमा अक्षय, मकर, मनी
मडरी मळी मत्स्य मीळ पाळ
माळर, माही मीन, मुम्प बिदार,
बिदार, बैचारिणी धकळी सकळी
सकुळी सफुली सय सीम्प ।

५८५ रौडू—रोह राहु रोहिव ।

५८६ चित्तका—चितारी चिचक ।

५८७ पहिना—पहिन, पहिना पाठीन ।

५८८ मिरई—बरई ।

५८९ तिणी—सुंधी सिंधी ।

५९० सीपा—चिबडी चिगरा सीपा ।

५९१ बेल्हा—बिल बिल्हा बेल्हा ।

५९२ केकडा—ककं ककंट, ककंटक,
करटक कुकिर, कुलीर, किंका
रिंगटा ।

५९३ मेडक—कोक कनसुतुर, बरुं,
बाहुं, पन्न बेंग मेक मंड मंडूक भेव
भेवा मेवा मंडक, मेवा बर्पाभू घाळ,
घाळुक घालूर, घालूर, घारंन हरि ।

५९४ ऊरविदारक—उर उर, अरविदारक
ऊर ।

५९५ ककुमा—कच्छ कच्छ, कच्छन
कच्छना ककुमा ककट काहू कूर्म व
बरभीबर, संपुस्त ।

५९६ बौक—असप एकेरिय बडपिणी
अससुणी बलाका बलाटनी बलात्पिका
बलुका बळोका बलीरपी बलीका बोक,
ठीका पटालुका बमनी बेवनी रत्तप,
बेपीबेवनी बेवन ।

५९७ कंबुजा—अपर, एकेरिय किचुलक,
भितिय बंडूपर बंडूपरी बेंठा चिकुं,
मरीकता घिली सुककीट ।

५९८ पकी—अंभन आकाचपारी कपोट,

बीष कुक्का खग खचर, खेचर
 मयनचर, गल्लमान बंभुनुठ चटक
 चिडिया चिरई, चिरिया चिरी चिरैया
 बीड़ी बीरी छरंड तिर्यक तिर्यपयोनि
 छिन्न छिवाति मयोका मगीका ममयानी
 ममचर, ममचारी ममचर, ममसंगम
 मीडोमम पंसी पडी पडी पंसीरी
 पसेरू पखी परंम पतग
 पत्रनी पत्ररच पत्री पंसी
 पिस्तन बाधि वि चिकिर, चिप्परि,
 चिह्न चिह्नम चिह्न चिहाया प्योम
 चाटी चकुंड चकुति चकुन चकुनि
 छ चकुन चकुनी चारंग मुपर्ण ।

५९९. पंज—कुंवा पस् छट, डहन
 ईना तनुमह पस पजना पपीटा
 पतन पत्र पर, पप पंज बाडू ।

६ चकुना—पलो छे चसना पडफडाना
 परपराना हुआ में ठीरना ।

६ १ चोंच—चंबु, चंबुका चंबू चांच
 टोंट, हूंग टोर, तुड तुडि तुडी
 चोडि नृपाटिका ।

६ २ चली का पजा—कोय चंबु, चंबुल
 पंजा पेपीकोय ।

६ ३ चंडा—चंड कोय चिगत
 चंडवा चिम्ब केटी पीटा पीठ
 चरक ।

६ ४ चोंसला—बालना कुनाय सउंना
 पीठा पीड़ ।

६ ५. चर्या (चिडिया का)—सर्मर
 पेरा छिन्न पाच पीजा पीज पीनर
 कुबुच शाबक सिंगु ।

६ ६. चरड—अमुनाहृत्य मयगात्र
 सगे सगेचर दरवान, तरन्वी

तार्क्य तार्क्यनापक नागांतक पक्षिराज
 पक्षिसिंह, पत्रगाघन भुजपांतक महाबीर,
 बीनठेय चिप्पुरक शास्त्रमी मुपर्ण
 हरिबाहन ।

६ ७. हंस—कसकंठ कसहंस धवलमदा
 पुकराक मराल मानसास्य मानसीक
 राजहंस सरकाच सारय सितच्छव
 सितपक्ष हंसक हरिण ।

६ ८. हस या बतख की जाति का एक
 पक्षी—कारंड कारंडक चत्रांग खेत
 गट् ।

६ ९. मोर—अजुन अहिमसी कसकंठ
 कषायी कुंडली केकी केटी केहा
 ताऊस नागाघन नीलकंठ पुछार,
 बरहा बखी भुजंगभुज भुजममोरी
 मयूर, मयूर, मेपनाह मेपनावानुघासक
 मेपनादानुभासी मोग्वा बहिय बहीं
 भीसकंठ छतपत्र चिल्ली गिलाबक
 गिधि गिरी चिचिकंठ चिचमुतबाहन
 सर्वमसी सारंग सितापांय हरि ।

६१०. मोरनी—कलापिनी मोरिनी
 मोरी ।

६११. मोरपुच्छ—अलाप केकीविना
 गुच्छ गुच्छक गिच्छिम् बहियुका
 बईम गिच्छि गिला गिलाबक
 गिलाम् गिलिन गुगिला ।

६१२. मोरपुच्छ का चोंड—चोंडवा चोंड
 चंडक चिडिया मचर ।

६१३. कोयल—अनि कसकंठ, कसक
 कलाती वाचनीय चारंडी चामर
 कृष्ण कोदर, कोरिन कोरिना संपने
 ताग्गाघ वगुष्ट परमन वि प्रकृन्,
 मत्त मरनाऊन मपुबादन रकनक

१५८. सोहन सैन बिड़िया—बोंकार, घोहन ।
 १५९. कठकोड़िया—कठकोड़वा कठकोरा
 कठकोरिया बाबाबाट, सतपनक ।
 १६०. पंडुक—कपोती कुमरी परेवा
 पांडु, पारावय पिंडुक पेंडकी फाखता
 फाखा ।
 १६१. पंडुकी—पेंडुकी परेई पेंडुकी ।
 १६२. बाहा—बाहा बाव नीलकंठ ।
 १६३. अड़रिच—कनाटारक कनागीत
 कनाटीर, कककंठ, काककक काककदि,
 कंन कंनबेट, कंनबेख कंनन कंनरीट
 अड़रिच मुकनाइ चर तंडक तातन
 नीलकंठ, मरनामा मुनिपुवक रालनिधि
 चारय ।
 १६४. बाड़ी—बाटी बाठी सपटी
 चरीडी चरडी चरडी ।
 १६५. मुबंवा—ककिंग बुम्पाट, मोवा
 मुवगा मुंन ।
 १६६. महोक—महुक महोक महोका ।
 १६७. कुड मरिड बकी—बमित बनक-
 पख मरकका बबानीक कठकोड़वा
 ककिंग किनहटी कुमरी कुड कौड़िया
 अड़रिच बीट, पलागक मुडक, म्वाकिन
 बंडुक बमाहन चरख बास पिउरोख
 बील बील, बीबा टोना बनेस बूती
 बोकिन बीपी पंडुक पबई, फूलबुही
 बरई बटेर, बमा बुकबुक बेराय चरबुक
 मुबंन मडरवा मडुक, मवा काल
 काबक बाहुंन बमामा मुसा सोहन
 हुपहुप ।
 १६८. फतिया—कीठपतंन पतन पतंठ
 फतिय, भुगपा ।

१६९. बिडडा—बोंकफुट्टा बीलफुट्टा,
 पतंन फतिया पतन ।
 १७०. बसत—बीपपतंन पंबी पतंन
 पतंन पतिया परनामा पंबी पतंन,
 पोका फनमा फतिय फरफुंवा सख ।
 १७१. बुवगु—बागिजा बन्मुयंक,
 बन्पोषि बघोत बुवगु ब्बोठिरिय
 प्बोठिरियन तमोमनि इटिबंन
 निमेपक, पटबिजना प्रबकीट, पद
 पोयनी सोनकिरवा ।
 १७२. मन्की—जमूतोपना मीबा
 पतंगिका पतिका पतंनवा पंन
 मन्की मधिका मबध, मन्की,
 मन्की माधिक मन्की बन्नीमा
 बन्ना ।
 १७३. तिलनी—तिलनी तिलुपी ।
 १७४. मिनकाला—मिनमिन करना मिन
 मिनता ।
 १७५. मधुमन्की—भीर, मडोह, मधु-
 मधिका सहृद की मन्की सरवा ।
 १७६. मन्कर—बपोरा लम्बन बंड
 बीस बंड मन्कर मस मन्क मन्क,
 मवा माकर, ब्यतुंड बनमधिक,
 सुखमधिका सुम्पास्य ।
 १७७. भीरा—बलिय बलि बली
 ईदिविर, काकाबाय बटपन बटपरी
 नंनमावन बंनरी बंनरीक, बिन
 बिरेक पुपाकी पुम्बिट्ट, पुप-किह
 नैबट, मसर, जमर, घमरी भीर, भीर,
 भूंन भूगराज मरन मधुकर, मधुकर
 मधुप मधुपन मधुमारक मधुपन
 मधुकिट मधुकोबुप मधुबामन मधुनिह
 मधुबठ मधुगुलन मन्धिर, रेजुवाय,

बंर सिन्धीमुख पटपट, पटपटी धारंग
मिस्त्र सुकाही ।

अ

१. वनस्पति—वेड़पीमे प्रकृति बनासपती ।

२. वेड़—अधिप अग अगच्छ अगम
अगोऊह, आयम इरुपय उरिमम
उरिमम, कुन कुट छितिउह गाछ
अरुपय छरी ठर अरुउ अरुन पकी
हु, हुन अग पनी पकासी पायप
पकी छेड़ बिरछ बिरवा बिरिछ बिरिछ
बीरो बूट, महीन महीउह, वानस्पत्य
बिठप बिठपी बूछ बूछ उर उरुडा
घाकी घाक शूपी घाक मुखजाक
स्त्रि ।

३. बसा—अच्छ अदकेसी फसहीन
बसि बसा बसा ।

४. बाडा—आक्याक बहुका हलहा ।

५. पीसा—गुप वेड़ लघुबुख
पिड ।

६. म्ताबीर—उरुप मुस्मिनी प्रताप
बल्की बल्की म्ता म्ताबीर, बीरप
बतवि ।

७. म्ता—बैर, बल्की बल्की बेल बीर,
म्तर, म्तिर, कुठी घठति बलि
बेसि ।

८. पाई—उरन म्तरबाय पाईबाय
पाई कुनबाय ।

९. उरुप—आबीडा आरुप उरुपन
उरुपन उरुपन हुनारुप कृत्रिमवन
मुखपन मुकाबबाडी मुस्मिनी जमन
आरुबाय बित्रबिनित्र निष्कुट, पाईबाय
गुणवाटिका पुष्पीमान पुनबाई, कुलबाटी

बगिया बगीचा बगीची बटी बनी
बाय बारी बागीचा बाटिका ।

१०. वनभूमि—वनमु, वनस्वमी वन
भूमि वनस्वमी ।

११. अयक—अटनी अरुप अरुन
आरुन अरुपक अरुन कांठर, कांठर,
काटिका कानन कुबिछबाई कुपय
महल पहवर, वन साइबंड कुपम
वन बाय कुपमपय वन एन वन बनी
बिपिन धानु ।

१२. महावन—अरुपानी महाबी
महारुप महावन ।

१३. मूल—अधि अघिनामक जटा
जड़ जट, पाक मुन मूर, पिपय
छोर, छोड़ ।

१४. तना—उठक बड़ पिड पेड़ी
स्वानु ।

१५. कोटर—कोटर, कोड़र, लोड़र
लोड़र निष्कुट, निष्कुह ।

१६. पाखा—कांठ उठक उठी उठी
उठी उरु उरु उठी साखा स्त्रि ।
इ 'उरुनी' ।

१७. टहनी—उपलाखा टहना उठी
प्रधावा वृंठ ।

१८. काठ—काट, काठ बाक, बाक
लकड़ी संकु स्वानु ।

१९. बरोह—जटा पिपय ।

२०. बस्त्र—बोसक उरुनी छान
छिक्का बीर बोसक छोडा स्त्रि
स्त्रि बाकता बोकता बल्क बाकन
पल्क ।

२१. बसा—बिसलय अ उरुप बल
पनन पती पन पनी पनास

पस्तक पाठ पाठा पाठि पाठी पात्र
पाग पिठपामरथ पिठक ।

२२ नई निकली हुई धरती—कनका
कनका किष्ठक्य किष्ठक्य कौपक गाम
गाया पस्तक पीका ।

२३ पस्तक—किष्ठक्य किष्ठक्य किष्ठक्य
नवपत्र प्रवाल वस ।

२४ अंडुर—अंडुर, अंडुमा अंडुमा
अंडुया अंडि कनका कनका कधी
केडा कोपक पाम पई, डाम नबोद्
मिह प्रपोद् प्रबाह ।

२५ काटा—कटक कंज काट काट,
शूक ।

२६ कौपक—अंडुर, कनका किष्ठक्य
किष्ठक्य कौपक कौक पस्तहा पीका ।

२७ कली—कस्तुटिठ पुष्प कलिका
कुद्मक कोरक, काकक मुकुड
मुकुडिक ।

२८ अंडरी—पुणिक बाल वाली
बीर ।

२९ कूल—ई 'कूल ।

३ मुच्छा—मुच्छ मुच्छक मुच्छक
स्वक ।

३१ छीनी—कली बीड़ी छिनी ।

३२ बीज—बाना बिम बिया बीजा
बीया बीय्य ।

३३ गौर—अपुर, भूद गोल निर्वासि
मग्ना लघ कासा तार ।

३४ कटीला घोर—अपरित कटीरा ।

३५ आर—अभिगीरम अमून अमून-
कन अय अतियिअ आर काम
कल्पक वावपट, कामाअ कोरेष्ट
वेरावावप कोवी अंघरंयु वून वूनक

नूठ पिकप्रिय पिकबंधु, पिकवस्तन
प्रियाम्बु, फळमेष्ठ धूंयामीष्ट, मराह
मदिरासल मग्मबावास मत्कर मुवाकक,
मोवाक्य रसाक वसन्तहु, करेष्ट
दुकप्रिय सहकार, सुपधि सुमरत,
शौरम ।

३६ आम (कळमी)—आम बाअरत,
कामाहू कामेष्ट, कोकिलानंद, कोकिलो-
त्सव टंक मुपवस्तन ममूर, राजपुनक,
राजठठ राजाअ स्वपत्र ।

३७ कंक (एक अक्षर आम)—
छत्रेरा ।

३८ टिकौरा (आम)—अंबिया अंबी
आमी केरी बीरी ।

३९ अमरक—अमरक अमूठ अमूठक
आम-बिही तुवर, पीतकन पुनकनक,
वेकक वेककक प्यारा बिही मवुठकक
आंसक मवुठकक क्ताम बीह, सटरी,
सटरी काल सटरी छत्रेरा ।

४ आमून (छोटी)—अंबु, अंबुक अंबुक
अंबु, अंबु, आम्बव आमून बीककता
महास्कांवा मेचमेरिनी राजकका राजाई,
मुकप्रिया श्यामका ।

४१ आमून (बड़ी)—कोकिलेष्टा अंबुक,
अंबु, आमून मंय फरेडा कर्कर महाअंबु
महानीका महाअवा महाकता बहुमकवा,
मेचमेरिनी बहुकता मुकप्रिया मुक-
प्रिया स्वर्णमाला ।

४२ बीर—अत्रामिया अमयकटक कटीरी,
कर्कपु कर्कपु कुकोला कुबली कुवल
कुह कोकिल कोल कोलि मुकक
पुष्पगणी घोरपांटा बुटा घोटा दुहवीर
निच्छता कटरीघर, केकिल बहर बरत

बाहिर, बासेष्ट बेट, बकफंटक मृगाक-
केति सुफल सुरस घोर, घीवीर,
घीवीरक स्वच्छ ।

४३ महुवा—मुहुप्य डोडाफल तीक्ष्ण-
सार, मधु, मधुद्रुम मधुक मधुल मधुवर,
मधुमूल मधुप्लीस मधुस्रव मधुक मधुल
अम्ल महाद्रुम महुवा माधव रोधनुप्य
बातप्रस्य ।

४४ भावसा—अकण अमृतफल अमृत
फला अमृता आमकक आमककी
आमला भाँरा कर्पफला कायत्या
वापीफल त्रिप्यफला त्रिप्या बाविद्य
पानी पानीफल पचरसा बहुफली रोचनी
वयत्या वृत्तफला चांता चिब चिवा
धीफल धीफली सदाफल ।

४५ आमडा—अंबारतक अंबरीष अम्य
पनीप्य अमडा अमरा अमडा अम्रवा
टिवा आमरा आमला आघात आघ्रा-
तक, कपिचूड कपिचूत कपीतन तनुसीर,
तनुपीरी तुंबी बीतन पीतनक मूनीफल
बर्बटास रसाउप बर्बपाकी ।

४६ इमली—अपम्या अम्ल अम्लिका
अम्लीया आग्नी आम्लिका अम्लीया
इमिनी मुसववा चरित्रा चारित्रा
विचित्रा विचा चुवा त्रिचित्रा त्रिचित्रा
त्रिचित्रिया त्रिचित्री त्रिचित्रीक त्रिनीली
अंतपग पकिात्रा पिठिता भुक्ता
ब्रूयाम्क शाकबुबिया मुबुबिया मुनि
तिरी ।

४७ अकरज—अमरेय अमरे, अमरेव
अमरि अमरिण अरज आराजन
पीतनक मुदर रजाकर, वृणन ।

४८ अनीस—अमिस अमिस बंटकी

अमरे अमरेक अमरी अरवम
अरमरे अराम्बुक अराम्क अराम्कक,
कृष्णपाक कृष्णपाक फल कृष्णफल
शीरफल शीरी गुच्छी जातिपुप्य
डिडिम पाककृष्ण पाकफल पाणिमरे
फलकृष्ण बहुरस बील बनासक
बनासक वरा सुपुप्य सुपम ।

४९ अटहल—अतिबृहत्फल अमुप्य
अपुप्यफल अघम अटकीफल अट
फल अटकाक अटाफल अटहर,
अटक अंपकास, अंपाकोप अंपाक,
पसरा पसरा पसरा पानस वृत्तफल
फलस फलस फलबृहत्क फलस फलिन
महासर्ज मुरबफल मूलफल, मूर्गफल
स्वूल ।

५० अडहल—अम्लक ऐरावत कपयी
कार्म्य शूद्रपनस अंबिनफल अडु अडु
अम्लक तिकुच अडहर, लकच अडुच
तिकुच घाल वृट, स्पृकसंभ ।

५१ अरुत—अजात्री अमुप्यफल अमुमा
अरुबर, अरुबर, वाकसंभ कुटली
अमिकंट अमिकंटक शीरभूय घीरी
अस्पत्रिका जंतुफल पाणिमुप्य पुप्यपुप्य
पुप्यहीना फन्गुनी फन्गुवाटिवा
अरुभूत मलय पत्रफल पत्रयोड
अरुनार, अरुंग पत्रीय यमीद्रुमर,
चरित्रा चीनफल चीनवस्त चीन
वस्तक अरेणवस्त सशाउन मुचरा,
गुजतिठिन वीम्य हेमद्रुप्य हेमद्रुवच
हेमद्रुपी ।

५२ अरुत—अतिबृहत्फला अमरुत अट
वाहय वनीतन बर्बटास मंपरव मंभ
वच गोलीनुकी बीतन विगातरव

त्रिदिव्य बुराह्म नीलमस्तिका पत्र
 श्लेष्म, पीतफल पुतिवास विस्व
 मंगस्य महाकपिल महाफल मामूर,
 कम्पनीफल ललाटु, अस्य शोडिस्य सिध
 हुम शिषफल शिवेष्ट शैलपत्र श्लेष्म
 शैल्युप भीफल शर्यफल शराफल
 समीरसार, शिथानन शिरफल सुनीतिक
 सोमहृष्टकी हृषयं ।

५३ शिरनी—कपीष्ट शीरज्य शीर
 कुमजा शीरिका शीपी शिनी शिरनी
 शीर, गुण्यफल बुद्धस्कंध मिम्बबीज
 गुण्डुम फलाप्यस्य भूपेष्ट, मधुफल
 माचबोधमम राजन्वा राजफल राजा
 इन भीफल ।

५४ शैव—अष्टस्य कइत कइत्य
 कवित्त्व कपित्त्व कपिश्रिय कपिष्ट,
 कपिष्ठ करत्रफलक करभवल्लभ कर
 बल्लभ कवित्त्व काठिन्यफल कुचफल
 कैठ कैव कैवा कैपित्त्व पंचफल प्रवि
 फल प्राहीफल प्राहिफल शिरपाकी
 इतफल इतलठ इवित्त्व इविफल शैव-
 बारहप नीलमस्तिका पुष्पफल मंपस्य
 मग्यस्य मामूर, मस्तिका ।

५५ सिधोडा (श्रीदा)—निधोरा प्रकूर्तु
 शार, प्रसेकु मधुमूतहुम लघुपिच्छक
 लघुर्धनु, लघुपीठ लघुश्लेष्मांतक लघेष्ट
 सिधोडा शिबोडा सिधोष्ट सूक्ष्मफल ।

५६ सिधोडा (बडा)—उज्ज्वल उज्ज्वलक
 कूर्तुशार, कूर्तुशारक बभपुष्य
 द्विजकुरित्त पिच्छक बहुवार, बहु
 वारक भूतहुम भूतपुष्य भूसेल, सिधोडा
 कैलसाटक घाफ्ट, घाफ्ट शीठ शीठ
 फल शैलु, शैलु, श्लेष्मांत श्लेष्मांतक शैलु ।

५७. जपीता—महापरंज महापंचानुज
 स्मृत्परंज ।

५८. शरीरस्य—अग्निमास्य कुम्बबीज
 बंडगात्र बहुबीजक वैशेहीकस्तम भीफल
 शराफल शरीफल शीताफल ।

५९. लघूर—कपायी शरस्कंधा शर्तु
 शर्तुरिका दुष्पभवा निशेभी पित्र
 शर्तुरिका पित्रशर्तुरी फलमुष्या फल-
 मुष्यरिका मधुसभा राजर्धनु, शर्तिहा
 स्वाधुपित्र ह्यमसा हरिश्रिया ।

६ शारियस्य—उज्ज्वल, करकांभा कूर्त-
 शीपंक कूर्तसेपर, कौठिकफल शोपठ
 बटाफल जुग तुलपत्र शोपमर्त बुद्धक
 नाविकेर, नाडीकेष नाकरेर, नाकिेर,
 नाकिेर नीलसह पपीशर, फलकेशर,
 फलमुंड मंस्य महाफल मुंडकक,
 मुक्तुन रसफल जांगली बरफल शिर-
 मिश्रिय शिराफल भीफल शराफल
 सुतुंग सुमंम स्कंधतर स्कंधफल ।

६१ शीबी—तर्षी श्वोबी शिन्वी ।

६२ शालूचा—शकूचा शर्वाकु, शराम
 शोठिया शोठिया शाराम ।

६३ शालसा—शस्वात्स्य शिरिपीलु,
 पन्वत्केशर, नागदलोपम नीलधर्म नील-
 मंडक परापार, परकठ परक्यक पर्या
 फलता मुकुफल ।

६४ शरतुल—कमुक शूठ शूर शूठ,
 नीलरंजक नीलशूठक शूठ शूठ, पना-
 थिका पुन पुप ब्रह्मप्य ब्रह्मकण्ठ, ब्रह्म
 श्लेष्म, ब्रह्मशार महसार, मुकुशार, पुष्य
 थिरकाष्ठ, शरतुल सुपुष्य सुस्य
 हाशार ।

६५. शरकर—शररोही शमंज शीपी

बटास बटिक बटी बटु बंभी बीस
 म्बडोम पटीर, पाबरोहण बट बर
 बर, बरमण बहुवाह, भांडारी भांडीर,
 मूंगी मंडकी महच्छाय महाच्छाय
 मछलद मक्षाबास यमप्रिय रक्त
 फणा रोहिण बट कनस्पति बरयद
 विटवी कुलनाय कुह्याय, वैद्यबभोदय
 विफाबह, मूंगी स्कमच्छ ।

६९. पीपल—अभ्युनाबास अदबल्य कपी
 एन कुंजपासन केसवाल्य शीरकुम
 पत्रमछल मजावन मुह्यपुण्य अकदक
 अठपत्र बैरयद्रु, बैर्यकुस ताबास
 बेवात्मा धनुकुस धनुर्बल नागबंपु पवि-
 त्रक प्कत्र पिप्पल पीपर बोधिद्रुम
 मंत्रस्या महाद्रुम मांगस्य यात्रिक बास
 बैव बामुदेव विप्र गुचिद्रुम गुमद
 स्यामस भीमान् सय सैय्य ।

७० पाकड़—अरबत्वी कंदराक, कपीठन
 कर्मठकुनर कपीठी बीरी मरंभांड बास-
 दधिनी बटा बृहस्परोह पबड़ी पकटी
 पकटी पाकड़ी पाकर, पालर,
 विरपी पिठजन प्कला प्कबंय प्कबक
 प्कीया महाबला बटी बरोहपापी मूंगी
 मुरासर्ष ।

७१ अजोह—अंपनाप्रिय अयनाक
 अजोह अघोर कनेलि कजपूर,
 कर्मपूरक बांताबरगसोहव बैरिल
 अचमुच्छ विप्र ताप्याम्भब द्रुम दोन
 हापी रोहनी रोहनीच नट पस्सद्रु,
 बम्बरद्रुम पिठपुण्य विधी पुण्य बजुच
 बंजुलद्रुम मधुपुण्य रत्नपम्भब राय
 बम्भब राव रामा रोमिनब बाजाधि-
 पावन विविज विनीज बैरिक घोह

मावाक सोकहर्ता मुमय स्मराधिबास
 हेमपुण्य हेमपुण्यक ।

६९. ताड़—बासबद्रु, मुच्छपत्र विरामु,
 तरकुस तरराज तालद्रुम तुनराज
 शीर्षपत्र शीर्षपावप शीर्षस्त्रंभ अजद्रुम
 पत्री मवाकप मबुरस महोपत्र सेक्य
 पत्र ।

७० नीम—अरिष्ट कीटक कीरेष्ट,
 कीटय अर्धन निब निबन नियमन
 निर्यास नीम्ब नीम्बन नीब नेठा
 पत्रकृत्त पारिमत्रक पिबुमद पिबुमर्ष
 पीतसार पीतसारक पुकमारक मारक
 रविप्रिय राजमत्रक बरबच विबंभ
 विधीर्षपर्ष धीठ धीपपर्षी शुक्रप्रिय
 सवतोमत्र मुमत्र हिंगुनिर्यास ।

७१ बब—बपाय घोर, पट बृहत्तब
 पबक भावा बुरपर, घो धी नन्विठक
 पांडुठक पांडूर, पिघाचबुरा पीठप्ल
 मधुरत्वक, गकटावय मुप्लबुस मुप्लीग
 स्थिर ।

७२ पलास—बरक कांकरिया बाण्टद्रु,
 क्रिमुक हृमिप्य केमू, धारधेष्ट रेमू
 डाक विपत्रक पारा पर्ष पलास
 बलापक पुनद्रु बाठपीप बीजस्नेह
 ब्रह्मबुस ब्रह्मीनेठा यात्रिक रक्तपुण्यक
 बत्रपुण्यक समरिद्र, मुपर्षी ।

७३ बबूल—कटकी कंटानु, बघांतक
 बपायक किरिचान कीकर, योग्य
 तीरगवंटक बृहार्द्र पीनक पीनपुण्य
 बबुर बम्भुर बम्भुल माकाकल मुमवंट,
 मृदमरब र्वर्षपुण ।

७४ करील—उपामुदर बटुरक कटि
 करीट, इयापात कचच बबर, मृद

एत इतिह लीलावत्तु टीतवमरु,
 निन्दत निन्दविहा, मरुदुगु, मुमुदल
 विद्युदिक विवकतव मरुदुव पाकदुव
 मुदत।

७५. घञ-इतिहल्लय अहहहह
 अहहहम अहहहर्मह अहहहमिक
 अहह अम काली अहह कुनिह
 अहह अहहह अहहहमर, अह-
 हहह अहहहमर विहमर हीहम
 हीहह अह अहहहह अहहहर्म
 अहहह अहहह अहह अह अहह,
 अहहह अहहह अहहहमर, अहहहह
 अह अहहह अह अहह अहहह अह
 अह अहहहह अह अह अह विहह
 मुदत।

७६. टीपक-अहह अहहहहह
 अहह अहहहह अहहह, अहहह
 अहहह अहह अहहहहह विहह
 अहह अहह अहहहह अहहहह
 अहहहह अहह अहह अहह।

७७. विह-अहह अहह अहह
 अहह, अहह अहह अहह अहह
 अह अहह अहह अहह अहह
 अहह अहह अहह अहह अहह
 अहह अहह अहह अहह अहह
 अहह अहह अहह अहह अहह
 अहह अहह अहह अहह अहह

७८. टादी-अहह अहह अहहह
 अहहहह अहहह अहह अहह
 अहहहह अहह अहहहह अहह
 अहहहह अह अहह अहह अहह
 अहहहह अहह अहहहह अहह
 अहह अहहहह अहह अहहहह

अहहह अहहहह अहहहह अहह
 अहह, अहह अहह, अहह, अहह,
 अहह अहह अहह अहह।

७९. ठमाक-अहहह अहहह अह
 अहह अहह अहह अहह अहह
 अहहह अहहह अहहह अहह-
 अहह।

८०. डीक-अहह अहह, अहह, अहह,
 अहह अहह अहह अहह अहह
 अहहहह अहहह अहह अहह
 अहहह, अहहह, अहहह अहह
 अहहह अहह अहहह अहहहह, अह
 अह अहह, अहह अहह अहह
 अहहह, अह अहह अह अहहह अह
 अह अहह, अहह अहह अहह।

८१. डेर (विह)-अहह अहह अहह,
 अहह अहह अहह अहह अह
 अहह अहहहह अहहह अहहह
 अहह अहह अहह अहह अहह।

८२. डीक (विह)-अहह अहह
 अहह अहहह अहह अहह, अह
 अहह अहह अहह अहह अहहह,
 अहह अहह अहह अहह, अहह,
 अह अहह अहहह।

८३. अहह-अहह, अहह अहह।

८४. अहह-अहह अहह अहह
 अहह अहह अह अहह अहह
 अह अहह अहह अहह अहह
 अहह अहह अहह अहह अहह
 अहहह, अहह अहह अहह
 अहह।

८५. टीक-अहह, अहह अहह
 अहह अहह अहह अहह अहह

मुच्छ्रित पीठफेन प्रकीर्य फनिस
बाँप्य रिठ्ठी पीठड़ा घाम
बकन।

८१. धरुन—कठुम किरीट काह
कीह, धनंजय धन्वी पाँहव पार्य
धाम्पुन बीर, बीरवृत्त।

८२. देवदाह—धारपीन देवदाह, देवदाह।

८८. बीड़—मनोहर।

८९. सुरदान—बनानी बजाह्वा
दधानी मधुपणिका वृषकर्णी सोम-
बन्धी।

९. विजयसार—असज अमना आमना
बीहक पीठघार, पीठघाल पीठघालक
मिपट बंधुधनुय महाघन बीहक बीह
वृष मीरि।

११. बरहिमा शेर (पेड़)—कहर,
डिबमिब नमिबुल पपरिया शेर, बह्य
घस्य, महावृष ध्याममार, रचठसार,
मरुदशैर सोमवृत्त सोममार।

१२. बेंन—अम्युपक कसन मधुपुपक
ठोपाम बीपेनक मय निबुम नीर
मिप बनुन बठ बठम बगमी सगा
बंनरी बर।

१३. बगमाह—साह, साबुह बगमाह
बणे।

१४. छनिवन—उपपीठ मधुपणिया
मन्नी।

१५. बेंडोल—बेंडोट, बेंडोट, बेंडोल
बेंडोल बेंडोना बेंग।

१६. बजरकट्ट—बजरकट्ट, बजरकट्टा
कट्ट।

१७. बेंडूँ—बाँररोहर बाँरगाण बृष्य
बाँर बृष बृषा बृषी बृषा बृहर,

बं-बृषक नागदु, नेवारि, निमिठपत्रिका
बहुधुगिका बहुघाम महावृष बय
बयकंटक बयदु, बया धाम्नाकठ
धीहृडा समंतदुग्वा मुपा स्नुपा स्नुहा
स्नुही।

९८. नापकमी—नककमी नगकमी नाप
कमी नापकमी।

९९. गुम—कुंमा लार, मुम्मा गुमा
पंयकी जटाभारी शाह शीमपुपी।

१०. मवार—अकवन अकाव अकीवा
अकीवा अक अकंपर्य अकाह्वा अरमा
अहर्षि अहमभि अहर्षाभव आक
आस्फोट आस्फोट, उप्परमि एरुवन
शीरकांडक शीरखल शीरपनी शीर्यप
शीरी शरुंधन मधरुप घहृपति अमक
सूतकल दिबाकर, पुष्पी प्रताप प्रमाकर,
मास्कर, मदार, मँशार, बभुक विकर्तन
विकोरन विभाकर, विवन्वान पीठ
पुपक धुककल मदापुप्य मनु सूर्य
सूर्याह् हरिबदक हिमराठी।

१०१. सरकंडा—गुह, ठैजनक सर सरई,
मरठोवा मिन्की मर।

१ २ साक्षी—गाळ।

१ ३ शून—गुन घम।

१ ४ सोप—(पेड़) सोप सोप।

१ ५ सोनाराड—(बड़ा पेड़) सोन
पाटा सोनाराड।

१०६. श्रीवस्ती—अमला बंटवन्नी कट्ट
पका दुगारोह टिबन्नी श्रीवन्नी।

१ ७. मेवड़ी—(पेड़) मेवाड़ी मेवठी
देवनिपुषार, मंयाम्।

१ ८. शैल वा पेड़—जय जयन्ती उदा।

१ ९. लहई—ब-बनुनी बगवा बुनी

गंभूला गजमला गामबभू, महारणा
महाच्छा महेरणा महेस्ना महेस्ना
मोषा बसा घल्लकी घल्लई, सुरमी
सुरमीरसा सुबहा सुभीका ह्लाभिनी।

११ तवर—कालानुसारि, कुञ्चिन
कुटिक विह्व तनङ्ग तमरक बीन बीपन
मठ मङ्गवाक्य पारिक महोरप कभुप
बक, पित्तघ्न घठ।

१११ तुलसी—वपेतराससी बमृता
कठिञ्जर, कुठेरक कुम्भबस्त्रमा पंभ-
हारिणी घाम्या वीरी तीत्रा तुलसी
विहंसमंत्ररी पर्वत पवित्रा पावनी
पुण्या प्रेतपालनी भूतघ्नी भूतपत्री
मंत्ररी माववी माकाघेष्ठा कस्मी
विष्णुकांठा विष्णुपत्नी बुन्वा वीष्यवी
स्वाना श्री सुगवा सुमना सुरकुन्तुमी
सुरमि सुरबल्लरी सुरबल्लवी सुरेष्वा
सुलमा सुबहा हरिमिया।

११२ तुलसी (काकी)—करालक काकी
तुलसी कुम्भतुलसी कुम्भपर्षी कुम्भा
स्यामतुलसी।

११३ बाह्युर्वी—कटकटेरी कपीतक,
कल्पिक कामवती कामिनी काष्ठ-
रजनी बाबनिष्ठा बाह्युर्विष्ठा बावी
निश्चिष्टा पञ्चम्या पर्वनी पर्वन्वा
पीठचंदन पीतलक पीतबाध पीतभुम
पीठा पीठिका मर्मरी हृदि, हेमकान्ति
हैमवती।

११४ ब्रू—अनंता अनुबल्लिका अमरा
अमरी अमृता कच्छच्छा कच्छांतच्छा
कांठा बंडबुवा भुम नीरी, विवा बवा
तिस्तपर्वा, दुर्गरा ब्रूवां ब्रूवां नंदा
प्रबंधा कार्यवी भूतईवी महार,

महोपधि बहा बामिनी विद्या सुकुवाडी,
सतप्रबिका सतप्रबिका सतमूला सत-
बस्त्री सप्त सांता सांभवी सात्रक,
शिवा शिनेष्ट, शीतळा शीला बुवा,
स्यामकांठा सहस्रवीर्णा सुरबल्लना
सूचिपवा स्वच्छा हरसाधिका हरिया
हरिताधिका हरिताडी।

११५ ब्रिय्या—(एक वास) ब्रियिन-
घन करेम्।

११६ ब्रुमा—कुनुप कुरव कुब रवं
पवित्र बहि, मत्तभुपव यात्रिक मूचर
ह्रस्वगर्म।

११७ ब्रुवी—(एक वास) कच्छट,
शीरी प्राहिणी ठाबमूष्ठा मध्वना।

११८ लकडिकनी—उदपंपा उठा धरक,
क्षयकठ घापहुकरा किल्ली,
डिकिका टीका धिबनागुट।

११९ लक—करव कूटन कनुट, क-
कारक बरनाच बरी मत्तक
डीपिनल लक्षाय व्याघ्रायुव व्याघ्रक,
व्याघ्रायुव।

१२ लकी—कोकरक बूर, लकी
गावहुनु, पञ्चविकासिनी पाधिर
बवरीवच संल संलनल सुनि ह
विद्यासिनी हनु।

१२१ लकी—वैवनाल बमन मट, लकी
मर्लक लक लकीतम महलक,
कय विनीवच सुरभुम सुराक लु-
नाक लुकरव।

१२२ लपकेसर—इषाक्य कककाह्वर,
केसर, केसर, केसरी ब्रियि पुंर,
वैवबल्लम मावकिलक, लपकेसर,
लामीय लपकेसर, विवर, पुत्रापकेसर

पुत्र पुत्रारिषत अघिकेवार्, पत्रक
पत्रगुण पत्रम ।

१२१ नागरमोषा—अण अर्णोद
उन्मटा कंषट, कशीत्या कच्छरहा
कच्छोला कशागिन कशा कुदकिन्व
कोश्या गागेय गुरुत्या गुडा घवि
कशीत्या चादकेतरा चूदाना
नागरमुष्ठा नागरोत्य नागरोत्या
कारवी गिहमुष्ठा कस्या भद्र
काशी अद्रमुत्त मद्रमुत्तक मोषा
कारि कुपभायी गिमिग्य भीमडा
मुदपिप्रबिता हिमा ।

१२४ बीज—अम्बीका काला काली
कुलला कूलन कपीतकिवा गंपपुष्ठा
चारटिवा मुष्ठा मूली कूली काला
बीजिनी बीजी घडा भाग्वाही मेघ
कपी, मोषा रजानी रंजनी बिजया
कुलिवा व्यजतनेयी लीपिनी दयामा
बीजिनी गिहररणा गिहरगणा ।

१२५ शिवक—अपुर्णा, अटवद्रम अट
वापी अटवात् अरला अकट्टी
कुपुनी बिजवीरी मुलनी मूलवृत्त
अन्वणा दीर्घदुप बीजानु दुगटोह
निर्दपुनी निमाग विच्छि विच्छित्त-
वाप कुल्लन पुच्छला पुष्ठी अरवीर्ष
कोषनिपिन कोषकवा कोषगात्र कोष
काप कापी, कोषात्र कोषात्र अत्र
अत्र अत्रानुत्र अत्रानुत्र अत्रानुत्र
केशात्र लालात्र लालात्रि लालय
दिटी लालात्री लीदुल केश
अत्रवत्र ।

१२६ अत्रक—अत्रिकाली अत्रिकला
अत्रिकी अत्रा अत्रात्री अत्र अत्रा

छादन तुंदकेटी तुला तुल पटप
पटमन विबु विबुम विबुमम
बाही मद्रमबा अदरा अदरी बाहर
ममुष्ठा ।

१२७ अट—अटा अटवा पाट ।

१२८ पाट—पूट, पटमन अटवा अटवा
पट ।

१२९ लन—अनुमनिया घघ मर्द
निपी ।

१३० अंरुन—अकांग गंवरत्र गंवर
गोपीय घाम्य अंरुकांग अंरुनि
अग्रन निरुगर्ग तीलागिक अटरी पावन
पीनमार अंरुभी अंरुमार अंरुअथ
भोयिअम्मत्र गंगस्य मलयत्र मलयत्
अत्र अटपं महाहं रीहिम अर्नव पीन
अंय बीनम अंगंरु मर्यावाग अरुं
गिगहिम मुगत्र मय्य ।

१३१ अंरुन बीला—आलमार आलानु
गार्हव कालीय कालीयक कालय पीन
मय पीनक पीनवाप्य पीनअंरुन
बीनाम पीलाअंरुन माधवत्रिय अर्नव
हृगिअन हृगिअिय ।

१३२ अंरुन आल—अुअंरुन अुमीरा
आअअन आअमार आअत्र निरुगर्ग
अन अत्रात्र अत्रात्रात्र आअत्रिय
अत्र अत्रात्रात्र अत्रात्रात्र आअअन ।

१३३ अहीअट्टी—अरुविअर्द अरुविरीका
अनीअट्ट ।

१३४ अरुअट्ट—अरुअत्र अरुअत्र
अरुअट्ट अरुअट्ट अरु अरुअट्ट अरुअट्ट
अरु अरुअट्ट अरुअट्ट अरुअट्ट अरुअट्ट ।

१३५ अरुअट्ट—अरुअट्ट अरुअट्ट
अरुअट्ट अरुअट्ट अरुअट्ट अरुअट्ट

विद्यतिष्ठत सिक्तक भूमिम्ब रामसेमक
हैम।

१३६. शोषशीनी—अमृदोपहिता शीप-
शीनी शोषशीनी द्वीपांतरवशा।

१३७. छटीला—अकानुसार्य गिरिपुण्यक
पृष्ठ पीर्य पक्वित भूरिच्छरीला बृद्ध
सिक्कासन सिन्धेय शीतल शीतक्षिन्न
शीत शीतक शीतक शीलास्य स्वदिर।

१३८. मंजपुत्री—मंजपुत्री अकंपुष्पी
क्षीरिणी श्विमाट, सुपत्रपर्व पयस्वा
बकसस्या शीतला शीता शिवपथी।

१३९. अकरकरा—अकरकका अकलक
आकरकरा आकनकक आकारकरम।

१४ अपर—अगद, अमिकांड अनायक
असार, किमिन्न कृष्ण पातका प्रबट,
भुंनन मोगन पत्रार्ह लोह बंधिक
अर्धप्रसार।

१४१ सनाय—अस्यापी मलहारिणी
रेवनी शीतामुक्षी स्वर्णपत्रिका
हैमपथी।

१४२ सरशोका—अंठुळा अंठाल,
शरपुष्पा शरशोका।

१४३ सहदेवी—अंबवस्ती देवतहा पीत
पुष्पी प्रसावनी मंजकार्य महायंबा
महावला मृगरसा मृपा अर्धपुष्पा अर्ध
पुष्पी बाटप बाटपायनी बृहद्गला सह
देवा सहदेवी।

१४४ अत्रमोरा—अत्रमोरा कारवी
अपस्वा शीष्यक ब्रह्मपुशा ब्रह्मकोटी
अमूर, अर्कट, मोरा मोक्षिनी लोचनस्य
अलमोरा विगत्या।

१४५ अतीत—अतिविद्य अतिविद्या
अदय पुत्रवन्धना अंबुत भुंगी

मात्री मृद्वी विरुपा विरुवा विरुवना
विपा सिधुमैवज्य मृद्वी मृपीक
प्लेतवशा।

१४६ अमत्तमूल—अनंतमूल अर्बटा,
अस्कोटा कटाभा पीपी पीपवस्ती,
नामविष्णु प्रतानिका अत्रकली अत्र,
सारिका शारवा समामा मुबंवा।

१४७. इंद्रात्मन—अमृता अरुण इनाअ,
इनाअकक इंद्राभिर्मिद्य इंद्रवस्ती,
इंद्रवाविका ऐंरी कपिआमी सुत्र
सहा अत्रभिर्मिद्य यवासी यवासी
विशफला विद्या शारवा पिटकोटी,
पीतपुष्पा अत्र माता मृवास्ती मुबेवी,
विपलता मृपनामी सुकविका सुष्वा
हैमपुष्पी।

१४८. अमलतास्त—अमरतास्त अत्र,
आमहा आरम्ब अरबट आरोर्य-
शिबी अमलतास्त अंशुष्ण कुष्टमूल,
हृत्माक अत्रबहुला अत्रपरिष्वाव
अत्रमूल अत्रांतक शीर्षकक अत्रमाक
अत्रेह, अंजान महाकनिकार, राजभुव
रोचन व्याविद्यत अम्यक अत्रकनिक,
अम्यक स्वर्णपुष्प स्वयंन हिमपुष्प।

१४९. अरुस—अटस्य अरुस अरुस,
अरुस अरुसा अटस्य आरुस
अंठीरवी अरुनोत्पाटन नासा अंबुली
मत्सुसिही मुबेन्नापी रसारवी अत्र
अरुस आत्रिंतक आत्रिंती आनी,
आभा आत्रिक्य आरुस आठा आत्रि
विर्सीटा अत्र अंजमाता अंजसिही, अत्र-
अर्धी मिहानी सिहानी सिहानी
सिहालन सिहास्य सिहिप, सिही।

१५ अतर्भव—अचरीदा अरवंधा

आरापेटक, आरापेटहा आरापेटहक,
 आरापेटिका कंबुका कंबुकाष्ठा
 कंबुका, काभा, कामरुपिनी कुट्ट
 कर्पिनी, कंबपत्री किरता कुरंपयंभा
 कुरंग, कुरंगी पलायपर्णी भिनकरी
 पोवण, पुष्पा बलया बकरा
 बल्य, बाबिनी, बाबोकरी आराहपत्री
 रत्तानी, बनबा, बरपाकरी बाबियंभा
 बाबिन, बाउणी बापहकर्मो रनामता
 हणबा, हना हन्मिण ।

१५१ आकाश बीर—आकाशबीर, अमर
 बेक, आकाश बेक आकाश बीर, दुस्तरा ।

१५२ ईरबी—ईरयव कतिण कर्पलि-
 रक कुन्ड मयय मय बसक,
 उन्दीव ।

१५३ इक्षयोत—इक्षयोत इक्षयोत
 ईरयोत ईरयोत रतउपबीर,
 सिम्बनीर ।

१५४ कंठा—कंठकिनी कंठ
 कंठका, कंठकिना कुवेरानी यटाए
 कतिपी ।

१५५ कर्पूर—कर्पूर, कल्पक,
 कर्त्त कर्पुमक, कंजसाट, अयान
 कर्पिक, कुन्ड ली ।

१५६ कनकोडा—कनकोडा कर्दस्त्रीय
 कनकोडा, कटिका, किरतनी किनुडा ।

१५७ कपूर—कंदु, कौपवीय कपूर,
 कर्तुं पीर ली, पनसाट, बंरबल
 बरबल, आकाशपूर, लस्साट, निगा
 कदि, किनु किकर विना योत्रमनुष
 योत्रमनुष योत्राण सिताब मितामक
 कोमनर रकटिकाय हनु हिमवानुका
 हिमनु हिमोक ।

१५८ १३ कर्तु के कपूर—अन्धकार,
 अतिका तुपार, पकिरास्य पांगु पिब
 पोलास भीमसेन शंकरबास योत्रक
 सितकर, हिम हिमवानुका ।

१५९ कपूर कचरी—कर्बूर, कल्प-
 हरिया कंबपलाजी कंबकपु, कंबमूली
 यंभा कंबारक, कंबीली कंबीली
 कंबमूलिछा सुधी कूर्वा पमासिका
 पलाजी पुष्पलायिकर घठिकर बरबंभा
 सदी समुदा सुपासासदी कुबता सीम्य
 हिमोडुमबा ।

१६० कबीला—कबीरा कर्कंड
 कम्पिलक कम्पिलक, कम्पिलक थंर
 पिरास बहुपुष्प रंजक, रकतांग रक्त
 फल, रेबनी रेबी राचना कपुपक,
 कोहिंयाय ।

१६१ कर्ज—अंगारवस्ती उन्नीय
 कर्जक, कर्ज कर्भाडिक, कलिदारक,
 कलिमार, कलिमारक, कावणी कर्ज
 मुळपक, पुतपर्मक किरविल्य लपस्वी
 कर्जामाल पुठिक, पुठिकर्ज पुठिप
 पुठिपर्म प्रकीर्ण बउफल रकजाम
 दिबारी पुतपर्म पापप्य, बरबंय
 सिम्बनम ।

१६२ करियाटी—अग्निविद्या अग्नि-
 कुवा अंतडा इरुपुपिरा इरुपुपिरा
 कतिकाटी कतिजाटी कतिहारी
 पर्मपातिनी गर्मनुन् पर्मपातिनी
 दीला कका पुपुपीरबा बपहुत
 लायतिकी कापुनी बहिबना बहि
 तिभा विदुग्गामा विदुग्गामा धानुपी
 र्वर्मनुला हतिनी हती ।

१६३ काकोली—काकरिबना योप

पीर पमस्या पमस्विनी मधुर
 पमस्या पायसीभिका पीर घीरपाकी
 गुन्ना स्वादुमासी ।

१६४ कायकर—कटफल काफल
 कायफल कुमुदिका कुमुदी कुम्भि
 पाकी कुम्भी कैंठर्य कैंठर्य कैंठर्य
 लकफल नारायु, पुष्य पद्मारंजनक
 रोहिणी कबुकारमर्य भीपणी भीपनिका
 भीमवृक्ष भीमवृक्ष ।

१६५ कालीजीरी—अरण्याजीर, कल
 कालजीर, शुद्धपत्र बृहस्पती ।

१६६ कुडकी—अंजनी बरिप्या कंठवर
 कठवी कटु, कटुका कटुपेहिनी
 कुप्ता कुप्तामेवा काडीरहा कुप्तामेवी
 कुप्तामेवा कुप्ता केदारकटुका कम्पनी
 विनायी बलती तिक्ता द्विजाती हि
 यापी मकुमाताहिनी मत्स्यविता मक-
 मेहिनी महीपनी मकुमाहिनी मत्स्यवी ।

१६७ कुरीवा—ईशु, कटुक कारिका
 काही कुटक कुटव कुटव कोरिया
 काही कुटक कुटव कुटव कोरिया कीट
 कीटका गिरिवस्तिका पाकुट, प्राणुपत्र
 प्राणुपत्र महाशय पक्कल रत्नामाराक
 बलाक वरठिका वृषाक संपाही शक ।

१६८ कुलीबध—कुलंज कुलंजत कुली
 बध गंधमूल तीरकमूल ।

१६९ केककानिगी—ककंटगुटी ककंटो
 कुम्बिणी केकरासिणी पीषा बंधारण्य
 बंधानी बंधा नगानी महापीषा बंधा
 विनायिका विनायी गूनी ।

१७० केतकी—दरकमिना बंठवराता
 बंधा बंधा बंधु बंधु
 तीरगुणा रत्नगुणा तीरपना वृत्ति-

पुष्पा मेध्या विपला विवक्षित्या घनी-
 पत्र स्थिरपंथा ।

१७१ कौवाठीठी—काकटुंठी काकनाठ,
 काकादी कौवाठीठी बायसी घिरो-
 बाला सुरेणी ।

१७२ क्षीरकाकोली—अष्टमी घीर
 मधुर क्षीरवस्त्री क्षीरविपायिका
 क्षीरसुक्ता पीपवस्त्री पीपसुक्ता
 पमस्या पमस्विनी महापीर ।

१७३ कल—अमय अमनाक अमनाक
 अमनाह ईश इष्टकापत्र उशीर, उशीर,
 कम्पु, कटायन नाशिरमूल जलनाथ
 जलाशय मकर कपुमर कायकरक,
 बीर, बीरजमूल बीरमर सिधिर,
 समगंधिक गुर्धचिद्रुक ।

१७४ संघबिरोधा—बीरह्वय बंध-
 बिरोधा पुठह्वय विनायक तिक्ता
 भूपाक पचरसेन पावठ पकाठ नाठ
 रक्तसीर्यक रसावेष्ट रसाह बिरोधा
 बृकपुष बृकपुषक वेष्टसाठ, बीरवेष्ट,
 बीरस पीषाठ पीवेष्ट, सरलशय सरल-
 साय ।

१७५ पचपुरणा—अजपुरणा पचपुरणा
 नीलपुनर्नवा नीला नीलिनी नीलो-
 चाट विनायपरा चाट ।

१७६ पाकुडी—अबजुणी कुला, तर
 पची मोमिया मोमिहा मोमी रवी,
 बाविपायिका ।

१७७ पुण्ड्र—अरीय अमृतक अ
 कालनिपात कुटी कुंभ कुंभी कुंभी
 कुंभीमूलक कीटिक पुण्ड्र
 पूतल अटामु अटाल दिव्य कुं
 ठैकपुष देवेष्ट, पूर्त निपायक पचमिष्ट,

वस्तुविष्टपुट, पत्तकप पुट, पुट, मवा
 यौष्ठ मूहहृत्, भैसायुक्त मवविष्ट महि
 वात्त रतोहा स्वर्गवक वामुष्ण क्षमिष
 निव स्वर्गसह ।

१०८. मुह्व—अमृतवल्ली अमृता
 वडाया कुंडलिनो कुंडली मुह्वी
 मुह्वी पुर्व अरुसयन अरुसयनिका
 अरुसा अरुगी छदिका छिमरुहा
 छिया जीवन्तिका प्वरारि, छदिका
 वंशी वैवन्तिका श्रीर नागकुवारिका
 निर्वेरा पित्तली विपकप्रिया मनुपर्षी
 रसायनी बल्लादनी वयस्वा वर
 वाउरुकारि, विराय्या स्यामा सोमवल्ली-

१०९. मोरसमुंडी—अलेखुया अक्षया
 वरवपुत्रिका बोडबुडा मोरसमुंडी
 विप्रप्राविह क्षमस्विनी पत्तकपा बोडा
 मुरदीम्बका महाबुडी मुडी मुह्वी
 मोवनी मोतनी विकषा बुडा ।

१० मोतुह—इधुगवा इधुगविका
 इमुर, कंठकन शुर, धुरांग मोकटव
 मोमुर, मोमुरव मोमुरि, विर
 विरद, विरुट पत्तकपा मरुपकंठ,
 वरुडंठ, वनगुपाट ध्यातरुट्ट रवईण
 एरुगुपाट, स्वाडुडंठ ।

१०१ मोमुरिका—इधामुमिका मोवया
 एरुगुवा ।

१०२ मोटीवक—वावनी दय्या
 मोनिग मोरित्तमवका मोटीवका
 मोटीवक मोनी मोटी वनीय
 मोटी विना मोना मुविदिमिपी
 वरुग मोव्या वनोरका मोधा रामा
 रविग वरुनी वरु गिरा मका
 मोवना मोवा एवावा ।

१०३ मोटीवक—मजरा मवला अफला
 मजरा, कंठकीनी कपिला कुवारपाठा
 मवारपाठ मोकुवार, मोकुमाटी
 मोकुवार, मुठकुमाटी कुकुवार तरपी
 मंडला माता मुहु, रसायनी रामा
 मोर सहा सुरमा स्पसकहा ।

१०४ पठानीलीव—अक्षिभेपत्र कमुक
 भीर्मपत्र बीमबुध्न पट्टिका पट्टिकातोष
 पट्टी पठानीलीव छाकाप्रघादन घावर,
 स्वुमवल्कल ।

१०५ पयकाठ—कैदारज कैदार, वाव
 पयव पयकाठ, पयमधि पयवुस
 पयाक पयाय पीठ पीठक पीठरकठ
 मासेय पीठक मुम मुपम ।

१०६ पित्तपापडा—अरक मट्टपत्र
 कलांग ववचनामक इल्पपाठ अरक
 तिक्त तुप्पादि, विपट्टि, ववनपापडा
 मव पपट, पर्वठक पांगु पांगुपय्यादि
 पित्तपापडा पित्तादि, प्रमय रक्ततुल्यव
 रैपु अरक, वरतिक्त वरुमकठक छाग
 पीठ पीनप्रिय पीठवल्कल मुठिकन ।

१०७ पीपराभूत—वटुमुक्त वजमुम
 मोतमुक्त वविह वटवापिर वटिका
 पयाय विपराभूत लिपसीमुग मागप ।

१०८ पीवक—उपगुल्या उल्ल वम
 वटी वटुबीजा इल्प मोरपी मोना
 ववला वरना विक्कण्डका विवनी
 पीरर पीररि मापपी पीठी ।

१०९ पुवीना—अजीर्णहृत् पीनीना
 रविह अजिहृपी अरुव एरुजोमन
 मुपियव ।

११ पुष्करभूत—वावनी पट्टरुमं
 पट्टरुमं पट्टुगट पुष्कर पुष्कर उदा

- बीजवी वैशुङ्गवज सुमा सुधा स्वेता ।
 २१९. जमलमोटा—कुम्पिनीबीज बंट-
 बीज बकरीटी बीज जमलमोटा जयपाळ
 तिलिङ्गीफळ इटीबीज मल्लानी रेशक
 बीजरेवक शोबनीबीज सारक ।
 २२ जायफळ—कोस कोप कोवक
 बाठि जातीकोस बाठिघस्य बाठिघार,
 जाती जातीकोय जातीफळ जायफळ,
 पुट, फळजाती मज्जघार, मर-सीड
 माळतीफळ राबमोम्य सासूक
 सुमनफळ ।
 २२१ बाबित्री—बाठिकोपा बाठिकोपी
 बाठिपवी पथिका माळती सुमनपथिका
 सीमनसायिनी ।
 २२२ बीरा सकेर—जजाबी कपजीरक
 कपह्वा कपा जाबी बीरक बीर
 बीरसुफेर, शीर्षक श्वेतजीरक
 सितजीरक ।
 २२३ बीर स्याह—उरुपार, काळजीरक
 काळमेपी काळमीर बीरक कुम्पजाबी
 कुम्प जरिक जरथ बीर मीरकरथ
 मीका पटु, भेदिनी सध्या सुबंवा स्याह
 बीर ह्य ।
 २२४ कस्तक—उपज वैवावार, फलत
 फसिक फसक ।
 २२५. जम—जनाज जनाघ जमूत
 जाघ जन्ना जीजनपन बीज
 सावन शाना शान्य नाज पय बीज
 बीहि, मोमाई, भोम्य कबेटिका बरेनुक,
 बीज्य घस्य घाळी सस्य स्तम्भकार,
 स्तम्भकारि ।
 २२६. जरीक—जवहनी जरीप बरताठी
 शाबनी ।

२२७. रबी—बैती बडहन रबी साझी
 हाडी ।
 २२८. रोहें—अपुप बक्य बीरी बंजुम
 गोपुम रोहें बाळवी निस्तुप निस्तु-
 पधीर, बहुपुष्य श्लेष्मोजन रसाक
 यकन यवनप्रिय बुगन श्लेष्मक ययन
 सुमना ।
 २२९. रोहें (बक्यन)—रोहें बाळ्यजाबी
 वाळवी ।
 २३ धान—कर्मक ककम केराट,
 चावक शीर्ष हुपक शान्य
 निपप्रिय वासमती पांडुक पुंडीक,
 पुण्याडक रक्तशाळि रथ्य कनकबीर,
 पीही धनुनाहूत धानि जाती धाडी
 सुकुमारक सुगंधक ।
 २३१ कुळ बळ्ळे पान—यम्मावस्त
 तुळसीवास फूममती बाठकूळ बासमती
 मोतीभूट, रानीकाजट, रामभोग रुपमंजरी,
 कटजीर कटेरा यामजीर समल,
 सनुत्रफेन सहरेइया हंसराज ।
 २३२ कुर्बेर विलास—(एक मळ्य
 बाल) कुर्बेर विलास कोरून बडहन,
 बीरी शीया तिथी पक्षिउय बक्री ।
 २३३ कुळ मोटे बीर सावारण बाल—
 बनहमिका कडनी बाळन बाळना
 बुठी बपरी बनरजोम बडहन मोटे,
 रामनवादन सरमा साठी सुपांवी
 सेपर ।
 २३४ काठी—मरई ।
 २३५ १८ तरहू की साठी—कथोरवा
 कथिजला ककमा ककमी खंजरीरा
 नबडा बरिका पसाही पीठा वितसाडी
 विन्वया महाघाळी मादवी रनघानी,
 यमबंठी घटिका शुक्का शीरी ।

२३६. जी—जस्त कचुकि बब बवा
 टीरकयूक तुरकप्रिय दिव्य धान्य
 रात्र पवित्र बान्य प्रवेष्ट, मेध्य यव यवक
 यक्यु, छीतयूक स्वेतयुंग सितयूक
 ह्यप्रिय ह्येष्ट ।

२३७. जई—जइ, बय बयती बबारा
 बाम ।

२३८. मोषी—बमूत अरधमूम्र कुषी
 मक ह्मीकक बच्छी सिगुडक बनमुंगिया
 बस्वीमुन्, मकुष्ठ मकुष्ठक मद्यक
 मबष्ट मयष्टक मयुष्ट मयुष्टक मयुष्ट,
 मुकुष्ट मुकुष्ठक मुम्बष्ट, मुम्बष्टक
 रात्रमुन्, बनमुन् बरक ।

२३९. कोरौ—कुडब कुछाछ कोरब
 कोट्ट, कोछार, कोडब कोरकुप्य कोरबुपक
 मरनापक ।

२४ छाँवा—अधियय जेष्ठाम तुनवी-
 जौतम त्रिवीज रात्रबान्य स्याम
 स्यामक स्यामाक समा सर्वा सुकुमार ।

२४१ मँडू बा—मुँडूवा मडुवा ।

२४२ कुतवी—कालवृत्त कुम्भन कुतवी
 तापवीज तापवृत्त स्वेतवीज सितेतर ।

२४३ बवार—कुम्भिका इप्य श्रीपुष्पा
 बुवार, बुडी बुन्ही बुर्बका बोवरी
 बोन्ही भावपवी मंडा यवनाक
 याक्नल रक्तिका लक्षिता भीर्बडी
 स्वेता सुर्बधिका ।

२४४ बोन्ही (छोटी) दे 'ज्वार' ।

२४५. बाजरा—अप्रवाल जौनरी, बोन्ही
 नासिका माषी नीसकच नीलतरय
 बजड़ा बजड़ी बजरी बर्बरी
 बर्बेरिका धात्रक ।

२४६. मक्का—कटिज कांडय कुकुडी

जोन्ही मुट्टा मकई, मक्की मकाई,
 मकाम जेडहट सिंधाभू,
 संपुटीतस्य ।

२४७. जेत—जेटुवा बान जेटुवा चाँवा
 जैन बनावपती ।

२४८. टंगुल—टंगुनी टांगुनि ।

२४९. गन्ना—अधियय अस्थितपत्र अस्थि
 पत्रक इङ्ग, इङ्गुर, ईष उङ्ग, उक्त कर्को
 ठिक कजडी कोसकार, पुडराब
 मुडमूल बीर्बच्छर पयोबट, पुड, पीडा
 मबुतुष मबुयष्टि मृत्युपुष्य रताल बंस
 विपुधरस बुष्य लककरककडी छाँटा
 छाँटा सुकुमारक ।

२५०. पेड़—जोगीरी जवान रेंड
 मँडी ।

२५१ मड़ेरी—मंगारिका मँगारी मडी
 मड़ेरी ।

२५२ बाळ—बाळि द्विचल ।

२५३ अरहर—अरहर, अरहरि, बाङ्की
 करवीर-मुना काडीमूतला तुवरिका
 तुवरी पीतपुष्या मृताछक मृताकका
 मूतला कर्पा भीष्म्या वृत्तवीना
 राजपुष्पिका सुपाट्टन सुपाट्ट-बंया ।

२५४ उरब—उडब, उरवी उर्ब उर्बी
 ऋत कुबदिद, बान्यपीट, पितृभोजन
 दिव्य बलाह्य बर्बा बीजरल मा
 मांतल माँडू, माय बुर्बाकुट ।

२५५ जना—कचुकी इप्यकचुक यम
 कनक बीजा छोला जीवत बात्रिमन्व
 बाकनैय्य बाकमोय्य रहिका
 बात्रिमन्व सकसप्रिय सुर्बध हरिम्ब
 हरिमन्वक, हरिमन्वज ।

२५६. मसूर—कस्यापवीज यमोक्तिक

पुष्करमुख पोद्दकरमुख पौष्कर, ब्रह्मतीर्थ
मुक्कपुष्कर, पूर, मुक्कमन सामर, सुमुक्क ।

१११ पौरता—उत्कसत्कल अससस
असससत्कल अससिक अससस आसस-
सिस आसससत्कल तिकमेद, पोस्त सुवीज
सूस्मसत्कल सूस्मनीज ।

११२ बहैडा—अस कर्पफल कलिक
कलिकुम कल्पबुल कासमन तिकपुष्क
तुल तुप ठेकफल ठोकफल बहैडुक
बहुवीर्म विभीतकाल मूतवास मूतावास
वासत विभीत विभीतक विपन्न
सवर्त ।

११३ बालकड—अमृतजटा कमुजर,
किरासिनी अम्पारी पीरी अकलसिनी
अटामारी अटाला अटिला अटी
उपस्विनी तकर, पिष्टिता पिपी पुतना
पोधिनी देवी बालकड, मूतजटा मला
मिथिका मिथि मुकभला सेवाकी
हिजा ।

११४ विराटीकंद—इसुबंधा इभुवस्ती
अप्यगंधा अप्यगंधिका धीरकंद धीर
बन्दी धीरकला इभुविहाटी पयकंधा
पयस्विनी बिलैयाकंद, महास्वेता
विहाटी विराटीकंद ।

११५ विषार—अजरा वीरंधाद
वीरंधादवी बुद्धराद सुदमरभा
मुपुष्पिवा ।

११६ बीजकंद—जोयनिकर सिरीटी
महासा बरिषार बला मला मोटा-
पाटी बाटपपुष्पी बाटिका समासा ।

११७ बाह्यबीजला—अंब अंबअत्र अंबा
अंबिवा, अंबानिवा पाडा बाह्यबी ।

११८ बाह्यी—अरोपवेना दिव्यवेना

दिव्या परपेष्टिनी बह्यचारिणी,
माखी मंडूकला मत्सानी महीपदि,
मेय्या वयस्वा वय बीप बीबावी,
सारवा सरस्वती सुकर्मक सुरधेय्य,
सोमबल्करी सोम्या ।

११९ मटकरीया—अनाश्रिता कंटकारिक,
कंटकारि, कंटकारी कंटधेवी कट्टी,
कासघ्नी कुडी कुडीसुहा, विपफला
दुष्पवविषी दुष्पार्धा धारनिका धारनी
मिथिभिका प्रचोबनी मंडाकी मटकरीया,
राष्टिका रेंपनी लभुकटार्, वृहती
व्याघ्री सिही स्पृही ।

२ भिलाव—अमिक अस्कर, अ-
नुंख अस्लात अस्लातक अठनाज
भेजा रक्तहर, बह्निनामा बीज्येह घोम
मुल जेहवीज ।

२ १ भुंगराज—अपारक कुकुर बांध
केसरज नीलपुष्प नीलभुंगराज धार,
भंगर भंगराज भंगरीया धांध भुं-
राज महाभुज ।

२ २ मबीठ—अरुवा काडीटी बाल-
मेथिका काला लत्रिणी बीटी विरतप्र
विषादी विषी ताम्रवस्ती बंडिक,
मंडीटी मंडूकपर्णी मंडिष्ठा मंडूक-
पीजनवस्ती बोजनपर्णी रंजवी,
रक्तमष्टी रक्ता रक्तावी रोड्डीकी
अप्रा विकता विजया समवा हरिणी,
हेमपुष्पी ।

२ ३ महाकरंज—अकणी बाक्यादी,
महस्तिनी मबुवता मबुमती,
रसायनी विपनी हस्तिकरंज हस्ति-
चारिणी ।

२ ४ मांडरीहिणी—अभिपरा अनिपरा

क्यामांसी चंद्रवस्तुमा चर्मकपा प्रहाय-
पत्नी महामांसी मांसरोहा वद्या
विक्रयावृत्ता बीरवती रसायनी रोहिणी
लोमकर्षी मुलीमा ।

५. मातर्कपनी—अग्निवर्जा अग्निपत्ता
जमीजिनी कंगुनी कृमकप्रमा कपोताधि
काकांडी पीरंठा ज्योतिष्मती तीक्ष्णा
तीक्ष्णा तीक्ष्णती क्षीरा नदी नली
बहुरसा पीठा महाज्योतिष्मती मेपावती
मेष्णा मसस्त्रिनी कज्जा बायसी
बिहुमाळवा दूपिण धीकमुठा सुठैला
सुरळवा सुवर्चनकुली सुवेगा सुविरा ।

१०६. मिर्च तण्डुल—बबक बहुल बालक
धीरोत्स्य सितमिर्च सितबस्त्रीज ।

१०७. मुलेठी—अतिरसा क्लीतक क्लीतका
कल्पवल्ली जेठीमपु, बबुक मधुम मधुर
नाम मधुररसा मधुवली मधुस्तमा
मधुली मुलहठी मूलवल्ली मूलपट्टी
बष्टिका पष्टिमधु पष्ठी पोषापहा
सीम्ना स्पर्शपष्ठी ।

१०८. मुष्टि—बाग्य चतुर्विका प्रकुंज
विस्व वीङ्गी ।

१०९. मूत्र—तृणारय ठेजन ठेजनाहृम
कुर्मूल कुङ्कुम बहुप्रज बाग भद्रमुंज
मूत्र मूत्रक, मुजाठ मूत्र रामघट,
घकजग घट, घोरी ।

११०. मीनफल—मंड, करहट, करहाट
बंटाक तमर, बाराफल पिठीमट, पिचुक
मदनफल मैनफल घाठ, रामचण्डन
वियगुणक रास्यक ।

२११. माजूफल—मार्जक मायाफल
बापरभोदा ।

२१२. विर्बली—अंशुप्रसार वर वरव

कठकरेणु, कात्य गुच्छफल बसुप्य, छेद
नीय तिक्तफल विप्लमरिच तोपप्रसारन
पया प्रसादी पापपघाटी शोपनात्मक
रसवण ।

२१३. मुत्तसी—आर्षोष्णि सरुनी पोपा
बीताप लपविका ताळमूली ताळिका
ठाली दीर्घकविका भूताली महाभूम्या
मुत्तली मुबहा हेमपुष्पी ।

२१४. माजूफल—छिद्राफल माजूफल,
माइका माइफल मायाफल मायि ।

२१५. बासीरंग—कपासी केवल कराल
परंम गहरा विजबीजा विजा तंडुल
पावक बेस्व बायबिडंग मस्मक भागी-
रंग मोपा रसायन वर बायबिडंग
विडंब विडया ।

२१६. बकुची—अवातुज असितत्वचा
ऐन्दवी काममेविका इष्णा इष्णकला
अंशुमेया अंसी पुठिकला पुठिकली
बांगुनी बाकुची बापची बावची
बलुंजा पयिमेष्णा सुलोत्सा सितावरी
मुप्रभा घोमवल्ली ।

२१७. बबक—इरापुर्णी चद्रमंया जरा
कविनी पाठिनी पोलीमी पटिला
बलजा तीक्ष्णा बौलजप बीपनीया
पडा भूतनायिनी बीयवती संनस्या
मेष्णा बष्णा बिजबा छतपविका शुभा
रवारची ।

२१८. बंजालोचना—नर्पूररोचना कर्मरी
बीरा धीरिका सुनागुना तुंन गुना
दुमाघीरी रवप्यीय त्वघीरी रव-
घारा पिया रोचना रोचनिका बंधक-
पूर, बंजाली बंजरा बंजरोचना बंजली
बन बंजालोचना बंजालोचना बीरी

बैगबी बैजूतबप बुमा बुभा ब्वेता ।
 २१९ बमालबोटा—कुम्भितीबीज बंटा
 बीज बकबंती बीज बमलबोटा बब्याध
 त्रितिक्रीफक बंतीबीज मकडाबी रेशक
 बीजरेबक, बोबनीबीज सारक ।
 २२ बापकल—कोष कोप कोपक
 बाठि बाठीकोष बाठिघस्य बाठिसार,
 बाठी बाठीकोप बाठीफल बापकल,
 पुट, फलजाठी मजबदार, मड-पीड
 माकलीफक राजभोव्य सामुक
 सुमतकक ।
 २२१ बाबित्री—बाठिकोपा बाठिकोपी
 बाठिपत्री पत्रिका माकली सुमतपत्रिका
 सीमलसायिनी ।
 २२२ बीरत सखेद—जबाबी कचबीरक
 कचह्वा कगा बाबी बीरक बीरत
 बीरतमुखेद, बीरक बनेतबीरक
 सितबीरक ।
 २२३ बीरत स्वाह—उद्धार, कालबीरक
 काकमेवी कास्मीर बीरक हुप्पजाबी
 हुप्प बरिफ बरम बीरत नीककरन
 मोका पट, भेरिनी सख्या सुबंवा स्वाह,
 बीरत हुप ।
 २२४ ब्रह्मक—उपब पैशावार, फल्य
 फलिक कक ।
 २२५ बल—बनात्र बलाघ बभूत
 बाध पन्था बीजतबन बीज
 बावन बाना बाभ्य नात्र पय बीज
 बीहि भोपाई, बोभ्य कनेटिका बरेजुक
 बीग्य घस्य घाली सस्य सतम्बकार,
 सतम्बकारि ।
 २२६ बरीक—बगहनी बरीप बरसती
 बाबनी ।

२२७. रबी—बीठी बड़हन रबी सग्री
 हाकी ।
 २२८. बेहूँ—ज्युप बरम्य बीठी बंजुम
 गोबुम मोहूँ बाक्यी मिस्तुप मिस्तु-
 पबीर, बतुपुगब म्बेकमोवन रसाक
 यवन यवनप्रिय सुमन स्केभ्मक समन
 सुमगा ।
 २२९. बेहूँ (बल्ला)—मेहूँ, बाक्यबाबी
 बाक्यी ।
 २३ बाल—कईमक ककम केदार,
 बाबक बीरं हुपक बाभ
 निपप्रिय बासमठी पांडुक पुंडरीक
 पुप्यांकक रक्तसाकि बप्य कलकबीर,
 बीही सकुमाहूठ साकि घाली घाली
 सुकुमारक सुबंभक ।
 २३१ कुक बल्ले बाल—बम्बावकत
 तुकसीबाध पूलमठी बांसपूज बासमठी
 मोतीपूर, रानीकजर, रामभोज रुपबंजी
 कटबीर कटेर स्वामबीरत समानू
 समुद्रफेन सहसेइया हंसराज ।
 २३२ कुजूर बिलाल—(एक बल्ल
 बाल) कुजूर बिलाल कोरहन बड़हन
 बीठी सीगा तिम्री पक्षिराज बक्री ।
 २३३ कुक मोटे बीर साधारण बाल—
 बगहनिका कछनी बरहन बरहना
 बुडी बबरी बजरबोंग बड़हन बोटे,
 रामबबाहन सरमा घाली सुपाबंजी
 सेवर ।
 २३४ सली—घटई ।
 २३५ १८ सल्लु की सली—कपोरक,
 कविजला कलमा कलमी बंजरीटा
 गबड़ा बरिका पहाड़ी पीठा बिलघाली,
 बिलबजा महाघाली मापनी रसाघाली
 बबबंती घटिवा सुनला सीबी ।

२३६ बी—असत कंचुकि बब बवा
टीकबसूक तुरप्रिय दिव्य बान्य
एन पवित्र बान्य प्रवेष्ट मेध्य यत्र यत्रक
एक, सीतसूक स्वेतसुंग सितसूक
हृप्रिय ह्येष्ट ।

२३७. बई—बइ, बय बयती बबाए
बाय ।

२३८. मोषी—अमृत वरधमूख कुडी
नक इमीछक छडी तिमूक बनमुमिया
बस्तीमुख मकुष्ठ मकुष्ठक मघक
ममष्ट, मयष्टक ममुष्ट ममुष्टक ममुष्ट,
मुकुष्ट मुकुष्ठक मुवष्ट, मुवष्टक,
एनमुख, बनमुख बरक ।

२३९. कोरों—कुवब कुडाक कोरब
कोरु, कोडाए, कोरब कोरकुए कोरदुवक
महमायक ।

२४०. सीबा—अप्रिय जेठाम तुणबी
बीतम त्रिबीज राजधान्य स्वाम
स्वामक स्वामाक समा सबी मुकुमार ।

२४१. बई मा—बईबा मइबा ।

२४२. कुडपी—काकनुष्ट कुमस्व कुरपी
तामबीज तामबृत् स्वेतबीज तितैतर ।

२४३. ब्वाए—कुम्बिका इण्ड प्रोष्टपुष्ठा
बुजाए, बुडी बुइटी पुर्बक जोधरी
बोहूरी भाइपरी मंडा यवनाक
यावनक रक्तिका अक्षिता धीखंडी
स्वेता, तुर्बिका ।

२४४. बोहूरी (छोटी) है 'बवाए' ।

२४५. बाजरा—अप्रबान बोपटी बोहूरी
नासिका माली नीलकण नीलसत्य
बइबा बइडी बइरी बइंटी
बइरिला सायक ।

२४६. मरुका—अटिज मंडवज कुकुडी

बोहूरी मुट्टा मकई, मकई मकार,
मकाय केइहए शिखार,
सपुटीतस्व ।

२४७. बेल—बेडुबा धान बेडुबा सीबा
बैन बनासपटी ।

२४८. टांगुन—टंगुनी टांगुनि ।

२४९. पन्ना—अप्रिय अक्षितपत्र अक्षि
पत्रक इलु, इसूर, ईख उलु, उलु कर्को-
टिक कबसी कोसकार, गुइराह
गुइमुख बीर्बच्छर, पयोधर पुंड पीका
मकुतुब ममुयष्टि, मृत्युपुव्य रसाक बंध
विपुकरस बुव्य सनकरसकडी सीटा
साठा मुकुमारक ।

२५०. पेइ—अंबीरी बयाव येइ
येडी ।

२५१. गड़ेटी—अचारिका अंबारी यंडी
गड़ेटी ।

२५२. बाक—बाकि द्विबक ।

२५३. बरहर—बरहर, बरहरि, बाइकी
करबीर-बुजा कासीमुत्ता तुबरिका
तुबरी पीठपुव्या मुताकक मुताकका
मुत्ता बर्वा बीव्या बृत्बीजा
एनपुमिका मुयष्टुज मुराष्ट-बंभा ।

२५४. उरर—उरर, उररी उरं उरं
अड कुर्बिब, धान्यबीर, पितृभोजन
विष्य बलाद्य बर्वा बीजरल मी
मांसक माइ माय बुपाकुए ।

२५५. बजा—कंचुकी हृष्यबंसुक, बज
बजक बीभा छोला बीजन बाजिमदक
बालभैरव्य बालभोग्य रहिता
बाजिमव्य सकलप्रिय सुसंध, हरिप्रिय
हरिमन्त्रक हरिमन्त्र ।

२५६. बतूर—अत्यापबीज ममोतिक,

मुदबीर तांबूलराग पूवबीरक मंबस्य
मंतस्यक ममुर्ही ममुरक ममुरा ममुरि,
ममुरी मांगस्यक, मांगस्या रागशानि
वीहिहोचन गुर, गुर ।

२५७. मूंम—बाजिमोवन मुक्तिप्रव मुद्म
मूग रसीतम बर्बाई मुफ्त मूपधेष्ट,
ह्वामंद ।

२५८. मटर—अनिवर्तक कंटी कबीली
कलाय केराव लरिक त्रिगुट नीलक
मटरा मपुर, मुदचमक रेनुक
घयन संरिष्ट एतीन एतीनक, एतीन
मनीलक हरेमु, हरेष्क ।

२५९. मरती—ममूर बसा हृष्टर केमाटी
तेमाटी चरती त्रिगुट, बुबिया मट, मरिष्ट ।

२६ मीबिया—दुपाविजनक, चाल
चवन बीरा बीर्पबीर बीर्पिबी
डिबतन निणारी नीलवाय मूवाय
मूर्तिविन बीडा मरचर, बहामाय राज
वाय बरिष्ट, निवाय गुज्जार ।

२६१ मीयाबीर—गोआबीर सोबाबीर ।

२६२ मित—अटिल लीनकन कविन
वाय्य दूपावाय्य पूरुचन त्रिगुर्गम
बनोद्वर म्दकन हावपाय्य ।

२६३ मरनी—उपमव कट्टमैग्ट कम्म
कम्मवत वरवर कृष्ण मपुर मपुर
तेमद्वर विम्बट, मूरुम मतिपाकन
राजप्रवत मनी ।

२६४ मरई—अतिरिण आमुरी कट्ट
कम्म कम्मोमुर्गिका कृषिच कृष्ण
कृष्णकर्मता कृष्णका एव कम्म कम्म
रिका कम्म कम्मविजनक कम्मनी
कम्मउवा नीलकवा नीलकवा कम्म

रिका मुष्क रक्तसर्प रक्तिक राज
कवक राजसर्प राबिका एनी रानी
काई, ध्यष्टक मुरी ।

२६५. तीली—अतिरी अतीधी अतडी,
उमा सुमा यीमी चमरा तीली-
उमा देवी नीलपुष्पिका पार्वती नील-
पुष्पी पिच्छिला मरबंधा मनीवा ममूव
एरपत्नी मुनीसा हंमवती ।

२६६. बर—कुमुमफल कुमुमबीर बरे,
बरटा बरटी बरटिका ।

२६७. रेंडी—अमंगल अमंड अरंड
आरंड आमंड इष्ट, उम्बुक एरंड
एरंडव कांत मंपरंहस्तव चंभु चंभु
विनक विनबीर एरव तुष्क
त्रिगुटी त्रिगुटीकन बीर्परेणव बीर्परा
पचांगुल क्कूर, रेंडी बर्दमान कुन,
ब्रमहा व्याघरव व्याघपुष्प गुल्फा
मूलगनु स्नेहप्र सचक ।

२६८. तिनी—अरुच्य वाय्य अरुच्यानी,
निनी निनी तीनी तीनी तुपवाय्य,
तुनीरुच्य देवपाय नीवार प्रभाविन,
मुनिपाय्य ।

२६९. कट्ट (तुजाय) —वमाल कट्ट
वालागुम्मा कुप्प कट्ट, तुम्मा वाड ।

२७० कम्ममदटा—कंरनी कम्ममदटा
कम्मबीर कम्ममदटा कम्ममाय ५ वा
बीचादिनी कट्टा कट्टबीर कट्टा, का
कट्टक व्यावा ।

२७१ बेर—बैरकर ।

२७२ राजवाला—वमाल इवावा
रामाव ।

२७३ आकुरावा—वाण कम्ममता कम्म
वावा ।

२७४ तरकारी—भाजी सब्जी घाय
घाय-सब्जी ।

२७५. परबक—अमृताफल कञ्जुम्पी
कटुफल कर्कशाफल कासमर्दन कुडक
कुप्यारि, बनबल्लमा ज्योत्स्नी तिकतक
नामफल पट्ट, पटोल परबट, परोरा
परैरा परमज फुलज राजनामा राज
पटोल राजपुर्वा राजफल स्वादु,
स्वादुपटोल ।

२७६. बैफल—अमय कंटकिनी कंट
पत्रिका कंटबुवाकी कटाल कटफला
बिबफला नीलकंटका नीलफला नील-
बुया बेर, बैगन भंटा भंटाकी भांटा
भांटिका महती महोटिका मांसफला
मांसकफला रक्तकण्ठ राजकुम्भांड बंगय
बाठांकी बूटांक बूटांकी बूतफला
बूतठफ टाकविल्व ।

२७७. नेतुधा—ऐमी कर्कोटिकी कोघा-
तकी पियतोरई बियतोरै तोरै
बामार्गब नेतुधा नेतुवां मह्युप्या
महाकोपतकी महाफला सपीतिका
इतिथोया इतिथपर्ष ।

२७८. मोबी (फूल)—कोमी मोबी
फूल फूलगोमी ।

२७९. गोमी (बज्र)—हरमकस्ता पया
गोमी पाठगोबी बंभगोमी ।

२८ गोमी (गाँठ)—याठ्योमी गोजिह्या
घंभिदोमी बधिक बावीका ।

२८१ करैला—जयबांड कंडूट, कटिलका
करैला करैली बांडकटुय कार
बेस्ती बिरिपत्र तोनबन्धी पट्ट बारि
बस्ती बृहदली मुवांड मुबवी मुयन
बस्ती ।

२८२ मिडी—असपनक करपर्य क्षेत्र
संभव अतुपुडु अतुप्यद, पिच्छिल मिड
मिडक मिडातिका मिडीतक भेडा
बृत्तबीज मुवाक ।

२८३ तरौई—कर्कोटकी इतवेमना
बाकिनी तोरई तोरै बीर्षफला
बामार्गब पीठपुप्या राजकोघातकी
राजिमल्लका सुकोया मुपुप्या स्वादु
फला ।

२८४ सतपुतिया—सगपुतिया सतपुठी
सतपुतिका ।

२८५. कुहड़ा—काठीफल कुम्हड़ा
कुम्पांड कुईड़ा कुम्पांड कौहड़ा गुण
धौयफला धाम्या पीठकुम्पांड पीठपुप्या
पीठफला मिडया कञ्जु सफुरिया
कुमार, बीताफल ।

२८६ मनुबा—कर्काइ कुंभफला कुम्हड़ा
कुम्पांडक कुम्पांडी कुम्पांड कौहड़ा
धाम्यकर्कटी, तिमिय भागपुप्यफला पीठ
पुप्य पेठा बृहत्फल पिच्छिर्षक सुफला ।

२८७. मिडी—टिड टिबा टिडिच टौंडा ।

२८८. लौबी—अलाबू बाबाबू, एलाबू
अबुबा अडडू, पिया तुम्ब तुम्बक तुम्बा
तुम्बी पिडफला महाफला लाबू,
लाबुका ।

२८९. डमाडर—टमागे, बिलापती बैगन ।

२९०. बनसेम—बनसेमा सेमा ।

२९१. सेक—अंगुलिफली अयना कपि
कञ्जुफला धाम्या नन्निप्याविका नत्त
पुंजफला निप्यावी वृत्तनिप्याविका ।

२९२. लतरा—बीरा बीडा लतरै
लोबिया ।

२९३. बैबांड—अजड़ा अजहा अय्ण्डा

आत्मनुष्ठा भार्यनी श्रुपम श्रुष्यप्रोष्ठा
 कन्दूर कण्डूर कण्डूमरी कपिकण्डू,
 कपिबेल कपिप्रभा कपिष्ठता काशीकोमा
 कुंडली कनीच कौच कौंड गात्रवंगा
 गुरु बंडा बटा बड़ा बुरनिग्रहा
 प्राक्षुषा प्राक्षुषायनी बवरी मर्कटी बालरी
 बुष्पा ब्यंगा ब्याधा बिम्बी घुकपिडी
 बुकधिया बुकसिम्बिका रोषा उध
 सोषा स्वर्गमुष्ठा ।

२९४ ब्वास्तिन—बुबास्तिनी पोष्ठाफस्तिनी
 पोराभी भारिभी प्वाधिनि बुबबीच
 निष्ठास्त्राणी बक्कधिम्वी सुधाका ।

२९५. कुँवरल—बोष्ठी कन्दूरी कर्मकरी
 कौनका कुंवर, बंडिकेयी तुंडिकेरी
 तुंडी पीक्षुपयी बिम्बक बिम्बजा बिम्बा
 बिम्बिका बिम्बी रक्तकळा बधिरफळा ।

२९६. शित्तौली—इषाकु कन्दुककाबु,
 कन्दुतुम्बी कन्दुफळा कन्दूवी टौबी क्षत्रिय
 बरा शिकतषा शिकततुम्बी शित्तलकडी
 तुम्बिका तुम्बी बंधफळा गुवारमषा पिंड
 फळा महाफळा राजपुत्री ।

२९७. डेंडसा—बिबिध डेंडस डेंडसा
 डेंडसा मुनिनिमित्त रोमक्षफळ ।

२९८. बिबिडा—बहिष्ठा गहूकुसक
 बनेडा बिबिडा बिबिडा बिबूड
 बीनकर्मटिका बीर्षफळा बुहूफळा
 बेस्यफळ बेतारानी सुपीर्ष ।

२९९. करेक्या—कट्टिकक करेरा
 करेक्या करेक ।

३ खेकसा—बवंष्ठा कक्रीडा ककौ-
 टकी खेकसा पीतपुष्पी खेकनाबाली
 मनस्विनी मनोष्ठा महाबाली ।

३ १ कुनी—बन्डिलीम कवक कुकुर

मुत्ता कुमा खनांक गवनबुल मेधवर्ष
 रामछाटा धिर्लीच ।

३ २ कंद—कष्ठा बड़ मूक ।

३ ३ आलू—बलाबु, नीळकर, बगवासी,
 महियकंद, लकायकंद, विप्रकंद, बुलकंद,
 शुभ्रालू, लर्पास्य ।

३ ४ मूडी—कंदनूक कटक कस्करक
 कृवर, क्षारमूक बामकममूकक, बीर्ष-
 कंदक बीर्षपमक बीर्षमूकक, नीळकंद,
 भूमिकासाए, यस्तमव महूकर,
 मिभ मुरई, मूलक मूककपोषिक,
 मळाहू मूत्साए, राजामूक,
 बधिर, बधिम्य लक्षमूक धालाक, बिबी-
 फळ शित हरिपर्ष हस्तिबंध हस्ति-
 बंधक ।

३ ५ मूडी (बड़ी)—कौटिस्य बालक-
 मूकक बड़ी मूडी मर्कटमव महाकंद,
 मूलक मूडा बानेय बिम्बुगुष्ठाक बाक-
 मर्कट, मिभ स्फुल्लमूल ।

३ ६. नाबर—कौबी-नाबर, पबीर,
 बर्बर, गुञ्जल नारन नारंबवर्ष पिंडमूक
 पिडीक पीतकंद, पीतमूलक सुपीठ
 सुमूलक ।

३ ७. छलबम—कंद, बीकयाबर, धमि
 मूक बिडीरमोरक यदनेष्ट बर्बुक, क-
 गम बडबम शिसाकंद, धिबीमूक,
 लक्षयम लक्षयम ।

३ ८. लकरकंद—कंद, कंदरनि कंदा,
 कसा कौच, बनी पिंडकंद, पिडाबु, पिडी-
 तक, रतालू, रोमलक्षक लकरकंदी
 लकरकंदी स्वातुकंदक ।

३ ९. बरई—बस्वी बालुक बाबु, कंद,
 कंदा कषालु, कण्डू, पक्षकरी बजकपांडू

भुव्यां भुव्यां तीक्ष्णकंद, वीर्यनास बंडा
महापनासक हस्तिरक ।

३१० बडा—वे 'बर्क' ।

३११ घूरन—अर्थात्, अर्धोष्ण ओस
कोष्क कंठाल कंदूल कंद, कंदल कंद
वर्धन कंदपूरण कंदी कर्बाई, वमीकंद,
विमीकंद, तीक्ष्णकठ दुर्नामार्ति, बहुकंद,
मूकद शम्भकंद वाताति, मुकशी घूरन
घूरनकंद, स्पृककंदक ।

३१२ सुवनी—मध्यायुक्त मध्यालु,
रोमालकी ।

३१३ प्यात्र—वीर्यवज्र मूषकव मूषाह्वय
मूषेष्ट, पकांड, पकांडू पियान महाकंद
यबनेष्ट, रक्तकंद राजपकांड, राजप्रिय
उजेष्ट रोषक मुकंदक ।

३१४ लहसुन—अरिष्ट उषागंध कटुकंद,
कृशा गुजन वीर्यवज्र मूषाह्वय महाकंद
महोषध महीषधि म्लेच्छकंद यबनेष्ट,
रमुन रसोम रसोमक राहुच्छिष्ट
राहुल्लुष्ट म्पुन लहसुन वाताति,
मुककंद सोलक ।

३१५ अररक—भार्गव वनूपज बापा
कपाक, भार्गवाक कंदर, कटुमज कटु
लट, पुष्पमूल चडस्य महीम मूकज
राहुच्छप्र वट, मुपाकक वीर्येष्ट ग्रीषवेष्ट,
पार्श्व ।

३१६ क्रीद—कमेदज कमदका कसेक
कृत्रमुस्ता मुककंद, राजकसेक मुकंद,
मुषीषि मुकरेष्ट ।

३१७ तातकंद—रक्तकंद रक्तपिष्टक
पकाळु कोहिनालु, लोहित ।

३१८ हावीकंद—हस्तिकंद ।

३१९ मालकंद—मानकम्बु ।

३२० लोत्तियाकंद—ठीम्मियाकंद ।

३२१ सफलाळु—भाडू, पिबाळू, रताळू,
सेवडा भाडू, सताळू सप्याळुक ।

३२२ बुकंदर—बोकंदर ।

३२३ बाराहीकंद—गेठी बराहीकंद ।

३२४ बिबारीकंद—बिबारीकंद बिबारी
कंद कासकंद ।

३२५ भसिड—कटह्वय कमलमूळ
कर-हाट, पोपमड बळकंदकी बळाळुक
पंकमूरण पचकंद, भिसाड भिसंड
सालक ।

३२६ साप—जाबी साक सष्ठी ह्टी
माजी ह्टी सष्ठी ।

३२७ बालकी—सुरिका सुरपिका,
कुंड, कुंडर, कुंडर, ग्रामिणी ग्राम्य
बम्बमा पालक, पालकय पालक
मबुण मुकुड वास्तुकाभरा सुपना
स्निग्धपत्रा ।

३२८ बीराई—अस्पमारिता अस्प-
माटीय कंबट, बीय बीबाई, पसज
लंडलीय पानीमर्तडुलीय ।

३२९ वन बीराई—कंट-बीराई, वन
बीरा ।

३३० बबुजा—ककिल धारपत्र पनावन
पांयुपत्र बबुजा बमुक बस्तुक
राजराक, वास्तु, वास्तुक पाकटाट,
राजबीट, पाकयेष्ट ।

३३१ बबुजा लाल—अपकोष्ठिता धार
दला धारपत्रा पिस्तिका तुनी बहूका
मुकुपत्री ।

३३२ लोभा—अतिष्णता अवाकपुष्पी

कारवी बोवा छवा ठारुपर्णी पुष्पिका
बस्या माचवी मधुरा मधुरिका मिशी
मिशी मगजा सतपुष्पा सतपुष्पिका
छतासी छताह्वा धामीना धामेय छीत
धिवा धोफका सितच्छावा सुपुष्पी
सुरसा सोवा घोवा ।

३३३ मेची—वे मेची ।

३३४ मरसा (साग)—मरिसा मरसा
मारिय भार्ब बाष्पक ।

३३५ पोय—ज्योषिका ज्योषी ज्यो-
षकी ज्योषिका विच्छिन्नच्छया
विच्छिन्ना पुठिका पोई, मयधाक
मोड्डीनी बकिपोरकी विसाला वृत्तिक-
प्रिया ।

३३६. काय (साग)—काय कायु, कावी ।

३३७. कुकडा (साग)—अमरी कुरका
कुष्पी बौडिका नोमिया नोनी नूह
स्कोपी जोपी कोपी नूहस्कोपी ।

३३८. पतरा (साग)—पतरा सरती ।

३३९. करमी—करमा करमुवा बर-
साग ।

३४ सलाह—सलाह, सलावा ।

३४१ बुकसाह—बुकर, बुक ।

३४२ फल (हरा)—फर, फल-फूल
फलहरी फलाटी मगडल फलाटु, हरा
मेवा ।

३४३ अंगुर—अंगूर, अमृतफला अमृत
रसा छप्पा गुच्छफला बीस्तनी चार-
फला तापसप्रिया इन्ना प्रियाला फलो-
तमा मधुरसा बरमन्नी रसा रसाका
मुठला स्वारी स्वाडुफला हारहूर ।

३४४ अगार—काक कुचफल कुट्टिम
बाकिमी बंतबीजक बाकिन

बाकिमीसार, बाकिम्व बाकिळ, बाकिन
नीरुपन नीरुपनक परबंदर, पिडपुष्प
पिडीर, फलपांडव फलसांडव फल-
सांडव विहीबाला बीबाला मधिबीज
मधुबीज मुचबस्त्रम रक्तपुष्प रक्तबीज
लौहित्यपुष्पक बस्त्रफल, वृत्तफल बुक-
बस्त्रम सुनीच स्वाडुम्ब ।

३४५. छेव—बबर, महाबबर, मूट्टि
प्रमाय छेव विविधिकरफल छेव
छेवि छेवि ।

३४६. मुत्तम्बी—मोसमी सरवती बीजू ।

३४७. नाचपासी—अमृतफल नासपाटी
महाबबर, बकिफल ।

३४८. लतरा—ऐराकर किमिर, बरपण,
बकरविवासी लक्षसुगंध नापरंग नावर,
नामरक नारंग नारंगी नारंग नीरंगी,
मुचप्रिय योनरंग बरमास बरिष्ठ,
सकठप सुरंग ।

३४९. केला—अंबुसाय अमृतफला
आयतफला सस्तवा कवल करलक
कवकी कवल काष्ठीला केरकी केरा
गुच्छमठिका गुच्छफला चरं
रावती तंतुविहवा टलपी नरोपधि,
निःसाय बाडकप्रिया मागुठला मोचक
मोवा रमा रमाफल राजेष्टा रोचक,
जोचक, बनलम्बी बारचबस्त्रमा बारच-
बुवा बारबुया बारबुया सकुच्छला,
सुकुमाय सुफला इतिविवापी ।

३५०. अन्नमास—अन्नमास अन्नमास
बाम कौतुकसंज्ञक पारवती ।

३५१. रसमरी—कटफला करीया करीया,
काकमाधिका काकमापी काकमाता
काका काकिनी कूटबी गुच्छफला पत-

बना, बबनेफला विक्रिका प्यांशमाची
बहुविकता मकोह्या रसायनी बायसी
सुषुपी स्वादुपाका ।

३५२ बीजू (कापजी) — बम्बळम्बीर,
बम्बळार, बंतुमाटी बंतभाठ निम्बुक
निम्बू, निम्बुक मातुसुंन रोचन बह्नि
बीप्य बह्निबीज सोवन ।

३५३ बीजू (बजीरी) — कसा नीजू
कमठानीजू बंतुजित पंभीर, पंभीर,
पम बंभर, बभिर, पंभी पजीर,
बंतकपंच बंतसट बंतहर्षक मीठानीजू
मुलसोबी रेवठ रोचनक बक्यापी ।

३५४ बीजू (बडा) — गसमक गळगळा
बकोरठ पंभर पजीरी पंभीरी ।

३५५ बीजू (बिजीरा) — बम्बळेसर,
पत्तुप्य बंतुरळ्य नीजू, पूरक फस-
पूरक, बीजक, बीजपुर्म मातुसुंन इचक
रोचनफळ बीजपूर, मुकेसर, सुपूर ।

३५६ बीठा नीजू — कीला बकोरठ
बवीरी नीजू ।

३५७ फळ (सुजा) — फळ फळाटी
बनमेवा मेवा मेवाठ बान ।

३५८ कियमिस — कपिकळका कावमीटी
कियमिस मोसगी पबिका मबुबल्ली
पबुकि मूडी पतबीर्या, घोंगी हणहण,
हरिया हिमोसर हूमबती ।

३५९ बकोरठ — बकोरठ, बधीटक
बकोरठ बकोरठ बकोरठ, बकोरठक
बकोरठ बकोरठ बकोरठक
कबपक कबपक कीरेवट पुझापय पार्व
ठीप वृषकठर फतस्नेह मरनाकडक
रेवाकन वृषकठ ।

३६० सिता — बोरकळ जतगोरक

निकोचक पिस्ता पिस्त मुळुळक
सकोच ।

३६१ बावाम — नेत्रोपमफळ बाठबीरी
बाठाव बाठाम सुफळ ।

३६२ काजू — बनिडुठ बरुजार, उप
पुष्पिका काजूतक मुळमुप्य पारंबी
पुवपीज वृषकठ स्निग्धपीठ
फळ ।

३६३ छोहारा — बजूर, सरिक गोस्तना
कारसजूटी कुहाण छोहाडा पिडसजूटी ।

३६४ मुनक्का — काकलीडासा गोस्तनी
पाम्बुका डासा दास फळोतना ममु
रया मोनक्का मूडीका इनि
कारिणी लबुडासा स्वाधी सुवृता ।

३६५ मटी — गकी गिरी पोषा मुळा
नारियळ । दे 'नारियळ' ।

३६६ चिरीजी — मळदूट, उपबट, सर
स्कंध चार, चारक ठापसप्रिय ठापसेवट,
घनु, बनुप्यट, पट पियाळ पियाळ
पियाळक प्रियाळ प्याबमेवा बहुबस्क
बहुबस्कळ मोसबीर्य राजाठण राजाठण
ककन सभकडु, सभडु, सोहबीज हसभक ।

३६७ ब्यासुबीकारा — बोरक बोरक
बोरक भक्त मस्तुक मस्तळ रक्तफळ
बीर, बीरसेन बीरारक ।

३६८ टालमजाना — इजुंगंभा इणु
बासिका इधुर, काडेणु, काडेणु, कुळ-
हक बीतया कोबिताल धुर, भुरक
ठाल भिसुर, पिच्छिता भिधु बयस्व
पुळमुप्य गुरक श्रुतता श्रुतनी
श्रुतानी ।

३६९ टेंडी — संपिक टेंडी विकनन
प्यापपार, मुबावुल स्वायंठक ।

- ३७ अंजीर—आफोदुम्बरिका मंडुल ।
 ३७१ मृगच्छली—श्रीनाबाशराम श्रीनिधी
 बाशराम श्रीनिधाबाशराम श्रीनिधाबाशराम
 त्रिवेन्द्रा मूषकका भूटियाबाशराम
 मूमिजा मूमिगिम्बिका भोटियाबाशराम
 मंडरी मुंहछली रक्तबीजा
 स्नेहवीरिका ।
 ३७२ ककड़ी—उर्बा उर्बा ककड़ी
 कर्कटास कर्कटी चिर्मटी छर्छविना
 टोमकना कपुपा कपुपी पीनगा बहु
 बंरा बागनी मूनकपा मूषका लोम
 धारादा लोमया लोमची बृहत्कना
 श्यामरवा श्यामरपी श्यामनु स्वामा
 हलिरनकना हलिरनी ।
 ३७३ कट (ककड़ी)—ककड़ी ककड़ी
 कर्षटिया कटवना कर्षिमात्री कट
 बिपा कुमनी मोरपरकरी बिजकली
 बिना बिमित बेबी कप्पा, कट बहुकना
 कपूर ककर मूषापी कृणारपी मूषेयन
 मूषापी कपुर्विभिता बिबिना रीन
 कृपा रोप ।
 ३७४ शीरा—कटविजना कटवीरन
 कटाप कर्षणु, कर्षकना शीरा
 कर्षिजना कपुर्वनी कपुण बीनपुण
 कर्षकना, कर्षकपीरा, मूषापी
 कर्षीन ।
 ३७५ के/रा—कपरी के/रुन के/री
 के/रुन ।
 ३७६ कपकपी कपकपी—बिजल नाम
 कपी ।
 ३७७ कपकपी—कपकपी कपकपी
 कपकपी कपकपी कपकपी कपकपी

- कठराज मधुपाका मधुकना मुंहछली
 कृतेबीर पञ्जुना कपुनरा कटेया ।
 ३७८ तरबूज—अस्पप्रभाजक कर्षि,
 कर्षि, कर्षि कर्षि, कर्षि, कर्षि
 गोर्षक मूषाकन बिज बिजकल बिज
 कर्षिका बिजान नाट्याय मठीय कपु
 कक मांसकल मांसक मेट, रात्रिनिज
 क्तापनस कृषकल दीर्घपुन मुषा,
 मुषार्तुल सेट हिनुमाना हिनुमाना ।
 ३७९ तिपाङ्गा—ककल ककली,
 ककली बिज किकोट, किकोटक
 पानीकल कर्षिर्षक कर्षिर्षक
 बिपापी कृषकपुण मूषाक, मूषाक
 मूषाक मूषाक मूषाक कर्षिका
 बिबारा किकोङ्गा ।
 ३८० हरकरीकड़ी—ककलककना पना
 पाङ्, ककली मूषाकना ककल,
 हरकरीकरी ।
 ३८१ कन—कन कन बीन कन,
 कन कन कन, कन कन कन
 कन कन कन कन कन कन
 कन कन कन कन कन कन ।
 ३८२ कृष्णपुन—कृष्ण कृष्ण
 कृष्णक कृष्ण कृष्ण कृष्ण कृष्ण
 कृष्ण कृष्ण कृष्ण कृष्ण कृष्ण
 कृष्ण कृष्ण कृष्ण कृष्ण कृष्ण ।
 ३८३ कृष्णकाना—कृष्णकाना कृष्णकाना
 काना कर्षिका कर्षिका ।
 ३८४ कर्षरी—कन कर्षरी कर्षरी
 कर्षरी ।
 ३८५ कर्षकरी—कर्ष कर्ष
 कर्ष कर्ष कर्ष कर्ष कर्ष ।
 ३८६ कृष्णक—कृष्ण कृष्ण कृष्ण

निर्वाणक पुण्यसार, पुण्यस्त्रेण पुण्याम्बु,
मकरंद, मधु।

३८७. कृतगुण—कृमुमस्तवक पुण्य
बुद्ध।

३८८. कनक—बहुज जगोज ममोद्ध,
बनिद, जम्ज अम्पान बरनिद आस्य
पत्र ईदरायक ईवीवर, उत्पक कंज
कंसक कबार, कुटप कुक्षेय कोकनर
बककरंज बरुज बरुजात वानरय
वामरय शोध नल नलिन नाकिक
नाकीक नीरज पंकजात पकच्छ पनी
पय श्वोर पावीज पारिजात पुटक
पुंडरीक पुराण मकरंदी महोत्पक
पुकर, प्रमुला बनज विषकुमुम रावीज
राजिब बनज विषप्रसून क्षतरक
क्षतपत्र शम्बर, शोमन शीपर्ण शीबास
शुंष सरणीहृ शीबास शीबासक
शरीर सररीहृ, सहस्ररस सहस्रपत्र
सारज सुजळ हरि, हिम।

३८९. कनक-वाल—कमलरुद्र कोमक
कामक कोरक उंदुर, उंगुळ
बळिणीहृ, नाळ नाळा नाळी
पीनार, विष मुराट, मुशाळ मुशाळकरं
मुशाळिनी मुशाळी विपरंड विषिनी।

३९०. कनक-केसर—आपीठ कांचन
विज क्रियक केसर, वापिकः पीरा
पुत्र पीतराण।

३९१. कनक-भूति—मोक्षोदय भूति
पपरंडी पपरीज पप्राळ पराव
पांडु, रज रेनु।

३९२. कनक रस—मकरंद मधु, रस।

३९३. कनक-रस—क्रियालय रस नव
रस शरणिद।

३९४. नीलकमल—अशितोत्पल इंदिरावर
ईवीवर, उत्पकक कंबोट कुम्भक
तोत्पक नीलपत्रक नीलांबुज
पीलांबुजम नीलाम्बु सुर्मध शीर्षिक।

३९५. शाल कम्पस—अरविद अतिप्रिय
अल्पपत्र आलोहित कुमुद, इन्धकद
कोकनर वाठालक रक्तकम्पल रक्तो-
त्पक रविप्रिय शोणपद्म।

३९६. नील कमल—पांडुकमल स्वर्ण
कमल।

३९७. शरैर कमल—उत्पल कुमुद
कुम्भक्य ईरज शूषोपम बुड बुडरीक
पुमाम महापद्म शंभुबन्धम धारत्पद्म
धारर श्वेतपत्र शितांबुज शिताम्बु
शिताम्बोज हरिनेत्र।

३९८. पुलाब—अतिशेठ, अतिशुद्ध
अतिमंजुळ अतिमंजुळा कटकाइपा
कमिका कुम्भक कुमारी कूना लवं
मंभाइपा वास्वेषरा तश्री देवतश्री
बहुपत्रिका भरतश्री मूमधरुवा
मुंनेप्दा महाकुमारी महासह महासहा
बारिकंठक रामतश्री लायापुष्पा वृत्त
पुण्य क्षतरला क्षतपत्रिका क्षतपत्री
क्षिबकल्मसा सहा सुवसा मुमता मुवृत्त
मुपीया सेवती सेवती सेवती शीम्ब
मंभा।

३९९. केवडा लक्ष्मि—इंदुकलिका कं
रुळा केठकी केवडा कनकच्छर करुवा
मंषपुष्पा शामरपुण्य जम्बुक जम्बुल
शीवपुष्पा इलपुष्पा शीर्षपत्री पुष्प-
पुष्पिका नृत्रिमा पांपुष्पा मेष्पा विष्पका
तिबडिष्पा मूषिकपुष्प नृत्रिपुष्प
स्त्रिबर्षपा श्लीम।

४ ० केचडा—कनकप्रसवा कनकस्य
 वला छिन्नरहा पुष्पी कञ्जुपुष्पा
 सुवर्चिनी स्वर्णशेताकी स्वर्णपुष्पी ह्रीमी ।

४ १ बेला—अतिरंज अतिरंजा अष्ट
 पदी रंजराज रंजसार, गवाही गिरिजा
 गीरी बुबुस्मोतिया जनेष्ट, तुलसुम्बा
 रंतपना बरुकोपक बैबलता गारीष्ट
 प्रमोदनी प्रिय प्रिया बनमोहरा भर
 कली मूपरी मर्यती मन्त्रिका मल्ली
 मुकठबंधना मुन्दरक मुन्धरा मुगेष्ट,
 मोमरा मीतिया राजपुत्री बनभ्रिका
 बर्तुल बापिका बापिकी बिटप्रिय हीत
 मीर, भीपवी पटपदप्रिया पटपधानंद,
 छपपन सिता सीम्बा ।

४ २ बमेली—ठपजाठी बकिह्लासा
 बर्पापुष्पा बेधिक भीमती सुक्या
 सुवर्षी ।

४ ३ बमेली (पीली)—बमेली
 जनेष्टा जाई, बातिका जती ठैक-
 माकिनी पीलीजाई, प्रहसती प्रियंभा
 मनोज्ञा मनोहरा माळती माकिनी
 राजपुष्पिका राजपुत्री बसंतजा बापिक
 बसंतती छम्पापुष्पी सुकुमाठी सुमना
 सुरप्रिया सुरमिर्षा सुवसंता स्वर्ण
 बातिका स्वर्णजाती ह्रस्वंधा ।

४ ४ बूही (सखेर)—बंदाष्टा यमा-
 ह्या यमिका गुमोज्जका बासुोषा
 बूही पुष्पबंधा बहुबंध बासुपुष्पिका
 बासुपुष्पी मूलनरा मावही मोदिनी
 मूषिका मूषितरुची बूयी बसंतती छंज
 मूषिका सिखंडिनी सिखंडी सुर्गंभा
 सुवपिका हरिणी ।

४ ५ बूही (पीली)—कनकप्रजा यंभा-

हया बूही नागपुष्पिका पीतबूही
 पीतिका सुकटीष्टा रजतगंभा अक्षतर्षा
 सुर्गंभा सुवर्णबूही सुवर्षाह्या सोमबूही,
 हेमपुष्पा हेमपुष्पिका हेमदूषिका ह्रीम ।

४ ० ६ बंधा—अतिपंचक उर्वंधा
 कांचन कुट कुमुमाधिप बंधक,
 बापिय बीरपुष्प नागपुष्प पीतपुष्प,
 पुष्पागंभा भृगमोही धमपतिवि क-
 शीप बरकन्ध हीतक हीतकन्ध,
 सुकुमाधि-राट, सुकुमार, सुरजि स्वर्ण-
 पुष्प स्तिरपुष्प हेमपुष्पक ।

४ ७ कुमुदिनी—इंद्रकमळ, उत्तम
 कपोत कच्छ कमोदिनी कद्दार, कुनेक,
 कुव कुवळ कुमुद, कुमोदिनी,
 कुवलय कुई, कौरव कोई, कोका बंध-
 सोम परीत चंद्रकीत चक्रिकानुच बरलो-
 त्यक मकिनी पिटापुष्प परिमनी रात्रि-
 पुष्प हीतककज हीतकक सितोत्पल,
 हीरंभिक हिमाञ्ज हस्त्रक ।

४ ८ कुमुदिनी (पीली)—इंदीवर,
 कुंड कुई, कुमुद, कुमुदिनी कुमीर कुबो-
 दिनी कुवलय कोई, कोका कोकनेरी,
 कोकाबेळी नीलीत्यक नीलोत्तर, प्रज्वा
 दिनुबंध, सुपर्णी ।

४ ९ स्वस्तकमल—यंभुसहा अतिवरा,
 बध्वा बाटिठी पुष्करणी पुष्कराङ्गी
 पुष्करपचिका पद्मचारिणी पद्मा
 पद्माकती पद्माह्या रम्बा कर्षी,
 श्रेष्ठा स्वच्छरहा शारदा सुवर्णमूल
 सुपुष्कर ।

४ १ कटहरिया (पीली)—कटहरिया,
 कनक किफिरात कुष्ट, कुष्टक कुई-
 रक पीतपुष्प पीतपुष्पक पीतहीरक

पीताम्बल पुट, बीट, सहचर, सहचरी
सहचर।

४११ कटसरैया (काक)—कटसरैया
कामुक कुरवक कुरवक रक्तसिटिका
रक्तसिटी रक्तपुष्प रक्ताम्बल राम
प्रसव रामजिण्ण घोडसिटिक खीण
सिटी मुगा।

४१२ कटसरैया (सफेद)—कटसरैया
कुट्टक कुरवक सिटी पियाबासा
सरैया सीरीयक, सीरेय सीरेयक।

४१३ कटसरैया (नीली)—कटसरैया
कार्यक कट्यत्तपका दासी नीलकुट्टक
शोष्णकुसुमा नीलसिटी नीलपुष्पी बाब
बाका सीरीयक सीरेय।

४१४ कुम्भ—जड़हास बहुपुष्पक बमन
रक्तोत्त भुगबन्धु, मकरन्द, महामोक्ष
माध्य मुक्तापुष्प कनहास बट बीट्ट,
शुम्भपुष्प श्वेतपुष्प सरापुष्प।

४१५ नाकली—बाठि मुक्ती बासंठी
मुक्ता।

४१६ रजनीपंचा—कुलमान्जो रजनी-
पन्ना चतुर्गो मुक्तरा सुपधिराच।

४१७ हरसिपार—हरपत्रक नाककुंजुम
परजता पारिजात प्राञ्जल रागपुष्पी
सिपाखार, हाण्डमार।

४१८ कर्म—कर्म कर्मम बाठ
करव नीप नृत्पनीप मियक प्रीञ्जक
बनहारक मूनीप मुमिकरव मुमिञ्ज
भुंवरत्नक मदिपयञ्ज कन्नुपुष्प
विपञ्ज वृत्तपुष्प सुबाह, हृत्तिय
हृत्तिय।

४१९ कनेर—बरवण बरवमारक,
बलपेयक कन्नुक करबीट, कुव नीटी

पुष्प बंदाठ सुर्यादि, विष्णुपुष्प मकराङ्ग
प्रतिहास रमारि, बीट, शंक्रुव
सतकुद सतकुंम सतप्रास सातकुम
सीतकुंम श्वेतपुष्प श्वेतपुष्पक सिद्ध
पुष्प स्वककुमुब, ह्यमारक।

४२० मीकसिरी—कंट, करक केसर
गुडपुष्पक चिरपुष्प टीलांग बोहळ धन्वी
बकुल घमदानंठ मकुस मदन ममुपंजर,
मधुपुष्प मुकुस मीसरी मीकम्बी बर
कम्प विपारव धारिक सिद्धेधर,
सीपगंठ सुरभि सीमुक्तमधु।

४२१ मेहबी—कोकपंता मखरिनी
मेविका मेहबी यवनेप्य रंजका रंजिनी
रामयमी रामांगी साकवेदि, मुनंभपुष्पा
हिता हेना।

४२२ मङ्गुल—जङ्गुर, जङ्गा बोंड
पुष्प बोंडकुल वोंडास्या गुडहर, बय-
कुमुम बबाकुमुम विषम्या प्रातिका
रक्तपुष्पी रामपुष्पी हळहुळ।

४२३ बीना—रमतक बमन बवना
दोना।

४२४ गुलबीना—कुलपत्र कुलपत्रक
नमोत्कट, जटिका तपोवन रंजी
बमन बमनक बाठ श्वेतसेसर,
बीना पत्री पमिञ्जक पांशुराम पुंङ्गीक
पुष्पचामर, बह्मजट, बह्मजटा मदनक
मुनिपुत्र मुनि विनीत।

४२५ मुक्तमुहुरिया—कर्कवत्कम जोळ-
पुष्प क्वरध्न बंधुजीव बंधु
बंधुल बंधुक, बंधुली मध्यरिन
माय्याङ्गिक रक्त रक्तक रक्तपुष्प
घरलुप्य मुपुत्र सूर्यभक्त सूर्यभक्तक
हृत्तिय।

४२६ अयस्त्रय—अयस्त्रिधा अगस्ती
कनकी अरध्वंती शीर्षफलक पवित्र
बनपुण्य शीर्षी का फूल प्रभृति, मुनिपुण्य
अयसेमक ककुष शीर्षपुण्य शुक्लपुण्य
सुरमिय हरया हविषा ।

४२७. डेसू (कुक) — डेसू नाहर ।

४२८. सूरजमुषी — सूर्यफूल सूर्यमुषी ।

४२९. सेवा — सेवा ।

४३. सहायहार — तमाम नामकेयर, माव
रंया धोड़ी सहायहार ।

४३१. मापकी — अतिमुक्त अतिमुक्तक
अतिमुक्ता कामुक अरवस्ती परमया
पूर्वककता मरकता मूमिर्नडपमूवक
मूप्रिया मरमरोरसक मंडप मावशिका
मावकीकता अर्धठडूवी वासंती
मिमुक्तक सुनंवा सुवसंता हेमपुण्य हेम
पुण्यक हेमास्त्र ।

४३२. नैरेर — अमिप्या अरध्वंती
अरध्वंशिका पानेकी गोरसतंडुला
अनुपता अया देवदंडा नामकका अती
रती महापवा महोरवा विस्वदेवी हस्त्र
नवेमुका ।

४३३. अयर्नअरी — अरी ।

४३४. अरध्वंश — अरध्वंश शीर्षीवेल ।

४३५. कुकुर्द — अमिक उमपुष शीर्षपुण्य
अमिपिपुण्य अहुनम रजामयक मुवक
कुपुण्य हरिपुण्य ।

४३६. अयमती — अमगा मूलमकवक अंशु,
अंशुव तामकुर्वा, रकुल-कुणा ।

४३७. मूलवती — अमकटरी कुलीगा,
विवातावा, अहंपुणा अरध्वंती अरध्वंती
रजामागी गुणा मुपिपिवा ।

४३८. अरध्वंश — अरध्वंश अरध्वंश
पुषपुणी रजामावा, अरध्वंश
श्रीवपुणी कुलीमय, शिपु
विश्रिया शिपु, अंशु, अंशु

४३९. मूलमता अरध्वंश —
रजपुण्य अरध्वंश, अरध्वंश ।

४४. कुकुर्द — अरध्वंश, अंशु
विश्वेस्वर ।

४४१. अरध्वंश — अरध्वंश अंशु
कुकुपुण्य कुकुपुणा, शीर्षमय, अंशु
अमगा शीर्षिका अंशु देवदंड
माशिका नेपाडी, अरध्वंश, अंशु
नेवाली अरध्वंश अरध्वंश अंशु, अंशु
अमृर्नवा उपावकरका, अरध्वंश
अरध्वंश अरध्वंश अरध्वंश, अंशु
अमिपिका अरध्वंश, अंशु
अमिपिका अरध्वंश, अंशु
अमिपिका अरध्वंश, अंशु

४४२. पावक — पावक, पावक, अंशु ।

४४३. वातु — अमिपि अंशु
अमिपि अरध्वंश अंशु ।

४४४. अरध्वंश — अरध्वंश, अरध्वंश, अंशु
अरध्वंश अरध्वंश अरध्वंश अंशु

४४५. अरध्वंश — अंशु अरध्वंश, अंशु
अरध्वंश अंशु ।

४४६. अरध्वंश का अरध्वंश — अरध्वंश अंशु
अंशु अंशु अरध्वंश अंशु ।

४४७. अरध्वंश — अरध्वंश, अंशु
अंशु ।

४४८. अरध्वंश — अरध्वंश अंशु अंशु
अंशु अंशु अंशु अंशु अंशु अंशु
अंशु अंशु अंशु अंशु अंशु अंशु

कंचन वनक कट्टाटक कर्पूर वनुद,
 वसपील वन्पाय कंचन वान्ति कान्ति
 रवद, कुलन इवान गणिव गावड
 वीरिण पीर, वंड वंड वरिय वामीवर,
 वादताण वावव वावुवद वावुवद
 पाउरव वाउरव्य लपनीय दन बीपक,
 शक्ति निप्य पित्रान पीठक पुरट
 वेण वाम्य मास्कर, भूतम भूरिपिजर
 भूषणार्हं भूमार मंगल्य मनोहर महार
 धन देवक दशम लोह लोहवद, लोहोत्तम
 वारिज पाठनुम पाठकुम भीनिकेन
 माननि मुबलन सुर मुबलन मुबलं
 नुर्व्यामव लोमेरद रवधं हरि
 हादन हिम्य हेम ।

४४२. वीरी—अनुप्य इंदुमोहन वलपुन
 वनवीर कुप्य कुनुद, वार्धुद, वंधवालि
 वधुनि, वधुमोहन वधुवु,
 वादता लपलवत तार दुर्गिन दुर्गिन
 वीर वीरि वहापव वहावगु, महागुण्य
 लकीर वज रजा रवम ववव व्वा
 पीठ लोहगाव वनुपळा वापक
 विलक गुण गुण वंड वंड विल
 निगा लीय ।

४४३. लोका—वदक वरविद वरं उद
 वर उदक, लोनुवद, वनीयन लपनप्य,
 लपक तापा ताप तापव
 वदप्य विय, वीरानिक वीरानिका
 वरि वरिनिताण वान्तिवुम वदवर्धन
 वनुद वर ववापाय वरिनि
 वरिनि वरिनि वरिनि वरिनि
 वरिनि वरिनि वरिनि वरिनि
 वरिनि वरिनि वरिनि वरिनि

४४४. लोका—वद वरवाला वरवपा

वन्वमार, भायस माहन कांठ कांठलोह
 कातायम् कृष्णापिप कृष्णायसु वंम
 विरिमार, वासत्र वित्रायम पिप लोह
 लोहकांतक लोह वलकीह, धंभक
 वधु गान्ध धरवक धरवाभय पितात्र
 पितात्रायत्र पिताघार वार ।

४५२. वीसाव—इतपाण इसाव घडी
 लोहमार ।

४५३. वुम्बक—मयस्वांत वा-वपापाप
 वुम्बकपत्पद, लोहवक लोह
 वर्यक ।

४५४. वीतल—मार मारकट, कपिला
 कपिलोह, वीवी लुखमुबलं इव्य
 दक वरिवावेर पावटुडी पिग पिगक
 पिगललंइ पिताल पीठक पीठपायु,
 पीगल पीगलाह पीगलीह वन्वपीनि
 वन्वानी महारवठी पिप गात्रुपी राज
 पीनी पीनि पीठी लोह लोहितव
 निहन मुकोह वुवर्धन हरिपीह ।

४५५. वारता—वमार्थि वमद वम्य
 वमगादुग, वगाद, पीनिगेनु, वनेनपटन ।

४५६. वीसा—अनुगाववय वंम वंमार्थिप
 वनुद वाया वागाव वीमी
 वीनीय वीम्य वरान्धय पीगुण्य
 वीरलोह पीठ तापववुव तापवार्ह
 वीरलोह वीरलोह वीरलोह
 वीरि वरान वर वरान्धय वीरि
 लोह वीरिनिप ।

४५७. वीर—जाग वीरिभक वरुद
 वरिनि वुण्य वुण्य वीरुद वरान
 वर वरान्धय वीरि वरान वु
 वुण्य वरान वरान्धय वीरिभक

पुतिगप्र बंन मबुट, मुंंग रंग रींन
 बंन सिहल स्वर्नब स्वनेत स्ववेत
 हिम ।

४५८. घीसा—उरय कुरंग बंदुपबनन
 पिचवट चीन चीनपिष्ट चीनरंग चीट,
 बड़ ठारशुद्धिकर, ननु, घातुमक नाव
 पघ परिपिष्टक पारंत पिचवट, पिष्ट
 बन्क बहुपक मुंबंनम महाबल मुनु
 कुम्भयस यबनेष्ट यामुनेष्टक योवेष्ट,
 यमोरंग डेक्य बव बघक बप्र यमोर्बग
 बर्दं ठिरावृत्त घीघा स्वेतरजन
 सिद्धरकारन घीघ घीसक घीसपत्रक
 सुबर्नक सुबर्पादि, स्वर्पादि, हरिजा ।

४५९. पारत—अचितन बमर, अमृत
 बवितन खेवर, बपल बीन चिनेन
 बिस्यरस दुर्दंर, बेव बेहर पार, पारत
 पारत, प्रमु, प्रमुब्रन महावेन
 महाारस मूर्ति मूलुनाघक, बबोरा
 रनस्वक रस रसबातु, रसनाब रगुपन
 रसनेह रसावनमेष्ट रसेंर रसोत्तम
 घनन रोपन कोकेस कोहेस घिव
 शिवबीन शिवबीर्य शिवाह्वय शिवबातु,
 सूत सूतक सूतराट, स्वर, स्पर्धाघक
 स्वामी हरवेन हरबीन हेमतिनि ।

४६ अबरक—अंतरिका अंबर, अबर,
 अन्न, अमक अय अयक अर
 एक काम क प्रगम गरवध्वज गिरिज
 भिरियाबीन भिरियामक नीम्बामक
 पीरीन पीरीवेन बन बनाह्वक ठवक
 निर्मक बाहुपन मुरबल भुंन नीबर,
 मोडक ध्यीम धुंन

४६१ ४ तरु के अन्नक—दुर्दंर, नाग
 पिनाक बय ।

४६२ घेक—गबेबुक पवेतक पिरिवातु,
 पिरिमूठ निरिमूदनन बेर, बीरि
 गीरिग ठाम्भवातु, वातु, प्रत्ययम एकावातु,
 कोहितमृत्तिका बनालस्त ।

४६३ मुरदासंख—नामसल बेदारभुंन
 बभन मुरदासंख मुरदाधिग मुरदाध
 बोदार, बोदारभुंन स्वर्बर्नक ।

४६४ नीसाबर—अमृतसार, आर्येष्ट,
 शुकिकाकडन गरसार, बजरसार,
 बयसार, विशारन साबर ।

४६५ संखिया—बाधुपापास पीरीपासा,
 मस्क कोहुंकरकारक संखिन
 घतमस्त भुंगविप श्रुतिका श्रुतिक,
 घोमकसार ।

४६६ फिटकिरी—पठरंवा फटकिरी
 फिटकरी फिटकरी बुडरंवा बुडा रंवा,
 रगडुवा रंवा रंवाया सुया स्वेष्ट,
 मुरंगा स्फटिका स्फटिकादि, स्फटिका-
 रिता स्फटी ।

४६७ कडू—अलक्त क्रिषिवा कीटा
 अलक्नी अरिका नंभमादिनी अरिका
 नंभंका वातु, वातुका इवरसा बीष्ट,
 हुमध्याधि नीका पलंकपा पकाबी,
 पाव रंकाठा रला रासा का
 काही ।

४६८ कुंजुर—कुपार, कपुट, टीर-
 रंन नादबभुमिय पाबकी मीपन,
 विद्याकास एस्ककीनिर्वाण मुंन,
 घीराष्टी ।

४६९ शीरत—अर्दसार, नीरिन ठारं
 टीरभरत बाबी शिवाजतु, धारं
 वहा मुबनिका मुरसार, मूर्यसार, मूर्य-
 चार, घोडा घोप ।

- ४७० नोनी (खिट्टी)—कस्कर, नोना
डोला नोनी ।
- ४७१ बंधक—बतिपथ कीटन कुट्टादि,
कुरांथ यथ संकपापाथ
बंधमोहन बंधमोहन बंधास्य गंधिक
बंधी गीरीबीज दिव्यपथ पामांगंध
पामास्य पामादि, बरहरथ बलि रसगंधक
बद, घरमुमिथ शुम्भादि, संगंध
मुपधिक ।
- ४७२ ४ तरु की बंधक—नीका पीका
काक सष्टे ।
- ४७३ हस्ताक—जल आठ कपूर, कनक-
रथ कांचनक कांचनरथ गोवंत गोरेश
बीर पीरीकलित विमर्गंध विजांभ
कर्मिं ठाल ठालक नटमुपज नटमहन
मिन्नमंधि पिग पिगासा, पिजद, पिजकर,
पिजक पित्तक पीठ पीठक पीठन विजा
कक मनोज्ञ सोमहृत बंधपत्रक बंधक
बीरक सिद्धबालु, हरिताक हरिताकक
हरिबीज ।
- ४७४ २ तरु की हस्ताक—गोवंतहस्ताक,
तबकिया हस्ताक ।
- ४७५ गोवंत हस्ताक—गोवंत पिठ हर
ताक ।
- ४७६ तबकिया हस्ताक—तबकिया
स्तबक हस्ताक ।
- ४७७ राल—कमरुका कम्पस काल
कण बेकभूप देवेष्ट, बूनक बुता बुपल
बहुक्य यसाभूप कलठ विरुप
थात्वेष्ट, धाकधार, सर्वरथ सर्वरथ
तात्त्व सुरमि ।
- ४७८ बल्लनाप (बिप)—अमृत बाह्येय
दधाकूक काकोल काकटूट, इपक क्वैड

- मद, गरर गररु बीर, जगुल बहर,
जामक जामुल जीवनापाठ जीवनाठक
ठीक्षण शारथ मील प्रबीपन प्राचहर,
बन्धनाम बह्मपुत्र मुगर, माहुर, रण
शुगिक रस रसायन बरुनाम बिप
धीकक्रेय शृंगी सीपट्टिक हसाहक
हाचि हसाहक ।
- ४७९ ९ तरु के उपबिप—अफीम
कनेर, करियारी कुचिका भूमली बमाक-
पोटा बतूर मबार, सेहड ।
- ४८ रल्ल—कीमती पत्थर, गोमेद गोमे
दक बुनी बवाहर, बवाहरथ जवाहिर,
बीहर, तनगयी मय नयी नमीना
मबरतन ननरल्ल पुठक मणि रतन
कलाम ।
बिलोज—दे कांथ ।
- ४८१ ९ रल्ल—गोमेद, गौडम पुप्यराज
मरकठ माणिक मूया मीठी वैदूर्ध
हीर ।
- ४८२ लगुन के १४ रल्ल—अमृत इंड
बनुप जन्मभवाबोजा ऐपबतहापी
कल्पमूल कामधेनुपी, कौस्तुभमभि
श्रमा बन्धतरिबीध पांचवत्थघल रंमा
अप्यर कम्पी बाकपी हसाहक-
बिप ।
- ४८३ मोती—अमवार, इंदुरल कुचक
कोड पुक्तिक पोषवाय पीहर, बकज
बधिसुठ ठाय इदुंर, नलत्र नीरथ
मुच्छ मीतिक मबर, मंत्रिका मंत्री
मुक्ता मुक्ताकक मीक्तिक कथ
कम्पी बंधनवार, पधिमोती पधिम
पधिमिय धुक्तिज धीक्लिथेय धीक्लेयक
धिमुमुपासठ सीपत्र सीपमुठ सीपमुत्र

सीपिब स्वातिमुत् स्वातिमुत्न हारी
ह्रिगबल ह्रिमत्त ह्रिमवती ।

४८४ मानिक—अग्निगर्भं अक्षोपल
कुर्विल्य कुर्विव्य, कुर्विवरु नोनस
अक्षकांत चित्तमभि तपन तद्विरल
तदन तापन पद्यराग मानि
मानिक्य मानिक रल रलनामक
रलराट् रविरलक रागयुक्त कश्मीपुत्र
आल लोहित लोहितक लोनरलक
शृंगारी शोभोपल गुरमभि सूर्यकांत
सीर्षिक स्वंगतक स्फटिक ।

४८५. हीरा—अथेप अक्षिर, कनी
कुलिष नो अक्षीप्यस्त्रि दृक् दृक्वर्नक्
दृडान निष्क निष्कंपा पद्, परक मभि
वट, वय वयक वयमभि वयसाट,
वटारक वटकोन सूची मुख हीर,
हीरक ।

४८६. पत्ता—अथमगर्भं अथमपर्यन्त पर
कारि, पस्कांकित गस्कास्म गस्मक
पस्मत्त वास्क् अमूर्त्त पत्तन
मभि मरकत्त मरकत्त मसारा, मसाराक
राजनीक रोहिषेय क्तापायक वाप्रबोक
सीपर्न हरित ह्रित्तमभि हरितग ।

४८७. लाल—अथेपिक अक्षोपल कुर्व-
विल्य, तद्वय पद्मराग पक्षजराग
मानिक मानिका मानिक रमभापिक्य
रल रलक रविरलक रविबिब
लोहितिक वैश्रत शृंगारी सीर्षिक ।

४८८. नीलम्—अक्षिररल इन्द्रनील
पुनवाही नील नीलक, नीलकांत
नीलपक्ष नीलमनि नीलमनि नीलोष्मा
मन्कोद्भव मसारा, महानील मुनीलक
सीरिरल ।

४८९. लक्ष्मिणी—अक्षरोह, केतुपह,
केतुरल कैंटव प्रावृष्य वासवापन वाक-
सूर्य मेवकाराकुर, उष्टुक वासक,
विदुरव विदुरल विदूर्य वैदूर्य
वैदूर्य घराभ्याकुर ।

४९०. शीरोजा—नेरोजा फिरोजा,
मस्मांग हरित हरिताम्प ।

४९१. कुशी—कव वैश्रत ।

४९२. पुष्कराज—गुरल पीवरल पीट,
पीतस्फटिक पुष्पराज पुष्पराज,
पीत्तराज पोत्तराज वासपतिक्कन ।

४९३. गोमेर—अस्थिसल गोमे
रक तमोमभि पिमस्फटिक पीतमभि,
पीतरल पीतसाट, बाहुरल रक्षुमभि
लिमस्फटिक स्वर्मानव ।

४९४. लंछ—अत्तकुटिल अम्ब अम्बिब
अर्धवमवोर, अर्धोभव कंभु, कंभुक
कंधोज वलकंकट, कलज कलोद्भव
बिरेल शीर्षनाद, शीर्षनिरलन दुम्प्रावी
वबल पावनधमनि पूठ बहुनाद, महानाद,
मुञ्जर, वारिज शंबुक शंबुक, स्वैर
समुद्भव सम्पक सुताव सुरावट, हरि
प्रिय ।

४९५. कौडी—कठडी कपटिका वटाटिका,
वटाटिका ।

४९६. श्वेतमभि—अमररल नीतशिव
निर्यकोव तिसुवररल तिसुपीपक,
विल्लीटी पत्वार, मासुट, विमलमभि
आक्षिपिट्ट, शिवप्रिय पीव श्वेत
रल स्फटिक स्फटिक मभि स्फटि
क्षरमा स्फटिकोपक स्फटिक स्वच्छमभि,
स्वच्छरल ।

४९७. चित्तमभि—कामरमभि चित्तमभि ।

४९८. गजमुक्ता—गजमणि गजमुक्तागज
मोती विभुरमणि ।

४९९. सूर्यकांतमणि—अग्निवर्मक अर्क-
मणि अर्कोपक आतधी-खीघा तापना
रङ्गोपम शीघ्रोपक रविकांत रविमणि
रविरत्न सूर्यकांत सूर्यकांतमणि
सूर्यमणि ।

५. चंद्रमणि—अनुत्ताराव इंदुकांत
चंद्रकांत चंद्रकांतमणि चंद्रपल चंद्र
मणि चंद्रास्मा चंद्रिकाद्राव चंद्र प्रस्त
रोपक सप्तकोपक अष्टिकांत क्षीतारत्ना
वितास्या क्षीममणि ।

६. १ कौच—कंच काच कुमिम
रत्न पिगाव मुकुट, क्षीघा ।
बिलीन—रे 'रत्न' ।

६. २ मृगा—अंगारकमणि अवारमणि
अभोधिवस्त्रम हुमभव प्रवाल भीमरक्त
वरणा मिरवान रक्तकंद, रक्तकंदल
रक्तकार, रक्ताना कृतमणि विन्दवस्त्रता
विभुम ।

६. ३ घोषा—कंचु, कौघस्य सुव्रक
सुव्रसंल सुव्रसक घोषी नदीभव
कचुघंल संलनक चवुक चम्बुक ।

६. ४ घोष—कुमिसू, कुमिसूक्ति सुव्रसू
क्तिका अलकिन्व नरसूक्ति पुष्टिना
मुक्तास्कोट, सुक्ति सती क्षिपुही
घोषी सुसुही ।

६. ५ कौड़ी—उद्गाहनी कपर्दिका कपर्द
कपर्दक कपर्द कपर्दी काकिनी कौड़ा
चट, चटचट, अविगुता आकम्पिकक
चटट, चटटक चटटिका चारिण
वर्ष्य श्वेता हिरण्य ।

६. ६. मुंघची—अंगारवस्त्ररी अरुषा

उज्ज्वटा कदा कनीचि काफबिची
काकजंषा काकणतिका काकावनी
काकिनी काम्बोषी काम्बोवनी कृष्य-
शुद्धिका कृष्यता मुना गुडिका बुभची
बुभची मुमची चटकी तात्रिका
चटकी तात्रिका तुलाबीज बुमोषा
श्वोक्षनखा भीमभूपम रक्ता रक्षिका
रती वक्रवस्या वस्या वामसापनी
धागुष्ठा शिखंडिनी क्षीतपाकी श्यामल-
बुवा ।

६. ७. गुंजा सफेद—वक्रवस्या चिर
मिटी बुडाळा चोटली भिरिटिका
श्वेतकांबोनी श्वेतगुंजा सफेदगुंजा सफेद
मुमची ।

६. ८. खाल—गुण्यवमार, मूतमाक्षल
खक खाल्ल खाल्ल शिबप्रिय शिवाल ।

६. ९. क्ष्यामाक्षी—तात्माधिक तात्-
मुली धातुमाक्षिक माक्षिकमेष्ठ
क्ष्यामक्षि रौप्यमाक्षिक शिमल
श्वेताल ।

४

१. घुरी (आपरेसन की)—घूरा नस्तद,
नहली रेवर ।

२. बौतक—काचपाव बाटक धीधी
धीधी ।

३. विक्षिया—डिम्बा डिम्बी ।

४. अरुमा—उपनयन उपनेत्र ऐनक,
चक्षमा शिष्यचक्षु, सङ्गनेत्र ।

५. घोषी—कमसूज अटिका अटिया
बटी बटी ।

६. द्विक्रिया—टिककी अटिका बटी ।

७. चूर्ण—रे चूर्ण ।

८. सिताजीत—अपन अर्धं अत्रिज
 अत्रिजतु, अर्धं अस्मज अस्मजतक
 अस्मजसा अस्मोत्त कपिष्ठ पिरिज
 परेय अत्तस्मक मोमियाई, सिक्का
 सिक्काज सिक्काजतु, सिक्काध्याधि
 शीत पुष्पक शीक शीकवातुज
 शीतनिर्वास शीकेय ।

९. ४ तद्दु की सिताजीत—आपस
 ताप रजत शीवर्ण ।

१ केसर—अग्नि अग्निपिष्ठ अचूक
 अस्न कस्मीरी काठ काकेयक कस्मीरज
 कुङ्कुम कुमुमारक केसर, लक
 पीठ, बस बुभुज चंदन चागुड शीपक
 शैबलकमा बीर, पिप्पुल पीठक पीठन
 बर, रस्त रस्तचंदन रस्तचंद्र रज शक्ति,
 लोहित बर, बरेष्य बाष्ठीक घठ,
 शोभित संकोच संकोचपिप्पुल सीरज
 हरिचंदन ।

११ कस्तूरी—अंड्या कस्तूरी मंभमूय
 मद मुस्क, मृगनाभि मृगमथ मृगमेघ, मृग-
 रोचन मृगी ।

१२ घृह—कुमुनाचव शीर विभ्य
 भूनवात मकरंदरस मथ मधु मासिक
 माथीक बट्टीवात घृह सृह सृह
 मारन ।

१३ ४ तद्दु की घृह—शीर शीतिक
 अमर, मासिक ।

१४ शोष—अग्निपिष्ठ, काच शीरेय
 हावक पीनताम अतिद्रव्य मदनक
 मधुगंड मधुच्छिच्छ मधुशिवन मधुनिग
 मधुवात अयन मारन विपन
 निव्व सिक्का स्लाप ।

१५. रसचन—अग्निमार इतक ताददीक

रसचर्भ रसावन रसाप्रज रसोत्त शीर्वा-
 चन ।

१६ लवचीर—अचाट, अपामार्ण बोज,
 कंठी किनी कुम्भ मूरक, चिरचित
 कुटनियह, चामार्गन पांडुकंटक, श्रवक-
 पर्धी मकंठी ममूरक, वाधिर, शैसरिक ।

१७. शोच—कांठीक चालम शिपुम्भ,
 विरीटक ठिस्व ठिकक, बलिप्रिज मार्जन
 रोच अस्तकर्मा शोच शोचक चावर,
 चावर ।

१८ शंकाजुषी—श्रीशियाशी चंडा पीठ-
 पुष्पी मेष्मा वनमासिनी विष्णुवात,
 शंखपुष्पी मुपुष्पी ।

१९. शीतलशीली—कंकोळ कंकोष्क,
 कंकोळा कटुक कटुकफळ कवावशीली,
 काकोळ काक कृष्णक कोरक कोरक,
 कोपकक शैलहाथन शीपचंबब इष्य
 फलक मारिच मापशोपित मापशोपित,
 शीतल शीपी ।

२ सतावर—अनीव अर्धकंटक बोध,
 इन्दीवर, शृङ्गप्रोक्ता कांचनकारिणी
 कार्णी जटा शैलवस्त्री कुमवा अग्नि-
 जिह्वा भीर शीपजी मदनशिरिनी मही,
 महानुषपरंला महाशीठा महोत्थि मूक,
 शैवपी लघुपर्णित विरव शैवपी,
 शतमूली शतावर, शंखेनमूली,
 मुदीर्षा ।

२१ समुद्रजैत—अशिकक, अर्धेन्द्र,
 पलहास शिकिर, अशिकेन शोभित
 केन केनक वाशिकेन विष्वाहव मुष्क-
 गुल्म समुद्रकेन समुद्र शारमक, शिक-
 कक, शुक्रेन शिकिर, शिरीर ।

२२ सातलमिषी—अमृता शीवरी

धीमा प्राचरा धीरकंठा सुभीमूकी ।
 २३ सुपंजवाला—अधीष्य कचामोर
 केसनामक बाळ बाळक बय्य बरपिंग
 बारि, बारिव ह्मीरे ।

२४ सौंठि—कट्टकटक नागर भेषज मही-
 पची बिस्वा बिस्वीपच धुंठि धुंठी
 धुंकार्ण सिंधी ।

२५. सोनापाका—अध्यातशाधक अरट्ट,
 अरळ अरलुक अरळ कर्तप कर्तमट, कट्ट
 वाय कुणट, अंबनेष धीरवंत धीरवंतक
 ध्यातशाधक मट, निचार, पभोर्न पार
 वृक्ष पारिपारव पुतिवृक्ष प्रियचीव प्रिय-
 चीवी पुपुंक्षिब मंटक, मंडुक चमरेष्ट,
 भूतपुष्प मंडुकमर्ष मयूरजंब कट्ट,
 विरोचना सस्वक धुकनास धोण
 धोलक धोवप ध्योगाक ध्योगाक ।

२६. हरं—अभया अमृता अभ्यवा काय-
 स्वा भेतकी धीरंठी पय्या पाचनी
 पूतना प्रथमा प्राचरा बस्या भिय
 म्बर रोहिणी बयस्वा विजया धाकवृष्टा
 धाका धिवा भेयसी सुवा हरड हरवा
 हरडे हरीतकी हरी हरं, हंम-
 वती ।

२७. हस्वी जाम्ना—अंवाहस्वी धाम्गंज
 धामाहस्वी धामिवा हस्वी कपूर हस्वी
 धारंमिह, पपपना सुरनायिका सुरमि
 सुरमिवाह ।

२८. नमक—नूत नोत रामरस
 लवण कोल ।

२९. लेंबा नमक—नारेय पय्य पांशुज
 मधिर्बंज मधिर्नप लवणोत्तम बधिर,
 धिवायमज धीतधिव धुड, धितधिव
 धिड, धिबुधेयज धिबुपक धिबुधंभ

धिबुधंभज धिबुधंभज धिबुधंभ धिबुधंभ
 सेंबा सेंबज ।

३०. कंटीका नमक—वासुर, कंटीका-
 नमक कंटीका नामक काससवज कुठक
 कुठिमक शार, खंड खंडलवण श्रवि-
 डक भूर्त पात्य बिरिया सौचरमोन
 विट विड विडलवण सुपायम ।

३१. सामर नमक—गडवेधज गडलवण
 गडाक्य गडोत्त पृष्ठीज महारंभ
 रौमक रौमलवण नमुक धार्कंमटीय
 धुम्य धंभरोत्तम सामर, सामर ।

३२. समुद्री नमक—वशीष कडक विकूट,
 पांगा लवणधिवज बधिर, वासर, सिब
 धमुद्रमोन धावरज सामुद्रज सामुद्रिक ।

३३. कातालनमक—अस कचलोत कधिया
 लोन कृष्णलवण कीडविक चौहर
 कोडा तिष्ठक दुर्गंध एचक इष्य
 कचक बधिर, विटलवण सूकनासज
 सौचरमनक सौचर्बंज नमक हूधर्गंध ।

३४. कांधिया नमक—कंधिया नमक,
 काचमळ काचलवण काचसंभज काचसी-
 बर्भस काचोत्तम काचलवण कुसंधि,
 कुठिम विकूट, मीळ मीळकाचोत्तम
 पाकजकाभेत्त पायसाह्य लवण ।

३५. खाटी नमक—जीपरक उपरज
 ऊपरलवण खाटी खाटीनूत
 पाक्य बडुळमुभ विड मिमक साम्भर,
 सार्बगुण सार्बसंघर्भलवण ।

३६. खाण परार्थ—खाण विनिस विगस
 रधर रातन ।

३७. खालरी—उपकरभ उपकारक इष्य
 चीव लव संभाट, रधर बस्तु, समान
 सामान ।

३८. आनपाल—अन्नपानी आवधाना
आन ।
३९. भोजन (सात्त्विक)—अन्न बहार,
साहार, अमका आदन आना अणक
अमन नियर, निवस अन्न भोजन
विषय विजय स्वरन ।
४. भोजन (विल पा रत्न में किया
गया अरपेट भोजन)—अमका आना
आयक विपाटी भोजन ।
४१. अन्नपाल—अन्न, अनेवा अमटाव
पन्नक आय-पानी नास्ता ।
४२. इ तरह के भोजन—(पदार्थ घेद से)
अन्न (अन्नाने योग्य) अन्न (अन्नाने
योग्य वेग (पीने योग्य) अन्न (नियन्त्रण
योग्य) भोजन (आने योग्य) अन्न
(आने योग्य) ।
४३. इ तरह के भोजन—(रस के अर्थ
से) अन्न (अन्न) अन्न (अन्न)
अन्न (अन्न) अन्न (अन्न) अन्न
(अन्न) अन्न (अन्न) ।
४४. अन्न—अन्न, अन्न, अन्न, अन्न,
अन्न, अन्न, अन्न, अन्न ।
४५. अन्न—अन्न, अन्न, अन्न, अन्न,
अन्न, अन्न, अन्न, अन्न ।
४६. अन्न—अन्न, अन्न, अन्न, अन्न,
अन्न, अन्न, अन्न, अन्न ।
४७. अन्न—अन्न, अन्न, अन्न, अन्न,
अन्न, अन्न, अन्न, अन्न ।
४८. अन्न—अन्न, अन्न, अन्न, अन्न,
अन्न, अन्न, अन्न, अन्न ।
४९. अन्न—अन्न, अन्न, अन्न, अन्न,
अन्न, अन्न, अन्न, अन्न ।

- अन्न अरसठा अन्न अन्न अन्न,
अन्न, अन्न, अन्न, अन्न ।
५. अन्न—अन्न, अन्न, अन्न, अन्न,
अन्न, अन्न, अन्न, अन्न ।
५१. अन्न—अन्न, अन्न, अन्न, अन्न,
अन्न, अन्न, अन्न, अन्न ।
५२. अन्न—अन्न, अन्न, अन्न, अन्न,
अन्न, अन्न, अन्न, अन्न ।
५३. अन्न—अन्न, अन्न, अन्न, अन्न,
अन्न, अन्न, अन्न, अन्न ।
५४. अन्न—अन्न, अन्न, अन्न, अन्न,
अन्न, अन्न, अन्न, अन्न ।
५५. अन्न—अन्न, अन्न, अन्न, अन्न,
अन्न, अन्न, अन्न, अन्न ।
५६. अन्न—अन्न, अन्न, अन्न, अन्न,
अन्न, अन्न, अन्न, अन्न ।
५७. अन्न—अन्न, अन्न, अन्न, अन्न,
अन्न, अन्न, अन्न, अन्न ।
५८. अन्न—अन्न, अन्न, अन्न, अन्न,
अन्न, अन्न, अन्न, अन्न ।
५९. अन्न—अन्न, अन्न, अन्न, अन्न,
अन्न, अन्न, अन्न, अन्न ।
६. अन्न—अन्न, अन्न, अन्न, अन्न,
अन्न, अन्न, अन्न, अन्न ।
६१. अन्न—अन्न, अन्न, अन्न, अन्न,
अन्न, अन्न, अन्न, अन्न ।
६२. अन्न—अन्न, अन्न, अन्न, अन्न,
अन्न, अन्न, अन्न, अन्न ।
६३. अन्न—अन्न, अन्न, अन्न, अन्न,
अन्न, अन्न, अन्न, अन्न ।

काचनक चाचन चाचर, तंडुल
 तंडुल चाच्यसार ।
 १४ अक्षत—अक्षत आक्षत ।
 १५ अक्षा—अक्षा चूर्ण चून
 पिप्पल सिद्धा ।
 १६ अंबा—आटा कानपुरी आटा ।
 १७ अंबी—अंबी का रस ।
 १८ अंबुर—अंबुरोद्भव गोमूत्र
 तंडुलोद्भव तकरीर, तवालीर, ताल्सीर,
 ताकसन्भूत पयसीर, पिप्पिका
 यत्र ।
 १९ अंबीस—(अंब का चूर्ण)
 चूर्णित धूमकी ।
 २० अंबी—अंबी ।
 २१ अंबन—अंबी रस ।
 २२ अंब—अंबर ।
 २३ अंबरा—अंबरा का रस ।
 २४ अंबरा—अंबरा का रस ।
 २५ अंबरा—अंबरा का रस ।
 २६ अंबरा—अंबरा का रस ।
 २७ अंबरा—अंबरा का रस ।
 २८ अंबरा—अंबरा का रस ।
 २९ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ३० अंबरा—अंबरा का रस ।
 ३१ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ३२ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ३३ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ३४ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ३५ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ३६ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ३७ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ३८ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ३९ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ४० अंबरा—अंबरा का रस ।
 ४१ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ४२ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ४३ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ४४ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ४५ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ४६ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ४७ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ४८ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ४९ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ५० अंबरा—अंबरा का रस ।
 ५१ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ५२ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ५३ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ५४ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ५५ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ५६ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ५७ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ५८ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ५९ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ६० अंबरा—अंबरा का रस ।
 ६१ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ६२ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ६३ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ६४ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ६५ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ६६ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ६७ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ६८ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ६९ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ७० अंबरा—अंबरा का रस ।
 ७१ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ७२ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ७३ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ७४ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ७५ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ७६ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ७७ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ७८ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ७९ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ८० अंबरा—अंबरा का रस ।
 ८१ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ८२ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ८३ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ८४ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ८५ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ८६ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ८७ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ८८ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ८९ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ९० अंबरा—अंबरा का रस ।
 ९१ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ९२ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ९३ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ९४ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ९५ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ९६ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ९७ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ९८ अंबरा—अंबरा का रस ।
 ९९ अंबरा—अंबरा का रस ।
 १०० अंबरा—अंबरा का रस ।

बड़ी इलायची बड़ी लाची बहुलायची
 बाला मरीसा महिषा छाल इलायची
 बृहसेसा सुरभित्तक स्पृष्टएषा ।
 ७९. काली मिर्च—अजय कासीमिर्च
 कोम बर्मपत्तन पवित्र मरिच मिर्च
 मूष्ट, यवनाप्रिय बल्लीब वेणुज चिरोबृत्त
 क्याम ।
 ८० घोड़राई—घोड़राई चोड़रीर रई,
 राई ।
 ८१ बीरा—रे 'बीरा सल्ले' ।
 ८२ बीरपत्त—अजय इष्टयन्त्र उत्कट
 गन्धकाय गोमेद, तत्र तमालक तापस
 तैत्रपत्ता तैत्रपत्र त्रकपत्र इत
 इलाह्यत्र पत्र पत्र पाकरबन
 पाकाय भृंग राम रोमय बरांग बरना-
 ह्यत्र वास ।
 ८३ बालचीनी—उत्कट कामबल्लम
 गुडत्वच चोल तत्र त्वच बालचीनी
 बहुपत्र्य भृंग मुखबोचन रामेष्ट लटपत्रं
 मनप्रिय बर, बरांग बस्य बिज्जुल शकल
 सिंहक सुरस मूतकट, रईक ह्यत्र ।
 ८४ बनिषा—अस्सका कुन्टी कुस्तुंबी
 इत्रा तत्रापाम्य बनिप्रिय बनिद
 बनिदका पत्रक बनिद पाता बाग्याक
 निषाद, बिज्जुलक वेपक बनिषाय
 वेपका वेपक पाक्योप्य सुपिप मूरय
 बत्र ह्यत्रपत्रा ।
 ८५ बिर्चा—अजय बहुबीरा कुम
 रिच तीरपा, मिरचाई बिर्चाई, काक-
 मिर्च ।
 ८६ बररला—बलीबी बाला बाला
 बाली बालाबीरा बनिदका बुजिब,
 बुजी इष्या तरपी निष्या पत्रिबत्र

पूर्वनी पुत्रुवा भवय मपररम
 म्युक्तय म्युक्तरीरक ।

८७ वैकी—दुविवा वैकी दपडवा
 मन्ववीना, वडिवा म्योनि रीतनी
 पीनवाडा बडुपी मिथपुना मनीनिवा,
 वैविवा वैकी वप्पटी वैकी ।

८८ तांबय—वलिबोमम चंद्रगुण
 तीरम तीरगुण श्रीवापिदिवा मिथ
 दिमनाथ देवगुण प्रभुम भुंवा
 रविम मरदम मर नीम वारिम
 वरिगुण मरम पीगुण मीमय गुरिम ।

८९ मीठ—वलिष्ठम अवाठ पुत्री
 वाववा म्वाविवा वीनवी वीवा वीवा
 वावविवा वीविवा म्वावा वपविवा
 वावुवी विवेवा विगी वगुणा वगुणा,
 वाव विवववा विवववा ।

९ इली—अलग उवा वावनी
 वावनी वुविदी वाववा म्वावाविवा
 वीवी व वनी वनी विवा विववा
 विवववा विवा विवा वीववावा
 वीव ववा ववा ववववा वववा
 ववा ववनी वीविवा ववनी
 ववनी वाव वनी ववनी वीवनी
 वीवनी विवनी विवा वीववा वीव
 वनी वीव वीववनी ।

११ वी—वैवा वीवी ववा व
 ववा ववा ववा विववा ववनी
 ववा ववा ववा वव ववा
 ववा ववगुण ववनी वववा
 ववा विव ववा ।

११ ववा—वव वव वीव वव
 वीव वुव वव ववा ववा
 विव विव ।

९१ मीठ—अवम विवव वीव
 पुवा व व व वाव ।

९४ पुनाव—ववाव पुनाव वीव
 वावोव वावोव ।

९५ मीठ वाव—गुवाव वनी ।
 ९६ महेर—मववाव महेर ।

९७ वाव—ववि ववि वीवी
 वु ।

९८ मवीवा (वै वर वी वाव)—
 ववा वु मवीवा ।

९९ वडी—ववाव वडी ववाव
 वविवा ववव, वेवम विवम वी
 वीव ।

१ वीवी—ववा ववा वीव
 वावनी वीवी वीवी वीवी
 वीवी वुववा वुवनी वीवी वाव वीव,
 विवनी ववु, वववीवा ववु ।

१ १ विदी (वनी वनी वी वी व
 वनी वी)—विवा विदी ववनीवा ।

१०३ वीवी (वनी वी वी वी
 वी वी वाव व वनी वी)—व
 वी ववा वनी विवनी विव
 वनी वीवी वववनी ।

१ ३ वुवनी—वनी वनी वनी
 विदी वववनी ।

१ ४ वववनी—वनी वव वनी
 वव ववव ।

१ ५ वनीवी—वनी वनी ववव ।
 १ ६ वीवा—ववा वीव
 वव ।

१ ७ विवनी—ववा वव
 वीव विवव ।

१ ८ ववा—वव ।

११०. पूड़ी (सादी)—ऊनुई, पूरी पूलिका
पोटी छप्कुली छोहापी ।
११०. पूड़ी (मीठी)—गुड़पूरी ठेकुआ
मिठपूरी छोहापी ।
१११. पूड़ी (पुरन ली)—इकमुसुपी
पुलपोली पूर्वमर्मापुलिका पूर्वपुलिका
मई, पूडी मई पूपी ।
११२. पराठा—शौपली पराठय परामठा
परेठ परीठ पोठका पोठिका
प्रामठा ।
११३. रोहणी—रोस्ती रोहनी रोहपुई ।
११४. रोमुई—रोसरोटी पोससा ।
११५. चूरमा—चुना चूरयोदक ।
११६. कबीड़ी (जमकीन)—कबीड़ी
कबीपी मापगर्ना मापगर्ना छप्कुली ।
११७. कबीड़ी (मीठी)—कौंपूरी मीठी
कबीपी ।
११८. कुशिया—गूसा पोशिया वेककिमा
संदाष ।
११९. मालपुमा—अपुन पिप्टक पुमा
बुडा पुन मसूपुन मालपुमा ।
१२. पापड़ (मीठा)—गपडा पपरा
बीठ पापड़ ।
१२१. पापड़ (जमकीन)—बरक पर
पट, परांट, पापर ।
१२२. हनुआ—महनमोम मोहनमोप
कपी मजिका सीरा हेकुआ ।
१२३. खीर—शीर पापम ।
१२४. खैरई—खैर, खैरई, मेरिका खैरिया
मई ।
१२५. खारर—तनमई दुगर्नदुल ।
१२६. खपीर—मुहाप बीग
बाड ।
१२७. खिखरन—माजिता खाभा
खिखरिनी बीखड ।
१२८. खेनी—खेनिका सूतकेनी ।
१२९. खरी (मूंम बी)—कौंहड़ीपी
मापरयी मुगीपी मुग्गबटिका मुग्ग
बटी ।
१३. अमृतबरी—अमरिठबरी अमरीठ
बरी अटमिठबरी ।
१३१. बड़ी—बटिका बटी बरी
मारोबरी ।
१३२. बड़ा—छा पिप्टक पिप्टबटका पुप
बटका बरा बारा रुस्ती ।
१३३. बड़ी बड़ा—तक बटका तक बड़ा
तक बरा यही-बरा ।
१३४. पकीड़ी—बाणकी पकीड़ा फुनीड़ी
फुनीरी बटिका ।
१३५. रामठा—माजिता रामिकास्त
रामनो ।
१३६. खटनी—अबलेह खाडन खलण
माजिता खाभा लेहन लेह्य ।
१३७. अचार—अचार, संजान संजित
सहितइथ्य ।
१३८. मीठी खटाई—जटमिठठा खट
मिठका अचार, मिठ्ठी खटाई ।
१३९. खिरिका—खिरिका खिनी ।
१४. पला—पला पालक ।
१४१. अरबत—मिर्चबात रम अरबत
मरबत ।
१४२. शाना—बरीना बरीनी बरन
मुनीना मूना पुनीना मूना ।
१४३. हरा भुना अर—छोला हाकुम
होला हाप होला ।
१४४. इमका—इका फेट्टा ।

- १४५ बिजरा—बिठका बिपिट, बिपिटक
बीका पुपुक ।
- १४६ लाई—परमल कलूी ।
१४७. लावा—बसता बीक बीला
मुत्तुय लावा लावा ।
१४८. बाल का लावा—बसत बीक
बाल कुस्ता लाई, कवा ।
१४९. पुपुटी—कुस्माय पुपनी पुपनी
पुपुकी लोका मर ।
- १५ सतू—पुरता दरि पीतलमुकनी
सतुक सतुवा सतुवा सतू ।
- १५१ बेई—बेई, बेईमिका ।
- १५२ बेबर—बातिक, बूतपूर, बूतबर,
पेबल ।
- १५३ बिजना (धरात आदि पीने के लाल
बाले को बस्तु)—बजम बजना
बटपटा बाट मधपायन ।
- १५४ बमाल्ट—बंबापोकी बमरत
बमाल्ट बामपापक ।
- १५५ बुब—बमूत बबरोह, बबस्य
बीर, मोरत बुब बोहज पब
पीपुव स्तम्य सीमत्र ।
- १५६ बही—बीरत बनेतर, बहि बहि
इप्य पबसल संयस्य बिरल ।
१५७. पी—बभिपारक, बमूत बाब
बाग्य बापु, बूत बीबन बीरत
तीपद नबनीतब पबिब पीब पुरीडास
बहिबोप्य मपि इकि इबिप्य ।
१५८. बकजत—बकजुत बीरसतब बीर
गाग बभिनाद, नबनी नबनीन नबोपुन
बीनु बीनी बागन ब्रसब नबनी
बीनु, सरत नार ।
१५९. रबड़ी—रबटी रबड़ी ।
- १६ मकाई—बीरकेन बीरसतानिक
बकाई, बाकाई, साड़ी सागही ।
- १६१ बोमा—बीरबिहृत बिनाद,
कूजिका लोका बोमा माना ।
- १६२ मट्टा—बम्ब उबसित कंकर,
कट्टर, कालसेय मोरत मोरसब बोब,
छाँक छाक तक, बडाहूत इव पम्-
संधिक मबित मकिम माठा बिबो-
बित ।
- १६३ मंनु—नबनीत नबोपुन बीनु,
फोरल ।
- १६४ छेना—उधरपिठ पीर,
फटतब ।
१६५. छेना-पाली—मोरट ।
- १६६ मिठाई—मपुरात बिप्टाब
मीठा ।
१६७. बकरी—साँची बकी
बाकी ।
- १६८ बिडिया—मुड़ बिडिया बेंबी
बिड्या मीठा ।
- १६९ मुड़—बमूत छारब बरम इ-
रसक्याब इकुमार, बंडोक मुट, मुड़
इबब मबुर, मपुबीजक मोरक,
रसपाकब पिपुमिय सितादि, बिड
स्वानु, स्वानुलंड ।
- १७ राब—मुड़ पूड़ पूर, बोल,
बोस्था फबित मत्तबंडी ।
- १७१ लाड—लंड लाँड बोम, म-
नका पांडुरा मोरत रसोमना, एबर,
मुम्बा मुपिप्टा ।
- १७२ बीनी—बहिषतना लाँड मुडोबना
बिपी बाकुबालना बुर मन्बिबि-
मीनाबी गकर, एकर, एईत लाँड

पुष्पा बुध्नोपजा बुद्धा बुद्धा स्नेता
सिक्ता सिता सितोपजा ।

१७३ बीटा—बोट्टा पछाव मोछास
सर्कटमक सीरा ।

१७४ मिथी—मिघरी सितासड
सीतासड । दे 'बीती' ।

१७५ कड्डू—विदुमोदक मोदक माडू
केडूवा ।

१७६ कड्डू (मोटीचूर)—मुक्तामोदक
कड्डू ।

१७७ मगरक—मगर मगर का कड्डू,
ममक मगरक मगरमोदक कड्डू ।

१७८ बुकावजामुन—मुक्तामुन गुकक-
जामुन कुककूपिका ।

१७९ जमिण्टी—जमूती इमरती इमि
रिती ।

१८० जलेबी—जुडिनी पुद्बी जलेवा
जिमेबी ।

१८१ जुरना—जंजपाक जककर
पाठ जककरपाका सकरपाका ।

१८२ जंतरता—जंजरता जंतरस इंडु
रता जालि-पुप ।

१८३ जाजा—जजकी जजकी जजकी
जाजा ।

१८४ जुरब्बा—जाग मोरब्बा रागजाडव ।

१८५ मनुवापाप—मोहवापाप पेठा ।

१८६ इलायची (छोटी)—इलायची
कपडुंधिका एला कपोलजर्नी कुनटी
कोरमी पंजफ्लिका गर्धारा बुजरावी
इलायची गुजउतीलाची नीरांमी चंड
बाका चंडसंभवा चंडिका उडिकागिपु,
तीरसंभवा चिपुटा बुटि, इचिडी
निचुटी पुटिका पुत्वा बहुका बुग

पायिका बयस्था एवेतीला सफेद
इलायची घुसैसा ।

१८७ करवा—कीर ।

१८८ कुना—कुना कुन ।

१८९ कर्वा—करवा टंवाकु, तमाकु,
पानसुती सुरती ।

१९० पाल—ठांबूस बिबाभीटा नाम-
पन नागपनक नागबल्की नामबेल
नागबेल पर्वसता पर्ण मजपवा मुन
भूपन सप्तधिका ।

१९१ पान का बीड़ा—सिस्ती बीकी
मिळीरी ठांबुक बीड़ा बीरा
बीरी ।

१९२ सुपारी—जकोट, क्वीमी कम्पु,
कम्पुक कम्पुकी जपुर, गुवा गुवाक पोप
रक पोंटा बिक्कन छटाफळ जालिया
जकी तंगुसार, ठांबुक बुडवल्क बीर्ब
पाडप पुंवीफळ पूवीफळ पूग पूगबुल
पगी 'राजताक बस्तुकर सुपाडी सुमिय
सुरजन ।

१९३ जकीम—जक्रमुन जफीन जफेन
जम्मक जहिफेन जहिफेनक जाफू जफूक,
ओपियम जसजस रस जसफळबीर,
नागफेन मिफेन पोस्त पोस्तरस पोस्ता
पोस्तोडमज फीम भुजंगफेन ।

१९४ कड्डूवा—काडी ।

१९५ तांजा—तांजा माहिनी मोहिनी
संविवा मंजरी इपिची ।

१९६ चाय—चविका चहा चा
चाह, चाहा चाही टी ।

१९७ कांजी—जमियुक्त कारणाकक,
जाबन्तिसोम कांचिक काञ्जिक
कुंजक कुंडक कुस्गामियुक्त कुस्माप

गुहाम्बु तुपाम्बु, बायमूलक महारस
 नीर धुल्लचुक, सवान ।
 १९८ तंबाक (सुबने की)—किष्की
 मककिष्की मसवार, मास सूपनी ।
 १९९ तंबाक (पीने की)—दूमिष्की
 धारपना तंबाबू तमाबू भूभ्रपनिका ।
 २० तमाबू (खाने की)—बहनी
 खयनी खैनी तंबाक, तनाबू सुरती
 सुती ।
 २१ तानी—अकासी भासमानी सबंत
 ताबी तापी नीरा नीमकी ।
 २२ बतुरा—उन्मत्त कंटक कनक
 कनकाह्वय कलम कडुकापुष्प कित्त
 बरहूपन बर्भुन बल बटापुष्प बंटिक
 सुती वेवता बेनिका बतुरा
 बस्तुर, बुदुर, बुस्तुर, बूर्त बूर्तहृत्
 पुटीमोह, मत्त मंदकर मदन मदनक
 महामोही मातुक मातुकक मातुकपुष्पक
 मोहन सिवप्रिय सिवसेवर, रैव
 सविय हरमस्तन ।
 २३ बीड़ी—बाकी सिपरेट, बीड़ी
 बीडी बीटी ।
 २४ भाव—अजया भावरा उन्मत्तनी
 कामाग्नि अपला अना ज्ञानरा ज्ञान
 बन्धिका बूर्तबबू, नीली मंद भया भाग
 भूपी भता भनीहृत् भक्तुमारि, मातु
 खानी मातुनी माया बोविनी बिजया
 बीरपना घकासन सिवा हरप्रिया हृत् ।
 २५ धरात्र—अग्निजा अमृता अमृता
 बासव हृत् कस्य कस्या कस्य काव
 म्बरी पुधारिष्ट बाव, परिष्कृता परि
 भुत् प्रमत्ता प्रसवा बुद्धिहा भता
 मरिच मरिष्ठा मघ मधुतिका मधुक

मध्वारिष्ट, महार्गरा भावनी मर्दिनि,
 मीरेय बाकपी नीर घटाबभुंदा संजल
 सिपुररसना सिभुतुता सीता, सुत्,
 हृमिप्रिया हारहूर, हाका ह्ये ।
 २६ बीमरस—भाबकरस वैरिफेन ।
 २७ बीमरस—गुल्मबली खं-
 बस्की दिवप्रिया नीर महानुम्,
 म्बबली यडाका सोमनीर सोमनीटी,
 सोमबस्की स्पेमा ।
 २८ चारा (पशुओं का)—दुष्टी कोर,
 डेहल डेहना ।
 २९ भूसा—दुस नीर भुष
 भूसा ।
 २१० तानी—दुत्तर, खानी भीबापाट ।
 २११ कोर—कोरवर, कोर सूबा ।
 २१२ करवी—कड़वी बरी चार
 बट्टन ।
 २१३ कुमी—अमकन बुरी बुरी,
 बला ।
 २१४ भूती—दुप दुस तुपी तुपी बुद,
 भूवा ।
 २१५ काक, काकी—बरी तिक्पिरी, पिमा,
 पिरी पिमाक पीना ।
 २१६ हरिपर—हराचाप हरिरी ।
 २१७ रात्रिब—बागा रात्रि ।
 २१८ बल्ल—अंबर, अंतुक बाण्बाव,
 कंबुक कपडा कप्पर, करपट, कर्ब,
 कापड कापर, बीम बीर, बेल,
 बील छाजन बामा, रंभ दुर्ब
 मिचोक पट, परिवाल परिधि
 मीठ मस्तक, मत्ता मत्त
 बाह ।
 २१९ नया बरब—अनाहृत् बहृत् कोर

काका तत्रक मया बस्त्र मबाम्बर,
मिप्राबाधि मृतमपट भकिहारा बस्त्र ।

२२० धुला कपड़ा—उद्गमनीय धुला
बस्त्र धोयाबस्त्र धीतबस्त्र छात्रबस्त्र
स्वच्छ बस्त्र ।

२२१ कटा पुराना कपड़ा—कपट, पूरक
विपदा शीपका शीट, जीर्णबस्त्र नकत्र
पटम्बर सत्ता सुगय ।

२२२ कई—नूम पिबु ।

२२३ मूनी कपड़ा—कार्यास मजी
गम्भी पाका चीन फल बादर मार
कील मोटक, बादर समीता सुकम
स्तूक पाटक ।

२२४ डक—डकं पबकन कन ।

२२५ डनीबस्त्र—डनेन रिकब रोम
पट ।

२२६ बसम का बना हुमा—पनमीना
पामीना ।

२२७ पाका बिचना कपड़ा—पनेला
बेल्दार ।

२२८ छाट्टी—शीमी छट्टी दुबून
बनाट बन्कल बन्कल बन्क पाग ।

२२९ सन के रेशे का कपड़ा—बेला
धिय बाज दुबून पटम् ।

२३० बांग के रेशे का कपड़ा—अंपरा
अबाग अंबरीया ।

२३१ कनारन—कनारीन कनारन
कनारन बनात मरदा रोकपाट ।

२३२ रेशक—बीग कीयय टमर पून
कोग ।

२३३ रेशवी कपड़ा—अंबर अगुब
दरग बिनागुब ल्पामी बटोर पटबर
कम्बी ।

२३४ कुछ रेशमी कपड़े—अंडी कटा
टिया कर्टी जलपुत टमर, ताफ्ता
तिरछा पटोस पारखा फूलबट, बाऊत्रा
मछमक कहरपटोर मुक्यानी ।

२३५ कुछ महीन कपड़े—थटी ठजब
दरेस ।

२३६ पोशाक—कपडा कत्ता परिच्छज
परिपान परिमि परिचय पहनावा
पहिनावा पहिरावा पारखा
भरनि । रे बस्त्र' ।

२३७ अस्तर—तस्मी मितस्सा मित-
कनी काइनिम स्तर ।

२३८ पागड़ी—उष्णीष शीय कुपट्टा
पगिया पट्ट पाग मुंडासा
मुरडा समसा साऊ ।

२३९ बड़ी टोपी—कनटोप कटोप
कुलही टोपा ।

२४० अंग्रेजी टोपी—टाप नाइटकप
कट्ट रीप हूट ।

२४१ टोपियों के कुछ प्रकार—गांधी
टोपी त्रिना टानी जबाहर टोपी मुर्ची
टोपी कुपलिया टोपी ।

२४२ मंजी—अपकट्टी फ्यूरी बनिपारन
सन्दी मुडी ।

२४३ बुरता—अगबाग अया कंबुवा
मुदना कुर्ता सगा ।

२४४ कुर्ते की बांह—आगतीन आग्नीन
बांह ।

२४५ कुर्ता (पंजाबी)—बन्नीशर कुर्ता
पपरीनर कुर्ता पगहार कुर्ता सगलिया ।

२४६ कमीज—कमीज ।

२४७ आलबट—अपकट्टी अकट
आकट रोगकोट आकट ।

- २०३ बाँसल—बैंसल बबल बँसला
बाँसल बाँसला बाँसला पस्तु ।
- २०४ बाँसनी—बाँसनी उत्तरासम
उत्तरीय उत्तरला उत्तरनी उत्तरनी
उत्तरस्य उत्तर खान्द, खादरा
दुपटा दुपूत दुपट्टी दुपटा दुपट्टा
निचोल पना पदुवा पदु पामरी
पिपीपी प्राकर, प्राबार, खरिया कृत्तिक
बुली संस्मान सेली ।
- २०५ बैरीकोट—दुबड़ा बैरीकोट
लूंगा मटुवा साया स्तर ।
- २०६ बहगा—बाप्रपदीन बाप्रपदीना
बहावन पटबास करिया ।
- २०७ बायबाना (बीरली का)—
बरास पनामा पायबाना यस्तबार,
भूवन भुपना भुपनी भूवनब ।
- २०८ छोटे बरषों का बुल्ला—सामुझी
सागा भुपा भुपा भुगुमी भुग्नी ।
- २०९ बरषों की टोपी—बंटोर कुलह
बरा बुल्लाबाग बुल्लाहा बुल्लाही टोगा
टोपी ।
- २१० साड़ी (छोटी लड़कियों की)—
रुपिया बबबानी ।
- २११ बनौट—बैंडिनर बनौट ।
- २१२ बिछीना—बिछावन बिछार
बिछाना बवन बावनौय बीया मग्गा
केर बा ।
- २१३ बरी—बरी बनारी ।
- २१४ बिछाने की बाबर—उत्तरासम
उत्तरासम ।
- २१५ बीजक—दूरा बिजय गुगई
बिजक बोजक बिछीना ।
- २१६ बालीन—बालीन बालीन बालीना
- गलैबा गिलब गिलिम दुमीचा
दुमीचा ।
- २१७ लकिया—उपमान उपबहं यल-
मुजा यलमुई, बंदुद गाबतिया
बैंदुजा बैंदुद बलीठ धिरहाला ।
- २१८ लकिया (बड़ी)—मसतव ।
- २१९ पिताऊ—बाबाबा बास पिताऊ
पितात ।
- २१ खाई—बोवना गुलाई दुलाई
नीपार लिहाऊ सेहाऊ ।
- २११ कंबल—मुसाला रस्तक धाल
सेला ।
- २१२ बोहर—बीक ।
- २१३ बाबर (बोवने की)—बंटी बंटी
बाबर दूस धूस रैपर धाल ।
- २१४ पापबाज—यमदाज पाबड़ा
पाबड़ी ।
- २१५ बरिनी—बल्लोक बंदेबा बंदेबा
बंजालय बिजान ।
- २१६ बोहार—बन्धुपट, बीज
निचल निचोन बटल पग्गा ।
- २१७ बला—बागवबाग उपानह
गडाई, पोडारी, बट्टी बननी बानल
बरगाठीठ कुनी बंगगाई घोड़ा
बरा बग्गरी पग्गामी पदनियां बगटज
बरबाग बरहिया बरही पाबरी पाबल
पाबबान बागुवा बैरान बीगी बट,
बीरिम बिचर गु ।
- २१८ बपी—बानियां गलीहर ।
- २१९ बड़ाई—बगदापी बाबबाग
बागुवा बाबरी ।
- २० बंपार—बनबिया टट टट
टट बन्ब बपा, बन्ब बिचर ।

- ३१ अंजन—वीज कजरा कजरा
कजरा काजरा, काजरा बीजभजन
सुरमा।
- ३२ अंजन छासाका—अंजन सलाई,
अंजनछासाका सलाई, सुरमधू।
- ३३ काजल (तजरा बचाने का)—अंन
जनका जनका डिठोना मसिबिनु
मसिबुन्दा।
- ३४ ३ तरहू के सुरमा—पुष्पांजन
छीबीरंजन सोतींजन।
- ३५ सुरमा (छीबीरंजन)—अंजन
कपोटक काकासुरमा कृष्ण बभ्रुष्य
बुष्पध नायेम नीकांजन पार्वतेय
मेवक यामुन बारिसंभव स्नेहसुरमा
सुरमा छीबीरक सोतींज।
- ३६ सुरमा (पुष्पांजन)—कुमुदांजन
कुमिरसांजन कसुम बाभ्रुष्य बापु
यमासिक पुष्पकेतु, पुष्पांजन पीपक
पीतिक पीतिकुसुम पीतिपुष्प सखंजन।
- ३७ सुरमा (सोतींजन)—कपोतसार,
कपोताका अयामक नबीच पीतसारि,
बास्मीक बास्मीकछीरं बामुन बारिसभ
सुरमा छीबीरसार, छीबीर, सोतीच
सोतीव्भव सोतीवव।
- ३८ प्रसिद्ध सुरमे—गळोना ममीरा।
- ३९ तिकुर—अवन अचमपराम
पनेधमूवय बीनविष्ट, नाजगर्म नागज
नाजरस्त नागरेयु, नागसंभव मालव्यंजन
रंयव रक्त रक्तचूर्ण रक्तबाहुक रक्त
बाहुका रक्तयासन नीर, बीररच सिच
छीन संध्यावन गृन्थारमूवय
छेदुर, छीरंठक छीसच छीसोमभाणु, छीदुर,
छेनुर, छीदुग छीनाय छीमाप्यबिन्ह।

- ३१ ईंगुर—ईंगुर, ईंगुर, छंज उर,
कपिशीरंक बार्मीकार, बार्मीर, बिपल
चूर्णपारख, बरद मालामंभारबईर,
मकंठशीरं मनोहर, म्ळेच्छ, रंजक, रंज,
रक्त रक्तपारख रस रसमर्म रसवान
रसोदनव बर्बर, सुकतुंडक, तिबरक,
सिंदरिफ, सुरंग सुनर, ईंधपाद, हिंगुड,
हिंगुकि हिंगुड, हींपल।
- ३११ ३ तरहू के ईंगुर—बार्मीर,
सुकतुंडक ईंधपाद।
- ३१२ इच—इचर, इचर, चुपटु,
नंज पुलायक कुलेछ कुलेक, सुनंर,
सुमधि सेट छोरम।
- ३१३ लेक—अम्यंजन बायक छेक,
गखण सनेह, स्नेह।
- ३१४ कंठी—अतिबला असावाल कंठ-
ठिका कंठती कंठी कथा कंठी
केचप्रसातिका बंटा प्रसावनी बकिम
बिककंठा बुष्पगंथा छीतपुष्पा छीता।
- ३१५ बाक बोने का नसाका—ठोम,
छोबु, छीथा।
- ३१६ मीसी—बंठरान मिस्ती।
- ३१७ खेकाच—खिजाव बधमा।
- ३१८ बाकसिकक—छीर, टीका सिचक,
पुष्क पुष्क।
- ३१९ तिकुकी—कचवणी खोरिच,
अमकी टिककी टिककी ताच,
बिदी बुजा।
- ३२ बिबी—बिन तिकुकी टीका
बिदुका बिदुटी बिदुकी बुष्क,
बंथा बेबी।
- ३२१ रीरी—कुंठुम बाक रोटी,
रोहित।

१२२ पाउडर—अमराण पाउडर ।
 १२३ उबटन—अपटन अउटन अम्यंग
 अउटन अउकेप उच्छादन उत्सादन
 उउरुन उपटन मादा चिकस
 चिकस चौकस बटना बुकवा मस
 कर्म वेसन लो ।
 १२४ आलता—अलकतक अऊठा आऊ
 कतक, आऊठ अलु, अतुरस अननी
 आवक महावर, महाउर, महावरी माव
 पय अतिक भासा भासारस आसका
 आसा सम्पदा ।
 १२५ चोटी बाँधने की डोटी—ऊतर
 ऊवरी चोटी मयनहवा मुकर्वचना ।
 १२६ बाईना—बाइना बाइसी ऐनक
 ऐना कर्क छायापह वरण वर
 वनी वरन मंजुर, मंडलक मुकुर, पीछा
 हुकवी हुम्मी ।
 १२७ आमूबय—अलकरण अलंकार,
 अकंस आमरण आमूयन आमूजन
 कनाप मूणा खेवर, दूम परिष्कार,
 मूवय मूयन मूजन मूया मंडन
 लजाम किमूयय ।
 १२८ तिर के पहने—आइ कौटिया
 कौड़ी कुटा करीक खीर चटिका
 चूड़ापचि चौका छपका झूमइ झूमर,
 टीक टीका शानिनी शाननी पीर
 बँदिया, बँदी दिर, बिरी बेचीपूल
 बाँटीषा माता पिरफूक पिरनीर,
 पिरौमूबय पिरौमचि भी भीमंत
 नरोच सिग्ताइ सिरकूक सिरमनि
 सिग्मीर, सिरबिरी सिरोमनि सिरी
 डीपचूक ।
 १२९ नाक के पहने—नील चुन्नी

मुम्नी मुछनी नकफूस नकबुम्की
 नकबेसर, नकमोटी मत्प नथ मथनी
 मथिया मथुनी मायफनी फुसिया बुलाक
 बेसर, मोगली मोरनी कटकन सीम
 सीक सोबनिया ।
 १३ आन के पहने—दीरन कौणिका
 कौणिका कर्गफूक कनककमी कनफूस
 करनफूक कुंडक कुटिका गोद-
 बाण चाँदबासा चौकड़ा झूमरि, झूमका
 झूमक झूमय झूमर टेटका ठरियन
 ठरकी ठरकुली ठरी ठरिका ठसिन
 ठरीला ठाटक ठाडक नामफनी पत्ता
 पंच फिनिया बाडी बिबली बार, बीपी
 बुन्दा मुंवर मुराछा छजामी मुरकी
 मोरकी लोछक ।
 १३१ पके के पहने—अकमातिका कठ-
 पी कंठा कंठी कंठुका कजूरी गंठक
 गलबंदनी पलसिरी गुमूबय, पोप
 पीबेयक चंदनहार, चपाकली चौकी
 बंतर, अयमाल बुनुनु, झंय टीक टीका
 तिलका तिलकी ठोका ठीक दुगदुगी
 बुलकी बुकबुकी मवसर, मीमलाहार,
 पंचलका पंचलकी पटिका बचनहीं
 बचनहिपी बचना बचधी बिबली मणि
 माला मनिया मार, माल मामा
 मातिका मास्य मुवसिरी मोतीसिरी
 मोहनमाला रामनामी भीमाळ छतसकी
 सिककी सीवानामी अत्र हँसकी
 हँमुली हमेक हार, हारक हमेक
 हुकल ।
 १३२ कनर के पहने—कौरीय कंचनी
 कटिबेब कटिभूय वरगता करवनी
 किचिभी कौपनी चिचिका ठापकी

मेखल मेखला मेखली मुखल मुखला
सिक्की सूत ।

३३३ बानू के गहने—बंगर बामकेट,
केमूर, बुड़ा जोछन टाँड़ नीनगा
बरा बरेली बहुटनी बहूँटा बाँक बाक
बानू बानूबंद, बानूबीर, बिजायठ, भुज
भुजबंद गुराही ।

३३४ कलाई के गहने—कंकम कंकम
कंगन कंगना कंगनी कटक कड़ा
कक्या कक्य यजरा मुजरी चुरी बुड़ा
बुड़ी बुहाबंदी छत्रा बह्रापीरी ठोड़ा
पछमी पछुवा पछेमी पट्टरी पत्कब
पहुँची बाँक बाला बीर, बेड़ा बेंदुरी
बाँक बेड़ा बेसलेट मठिया मुठेहरा
हथहरा ।

३३५ पैर के गहने—बेंदुक कड़ा
मुजरी गोकसंकर, भोड़हरा पुंवरु कड़ा
छरा छला छगल कुनु जेहर
सांस सांसबी सांसन सांसर,
सांसरी ठोड़ा मुपूर, मेबर, पंडु, पाइल
पाजेब पायल पैरनी पैरी बाँक बिहूआ
बिछवा मंजीर, लच्छा साँबड़ा ।

३३६ अंगलियों के गहने—बेंगुडी
बइसी धाठिम छस्ता मुआ मुकिफ
मुँरड़ी ।

३३७ मुट्ट—उप्पीप किरिंट ताज
मउर मुट्ट राजमुट्ट सिरताज ।

३३८ भाड़—मावे का गहना—कच
पची किरिंट नीट बंदन बंडकला
बकिरा टिकरी टीच टीचा तिकक
दावनी दावनी पीड़ बुन्ना बडा लला
लिया ललावक निरबही निरी ।

३३९ टीका (भावा)—बवानं टीका ।

३४० काल की बाली—जंटी कुपब,
कड़कबिजली कर्मपाळी चारवाक
ठांडक तरकी तरौना ठार, बापी बाळी
मुरकी मुर्की ।

३४१ कुंडल—कर्मपाठ कर्मनूर,
कर्मवेटन कर्मपी कर्महार, बल,
कुपबक ।

३४२ काप (काल का एक पहना)—बाँद,
धंवाजमनी घोरापेच चारवाल
भुमक भुमना टेठका ठरना ठरीना,
फिरिया मुबरा बुन्ना बिजली
बीरी ।

३४३ कील (नाक की)—कील दुमी,
फूल लीप ।

३४४ बाल का पहना—बुनी बडीपी ।

३४५ हंसुली—बेपीरिया बरनी,
वीरबी हंसमी ।

३४६ हार (बले का)—बकमासिरा,
कंठपी यलमी गलसिरी बंदनहार, बेन,
जंजीर, जयमाल कुपुनु जंप तिकरी
नबसर, नीकला नीलबाहार, मबिबाला,
मासा मोहनमाला रामनामी लट
सिक्की लानेट हार, हारक ।

३४७ बपनहरी—बपनसा बपनद्विप,
बपना ।

३४८ बीली का हार—उरमुबिना, बकि-
माला मुक्ताहार, मौलीविरी हारमुला-
बली ।

३४९ सिक्की—बेन जंजीर, पु गला,
संकरा संबल लीक साँबल तीर-
कर लानेट ।

३५० मुजबंद—बंदर, बेपूर, बहुरपूर,
बानू, बानूबंद बिजायठ ।

- १५१ कर्मन—ककन कर्मन कर्मना
ककनी ककन करमुपन ।
- १५२ छोटा कंगना—कंगनी कंगु,
ककनी ककुनी ककिनी कंगनी
काकुन कानन टंनुनी टांनुन प्रियंगु,
सच्छा ।
- १५३ पूर्वोष्ठी—भाषावक कटका छंद,
छरक चहांगीरी ठाड़ पाखिहार्य
प्रकोठाभरण बरुम ।
- १५४ कड़ा (हाथ का)—कड़ा पलुवा
बेरवा हवहरा ।
- १५५ चुड़ी—चूड़ा चूरी पटरी बोक
चूड़ी ।
- १५६ हाथ सांकर—हवफूल हव सांकर ।
- १५७ बारसी (मगूठे की)—बग
खाना बड़सी बारसी ।
- १५८ कबूटी—कंगुठिमुडा अंगूठी
अंगुठीय अंगुठारी अमिका बोक छल्का
मुंहरती मुडा मुठिका मुंहरती ।
- १५९ करवानी—कंबोरा कंबनी कटि
बेद कटिबंध कमरबब करगठा करबन
कंबी काबीकन किकिपी कंबनी
कंबनी सुदबटिका टागड़ी मेखक
मेखला मेखली बिछुआ रछमा रसना
रबका सपकी सारसन सिकड़ी
सिबनी ।
- १६० पुंमुक्कार करवनी—किकिपी
सुदबटिका सुदाबकी ।
- १६१ नूपुर—गुमिया पूर्वी छल्का
गुजाकोटि, पावकटक पाषाणुद
हंसक ।
- १६२ पाजेब—अंडु, अंडुक पुंवरु,
बेहर, मासन भांहर, भांसरी नूपुर,
पावकटक पावक पीजनी पीठी मजीर,
मंजीक हंसक ।
- १६३ पैर की बेंगलियों के गहने—गुंगी
छस्सा बिछिया मुंहरती हंसक ।
- १६४ खेल—जातप भीड़ा बिसबाड़
खेलबाड़ खेसा गेम छट्टीह तमाशा
मनबहलान मनोरजन मौड ।
- १६५ खेलने वाला—खेसक बिसाड़ी
प्येयर ।
- १६६ खेलना—खीड़ना भीड़ना भीड़ा
करना खेक करना खेक मचाना खेसा
करना तमाशा करना मनोरंजन
करना ।
- १६७ हाकी (खेल)—हामुक ।
- १६८ हाकी—स्टिक हाकी-स्टिक ।
- १६९ फ्लेड (खेल)—गेंद बल्का ।
- १७० बिलीगा—खेलबाड़ खेलगिया
खेलीगा खेलघाट, गिरगिरी बुकिमा
मुनमुना मुनमुना ।
- १७१ फर्तप—कनकीवा मुड़ी मुठडी
चंद चांदतारा तुनकक ।
- १७२ मांसा—बर्सी मांसा हुकका ।
- १७३ भीतर—मप्टापद भीपड़
मईबाजी धारिफल ।
- १७४ अ धिकार—अहेर, बालेट बाले
टक मूमया ।
- १७५ आ-कसरत—बोट, मेहनत बर
बिष म्यामान ।
- १७६ इ छट्टरीह—बामोद, बिलबहलान
मनोरंजन ।
- १७७ पास—बस बेसन पासन ।
- १७८ बेंद—कनुक नेकक बेंदा बेंदा ।
- १७९ बुकिमा—मुठुमा गुहूई, पांशाबिका

- पुस्तकी पुस्तिका पुस्तिका ।
 ३७७. मुयबूर—बौद्धी मुंदरा केबिम
 सेजुर ।
 ३७८. सधारी—यान बाहन ।
 ३७९. हवाई जहाज—पुष्पक विमान
 पुष्परय यान विमान ध्योमयान ।
 ३८०. जहाज (बाली का) —जर्जवपोत
 जहाज पोत बौहित ।
 ३८१. नाव—उड़न कोल बलपात्र बल-
 बाण डोंपी डोंपी तल्पका तरंड
 तरंडी तरंड तरणि तरनी तरिका तरी
 नाउर, नाय नाबर, नीया नी नीका
 पठबनी फरांग पनमुय्या पाराकिर पोत
 बनबाहन बेडा बहन बहिन बार्बट,
 होइ ।
 ३८२. पाड़ी—पानीक पड़ी पानी
 पाडी घकट ।
 ३८३. रेलपाड़ी—रेल रेल ।
 ३८४. मोटर—कार, ट्रक बस ।
 ३८५. मोटर साइकिल—फ्टफ्रटिया
 मोटर बाइक ।
 ३८६. साइकिल—ड्राइगाड़ी पैरवाड़ी
 बाइक बाईसाइकिल बाइसिकिल
 हवावाड़ी ।
 ३८७. डोडापाड़ी—एकटा पाड़ी टयटम
 टांका बानी बानी ।
 ३८८. रथ (जनामा)—कर्बारथ रथन
 प्रबहुय रथ हयन ।
 ३८९. वील वाड़ी—अइगडिया बहनी
 वीलवाड़ी रथ लडिया ।
 ३९०. रथ—यानांम स्प्यहन ।
 ३९१. डोली—टोला प्रेसा सिबिवा

हिंडीक ।

३९२. पास्तकी—याम्यमान सिबिका ।
 ३९३. काठी—वीन ।
 ३९४. घोड़े की क्याम—यान बानबोट,
 क्याम ।
 ३९५. बंबोटी (पोड़ा)—बबेटी
 बौबियाटी बंबोटी ।
 ३९६. कोड़ा—कपा बमोटी बानुक
 कुटक कुटी, सांट, सांटा सिटुकनी,
 मुटुकनी ।
 ३९७. हौवा—जबारी बमारी ।
 ३९८. यजबाक—बंकुघ बांकुघ बांकुघ
 यजबाम गृपी ।
 ३९९. हाथी का बूटा—बकान बकान
 बंबसांम ।
 ४ बंबीर (हाथी बांभने की)—
 बंकु, बंकुभा बंकुक बर्पका बकान,
 बांडू, बाकान नियड़ बंबक सांबक,
 सिक्कड़ ।
 ४ १ हबियार—बरन बरनपरन
 बामुब बीबार, प्रहरन राउ परन
 सिक्कह सिक्काह, हप्पार, हरवा ।
 ४ २ बडा—बितन बैनु, बीन बीनी,
 बूकल बूमकेनु, पूयकेनु, ध्वज ध्वज,
 निघान पंचतोकिपा पठाका फर्याण,
 मलयबाहन बीजमती धवनन धारवी
 सिधि धीर्पडह ।
 ४ ३ तीव—कडकनाम बमान बक-
 नाक पयनाक पोला धंबुरन पुन
 गनपी ।
 ४ ४ बली—पबोता फनीता ।

४०५. बहूक—अप्यात्म कङ्क विजली
कङ्कलीन कमान मोली तुपक उपपत्तक ।

४०६. तत्तवार—असि कटा कटी
करंड करपास करवार, करवाल कर
वाली कटीली कर्कष कर्तटी किरमाक
किरवार, कौषेयक कृपाण पंथ खंडर,
खड्ग खांडा खंडहास टंक तीक्ष्ण
धर्मा, ठेम दुरसद दुलोही धर्मपाक
धर्ममाक धोप विविध मंडकास रिष्टि
रिष्टिक रिष्टि, विधासन धमघोर, धायक
धायक, सिरोही टंक ।

४०७. हाक—धर्म कर, कस पत्तक ।

४०८. कवच—अथवाच अजगर, आयस
आमसी सररसद, कंधटक कंधुक
अवर, आमर, पण्ड विष्ट, जोधन
तनयाम तनुन दधान दधान बकवर,
बकवर, बरम बारन योन बकवर,
बकवर, बरम बरम बारन घटीरखेनु,
घटीरयाम यथाह, यथाह विक्ताह ।

४०९. अनुव—कमठा कमान कमानवा
धार्तुक कुबंड कोबंड मुनी थाप
ठारक वनक अनु यनुवा अनुई अनुक
अनुव अनुध अनुही पववाच पववाह
गिनाह कैरिम घटवाप घटसन
घटस्य थाप सपसन ।

४१०. डोर (धनुष)—धुन धुन विक्ता
विह यथा ठीन वनक वंशविना प्रतिवा
प्रत्यंवा, मुनी मोरी गिजिनी ।

४११. सररस—धुनि वलान सररसी
दूग मुनी, मुनीर, मुनीर, ठीन विर्यम
वावा ।

४१२. तीर—आगुण दनु, बरंड लप

गो बंधवान तीर नाराच पनी पुंथ
पुंथर, पुपतक प्रपत्तक बाच मारगन
मारगन मार्गन रविबान रोप विविध
विहंग विहय धर टाकाका धायक
विहीमुक्त धायक सुप ।

४१३. बरछी—आलि मुवाली सांग,
ठीहवी ।

४१४. भासा—कुण्ड मुसाप बीर्षामुन
मेवा मसक विपीकुट, खंडु टक धान्य
खेत सेना ।

४१५. कटार—कटाटी कटी खंडर,
अमवाङ्क वैद्यकम्ब मुवाली ।

४१६. गुपती—ईली करपासिका खांडा
गुपती गुपती ।

४१७. काठी—गोरी बोन कर,
लकड़ा ।

४१८. बीर—द्रव्य पवारं वस्तु ।

४१९. सामान—मसबाब असाधा उप
करण द्रव्य माक लमावमा समान
सावसामान सामधी सामिधी ।

४२०. बरहा—अधिक अरिधा अधि
अमपी अरमंत उडार, उप्मान पुम्नी
पुम्नी ।

४२१. अगीठी—अंगारपादिना अंपार
धानी अंगारपट्टी अंगेठी हुमती
हुमती ।

४२२. लुमाठ—अलाठ उम्मुक लवाठ
लवाठ ।

४२३. ईवन—ईध इय अलावन
लवड़ी लमवना लमावन लपीता ।

४२४. उचला—उपटी कटा बंधी
कटीन गोहटा गोहटी बीला मोहूठ
मोहूटी मोहा बिगटी बगडी ।

- पुतली पुतलिका पुतिका ।
 ३७७. मुम्बर—मोड़ी मुंभरा मैडिम
 केन्दुर ।
 ३७८. सभासी—यान बाहन ।
 ३७९. हवाई अड्डा—गुप्पक विमान
 पुम्परन यान विमान प्योमयान ।
 ३८०. अड्डा (पानी का) —अर्धवपोत
 अड्डा पोट बौद्धि ।
 ३८१. नाथ—उड़प कोक जलपाथ जल-
 यान डेवी डेवी तत्कना तरंड
 तरंडी तरंड तरंडि तरनी तरिका तपी
 नाजर, नाय नाबर, मैया मी, नीका
 पठावनी परंग पनमुम्मा पावाकिन्ध, पोट
 बनबाहन बेडा बहन बहिन बाबंट
 होड ।
 ३८२. पाड़ी—अंभीक पड़ी गाभी
 नाडी अफट ।
 ३८३. रेलगाड़ी—ट्रेन रेल ।
 ३८४. मोटर—कार, ट्रक बस ।
 ३८५. मोटर साइकिल—फटफटिया
 मोटर बाइक ।
 ३८६. साइकिल—ट्राईगाड़ी वीरगाड़ी
 बाइक बाईसाइकिल बाइसिकिल
 हवागाड़ी ।
 ३८७. बोझागाड़ी—एक्का पाड़ी टमटम
 टोना बमी बभी ।
 ३८८. रथ (जमला)—कभीरथ डयन
 प्रवहन रथ हयन ।
 ३८९. बील गाड़ी—अड्डाडिया बहुबी
 बीलपाड़ी रथ अडिया ।
 ३९०. रथ—अताम स्यन्धन ।
 ३९१. डोली—टोला प्रेसा थिथिका

हिडोल ।

३९२. पाककी—गाम्मयान थिथिका ।
 ३९३. काठी—बीन ।
 ३९४. घोड़े की अताम—बाम बापडोर,
 अताम ।
 ३९५. अंबोटी (घोड़ा)—अंबेटी,
 अंधियाटी अंबोटी ।
 ३९६. कौड़ा—कपा बमोनी बामुक,
 कुटक कुर्त, घांट घांटा थिडुङ्गी
 मुदुङ्गी ।
 ३९७. हौवा—बवापी अमापी ।
 ३९८. गजबाक—अंकुष बांकुष बांकुष
 पयबाव मृगी ।
 ३९९. हाथी का खूंटा—अकान बाकान,
 अंबसांम ।
 ४००. अंबीर (हाथी बांधने की)—
 अंबु, अंबुना अंबुक अर्पना अकन
 बांबु, बाकान भिगाड अंबक सांरक
 थिथकड ।
 ४०१. हथियार—अरथ अस्वअरथ
 मामुथ बीखार, प्रहरन राड अरथ,
 थिथिह थिथिह, हम्पार, हुरवा ।
 ४०२. अंबा—केतन केनु, बीन अंबी,
 अंबुक अंबुक, अंबुक, अंबुक, अंबुक,
 भिगाण अंबुकिन्ध पठाका अरथ,
 मत्स्यबाहन बीजबंती अवनम अरथी
 थिथि अंबीरपह ।
 ४०३. अंबा—अड्डाकनाक अमान अ-
 नाक अवनक मोला अड्डक, गुप्क,
 अरथनी ।
 ४०४. अंबी—अंबीठा अंबीठा ।

४५. बंधूक—अम्पात्र कड़क बिजली
कड़कीन कमल योसी तुपक रायफळ ।

४०६. ललवार—बधि कृता कती
करंड करवाक करवाट, करवाक कर
वाली करीली कर्कट कर्तरी फिरमाक
फिरवाट, कीभेयक कृपाग खंग खंडर,
पडप बांडा खंडहस टंक तीकण
बर्मा, रोप कुरसट, कुकोही धर्मपाक
धर्मपाक बीप निर्लिख्य मंडलाप रिष्टि
रिष्टिक, रिष्टि विघसन रामघोर, घायक
घायक सिरोही सैक ।

४७. डाल—बर्मा कर, फल फलक ।

४०८. कबड—बनबाग बनघर, बायल
बायली नररछर कंडक कंबुक,
पवर, पानर, पख, जिख भोचन
तननाय तनुन दंडन बसन बनवर,
बकर, बरम बालन पोम बनवर,
बघवर, बरम बर्मा बारन घटीरोनु,
घटीरोबाय सनाह, सनाह सिबाह ।

४९. बनूप—कमठय कमाल बमानवा
बार्मुन कुबंड कोरंड कुपी बाय
घारक पनक बन, बनूमा पनुई, बनूक
बनुग बनुम बनूही पनबाय पनबाह
पिनाय लेखिण घटवान घटपन
घटपय घाय घटसन ।

४१०. डोर (बनुब)—मुन मुन बिल्ला
बिह ज्या तांन पनक पंडविवा प्रतिचा
अर्थचा बरी मीरीं गिजिनी ।

४११. तरवट—इनुधि बलान, तरवटी
मुप मुपी मुनीट, मुनीट, घोब निरंन
बाबा ।

४१२. तीर—बानुन इनु बलंब गग

गो बंदवान तीर नायब पनी पुल
पुफट, पुवठक प्रपलक बाब मारगन
मार्यन मार्यन एबिबाग रोप बिधिब
बिंध्य बिहग घट, घळाका घायक
घिरीमुल सायक मुप ।

४१३. बरछी—भाकि मुवाळी घमि
सैहरी ।

४१४. भाका—कुल कुलाप दीबसुन
नेडा मलक विपाकुट, धकु घळ घल्प
पेक सेना ।

४१५. क्यार—क्यारी कती खंडर,
बमराड पेचकम्ब मुवाली ।

४१६. मुप्पी—ईडी करपातिका लांडा
मुपपी मुपुपी ।

४१७. लाडी—पोजी बांग कडर,
लकडा ।

४१८. बीर—इय्य पदार्थ बस्तु ।

४१९. सामान—मसबाब अलाघा जप
करन इय्य माक लबाडना सामान
लाडसामान सामपी साबिरी ।

४२०. बरहा—अधिक, अरिका अथि
अथपी अरमत घडार, अम्मान बुल्ली
बुह ।

४२१. अंगीठी—अंधारपातिका अंगार
बाणी अंगारघाटी बनरी हनरी
हनरी ।

४२२. लबाड—अलाघ अम्मुन लबाड,
लबाड ।

४२३. ईबन—इय इय्य अलाघन
लबाडी लगबना, लबाडन लपीना ।

४२४. घवला—घाटी कंडा कंडी
कटीन कोरड कोरटी पोडा, कोरुघ
कोरुटी, पोटा बिटी बाडी ।

४२५. कोपला—कोइला कोक, कोल।
 ४२६. राक—साक, साक छाक, भस्म
 राकी।
 ४२७. पाक—समक बावपन बरतन
 बतन कामन पांड भांडा भाजन।
 ४२८. कड़ाही—बड़ाई, कड़ाही कड़ाहा
 कराही टोपनी तई पाई।
 ४२९. डेप—टोकरी डेड डेग डेपवा
 डेपवी।
 ४३. पतीला—तसला पतीली।
 ४३१. बटसी—उला उवा कुंड पिठर,
 बटना बटनी बटमोई बटलोही बटुवा
 बटुवा मगोला स्वसी हुंडीप।
 ४३२. तबा—शुचीप शूनीप तब तावा
 तोला पिष्टपचन पृष्ठियक।
 ४३३. बीना—बाजा करना पीली।
 ४३४. ककडी (बाठ की)—करडी
 ककडी तपु, कारकलक।
 ४३५. ककपुन—कबी करडी करकप
 करकपि कडी ककला ककडी गजाका
 करकपिनी हरी।
 ४३६. बिमटा—बमचा बिमचा संहापी
 बिउम।
 ४३७. संझनी—संझनी मरनी।
 ४३८. डोरी—डाबिया डोका डोपी।
 ४३९. बरल—बाक पकेट।
 ४४. बानी—बाक हाडी तमा बापी
 बगिया बाक बीजनाप।
 ४४१. बदीरा—बदीरिया बदीरी
 बमोरा बीरा बीरी बानाब बला
 बगिया।
 ४४२. तपरी—तप तपरी तपारी।
 ४४३. प्याला—बबली बाम, पियाला,
 प्याली।
 ४४४. बमबा—बमब बम्यब डोई।
 ४४५. पडुवा—बाक बाक बाहु, कररा,
 ककरी पंगासापट, पडवी पडुवा, पडुई,
 मसतिका हाटी तमहा बचना कोटा।
 ४४६. निमाल—बाबलोरा बाकबाहु
 बोसवी लोरिया काम पकटाप,
 पानपान लटिया।
 ४४७. पबरी—पबरीटा।
 ४४८. पतल—पठरी।
 ४४९. बीना—बबीना संपुट।
 ४५०. कंडाल—कंडाल बंगाल, ताबि,
 तागट, टब।
 ४५१. कठीता—कठका कठकन बडी
 कठीती डीक।
 ४५२. गवरा (पातु)—कलप कडवा,
 कलमा कंज गवरिया गवरी बट, पडा।
 ४५३. झिमी (बिहटी)—बजना बपरी,
 पट, पडा।
 ४५४. पडा (गंरा)—गुनिहा बरपट,
 बहिष्का।
 ४५५. कमीरा—कमंडर, कानिडा,
 बमोरी बटवा मयिक।
 ४५६. हाडी—बहाटी बिहरी डीही हरी,
 हडिया हाडी।
 ४५७. बरई—बमोरा बरीबा गणर,
 भावा।
 ४५८. बमोरा—बकीरा बिबीरा।
 ४५९. बुत्वा—बुट्टा बुत्तक भावा,
 हुंदा।
 ४६. पबडी (बावा भुवने की)—
 बबरीब बडाह तागट, भोट।

- ४६१ बाँटा—बकरी बकिया बकरी
बाँटा ।
- ४६१ म. बाल—इमामबस्ता बाल ।
- ४६२ बकनी—बगिया बगिया बाँधी
बाबा बालनी छम्नी तितळ ।
- ४६३ बूप—छात्र प्रस्फोटन फटकन
फटकनी बूप बूप ।
- ४६४ बोलनी—बहुजल बहुजल
बहुजल बोलनी बोलनी ।
- ४६५ बूसर—बुसल बूसल ।
- ४६६ बोकटा—बाँटा बोकटा बोकटा
बावर, बाबा बका बाबा बाँटा ।
४६७. टोकरी—बोलेटी बोलेटी बलिमा
बली बाली बाँटी ।
४६८. बीर—बोदिबा बगला बाबा ।
४६९. बीरी—बोडोल बुँडी बगली बाली
बिट, बोटक, बेटक ।
- ४७ बाली—बुर्द ।
- ४७१ बिसमबी—बाबमनक बिप्टीबा-
बाब पदपद प्रतिप्राह भोट ।
- ४७२ बीकरान—बालकान बीपमरान
बुवनी बिकरान बिकरानी ।
- ४७३ भाड़—बाँटा भाड़ बड़नी
बुहापी भापी ।
- ४७४ भोड़ा—बटिया बट्टा भोड़िया
भोड़ी ।
४७५. भिल—बापर भिलोटी भिल ।
४७६. बकनी—बावर, बाँटी भब भब
बकक भयान बकना भयनिवा भयानी
भई बीजान ।
४७७. बटवा—बभोग बभोरिया बटवी ।
४७८. बुनी—बुनु बुनु बुना ।
४७९. बट्टी—बड़ भाट बट्टी ।
४८०. डोरा—बंदु, काटा बीन डोर,
तंतु, तंन ताया बोरक भागा मुता मुन ।
- ४८१ घुई—बुचि बुची बुचिका
बुची ।
- ४८२ डेकुरी—बाय बापी टकुई, मुतापी ।
- ४८३ घुमा—मुग्गा घुमा घुमा ।
- ४८४ हापी—कट कट्टा किलिजक
हापी पेताय पेतापी मोना मोनिवा ।
- ४८५ डिब्बा—डिम्बी छपुट ।
- ४८६ बाबल—पेटी बकस बस बकस
मंजुया संभुन ।
४८७. कजरौटा—कजरौटी कजलीटा
कजलीटी ।
४८८. रंगरौटी—बंगुरौटी तिरोर सिभाय
सिबीय ।
४८९. बुनीटी—बुनटी बुनारानी ।
- ४९ बिराय—बंजककेय बासोक
बना बृहमनि बिराय बेवटी बिराय
बिरना बिया बीय बीपक बीपिका
बीयपी बीवा बीबा प्रबीय बली ।
- ४९१ बिरागरान—बिरापदानी बीमुगा
भाड़ बीपकबुस बीपभापार बीयट, बीयट
पनीतमोड ।
- ४९२ बंडील—भाड़ भाड़पदनुय भाड़
बनुम टाबं लम्प बाल्टेन हंडिया ।
- ४९३ बगाल—बसाल बगियर बसक
बुना ।
- ४९४ भोड़ा—बीया बीनी ।
- ४९५ बीता—बपीना बनीना भाय
भागा बाचय बेग बीय ।
४९६. बीनी—बटीनी बनीनी बमिनी
बब बका भाँटि भोटी भापी बोवटी
बाटा ।

४९७. पररा—बाड़ बोट, कनात बिक
बिलमन बीक छियाब जवनिका
तिरस्करणी बुयब पट, पटल प्रतिविप
यबनिका बाह्यापी व्यबमान ।
४९८. कूडा भोजन—अबधिप्ट, उच्छिप्ट,
उच्छिप्टाप्र पूजा कूडा फेसा केनी ।
४९९. बारपाई—बटवा बटिया खटी-
कना बटोका लट्वा खाट, बारपाई,
छरखेट, छरखेट रासनी परियक,
पलय पल्लवड़ी पल्लवटी पल्लविया
पल्लवक, मंभ मंभी मंभिका मंभहरी
माभी म्बनमी म्बनीय म्ब्या रीवा
सम्बा सेत्र ।
- ५ बीकी—बतुकी टखटा टखटा ।
- ५ १ बाकना—बटोका महभाय शूका
विपूर ।
- ५ २ बिछाकन—बासन बिछीना अयन
सावरा स्तर ।
- ५ ३ भोलचन—उंचन अरबायन
अरवान भोलचान भोलचना पाँच ।
- ५ ४ बारपाई का पावा—पीड़ा पावा
पाट, पावा ।
- ५ ५ मन्धिका—विदिमा पीड़ी मंभ
मंभक मंभिका मंभिया ।
- ५ ६ पीड़ा—बाधन पाटा पिड़ई, पीठ,
पीठक ।
- ५ ७ चवाई—कटक पोंचरी मोलर,
बीनरी बटोका टकनी बरमा
पाटी बारिया मंडरी सावरा सावरी
सीतम्पाटी ।
- ५ ८ कुम्हाणन—बासंधी आसन आसनी
बर्न बर्नान ।
- ५ ९ कुम्हाणी—बासंधी कुम्हाणी कुम्हाणी
पीठिका ।
- ५ १० मंत्र—देवुल मंत्र ।
- ५ ११ स्तूक—तिपाई, तिरपाई, मोना ।
- ५ १२ कुम्हाड़ी—कुम्हारी बीटा, टैबाए,
टैबाटी टैबी बाँक कुम्हाणेर, कुम्हा-
णन ।
- ५ १३ मारा—भाटी करणन कणन ।
- ५ १४ रेती—मत्रपरयु, बरवन रेती ।
- ५ १५ हूचीड़ा—माखीक हूचण हूचैर,
हूचीड़ी हूचीय ।
- ५ १६ बरमा (सेबने का)—आमिब,
आस्फोटनी बरपी बेबनिका, बेबनी ।
- ५ १७ भाची—बर्मप्रसेविका बीकीनी,
बरना ।
- ५ १८ परिजा (पातु काले की)—
कुम्हिया बकिमा मूपा ।
- ५ १९ सलाई—तीनी सलाई बिकवा,
सीक सीका ।
- ५ २ कर्तीटी—कप कठ कृष्णा काव
निकव ।
- ५ २१ रस्ती—डोर डोटी राम बासनी,
बामा पपूरण्यु, रज्यु, रसरी कस्ती,
केजुर, केजुरी ।
- ५ २२ बूँदी—बूँदी विह्विन,
विह्विमा ।
- ५ २३ बूरत—बस्तूरत, जस्तूरत जस्तूरत,
भूरिका बूरत ।
- ५ २४ महुरनी—महरबनी महकचन
महकाव महुरनी ।
- ५ २५ कंभी—कणधी कणली कलीनी
कर्तिका कतरी कल्पनी कली
ह्यानी ।

५१६- हक—गोशरण कापल छीट, हर, हाक ।

५१७- हक का फाल—अमुषी कुदा कुस कुसी कूटक कृपिक कृपिका निरीप फल फार, फाली हकबानी ।

५१८- हरिस—अमवांसी ईपा दंड कापक हरिस हकीस ।

५१९- हंसिया—शाठरी दाब दाबन कबिर ईमुषा ।

५१ कुवास—अमदारन कुवार, कुवारी कुवाली कबिर खनिबी ।

५११- काबका—कसी फरसा फबहा फीका ।

५१२- कौठ—बरता पुरबट ।

५१३- काब—घात गोबर, पांस पांसु ।

५१४- कबरी—ईबरी कबमी मिसाई ।

५१५- कनबट—अंटीलन कनीट कन्ह बट, डोका ।

५१६- रोअनवान—गवास मोला रोमन वान ।

५१७- कूटी—बाडा टंगना टंगनी भार यटी मेन ।

५१८- कुनी—बांड टेक टेवान कुनी कुन कुनी ।

५१९- कंबा—कंब गांन कब कंब कुनी लंन ।

५४- किरहर—काब छीका छीका छीक ।

५४१- ताका—कुकुग कुकक, कुक, कंठा किर, लकन ताक ।

५४२- तानी—कुनी लोअनी काबी काबी ।

५४३- कंजीर—कंजीर, कंजना कांनन किरनी ।

५४४- कुंडी—ककी कुंडा कौंडा ।

५४५- छुरी—असिपुत्री अतिमेनुका कती ककटु बाक, छुरिका छुरा ।

५४६- रियातलाई—दीपछलाका मापिस उलाई ।

५४७- तरामू—कौटा तककी तरजूई, ताककी तुका छीनी ।

५४८- बाड—बट्ट बटक बटकरा बांड ।

५४९- पस्ता (तरामू का)—अस्ता डाल तुकापट, पलबा पलप पसा ।

५५- तमी (तरामू की)—जौत तमी ।

५५१- कंडी (तरामू की)—कौटा कंडा कंडी कंड कंडी बेट ।

५५२- कंबर—कमर, कमरी कामर, कामर कामरी कौट, कौटी प्रकीर्णक बाअभ्यजन रोमगुच्छक ।

५५३- छत्र—आठपन ककुप छत्र रात्रलवम ।

५५४- छाता—आठपन आठपवारन छठरी छाता छत्र छायामिन पटोअन ।

५५५- छत्री—गौरी कंडा दंड कडिना बेट कडर, ककुट कनुटी कगुड काटी यटी छौटा छौटा लोटी ।

५५६- कंब—कौवार, कल मनीन ।

५५७- कुरकीक कंब—कंब कुरकीयन कुरकीन ।

५५८- केली—कीमा कौटा कनीना गीगा पानी छोनी छोना कदुका कदुका कदु ।

५५९- कानीन—कंजवावन कनवन कुनुवन कुनुबिन कनीन कौनन कानुन प्रकवाहार कवागी कुपाटी ।

- ५६ तमझा—तकमा तजमा परक
विस्का ।
- ५६१ जास—जाकी बागुर, मुयबबनी
बबानी ।
- ५६२ फंवा—उमाय कूट्यंन ।
- ५६३ गुका—डीका ।
- ५६४ कडेरन—कटी बरसा टकुमा
टकुमा टकुरी रूटा ।
- ५६५ बिना कटा तता—कच्चा तागा
कच्चा पागा ।
- ५६६ नास लीचने की रस्ती—कपक
पुन पुन गोल ।
- ५६७ फलमार—करिया केनिपातक
बरिष ।
- ५६८ नास का पानी कँकने की कडहूी—
तसकी सेक सेकपात्र सेवन ।
- ५६९ नास का डीङ्—खेपबिका खेपनी
डीङ् डीङ् मीकाडंङ ।
- ५७ मछली रजनी का बरतन—
कुनेनी डोखनी डोकी मत्स्यधारिणी ।
- ५७१ मछली कडुने की जास—जाताप
जाट, जास जातानाप पबिसकी बजभज
सुमी ।
- ५७२ मछली मारने की कँटिया—
कँडडी कँटिया कँटा कुंभी बडी
बडिष मत्स्यवाडी मत्स्यबेवन मीनहा
हुक ।
- ५७३ बंजा—बंजी बेना बिजन
अजन ।

घ

१ स्वान—बगार, बयन बनस्वान

भावार, भात्म्य भास्वर, उडीर, केर
केतन क्षेत्र गाव छिन्न क्षेत्र बण्ड,
नी या चायपाह टहर, छीई, ठोम छीर
ठाम ठाहर, ठिकला ठीग ठीर, बक
पत्ती पाग देव निकट मित्रम प्रवेश
मु, मही मुकाम मीका सक्, बाज,
स्वक स्वकी ।

२ बह्रांड—बंड बंडकटाह बंडकोव
ब बंडर बन्धक भाकाधमंडक लगेक
मुवनकोव बिलककटाह, नूतकटाह ।

३ अस्कास—अंतरिख अंबर, अबर,
अतरिख अनंत अज्ज अमूर्त अम्र
अर्गज अर्ष अक्कास भाकाध बडकाव
भासमान ऊर्ध्वलोक ब ब बचोक,
पपापब यवन यगनमंडक बर
गयसिर, प्रह्लेमि बिभोक्ति ऊमराप
अधोतिष्णब तारामय विरिष विरिष्टर
विद् विव देवपव देववर्तन वृ, छे,
श्राप बन्वा नम नममंडक नमस्वक
नाक निराकार, निरुप पाव वावा
पुष्कर, फलक मक्खम मकपूर्त्त वामु
मंडक वादुकोक विमम् बिहान वजन
अ्योम धूम्य सुखर्त्त सोमवर, स्वट,
स्वर्ष ह ।

४ तारा—भाकाधवाडी उरु, कस बज
अबर, खेवर, अधोतिपी तारक,
तारिका नमयामी पद्मवाङ्मना ।
रे 'नसाव' ।

५ नक्षत्रह—केनु, पुब खेवमा बुव
मंगल राह धनि सुक, सूर्य ।

६ प्रह्ले के बीच का धूम्य स्वान—
अंतरिख अंतरिख अंतरिख अंतरिख
अरिषि अबर, अर्णव ।

७. भूप—ई 'सूर्य' ।
 ८. सूर्यमंडल—उपसूर्यक परिधि परिधय परिधेन मंडल मंडल ।
 ९. किरण—अंशु आलोक उल्ल कट, कथा किरण गमस्ति गी धूमि छटा प्योति दीपिन प्रघोत्र भर्ग भानु, मयुक्त बरीच रंन रविम रस्मि ।
 १०. सूर्य-अस्मात्—आपय धर्म धम्म पाम छवि छवी त्विप क्षीप्ति द्युति धूप प्रवाम प्रमा मा भास दक रवि रावि घोषि ।
 ११. अंधमा—ई 'अंधमा' ।
 १२. अंध-अंधस—अंधविम्ब मंडल ।
 १३. दूज का अंध—अंधरेषा अन्धमेया दुद्व नवचण बाधकिपु, बरुचान्द्र ।
 १४. भावा अंध—अंधचान्द्र ।
 १५. धूमिमा का अंध—धूमिचान्द्र राका गमि राकेय ।
 १६. अंधनी—अंधीरिया अमृततरुणिपी अमृतत्रय कीमुदी अंधिनि अंधिनी अंधन अंधनेन अंधप्रभा अंधमरीची अंधिका मुहार्द जीम्ह प्योम्मा हिमकर ।
 १७. धूमिल—अगाध आवनय अंधांगन दूज धूमिमुन बीम अंधीमुन लीहि ताप बरु ।
 १८. भूप—अग्रज अन्धमुन जाग्रज अ रोहिणय विर विरिच मीम्ह ।
 १९. अंधविम्ब—अन्धिम ईज विरीया कठीच मीर्याति दूर घोबिद अह्मज अर विर विरिचिणदिज बीच ताग विर मारापीत माराताव माराति वि दण्णुद, विरिचिचाम्ये विरिचि हाराकर पा विरय विरयविचि बीरिचि पीमान

- पादस्य बृहतीपति बृहस्पति वासपति वागीश वागीशवर, वाचसापति वाचस्पति विप्रमोक्ष सप्तपिञ्ज सिद्धि मुग्गुक मुरस्पतिमुक मुद्रिमि मुरस्पधमा मुरमंती मुरपञ्चमुक मुद्राचार्य मुरेन्द्र पूज्य स्वपति ।
 २०. अंध—आपिदेवमुध उषाना कवि काम्य ईत्यगुद ईत्यराज भार्गव भृगु, पदघञि स्वतरक मित्र ।
 २१. अंधि—अंधि अंधित आर, काम कोल ओइ अहनामक छामारमज छाया मुन नीलधामा नीलांबर, वंशु पातंगि मास्करौ मन्द मन्दप्रह मन्त्रास रवि मयन बरु, धनिद्वार, धनीद्वार, धत्यांशु, मूर्ध्मपुत्र सीरि ।
 २२. अंधि—धूमकेतु, धूमकेतु, मारुत बाहल मिगि धीर्यप्रह ।
 २३. राहु—अनुज अंधि, अंधय राह्यरनु, अह्वन्नाल अह्वन्मंन तम ईतेय मयाध नैर्ध्वत विमुग्गुद, मिहिकामुन मिहिकानुनु मीहिकेय स्वर्मानु ।
 २४. अह्वन्—अपराध मह्य गर्भ धान प्राह ।
 २५. अह्वन्नाल—अह्वन्नाल ।
 २६. अह्वन्—आशागवाठी उहु, अहा ओव राग लचर मयनचर मयनचर, अह्वार्द अर्धनि तमचर तर्ध तागत तात तातिका दचन दनर पिप्लन मयन मयचर मयचर मिमिचर मय ।
 २७. २७. अह्वन्—अनुगाया अह्वेया अंधिनी आर्द उमराह्यपुनी उमरा धानरा अमरायइ इतिवा विवा म्येप्य अंधिना पुनर्वंशु, पुन्य पुनर्वं

कास्मूनी पूर्वाभाद्रपदा पूर्वाषाढ मरणी
मघा मूल मगधिया रेवती रोहिणी
विशाखा शतभिषा भवन स्वाती हस्त ।
विशोव—ज्योतिष में उत्तरपाद के
बाद 'अभिजित' नामक एक क्षीर नक्षत्र
माना जाता है । इसे लेकर कुल २८
नक्षत्र हैं ।

२८ अश्विनी—अश्व आश्वयुज, बाल ।

२९ भरणी—दे 'यमराज' ।

३ कृत्तिका—दे० अग्नि ।

३१ रोहिणी—अश्वयुजि वायु रोहिणी
विधातु ।

३२ मृगशिरा—अग्रहायणि चन्द्र मगा
शिर, मृग मृगशीर्ष मृग मृगशिर ।

३३ आर्द्रा—अदरा अद्रा आद्रा अद्र
शिव ।

३४ पुनर्वसु—अदिति आदिति ।

३५ पुष्य—इन्द्र बीज शिष्य देवपुरोहित
पुष्य शिष्य ।

३६ आश्लेषा—अमसेजा अश्लेषा अहि,
अरण भुजंग भुजंग ध्यास सर्प ।

३७ मघा—शिशिर, शिव मघा ।

३८ पूर्वाभाद्रपदी—अग योनि ।

३९ उत्तराभाद्रपदी—अर्यम ।

४० हस्त—अर्द्ध का शिव ।

४१ चित्रा—उद्य त्वाण ।

४२ स्वाती—अनिल अश्व वायु स्वाती,
अश्वनी, अश्वति, अश्विन ।

४३ विशाखा—शिव देव शीघ्र शपा
शपाणि ।

४४ अनुराधा—विश्व मंत्र ।

४५ ज्येष्ठा—अर्द्ध शक, शक ।

४६ मूल—निरिण मूर, रश्मि उल्लस ।

४७ पूर्वाषाढ—शीघ्र, अश्व ।

४८ उत्तराषाढ—विश्व शिव ।

४९ अभिजित—विधि ।

५० अश्लेषा—अर्द्ध शोभित, शिव ।

५१ अश्लेषा—अश्वनी शिवान् शक्ति,
अश्व, अश्वमेधा वासव अश्लेषा ।

५२ शतभिषा—अश्व अश्वि अश्व,
शोषण अश्व शतशतक ।

५३ पूर्वाभाद्रपदा—अश्वअश्व शीघ्र
पदा ।

५४ उत्तराभाद्रपदा—अश्वअश्व शीघ्र
पदा ।

५५ रेवती—अश्व अश्वअश्व शीघ्र
शीघ्र ।

५६ राशि—अश्व शीघ्र शिव ।

५७ क. राशियों का अर्थ—अश्व,
शिव ।

५८ राशिपति—राशीश राशीश्वर ।

५९ मुख्य १२ राशियों—अश्व अर्द्ध
शुभ शुभा अश्व, अश्व, शिव शीघ्र,
शिव शिविक अश्व शिव ।

६० शिव—अश्व ।

६१ अश्व—अश्व अश्व ।

६२ अश्व—अश्व ।

६३ शिव—अश्व ।

६४ अश्व—अश्व शीघ्र शिव ।

१५. तुला—तुल तील मुक ।
 १६. वृषिचक्र—शक्ति वृषिचक्र ।
 १७. धनु—कोरड चाप धनुष ।
 १८. मकर—मक ।
 १९. कुंभ—बट ।
 २०. मीन—सब मारस्य ।
 २१. म्रुग—अचक्रग्रह, बीजानपाव
 बीजानपादि, निरचक्र स्फिरग्रह ।
 २२. पुच्छक टाट—केतु, साङ्गू, बूमकेतु,
 बूमकेतु, पुच्छकगारा ।
 २३. सप्तवि ('अस्तपथ' ब्राह्मण के
 अनुसार)—अग्नि अस्तपथ यौतम
 बरुडार यमहनि अक्षिष्ठ विरचामित्र ।
 २४. सप्तवि (महानारत के अनुसार)—
 अग्नि अत्रि ऋतु, पुष्यस्त्य पुष्यह,
 मरीचि अक्षिष्ठ ।
 २५. विद्या—अनूर्त भाषा भाषा ओर,
 नकुम कुकमा काप्य खंड यो तरक,
 रिक्, रिपु, विस विद्या विन्द
 हृषि ।
 २६. १ विद्याए—अग्निकोष ईषानकोष
 उत्तर, ऊपर, दक्षिण नीचे नैऋत्यकोष
 पश्चिम पूर्व वायुकोष ।
 २७. विद्यापाल—दियुपति विद्याभिय
 दिनेस विद्याभिय विद्याधीर विदीष ।
 २८. १ विद्यापाल—अग्नि इंद्र ईश
 कुबेर, नैऋत ब्रह्मा यम वरुण वायु,
 योग ।
 २९. ४ विद्याए—उत्तर, दक्षिण पश्चिम
 पूर्व ।
 ८ उत्तर—उत्तर उदीची दिग्दिपु,

- दूमाल ।
 ८१. दक्षिण—अवाची अनुर दक्षिण
 दक्षिणाया दक्षिण दक्षन दक्षिण
 दक्षिण ।
 ८२. पश्चिम—अरुम इग्ना पञ्चम
 पश्चिम पश्चिमे पञ्चम पश्चाए
 पश्चिमा प्रतीची मण्डिख ।
 ८३. पूरव—विगिष्ठा पुष्य पूर्व पूर्वा
 प्राक्, प्राची मण्डिख ।
 ८४. ४ विद्यातर—अग्निकोष ईषानकोष
 नैऋत्यकोष वायुकोष ।
 ८५. नीचे—अध, टर, तरे, तक तले
 निम्न ।
 ८६. ऊपर—उक्षिष्ठ उच्च उर्ध्व उदर
 उन्नत उपरि, ऊँच ऊँचा ऊर्ध्व तुप
 प्रापु ।
 ८७. विप्यत्र—विकस्यत्र विधिर्गुजर ।
 ८८. ८ विप्यत्र—अंगन ऐरावत कुमुद,
 पुष्करीक पुण्यवत वामन शार्वभौम
 सुप्रतीक ।
 ८९. विद्यातर—कोष कोन कोना
 विक्राय ।
 ९. पुष्पी—अचक्रकिष्ठा अचक्रा अदिधि
 अत्रिकीला अनंता अननि अचनी असुर,
 बहि आदिमा भाषा इका इदिका
 इर इला इदिका, उदविबस्ता उर
 उर्ध्व उर्म उर्वा भी, मूत्र कास्वपी
 श्रीहाकागा कु कुमिनी कुम्बिनी कुर्म
 केलि जमा ला सिधि, शोनि शोनी
 शीनि शीनी वना लंकिनी अकवठी
 अक बहुरी गात्र यो गोत्रा पीरिला

१०६. प्रवेस—संघ पद, प्रांत सूबा हुता ।
१०७. राय—उपबतन जनपद, मीबत राज्ज विषय ।
१०८. भारतवर्ष—आर्यभूमि आर्यावर्त इत्यादि पुष्यभूमि भरतवज्ज भारत सिन्धुदेश हित्त् हित्तुस्तान हित्तुस्तान हित्तोस्ता ।
१०९. श्लेषदेश—अनार्यभूमि पठित भूमि प्रत्यंत श्लेषभाष ।
११. सप्तपुर—अवधिका अयोध्या काशी काशी द्वारिका मथुरा हरि द्वार ।
१११. अयोध्या—अयोध्या अयोध्यापुरी कोसलपुरी कोसलपुरी रामजम स्वामी साकेत सेविका ।
११२. काशी—काशीपुरी काशी काशी वरम् ।
११३. काशी—काशी काशीपुरी, बनारस बाणगरी विस्वनाथनगरी विस्वनाथपुरी धिक्पुरी ।
११४. द्वारका—दुवद्वारिका द्वारवती द्वार वती द्वारकानगर, द्वारिका द्वारिकाभीषण पुरी द्वारिकापुरी ।
११५. मथुरा—कंसनगरी कंसपुर, कंस पुरी इत्यन् नगरी मथुरापुरी मथुरा, मथुरापुरी मथुरा मथुरा ।
११६. प्रयाग—अकाहाबाद, इकाहाबाद, इकाहाबाद तीर्थराज परयाग संमम ।
११७. त्रिवेणी—तिरवेनी त्रिवेणी वेनी संमम ।
११८. फल्गु—कुसुमपुर, फट्टन नगर, पाटकिपुत्र पाटकीपुत्र ।
११९. अगभाषपुरी—अगलापजी पुरी ।
१२. रामेश्वर—रामसेतु, रामेश्वर, श्वेत अंभरामेश्वर, सेतुबन्ध ।
१२१. उज्जैन—अवधिका अजयपुरी अजयती उज्जयनी उज्जयिणी उज्जैनी ।
१२२. दिल्ली—अंगप्रस्थ दिल्ली देहली देहली देहली हस्तितानपुर ।
१२३. कामच्छा—कामाक्षी कामादया कामाख्या ।
१२४. कामरूप—कमरु, कामरुपा ।
१२५. कश्मीर—कश्यपदेश कश्यपदेश कश्मीर, काश्मीर ।
१२६. कंका—कान्तदेश कान्तपुरी कान्त वर्ध कंक कंकपुरी सिंहक सिंहकडीप सीलीन ।
१२७. मद्रयागिस्तान—कम्बोज अंधार, गांधारदेश ।
१२८. सिन्धुद—अनकदेश तीरभुक्त मिथिला ।
१२९. चूने की खाह—अधिवास अधि प्यान अवास अवास आवास उडास केन्द्र ठिकाना निवास निवासस्थान बसनीवास मंदिर, मंदिर मन्थन मठ, वास । दे 'वर' ।
१३. पञ्जाब—अहम अहम अधिप्यान अहम आयतन आभम क्याम अट्टी काकी छावनी अतवास ठिकान ठिकान ठहराव ठाहर, ठिकाना डेर बली बाना पिति मंदिर मंडक मंडप ।
१३१. डेरा—अमा छावनी अंबू निवेश सामियाला पधिर ।

१३२ छावनी—संभार, डेर कचकर, चिबिर, सिबिर, सेनाबाह संभारवार।

१३३ घान—सडा बंधी पांन वैहाठ मीवृत् पुरवा पुप बस्ती मीवा।

१३४ बस्ती—बगमिठ बसीभठ बसीपठ बस्ती।

१३५ नगर—कटक कम्बा नमपी निधम पटमेहन पट्ट पट्टन पत्तन पुर, पुरि, पुरी पू, घहर, घहर, स्थानीय।

१३६ बाजार—मापय बनुपरय बरीबा निगम निपया पम्प पम्पनीबिका पमपमि बडाए, मडी मारकेट विपमि गृनाटक सट्टी हट्ट हाट।

१३७ महस्ता—कषा टीसा टीली पाडा पाडा पुर, पूरा पुरवा महाक मुस्ता मीहस्ता।

१३८ बुकान—कोडी गौराम मीला बुकान पम्प पम्पमूमि बम्पगाना पम्पिवा वी वीटीर बिपयगाना हट्ट, हट्टी हाट।

१३९ घहरकनाह—कोट नगरकोटा पर कोण पुग्नाम प्राचार, प्राचार।

१४ घर—अना अयन आनार आय तन आगम आनय आबाग आधय आधर आनर इबाग पिपाए, बांर वन केनन छय वागा एगीबनागा गुर वेर पड पटीरा बरीपी बंरा बीगनागा, बाप निरेन निगान निपगन निरेय निपान निरद निरगन निबाग निबागनाम बांर बनिबाग गुर बन्पी भवन बीन बनि भवान बुवान भवान बटन

बर्न बस्य बाक्य बास वास्तु, बैम्, चरय घरन धर्म पाठा बिबिर, संस्वान छत्र सवन छप चीन स्वान, हरम्ब हर्म्य।

१४१ पक्का या आलीमान मकान—आगाए, इमारत कोटी बैंगला बिबिबन भवन महक हुवेसी।

१४२ कुटिया—उचट बटाह, कुंर कुटी कुटीर, पट्टवट, जगुनूह बॉनर, बॉनरी पम्पकुटी बम्पचाका पत्ती मडी मडरी, मुनिबाह मेडिया पाब, संप।

१४३ लालापुह—कचबट, लालापुह।

१४४ हस्ता—बहता डेर बहाउरिवाली, चारबीवापी छरिवाली परिपंडठ परिबर्त।

१४५ आंगन—अंयम अंनता, अंगरी अंगरीया अंगमा अरिब नुहपयं, बनुगाल बरबर, चौड बीगल बीगल प्रांगय बमर, बाधर, संरवा गटन।

१४६ कोडा—बटा बटापी बट्टानिवा छत्र चीप हर्म्य।

१४७ शान्त—अरिब बीटा बीवाग नुगबपुहपी बीगल वनाम, देहरी देहरी प्रकोण प्रबन प्रवान बानि बरा गटन।

१४८ कभरा—बच काउटी घर।

१४९ छपवागार—आगवमान हनन गुर इबनामन छरवावाग वरवदुर।

१५ अरिष्ट (अनचर) —अन्य अना अनावावाग आया अरवदुर

प्रसूतिकागृह, सूतकगृह, सूतकगृह, सूतिका-
गार, सूतिकागृह, सोमक सीरगृह सीरी ।

१५१ स्नानागार—गुहकभाना पुसुस्-
नाना पुस्तकाना स्नानकाना स्नानगृह,
स्नानशाला हामाम हम्नमाम ।

१५२ पाखाना—कर्मना कुड्डी बायब
रुट, ट्यूटी पाखाना बाहर, बंपुसिस
संवास हसनजर, हसनहटी हसनहटी
हगनेटी ।

१५३ सार्वजनिक पाखाना—बंपुसिस
बमपुसिस ।

१५४ बैठका (बैठने का स्थान)—
बघार्ड, आस्थान बीपाक बीबाका
बैठक ।

१५५ बख्तरा—बखर, बीखर बीप
हक ।

१५६ द्वार के जाने का बीतरा—मगाध
बघार्ड बकिर ।

१५७ लौकी—अधिरोगिनी आरोह, आरो-
हण बीना तागड़ मधीनी मसेनी
निसेनी निसरनी निसेनिका निसेनी
मिरीनी पेकी पीकी सिह्डी सोपान ।

१५८ बीबाक—कुहमम बिबाक, बिबाक
बेबाक भित्ति मीत मीती ।

१५९ छेद—बगाध छिद्र तरेड बरख
बराख बराट, रंघ मुयक सुराक ।

१६ ताल—ताला टाला ।

१६१ मनेदीखाना—कानीपर, कानी
हावस बाड़ा मनेदीपर ।

१६२ बरबाबा (घर का)—गृहद्वार,
गृहानगृहणी इवोडी दुबार, देहरी
देहली हा द्वार, पहल पीर, प्रविहार,
मदीहार, सिह्पीर ।

१६३ इवोडी—देहरी बरबाबा देहरी
देहली वंवाट, पीरी देहरी देहली ।

१६४ पुस्तद्वार—बोर बरबाबा पक्षक
पशाद्वार, पार्खद्वार, बगलीद्वार ।

१६५ किबाड़—धरर, कपाट किबाड़ी,
किबार, केबाड़ केबाड़ा केबाड़ी बरबाबा
द्वार, पट पटट, पत्ता फाटक ।

१६६ सिङ्की—बंतरद्वार, सिरकी,
मबाक यबाक पीका बयसा बाकमार्ग,
जाकरंघ प्रेमरी सरोका धरीना
पक्षक प्रकठम भारी बातापन ।

१६७ खंभा—खंभ बंवा स्तम्भ स्तूप ।

१६८ छाजन—अरस खपकैस खपरैक
छत छदि छपर, छापन छाबना पटक
पखानी पाठन ।

१६९ गोल इंधी छत—गुंबज गुंबज ।

१७ कर्ज—गज पक्का पकस्टर, प्कास्टर ।

१७१ राजमहल—उपकारिका उपकार्य
किला कोट मन्चबर्त निज्जुट, प्रासाद,
महल राजप्रासाद, राजमन्च राजमन्चिर,
राजसन्च सर्वतोभर चौप स्वस्तिक
हनेकी ।

१७२ किला—बगम कोट पड़ कुर्ज
कुर्मम बिठ सीप छिपिर ।

१७३ कुर्ज—मटाल बख्तर पीखर,
पीखर, मीनार ।

१७४ दरबार—बास्थान कबहरी राज-
मंडली राजसमा राजसमान ।

१७५ एकांत मंत्रनास्थान—एकांतगृह
लिकभतखाना बुड़ा गुप्तगृह, मोघा
मत्रनाम्य मत्रनागृह ।

१७६ सिहासन—तख ।

१७७. अंतपुर—अंतउर, अंतवट, अंतद,
अबरोब अबरोबन अनातखाना अनाता
भोयपुर, महक रनबास रनिबास गुडांत
त्रिपागाट, हरम हरमखाना ।

१७८. रंगमवन—श्रीकाल्य श्रीकाल्य
नर्माबाट, रंगमहक रतिमवन रति-
मंदिर, रतिसदन वामपुह, बिलास
स्वस ।

१७९. कठ कर रहुने का खाल—कोन
गुह कोनमवन मानपुह, मानमंदिर ।

१८०. नृत्यगाता—नाचपट, नाचमहक
महकिल ।

१८१. पत्राता—श्रीगागाट, पनामाट,
भंडार, भंडारा भंडार ।

१८२. काटागाट—काटापुह, काटाबाग
कैरपाता जेल जेलपाता जेहक जेहक-
पाता बंदमाक बपन बंदीपाता
बंदीपुह पातनागुह, हबस हम्ब
हवापात ।

१८३. हिरातत—बाग बाटाबाग कैर,
नडरबर बंद बवन हम्ब हिरातत ।

१८४. बाता—कोनबासी बीडी ।

१८५. शारवागाट—अपनाता अपनाभार
पारवाताता मिलाहपाता हबियाट
पाता ।

१८६. नाटपाता—अभिनवपयम बिरे
टर, नाटपात नाचवर नाटपबुदि
नाटपपाता नाटपबनिर रंगनेर
रंगपुट रंगबदि रंगपाता रंगबन
रवातत ।

१८७. हाथीपाता—नखाता नखाता
बीनपाता बीनपाता हबिगाक हबि

पाता हबिखाना ।

१८८. अस्तबल—अरवसाका पुइसाट,
पुइसाक पोइसाता लवेसा बाबिखाना,
मंडुरा हवसाका ।

१८९. खोड—आवर्तक घेर परिह
पुरसीम प्रकारक प्राचीट, वेष्टक छाबि ।

१९०. अहारबीवारी—अहाता प्रागाट,
प्राचीर ।

१९१. घेर—अहाता बाड़ा हाता ।

१९२. काई—लंदक खेम परिता ।

१९३. आलचरों के रहुने वा खाल—
अडा अडाइ अडान करिक बीडा
बाग बाड़ा पनसाता निजपरोल
मवेसीपाता ।

१९४. नाँव—कुहट, गहपट, पुट, डेर
नाकु बन्नीक बाँधी बापाक विन
मान बिबर ।

१९५. पौतला—बालना, पीता नीर
नीक ।

१९६. हाबियों के खंसावे वा पहा—
अपपात पाड़ा भाक ।

१९७. पौतला—अलमत्र पनमा, पन
ताक पानीपताता पानीपतातिर, बी
पीमरा पीमला पीमार प्रक, प्याक, डग ।

१९८. खोडनालय—अप्रतंत्र बाबा, बीडा
पाकगुह बाकपाता बाकपनी बाकपनी
पाता भंडार अडानग रगकीपर
रगोइपी रगो रगो रगो रगो
रगोइडा रगो, गुनगुट होम ।

१९९. खल—गुनगुन बापाता बापाता
बनी बापाता बापाता बरनर बा
पना बिपाती बिपाती बिपाती
दिपातत । ३ बापाता ।

२० छात्रावास—छात्रावास बोर्डिंग
बोर्डिंगहाउस होस्टल ।

२१ खेल का मैदान—खेड़ास्थल
फिल्ड फील्ड मैदान ।

२०२ बख्खाड़ा—बख्खाट, मत्स्यभूमि
मत्स्यभूषा रंजभूमि रंगाभ्य ।

२३ पौधाका—भड़ान सड़क खरिफ
खरिफ मठसाका गायबौठ योकुठ
पोवान पोमंडस पोसवन योसाका
पोव ।

२४ जनापात्रम—जनापात्रय मुह
ताबखाना मतीमखाना लंमरखाना ।

२५ जन्मम—जन्मतन जन्मम छावनी
ठाहर, डेर मंत्रिक मंडप मरहला ।

२६ जर्मघाका—जावाठ खेज जना-
वास जर्मखेत्र पांचनिवास पांचघाका
मठ मुसाफिरखाना घराम ।

२७ ज्योतिषारिणी सित्रों का मंडा—
जफला घराम सित्रारखाट ।

२८ सुराक्ष्य—भावकारी कषत्ररिया
पंजा ताड़ीखाना पानावार, मदिराक्ष्य
मन्धसाका मनुसाका सराबखाना
होली ।

२९ जहाँ बहुत से लोप बैठते हैं—
जवाई, बीमाक बैठक ।

२१ जूताफिरखाना — प्रतीष्ठाक्ष्य
प्रतीष्ठाभवन ।

२११ पुस्तकालय—पुस्तकखाना राय
बोली काइबरेटी बाचनालय ।

२१२ चिड़ियाखाना—जू चिन्दा जवा
जबबर ।

२१३ जजापखाना — जजापखबर,
जन्मुठ-बस्तुघरहाक्ष्य ।

२१४ सित्त्यसाका—जावेघन सिस्ति
खाना ।

२१५ अमरघाका—अमार, कोप खता
खती लीं गाड़ भान्यासम बखार,
मंडघार, मंडसास मंडार, मंडारपूह,
मंडारखर, भान्यासव मोडीखाना ।

२१६ माक्योदान—कोठ गौडावन
गोबाम माकखाना ।

२१७ जखाड़ा—जखाटा कसरतपूह,
कसरत खान ब्यायामघाका ।

२१८ जुमाखाना—जुमापूह पूठपूह,
फटकाकपय फड़ ।

२१९ यह खान जहाँ कोई बसता हो—
पंडाक रंगभूमि समगपूह ।

२२ जरात के छहरने का खान—
जनवास जनवास ।

२२१ बिबाह का मंडप—मंडप मंडवा
मंडवा माड़ा माईयो माईन माई
माईी माई ।

२२२ रजभूमि—खेज खेत मैदान
मुठखेज मुठभूमि मुठखक मुठखान
रंगखेज रंगभूमि रजरम रपखक
रजरकठ बीरभूमि संगर भूमि घराम
खेज संग्रामभूमि संडिका समरभूमि
समरखेज ।

२२३ पंचायत भवन—जखाड़ा पंचायती
जगह, परिपह बैठक बैठका वास
समामकल समामभवन छाकसी ।

२२४ जरात—जबखार कजहरी
खंडाक्ष्य हरमाह, कोर्ट जर्मसमा
जर्माधिकरण न्यायभवन न्याय समा
न्यायाक्ष्य राबडार, खरिखा ।

२२५ बबस्वान्—भाषात कमेडा
कटाईखाना कडाबखाना कुनडखाना
बबखाना बुनडखाना ।

२२६ निर्जनस्थान—बबोक घनाड
उजार, एकांत बिकनतखाना योधा
निष्कला निमूठ निपला निर्जन नीजन
बिरान बीपान ।

२२७. एकान्त स्थान—इकधी इकठ
इकाठ एकठ एकाठ विजन रूस
रूसि भूय भूयस्थान छोफता ।

२२८ मरकट—मंतस्य्या करबीर,
बिठा बीरबान बाहृघर, पितुवन प्रेत-
बृह प्रेतवेह प्रेतवन मरकट, मघान
मघान मुरवबट्टा मृतकस्थान मडी
घमघान शबघवन श्वाश्रीइ घातक
श्मघान स्मघान ।

२२९. मकबरा—मबार, रीखा घमाबि ।

२३ कन्न—मजार ।

२३१ कब्रिस्ताम्—कबरिस्तान ।

२३२ कब्रिगना (कबीरों का पवि)—
कब्रिगना नामीरपन्धी बोन ।

२३३ कबरौटी (कबारों का पवि)—
कनटोली कनटोळिया कनटोळी
कनटोठिया कनटौटी ।

२३४ तेलहड्डा (तेल-बाजार)—तेल-
हड्डा तेळिखाना ।

२३५ मकूरहड्डा (मकली का बाजार)—
मकूरटोला मकूरहड्डा ।

२३६ बजाबा (कनड़े का बाजार)—
बैलहड्डा बजाबा ।

२३७. घोणारों का बाजार—घर्टाफ ।

२३८. छठेरी बाजार—छठेरा छठेरी-
बाजार ।

२३९ मीलों का पवि—पककय घबराकन ।

२४ लडक—मंटापन प्रतोली पने,
रम्या राजपन राजमार्ग रोड संसरन ।

२४१ रास्ता—बीर बोरि, बडी बघा
बयन एकपबी गमन गीळ छवर, उवर
उवरत बवर, बमरा बरौ पनी पुरति
पघा पंन पंनान पन पबि पन पंन
पंका बट, बाट, बीबी मय मारन मार्न
रम्या राहु, कर्तनि बर्न संवरन घर्नि,
सति ।

२४२ सुपंन—ब्रतिघति ब्रतिपन रन्-
पन बिदिष्टमार्ग संमार्ग उत्तन
सुपन ।

२४३ कठिन मार्ग—बटपड रास्ता बज
ऊबट, कटकाकीर्नमार्ग काठार, काल
किलिष्टपन कुपन कुमार्ग कुराह, कुर्नपन
कुपन बिदष्टमार्ग विपन ।

२४४ छवर (फतली लडक)—बोद
बोटी पनबंभी ।

२४५ पत्नी—बूवा कोबी बोद, बोदि
गीळ नीळिका प्रतोली रम्या लडु
पबि बिदिना बीबिका बीबी ठोनी-
मार्ग ।

२४६ बीरहडा—बुराहा बीन बी-
मुहानी बीरस्ता बीहडा कडुपन
भृंगाटक ।

२४७. कवर—बसन बसमा डक,
पावा मुड बान बट्टान कुपन पबान,
पावर, पापान पाहन प्रठर बा
धिना धिन धिना ।

२४८. पहाड़—अग अचल अदि अहार्य
 अंदराकर, अटकी असीक कुट कुट्टार,
 कुपर, कुट कौह वामासु, मिदि, मोन
 बाब धावा जीमूत मुंग दरीमूत धर,
 बरणी बरापर, बाबुमूत मग नाकु
 पगोबर, पर्वत पहाड़ी पुमुपोपर,
 मूबर, मूच मूमन भूमिपर, महीपर,
 महीध महीमूत मेह रजन कुसमान
 गिनरी गिनोष्वय वीर वीसेय शूवी
 स्वाका गिर, इदि।

२४९. गिपर—कुट छोटी मेह पोपर,
 गंग मुमेक अटान गिला वीर सिम।

२५०. बंदध—गुहर लीह गलं गह्वर,
 गुघ गुग दरी देवनाता बिल मीर
 बिर।

२५१. अ. अटान—पत्थर, गिला वीर
 बिल।

२५२. मुषा—अंदरा लीह गलं गह्वर,
 बह्वर, बार, गुग बर, दरी देवनात
 पागल बिर बिल मीर, बिर।

२५३. दरी—घाटी।

२५४. घाटी—दरी, डीवि संकट।

२५५. तराई—जगी ली लरेदी वीरजगी।

२५६. द्विवालय—अद्विगि गिरिराज
 गिरीय गिरीय अद्विगि अनेद मगल
 अरंजगल अरंजगल, अनेवादि वीनेद
 द्विवालय द्विवालय द्विवालय द्विवालय
 द्विवालय द्विवालय द्विवालय द्विवालय

२५७. बिर (बंदध)—बिरकुट बिर
 बर बिरगु बिर बिरगु मुमेक।

२५८. द्विवालय—द्विवालय बिर
 बर।

२५८. मुमेक बरंत—मुमेर, मुमेक मुर
 गिरि, मुरगिनय मुरालय स्वर्णगिरि।

२५९. अरबली (पहाड़)—अरबली
 अमुद।

२६०. गोबर्धन—गिरिराज गिरीय।

२६१. असाज पहाड़—असाज गिरीय
 द्विवालय।

२६२. पानी—अंध अंध, अंध अंध
 अद्विगि अपोमदि अंध अंध अंध
 बिर अद्विवादि अंध अंध अंध अंध

इंदु, इरा ईम् उद उर्ज अट 13
 क कबंध कर्मप कमल

कुग कत कत अंध लीर, अंध अंध
 ममीर, गहन घनरथ गृत अंध अंध
 अल अलाप अदि वीरगल अंध

लीय गुग्गा वृष्टि पनुपनु, परल
 मम नाम मार, मीर, पथ पानीय पाप

द्विवालय पुटीय पुष्कर, नूर्ण अद्विवालय
 मग अंधन अंधन मट मटन अंध

मेपपुण मग वादु, वादि रवि रम रेत
 मम बा बाज बादि, बिर कुम अंधीय

अंधर अंध मग गलीय अंध अंधन
 मनीय मने मनेनोमूग अंध गगल

गग अलिल मगल अंध अट मुसेम
 मुग मुग अंध लीय।

२६३. कुंड—अद्विगि अंध अंध
 अद्विगि, पुपु अंध अंध अंध अंध

कुंड लीय लीय।

२६४. लज्ज—अद्विगि अद्विगि अंध
 अद्विगि अंध अंध अंध अंध अंध

अद्विगि अंध अंध अंध अंध अंध
 अंध अंध अंध अंध अंध अंध अंध

कुपाट, क्षीरपि क्षीरनिपि क्षीराम्बि
 पनाबर, पलपर, पध्वि पलनिपि
 पलरापि जलेय तिमि तिमि-कोट
 टीबर, तोयपि तोयनिपि तोयप
 हरिया हरियाब दारब, बेन नवपत्र
 नवीचान नवीन निपि नीरपि पयपि
 पयनिपि पयोबि पयोनिपि परंयब
 पाब पाबनिपि पापोबर, पाबोबि
 पापोनिबि पाराबार, पारागार, पूरप
 बहुर प्रभाकर, मिनत्रु मकरुत्तम
 महात्रक महापय महीप्राचीर, महीप्राबर,
 महोरबि मिनत्रु, माकपति रत्नपर्म
 रत्ननिपि रत्नाकर, रत्नाकर, बरपात्तय
 बापनिबि बापि बापिरामि बापौत्र
 बाट्टीपनि बीबिमाली बीलपिबिरनिय
 करस्वान् सरिलानि मत्पिनि ममुम्बर,
 कनिकरनि नामर, लापर, पारंज त्रिपु,
 मुचानिपि सोनरति ।

- २६५ ७ त्रिपु—सिद्ध हीरोर मनीर
 दम्पुद लवनीर, मुगोर रबागुद ।
- २६५ बहामापर—बहोबादम ।
- २६६ लमुद्रपेन—बाप्य बाप्यप पेन ।
- २६७ लमुद्र पबोर—अबपि बेला
 अपरि मीमा ।
- २६८ लाड़ी—आलाग मनीर ।
- २६९ अमरकरकप्य—आवनाय ।
- २७ अंतरीप—गज ।
- २७१ मरी—अवग बाजा आवदा
 आवतिनी अमरतिनी विविमरनी
 बेर अमरि मरी अमरान्य मरनी
 मरिनी मरनरनी मरतिनी मनीरा
 हरिवा हरिवाय मनुकी भर, अरिवा
 भर, अरिनी विमरग नरि मरी मुरी

- रमु, मूयिस रीबलिनी रीमातिनी
 त्रिपु, समुद्रकता समुद्रमा समुद्रिना,
 समुद्रपलि समुद्राबे समुद्रायब हरि,
 सरित सरिता सोप सोनरकरी लोप्र-
 लिबनी सोतोबह, सोतोबहा ।
- २७२ माला—गाय बंबा ।
- २७३ मरला—उरत बरमा बरमाबा,
 मर, बाय निमंर, नीतर, प्रगा
 प्रयवग बंबा छैठ सोन सोना बीपिना
 सीती ।
- २७४ बहुता हुमा अल—प्रबाह, प्रबाहि
 प्रबाही ।
- २७५ बहुब—अमिप्यंर, अरुपाय, अर-
 यति अलप्रबाह ।
- २७६ अल का बेलाब—अलपाय,
 मीना ।
- २७७ बाय—प्रबाह विग सरिता मीना ।
- २७८ लहर—अपतिरा उरि अरि,
 अमिना अमी अमोत बरकोर,
 अलतत्रा मात तरप बीबि अल मीनि,
 मीन लहर लहरी बीबि हली लिपरी,
 दिनरीय दिनोर हलीय ।
- २७९ भैर (पुबता हुमा कली)—
 भैरगम आवती बई अल अरि-
 अलावर्न भैर भैररी ।
- २८० मरी की मयपारा—अवग
 मापारा ।
- २८१ विपारा—अवग अरिअ अरि
 बी., अल अरार अरार, अरार,
 अल अर, मरीगा मीन रीन
 अला अला अरिअ अरि अरिअ अरि
 अरी अल अरला अरारा ।
- २८२ मरी का मरी—अर अर अर ।

२८३ नदी का फेन—मान बलफेन
साक फेन मज्जा मीजा ।

२८४ बस—बाहसा बाहसो उपटा
उमड़ बम्बस बसप्साबन प्साबन
बापी बुड़ा घसाब सैल सैलाब ।

२८५ कौच—कर्म काया कौच कौचो
कौचड़ कौचा लोभजा गारा बिकिध
बुहुध बबाल बलमन्क हम प्राप
नियपूर, मूसा घाब, घाब ।

२८६ बलबल—बाँच बहटा बहका
बहवा बाँस ।

२८७ बाँच—बमसा बाबार, पूर, बंबवा
बहना बाहू ।

२८८ पुल—बलि पुलिया सेतु ।

२८९. संगम (नदी का)—मिलन संभेद
सिधुसंभम ।

२९. संभा—बप्पया बसकनया बहनु
नरिनी बहनुठनया बाहनवी विपयगा
त्रिसोटा बेबायगा घुबनबा नदीबबट,
घपीरवी मबायगा भागीरवी मानुमवी
मानुमवी भीमसू, मुबनपाबन भूतिबा
भोबकटी महामाया यद्यस्त्रिनी बबोह-
घारा बँप्पवी समुद्र-मुमगा सितासिन्धु,
सिखरिठ सिखापका मुबरा मुबा
सुरखरिगिपी सुरधुनी सुरलवी गुर
निम्नदा सुरला सुरबाहिनी सुरसर,
सुरसरि, सुरसरिठ सुरसरुी सुरसापी
सुरसिधु, सुरापगा स्व सरिता स्वर्भुनी
स्वर्भनी हरखेकरा ईमबटी ।

२९१ संभाबल—गंगीबक ।

२९२ यमुना नदी—बर्कजा कसिबजा
बलिबी ह्पन कसिपी भानुजा
पमस्वघा सुरगुता सूर्ववगया सूर्व

पुनी सूर्वसुता समनस्वघा
ईसमुता ।

२९३ सरपू नदी—जानंदाभुजा बाबर
बखिठी सरजू सरपू सुरसरसुता ।

२९४ मंडाकिनी—पमस्वनी मकिनी ।

२९५ सिबनवी—बटक सिब सिधु ।

२९६ त्रिबेनी—तिरबेनी त्रिबेनी
त्रिसंगम बेनी ।

२९७. गोदावरी नदी—गोदावरी सुरसर,
सुरसरि, सुरसरिता सुरसरुी सुरसापी ।

२९८. कृष्णा नदी—कृष्णा ।

२९९ नर्मदा—नर्मदा मेकसकमका
मेकसमुता रैबा सोमोद्भवा ।

३. बासी नदी—(काशी के पास
मिलने वाली नदी) बसी ।

३ १ बंबलनवी—बंबल बर्मरावटी ।

३ २ बडक नदी—बंडक गंडकी ।

३ ३ बज्जुनवी—बज्जुतस्सलिमा प्ज्जु ।

३ ४ टोल नदी—टोल तमघा ।

३ ५. सोन—सोननद्र स्वर्भमद्रा सोम
हिरण्यबाह ।

३ ६ कर्मनासा (बाँसा के पास संभा
से मिलने वाली)—कर्मनासा ।

३ ६ अ सतसक—सतसक सतद्र सुनुदि ।

३ ७. कुर्मा—बंबु बबट बबट ईबारा
इगार, इगारा उरठ घरपान ब्प्यवात
कतं काट, कात कारोठरात् कुर्मा
कुषाप केबंट, कुर्मा रूप कूब जिनि प्रहि ।

३ ८. प्रहि—बककुइयाँ—मृतमान बय
बापिका बापी सूब ।

३ ९. अग्या कुर्मा—बन्वभूप ।

३ १. होज—बहरी कुड टांका रू,
रूट, हीर ।

३११ गहवा—गणाय अबट, बहव
 एता पाइ लोह, गडा गहवा
 मडहा गर्त माइ गार, बहवणा छीकर,
 उबरा हट, बाट, निमान मूरुय मंडाक
 मंडार, एवम ।

३१२ आबली—गहरी दीपिका पुष्करणी
 पोतरी बापिका बाबड़ी बीली एन
 बापिका बापी सरसी ।

३१३ ताकाब—अनिष कासाट, कृष्ण
 छीमर, पलवान पलस्वान पलामार,
 पलागय डाबर, बिन्धी तडाग तर्कवा
 लाल बीपिका बीपी निमान
 पपाकर, पनिमासोठ पयोबर, पस्कर
 पुरवर, पुष्कर पुष्करन पुष्करिणी पोतर,
 पीनरा रमान मडाह, रात्र सर, मरक
 सरवर, मरम तरमी सरस्वर सरीबर,
 मारण हूर ।

३१४ शील—मानमर, एन सरवर,
 लघेवर, मागर, हूर ।



८

१ लजय—अनुष्ट, अनियेन अनेग समत
 अमूर्त अपन आना अबनात अबगर
 अबवेर, बाहर इष्ट अनु, बाल बाल
 पुण्य लान बड़ी उन उन अमाना
 बाय नून हव एता बी बाई
 रिच रिच हेर देरी लमय बरन इतय
 इतर बगन बजा बरिनी बी बाए
 बरिना बरा बरा अमूर्त लोहा बाय
 नून रिनु बरा बर बरिनी, बरिनी
 रिनिनी देना नवा ।

२ बीतना (समय)—बटना मुडरना,
 आना व्यतीत होना समाप्त होना ।

३ बितना (समय)—काटना बालवेर,
 करना काठघापन करना बेबना,
 नुबारना व्यतीत करना ।

४ बच्छा समय—उच्छव उत्तर,
 पुष्पकाल साइत सायत मुडरकर,
 बुकाल मुपड़ी मुपरी गुजेल गुरि,
 मुमिय मुयोय मुबेला ।

५ बुरा समय—अकाल अनच्छु, इह,
 इह काल कुबलत दुर्दिन दुर्दिन
 दुर्दिन दुष्काल महुंवी ।

६ नियत से आपे या बीठे का
 समय—कुसमय ।

७ बी घटनाओं के बीच का समय—
 अंता अंतरा अंगर, अतरात बाय,
 मध्यवर्तिकाल बीच ।

८ कित्ती समय बी—बडाबिनु बघरि,
 कमी सायर, संभवन रयात् ।

९ कित्ती समय—बन करा, कमी कनु
 बरिनाला पर जटिया ।

१ हूर समय—नितपाग निदिवाला
 राजदिन गदा मर्षा हमेया हुरवा,
 हे 'राजदिन' । हे 'मर्षा' ।

११ बिल समय—बन बरिना ।

१२ आचायक समय—अड़ी ।

१३ उत समय का—गणनीय ।

१४ एक ही समय का—गणनीय ।

१५ समय लजयबी—बडाबिनु बरिना ।

१६ पूय—बाय नून ।

१७ ४ पूय—गणपूय (१०२८ वर्ष)
 इतर (८६४ वर्ष) अंता (१३११
 ० वर्ष) बरिपूय (४३३ ० वर्ष) ।

१८. सतमुष—दृष्ट दृष्टयुग वैश्वयुग
पुष्ययुग सतयुग सत्ययुग ।
१९. इतर—दृग्भयुग तृतीययुग
बुधपर ।
२. जेता—ठरेता द्वितीययुग रामयुग ।
२१. कस्मियु—ककठ ककठयुग कस्मि
कस्मिकाठ कस्मियुग ।
२२. प्रकमटाक—कल्प कल्पांत क्षय
सिद्धि नाश प्रकम संघर्ष संहारकाक ।
२३. दिव्य युग (४३२ • वर्ष)—
चतुर्दश चौकड़ी चौयुग ।
२४. ७१ (पञ्चमंतः ७१-७४) दिव्ययुगों
का समय—मन्वतर, इकहत्तर चतुर्दशी
(चौकड़ी) ।
२५. १४ मन्वंतर का समय—कल्प
ब्रह्मा का दिन ब्राह्मदिन ।
२६. ब्रह्मा की रात्रि—काल रात्रि काल
रात्रि ब्रह्मरात्रि ।
२७. वर्ष—अध, ईसवी बरस बरस,
शरत् पारव संवत्, सत्र सन् सम सरत
साल हिन्दो हिम हैम ।
२८. चाविक—आविक धारणीय सतीना
सातना सातियाता ।
२९. ती वर्ष—रस दणक राउक यताम्पी
गती सती ।
३. एक देव संकान्ति से बूतरे देव
संकान्ति तक का समय—तीरवर्ष ।
३१. जाने जाने वाला वर्ष—जागतवर्ष
जानामी वर्ष पर परसाल ।
३२. बीता हुआ वर्ष—मावर्ष पट, पर
पान बिपन वर्ष ।
३३. जागामी या निपना तीतरा वर्ष—
त्योरन त्योरगात बरार ।
३४. इस वर्ष—असों भासी इम साल ।
३५. मास—महीना भास माह ।
३६. मासिक—महिनबारी माहबारी
माहियाता ।
३७. वर्ष के १२ महीने (हिन्दुस्तानी)—
बीज बीसाय जेठ असाइ सावन भादों
कवार, नासिक अमहन पूष माघ
फाल्गुन ।
३८. वर्ष के १२ महीने (अंग्रेजी)—
जनवरी फरवरी मार्च अप्रैल मई, जून
जुलाई, अगस्त सितम्बर, अक्टूबर,
नवम्बर, दिसम्बर ।
३९. चैत—बीजक चैत्रिक मधु, बसंतद्वय
सुरभि ।
४. चैत्र में होने वाला—चैत्रहा चैती ।
४१. बीसाक—बइसाय माघन राग ।
४२. बीसाक में होने वाला—बइसणहा
बीसाची ।
४३. ज्येष्ठ—अठ उपन शुक्र ।
४४. ज्येष्ठ में होने वाला—जेठुवा जेठु ।
४५. असाइ—असाइ क्तु, गुणि साइ
हाइ ।
४६. असाइ में होने वाला—असरहा
असाडी ।
४७. आचन—धर्ममात नम नमा
धावन धावदिन मावन ।
४८. आचन में होने वाला—मवनई,
नवनही धावगिक ।
४९. अछपर—नम प्रीठनर भादव
भादों बारी भाउ ।
५. भादों में होने वाला—अदई, बईता
अदई, बरीही ।

मंगलवार, बुधवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार, रविवार, शनिवार ।

११६. रविवार—अनवार, अणवार, आग्निवार, इतिवार एकाग्रता एतवार, रविनि रविवारात्, इतिवार ।

११७. सोमवार—सोमवार, सोम्या सोमवार ।

११८. मंगलवार—भीमवार मंगर, मोह यवा मङ्गलवा ।

११९. बुधवार—बृहस्पतिवा बुध बुधवार ।

१२०. शनिवार—शुक्रवार शुक्रवार नुकेराग पंचांग किरी कीरी, बहुद ।

१२१. शुक्रवार—अवा शुक्रव शुक्रव ।

१२२. शनिवार—अवा शनिवार शनीवार, शनीवार शुक्र ।

१२३. शुक्रवार—अवा शुक्रव शुक्रव ।

१२४. शनिवार—अवा शनिवार शनीवार, शनीवार शुक्र ।

१२५. शनिवार—अवा शनिवार शनीवार, शनीवार शुक्र ।

१२६. शनिवार—अवा शनिवार शनीवार, शनीवार शुक्र ।

१२७. शनिवार—अवा शनिवार शनीवार, शनीवार शुक्र ।

१२८. शनिवार—अवा शनिवार शनीवार, शनीवार शुक्र ।

१२९. शनिवार—अवा शनिवार शनीवार, शनीवार शुक्र ।

शुक्रवार—अवा शुक्रव शुक्रव ।

१२९. शनिवार—अवा शनिवार शनीवार, शनीवार शुक्र ।

१३०. शनिवार—अवा शनिवार शनीवार, शनीवार शुक्र ।

१३१. शनिवार—अवा शनिवार शनीवार, शनीवार शुक्र ।

१३२. शनिवार—अवा शनिवार शनीवार, शनीवार शुक्र ।

१३३. शनिवार—अवा शनिवार शनीवार, शनीवार शुक्र ।

१३४. शनिवार—अवा शनिवार शनीवार, शनीवार शुक्र ।

१३५. शनिवार—अवा शनिवार शनीवार, शनीवार शुक्र ।

१३६. शनिवार—अवा शनिवार शनीवार, शनीवार शुक्र ।

१३७. शनिवार—अवा शनिवार शनीवार, शनीवार शुक्र ।

१३८. शनिवार—अवा शनिवार शनीवार, शनीवार शुक्र ।

१३९. शनिवार—अवा शनिवार शनीवार, शनीवार शुक्र ।

१४०. शनिवार—अवा शनिवार शनीवार, शनीवार शुक्र ।

१४१. शनिवार—अवा शनिवार शनीवार, शनीवार शुक्र ।

१४२. शनिवार—अवा शनिवार शनीवार, शनीवार शुक्र ।

मिनसार, भीन विमात विहान बेरा
सकारे, सकार सहर, मुवु मुवह,
मुवुह, मूर्धोदय ।

बिलोम—दे 'साम' ।

१४ रोक्कर—दुपहरिया दोपहरी मध्य-
दिवस मय्याहन मय्याह्लाकाक ।

१४१ सत्यकाल—ब्रह्मदान उत्तर,
बौद्धिक विनात विनात विनुप्रभू प्रत्युप
प्रदोष प्रदोषकाल रजनीमुख धर्षरी
धाम संमा संम्या संबाकाक सति संभू,
धर्म सायाहन ।

बिलोम—दे 'प्राठ' ।

१४२ प्रातःकाल और सय्या के बीच
का समय—अंतर, अन्तरा अंतरा अह
अहन दिन दिवस । दे दिन ।

१४३ रत्न—अंजन अमुर, असापिनी
कादम्बरी कोटर, अफवा रापा अइकाता
ध्या आमिनी ज्योतिष्मती तमस्विनी
तमा तमि तमी त्रियामा दोषा मकर
निधि निजीक निगीमिनी निध निनु
नाम्नी याम यामवती यामिका यामिनी
यामिरा रदमि रजनि रति रजनी
रम्या रजनी रजि रजनी रिन रनि
बिबावरी रामनी रावरी राव रावरी
रामा नीत्रा ।

बिलोम—'रिन' ।

१४४ रात-दिन—अह्निति महोत्तर
आटोहर नितावातर दिनवातर निधि
दिन निमिटीम ।

१४५ अंजनीरात—बौद्धी अंजनावा
निवा बौन्नी मुटा मुट्टेया
ज्योन्नी ज्योन्नी रावा निमावरी
रति ।

१४६ अंधेरी रत्न—अंधेरिया अंधेरी
वमा अमावस्या कालनिदा कालरात्रि
तमस्विती तमिन्ना तमी तमीना
तामली स्थामा ।

१४७ अम्मदिन—अरसगाँठ अर्षगाँठ
सासगिरह ।

१४८ आयु—अवस्था आइ आत
आयुबंध आयुष्य आयु आरवक
आरवका आइ उमर, उमिर,
उम्य ।

१४९ जीवन भर—आजन्म आजीवन
आमरण तात्रियनी ।

१५ अक्षमंशुर—अनित्य अस्थायी
उत्तमंशुर ।

१५१ शीर्षजीवी—अमर आयुष्मान
चिरजीव चिरंजीवी चिरायु, चिरायु
शीर्षायु ।

१५२ शीर्षजीवी—आयुष्मान ।

१५३ जिसकी उम्र १ वर्ष हो—
धनायु ।

१५४ अंतिमकाल—अरवपड़ी मृत्युकाक
मृत्युदिन ।

१५५ उरटी—अंजा अजम्याय अवकाश
अवसर, ताजीक फुरतत मोटा मोटा
रहा रजमन अकत अगत समय तीर
गावा मुचिठई ।

१५६ बहु दिन जिसमें पड़ने वहाने का
निबंध हो—अजम्याय अवापराया
अटमी अनुदंगी परिवा पूर्षिमा ।

१५७ डेर—अनिवाक अरमा अरनेट,
अवाक अवक तीर डोक डेरी दिवस
दिवस डेर अमय हान ।

१५८ अरती—अवित्र अनुराई आनुरा

८० हेमन्त—बाढ़ा शीतकाल सियासा
हिमन्त हेउठ ।

८१ हेमन्त ऋतु के २ महीने—मगहन
पुन ।

८२ सिधिर—सिद्धा बाढ़ा पतझड़
पतझड़, शीत सिधिर ।

८३ सिधिर ऋतु के २ महीने—फासगुन
माघ ।

८४ वर्सत—ऋतुनाम ऋतुपति ऋतुराज
कुसुमकाल कुसुमाक्षर, कुसुमागम पिका
नद बरसादक बसत बहार, मधु, माघक
सिधिरांत मुरभि ।

८५ वर्सत ऋतु के २ महीने—वैश
वैशाख ।

८६ पल—पल पलवार पलवार ।
पलरहिया पाख ।

८७ महीने के दो पल—दृष्यपल शुक्ल
पल ।

८८ दृष्य पल—अंबेरापल अक्षितपल
दृष्य दृष्यपल्ल बदी बदि ।

८९ शुकपल्ल—अंबेरा पाख अंबेरा पल
उजाला पल उजरा पल सितपल सित
मुदी मूरि ।

९ तिथि—शारीर निधी मिति मित्ती ।

९१ बहु तिथि त्रिसका जय हो गया हो
—अवम तिथि बीम ।

९२ तिथि का निम्ती में न जाना—
तिथिजय तिथिहाति ।

९३ बहु तिथि त्रिसका बीड़ा बहुत
अंस तीन दिनों में बढ़ता हो—निश्चि
लुग ।

९४ बीम भी तिथि—कजब बीम ।

९५ प्रतिपदा—उपवस बढ़ा पडिवा

परवा परिवा प्रतिपद ।

९६ द्वितीया—दस दुइक दुतिया पूज
द्वितीया ईक ।

९७ पूज का बदि—मवद्यधि ।

९८ तृतीया—तीज ।

९९ चतुर्थी—चउप चौप ।

१० पचमी—पचिमी पांचे ।

१०१ षष्ठी—छठ षष्ठी षष्ठी ।

१२ सप्तमी—सठिमी सतमी सठिमी
सार्ते सार्ते ।

१३ अष्टमी—अठमी अठेह अष्टका
अठिमी आठे ।

१४ नवमी—नउमी नौमी ।

१५ दशमी—दसई दसमी ।

१६ एकादशी—इकादशी म्यारस
हरिवासर ।

१७ द्वारशी—दुमादपी बारस ।

१८ तैरस—तयोरपी भ्योरपी ।

१९ चतुर्दशी—चतुरदशी चौदम ।

२१ पूर्वमासी—पूर्व पर्वची पुनमासी
पुनमासी पुनिर्ब पुना पूनपल पून
मासी पूर्वमासी पुनिमा पीपमासी
राका ।

२११ अमावस्या—अमा अमावस
अनवसा कुट्ट दर्न मावस मावांत
मिनीवाली गुपदुनपम ।

२१२ प्रतिपदा और पुनिमा या अमा-
वस्या के बीच का समय—पूर्व पर्वची
पर्वगण्य ।

२१३ तप्तार—बटवार सडाह, हला ।

२१४ ताप्टारिह—माप्टारिह हस्तावारी ।

२१५ तप्तार के ७ दिन—गोमवार,

सदयकार बुद्धकार बुद्धनिवार बुद्धकार
निवार निवार ।

११६ रविवार—आकार अकार
अकार इतिवार अकारा अकार,
अकार अकार इतिवार ।

११७. शोचकार—अकार शोचकार
शोचकार ।

११८. अकार—अकार अकार अकार
अकार अकार ।

११९. अकार—अकार अकार अकार ।

१२०. अकार—अकार अकार अकार
अकार अकार अकार अकार ।

१२१. अकार—अकार अकार अकार ।

१२२. अकार—अकार अकार अकार
अकार अकार ।

शोच—अकार अकार अकार ।

१२३. अकार अकार अकार—अकार
अकार अकार अकार अकार ।

१२४. अकार—अकार अकार अकार
अकार अकार अकार ।

१२५. अकार—अकार अकार अकार
अकार अकार अकार ।

१२६. अकार—अकार अकार अकार ।

१२७. अकार—अकार अकार अकार ।

१२८. अकार—अकार अकार अकार
अकार अकार ।

१२९. अकार—अकार अकार अकार ।

१३०. अकार—अकार अकार अकार
अकार अकार ।

बिनमार, भीन बिनात बिहान बेच
सवार, सवाल सहर, मुबु मुबह
मुबुह मुबुदिय ।

बिनोय—दे 'घाम' ।

१४४ होप्हर—दुपहरिया होपहरी मध्य
दिवस मप्याहन मप्याह्नकास ।

१४५ समयकाल—अवमान उतमर
सोबूनि दिनात दिवात पिनुयभू प्रत्युप
प्रदोय प्रदोयकाल रजनीमूय ताबरी
घाम संसा संप्या संपाकाल सांग मीमू
मान मापाहन ।

बिनोय—दे 'घात' ।

१४६ प्राणकाल और लप्या के बीच
का समय—अंतर, अमरा अंसाव अह
अन दिन दिवस । दे दिन ।

१४७ रात—अंजन अनुर अभापिनी
कारम्बरी बोटर बागदा राता अडकाता
एता आबिनी अंनिप्यनी तमस्विनी
तमा तमि तमी त्रियामा दोरा नका
निमि निगीब निगीबिनी निम निम
माणी माह मायबनी मायिका मायिनी
मायिग मदिन रजनि रति रजरी
रप्य, रागड़ी रावि राबी रैन रीनि
बिवायरी रावनी रावरी राब रावरी
रप्या नीपा ।

बिनोय—दे 'दिन' ।

१४८ रात-दिन—अर्धराति अटोराव
आटोराव दिनिवात निमकाव निमि
नि निमिटीव ।

१४९ अंकेरीरात—बीमूरी अटिकाता
बिना अंकेरी अटिका अटिका
अंकेरी अंकेरी राता बिवायरी
रप्या ।

१४६ अंकेरी रात—अपरिया अंकेरी
अमा अमाबस्या कालनिगा कालरात्रि
तमरिबती तमिना तमी तमीया
तामरी प्यामा ।

१४७ अम्मदिम—अरसगाँव अयमाँट
यासमिरह ।

१४८ आयु—अवस्था आड आड
आयुवंक आयुप्य आयु आरबल
आरबला आब उमर, उमिर,
उप्य ।

१४९ बीबन अर—आरगम आबीबन
आमरण ताबिबनी ।

१५० अचमंगुर—अमित्य अरयापी
एनमगुर ।

१५१ बीर्पत्रीषी—अमर आयुमान
बिरबीब बिरबीबी बिरामु, बिरगु
बीर्पियु ।

१५२ बीर्पत्रीषी—आयुमान ।

१५३ बिलही अग्य १०० अय हो—
एतापु ।

१५४ अंतिमकाल—अरसपरी अनुवाप
मुनुनि ।

१५५ एरटी—आता अतप्याप अयका
अवमर नागीन कुगन मोषा बीडा
रडा एगलन अरन अगन मयन नीपा
नारा मुबिर् ।

१५६ अह दिन बिलने काने पगाने का
निर्पेय हो—अवप्याप अयाहान
अयपी अनुनी नीपा मुबिना ।

१५७ देर—अदिवात, अरग अरमीन
अरग अरग ताग तोक देरी दिवा
दिवा अर मयन हात ।

१५८ अरपी—अदिवा अरगाँव अनुवाप

बाबुगार्डि बाबुटी माननप्रधान द्यकन
उरकन उनायकी प्रियता गद्यनट,
बट, बटव बटवई चक्रवारी बटा
पटी पन्नीबायी गट मटव मय
तडाका गुनं तेडी पुडी तका रवति
वेय वेग पीपना हडवडी हडवति ।

१५९ अर—अबिराण मानु प्रिय
बटाट बटाव तडाक तडाकटडाक
गुनं गुनं पीप गणर ।

१६ डेरकरना—अनगवना गहकरना
गठना पिनविम करना डेर लगाना
विनर करना समय लगाना ।

१६१ अरडी करना—अनुनाता गुनी
करना हडवडना हडवडी करना हडवडी
मथाना । अन्य पर्वीके के गिन अरडी के
पर्वीके के पथानुकरन करना का मथाना
अरडि ।

१६२ गुनी—गगवनी प्रियगुणा
अरवाडी अरडी तेडी गवा पीपना
हडवडी हडवडट ।

१६३ गुनी—आनाय अरवाट अरवा
अरडी अरडी विविना अरवा अरडी
हीवना ।

१६४ गुनीना—अरवना प्रियगुण
अरवाट अरडी अरवाट अरविना
अरविना ।

१६५ अर—अरवडी अरव डटा
अर विवाक, अरवेड अरडी अरव
अर अरव अरव अरव अरव अरव
अरव अरव अरव अरव ।

१६६ अर अरवना अरडी—अर अरव
अरव अरव अरव अरव अरव ।

१६७ अरवना—अरव अरव ।

अरव अरवना अरविना अरव अरव,
अरविना अरविना अरव अरव
अरवना अरवना अरवना ।

१६८ अरवना—अरवना अरवडी
अरवडी अरवना अरवना अरवना
अरवक अरविक अरव अरवना
अरवना अरवना अरवना अरवना
अरवक अरवक अरवक अरवक ।

१६९ तीवकाल—अरव अरवना अरवना ।

१७० अर तीवो अरव अरडी—अरवना
अरवना अरवना ।

१७१ तीवो अरवो अरडी अरवो
अरवना—अरवना अरवना अरवना
अरवना ।

१७२ अरवकाल—अरव अरवना, अरव
अरव अरव अरवना अरवक अरव
अरव अरव ।

१७३ अरवना अरव—अरव अरवना
अरवना अरव ।

१७४ अरवना—अरवना अरव अरव
अरवना अरवना अरवना अरवना
अरव अरव अरव अरव अरव अरव
अरव अरव अरव अरव ।

१७५ अरव—अरवना अरव अरव
अरवना अरवना अरवना अरवना
अरव अरव अरव अरव अरव अरव
अरव अरव अरव अरव ।

१७६ अरवना—अरवना अरवना
अरवना अरवना ।

१७७ अरवना—अरवना अरवना
अरवना अरवना ।

१७८. बहूले का—आणि आदिम प्रायमिक प्रायमिक । ३ 'पुराणा' ।
१७९. हाल का—वे गया ।
१८०. बुबुं बम्म का—पुरबला पुरबुला पुराण ।
१८१. जितका समय बीत गया हो—बानाडीत ।
१८२. जो बहुत दिनों से बला आता हो—परंपरगत सनातन सनातनी ।
- १८३ (बीया छपतीत या आने वाला) दिन—बरसों ।
१८४. बरसों (बीता हुआ या आने वाला)—बउरसों, परसों परो परी ।
१८५. बल (बीता हुआ)—बहू बालि बाम् ।
१८६. बल (आने वाला)—बहू बालि बाम् बिहान बिहान मिहान ।
१८७. बल—बउ बउ बय सय ।
१८८. बबिप्यत् बाल—बदिम आरवा आरव आगा आपामि आगामी आगे बल बुट, बबिप्य बबिप्य् भावी बाम्बबि ।
१८९. आने हाने या आने वाला—बाला, आगामी बबिप्यना मग्ग बनी होनहार ।
१९०. बबिप्य का आने वाला—आपम बनी, बबिप्यनी ।
१९१. बब—बउ बपुवा, बभी बउ बउ, बउरि मउ बरेरुग ।
१९२. बबब—बपारि, बपारिपि बबब ।
१९३. बीरे—बंगर आगामी अनार

- आगे उपरांत तदंतर तदनंतर, परब परबात् पाछी पाछे पनः, फिर, बहुदि, बाद ।
१९४. आगे—आगाडी बउ बउे अम्मइ अमाल आरंवा आगे पहले पूर्व प्रथम ।
१९५. कभी—कनाचित्, कम् छायाद स्यात् ।
१९६. कभी कभी—बब ठव यदा यदा ।
१९७. सबंधा—अजस रूप से अजबपि अविमल रूप से नित नित्य निरमघः, बराबर, मुदाम कनागार, सउत् उवा सबैव हमेषा हरपडी हरमपी हरहमेषा । ३ 'राजदिन' 'हरममय' 'प्रतिदिन' ।
१९८. बहुपा—अबउर, अधिबउर, अधि कांगत प्रायग प्रायः, बहुत करके बिषयकर ।
१९९. बबबि—बीब बीपि उफ परंत मिषाद ली ।
२. जितके लिये कोई बबबि निप्यत हो—मिजारी ।
- २ १. ल्योहार—उभउव उलव उण्टी ठेवहार, ठेवहार ल्योहार, परावन परं ।
२०२. बडा उलव—बहुरर्ष महोभव महोभव महोष ।
- २ ३. होनी—बैपौर पुरबरी अग्गवरी बनुजा काय उउरर्ष हांटी होमिवा ।
२०४. बीबानी—दिपारेवाटी रिवाली, रिवाटी दी-दानागव दीनवालिवा दीनवाली दीनवाली दी-गव देवाटी देवाली बीबानीव ।
- २ ५. दीनवाली बी वान—बालिपटा बाल गवि बपेरी बहमवा ।

२ ६. विजयादशमी—यत्रियोत्सव बघ-
हुरा बसहुरा रामरसमी विजय दशमी
विजया ।

२ ७. सावन शुक्ल पूर्णिमा का त्योहार—
रसावधन राणी रक्की चलोनो ।

२ ८. असाप्ततीया—असती असतीज
आसातीज ।

२ ९. अनन्तचतुर्दशी—अनंत अनन्तचतु
र्दशी अनन्तसुनी अनन्ता ।

२१ कार्तिक शुक्ल एकादशी का
त्योहार—बिठवन बेबठान बेबोन्वान
प्रबोकिनी ।

२११ कार्तिक शुक्ल द्वितीया का
त्योहार—अमहुविया भाईहुज भातुहुज
भैयाहुज पमद्वितीया ।

२१२ कृष्णाष्टमी—कृष्णाष्टमी अम्मा
प्टमी ।

२१३ मेघ संक्रान्ति—उतुमान उतुभा
संक्रान्ति संक्रान्ति ।

२१४ एकपर्वणो १२ वर्ष पर आता है—
कुम्भ ।

२१५. एक पर्वणो ६ वर्ष पर आता
है—कुम्भी ।

२१६ एक अक्षय्य ऋतु का दिन मनाया
जाता है—अक्षय्य ।

२१७. आश्विन कृष्ण अष्टमी का
त्योहार—अश्विनीया अश्विनीया श्रीविद्
पुत्रिका अश्विनीया ।

२१८. अक्षय संक्रान्ति—अक्षय्य अक्षय्य-
संक्रान्ति ।

२१९. आगुन कृष्ण १४ को पड़ने वाला
त्योहार—अश्विनीया अश्विनीया ।

२२ अक्षय्य शुक्ल तीज का रानी

त्योहार—अक्षय्य तृतीया अक्षय्य, अक्ष-
य्य तीज आसातीज ।

२२१ भाबो अक्षय तीज का रानी
त्योहार—तीज अक्षय्य तीज अक्षय्य ।

२२२ अक्षय्य शुक्ल अक्षय्य से अक्षय्य-
अक्षय्य तीज का प्राचीन अक्षय्य—
अक्षय्य अक्षय्य अक्षय्य अक्षय्य ।

२२३ अक्षय्य शुक्ल अक्षय्य का
त्योहार—अक्षय्य अक्षय्य अक्षय्य
अक्षय्य ।

२२४ अक्षय्य अक्षय्य—अक्षय्य, अक्षय्य
अक्षय्य ।

२२५ अक्षय्य—अक्षय्य अक्षय्य ।

२२६ अक्षय्य—अक्षय्य अक्षय्य अक्षय्य ।

२२७. अक्षय्य—अक्षय्य ।

२२८. अक्षय्य दिन—अक्षय्य अक्षय्य ।

२२९. अक्षय्य—अक्षय्य अक्षय्य अक्षय्य ।

२३ अक्षय्य का अक्षय्य अक्षय्य
अक्षय्य ।

२३१ अक्षय्य का अक्षय्य अक्षय्य—अक्षय्य,
अक्षय्य अक्षय्य ।

२३२ अक्षय्य अक्षय्य—अक्षय्य ।

२३३ अक्षय्य—अक्षय्य ।

अक्षय्य—अक्षय्य ।

२३४ अक्षय्य—अक्षय्य अक्षय्य अक्षय्य ।

अक्षय्य—अक्षय्य ।

२३५ अक्षय्य—अक्षय्य अक्षय्य अक्षय्य ।

अक्षय्य—अक्षय्य ।

२३६. अक्षय्य—अक्षय्य अक्षय्य अक्षय्य ।

अक्षय्य—अक्षय्य अक्षय्य अक्षय्य ।

अक्षय्य—अक्षय्य ।

२३७. अक्षय्य अक्षय्य — अक्षय्य

- पयोजन मस्तकल बनीरी बिनरी
बेनीरी ।
- २५९ पाका—अवस्थाय ओका ओस
कह्य कृहासा कुहिर, कुहिर हुसर,
टाट, तुपार, तुघार, तुहिन निहार, नीहार,
प्राक्येय बरफ, बर्क मिहिका पीठ
हिम हिमि हिमचक हिव हिवर, हिवार,
हेम ।
- २६ बर्क—तुपार, तुहिन निहार, नीहार,
पाका प्राक्येय बरफ, हिम हिव हेम ।
- २६१ बर्क के महीन दुकड़े—तुपार-पापान
हिमकय ।
- २६२ माय—अवसर उम उम्या मुबार,
बाठ बाप्य बाप्य ।
- २६३ हुवा—अभिर, अय अयत तकुन
तुपठारक नमरकर पय पयन पाय
पून पीन बठार बवार, बमारि, बाठ
बाक मकठ । हे 'बाम्' ।
- २६४ ५ बाम्—अपात बायु (गुवा) उपात
बायु (आठी) प्रात बायु (सिर) व्यात
बायु (हृदय) समात बायु (नाभी) ।
- २६५ बायुवेग—अव सरर, रय रहुय,
स्वर ।
- २६६ बाकीर—अकपोरा अकोरा मीका
प्रवाल ।
- २६७ बाबंहर—अकमान अमला बडेर,
अपूर अकचूर बाठचक, बीरका बीरर ।
- २६८ बाबी—अकड़ कूकान प्रकंगन
महाजन बाबंहर ।
- २६९ बांता—अकृष्टिक बायु ।
- २७ अकान—अ बांता अंताबात ।
- २७१ अ—आरवायु आरवायु अह नृहर,
स्वारि ।

- २७२ अग्नि—हे 'अग्नि' ।
- २७३ अग्निरी—अठरनक शायनक,
अकमानक ।
- २७४ अठरनक—हे 'अठरग्नि' ।
- २७५ आवातक—अव अवाती बाठ
बावनि अकठठातान ।
- २७६ अकमानक—अग्नि अकमानि
बाकवा ।
- २७७ अठरग्नि—अग्निग्नि भीमाग्नि ।
- २७८ अग्निरी—(कर्मकांड के अनुषार)
आवसस्य आहवनीय औपासनीय,
पार्श्वतय अग्निग्नि सम्मानि ।
- २७९ अग्नि के अकने के अय—अग्नि,
अग्नि नू नू इ इ ।
- २८ अग्निग्नाता—अग्निकुम्भ अग्नि-
सिखा अग्नि अकका कीक आर, अक
अकका अस्मानी भूति अयत अवर,
अककारी अक ली अग्नि अग्नि,
हेति ।
- २८१ अग्निवारी—अग्निअय अकअक,
अग्निपी अककारी अकही अकही अकलि,
अकलिअय ।
- २८२ अग्निताय—अकन अकन अक,
अक, अस्मीभूत अकवर, अकतान ।
- २८३ अकान—अग्ना अकक अकका
अग्निवार, अग्निवारी अग्निवाता अवर,
अवेला अकत अक्यात अक अकल,
अकली अकति अक अकवा अग्नि,
अक अकति अकवीय अग्ना अग्ना अक,
अक अग्ना ।
- २८४ अकवार—अक अकवार अकवर
अकवार, अग्निवार, अग्निवार, अकवार,
अकवी अक्यात, अकवार, अकवार अक

म कामस तमिस ताटीक तिमिद,
प्रांत उचिराग उचिबास ।

८५. मकाममय—मोपदार कमकदार,
मोतिप्यान मोतिर्मय तिमोमय बीपेठ
पीठ प्रकाशमुक्त । हे 'कमकीका' ।

८६. मककारमय—मककारमुक्त तमा
मकरिन तमानूत ताटीकी तिमिराकम
तिमिरामुक्त ।

८७. कमर—बाब कामा काळीक
बोन काति चिकक कममयाहुट उबल
मकक लेत्र कमक बीपिठ बीपिठ मा
बास मपीचि रमि रीनक विमा ।

८८. कमकीका—माबदार, कातिमान
कमकदार, कमकमाता कामल्पमान
कालिठ मककदार, मकामस बीपिठ
मान बीप्यमान बीप्यमान पानी
घर, प्रकाशमान प्रबीप्य मध्य मककदार,
मककीका माहित मास्वर, धानदार,
हे 'प्रकाशमय' ।

८९. कमकना—कातिमान होना काति
मुक्त होना कमकम करना कमकमाता
कमपयाना मककना कमकना बीपना
बीप्य होना बीप्यमान होना कककना
प्रकाशित होना प्रमापुक्त होना करना
ककना, मासना, कककना विमाना
विमानना विमासना ।

९०. कमकना—उचराना रीमारना
रिंरना विमाना रींरना विमकाना
मपयाना, विपयाना बीना विमारना
मिरीक करना ककना मसकना मीरना
मीरना, रपकना रपारना काक करना
मपुक्त करना ।

९१. कमकीका—ककबाब ककबीप

ककबीह ककबीपी तिमिरा तिमि
काहुट तिमिकी ।

९२. बीबियाना—बीब न ठहरना
ककबीपना बीपना बीबियाना
तिमिराना तिमिकाना ।

९३. कुछ अमेरा कुछ प्रकाश—मुक-
मुक मुकामुकी मुटपुटा ।

९४. छाया—कामा उचिपी छाब
छाह, मकक परछाही प्रतिबिब
छाया ।

७

१ स्वभाव—बाबत चरित काक,
प्रकृति प्रकृतिभाव मित्राज बाब बानि
कठ वृत्ति बील सुभाव सुभाव सुभाव
स्वभाव ।

२ भावना—इयाक चिठना चिठा
चारण ध्यान विचार, बाब
विचार ।

३ मनोवृत्ति—जंतांति चित्त-वृत्ति भाव
भाव भावना मनोवृत्ति मनोविकार,
वृत्ति । हे 'स्वभाव' ।

४ मनोवेग—बावेप आवेप उहेग
जंमन परमी बीप मीक मीका प्रमाह
प्रेरणा रस वेग सनक ।

५ वीरता—अहं बापा वीरत्वता संता
मुकवुप हवास होय होयहवास ।

६ कामा—दांति उमा तिठिया मक,
मुमाक, मार्जना पम सहन ।

७. कामातीक—सम कामाल कामाबाब
कामित धमिता कामी तिठियु, प्रमुप्यु
पाठियुक्त मट सहिप्यु ।

- ८. कामा-रहित—काम अतिरिक्त, अतिरिक्त, कामासूय ।
- ९. कामा करना—कामना छोड़ना छोड़ देना जाने देना बकसना माछ करना माझी देना ।
- १०. कामा करने योग्य—समर्थाय कामि तस्य सम्य ।
- ११. साति—गंभीर, भीर, तिथिक्त शिष्ट स्तिरचित्त ।
- १२. शंचल—अधीर, असाठ अस्तिर, आतुर, उतावळा अपल पल पळायमान चकित चिचकित हकचक-पुष्ट ।
- १३. चररामा—अधीर, जनवस्त्र जन वस्त्रित असाठ अस्तिर, आतुर उता वळा उडिप्त शुभ्य सीमित शंचल चकित चळायमान परीघान परेघात चिचक व्यग्र व्याकुळ चिचकित हीघन ।
- १४. साति—अडोह उपग्रम गंभीरता तुष्णाग्रम पीर्या बीने निर्दे प्रघन असाति लम समज समत साठता तिथिक्तता साति स्तिरचित्तता स्तिरता स्वीर्य ।
- १५. चचलता—अधीरता जनवस्त्रता अपवर्ही, असाठता असाति अस्तिरता अस्वीर्य आडोवन आतुरता उतावली कुल्लुआहट, ललवली चचलताई, चचलताई चचलता कुल्लुआफल कुल्लुनाहट कुल्लुनी नखण महपठ चिचकता हकचक ।
- १६. चररारहट—अधीरता अधीर, आतुरता आतुरता उडिप्तता उडेग कम काठरता लोम लमाट, ललवली

- नजाकत परीघानी परेघानी चिचक काई, बेपीनी चिचकता चिचकता व्यधता । व्याकुळता हे 'चित्त' ।
- चिचोम—साति' ।
- १७. शंचल होना—इतर-उतर होना कपना कपित होना कपिना इदम करना इयना इयममाना डासोडो होना डिपना डोकना बरबर करे बरबरता लकलकाना चिचकित होना चिचकित होना हिलना ।
- १८. चररामा—अडोह अडोहता अनु-ताना अकुळाना अनुगताना अनुगत, अधीर होना अडरना आतुर होना आतुर होना उकसाता उतावला उता-वळा होना उतावली करवा उडिप्त होना उवना उवना जीवाना जीवना अडोहकाना अडोहता गह्वरता, वर काना चावड होना अस्वी करना, कली मचाना चिचकाना व्याकुळ होना ही-चकाना हुरबरता ।
- १९. वया—अनुकंपा अनुकम्प, बहुजन करन कचना कला कवच किये, कृपा कृपालुता हरनि तसे उवक, मेहट, मेहटवानी एम एम ।
- २०. चररारता—जीवार्थ कीवार्थी पुष्टम, सहायता ।
- २१. कूरता—अकड अडोह, अर कठोरता कठोरता पुष्कारता निर्दयता तितुरई, तितुर्या तितुरई, गुर्दसता पस्यता पस्यत बेखरी, सचरिती ।
- २२. चररार—अनुपाहक अनुपाही उताव कचमानिधान चररारिदि

कस्यामय कावचिक, कृपाकृपासु,
कृपापुत्र गरीबनिवाज परीषपरवर,
बर्भस द्यार्द्र द्यानिवान द्यानिधि
दयास द्याकु, द्याकु, द्यावान दयाशील
दयासागर दीनप्रतिपाद्यक रक्षमसि
रक्षीम सदाय सहृदय मुमन सुरत
मुण्ड ।

२१ उधार—बहीन उधारपरित उधार
कैत्रा विधवार महाद्यम महेश्व सदाद्यम
महृदय मुहृद हृदयाल ।

२४ निर्बन्धी—अदय कठोर, कसाई, क्रूर,
कृन्नाट, निठुर, निदायक निर्मोहिनी
निर्मोही निर्दय निर्बन्धी निप्टूर, नृवांस
नृप्य बेरुम सगरिक ।

२५ दया करना—अनुकंपा करना कर्म
नकर करना अनुग्रह करना कृपा करना
करना तरस खाना पसीजना मेहरबानी
करना ।

२६ दयापात्र—दयापात्र दयावता ।

२७ दयापूर्वक—दया दयापूर्वक ।

२८ उपकार—अच्छाई अहमान उप-
कारिणा उपकृति एहसान लकी फयदा
नसा, मसाई काम सकृक हिय हिन
शासन ।

२९ उपकार—अनिष्ट अहित बुरा
बुराई ।

३० उपकारी—उपकर्ता उपकारक धैर
स्वाह सुवचिक हिन हिनकर हिन
कारक हिनवापी हिनचिक हिनारह
दिनी हिनू हिनू, हिनपी ।

३१ उपकारी—अनिष्टकारक अनिष्ट
कारक अनुराग अहित बुराई इतल
दुष्ट पीडन बुरा ।

३२ उपकृत—एहसानमय इतल सुक-
सुवार, ममनूक ।

३३ संतोष—इतमिनात छाक तुप्यठा
तुपिट ठोप तुपति तुपि घाति संतुपिट,
घतोष घतोष सबूरी सत्र सात्बना सेरी
हृपिट ।

३४ असंतोष—अनज अनसाहट अ
प्रसन्नता असंतोष अकृगी क्षितता
खीस माराजपी माराजी बेसत्री ।

३५ संतुप्य—अभाया आभूषा तुप्य
तोपप्राप्त तुपित तुप्य रात्री घतोपित
घाकिर, सेर ।

३६ असंतुप्य—अतुप्य, अतुपित अतुप्य
अप्रसन्न असंतोपी अकृ क्षिन्न माराज ।

३७ संतुप्य होना—अथा जाना अथाना
अफलना आतुप्य होना आतुषा होना
अजना अकृना पी भर जाना अकृना
अंश होना तुप्य होना तुप्य होना निहास
होना पूर्ण हो जाना घेट भरना प्रसन्न
होना भरना भर जाना संतोपना
सेराज होना हिया भरना ।

३८ संतोपना—संतोषना संतोपना
सबूरी देना सत्र बेथाना समझाना
सात्बना देना ।

३९ प्रसन्न—अनुरूप आनंदित अकृन्त
अस्तसित लिला लुज अहृदय, अहृपित
मगन ममन मस्त मूरिन मोदयुक्त
रजित लहलहा इपित । ३० 'दुगी'
'प्रसन्नचित्त' ।

४० अग्रपत्र—अग्रतुप्य उदारत बुनित
अकृ निप्र माराज रंजीरा रिमीदा ।
३१ 'विनाप्य' 'दुगी' 'दुनी' 'उराम'
'बोपिन' ।

४१ प्रसन्न होना—आनंदना आनंदना आनंदित होना उत्सुकित होना उत्सा घन चिहना लुप्त होना नंदना नंदित होना निहाल होना प्रफुल्लित होना प्रसन्न होना प्रस्फुटित होना प्रहृषित होना पूरना पूरना न घमाना मोचना पूरना रीचना विकसित होना हरचना हरचना हृषित होना हर्षना हर्षना हुमघना हुकघना हुकसित होना ।

४२ अप्रसन्न होना—कोपना बीभत्ता नापन्न होना पीयना रिशाना । हे 'कोपित होना'। 'बुद्धी' के पर्यायों में 'होना' शोक कर और भी लज्ज बनाए जा सकते हैं ।

४३ प्रसन्न करना—आनंदित करना लुप्त करना निहाल करना परसन्न करना प्रफुल्लित करना प्रहृषित करना रात्री करना, हरचाना हर्षना हृषित करना हुकघाना हुकसित करना ।

४४ अप्रसन्न करना—असंतुष्ट करना अज्ञा करना क्षिप्त करना बुद्धी करना नापन्न करना रिशाना । हे 'विज्ञाना' ।

४५ प्रसन्नता—अभिपन्न आनंद आमोद, उत्साह लुपी मदि नदिक नंदा प्रमोद, प्रह्लाव प्रहर्ष प्रहर्षन मजा मर, मुग्धता मोद रंन रंनरली रंपरस रली रस कल्प घीमनस्य हरस हरस हर्ष हुकास हृषि हृषि ।

४६ अप्रसन्नता—अपघोष अपघोष अघ्नोष खेर जिता मन्नु, रंज लुच घोष । हे 'बुद्ध' 'उदासी' जिता' ।

४७ प्रसन्नचित्त—प्रमग हर्षमात्र हृष्ट मानस । हे 'प्रसन्न' ।

४८ मौजी—आनंदी आमोदी उत्सवी लुप्तविक लुप्तमिवाज प्रमोदी रती, मस्त मौजी रती रंजीका रसिक, रंजक, रशी रशीका विनोदशील विनोदी ।

४९ बुद्ध—आनंद, अन्न मननीय, आराम रीत प्रमोद, सुख बुद्धवति, धीम्य स्वस्वता हृष्टता । हे 'प्रसन्नता' ।

५० बुद्ध—आपति भाग्य कष्ट लोभ, तकशील धरद, रई बुद्ध बुद्ध, बुद्ध-बुद्ध बुद्धय पीडा पीर, पीर नका भाग्य विज्ञाना विपति विपति मुष्ठीक रंज, विपति वेदना म्पवा म्पानि संस, संकष । हे 'उदासी' 'अप्रसन्न' 'रोग' ।

५१ बुद्धी—आनंदमग्न आनंदित आनंदी आमोदित उत्सादिक उत्साही लुप्त, लुप्त लुप्तहाल लुप्ताक मरित प्रफुल्ल, प्रफुल्लित प्रमुरित मौजी रात्री बुद्धवत् बुद्धवार, बुद्धारा बुद्धापी बुद्धि, बुद्धिता बुद्धिया बुद्धी । हे 'प्रसन्न' 'प्रसन्नचित्त' 'मौजी' ।

५२ बुद्धी—मातृत्वं कटी लोभित, गमनीय लप्त हर्षमंज बुद्धहाना बुद्धा, बुद्धापी बुद्धित बुद्धिनी बुद्धिवा, बुद्धि-मार्य बुद्धीका पीडित रंजीका लज्ज, संकष संतापित । हे 'अप्रसन्न' 'रौनी' 'उदास' ।

५३ बुद्ध—प्रहर्षक बुद्धकर, बुद्धवेद, बुद्धकर, बुद्धकरन बुद्धकापी बुद्धमनरी, बुद्धरत बुद्धरतिनी बुद्धरा बुद्धरा, बुद्धराई बुद्धराता बुद्धराति बुद्धरापी, बुद्धरायक बुद्धरानो बुद्धरानी बुद्धर, बुद्धरनी बुद्धप्र बुद्धवत् बुद्धा

मुखायी मुखासा मुखावह, मुखेना
मुखेना हर्षक ।

५४ कुम्भर—कुम्भराता कुम्भवानि कुम्भ
रामक कुम्भरामी, कुम्भर कुम्भीर्ही पीकक
बावक सतापी ।

५५ कुख वेना—कृष्ट वेना कष्टित
करना मुमाता बाहना तंग करना
तक्षिता बाहना कुखवता कुखाना
बीडाना वीडीसान करना केर में डाकना
संतप्य करना सताप वेना संतापना सता
पना सताना हलकान करना हीरण
करना ।

५६ उबास—उत्तमना अनमन अनमना
अप्यमनस्क उबासीन उग्मन क्षिप्त
डीक विकमीर, बीन कुक्षित कुखी
रंवीरा घोकाकुल घोकमुकल संवीरा
मुस्त सोक्षित सोगी । हे 'कुखी'
'अप्रसन्न' ।

५७ उबासी—अनमनापन अप्यमन
सता उबासी उबासीनता क्षिप्तता
वीनता रवीरापन मुस्तई, मुस्ती ।

५८ सीषा—अकिकृष्ट, अक्क, आसान
उत्तान अन्नु, प्रकृग मोसा पस्त पांठ
मुड सग्जन सरल सरलचित्त साया
सायु, साय्य सहज सहज सीष मुल
साय्य मुकुर, मुपम मुत्तय मुहुत मुपा
सीम्य ।

५९ सरलचित्त—उदार, शक्ति सग्जन
सरल सरलचित्त मायु । हे 'सीषा' ।

६० टैडा—अडाड, अमरल अराल बाबु
चिन उदिल बीता कठिन काना
कुचिन कुटिल कुबडा कुम्भ किलक
अमराड, धरं विरठा विर्यव अम्बाराड,

गठ बाँक बेंडा बक बंका बंकट बंकिम
बक, बिकट, बिड मुक्किल बक । हे
'टैडा-मेडा' ।

६१ सीसापन—अकिकृष्टता अन्नुता
आरंभ आसानी मोलापन सरलता
सहजता सृष्टिम्यत साहसी सासापन
साबुता सास्य सिपाई, सुगमता मुभाई,
मुक्किस्तापन मुसापन मुवीठापन मुभीठा
पन सीम्यता ।

६२ डेडापन—असरलता कम कजी
कठिनाई, कुटिलता कुबड किलकृष्टता
खम डेडाई, बंकता बेंकाई, बंधता
अकुरता बाँकपन मुक्किलाहट बकता ।

६३ डेडा होना—असरल होना ऐंठना
कुटिल होना कुमना मुकना टेक होना
किरला बल जाला मुकना मुर्छी
पडना ।

६४ डेडा मैडा—अटपट, अडबंद अडबड
टिडबिडंगा टेडबिडंगा टेडा तनेना
बंक बंका बांकुर, बांकुरा बक ।

६५ तिरछा—अडाड, असरल अनरीव
आडा उरेव टेडा तनेना तिरछा तिर्यक
बाँक बाँक बेंका । हे 'टैडा' ।

६६ ऐंठन—उमेठन ऐंठन मुमाब वेंच
बल मडोर, मुर्छी मुर्छी कपेट ।

६७ ऐंठना—उमेठना उमेडना मुमाला
परला बटना बरना मरोडना मरोड
वेना मरोरना मिभोरना मुर्छी वेना ।

६८ कडा—अकोमल, बटोर, कूर, कूर,
ठस ठोस निहुर, पक्का निहुर, पत्बर
बेमुग्धत बेमुग्धती संपरिल सम्म ।

६९ कोमल—अबडोर, कोमलाप मुल-
मुन मुलमुला डीला नरम मायुन

मनुष्यार्थ, विद्याकृत धार्मिकता विष्टता
व्यमता ।

८८. अविमान—अकड़ अकड़वाजी
अपनि अपनपी, अपान अवलेप
अवमपन अहं अहकार, अहवादिता
अहंता इतराहट, ऐंठ बापा खुदी
परब नम पुमर, नुमान प्रकर, बर्मंड
ठमड ठमडा तेहा बर्ष दिमाण फरु
मय मरांभता सखी हुमब ।

८९. अविमानी—अकड़, अकड़, अकड़
बीर, अहंकारी अहंवादी उपराभटा
उमकधार, परबीना प्रकरी मर्षी गर्बीला
पुमानी बर्मंडी तेही विमाणवार, विमाणी
अमरी मरांभ विकोही ।

९. अविमान विमाना—अविमाना
अठमाना अदराना इठकाना इतराना
अकटना ऐंठ विमाना ऐंठना गब
अनाना मर्षाना बर्मंड विमाना ठमक
विमाना ठमना मच्छाना । रे अकड़ना ।

११. अवीबाह—अकड़वाज अकड़,
अकड़व अविवादी ऐंठवार, पाकू,
टिरी ।

१२. अवी—अकड़ अकड़वाजी अवि
वादिता अविवाह, पल जल्पन बीग ।

१३. अवी—अप्रमत्तता अमर्ष अमरण
आयोग आमर्ष आवेप आवेप ठप्पा
बीग वाज कुना अमर्षी बीम कुनस
कुनस मर्षी मस अम्पाहट अवि
अविम अविम मेह, तेहा ठीम प्रकोप
आव बीम मन्मर आरम विम विमि
रुव रवा रोव इर, हुनि हेर हूक ।

विमोम—रे 'मनि' ।

१४. अवी—अनपी अमर्षी बीगी अवी

कुनसी खिनसी गुम्सावर, मुस्सैक
अहं तेही गिस्हा रोपी सप्य ।

विमोम—रे 'घांत' ।

१५. अवीभित—अप्रसन्न मनघोहा आओ
घित कुपित कापित कूड अोपबंत
अुभित अोभित अुअ खिर्षीहा कुनु
आया गमं प्रकोपित गिस्हाया रष्ट
काक काकअमार सतर सतराहा ।

विमोम—रे० 'घांत' ।

१६. अवीपित होना—अमरु करना अम
अना अमपाना अनीमता अमप्रसन्न हीना
आव अकूला होना आग होना अोपना
अोहाना आब करना अोपित होना
अिमियाना अुनमाना मुस्सा होना
अस्ताना अांत पीमता माराअ होना
अिगड़ना रंय अहमता विमाना विमि
आना विमियाना रीमना इष्ट हीना
अटना असना रोप करना रोमना काक
पड़ना काक पीला हुना काक
होना अंकीरना मकुपना ममगना
मुपाना ।

१७. अरकाना—उबल पड़ना अिट
अिटाना अुड़ना अीपित होना अिअ
अाना अीअना अीअना अिअना अिअ
अिअना अम्काना अिगड़ना । इ
'अीअित होना' ।

१८. आचमन—अंगुवाह गुमामरी
गुमामरीठट्टु आटुवार आचमनीरसह
तेक अमाने आवा मरुन मरुन आवा
अचमनअरी अुनिआचव ।

१९. आचमनी करना—अंगुवादी करना
गुमामर करना आचारी करना तेक
अम्काना मर्षता अिअ अीअना मरुन

मक्षता घहकाता सुहृदना हीनी भरना ही में ही मिलाता ।

१ आपकूडी—औरकाही सुधामव चाटुकारिता चाटुकापी उकुरसोहली प्रससा उधावा स्ववम ।

१ १ औरकाह—औरकाह आपकूस हम्- र्वं हित, हितचिन्तक हितेच्छ, हितवी ।

१ २ औरकाही—औरकाही आपकूडी मला मकाई, हित हितचिन्तन हितवा हितपिता ।

१ ३ ज्ञानकाटी—अभिज्ञता ज्ञान स्थापि ज्ञान ज्ञानकाटी ज्ञानपहचान परिक्षा परिचय प्रतिपत्ति बीज वाक क्रियत विज्ञान ।

१ ४ अज्ञता—अज्ञता अनजानपन अन मिज्ञता अनाड़ीपन अहकृत नाशानी नावाकशीयत नाशमही मूर्खता । हे 'बुद्धिहीनता' ।

१ ५ ज्ञत—अवगत बीम्हावाता ज्ञाना ज्ञानाबुझा ज्ञत ज्ञत परिज्ञात परिचित पहचान पहिचाना प्रतिपन्न प्रतीत मामूम समझा समझाबुझा ।

१ ६ अज्ञत—अनजाना अनवगत अन रिचित नामामूम ।

१ ७ समझ वे ज्ञाने यीम्य—ज्ञातम्य ज्ञानम्य ज्ञानबोचर ज्ञेय बीजमम्य ।

१ ८ अर्था—विश्व, तजक्रिया वात ।

१ ९ पुञ्जना—ज्ञात करना ज्ञान प्राप्त करना दरियाफत करना पुञ्जना करना मामूम करना ।

११ पहचानना—अभिज्ञ हीमा बीम्हावा ज्ञानना ज्ञात करना परिचय करना परिचय पाना परिचित हीमा

भूमता मामूम करना पहचानना सम्यक ज्ञानना वाकिञ्ज होना समझना ।

१११ ज्ञानकार—अभिज्ञ ज्ञानपहचानी ज्ञाता ज्ञानवान ज्ञानबुद्ध, ज्ञानी ठर तत्वमिब परिचित पारंगत मुझाकाटी वाकिञ्ज, विज्ञ वित विद् । हे 'बुद्धिमान' ।

११२ अज्ञानी—अज्ञ अज्ञानी अज्ञात अनबीम्हा अनजान अनभिज्ञ अनाडी नादान नावाकिञ्ज नासमझ मोला भाला मूर्ख सीबासावा । हे 'बुद्धि हीन' ।

११३ अपरिचित—अजनबी अनजाना अपरिचित विद्याता ।

११४ पहचान—विज्ञ विज्ञानी ज्ञान- पहचान निद्यान निद्यानी परिचय समझ लच्छन विद् ।

११५ पहचानवाला—विज्ञवाता, विज्ञाना अनवाता वतवाता ।

११६ ज्ञान पहचान—विज्ञापी बीम्हा पहचान ज्ञान पहिचान परिचय ।

११७ परिचय—ज्ञानकाटी ज्ञानपहचान वाकिञ्जियत ।

११८ पुञ्ज—ज्ञात दरियाफत मामूम ।

११९ पुञ्जनाञ्ज—विज्ञावा विज्ञ, पुञ्ज पुञ्जनाञ्ज पुञ्जनाञ्ज पुञ्जाताडी पुञ्जावाडी प्रस उवाक ।

१२ ज्ञापक—अभिप्रायक परिचायक बीजक विज्ञानी सूचक ।

१२१ ज्ञापित—ज्ञापित विज्ञत विज्ञा- विज्ञापित सूचित ।

१२२ विज्ञापन—इलाहात, यीयवापन प्रकाशकीय प्रसपति विज्ञपति सूचना सूचनापन ।

१२२ रत—अवर्तीन अनुरक्त मासक
 पर्व बुवा बुवा बुवा वनम वल्लीन
 वरचित विरत पौसा वसा मयन मन्
 मसक मय्य मोहित रचित रत स्या
 सन कट्ट, सबलीन लहाकोट कित्त
 लीन विरत विलीन स्यन्त ।

१२३ विरक्त—अनुरक्त अनासक
 उचटा उवात उवालीन परादमुख
 विमुक्त हटा ।

१२४ अ. विरक्त करना—उचटाटा
 थीकाना सिमकाना जी हटाना उवाता
 मङ्काना मिस्ताना विरचित करना ।

१२५ अ अमिदधि—दृच्छा पसम्भ
 प्रवृत्ति मन रधि ।

१२६ रत होना—आसक होना बुवना
 वनम होना निमज्जित होना प्रकित्त
 होना प्रमक होना मन् होना रैमना
 पाचना सगता कित्त होना लवलीन
 होना लीन होना विलीन होना ।

१२७. विरक्त होना—अनुरक्त होना
 अतम होना उचटाना उचट होना
 पटवना जी हटाना दूर होना विरक्त
 होना विरक्ति होना ।

१२८. विरक्त करना—अनुरक्त करना
 अतम करना उचटाना उचटान करना
 जी हटाना दूर करना विरक्त करना ।

१२९. अमिदधि—आसक्ति लम्पना
 विरपना लदन लवलीनता मिठना
 लीनता ।

१३०. विरक्ति—अनुरक्तान उचट
 उचटी उचटान उवालीनता विरक्त
 विरक्ति ।

१३१. उचटाना—उचट करना उवा

टना उचटाट करना उवाली करना जी
 हटाना विरक्त करना विरक्ति लाना
 हटाना उचटाटि करना ।

१३०. ललचना—दृच्छा करना उक्त
 वित्त होना चाहना तरसना तुपित होना
 मोचना मोहना मोहित होना उटना
 ललचना ललचना ललाना ललच
 करना लालावित्त होना लुमाना लोम
 करना लोमना विमोहना सिहाना
 हुसना ।

१३१. लालच—आमिष ईहा तुपा
 तुप्या लालच लिप्ता लोम लोमपना
 लोमुपता हवस हित्त हित्त ।

१३२. ललची—ललचता लालची
 ललचा लुम्प लिलोही लोमी लोमप ।

१३३. धीर्य—आरबात आरबातन इत
 विनात कनापत कक लानिरी धैर
 बाइस डारस वमल्ली दमदिलामा
 दित्तजमई दिसाना धीर धीरज धीरता
 धीर्य धृति । बाइ सोवना धांति
 धंनुपि, संतोष संतोष मबर मड
 र्थीर्य ।

१३४. अमय—असांनि असांनि अमं
 मुष्टि, धीर्य ।

१३५. धैर्यवान—आन्वत एनमिदानी
 डाइमी दूक धैर्यधीन धाधिर ।

१३६. लालच—अधीन आरिज परादम
 धीरान विरक्त ।

१३७. लालची—अधीनता अनधिकार
 परादमता परेन्नी ललची ।

१३८. बाह—अधिराधि अधिराध अर्थ
 लान अधिराध, अधिराध आवाता
 आरतु आर, इच्छा एना ईठ ईजा

दृष्टि, ईजा ईहा उत्कंठ कासा
 कामना स्वाहिय बाब छेव रोह्य,
 बाँछना बाँछा मनोरथ मुराद मोह
 बधि समरु कामथ कामसा लिप्सा
 बाँछा बाब स्मृहा ह्वस ह्विसा ह्वसख ।

बिलोम—दे० 'बृमा' ।

१३९. बाह्या—अनुपमना अमि
 सायना इच्छना ईष्टना बाह्या
 अमना बाटना बुकारना पुष्कारना
 प्रम करना प्यार करना रागिपाना स्नेह
 देना लाइना । दे 'प्यार करना' ।

बिलोम—दे पिनाता ।

१४ बाह्येबासा—अमितापी अमि
 लापी माकांछक माकांभी इच्छु,
 इच्छुक उत्कंठिन उत्सुक कोली कामी
 वामुक दवाहिसमर बाही तुपिन
 काकधी काममी छापर ।

१४१ जिसमें किसी भी प्रकार की
 बाह न हो—अवाम अबाह इच्छा-
 बिहीन कामभारहित बाह्यात्म निरीह
 निपाम निष्पेटी निस्पृह ।

१४२ अप्ता हुआ—अभिकरिण अमी
 गिण अमीणिण अमीष्ट आवाधिण
 इच्छिण इमिण इष्ट बाठिण
 बाठिण ।

१४३ अनबाह्या—अभिमिनिण अम
 भीष्ट अवाधातिण अनिच्छिण ।

१४४ बाह्ये बोध—बाटनीय स्पृह
 नीय ।

१४५ प्यार—अनराग अनरथ
 अरु आनाराई आनरिण दार

ममत्व रति रस राय मोह, मोहभ्रत
 बधि कयाब मी लाइ साइप्यार,
 बाल्मत्य स्नेह, हेतु ।

१४६. बास्तस्य—बास्तस्य सीहाह स्नेह
 हृष्टमद्राव ।

१४७. अकित—अनुराग प्रेम अकित
 मजन रति मजगासकित ।

१४८. पुष्पा—अबाह अनिच्छा अमि
 यता अरधि मार, कित बिइ अगुष्ठा
 अफरन नीठि विरति ।

१४९. पिनाता—बिन करना पिनाता
 पया करना छि छि करना अमुष्ठा
 करना अू अू करना अड़ी अड़ी करना
 अडरल करना निवा करना मुँह फेला
 मुँह निकोइना राम राम करना ।

१५ अंकमास—अंकमासिका अंबवार
 अंबोरी प्रेमालिगन ।

१५१ प्यार करना—आनक्ति रगना
 बाह्या रिक्त देना रिक्त में रगना दुस्-
 रगना बुकारना पुष्कारना मानना
 लाइ प्यार करना । (प्यार) के पर्यायो में
 'बरना' जोड़कर और भी उष्ट बनाए जा
 सकते हैं । दे 'बाह्या' ।

१५२ लिखदानी—अंक करना अंग
 लगाना अंकपाना अंबवार देना
 अंबवाटी देना अंक भलो अंबवार
 अरना अंबेरना आनिकन करना
 आनिकना आनिकिण करना अरु
 लगना पने मिलना बिबादा बिब
 दाना अरु अरुना अरुना जोड़ना
 अरुना अरुना अरुना अरुना

वासकत उत्कृष्टी चाही प्रचवी प्रेमी मोहकृती स्नेही ।

१५४ पुणित—गंदा गर्हित जिन जिनहा पितवना पिनावन धिनीता पुणित पुमुष्णित निन्व्य बीमरुध बुरा विवृठ ।

१५५ प्यारा—चाहा चित्तचोर, दिल-बर, दिलरुब दुस्कार प्रिय प्राचनीवन प्राचधन प्राचलाभ प्राणवति प्राणप्यारा प्राणबन्धन प्राणापार, प्राणाधिक प्राणे स्वर, प्रिय प्रियतम प्रियवर, प्री प्रीतम बन्धन भाया भावता मनमावना रमण कर्कता काम काळित सनम सुभग हृदयेरबर ।

१५६ प्यारी—बहेती वनिया वाली विरजानी विरलुखा कुकारी प्राणप्यारी प्राणबन्धना प्रिया प्रियतमा प्रीतमा प्रेमनि प्रेयसी बस्कना मागुक माधुका मागुक रचनि हृदयेरबरी ।

१५७ मड्डा—आवर, प्रेम भंडाभाव सम्मान सरधा ।
दे 'इम्बड' ।

१५८ मड्डाकु—मड्डापुष्ट मड्डावान मड्डाएर, मड्डी ।

१५९ निदा—अपकीरति अरकीति अपचार, अपयत अपवाग अपलव अपय आयेग आनयन अहाम अ कुष्पाति गर्हध पिब बदवी बनानी बर्तना विवायत ।

१६ निवित्त—अपहृत अयमाजिन आशित्त कन्वित्त गर्हित पुमुष्णित बदनाम ।
दे 'बदग्डत' 'बदनाम' ।

१६१ निरनीय—कुत्सित गर्हनीय गर्ह निघ, निरनीय निघ नीच बुरा ।

१६२ निरक—अपचारक अपवादी बवाई ।
दे 'पुमलखोर' ।

१६३ पुपलखोर—कर्मजप बवाई पुगळा पुगुळा नारद पिघुन कुठरा मुषक ।

१६४ पुपलखोरी—पुगळखोरी पुमुसी पिघुनता वैघुय लगाना-मुमाना कुठराई कुठुरई ।

१६५ पुपळी करना—अधर की अधर करना पुगुसी खाना नारद वा सिप्य होना नारद होना लगाना लगाना बहाना ।

१६६ प्रबाध—अभिबंदन अभिबंदना अभिबादन आशय आराबरज आरा-बेबरज जयनामरी जयभारत जयमी जयस्वनेध जयहित जयहिरी बंडबन् गमन गमस्कार गमस्तुम्यम् गमस्ते प्रबनि प्रणाम बंदवी रामराम बंदे मलाम ।

बितीम—'बनारर' ।

१६७ प्रणाम करना—अभिबादन करना आराबरज करना पीडु करना पैराम करना रीहिद करना लबन करना लनना लमस्कार करना लमस्ते करना प्रणाम करना पलमी करना पादलमी करना पैर घुना प्रणमना राम राम करना बंदे करना गर गुवाना जप्याय करना हाय जगना हाय बोचना ।

१६८ आवरना—आण करना आण देना आकमानु करना इंगन

- करना उत्कार करना समावृत्त करना सम्मान करना ।
१६९. अनादर करना—अनरना अनादृत्य करना अपमान करना अपमानना अवज्ञा करना अवमान करना अवमानना अवहेला करना अवहेलना करना शिरस्कार करना शिरला निरादर करना ।
१७. आशीर्वाद—आशीष आशीष आशिष आशी आशीर्षक आशीर्षक आशीर्षक, दुखा शुभकामना ।
१७१. आशीषना—आशीष देना आशीषना आशीर्षक देना दुखा देना शुभकामना देना शुभाशीष देना ।
१७२. शाप—अहृषा अभिशाप अभि सपत्न बन्धन, आश्लेष कोप यात्री बहुदुखा पाप, श्राप सपत्न शाप ।
१७३. आशीर्वाद देना—आशीषना शुभ रही कहना दुखा करना दुखा देना ।
१७४. शाप देना—अभिशापना आश्लेषित करना कोषना कोमना काटना कोसाकाटी करना पानी पी-पीकरकोषना बहकारना दुःख मना बहुना पाप देना श्राप देना सपत्नना हुँटना ।
१७५. शापित—अभिसप्त अभिशापित शापयस्त शापित शापित ।
१७६. प्राथना—अनुनय अनुनय-विनय अरु अर्च इत्याद्या इत्याद्या इत्याद्या तिहोरा प्रयास निवेदन मनीषी मित्रानि मित्रानि विनयी विनय ।
१७७. तिहाज—अवध इज्जत क्याठ त्याग तिहाज ।
१७८. राखी होना—अनुर करना मान

- माना मानना स्वीकार करना स्वीकृति देना हामी करना ।
१७९. ग्रहण—अपीकार, उपराग ग्रह ग्रहन प्रसन प्राप्त मजूर, स्वीकार ।
१८०. त्याग—अस्पृहा एक त्याजन त्याग निवेद, निस्पृहा परित्याग बर्जन बहिष्कार, वीरग वीरग्य ।
१८१. त्यागी—अतीत त्यागक निवेद निस्पृह, बहिष्कारि निरस्त विरागी वीरागी वीरग्यप्राप्त ।
१८२. त्यागना—अक्य करना अस्वीकार करना छोड़ना डीक देना डीकना तजना तर्क करना तर्कना त्याग करना बुर करना बरक जाना, पुष्क करना मुख मोड़ना हट जाना हटना ।
१८३. अंगना—अपीकरण करना अपीकार करना अगेजना अंवेरना अणरना उठाना मोड़ना यहुना ग्रहण करना घातक करना भारना श्लेष्मना बरदास्त करना अनुर करना सहन करना बहुना शिर पर देना स्वीकार करना ।
- दे 'स्वीकार करना' ।
१८४. राखी—अनुकूल तैयार, रजामर सम्मत सहमत ।
१८५. भी राखी न ही—असम्मत अतह मन श्लिमाऊ, प्रतिभूम ।
१८६. स्वीकार करना—अपीकार करना अपमानना ग्रहण करना पाना प्राप्त करना अनुर करना मानना देना ।
- दे 'अंगना' ।
१८७. इनकार करना—अस्वीकार करना इनकार करना नकारना न मानना

- नामभूत करना नहीं करना मना करना
मुकरना ।
दे 'छोड़ना' ।
१८८ स्वीकार—अंगीकार, ग्रहण मंजूर,
स्वीकृत ।
१८९ इनकार—अंगीकार, अस्वीकार,
अस्वीकृत मकार, नामभूत, नहीं ।
१९ स्वीकार्य—अंगीकार्य अत्याज्य
ग्रहणीय प्राह्य ।
१९१ अस्वीकार्य—अंगीकार्य अपह
नीय अप्राह्य त्याज्य परित्याज्य अर्ज्य ।
१९२ पूहित—अपनाया प्रहृषित मंजूर ।
१९३ त्यक्त—छोड़ा परित्यक्त बहि
प्लुत ।
१९४ स्वीकृति—इजाबत परवानगी
मंजूरी खामोशी राय सम्मति सही
हो ।
१९५ दान—अहुति अतिसर्वन अप
वर्जन अपर्ण अपसर्ग उत्सर्जन क्षमन
क्षीयत अकाल त्याग दानशीलता दाय
निर्वपण प्रतिपारण प्रखण प्रवेशन
प्रवेशन अक्षिपण मुक्त विहापित
विसर्ग विसर्जन स्पर्श स्वर्धन ।
१९६ अर्पण—उभार केना अर्पण
आचना मंगनी लेना माचना आचना
करना ।
१९७ दान केना—दान केना प्रतिग्रहणा
परिग्रहणा ।
१९८ केना—उपभूत करना ग्रहण
करना इधियाता हस्तगत करना ।
१९९ देना—अर्पण करना अर्पित करना
अर्पण पर रखना अर्पणा प्रदान
करना अर्पणित करना सीपना ।

- २० दानपात्र—दातव्य दानपात्र
दानार्ह देने योग्य ।
२१ दानी—उदार, दयामु, द दाता
दातार, दानकर्ता दानवीर, दानधीर
दानशील दानसागर, दानीय दानक
दाक दिव्या देनेवाला देना देवाल
प्रय प्रदाता प्रदायक प्रदायी बहुप्रय
महान् महाप्रय बरन्व बरान्य ।
विलोम—दे 'कंभूत' 'विद्यारी' ।
२२ सावधान—अवरदात, अतव्य
अकमा अरुत अचेत अचेतन अजब
अतर्क अचेत होधियार ।
२३ असावधान—अब अचेत असतर्क
अमत्त पाण्डित बेसबर, बेमुब सना
हीन ।
२४ सावधानी—अवरदाती अकसारी
अकसी अतर्कता सावधानता होधियारी ।
२५ असावधानी — असावधानता
पाण्डिनी बेसबरी बेपरवाही सापरवाही ।
२६ सावधान होना—कान् सदा
होना विचकना विचुकना अहकना
अचेत होना अतर्क होना होय में आना
होधियार होना ।
२७ असावधान होना—दान में तैल
आतकर पड़ा होना सापरवाह होना
सोना । 'असावधान' के पर्यायों में 'होना'
तथा 'असावधानी' के पर्यायों में 'मै
रखना' आदि जोड़कर और भी अर्थ बन
सकते हैं ।
२८ सावधान करना — चिंताना
चेत करना चताना, चेतावनी देना
अतव्य करना अकस करना अकमाना
अताना अतकाना अताना मार दिखाना

छबेत करना सतर्क करना सावधान करना सुचित करना स्मरण दिखाना होश दिखाना होशियार करना ।

२१ साहस—बियर, पीपट पुष्पाबं हिम्मत हियाब । साहसी के छिए बे 'उत्साही' ।

२१ हुत्साह—बधाबीनता ठिठगना ठिठाई, बुच्छा ।

२११ उमयना—उत्साह में होना उत्साहित होना उमयना उमगित होना ओछ में आना ।

२१२ उत्साह—उछाह, उछगम उछान उबाल उमंग उमग उमगन उमाह उपाब उल्काश भाग ओछ ओपाओरोछ डाकड डारत प्रोत्साह पराक्रम बासबल साहस हिम्मत हिमाब हुत्साह हीठ हीसका ।
बे 'साहस' ।

२१२ अ आभा—बाध बाध बाधा बाधरा उमेर, उम्मीर, मरोछा ।

२१२ आ निराशा—नाउम्मेबी निराशा नीराब्य बेबाधा बेमरोसा हराठ ।

२१३ नाउम्मेबी—उत्साहहीनता बाकध हीनता निराशा हलासठा हतोत्साहठा ।

२१४ उत्साही—उछाही दिखबजा दिमाबर, बिकैर, पराभी साहसिक साहसी हिम्मतबर, हिम्मती हीसकार्मर ।

२१५ नाउम्मेर—उत्साहहीन ठंडा ना उमेर निराध निराधी निराध बक्य हलास हलास हलासाह ।

२१६ प्रेरणा — उत्तेजना उत्साह प्रोत्साहन बड़ाबा ।

२१७ प्रेरणा देना—उत्तेजित करना

उत्साह बड़ाना उत्साहित कर उबकाना प्रेरित करना प्रेरणा करना बड़ाबा देना ।

२१८ प्रेरक—उत्तेजक उत्साहक प्रोहक ।

२१९ भरवाना—ऊर्जस्वी पीरम्बीर्ययुक्त बीर्यस्वी मरं उपीर्य ।

२२ गर्पुसक—बकीर कानुसक कि पनखा नाबर्ब मुकभस पुसला बर्बवर, लंड पठ, सब हिजडा हीब

२२१ भरवानबी—बाबमिमठ इ नियत पुसल पुसल परवत म गर्वुमा ।

२२२ गर्पुसकता—बकीरब बकी गर्पुसकल नाबर्बी हिजकापन ।

२२३ बाबमिमठ—इतधामिमठ मनुम मनुधरल गर्वुमी ।

२२४ चित्त—बैठमभिनता बंधेधा अं बटक बनमन बबसेर, बाधि बा बाध्याग बाबर् उलमन उत्केम उ कातरठा बमार, बटक सडका सुट चित्त चितन चितना चितिवा, उरबुदुव तामबीस भाठ कुषि कुषिताई, कुषिबा ध्यान परवा पर परिभाबना ठिक, ठिपक मम माब निबाध बिसूर, र्कका सोष सुपठि छं स्मृति हराध इक ।
बिबीर—'साति' ।

२२५ चित्त करना—चितता चि होना ठिकर करना ठिक करना र करना सोगना सोच करना सोचन बिशेष—'चित्त' के पर्यायी में 'कर' वा 'में पड़ना' बाधि ओड़ कर चि

करना' के बीर भी पर्याय बनाए जा सकते हैं ।

२२६ चितित—अतमंत अकल अचेत अशीर, आकुक आकुकित आतुर, अक्षिप्त अक्षिप्त चिभ गह्वर, चिता कुरु चिताप्रस्त चितातुर, चितामुक्त दुचित दुचिता दुचिका अक्षिप्त दुर्मंत क्रिअमर क्रिअमस्त विक्रम बेकल बेकुरर, विकल विक्रिप्त अथ अ्यस्त अ्याकुक अ्याकुकचित शंकाकुक संघात ।

२२७. निश्चित—अचित अचितित अचीता अकमस्त असोच आवाप निश्चित निर्मम निर्दक बेपरवाह बेक्रिक अोचरहित कापरवाह मुचित । रे 'मस्त' ।

२२८. निश्चितता—आवाही चिता विहीनता बेपरवाही बेक्रिकी मस्ती कापरवाही मुचिताही ।

२२९. सका—अवेद्या आरंका अनिर्मम अर, आस अयवपा दुचितरई, दुचिताही मय एक सुबहा अरिह, संघय संस संघई सुबहा ।

२३ संश्लिष्य—अनिश्चित अरिहपुर्ण संघयात्मक ।

२३१ दुचिषा—अवेद्या असमंजस आया-बीक्ष्य दुचिष पगोपेय अहम संकोच हिषक, हिषकिवाहट ।

२३२ हिषकिवाता—अटकना अटपटाना आयापीछा करना कतमसाना हबना अंसना पनोपेय में पड़ना रुकना संकोच करना संकोचना अनुचना अनुचाना अरेह में पड़ना संतापित होना सिट पिगना हिषकना हिषकिवाता ।

२३३ मय—अवेद्या अरंक अकवक अतंक अरलया अमार, अौऊ, अर, अयवपा अह्वस्त मय भित्त मी भीति भीरता भीरताई मी अंक अंका संकाच संसय ।

२३४ मयभीत होना—अपडरना आरं क्रिय होना कपना कपकपाना कप उटना कपना अौऊ करना डरना असना डेराना आस आना अरकना अरपयना अरीना अह्वरना अह्वमना अह्वत जाना अमरना मय आना मयभीत होना मयाकुक होना मयाना भीरना अमह्वरना अंकना अकाअंत होना अंकित होना संकुचित होना संशस्त होना संसंकमा संशंकित होना संशमित होना अह्वमना अह्वरना अह्वरना अिह्वमना अह्वरना ।

२३५. मयभीत करना—आशंकित करना कपाना अरपाना अरवाना अरना डेरवाना डेरना अमना आवना अमकाना अमरना अह्वरना अकाना संशंकना संशक्ति करना अह्वमना ।

२३६. आंख बिजाना—आंख में अज्ञाना आंखें बिजाना अुररना अूरना अरेरना अौअ अृष्टि से अेरना अ्योरी अज्ञाना अ्योरी अरकना काल आंखें करना ।

२३७ मयभीत—आशंकित कपित कानर, अक्षिप्त अचित अौऊना अमित अल आमित मयभीत अयाकुक अयातुर, मीन भीर, भीर भीहा अंकित संशंक अशंकित हीनचित ।

२३८. होमा—अटकने, पी अो अुनु अकाई, हाऊ, हीषा ।

२३९ भीष—आधारित काठर, कायर, कूर, डरपोक डरपोक बुद्धिक बेहिम्मत हिम्मतहीन ।

२४ निर्मय—अकबड् अक्षोम अडर, अवंड अपमय अमय अक्षक आचार, निडर, निर्मय निर्मीक निर्मीत निर्मीक प्रमदम बेसौऊ बेबडक साहसिक हिम्मत-वर, हिम्मती ।

२४१ भीरता—काठरता कायरता कूरता कूरपन डरपोकपन बुद्धिकी भीरता भीरताई ।

२४२ निर्मयता—अपमय निडरपन निडरपना निर्मीकता बेसौफी साहम हिम्मत ।

२४३ मयातक—अचोर, उध करत कराली कूर, अउर, बूँसार, बीऊनाक बोर, अंड डराबना प्रबंध विकरार, विकराल मयकर, मयक, मयप्रह मयात मयातक मयाबन मयाबह, भीम भीषन भीष्म भीजन भीरा भीरक अर रोम हर्षक अमहर्षय विकट, विकराल हीरताक ।

२४४ मय्याही—मयतासक अममोचन मयहरन ।

२४५ काँपता—कंपना कपिता बबडा पाना डर जाना बरभरण बरति विकपित होना सिहरना हहरना ।

२४६ बमकी—बुडकी अण्ट अँट अट-अण्ट, ताड़न ताडना दूहण्ट धिरवनिर्पा ।

२४७. ममकता—अधि विद्याना आर्त कित करना बुडकना बुडकी देना अण्टना, अँटना अँटना-अण्टना ठीठना

दूहणना बमकी देना धिरवता, धिरव निर्पा देना फटकारना फिटकारना मम विद्याना हहरना ।

२४८ अडकना—बुडकी देना बुडकना अण्टना अँटना अडकना अडकना फटकारना विगडना ।

२४९. बाक—अकनक अण्डर, अपमय बातक बासका क्षोम अटका अठरा मसन भासन बबबबा अर्प प्रमाथ भीमोर, रोब अँका सहन खाँसा सका साब हरास हबक हूर हीन ।

२५ बाक अमना—बाक बैना बाक बैठना बाक होना रोब अाक्ति होना रोब अमना रोब होना रोब अमना ।

२५१ बाक अमाना—बाक बाँषना बाकना रोबनाँठना रोब गाकिब करना रोब अमाना ।

२५२ बाकड—रेख रेखतरकि, मई रोब-इक घोर, हिम्मती ।

२५३ विश्वास—इतबार, एतबार, पति मारा परखीठ प्रतीति प्रत्यय विश्वास विश्वास मरोछा भाब यकीन ।

२५४ विश्वास करना—एतबार करना पतियाना प्रतीति करना प्रतीति मानना मानना यकीन करना यकीन रखना ।

२५५ विश्वसनीय—काबिकेइतबार, पर तीठी विश्वस्त विश्वासपाव विश्वासी ।

२५६. अविश्वसनीय — अविश्वासी विश्वासपाठी विशिन बेएतबाठी ।

२५७. विश्वस्तपाठ—अपपाठ कपट, छक बीका ।

२५८. सिङ्—कुडन टिनलाहट, शिब बीब बीस अक्लाहट मुअलाहट, रोप ।

- २५९ चिड़ना—कुड़ना क्तिक्किटाणा
 चिड़माणा चीड़ना चीसना चिड़
 चिड़ाना मस्काना सीसना चिड़ना
 रिपना सवणना । रे 'कोषित होना' ।
- २६ चिड़ाना—मीरसाणा अनसाणा
 कुड़ाना सिजठाना चिसाना
 रिगाना ।
- २६१ स्पर्धा—उपराचड़ी उपरीउपरा
 चक्राउपरी प्रतिबंधिता रीस होइ ।
- २६२ ईर्ष्या—असमता अनज अनुया
 ईपना ईर्षा कुड़न खार, असन
 बाहु, ह्येप ह्येपन मसहर मसहरठा रसक
 राय रीस चिड्रेप चिरोप रीर, सजुता
 सासु, ह्य ह्यर, हिसका हीस ।
- २६३ ईर्ष्या करने वाला—अकनकुरा
 अवेसी ईर्षाकु, बाही मसरी ।
- २६४ कृतघ्न—अकृतघ्न कृतघ्नी ।
- २६५ कृतघ्न—अनुगृहीत कामाठी चप्री
 एहसानमद ममनून सुकगुजार ।
- २६६ कृतघ्नता—अकृतघ्नता ।
- २६७ कृतघ्नता—कामार, चण एहसान ।
- २६८ कूर्त—ऐबी कपटी कितब कुटिक
 कुर, कल खोट खोटा चगुर, चार सी
 बीस चाकबाज चाकाक चाकिया
 चाबी चुल्लुका छप्पी छकछपी
 छलहार, छकिया छकी कुर चिड़ा
 ठन बगारार, बगारार कुचचारी कुचन
 कुच कुच बोखेबाज नटखट, अरेबी
 प्रबंधक बदमाश बंधक मक्कार, माया
 विनी मायाबी मायिक कच्चा बंधक
 ब्यामी शरीर ।
- २६९ कूर्तता—कपट, कुटिकटा कुटिक-
 पन कुटिकार, खोटाई, चगुराई, चार सी

- बीसी चाल चाकबाजी चाकाकी छस
 छसछंष छसछिदर छकार, ठगपना बसा
 बगारानी कुचनता कुचर्म कुचटा
 नटखटता नटखटी पाबीपन पाबीपना
 बदमासी मक्कारी बंधकता शरा
 रत ।
- २७ कूर्तता करना—कुटिकार करना
 छसछंष करना छसना ठगना चाल
 चसना चाकबाजी करना बटना घोखा
 देना प्रबंधना देना फरेब करना भर
 माना मुसबाना भकाबा देना घम में
 डाकना बंधन करना बंधना देना ।
- २७१ बदमाश—मायाय गुंडा गगा
 गंवा बदमास कच्चा खोकर, चारा
 शराखी शरीर, खोहटा ।
- २७२ बदमासी—बाकारपंथी मुचई,
 नंपपना नंमई, नंभई, लुचवाई, लोफटी
 शराख ।
- २७३ स्वार्थ—अपराठी सुधगर्धी गरब
 मतअन स्वार्थता स्वार्थपटा ।
- २७४ स्वार्थी—सुरागरब गरबमंद,
 बरखी बरखु, मतअमी स्वार्थपर, स्वार्थ
 परामन स्वार्थान्न ।
- २७५ मित्रता—अनुकूलता अप्रतिकूलता
 बकिष्यता इठाई, बोस्ताना बोस्ती
 मितार, मित्रता मित्रत्व मित्राई, मुजा
 क्लिकता मैत्री याराना यारी सख्य
 सख्यता सीहार्थ सीहार्थ ।
- २७६ अश्रुता—अकस बहावत अनजन
 अनरस खटपट बंस पाठ चिड़
 मगडा दुस्मानी ह्येप प्रतिकूलता विमाड़
 रीर-माव मुजाकिलत मनमोटाव रंजिध
 रिपुता कडाई, लाग आनखीट चिड्रेप

विरोध विरोह विरुद्धता विरोध
 वीमलस्य वीर, शत्रुघाई, शत्रुघ्ना ।

२७७. संघ—संघत संघति संघसाप
 सहचार, सहवास सोहवत हूकमेक ।

२७८. परमा—मुक्ता चकना दोस्ताना
 होना दोस्ती रहना बीत काटी रोटी होना
 निभना बनना निभमाब होना मीची
 होना ।

२७९. न परमा—दुस्मती होना विगड़ना
 विगाड़ होना वीर होना वीमलस्य होना
 शत्रुघा हीना ।

२८ अणकना—ककह करना पूसना
 अकसक करना अणका करना
 अवरना अकसक करना मिड़ना
 तकरारकरना मुंहमोरी करना मुहामुही
 करना कड़ना कड़ाई करना बाप-
 विवाह करना विवाह करना हुकवत
 करना ।

२८१ सपकाक—ककहकारी ककहभिय
 ककहारी ककहा सगकाक, सगकी सवरी
 सडंकू कडाका कडाकू ।

२८२ ककना (मुड)—बंन चड़ना
 चंग चुरना चुतार करना पूसना
 सपकना सपटना मिड़ना मारकाक
 करना मुड करना रंग मचाना ककना
 कडाई करना ।

२८३ विरोध—अनीक्य प्रतिकूळता विप
 रीतता विपसता । रे 'शत्रुघा' ।

२८४ विपसी—प्रतिद्वन्दी प्रतिपसी
 प्रतियोपी प्रतिवावी प्रतिस्पर्डी मुखाकिक,
 विरोधी स्पर्डी । रे 'शत्रु' ।

२८५ अनुकूल—अप्रतिकूल अविबद्ध
 पक्ष में मुखाकिक ।

२८६ प्रतिकूल—अननुकूल उकटा
 खेसाक, विरुद्ध ।

२८७. अकार्य—अभिक्रमन अभिमान
 आक्रमन आरोहन प्रयाग बाबा यान
 अय्या हमला हुस्का ।

२८८ विजय—उभति अय अयपी जित
 बीत वीत अतह, फते फतेह, फतूह,
 विजय विडी विभव वृद्धि ।

२८९. हार—अजय अपजय अजगति
 पराजय पराजय भंय शिकस्त शिकस्तपी
 हारई, हार ।

२९ विजयी—अपंत जित जितवार,
 जितबीया जित्वर, जेता वीतवार, अतेह-
 मंद, विजयक विजयपीक विजेता ।

२९१ हारना—आक्रमत करना ककना
 कवाना पराजय देना पराजित करना
 परामूठ करना परास्त करना पीछे हटना
 विभित करना शिकस्त देना शिबित
 करना हार देना । रे 'बीतना' ।

२९२ हारना—आघात होना पराजित
 होना परामूठ होना पीछे हटना
 विभित होना शिकस्त जाना शिबित
 होना हार जाना ।

२९३ बीतना—अतह पाना अतहभाव
 होना विजय भी हाथ रूला विजयी होना
 विभित करना । रे 'हारना' ।

२९४ आचरण—आचार आचार,
 आचार-विचार, अरिठ अरिठ चलन
 आक आक-चलन अरिठ रहन-सहन
 विचार, व्यवहार, वीक ।

२९५. आचरना—अचरना आचरण
 करना व्यवहरना व्यवहार करना ।

२९६- आचरण करने योग्य—आचरणीय करणीय करतम्य ।
 २९७- सदाचार—अथ अनुता क्रमशा ठहरीव भद्राचार, भक्तमनसत भक्तमनसाहत भक्तमनसी धराङ्गला घाकीनता धिप्यता धिप्यताचार, धीसता शुभाचार, सञ्जनता सञ्जनताई, सदाचरण सम्पता साधुता सुजनता धीमन्पता ।
 २९८- दुराचार—दुर्जनता बरतहृदीवी अत्याचार, अघाकीनता असञ्जनता बेबरवी बेङ्गायणी ।
 २९९- ध्यमिचार—ऐसाधी ऐस ऐस-बाउम कुकर्म धाम्यकर्म चाट छिनार, छिनार छिनाक जेना बलाकार, भीव भोगविलास विषय विषय-वासना ।
 ३ 'मैनुन' ।
 ३ सदाचारी—अनु, बाबरव बाठ-हृदीव भक्तेमानुम साधीन धिप्य सजन सञ्जन सम्य सरीक, सहुप्य सदाचारी गुनीस । ३ 'धर्मिया' ।
 ३ १ दुराचारी—अत्याचारी अघाकीन धमिप्य असञ्जन दुजन बरतहृदीव बेबरव । ३ 'पापी' ।
 ३ २ ध्यमिचारी—अथम कामनाम कामानु, कानी कामुक कुकर्म कुलित दुपक्षमानी कुमारी धाम्यकर्म पटिहा धरिणहीन छिनार छिनार, छिनापी दुश्चरिण दुश्चरिण मप्य, पत्रिना परल्लोपानी भीपी बर, बरवार, बरचकन विलासी बुद्धा दुरा मार्गभ्यट मेहरा विलासी विषयी कल्पा रथीय ।
 ३ ३ पुष्य—अथ उग्रमन्त्रोक्त किति धर्म पावन पुष्य पुन वृष गुनादुप्य,

धोमन भेय सत्कर्म मुहुत मुपधि ।
 ३ 'सदाचार' ।
 ३ ४ पाप—अहस अथ अत्यय अत्याचार, अथर्म अनभाव अपकर्म अपहृति अपमर्म अपराध अपबाध अनुम अह, उपपाठ एत एतस कञ्ज करन करेम कन्दु, कन्मय कठमल कठिमल कल्प कल्क कदमस किस्विय किम्बिय कृष्क कृतांत पुनहगारी गुनाह, दुरिप्य, बरित दुरिप्य दुश्मप्यिष्ठ दुष्कृत शीय पंक पातक पाप पापक वृजिन सत्यक ।
 ३ 'दुराचार' ।
 ३ ५ धर्मिया—धर्म धार्मिक धुमकर्म धुमाचारी सदाचारी ।
 ३ ६- पापी—अधी गुनहगार, गुनही दुष्टार्या शीपी पातकी पापकर्म पाप चारी पापाग्मा पापर ।
 ३ ७- पापनासक—अपहृता अमारि, पापनाशन पारनापी ।
 ३ ८- पार्वंड—भारंड, छंज छलछंज हकीमला डोंग डोंगवाडी धंजला पारंड पारंडक बनाव बनावट, मिप्पाभंड ।
 ३ ९- पार्वंडी—भारंडी ठपटी डोंवी हकीमलाबाड दिनावनी धर्मध्वरी पंहककी पारंडी अगुडामपत्र बनावटी बहानेबाड ।
 ३१ कुकर्म—अकर्म अपकरम अरकर्म अरकारज अपचार्य अपहरय कुकरम कुपकरम दुप्यर्ष्य दुप्यार्य पात छेक बटयेन । ३ 'दुराचार' 'पाप' ।
 ३११ धुमकर्म—३ 'मराचार' 'पुष्य' ।
 ३१२ कुकर्म—अरकरम अकर्म अप-कर्म अपकर्म कुकर्म धुमकर्म

बुष्कमी बुष्कली । दे० 'दुराचारी' 'पापी' ।
 ३१३ बुष्कमी—बुष्कमी सत्कृती । दे
 सवाचारी 'बर्मात्मा' ।
 ३१४ कर्कक—अपराध कस्युय बाध
 रूपन बोध यस्या काष्ठन । दे 'पाप' ।
 ३१५ कर्ककित—ककककी कककी
 ककुवित ककपी बाशी कुवित ककित ।
 ३१६ अपराध—अभिमोग कसूट, कसूटी
 कसूटी मुनाह, कसुय बोध । दे 'पाप'
 कर्कक 'दुराचार' ।
 ३१७ निरपराधी—निबोध निरपराधी
 निर्दुषय निर्दोष निर्दोषी बेकसूट,
 बेपुनाह बेबाग साक, स्वच्छ ।
 ३१८ अपराधी—कककित अभिबोधी
 कसूटयं कसूटबाट, कसूटी लोठ
 लोडा मुनठगार मुगही गुनाही बोधी
 बोगमुना बोधी बागी मुकभिय ।
 ३१९ कृपणीय—कृपणीय कृप ।
 ३२० कृपरे गर बीध तयाने काला—
 कृपक ।
 ३२१ काज—कली काकुंठन काकन
 काज, कानि काी दीरा कज अंग
 कककक कता नन संवाध संवारय
 मुककन कज अरथा लिहाज बीड
 बीडा कसय शमे संकोच गकुबाह
 ककुबाई ताहन इना ही हीराय ।
 ३२२ कज्जाबील—अप्रविण पिरीहा
 मुककनी कजापूट, कजाकु, कजीला
 कजोर कजीहा कजीहा कज्जाबाज
 कमीला ककुबीहा ककोची ककज
 ह्याबार हमाधान ।
 ३२३ कज्जाबली—कजीली क
 कमीली ।

३२४ किलंगज—अपठ निमजी किलंग,
 किलंगजी किलंगजी किलकोपी,
 बेधरम बेधने बेहया बीडाहीय,
 संकोचहीन संकोचविहीन हयाहीन ।
 ३२५ कज्जाबीलता—कककककी धर्म-
 बगी संकोच हयादारी ।
 ३२६ किलंगकता—अपठई, विडाई, किल-
 कता किलकजता बेधरमी बेहवाई,
 रिवागी बीडाहीनता ।
 ३२७ कजिजत—संपित सेपा कज,
 धमिबा संकुचित बीडाकनठ ।
 ३२८ कज्जाता—अपना अंपना बेपवा
 कजिजत होना काज करना, बीडा
 करना बीडाकनठ होना धर्म से
 यकना धर्म से पानी-पानी होना धर्मसा,
 धमिबा होना संकोच करना ककपकना,
 ककुबाता सिमटला हया करना ।
 ३२९ कज्जाबलत—कज्जाबला धिपला,
 सेपाना कज्जाता कजिजत करना
 धर्मबाना धमिबा करना संकुचित
 करना ।
 ३३० कजत—ककककत बीडर बीका-
 मीला किलिजत यकन यकबाकन,
 ककपुर्न कबोयकत ककमीबी कस्तात,
 कहुटी सीकानी ।
 ३३१ किलरकस्त—कामकाजी कामकाजू,
 कायंयकत ध्यस्त ।
 ३३२ कस्ताला—अकककत होना कत
 होना कस्त होना कस्ती में कता मीज
 में कता मीज में होना कहुटना ।
 ३३३ कस्ताली—अकककती ककककता
 किलिजतई, किलिजतता
 कस्ताली, कककककत,

महोत्सवता मीर कहर कापरवाही
मुचिताई, मुचिताई मुचिताही ।

३३५. पागल—उम्मत झन्की बीराना
पुनवाका नादान नासमझ पागल
परवाना बाबला बेबकूत, मुर्ख बिकिप्य
एगधी सिद्धी ।

३३६. ठीक—बैतम्प पाठ होघा में ।

३३७ पापकपन—उम्मतता सनक पुन
एगक सिद्ध ।

३३८. पयलाना—उम्मत होना हिमाए
कापर होना पागल होना प्रमत्त होना
बाई सेना बाबला होना सनकना
सनकी होना सर उम्मतना ।

३३९. पुन—अक जक डबटी डीटी
रट रर क्काल क्कयनि सान ली सनक
हवा ।

३४० उम्मत—उम्मत, उन्मादी लीब
एगधी सगधी पागल बाउर बाबरा
बाबला मत्त मत्तबाग मत्तबारा
मत्तबाला मतिभ्रष्ट मरी बीपह
बिकिप्य पीड बनकी सिद्धी ।

३४१ उम्माह—उममत्ता घन लल
बिलबिभ्रम पुनून मस्त बीराना
पन पागरूपन बाबलापन घानि
बहान मत्तक सिद्ध सिद्धीपन
पीरा ।

३४२ इरजत—मदर अरियम आरन
कापरबाब आरन-मापार आरक आर
भयन आरका ऐरवर्ष कडर बीरनि
पीरि घानिघ घानिरनबाबा घानिर
दाटी घानिटी गीरब पन बनानी
परिधिनि प्रनिष्ठा पुनकार पुनन पुना
बकपन बहाई माप्य महाना मान

चिप्टाचार सरकार, सम्मान समापर
सम्मान ।

३४३ इरजत कजत—मापर देना
आरना भावमत्त करना इरजत देना
पुनना प्रतिष्ठा करना या देना मानना
महा देना भजेय समझना सम्मान देना
सम्मानना ।

३४४ इरजतरार—आरपोप्य आरुव
पीरबसामी पुनित प्रतिष्ठित माउबर,
मानित मानी मान्य सम्मानित । दे
'माननी' 'मसहूर' ।

३४५ बेइरठत—मनापुत अपहुत अप
मानित अपप्रतिष्ठित अकजाल अकहेकित
ल्यार, उकीर तिरस्कुत परिमुत
बेबावक बेकडर । दे 'निरित' ।

३४६ बेइरजत करना—अपमानना अकना
करना अकहेकना अकहेकना करना इरजत
उतारना अपीर करना निररना पानी
उतारना प्रतिष्ठा भय करना बजावक
करना बेइरजती करना ।

३४७. बइरजत होना—अपमानित होना
उकीर होना बिल्लत उठना डिस्तत
पागा निराहन होना अपानी
होना ।

३४८. बेइरठनी—अनादर, अरवर्ष अर-
वार अरवान अपनिष्ठा अमान अकना
अकहेकना अकहेकना एवाटी डिस्तत
तिरस्कार, मामुनी निरादर बेइरटी
मानहानि हुनक-उम्मत । दे 'निरा' ।

३४९. मसहूर—अपान ग्यानिप्राप्य
माउड नामबर नामी प्रबागमान
प्रख्यात इमिद दिन्ना नामाब ।

३५ बहनाम—कुस्मात् मंत्रो नामवद ।
 हे 'बेहन्वत' ।

३५१ मञ्जुहरी—स्याति अस नाम
 नामवो प्रतिष्ठि यस विरद, लोहृत्त
 सोहृत् ।

३५२ बहनामो—कुस्मात् नामतस्की ।
 हे 'बेहन्वती' ।

३५३ पशास्वी—कीर्तिमान नामवर, असी
 नेकनाम यसी यसीअ ।

३५४ मालनीय—आवरणीय इत्य गज
 मास्य अथ्य मथ्यमास्य परमेथ्य मन्-
 नीय पूजनीय पूजमान पूज्य पूज्यनीय
 पूज्यपात्र प्रठीथ्य मान्य बर्चनीय
 अत्रेय यष्ट वर, धर्म सम्मास्य
 स्मरणीय ।

३५५. प्रशंसा—अभिर्बहन अभिर्बहना
 अभिवादन गुणकीर्तन अस तापीक
 प्रशसित बखान बड़ाई, महिमा
 यस क्वाभा सराह सपहना स्ववन
 स्ताव स्तुति स्तोत्र स्तोम ।

३५६. विकार—किङ्की डीट डीट
 अपट, डीट-फटकार, तर्भन कुक्का-फवी
 हृत् बुकी बुकी-बुकी बुत्कार, विक
 विकार, फटकार, फिटकार, मर्त्तना
 क्वाड कान्त कान्तमकामत किवाड ।

३५७. जपनी प्रशंसा—आत्म-प्रशंसा
 आत्मकवाभा ।

३५८. प्रशोत्नीय—अभिर्बहनीय कर्तनीय
 आधिकेतापीक, प्रशस्य बर्चनीय क्वाअ
 नीय क्वाअय लउहृत्नीय स्तवनीय स्तुति
 तथ्य स्तथ्य स्तीतथ्य स्तोम्य ।

३५९. प्रशंसना—तापीक करना प्रशंसा
 करना -अच्छा कहना बखान करना

बखानना बड़ाई करना यस गाना
 बिरद गाना सपहना करना स्ववन
 करना ।

३६ विकारना—अपवाद करना लो
 लोटी गुनाना मिङ्कना मिङ्की देना
 तिरस्कारकरना बुकना बुकी बुकीकरना
 पू व करना पुत्कारना कुत्कारना
 भिक्कारना निरना निरा करना फट
 कारना फिटकारना फिटकार गुनाना
 कान्तमकामत करना ।

३६१. शिक्कारना—अनावर करना
 अथवा करना अथहेचना करना अथवेका
 करना अथवा कला उपतमा अम-
 कारना अटकरना भिक्कारना मिङ्कना
 डीटना फटकारना तिरस्कार करना
 बुत्कारना हटाना ।

३६२ बुद्धि—अथक विह्वन खेहन
 विमाष्ट वारणा भी बुभ बुभन
 मस्तिअ समस ।

३६३ बुद्धिमान—अकर्मव अत्रिज
 अकर्मव आपर, बुधक हृती कोविद,
 अतुर, मानी अहीन जानकार, जानी
 अक विमायवार, विमासी भीमान
 नायर, निष्णात बुधवान बुधवान बुद्धि
 वान बुद्धिवत बुद्धिवाली बुद्धिपीठ
 मतिगर्भ मतिमंत मतिमाहु, मतिमंत
 मनस्वी मनीषि मनीषी मेवाबी कामक
 विज विरथ्य विरेकवान विरेकी विद्या
 रथ, समसवार, सयाता सुरता सुरत
 सुरती कुठिथार, कुत्थार, ह्येठिथार ।

३६४ बुद्धिहीन—अत्र अज्ञानी अनवान
 अपट, अपड अपतिन अकृत अथोप अह-
 मक उअक अजवक, नैवार, जस्त, बुध-

वेहन मयहा गावडी गोबरगनेघ वपुया
मपोकानंद, वपु पाव धोंपू बुप्या
बड़ नासमझ निबद्धि पंडितम्मय्य
पाशिरवाभिमानी पागळ बलियाटिक
बन्धमूर्ख बड़बावभा बाँसहु, बावर,
बावर, बावळा बुद्धिबिहीन बुद्धिहृत
बुद्ध बेबकळ बेबकूठ, बीबा
मकुमा मुक्कड़ धेंस माधू, मयबुद्धि
मूड, मूरख मूरख मूर्ख लंठ कंठाभिराज
धिकाखुरी सुस्त स्तम्भमति हृतबुद्धि ।

३६५. बुद्धिमानी—जन्ममंडी अभिज्ञता
जामळा कुचमळा घाल जह्नियत ज्ञान
काठी बसठा बुद्धिहीनता मेधाभिता
लायकियत समझदापी होसियापी ।

३६६. बुद्धिहीनता—भ्रमामळा अपदुत्त्व
अपाटव उजहुपन गवहुपन कुंडलहनी
बोंचपना बड़ठा बड़ठाई, बड़त्व
बहाळत माबानी नासमझी पागळपन
बाँसड़पन बेभकली मूडता मूडठाई,
मूरखपन मूर्खता मीर्क्य लठठा लठ-
ठाई, बेबकूडी । वे 'बड़ठा' ।

३६७. बतुर—जमुन जमुक जमुड़
जस्ताद, ऐवार, कपटी कुचळ पुटा
बंट बगड़ बतुरा बाळबाळ बालाक
बाई छलिया छडी जानबनी बुनियादार,
बुनियावी धी घुंठ बोकेबाळ नापर,
निपुण पट्ट, प्रठारक प्रबीन मुक्कड़मोपी
सयाना मुपड़ हवरत हिरकजबाळ
होसियार । वे 'बुद्धिमान' ।

३६८. बतुराई—उलाधी ऐयापी कपट,
कुचळठा नीचळ बतुराई, पतुराठा
बतुरापन बतुराई, बतुरी बानुवं दजता
बुनियादापी ननटाई निपुणता निपुण

ठाई, निपुणई, पट्टा पटुत्व बुद्धिमत्ता
हुनर, होसियापी ।

३६९. सोचना—धीर करना धीर करमाता
चिंतन करना चिंतना विमल्ल रुझाना
ध्यान करना विचारना मनन करना
मस्तिकक करना माह करना विचार
करना विचारना सोचना सोचना
विचारना ।

३७०. सिर जपना—माथा जपना
माथा-पन्थी करना सिर-पन्थी करना ।

३७१. विस्मयीबाळ—कजाकी कज्जाकी
बुहसबाळ उट्टेबाळ ठठीळ विस्मयी
बाळ मखीळी मसखरा मसखरेबाळ
हंसमुळ हंसोड़ हंसौर ।

३७२. मवाक—उपहास ठठळ विस्मयी
विस्मयी प्रहसन मखीळ मसखरापन
मसखरी हंसन होसित हंसो हास
हांसी ।

३७३. मवाक उझला—उट्टा मथाना
विस्मयी करना बनाना मूर्ख बनाना
हंसो करना हंसो मथाना । 'मवाक' के
पर्यायों में 'करना' 'मथाना' 'उझाना'
जोड़कर बीर सय्य बनाएए ।

३७४. तैयार—उदाह उपस्थित तत्पर,
प्रस्तुत होसियार । 'तैयार होना' के लिये
ऊपर के शब्दों में 'होना' जोड़कर सय्य
बनाएए ।

३७५. तैयापी—सय्यापी सयापी समार,
सामान ।

३७६. मुस्तैद—अतिरिक्त बनकस उचत
जतुन तत्पर, तैयार, प्रस्तुत नम्रद ।

३७७. मुस्तैरी— तत्परता तैयापी
नम्रदता ।

३७८. प्रबन्ध—अधीन उग्र उत्कट, तीव्र
 तेज भयंकर, मयामक मयाबन्ध भीषण
 विकट ।
 ३७९. प्रबन्धता—उग्रता उत्कटता उग्र-
 मनापन तीव्रता तेजी भयंकरता मया
 मक्ता मयाबन्धता भीमता भीषणता
 विकटता ।
 ३८०. विम्बेवार—उत्तरवापी उत्तर
 वाता अबाबबेह, विम्बावार, विम्बेवार ।
 ३८१. विम्बेवापी—उत्तरवामित्व अबाब
 बेही विम्बा विम्बावापी विम्बेवापी ।
 ३८२. अमुमपी—अमुमबप्राप्त आलकार,
 तत्रबेकार, तत्रुबेकार, तत्रुर्बेकार,
 मुक्तमोगी बाकिष्ठ ।
 ३८३. अमुमब—अमुमूति आबमाइष्ठ
 तत्ररबा तत्रुर्बा बाकिष्ठित ।
 ३८४. अमुमूत—आबमाया आबमूवा
 आता परता त्रता परीक्षित ।
 ३८५. स्वामाधिक—नैसर्गिक प्रकृतित्व
 प्रकृतिविद्युत् प्राकृत प्राकृतिक सहज
 सहजात सुमायक स्वभावज स्वामा
 धिक ।
 ३८६. अस्वामाधिक—अनैसर्गिक अप्रा-
 कृत अप्राकृतिक अस्वभावज कृत्रिम ।
 ३८७. स्वामाधिकता—अकृत्रिमता नैस
 धिकता प्राकृतिकता सहजता सहजा
 तता ।
 ३८८. अस्वामाधिकता — अनैसर्गिकता
 अप्राकृतिकता अस्वभावजता कृत्रि
 मता ।
 ३८९. नया—अकच्छ अनाभूत ऊनीना
 बनेना उबेने विर्यवर, विर्यट अङ्ग
 बुङ्गा नंगअङ्ग नंगबन्धना नंगमूर्तया

नया नमन नमन नामा अस्वविहीन
 निर्युप अस्वहीन विर्यत्न ।
 ३९०. नंगापन—विर्गवरता नंगता
 नगापन नमता ।
 ३९१. सहजशील—उमसोर, भात सहिष्णु,
 सहीमा ।
 ३९२. असहजशील—असहिष्णु, असहीमा
 अकिञ्चिदा तुलकमिवाद्य ।
 ३९३. न सहने योग्य—असह असहनीय
 असह्य दुःसह ।
 ३९४. मुनी—करतवी कफाकार, मुनी
 योग्य आयक हुतरवा ।
 ३९५. अकमुनी—एवी अंगुनी अरण
 लोट, लोटा बुज ।
 ३९६. मुज—करतव कफा मुज फन
 योग्यता क्रियाकृत विद्या हुतर ।
 ३९७. अकमुज—ऐबुज ऐव अीपुज
 अीपुज कब कवी कलंक कसर, अरावी
 खोट, खोटाई, हुपन बोप बोपन मुक्त
 बुराई, विकार ।
 ३९८. योग्य—आदिष्ठ योग्य सायक
 समर्थ सामर्थ्यवान् ।
 ३९९. अयोग्य—असक्त असमर्थ नाका
 यक सामर्थ्यहीन ।
 ४ योग्यता—अमाई, अमता आब
 क्तिमत् आयकृमत् समरण सामर्थ्य ।
 ४ १ अयोग्यता—असक्तता असमर्थता
 नाकायकृमत् नाकायकी सामर्थ्यहीनता ।
 ४ २ आस्त—अमास टेज बान बाना
 मरक सर स्वभाव ।
 ४ ३ बुरी आस्त—कुटेर बुजान ।
 ४ ४ ऐव अमाता—अंगुनी उठाना
 अपराज अनाता हुपन अमाता हुपता

शोक लगाता शोपना शोपारोपण करना शोपी ठहराना ।

४ ५ सख—शुभ ठीक यथार्थ रास्त वास्तविक सत्य सही ।

४ ६ झूठ—झुठीक असत्य झूठ मिथ्या मूया ।

४ ७ सच्चाई—असंशयित उपयुक्तता औचित्य औचित्य ठम्य यथार्थता रास्तमोई, वास्तविकता सच्चाई, सच्चा पन सस्सता ।

४ ८ झूठापन — असत्यता झूठपन झूठाई, मिथ्यात्व ।

४ ९ सच्चा — रास्तको सत्यवक्ता सत्यवादी ।

४१ झूठ—असत्यवादी झूठठा मिथ्या वादी ।

४११ झूठकाला—झूठाना झूठा ठहराना झूठा बनाना होरना ।

४१२ असख—असली खरा शुद्ध सच्चा साछ ।

४१३ कपमत्तक — अशुद्ध गकली मिठावटी ।

४१४ खदिर—अदूषित अममिवाँ अमल अमलिन निर्मल पवित्रर, पावन पुष्य पून मेध्य विमल विद्युत शुचि शुद्ध माछ, स्वच्छ ।

४१५ अपवित्र — अपावन अपुचि अपुड अपीच कच्छर, संरा दूषित पाव मलमुक्त मलिन मची मलीन ।

४१६ अ. पवित्रता—पविताई, पावनता पुडना सच्चाई स्वच्छता ।

विशेष—पवित्र के अन्य पर्यायी में भी आबरपकृतानुसार 'ठा' 'पन' 'पना' आदि

शुद्धकर 'पवित्रता' के अन्य पर्याय बनाए जा सकते हैं ।

४१६. अपवित्रता—अपावनता अशुद्धता अशुद्धि गंरगी मलिनता ।

विशेष—'अपवित्र' के अन्य पर्यायी में भी 'ठा' 'पन' आदि जोड़कर, और सम्य बन सकते हैं ।

४१७. साधारण—अवना मामूली सबास सामान्य सामान्यमतीय ।

४१८. असाधारण — अजीब अजब अजीबोगरीब अद्भुत अनुपमेय अनूठा अनोखा अप्रतिम अपुरर अपूर्व आश्चर्यजनक असामान्य आछा उत्तम उमदा औचड़ औपम्यासिक गजब गैरमामूली अमत्कारी निराला न्यारा काजबाद सामिसाल विचित्र विचक्षण विधिष्ट घेठ ।

४१९ असाधारणता—अनूठापन अनो आपन अपुवता निरालापन विचित्रता विस्मयगता विधिष्टता ।

४२ अशुद्ध—अच्छा उपयुक्त ऐन प्राह्य या आयज ठीक परिमित मुना सिब यथार्थ युक्त युक्तिमुक्त योग्य रास्त वाचिब वाचिबी श्वेयरकर, संमत सटीक ।

४२१ अनुचित—अप्राह्य अनप्रीहा अनुपयुक्त अपरिमित अयदा अपुक्त अयोग अयोग्य असंपत्त उकटा उतरब खिताछ, गैरमुनासिब गैरवाचिब ना मुनासिब प्रतिफल बेटीक विपरीत विच्छ ।

४२१ अ. अवाप—अकर, निरिचितता निरिदिह आचिबी ठौर पर ।

४२१ आ. आनन्दक—अत्यावश्यक अनिर्वाय अपेक्षित आनन्दकीय कस्तुरी काञ्चिमी ।

४२१ इ. अनावश्यक—अनवाही अननिर्वाय अनपेक्षित अनवाञ्छित निकम्मा निरर्थक, निष्प्रयोजन अनुक वेद्यमद्य योही रही स्वर्भ ।

४२१ ई. आनन्दकता—अनिर्वायता अपेक्षा शरत् ककरठ हावत ।

४२१ छ. बेकार—काही निकम्मा निष्काम निष्काम बेरोजगार, बेरोजी ।

४२१ झ. बाकार—कामकाबी कमी कर्मव्यस्त माबाली बहुवर्षी बाटोव मार, बाटोषी ।

४२२ अमान—अनुक्य अनुहार, अनुहरिया अनुहार, अमेव अमेय अमेव इव उनमान एकरेण एकसां एककार, असा तत्तुक्य तशकार, तहूप तख तुम्ह तुक नाई, माहिम निम पट्टर, प्रतिम अराबर, नातिव निस्त मुमाफिक रूप कपी संवरा तहस वम तमकल सरिष सपीया स्वर्भ सा ।

४२३ अमान—अनुक अतुल अतनु-कन अत्रिम अवरन अवरभ असम अतमान कावबाव कासात्री बेतुका बेभेक ।

४२४ अमानता—अनुकपता अमेवता एवता एवकपता त्रनुकपता तहूपता गुम्पता अराबरी मुमाफिकत अमता मनीमता अरवरि, गवरंगता कावुरय कावुरय काव्य हुकमुटी ।

४२५ अना—अतस्य सुत पंथी रिग बीर्भ पुपु, बटाक बडरा बडपार, बर, अरा बहुत बडा बीरु बाटी भीव पीन-काय महु बहुत महु महुन करा वा बर्य विकट, विदु, विराट, विस्तीर्भ किस्तुत बूहद, साह सेव्य, सुतीर्भ विमु ।

४२६ ओटा—अल्प छोटीस कप कोटा कोटाई, कुच कुच ताहा मनीया मुकट-सर, कपु, मुजम तुक्य हस्त । हे 'नीच' ।

४२७. बडपान—अल्पता उल्कता मुक्ता बीर्भता पुपुता बडपान बाटीपन भीमता महपता महता महानता बरता बर्यता विकटता विपुता विराटता विस्तीर्भता किस्तुपता बूहपता सेव्यता सुतीर्भता ।

विज्ञोम—हे 'छोटापन' 'नीचता' ।

४२८. छोटापन—अल्पता कोटाही सुखता कुटाई, छोटाई, मनुपान कपुता कावव मुकमता हस्त । हे 'नीचता' 'अवमता' ।

४२९. अयन—अवर्तहीन ऐपट्टीय ओडा कमीना सुव परिमा छिओटा छोटा मुक्क गुम्कतिष्क, वा बीरु निहट्ट निम नीचतामी नीचा-पन पीच हीन । हे 'बेहरजत' 'निरि' 'अवमता' 'नीच' ।

विज्ञोम—हे 'इष्टवहार' 'मपस्वी' बडा' 'माननीय' 'मउंठनीय' ।

४३ अयमता—अयमपन अयनाई, ओटापन कमीतापन सुखता पट्टिटाई, छिओटापन छोटाई, मुक्कता निहट्टता, निम्नता नीचता, मनीया हीयता ।

दे "नीचता" ।

विजोय—दे 'बड़ापन' ।

४३१ लम्बा—दिग्य दीर्घ दीर्घकाय
दीह, प्रसन्न छत्र छंदा लमछर, लम्हाइ,
लंबा कामा सुदीर्घ ।

४३२ लंबोतरा—शांवीक संवातकगा
लमठकङ्क ।

४३३ लम्बाई—प्रसन्नता लंबान लंबापन
लंबापन ।

४३४ लौड़ा—बड़बारा, बकला कैला
विस्तृत ।

४३५ लौड़ाई—बर्ष बकलापन
लौड़ान लौड़ापन कैलाज विस्तार ।

४३६ लम्बा—बर्ष मुठा छोटा दुइया
डिगना दुमका दुमकी डेगना गटक
पोपना बीना मेहरा बामन ह्म्व ।

४३७ लौना—बहुत माया बामन बाबन
बाबनापुङ्क ।

४३८ लम्हा—अनुद्यत कोकनी लंब
बुर्ष छोटा छोटा बेबी लम्हा, लम्हा
रिया लम्हा मुम्हा लम्हा, लम्हा ।

४३९ लीच—अमम लौडा लौडा लुच्छ
दिहृष्ट निम्न बरदात भंर, हीन ।
दे 'छोटा' 'बचम' ।

४४ लच्छ—आकाश से बान करनेवाका
बाप्य डेवा डरं डरुं डरुं पूम्न गगन
पुम्नी बड़ा बराक बरंर, बुलंद
बहान्, मडेय घेठ, बर, बर्ष । दे
'बड़ा' ।

४४१ लीचता—अपवना अपमाई
लौडाई, लौडापन लमीनापन धुइया
लौटापन लौटाई, छिछोरपन छिछोर-
पन लुच्छता दिहृष्टता निम्नता

लीचताई, बरदासी मरता हीनता । दे
'छोटापन' ।

४४२ लच्छता—मायंता लौडाई बड़ाई,
महानता महिमा घेठता । दे 'बड़ा-
पन' ।

४४३ लीच—अचिर, अर, अचिर
अचिराम अचिरुव आनन आमु, उताछ
क्षिप्र बटासट, चट चटपट, चपरा
चपक चपार, अस्त्र बच सट सटित
सप तरसा लड़ाका लुछ लुछ लुर्ष
ठेच ल्यरा ल्यरित हुच पदु फानन
फौरन लम्हा, बेग बेगि सत्वर, सघ
सपदि सकार, सहसा स्वर ह्म्व, हाक
हीक ।

४४४ लीचता—अचिरता अचिराई,
अचिरानता आनुरता आनुरताई,
आनुरी आसुता उतावस उताक
उताली उताबली क्षिप्रता चटक,
चटरुपना चटकाई, चटरुवारी चटरु-
वाही चटका चटपटी चटिक अस्त्र
बाबी पाली लेबी पुर्गी बेग बेग सट
सट, सत्वरता सघसरी स्मृति ह्म्व
बड़ी ।

४४५ मुस्त—अकमप्य अडिपस अनुप्य
अपाहिन अरणिम अतम अमचम
अलहरी अहरी आलवमी आलसी
आतवती आमचौर, नाहिन डीमा
पीमा बुर बोरा बंर रंक लच्छ
लीचइ मिषिक गीतक ल आलम
हृयमगौर ।

४४६ मुस्ती—अचराम अनतरता अनु
ल्लाह आरम आत्मनम आत्म्य बीन
बहिनी जूंन डीक डिगना डीलाई

विभूषित विमंडित सजा सजा-सजा
सजा-सजा ।

४७४ सुसोमित—दिव्य विभूषित वि-
मंडित सोमित सुसोमित ।

४७५ मच्छा—मनिष उत्तम उत्कृष्ट,
उमदा उम्या ठीक बड़िया मसा
मिट्ठ, सार्बूक श्रेय श्रेष्ठ सरस
सर्वश्रेष्ठ, सर्वोत्तम ।

४७६ कुरा—मवसुधी कर्तु, छारा
पंरा कुर्युनकुस्त कुरित बर, विगडा
बेठीक मकरुह, रही । रे 'कुरम्' 'ब
मास' 'बेहम्बर' ।

४७७. मच्छाई—मच्छापन उत्तमता
उत्तमरव उत्कर्ष उत्कर्षता
उत्कृष्टता उम्यगी बड़ियापन श्रेष्ठता
रे 'सुबरा' ।

विलोम—रे 'कुरम्पता' 'कुराई' ।

४७८ मंयलप्रद—मानरकर, मानरकारी
कस्यागकारी कस्यापी मंयलकारी
पुन पुनकर, पुनकारी पुनप्रद ।

४७९. मंयल—मानर, कस्याय कुस्त
कुस्तश्रेम कुस्तता कुस्तमपस कुस्त
ताई, कुस्तान लेम लीर, लीरियत
लीरियत मसा, मसाई, पुन ।

४८ आगुन—ममंयल मयपुन
मयपुन मसगुन कुरपुन कुरा ।

४८ अ. लीबला—मनिष करिया
बाला, कुर्युनबर्ष कुर्युनबर्षी, नीक
नीका पबरा रम बरही बानरा मेबर
बर्षी एगब ब्यापन ब्यापनबर्ष लीबला
लीबर ।

४८ आ. पीरा—अवदान बिट्टा पेट्टा

पीर, गीराह, गीर, गीरंग भबस साछ ।

४८१ काळे मुंह बाला—करमुला कर
मुही करिबमुही कलमुही ।

४८२ काल मुंह वाला—बंदरमुही ए
मुहा कसमुही ।

४८३ एक मुलाहुत काळे—अनुस्पी अनु-
हरिया अनुहार, एकस्य एकता ।

४८४ पंजा—बस्ताट चौखा पंजी
बोपडी मुडका ।

४८५. बिसले सिर पर बाल न हो—
मसमुंडा मुंडा मुडका ।

४८६. शिखाबाला—बुडित बुडीबाला
बुटियाबाला बुटियाबाला बुटिस ।

४८७. बडापारी—बटाबाला बटि
मोटइक सोबाला ।

४८८ घुंघराला—उमेठवा ऐंठार,
ऐंठनवार, बुडित कुटिल बुधपला,
पुमाबदार, चकरदार, छम्बेदार ।

४८९. बड़ी मूँछ बाला—मुठरर, मुँछ ।

४९ बड़ी बाड़ी बाला—बड़दार, दड़ि-
पल ।

४९१ सुनपन—सुनेन सुनेन सुनो-
पन ।

४९२ छोरी बाँक बाला—बुवा बौब
इल ।

४९३ जितबी कंजी बाँक हो—कंजा
लीर ।

४९४ एबाजाला—बेइबाजाला बेबा
मदा, मपंरनापी ।

४९५. बाला—एरबैला एरमपन एर
बैब एराय बनेला बनीडा कापबुमुडि
कर्ष पन बालडा ।

४९६. मंया—अब मयव अंबरा

बसहीन बसूक, बसल बसयन
बनेबी बाँबर, बाँबर बसुहीन
बुदा बैत्रबिहीन मूर, मूरबास ।

४९७. बसापन—बसवा ।

४९८. मोटा—बसल अगडबल बलान
बतनु, बतिकाम कट्टा कुम्हा मठा
पठीला मबरया पुदपुद, गुम्बुबना
बबिक बाँगला ठाड़ा बिपर, तपड़ा
बुन्दिल ठीमार बुला बुडांग बतिकड
पींग बीमड बीपड़ा बीगरा बीठाक
पट्टा पाठा पाड़ा पीन पीबर, पुष्ट
पोड पूबुकांग बसवान् बलिष्ठ बली
मकरा भीम भीमकाम मोट, मांसक
मुस्टंडा कहुषहा कहुषहु, साक संगीन
संभुसड संडा स्बुल स्बुलकाम हुडा-
कटा हेकड । रे 'बबीब' ।

४९९. बुबला—अरक बर्मक अगक
कमबीर, किरसिठ हस हराकाम
हपित हपाप धाम बीब बीबकाम
बील बीना ठट्टी ठट्टी बीनर, तनु,
कुम्बर, बुबय बुबल तन्ब बपुषा
पठीक पत्रक पाठम्बर, पीन हाकेहाक
हीनाप । रे 'सूरम' 'महीन' ।

५. मोटाई—अतिकामता अतिकता
तबडानम बुडांगता पीनता पीबरता
पुष्टता प्रीकता, पूबुलांगता भीम
कामता मोटापन मुटाई, मांसकता
संभुसडी स्बुलता ।

५. १. बुबलापन—हपाडा सामता
पीनता भीबापन तनुता तन्बांगता
दुर्बकता ।

५. २. लवना—कमबीर होना मुठना

दुबक होना पतुहना कट पाना कटना
कापिर होना सिंस खाना मूब खाना
हककना हरकना ।

५. ३. सुकम—बपु, बमाक अस कप
हस गुन्कक तनु, मुटि पोड़ा पतभा
पाठर, बापीक रंभ रंभक खबकेप
रककन स्तोक । रे 'दुबका' 'महीन' ।

५. ४. स्बुल—मोट मोटा । रे 'मोटा'
'बबीब' ।

५. ५. महीन—बाँबर, बापीक मककन
सिडमिस भीला मेही ।

५. ६. बबीब—गऊ, इकदक माटी
मोटा ।

५. ७. घना—अबिरक अबिरक यस्तिन
यस्तिन गऊ, मुजान बनिष्ठ, सपन ।

५. ८. बिरक—कहीपही बाँबुमा
सिठपुट, सिठपुट, बहीठही पाठर,
परक-करक, फोडर, बिरक बीरर,
बीडर ।

५. ९. घनत्व—अबिरकता घनापन
सपनता सपनाई ।

५. १. बिरकता—असपनता फेकराई,
बीररपन ।

५. १. १. हकका—अगुद, नियब मुबुफ हकक
हकभा हकका हकुक हकका हकुक ।

५. १. २. भापी—कभीर, पीम्बुठह पडू
पड बीस बीकक बीकिक, भीम
बडनपाठ, बबनी स्बुल ।

५. १. ३. हककापन—अवरता कपुना
मुबुनाई, हकनाई हकनाई हकनाई,
हकबापन हकनाई ।

५१४ घाटीपल—घंभीरता बहूपल
 गरिमा गम्भाई, पस्ताई, पबवाई,
 पुस्ता पुस्ताई, मुस्तब पीरब बोध
 बहन स्तुता।

५१५ बड़े कान बाला—बीर्यकर्ण सं-
 कर्षं बृहत्कर्ण।

५१६ बहिरा—बभ्रुत उन्नीभवा एङ
 क्तब बभिर, बहिर, बहिरा भवप्पट्ट।

५१७ बनकटा—कानकटा संडकर्ण
 बृथा सभुकर्ण।

५१८ नकटा—अनासिकी नाककटा
 विनतनासिका।

५१९ भूना—भनबोळता भवाक बीगा
 भूंग भुप्पा भुनि भूक भागृहित
 भाग्हीन।

५२० भूयापन—भीगी भुपी भूकटा।

५२१ बीतला—भुवण भुवराते बाला
 भुवपीहा।

५२२ हकलना—भुवणना भुनलाना
 तीतलाना तीतराना मटकना हका-
 रना।

५२३ बड़े दाँत बाला—कराल खंगहा
 बंगुल बंगुमा बंगुड।

५२४ दाँत रहित—निर्दन्त पीपक्य।

५२५ भूर्ध भवत्या प्राप्त होने पर
 निकलने वाला अतिरिक्त दाँत—
 अतिरिक्ताङ्ग बुधिरत।

५२६ जितके आगे का दाँत मूदा हो—
 पीडा साङ्ग।

५२७ बीर्यबल—भाजानुबाहु प्रलम्ब
 बाहु मठाबाहु।

५२८ जितका हाथ कटा हुआ या घुना

हो—दुन्टा दूँडा दूँठ दूँट टैटा धुंभ
 लूह मूला लोच हनकटा।

५२९ छोटी मुखा बाला—कुकर, दूँठ,
 दूँठा बूँठा।

५३० जिसका कूबड़ निकला हो—
 कुबजा कुबजी कुबड़ा कुबण कुबडाह,
 कुबड़ी कुम्ब कुम्बा कुम्बी कुम्बर,
 कुम्बर, मकुल।

५३१ ठोंढवाला—उतपीवर, तुमिब
 तुमैल ठोंढस ठोंढल ठोंढवाका।

५३२ लँगड़ा—अंगभंग अपाय अपंन
 अपाहित लंज लोर निपंग पन पपा
 पंगु, पंगुस लंगड़ लंगड़ा लंज लूका
 लँगड़ा।

५३३ लँगड़ापन—सभक लंगड़ापन
 लंन।

५३४ जितके हाथ पीठ दोनों बड़े हों
 —अपड कर्षन।

५३५ देड़े मेड़े अर्धों का अनुप्य—
 अप्टावक।

५३६ जिसका कोई अंग छोटा बड़ा
 या अधिक हो—पीपड।

५३७ अंग भंग बाला—अंगभंगी लीङ्ग
 लीङ्गा लटक हीनाप।

५३८ अपाहित—अंगभंग अपाहित
 लंग निपंग लुंज ललालेदड़ा।

५३९ अक्षीन—हीनांग।

५४० जिना रेहू का—अगनु, अरेहू
 अंगन अगनी।

५४१ रबच्छ—अननिर्धी अनडिन
 निर्मल पवित्र पावन पून पुठ लारु,
 मुबरा रबच्छी।

५४२ रीता—अरबच्छ वलुपित रीदका

गंदा पकीत गंभीर शिरकीन चौकट
नापाक पापुळ मसमुकठ मसिन
मकीन ।

५४३ मसिन—अपवित्र अपाकन अणु
नीत अणुत अमेव्य अणुषि अणुद
अस्वच्छ कसुपी कुचीळ गंभीर पेंदला
पंदा पकीत शिरकीन चौकट, मसमुकठ
मकीन । हे 'मैसा' ।

५४४ स्वच्छता—निर्मलता पवित्रता
पाकता पुतता छत्रई, सुपरई,
सुपरपन ।

५४५ मैसापन—अपवित्रता अणुयता
अणुदि कसप कसुपता मदीयी गंधापन
पसावत मसिनता मसिनाई, मासिम्य
मकीनता ।

५४६ मैस—मस पंदयी । हे 'मैसा
पन' ।

५४७ स्वच्छ करना—सोधारना सोधा
रना चमकाना बोना फीचना मीचना
छत्राई करना छात्र करना ।

५४८ गंदा करना—अणुद करना
कराव करना नापाक करना परम्य
करना म्यट करना मैसा करना ।

५४९ सोधारना—सोधारना विधीरना
बाबर करना निमज्जना मचना कू
टना हुलकोरना हिकाना हिकोरना ।
हे 'पंदा करना' ।

५५ बोना—कचारना घोना बोचना
पचारना पचारना प्रसादन करना प्रसा-
नित करना फीचना छात्र करना ठाबुन
कपाना ।

५५१ बुनाना—बुनवाना बुनाना
बोवाना ।

५५२ साङ्गना—पेंठना छटकारना
साङ्ग बुहार करना साङ्ग देना साङ्ग
बुहार देना छारना छारना-बुहारना
पेंठना छटकारना बटोरना बहारना
बुहारना रवङ्गना छत्राई करना छात्र
करना स्वच्छ करना ।

५५३ साङ्गन—कूषा पमछा साङ्ग,
छारन टुकडा बङ्गी बुहारी ।

५५४ पछोरना—छाचना पछोरना
पिछोरना छटकारना छात्र करना ।

५५५ निवासी—अधिवासी निवासी
बसेरी बसेर वासिवा वासिवा वासी ।

५५६ बंजली—बापक बनज बनीजा
बग्य बनज बन्य ।

५५७ बनवासी—अपली बापक बन
बांवी बनचर, बसचापी बनीजा बन
बांवी बनचर, बनचापी बनचापी बनीजा
विपिन-विहारी ।

५५८ ग्रामवासी—पबरेहा पेंबार, ग्राम-
वासी ग्रामस्य ग्रामीच ग्राम्य ग्राम्य
देहाली ।

५५९ पेंबार—बैनाक ग्रामीच ग्राम्य ।

५६ पेंबारपन—पेंबारपन पेंबारपना
पेंबारी देहालीपन बेबकूळी मूर्खता ।

५६१ पुरवासी—नपरवासी नापरिक
पुरवासी पीर, प्रब प्रबन सहरपी ।

५६२ नपरवासी—नपरवा नपरवासी
नगरी नापरिक पुरवासी सहरपी सहर
पती ।

५६३ नापरिकता—नपरई सहरपती
पन ।

५६४ सहरा—अपम अगम्य अपाम
अपाह, अतलस्पर्ती, अपाह, बोरा बीडा

बीड़ी बई, बंभीर, बम्हीर, यहन गहूच
निम्न गहिर, प्रबाइ।

५६५ छिन्नका—उपराव उतार, उपका
बोबरा छिन्नक।

५६६ गहरापन—बबाहता पंभीरता
गहराई, गहरापन गहुरपब।

५६७ छिन्नकापन—उपकापन।

५६८ उबाइ—ऊबइ बंडहर, बंडहर,
उबाइ, नष्ट बबाइ, बीरान बिनष्ट,
बीरान गुनघान घुसा।

५६९ हरा-भरा—बभ्ठा सुधरय सुध-
हाइ सुधबार, पुररीणइ बसा भसा
मनघायन मनोरम मनोरस कहुकहुता
सरसम्ब।

५७० उबाइना—उबाइना उबरना
उबाइ होना उबू बोडना पीबइ
बोडना बूळ उडना बूळ में बिलना
नष्ट होना बीरान होना नष्ट-नष्ट
होना बबाइ होना बिलटना बिलष्ट
होना बिनाइ होना घिसार बोडना।

५७१ लंकरा—कमठीक कस ठंन
पतला पतर, संकट, संकीर्ण संकुच
संकुचित संकेत लंकर।

५७२ संकीर्ण—ठंणी पतराई, लंकरापन
सिद्धुडाब संकीर्णता।

५७३ विस्तृत—आयत कुपाहा मुच
ऊनक बीरय बीर्य पंकाब पैलाब
लंबाबीडा विपाळ विलारमुच
विस्तीर्ण मुविरान।

५७४ विस्तार—बब चौडाई चौडान
चौडानन प्रमार पैमाब लंबाब लंबान
विस्तीर्णता लंबान-चौडान।

५७५ उबा-बीबा—बबिल अघम

उबाइना उबर, उबाइ उबाइ-बाबइ
बाबइ नाबरबर, बीहइ रड।

५७६ बहू स्थान जहाँ कोई न जा सके—
अमम अममनीय अगम्य बबपट,
बीबट बहूण दुर्मम दुर्मम्य।

५७७ अ बहू स्थान जहाँ सब जा सके
—गम गमनीय नम्य सुमम।

५७८ समतल—बिकना बिकन
बीरस बराबर, सपाट सुबिबकन ह्म-
बार।

५७९ समतल करना—करोचना करो-
चना करोना कुरेचना कुरेचना करो
चना कुरचना छीटना छीटना छोचना
बराबर करना ह्मबार करना सम करना
साइ करना।

५८० बिकना—बिकन बिकन
बिबिबक मसुण मुकायम सरकाई
घनेह, घलेह सिग्ब।

५८१ कुरकुरा—असमतल कर्कर, कर्कप
करकप पुरबरा कुरकुरा करेप
नाबरबर, नाहमबार।

५८२ बिकनाहूट—बिकनाई, बिकनघटा
मसुणता मुतायमियत सिग्बता।

५८३ कुरकुरापन—बर्षता करकप
पन कुरकुराहूट कुरकुरापन नाहमबापी।

५८४ बंडाकार—बडकार, बंडाहूट
बारामी बीबापी विवाकार, बिबलिया
कार।

५८५ पील—कुडतावार, पीला पीला-
वार, मंडतावार, बर्तुल बर्तुलवार, बृत
बृताकार।

५८६ पीताई—पीलम्बर, पीतायन
दायरा मडक बृतावारता।

५८६ तिक्कोना—तिक्कोन तिक्कोनिया
तिनक्कोना तिक्कोन।

५८७. चौकोर—चउकोर, चतुर्कोनिक
चौकोना चौकुंटा चौकुंटा चौकुंटा।

५८८ ध्वनि—बवाज मारन बाबाज
कूज घोप घोपना मुनि नाद निनाद,
निर्घोष रव राव निनाद मिह्वि, बोकी
बाक्य बापी बाबा धम्भ, स्वप्न सवह,
स्वर।

५८९. धोर—ऐस करकर, करी कलकक
कतरन कायकाय कायकाय कोकाहल
बुक पुपाड़ा बिठाहट, बिस्कायो
बिस्काहट, धया टोर, रोका रीका
घोरपुठ हुंगामा हुठिका हुका हुस्क
हुका हुहुका।

५९० बिस्काता—बलमाना मस्काना
करा करना कोकाहल करना गुकगपाड़ा
करना बिबिमाना बिस्काता बीकना
बीकना गरियाना बाप बाप करना घोर
करना बिबिमाना रोना घोर मषाना
हुका करना हुका मषाना।

५९१ कककारना—उमाङ्गना चुनीटी
देना बीकेज करना ठाक देना
हुङ्कना हुङ्करना हुङ्कारना हुङ्कारना
हुङ्कना।

५९२ बिस्काहट—बिस्कायो बीक
बीकार, हो हुका। दे 'घोर'।

५९३ कककार—चुनीटी बीकेज हुङ्कार,
हुङ्कना।

५९४ बीकना—बिबाङ्गना बिकरना
बिबाना बिबाना बिबाना बिबि
कना बीकार करना।

५९५ बिबाङ्ग—कूह, बिबाङ्ग बिकार,
बिबकार।

५९६. बिबाङ्गना—बिकियाता बिकरना
बिकारना बिबाङ्गना बिबाना
बीकना रेंकना।

५९७. बहाङ्ग—मरन मर्जन डाङ्ग बाङ्ग।

५९८. बहाङ्गना—मर्कमर्काना मरनना
मर्नना मर्जन करना गाजना मङ्कमङ्कना
बिबाङ्गना बहाङ्ग मारना बाङ्गना।

५९९. पुकार—बाबाज बाबाहल गोहार,
टेर, बुसाहट, रट, हाक।

६० पुकारना—बाबाज कमाना
बाहल करना योहरना बिबका कर
कहना टेरना डीक डीक करना डीकना
बुकाता छना हाक मारना हाक
कमाना।

६१ मुना—कर्म कुहर में रखना
कर्म बोधर करना काग देना ध्यान देना
मरन करना।

६२ मुनासी—भोपना बिबोरा मुमी।

६३ स्तम्भ—बकबक बवाक ठक,
निस्तम्भ नीरन भीचकटा घांठ सन
सध स्तम्भ हुकवारनका।

६४ सध हो जाला—बकबकाना
बवाक होना, भावपर्यचकित होना
बावपर्य में पङ्कना कर्तव्य विमुङ्क होना
कठ मार जाना किकर्तव्यविमुङ्क होना
चकित होना ठक होना ताग्नुब में पङ्कना
मकुजाना मुकाना सध होना स्तम्भित
होना स्थपित होना हुका बचना होना।
दे 'बकपाना'।

६५. स्तम्भता—निस्तम्भता नीरकटा
घांठि समाटा।

६०६. स्तम्भित—बधाक उद्बोधित चकित
चुप ठक, धर्मित निरुपल
निस्तम्भ भौचक भौचकक भौचकका
धर्मित निस्मित सुप्त ।

६०७. चुप्पा—अनबोधता अभाषी
अवक्ता अमबोधता कुम्भा कुम्भा
तुष्पीक तुष्पीमूत नीरव नीनयुक्त
मीनवृषी मीनी ।

६०८. आमोघ—अधाक अमोघ चुप
चुपका चुपचाप तुष्पी मीन ।

६०९. आमोघी—अधाकता चुप्पी तुष्पी
नीरवता मीन ।

६१ आम्मी—कहता बहुवा अपोड़ी
मप्पी बल्की बतकक बातूनी बोळता
मायबपट्ट, बल्ता बाकबतुर, बाबुपट्ट,
बायील हाकिमेबाका । रे 'बकबादी' ।

६११ अकबाद—अकबक कबकब किच
किच पिटकिट, नप, नपडुधीय गाळबुल
धेपि प्रकाय अकबक, अकबाद ।
रे 'बिबाद' ।

६१२ अकबादी—अकबादी बल्की
बाबाद । रे 'आम्मी' ।

६१३ अकना—अडबड करना अकबक
करना ऊटपटीय बहुना पलना प्रकाय
करना अकनक करना अकबक करवा
अकबाद करना अडबड करना
अडबडाना अरना ।

६१४ अकन—अकि नकनी नवा कहल
बहुनउठ बहुनाउठ बहुनाबत नहा
बहुनाबत अमान मान बागी अकन अकन,
तबड ।

६१५ अकित—अकन नहा हुवा, अकित ।

६१६. अर्धन करना—अधन कना
अधना कहना, अिच अीचना अिच देना
अिच रखना अिचित करना नकसा
अीचना नकसा देना निवेदन करना
अतधना अतकाना अमान करना अमान
देना अरना बोळना रैयना रैचित
करना अिबरण देना अममाना ।

६१७. अर्धनीय—अध अधनीय अध
कहा अधनीय अर्थ ।

६१८. अअर्धनीय—अअध अअधनीय
अअध अकह, अकहुवा अनिअर्धनीय ।

६१९. अपर्यक्त—अपरीकृत पूर्वोक्त ।

६२ निम्नोक्त—निम्नकथित ।

६२१ बात—बवा बर्षा डिक, प्रतंन
बचन बाबा बातधीत बाती बोली
बापी बाती । रे 'बकबाद' ।

६२२ बाकना (अथ वा बात)—अ्याअ
करना निबाहना निबाहि करना पालन
करना प्रतिपादन करना रखा करना ।

६२३ बात चीत करना—अकान करना
अतधना अतकाना अतिमाना बात
करना बोळना संभाषण संभाष करना
बातीभाष करना ।

६२४ बाताफुली—अनपुठकी बाता-
बानी बाताफुलकी बाताफुली बाता-
बाती संघ-फूल ।

बिरोप—'करना' ओडकर इचकी अिनारै
बना अचते हैं ।

६२५ अनाथ-अनाथ—अड-अड अकन
अकन आर्य-आर्य ऊट-पटीय नपअन
या अथ ।

६२६. मपना—मपड़बीस करना मप मारना मप हूँकना मप मारना मप हूँकना बीस मारना या हूँकना प्रणय करना बकबाद करना ।

६२७. तकिया कलाम—सकुन तकिया सकुन तकिया मुबन तकिया ।

६२८. हँसी—बिहसन हँसम हँसमि हँसाई, हँसाम हाँस हाँसी ह हाँस हाँस ।

६२९. खोर की हँसी—अट्टहास कहुकहा लकवा ।

६३ हँसना—कहुकहाणा कहुकहा मारना कहुकहा क्याना खिखिलाना ठठाकर हँसना ठट्ठा मारना ठहका मारना बरौसी बिबाना बिहँसना हाँस करना ।

६३१ मुसकराहट—मुसकानि मुस कनिया मुसक्याल मुसकुराहट, मुसकान मुस्कान मुस्क्याल मुस्की स्मिति ।

६३२ मुसकराना—बिबुराना बिहँसना मुसकाना मुसकुराना मुसक्याना मुस्की केना सस्मिठ होना हँसना ।

६३३ मपुर मुस्कान बाला—बादहासी मुहास मुहासी ।

६३४ बिबसे बात करना उचित हो—संभाष्य ।

६३५. संभाषी—बकानी बाकानी बोल्ने बाका बका भाषी बकबासी ।
रे 'बाणी' ।

६३६ प्रियभाषी—प्रियवासी मबुरभाषी मिष्टभाषी ।

६३७. ब्यँप्य—बासोप बाक्य अबाबा आबाब कुबेकी चुटकी टाना टानाबनी बिरहु, बोकाठीकी बोकीठीकी ब्यंग मीठी चुटकी ।

६३८. ब्यँप्य करना—जबाब कसना बाबाबा कसना टानाबनी करना टाना मारना बिरहु बोकना बोली बोकना बोली ठोसी कहना ब्यंग कसना ब्यंग कहना ।

६३९. फटकार—खरी खोटी खँट, खँट खपट ताड़न ताड़ना फिटकार ।

६४ फटकारना—खोटी खरी मुनाना मुड़काना खपटना खँटना खरेंना ताड़ना खपटना खपेटना । रे 'बिककारना' ।

६४१ गाळी—पंवी जवान जपसब्य मारी गाळी-मखोज बाळी-मुज्जा कु बचन बरबवान ।

६४२ गाळी देना—जपसब्य कहना पंवी जवान निकारना बरियाणा जवान बियाङना बरबवान कहना ।

६४३ बिबाब—ककहु, समडा शपण टंटा तकटाट, घट, हुज्जट । रे बकबाव' ।

६४४ भाहट—बाबाब बाक बमक ।

६४५. संकार—भंकार, सनकार, सन-बनाहट सनासन सभाहट ।

६४६ कोयल की बोली—कुहु कूक कूकना ।

६४७. कूङना—कूङन करना कूङकना कूङकना कूकना कूङना गाना बह कना बहबहाना पीकना संराब करना ।

६४८ कृञ्—कृञ्ज कृह, कृहुक कृह कृक
अहक संवाच ।

६४९. अहकना—उड़ना किलकिसला
खिल उठना खिलखिलाना कुम्भ होना
अहकना अहकहाना बुलबुलाना प्रयत्न
होना घीमिठ होना, हरा होना हर्षित
होना ।

६५० बार—अपान वामु, नोज हवा ।

६५१ पावना—अपान वामु छोड़ना पुषा
स्व वामु छोड़ना नोज करना पाद
छोड़ना हवा छोड़ना हवा छोड़ना ।

६५२ काम—करतव्य करगूठ करनी
करम कर्तव्य कर्म काज वारज कर्म
इति इत्य संबा रोडगाट, रोड़ी ।

६५३ कारव—वाहन ठंठ निमित्त
प्रत्यय अत्रह उच्यते हेतु ।

६५४ करना—अजाम देना कर डालना
कर देना कर सेना निबटना भुषणाना
संपारना संपाप्ति करना साधना ।

६५५ सिद्ध होना (कार्य आदि)—
पानम होना ठीक होना पूर्ण होना पूरा
होना बनना सचना सठक होना मत्वाप्य
होना निजना ही जाना होना ।

६५६ सिराना (काम आदि)—अच्छा
लगना, बन पड़ना होना वाक्य होना ही
मचना ।

६५७. कुकर—आमान सरल सापारल
नीचा ।

६५८ कुप्कर—अजम कटिनि क्लिष्ट,
अइ कुमाध्य देवीया कुरिहक विजट,
विहराल ।

६५९. करने वाला—कर्मचारी कर्मठ,
कमिष्ठ, कर्मी कामकाजी कार्यकर्ता ।

६६० कामचोर—अकर्मव्य अकर्ता
असहृषी आत्मगी कूर, निकम्मा
निकामी निठल्लू बेकामी ।

६६१ कर्तव्य—करणीय कर्म कर्य ।

६६२ अकर्तव्य—अकर्म अकर्म्य अकर्य ।

६६३ किया हुआ—किमा इत्य ।

६६४ आना—आगमन करना आनर
करना उपस्थित होना अस्कर मारना
बर्षा देना पधार्य करना पधारना
प्रवेश करना समझ आना हाजिर होना ।

६६५ आना—अपमर होना आने
बढ़ना कड़ना पमान करना मुसुबना
अलना अलापमान होना निकलना
निकलना पधार्य करना पधारना
प्रस्थान करना बढ़ना विचलित होना
सरलना स्वपित होना इटना ।

६६६. आना—अबाई, आपमन आमर,
आपन ।

६६७ प्रस्थान—अपन अलचक्राव अला
अल अलापली जाना जाना यात्रा
स्वमती विपार्ई ।

६६८ अगवानी—अपमानी अगवाई
अगवानी अम्यवना पैघबाई स्थापन ।

६६९. अगवानी करना—आने बढ़कर
सेना इत्तरवाक करना पैघबाई करना
स्थापन करना ।

६७० दामना—अमकाना निजवाना
दिपाना दूर करना अगाना मरवाना
इटना ।

६७१ अघतर होना—अगुमना अनु

माना अपुसुरना अपसर होना जागे
बढ़ना समति करना बँकना तरककी
करना पहुँच करना पहुँच कइमी करना
बढ़ना ।

१७२ बीड़ना—मतिमान होना बीड़ना
बीड़ मारना बीड़ समाना बीरना मजदरना
बाचना नी बी म्यारह होना नाचना
पठना प्रभावित होना मचना मजना
भापना भाजना बेमवान होना सबेग
बलना ।

१७३ बीड़—दर, बीड़ाहट भगाई, रिस ।

१७४ बीड़ना—खरेना खरेना
बड़काता बीरना पीकियाता पीकि-
याना पीछा करना बइकाना ममाना
लखरना ।

१७५ बीड़ना—भूम जाना उकटना
भूमना भूम पड़ना परावर्तन करना
पकटना छिटना बहुरना मुड़ना बापस
जाना बापिस जाना ।

१७६ बलना—जाये बढ़ना क्यफूर होना
पसकना, लिसकना विसकना घुमुकना
बँपत होना बलना टरकना टरकना
टमकना दिपना नी बी म्यारह होना,
बिचसना बिछकना भागना भाग जाना
भापना रकूबकर होना रेंपना सरकना,
हटना ।

१७७ बलम—डग बम पनरा पाँच फल ।

१७८ बल—बहुँ बँबल बलना-छिरो
बलापवान पँबब ।

१७९ बबल—अबर, बबला बटल
बबिबल बड़ बमिउ दूँ निरबल
निरबल, मुँब मुँबिब, स्पमिउ रबापी
रबाबर, रिवर ।

१८ गति—कौपकी कपन कपना,
बाळ परपरहट, हरकट हिकना ।

१८१ चोकड़ी—उठककूप उठक
कुर्बाँ कुडीम कुर्बाँर उमाँम फार ।

१८२ उठाकना—उठकाना मँबाना
फँशाना लँबाना ।

१८३ उठकना—कुबकना कुबान सेना
उठाक मारना कूवना बँकना लबना
नापना फारना कुबकना बीपना ।

१८४ उठकना—उठकना उठकना
उठना उठकना उठकना ऊपर जाना
बूरना बड़ना लपना ।
बे 'उठकना' ।

१८५ उठकना—उठक होना हमर उठक
होना उठक कूर करना बमकना छट
कना छिटकना विरकना फड़कना
फरकना फुरकना ।

१८६ उठकना—उठकना ऊपर से जाना
उठकपन करना उठक मारना डाकना
नापना पार करना फकींग मारना
फारना लँपन करना ।

१८७ उठकना—उठक पुनपल पुमाई,
पर्यटन भर्मन यमथ मटरगली यात्रा
इत्या मजूर ।

१८८ उठकना—उठकना, उठक करना
पुमना छिना बलना छिना पर्यक
करना भँबना बरमना यमथ करना
यमना यात्रा करना उठक करना ।

१८९ उठकना—उठकियन होना, उठकना
दिवना छिना, उठक डालना उठक देना
न जाना न जाना, दिवना बमना
रहना रहना दिव होना, हुँना ।

- ६९ ठिकाना—ठेकाना ठेकान बसेरा
रहब रहाइस रहाब ।
- ६९१ ठहराना—बर देना बमाना
ठिकाना ठिकाना देना डेरा देना
बसाना रहाइस कराना रहाना ।
- ६९२ ठहराब—बगाह, ठाँव ठिकान
डेरा ।
- ६९३ पाबी—अध्वज अध्वनीन अध्वन्य
गन्तु, पाबी पंथी पबक पपिक पबी
पाप पापिअ पापब बटोही मार्गी
यापिक राही ।
- ६९४ बककर लमाना—काबा काटना
भुमना थोरियाना बकफेरी देना
बककर मारना बीड़भुप करना फेरु वा
परिक्रमा करना फेरी देना मँबना
घमना घमित होला मँबरपना ।
- ६९५ बटकना—मुमराइ होना बहक
जाना बहकना भरमना भुक्ता राइ
भुक्ता । ई 'भुक्ता' ।
- ६९६ बटकना—बटकने वाला घनी ।
- ६९७ बितकन—बितकनाहट, बिबिकन
रपट रपटन रपट्टा ।
- ६९९ बितकना—बिरला गिर पड़ना
पड़ना पिछकना बिठकना बिछलाना
बिछिकाना रपटना सफिकना सरकना ।
- ७ भरपाना—बरपाना भरपाना
भरपाना बहप बड़ना ।
- ७ १ बड़कना—बड़ बना बड़ कि
पड़ना उड़कना बिरला ठोकर जाना
डोंदिकाना बुनुकना ।
- ७ २ लड़काना—बिरपाना हुकराना

- डोंदिकाना हुकमाना हुलाना डोडना
फँकना लड़कना मुझाना ।
- ७०३ ठोकर—जाबाठ जुकु चोट,
ठककर, ठककर, ठेस पक्का ।
- ७ ४ बकियाना—ठेकना डकेलना
बकेलना पककम-बकका करना बकक
देना ।
- ७ ५ बर्बनियाँ देना—अर्बचंद्र देना
निकालना ।
- ७ ६ डकराना—अड़ना चोट जाना
ठककर जाना ठककर मारना ठककर
मारना ठोकर जाना ठोकर लेना पकक
जाना भिड़ना ।
- ७ ७ लड़काना—बड़बड़ाना बर
बरपाना सोका जाना डकडपाना डफ-
डोक्ता डपना डगमजाना डिगना
कटपटाना कुरकुराना बिचकना बिच-
मित होना हिक्ता ।
- ७ ८ गिरना—बकति होना वा पड़ना
गिरना तनबनुकी करना पड़ना पला
पहन होना पतिठ होना पाठ होना
मुड़कना ।
- ७ ९ बड़ाई—उत्पमन उत्पान आरो-
हण बड़ना आरोहण रोहण रोहना ।
- ७१ बड़ना—बरोहना आरोहण करना
अर जाना ।
- ७११ बड़नेवाला—उत्पमक आरोही
रोहक रोही ।
- ७१२ हाँपना—उकटी हाँप लेना ठेज
हाँप लेना हँकपना हाँपना हाँप हाँप
करना हाँपना ।
- ७१३ रचाँत—उच्छवास उपाह दम
पबल रचाम रचासा हाँप हँकरी ।

- ७१४ झकोर—झकोरुन कपन यति
झकोर डोचना हरकठ हिकार्ड
हिकोर ।
- ७१५ झकोरना—झोपाना कपित करना
थडाना झुलाना झोरना झुलाना हरकठ
करना हिकाना हिकोड़ना हिकोरना ।
- ७१६ झुलना—कपित होना कपितना
झोके खाना डोचना छहणना हिकना ।
७१७. ह्रीकना—आने बडाना बडाना
बडाना रेंबाना ।
७१८. टपकना—मिलना चुना टपटप
पिलना निचुरना रसना ।
७१९. टपकाना—बिरयना चुमाना टपका
देना टपकाना निचोळना रसाना ।
- ७२ बोझना (बाध पाड़ी भादि)—
डाकना धरना मार डाकना लारना ।
- ७२ अ. बोझ—मार बडन बोझा ।
- ७२१ उठारना—प्रक्रियाणा आलीकना
नीचे लाना बोझ उठारना हुलक
करना ।
- ७२२ नजर—जाप डीठ दिष्टि दिष्टि
दिष्टि डीठ बीवा दृष्टि, नजरि, नजारा
नियह निबाह ।
- ७२३ देवना—अवलोचना अवलोचन
करना पुरना चिपचना चिताना बोधना
बोहना लारना ठकना लारना
ठिकरना दार्शन करना दृष्टिमान करना
दृष्टिबोधर करना दृष्टि केरना नजरना
नजरना निरलना निरीक्षण करना
निहारना देवना प्रवेद्य करना बिलो-
चना, लतना देवना ।
- ७२४ दिखार्ड देना—दार्शन होना, रिचयना

- दिखार्ड पडना रिचयना बीखना बीषना
दृष्टिमान होना दृष्टिबोधर होना लीकना ।
- ७२५ दिखाना—बिचवाना रेंचवाना
बडन कराना दिखयना दिखयाना
दिखलाना दृष्टिबोधर कपना देखयना
देखयाना देखलाना देखाना देखानना
निरीक्षण कराना परीक्षा कराना लखाना
हेणना ।
७२६. एकटक देखना—बनिमेय देखना
अपलक देखना टकटकाना टकटकी
बाजना ।
७२७. दूरदर्शी—अप्रधीची परिणामदर्शी
दूरवेस दूरदर्शक ।
- ७२८ दूरदर्शिता—अप्रधीचिता दूरवेदी
परिणाम दृष्टि ।
७२९. दृश्य—बिच तमाछा नकारा
नजारा चीन ।
- ७३ अदृश्य—अंतर्बनि अपोचर, बरीठ
अदृष्ट, अलज हायब लप बिलीन ।
- ७३१ गुमाइछ—अदर्शनी गुमायप ।
- ७३२ देखादेखी—दिखादिली दिखदिटी
देखमाळ आसात्कार ।
- ७३३ दार्शन—अवलोचन देवना भािक,
भािकी दर्श देवना देखा-देखी अंत
मुलाबाठ सासात्कार ।
- ७३४ दर्शक—नमायाबीन दर्शी दिखहार
दिगीवा दृच देलनेबाला देवनादारा
देखरीया इत्या प्रदर्शक भोला ममा ।
- ७३५ दिखाया दृमा—दक्षिण प्रदर्शिन ।
- ७३६ दिखाऊ—ऊरी दिखावटी
दिधीया देगाऊ, अलबनाऊ, बनावटी ।

७३७. विघसाई—विघसवाई ।
७३८. बुमना—कौचाना जगना यकना मुबना बुयना छिरना घँसना पैठना बिबना भीतर जाना ।
७३९. बुमाना—कोचना कौचना कौंसना मझाना गुठाना मुमाना मोयना योमना मुसेकना मुसेरना छेरना बुमीना बोमना घँसाना घसाना पार करना बिल करना बीबना बेबना मेरना मीकना रंज करना रमित करना । रे 'बसाना' ।
७४. घुसना—अंदर जाना अंदर जाना गकना घुसकना घुसुकना घुसुरना घुमना बाबिळ होना बंसना घंस जाना पइयना पैठना प्रबिष्ट होना प्रवेश करना प्रवेश पाना भितराना भीतर जाना समाना हिछना हेछना ।
७४१. घुसाना—अंतर्गत करना अंदर करना नकाना मुमुयना मुसेकना घुमाना छोकना ठेछना बाबिळ करना घँसाना नाना नाबना पैठना पैठना पैसाना प्रबिष्ट कराना प्रवेश कराना भीतर घुसेकना हकाना । रे 'घुमाना' ।
७४२. प्रवेश—गति घुस बखळ पहुँच पैठ रखाई ।
७४३. प्रबिष्ट—अंतरस्थ घुसा बाबिळ घँसा पैठ पैठ हुवा हुवा ।
७४४. मसाला—भूर जाना बीकना पयना पकायन करना जगना माबना हूठना ।
७४५. पकायक—मगुवा मयोका मयीहा मगुका मयू ।
७४६. निकलना—अलग होना ककना निर्यंत होना निष्कासित होना बहिष्य

- होना बहिष्कृत होना बाहर जाना मयना ।
७४७. निकालना—अलग करना काकना लदेकना लदेरना छोटना छोकना दुरदुयना निर्गत करना निष्कासन करना निष्कासित करना निमृत् करना बर्बास्त करना बहिष्यंत करना बहिष्कृत करना बाहर करना मयाना हूठना ।
७४८. निकाला—अलग किया काकना निर्गत निष्कासित बहिष्यंत बहिष्कृत मयाना हूठना ।
७४९. उठना—उठना उठिष्ठ होना उठान करना उमठि करना खड़ा होना ठड़ा होना ठाढ़ होना ।
७५. बीठना—मासन प्रहृण करना, मासन बमना मासन केना उपबिष्ठ होना, उपवेशन करना उठरीऊ रजना बिरामना बीठना स्वाभ केना ।
७५१. बकना—आकलित होना ऊब जाना बीक होना बीका पकना कलित होना सिबिकाना सिबिक होना सिहयना हारना ।
७५२. बकाबद—अवसाह ककति खेर, बकान बकाहूट मीबनी सिबिकता भांति सिहयन हार ।
७५३. बका—आकलित कलित सेरित बकनाभूर, बीक बकमाबा बकित बकौहूट पस्त परिभांठ कस्त कस्त पस्त सिबिक अमित बमी भांठ कस्त सिहयना हार ।
७५४. बकमाला—अरसाना आकल होना आकल्य करना उनीघ होना ऊबना जपकना संरित होना निरित

होना प्रमत्त होना मंद होना मुस्त होना मुस्ती करना ।

७५५ अँपना—असमाना अँपना अँपाना अपकना अपकी सेना अँपना अँपित होना निअँपित होना पकक मारना कटकना मुस्त पकना ।

७५६ अँभाई—उभासी अमुभाई, पुम्भाई, पुम्भ अम्भा ।

७५७. अपकी—अँभाई, अँप अँपन अप ।

७५८ नीद—बासस उँपाई, अँभाई अँपकी निद निरास निरिया निरा मुप्ति ।

७५९. निअँपित—निद्रायमान प्रमुष्ट मुष्ट मुपुष्ट ।

७६ निद्रामु—अनीदा अँपना हुआ अँपित निरासा निद्रामुस्त ।

७६१ सीना—अँप लयना अरटि मरना अरटि सेना निद्रा सेना निअँपित हाना नीव में होना नीद सेना पीड़ना घपन करना मपन करना सोचना ।
रे 'विधाय करना' ।

७६२ बेसबर सीना—अरटि मरना अरटि मारना अरटि सेना ।

७६३ मुलाता—पीड़ना घपन करना सोचना, खाना ।

७६४ आराय—घट्ट विधाय विधाय घपन मुप ।

७६५. आराय करना—अँग मारना हपना अरायट दूर करना नीद सेना पीठ लपाना पीड़ना पीठना लोपना लोप बीट करना लोप पीट करना विराय सेना विधाय करना घपन करना मुलाता मुलाता, सेना ।

७६६ स्वप्न—आव उबाव सपना सुपना ।

७६७ अमुभाना (सोते में बोलना)—अकककाना अमुभाना बयाना बरना ।

७६८ आगरण—आन आगति आपरम आपरति आगति ।

७६९. आपना—ठठना अँतन्य होना अँकस होना अगना आगति होना आगना अत्रम होना सावधान होना ।

७७ आपना—उठाना अँतन्य करना अँतन्य करना आगति करना अत्रम करना सावधान करना ।

७७१ सपनयाना—सपाना सकपकाना सपरना मुपाना हिमना हिमना-दुकरना ।

७७२ टेक—आइ आभय बीट तकिया सहारा ।

७७३ टेकना—अइना आइना आइ लपाना आभय सेना बीट लपाना टेक लपाना टेक सेना, डामना सेना तकिया करना रपना महारा सेना ।

७७४ रोचना—अठपाना अइवाना अइवन टालना अइवट करना अइरोषन करना अइरोषना बीलन करना टट्ट राना घामना आगुना निवेप करना पीर अइवना अँनिरोष करना अँनिवेप करना अइवना मना करना रागना रोचना रट्ट करना अँपना, रोचना आग्य करना आवा टालना व्यापान डामना हटवना हार पइवना ।

७७५ निवारण करना—अलग करना दूर करना निवारण करना अइवाना

बर्जना मना करना रोकना बर्जना
 बारन करना बारना हुलना ।

७७६. रोकने वाला—अवरोधक अव-
 रोधी निषेधक बाधक विघ्नकर्ता रोकक
 स्तंभक ।

७७७. रोकना ठुमना—अवरोध अवरोधित
 बधित धामित निषिद्ध निषेधित बाधित
 मना रोक रोकना रोकना बर्जित बर्ज
 स्तंभित ।

७७८. रोक—अंकुश अवरोध धाम
 रबाध निषेध प्रतिबन्ध बर्जन मनाही
 मुमानिस्त रोकानट, रोकनाम स्तंभन ।

७७९. घेरना—अवरोध कर लेना अवरोध
 लेना आक्रान्त करना घेरना रोकना
 बंधन में डालना रोकना घेरना ।

७८०. घिरना—आवृत्त होना घेरना
 घेना वाला बंध वाला बंधन में होना
 घसना फँसना फँसना लगना ।

७८१. मडकना—बटक जाना मडना
 बरतना उलसना घिरना टिकना
 ठहरना फँसना फँसना बजना बसा
 खूना बरकना रुका रहना स्थित
 रहना ।

७८२. मडकाना—मडकाना मडाना,
 उलसाना घेना टिकाना ठहरना
 बसाना फँसाना रुकावट डालना
 रोकना बारन करना ।

७८३. बांधना—अमुचाना उलसाना
 गठिमाना बाँध लपाना बाँध देना प्रबि
 लवाना बंधन में डालना बांधना ।

७८४. बाँध—उलसाव बंधि बंधन ।

७८५. सहायता—मरद, संघ सहाद,

सहाई, सहाय साथ सहाय साहाम्य ।
 ८७६. विघ्न—अटकाव अड़ना अड़न
 अवरोध ठहराव बधन प्रतिबन्ध बाधा
 बाधकता विघ्न रोकना रुकावट, रोक
 रोवन व्यापाठ ।

७८७. सहाम्यता देना—आपे डकेलना
 बाने बडाना कंधा देना कंधा लगाना
 बसना देना बडाना बडाना देना मरद
 देना साथ देना सहाम्यता करना हाथ
 लगाना ।

७८८. विघ्न डालना—अटकाव अड़ना
 डालना या लगाना अवरोधना उलुक
 लगाना बाँधना बांधना प्रतिबन्ध
 लगाना रस्ता बन्द करना रुकावट
 डालना रोकना रोकना रोकना रोकना
 लगाना व्यापाठ डालना या रखना ।

७८९. सहायक—दया हाथ प्रतिपाठक
 मरदवार, सहाय ।

७९०. बाधक—अवरोधक अवरोधी
 विरोधी व्यापाठी ।

७९१. छिपना—अप्रकट होना अप्रकाशित
 रहना ओट में होना बाड़ में आना
 ओट में जाना गुप्त होना पुन होना
 डुकना बरक रहना बरक जाना
 डुकना डुकना हट जाना हटना ।

७९२. छिपाना—अँधेरे में रखना अप्रकट
 करना गुप्त करना घोपित करना
 पीपना, डुकाना लुकावना लुकावना ।

७९३. पायब करना (१)—अँठिमाना
 या जाना बटखों कर जाना गीब
 कर जाना हजम करना ।

७९४. पायब करना (२)—खो देना

छोड़ देना, भुलवाना भूल जाना
 होवाना ।

७१५. टटोलना—टवटोलना टवटोलना
 टवटोलना टवटोलना टटोलना टटोलना
 टुटुना टटोलना ।

७१६. टोडना—अनुसंधान करना
 छूटना लक्षणागत पना लगाना पोष
 करना होना ।

७१७. टोडवाना—गोर करना छूड़
 वाना लक्षणागत पना लगवाना पोष
 करवाना होवाना ।

७१८. टडकना—अव्यक्त करना आड में
 रगना झोट करना झोट न करना
 झींझना झींझना ठागना पण्डा करना
 न करना पीघना मूँना । दे
 टिगाना ।

७१९. उपाटना—उपाटना उपाट करना
 उपाटना करना पीछना चाहित
 करना नना करना नया करना नम
 करना वादा पीछना उपाट करना
 वादा करना वादापीछन करना उपाट
 करना ।

८. दावद—अपराध अपराध अपराध
 अपराध अपराध अपराध अपराध
 अपराध अपराध अपराध अपराध
 अपराध अपराध अपराध अपराध
 अपराध अपराध अपराध अपराध
 अपराध अपराध अपराध अपराध
 अपराध अपराध अपराध अपराध
 अपराध अपराध अपराध अपराध

८१. लोच—अपराध अपराध अपराध
 अपराध अपराध अपराध अपराध
 अपराध अपराध अपराध अपराध
 अपराध अपराध अपराध अपराध

८२. लोच—अपराध अपराध अपराध
 अपराध अपराध अपराध अपराध

८३. प्रावद—पराटना प्रावटना
 प्रावुर्भाव ।

८०४. रिक्त—अपूर्ण सानी गुफा
 सोसा छूट छूटा चीठा ।

७०५. मरा—अपूर्ण आनयोत दूरा पूर्ण
 मरापूरत ।

८६. सीतला—ठोस पीनला हामना
 पीना ।

विलोम—दे 'मरा' 'डोम' ।

८७. विषटना—व्युत्पन्न देवता
 धेपना पषटना विषटना निवृत्तना
 निमित्तना ।

८८. कलना (कलप)—पीपरना
 विषना मोटा मोटा होना मूना
 मोना मूल होना ।

८९. धानी करना—गन्धितना गन्धि-
 हाना निवृत्तना गन्धि करना ।

८९. मरना—अन्योन्य करना टुलना
 डेगना दूरा करना पूर्ण करना ।

८९. मड़ना—अना गन्धि होना
 गिना नना मड़ना मरना टवटना
 टट कर दिना पण्डा होना नम
 होना वात होना, रगना रगना होना ।

८९. मारना—अपराध अपराध अपराध
 अपराध अपराध अपराध अपराध
 अपराध अपराध अपराध अपराध
 अपराध अपराध अपराध अपराध
 अपराध अपराध अपराध अपराध
 अपराध अपराध अपराध अपराध

८९. मारना होना—अपराध अपराध
 अपराध अपराध अपराध अपराध
 अपराध अपराध अपराध अपराध

८९. मारना करना—अपराध अपराध
 अपराध अपराध अपराध अपराध
 अपराध अपराध अपराध अपराध

इकबोर, इकट्ठा इकतर, इकत्र इकसूरत
इकैठ, एकत एकपित कुञ्ज ।

८६१ एकत्र किया हुआ—एकत्र संक-
लित संघहीठ संगृहीठ संघित संजोइक
संजीवक, संहृष्ट संहित समवेत ।

८६२ संग्रह—अथ संकल्प संभयन ।

८६३ बिखेरना—इधर उधर करना
छितराना छीटना छितर बितर करना
वीन वेख करना पसारना प्रकाश करना
प्रचार करना फैलाना बखेरना बाख
बाट करना बीयना बिषारना ।

८६४ बूचना (मोती आदि)—नुत्पी
करना बूचना टीकना परोहना पिरोना
पोहना जगाना, सीना ।

८६५ बिखरना—इधर उधर होना छिट
जाना छिटना छिटाना छितराना पस
रना प्रसखि होना फैलाना बिखरना ।
बिलोम—ई 'एकत्र होना' ।

८६६ बडोरना (वस्तु या इष्य)
—इकट्ठा करना एकत्र करना एकपित
करना जुटाना जुटाना बिटोरना संकल्प
करना संकलित करना संभय करना
संग्रह करना संकेपना समेटना । ई
'एकत्र करना' ।

८६७ जुटाना—अपभ्रंश करना उड़ाना
खरचना सोना गैबाना ई बेना पानी
की टाख बहाना किमूलबर्षी करना
बखार कर बाकना बहाना बाट देना ।
ई 'छेकना' ।

८६८ छेकना—गिराना मेरना छाड़ना
छोड़ना डगना डारना चुन्ने में
डालना स्वादना, डूर करना नागा
नाबना निकालना प्रसोपन करना ।

८६९ बटोरना (अंश आदि)—
बूचिना बूटाना संकोच करना
समेटना सिमितना सिकोड़ना ।

८७० फैलाना (अंश आदि)—खानना
पसारना विस्तार देना ।

८७१ फैलाना—अड़ाना अकिरण करना
गिराना जगना छितराना बडाना
बासना फेंकना बगारना बगारना बचना
बहाना बिखेरना बिखारना बिषुराना
बिपीरना बिखतरना विस्तारना बीगना
बीना ।

८७२ बूटना—अड अड होना अडित
होना अटकना अटकना अनकना
तककना ।

८७३ तोड़ना—अड-अड करना अडित
करना अटकना अटकाना तककना
अंश करना अंशना अंशन करना ।

८७४ जोड़ना—एक में करना जोड़ना
जुक्त करना जुटाना जुड़ना जोरना
मिछाना संयुक्त करना ।

८७५ जुड़ा हुआ—जुटा जोड़ा संयुक्त
संयुक्त संयुक्त समन्वित समवेत समेत ।

८७६ डुकड़ा—कांड अंड चिरी चिट,
छ बुला नक परकाका फाक
अंश पाख साका । ई 'अभ्याय' ।

८७७ जिसके डुकड़े न हों—अखंड
अखंडक अखंडित अखिक अमंग अमंजी
अमल अमंजन अविभाज्य ।

८७८ अडित—अपूर्व अल्प टूटा हुआ
नल ।

८७९ सम्पूर्व—अकांड अयुक्त अखंड,
अखंडित अखिक अयमान नामित
अंक ठाड़ा तमाम निखित पूरा पूर्ण

विस्मिता करना रोपना घुस करना
धीगधेय करना समझत करना घुसपात
करना ।

८१५ बगाना—दे 'बगाना' ।

८१६ बगानेबागाना—निर्माया प्रभेदा
विशामक रचक रचयिता विशामक
सर्वक सिरजक सिरजकहार, घुसक
घुसकहार ।

८१७ बगाने होना—उपना उत्पन्न होना
उपना पैदा होना प्रसूत होना । दे
'आरम्भ होना' ।

८१८ बगाना हुआ—उत्पन्न उत्पन्न
अ उपसूत बना बाप पैदा प्रसूत संवात

८१९ नाकाना—बस करना नाचना
पूँकना मिटाना विनासना संहारना
समाप्त करना ।

बिस्मोम—दे 'रचना' 'बगाना' ।

८२० रीबना—अररना काँड़ना कृष
कना कृषकना बहकना छिन्न-मिन्न
करना नष्ट करना नष्ट-घष्ट करना
नेस्तनाबूद करना बर्बाद करना मर्दन
करना अवधना रीबना ।

८२१ समाप्त होना—बंत होना अक-
सान होना घुसला निशेय होना
पुन होना पूर्ण होना बीठना व्यतीत
होना संपूर्ण होना ।

८२२ नगना—अव होना अम होना
अवना नसना घुसना मिटाना विनासना
विनासना संहारना समाप्त होना ।

बिस्मोम—दे 'बगाना' ।

८२३ नास—अंत अकसान अर अर
अंसन असाही नास पचमअ बरबाही

बर्बाही अंसन अर अर अर अर
बिनसन विनास विनास संघ
समाप्ति ।

बिस्मोम—दे १ 'निर्मा' 'रचना'
२ 'अम' 'आरम्भ' ।

८२४ बाकक—अंतक अर अर
अर अर अर अर अर अर अर
नासकरी नासकारी नासी ना
बिस्मोम विनासक विनासी संघ
हवा हर हरी हारक ।

८२५ बिस्मोम—अबाह, अरअर अर
अर, अरअर अरअर अरअर अर
अर अर अर अर अर अर अर

८२६ ठीक—अमूल्य अकना अर
अर अर अर अर अर अर अर

८२७ अर—अरअर अरअर अरअर अरअर
अरअर अरअर अरअर अरअर अरअर

८२८ अरअर—अर अर अर अर अर अर अर
अर अर अर अर अर अर अर अर

८२९ अर—अरअर अरअर अरअर अरअर
अरअर अरअर अरअर अरअर अरअर

८३० अरअर—अरअर अरअर अरअर अरअर
अरअर अरअर अरअर अरअर अरअर

८३१ अरअर (अर)—अरअर अरअर
अरअर अरअर अरअर अरअर अरअर

८३२ अरअर—अरअर अरअर अरअर अरअर
अरअर अरअर अरअर अरअर अरअर

८३३ अरअर—अरअर अरअर अरअर अरअर
अरअर अरअर अरअर अरअर अरअर

अर अर अर अर अर अर अर अर
अर अर अर अर अर अर अर अर

- ८३३ अमरशब्द—अक्षय अक्षय्य अक्षर, अक्षर अक्षिनाक्षी अक्षरस्थायी अक्षय धास्वत स्थायी स्थिर ।
- ८३४ स्मरण—अभिज्ञान क्याक भेद धारण ध्यान धार संवर, सुभ सुधि सुमरण सुमृत सुमृति सुरत सुरति स्मृति ।
- ८३५ विस्मरण—भूछ विस्मृति ।
- ८३६ स्मरण अक्षि—मेधा याद याद शब्द ।
- ८३७ स्मरण करमा—स्याछ करना भेदना याद करना सुभ करना सुधि करना सुधि केना होस करना ।
- ८३८ रटना—अक्षान पर रक्षना बर्राक करना बार बार कहुना याद करना रट केना स्मरण करना हृष्ट्य करना हिष्ट्य करना ।
- ८३९ स्मरण दिक्काना—भेद दिक्काना याद दिक्काना सुभ दिक्काना सुधि कराना सुधि दिक्काना होस कराना होस दिक्काना ।
- ८४ सुधि—अज्ञान अक्षर भेद भेदना अज्ञा सुभ सुध-सुध होस होसहुवास ।
- ८४१ मूक—अनुचित अयथा अयथा र्था आसीक अनुक्ति अकटा अकटी भूर बुटि बुध बेटीक मूकभूक विपर्यय ।
- ८४२ मूकाहुवा—उत्प्रात बेमुष मूका मूक-अटका विस्मृत अमित प्रात ।
- ८४३ मूकना—अटपटाना जो जाना पड़ बड़ाना अकटी करना अकनी होना भूक करना भूकना अत से उतरना अमारका होना विसरना विसराना

- अरमना मुरना मूक करना मूक जाना मूकभूक होना मूकन-भूकना अम में पड़ना अमित होना अति में पड़ना विस्मरण होना विस्मृति होना सुभ न रहना सुधि सोना सुधि मूकना सुधि विसरना होस न रहना ।
- ८४४ मुकलना—अरका पड़ाना अराना आछ अठाना आकनाबी करना आक सिक्काना अकना अकत्य करना बोला देना पड़ाना प्रतारण करना प्रतारना देना प्रवचना देना प्रवचित करना फुलमाना बहुकाना बुता देना अटकाना मुरवाना मूकवाना मोरना सिक्काना ।
- ८४५ मिक्काना—अमेजना अमेजना एक में करना एकतर करना आछमेक करना मिक्काना करना मिथित करना मिथय करना संयुक्त करना सम्मिथन करना सम्मिचित करना ।
- ८४६ मिक्काना—आप्सेयय मिथय संकरता संरिच्छता सम्मिथय संसृष्टि ।
- ८४७ मिक्काना हुमा—मिथ मिथित मीचित संयुक्त संरिच्छट, संसृष्ट, संहित सम्मिथित ।
- ८४८ मिक्काना—अर्थन देना-बेटी भेंट मिक्काना मिक्काना मुक्काना अयक अयोग संक्षेप साक्षात्कार ।
- विशेष—किमा 'मिक्काना' के लिए अर के अर्थों में 'होना' जोड़कर अर्थ बनाए जा सकते हैं ।
- ८४९ मिक्काना—मिक्काना मिक्काना अयक अयोग अयक, अयकन अयकन अयोग संक्षेप सम्मिथन ।
- ८५ अयक—अयकन अयकन अयक

१ उच्चाङ्गना—अलग करना अङ्ग-
दाना उच्चाङ्गना उच्चेङ्गना अङ्गोत्तमा
पना पुना करना अङ्गोत्तमा
कालना निकोत्तमा गौचता पुनक
ना ।

२ विपक्षना—वपक्षना वमाना
ङ्गना मिक्षाना स्याना सटाना
टिना सटाना ।

३ उच्चाङ्गना हुमा—अङ्गाया अङ्ग-
त्याया उच्चार उच्चाङ्गना उच्चेङ्गना
क्यासा निकोटा विल्याया ।

४ विपक्षना हुमा—वपक्षना
मा षोङ्गा मिष्ठा स्या सटा
टा ।

५ उच्चेसना—उच्चेसना उच्चेसना
डिसना सडिसना उवहना उवहना
किचन उच्चीचन विराना गेरना
सना निकारना ।

६ वासना—विराना नागा नाचना
रना ।

७ निरिषाना—अक्षय करना अक्ष-
ना अक्षना अक्षाना विलगना ।

८ अक्षयाया विस-

तनि तनिक षोङ्गा षोर, षोरिक म्युन
मुक्ठसर, रंष रंषक रंषिक ऋष षेर
ह्रस्व ।

१११ अचिक—अगम अमम्य अगय
अपाह, अचीठा अतिशय अतीव अनुक
अनुसनीय अनुसिष्ठ अतोस अथोर,
अपय अचिकांश अनन्त अनस्य
अपार, अमित अदीय अयास असासु,
अहुत अहुतेर अहुल अेष अेषी ।

११२ अस्पता—अकाम अल्पता अकाल्य
कमी हृपता हृपताई, हृपत्य कोताही
घटती पाटा षोङ्गापन म्युनता म्युनताई,
सपुता कभुल ह्रास ।

११३ अचिकता—अगमता अतीवता
अल्पता अचिकताई, अमल्पता
अयावती अहुताई अहुताठ अहुतामठ
अहुल अहुसता अेषी ।

११४ अतिरिक्त—अक्षाया हलाया षोङ्
कट, विप्ररिक्त विप्ररेक्त विषा विषान ।

११५ कम होना—अचरति करना अ-
रा जाना अोरना अचती होना कम
पङ्गा कमी पङ्गा रागना
अतम होना अच्रीस होना अोरना
घटना अुचना अुक जाना षोङ्गा होना
गौच जाना म्युन होना ।

११६ अँटना—अँट जाना अँटना कम
अ पङ्गा अापी होना अाना अर्पान
हाना अुरा पङ्गा अुरा होना ।

११७ अचिकाना—अचिक होना अग्रनि
करना अयास होना अङ्गा विरान होना
वृद्धि करना वृद्धि पाना ।

११८ लंघ—लघ्न लंघन लंघय लघय
लघयेन लघिन लघय ह्रस्व ।

मरपूर, समरो सब समप्र समस्त नमुषा
साय सिमरा ।

८८ कालना—कालना कालर-भ्योन
करना कर्न करला कर्तरी बलाना
कलमना काट-छाँट करला कुदरला
कँची करला छाँटना छेचना
छीरना टाँचना दुकड़ करला तपसना
संगना ।

८८१ सीना—कच्चा करला पूचना
गुळना थोड़ना टाँचना टाँका मारला
टाँचना टोम डामना बक्षिया करला
रफू करला संपड़ देना ।

८८२ कतरल—कतरा धंर टकड़ा
दुकड़ी ।

८८३ क्यार्ई—क्याल क्यारई, जाट,
काट-छाँट, तपस ।

८८४ बुनमा—बनोटना उछाँटना
बयल करला बिनना छाँटना निर्बाचन
करला बीछना बीनना बीछना-बयला
बेचना लोड़ना बिलगाना ।

८८५ बुना हुमा—बुनिष छैटा हुमा
छाँटा निर्बाचित बयमा बीछा बेचमा
लोड़ा बिलगया ।

८८६ बुनने बाला—निर्बाचक बयल
करा ।

८८७ बाँटना—कूरी कनाना बघरा
काना बाँट करला भाव करला विमस्त
करला विनाशन करला विमानित करला
हिस्ता करना हिस्ता कनाना ।

८८८ बाँटा हुमा—बाँटा बाँटा बर्बाद
विमस्त विपासित विमानित ।

८८९ बरबारा—बाँटबारा बाँट, विमसित
विभाजन विमाय ।

८९ बाँट—कूरी बघरा बाँट-बघरा
भाग हिस्ता ।

८९१ सामा—गिरात हिस्ता ।

८९२ फटना—बरकना मोदरला फिट
करा चिड़बना बिलो चिहला
छिनयना बरकना बरना बघरा पड़ना
फूटना बिबरला मुक्कयना ।

८९३ काड़ना—दुकड़े करला चिटकना
चिहयना थोड़ना थोचना थोरना
थोचना छिवयना बरार डामना,
मोचना बिदारला बिदीर्य करला ।

८९४ फोड़ना—बाळ डामना कड़कना
करकना । बे 'ठीड़ना' ।

८९५ रवा—अधु, कय कलिक, कम
किलका किलकी लुही बर्रा, परमाणु ।

८९६ बुरचना—उवाड़ना ककोलो
करोना कुदेना बयसना बपोचना
बीचना बपोटना बपोचना बुरेवना ।

८९७ बरीब—बराय बरौब बरौट,
बुब्याइट ।

८९८ बिरला—बिराई करला बिनारै
करला बीनना सझाई करला ।

८९९ उयकना—अकय करला बने
रखना उगिम्ना उकटना उकटी करला
बोककना बोकना ई करला छाँट
करला मुकना न छियाना न पचा
सकना न रखना निककना प्रकट करला
बाहुर करला भीतर न रखना बयल
करला स्पष्ट करला ।

९ उबड़ना—अकय होना उककना
उकसना उबड़ना उबड़ना उबड़ना
अयरना दूटना निककना निकसना
पूचक होना ।

कम्पा भीर्ण होना भीर्ण भीर्ण होना
फाटना मसकना ।

१३४ फाड़ना—भीषना भीषना टुकड़े
टुकड़े करना भीषना विचारण करना
विद्यारिष्ठ करना ।

१३५ मोचना—उखाड़ना उखारना
खसीटना भीचना भीषना भीषना
मोचना-बकोटना बकोटना ।

१३६ चीरना—चीड़ना चींचना फट्टा
करना फड़ना फारना विचारना
विचारण करना विद्यारिष्ठ करना विदीर्ण
करना ।

१३७ फूटना (बर्तन आदि)—बट
कना बड़कना बिहरना टुकड़े-टुकड़े
होना फटना बो टूक होना बाध पड़ना
बिहरना विदीर्ण होना ।

१३८ घिसना—बधम होना घिसना
बर्षन करना घिस जाना मसना रसक
जाना रगड़ना स्रवर्षन करना समाप्य
होना ।

१३९ टूटा-फूटा—उद्ध्वस्त क्षिप्त-भिन्न
भीर्ण भीर्णभीर्ण प्थस्त ।

१४ भरम्मात—भीर्णोद्धार, बुद्ध्वादी
संशोधन संस्कार, संस्कृति सुबहारि,
सुधार ।

१४१ सुपारक—संशोधक संस्कारक ।

१४२ सुधारना—मच्छा करना ठीक
करना बनाना बुद्ध करना संवारना
संशोधन करना संशोधित करना सुधार
करना ।

१४३ बिपाड़ना—झराब करना नष्ट
करना नष्ट-ध्वष्ट करना नाश करना
पोथ देना बरबाद करना बर्बाद करना

मिटाना मिट्टी करना मेटना मेट देना
छीप देना छीपपोथ बराबर करना
बिह्वल करना ।

१४४ बनाना—अस्तित्व देना गड़ना
ठीक करना ठीकना ठीमार करना बुस्त
करना निर्माण करना निर्माणा निर्मित
करना प्रस्तुत करना रचना
रूप देना विधान करना संवारना
संस्कार करना सजाना सिरजना सुपा-
रना सुजाना स्वल्प देना ।

१४५ बिपड़ना—झराब होना ठीक न
रखना नष्ट होना नष्ट-ध्वष्ट होना
बर्बाद होना बुरा हो जाना ।

१४६ बिनक़ा—झराब बिरा नष्ट, नष्ट
ध्वष्ट बर्बाद ध्वष्ट ।

१४७ बनना—ठीक होना बनाया जाना
पूरा होना रचा जाना होना ।

नोट—'बनाना' के 'पर्यायों' के आधार पर
भीर भी पर्याय बनाने जा सकते हैं ।

१४८ बधा—अवस्था बति रबीया
स्थिति हाकत ।

१४९ बुर्झा—अपमति विस्तृत बुर
नस्या बुर्जत बुर्जति नरकमोक्ष फबिह्वल
प्रबोह्वत ।

१५ अच्छी बधा—सुवृत्ति सुवृत्ति ।

१५१ बुर्झाम्राप्त—बिरा बुर्जत हीन ।

१५२ प्रबत—बधन बधनि बाध
पञ्चति परिपाटी प्रबाली परबा रबाब
रसुम रसम रिबाज रीति रीली ।

१५३ परंपरत—कादरत बधन बाक
बस्तूर, नियम रबाब रीति ।

१५४ परंपरतत—कमापत बभिक ।

१५५ बजाना—आगे बढ़ाना चालित

११९. बकेला—बकसर, बकतबजा
बकेले वसुप बसुप इकला इकस्ता
इकसर, एक्य एकता एकाकी
तनहा।

१२ बकेलापन—इकलाई, एकांतता
तनहाई।

१२१ बकेला बुकेला—बकेल-बुकेल
इकला-बुक्ला।

१२२ सक्षित—मिलाकर, सेकर, साथ में
सुझा सुभा।

१२३ बीजा—यमज यमज यामज।

१२४ समूह—बंवार, बखाड़ा बटंबर,
बटहर, बटा बगला बडार, बमार,
बलममांज बबली बोट, बाटी बोज
बोज कतार, बरबंज कबाप कबापक
कवाल कुल, कोट कोटि, कोरि, कोस
सिलकृत खेड़ खड़ा खोम बंज गंजी
पट्टर, गठरी पट्ट पट्टी बज गज
परोह पत्ता पुट्ट पोत पोत बज बक,
बय बिति बर, बबीरा बज बमामत
बमाबड़ा बाज बालिका क्यादा बल
बला भार, सुब्ब बीबा बीर, डोली
ठट, ठठ ठाट ठाटर, ठाटी बुंय डेर,
डेरी उठि बोक बजल बक बाम
बाय बारि, बापी निकर, मिकाय
मिबड मिबै मिबह मिबह, पमित पंगठि
पटल परिकर, पांठी पुकिबा पुग पुका
फिरका छीब बजल बडिल बघार,
बहुत बरुब बोल बज बंडात बंडज
बंडली माका मुट्ठा मोटरी मुब यूह,
बेहड़ बेहड़ा लोक लोग बिताक
बिबर्त बुर ब्यूह, बज संकुल उब
संबज संरोह, समबाय समहार,

समुच्चय समुषाय समुबाब सागु, स्कंज
स्वोम हार।

१२५ आरमियों का समूह—बखाड़ा
बास्ता जपस्थान क्रमेटी गज परोह
गिरोह गुह पत्ता बजा बजबात
बमापठ बमाबड़ा बजान बलसा
सुब्ब टुकड़ी उबका बोक पमित
पंथत पंथति परिषय परिषत् परकन
पांठी छीब फीर, बरात भीड़ बंडल
मंडली मबलित महकिल महासभा
मुब यूह, संज संस्था समिति समुबाब।
रे० 'भीड़'।

१२६ भीड़—बनसमूह, छट छठ मन्मड़
मन्मड़ भीर, भीड़-भड़का भीड़-भाड़
संकुल।

१२७ बडोर—बमाबड़ा बिटोर, सभि-
पात। रे 'भीड़' 'समूह'।

१२८ बेहड़—खेड़ पत्ता बाका सुब्ब
डेर, बल बेहड़ा।

१२९ घाल बाबि का बेंबा हुया मुट्ठा—
बाट, बाटी पट्टर, गट्ठा बका बोल।

१३ मुक्तिदा—पट्टर, पट्ट बट्टी डेर,
डेरी बंडल मुट्ठा मोटरी।

१३१ सूत का समूह—बंडा बट्टी
बाटी फिरबी बीपी पेचक पोच पीच
कच्छी लच्छा लछी।

१३२ कुल समूहस्यक सध—(कोठ
में उनकी संख्या है)—डोड़ी (२)
पंडा (४) गाही (५) बीबा (४)
डोली (२) बरबंज (१२) बीपी
(२) ईकड़ा (१ १२ वा
१४)।

१३३ कबला (बतर)—बघदवा बीर

- कगना क्षीर्ण होता क्षीर्ण क्षीर्ण होता
 फटना मसकना ।
- १३४ काड़ना—बीचना बीचना टुकड़े
 टुकड़े करना नोचना बिचारना करना
 बिचारित करना ।
- १३५ मोचना—उकाड़ना उकाड़ना
 कसोटना बीचना नोचना नोचना
 मोचना-बकोटना बकोटना ।
- १३६ बीरना—बीड़ना बीपना फट्टा
 करना फड़ना फड़ना बिचारना
 बिचारण करना बिदारित करना बिबीर्न
 करना ।
- १३७ फूटना (बर्तन आदि)—बट
 लना बड़कना बिहूरना टुकड़े-टुकड़े
 होना फटना हो टुक होना बाल पड़ना
 बिदरना बिबीर्न होना ।
- १३८ पिघना—घृतम होना बिमाला
 पर्यन्त करना पित्त जाना ममना रमड़
 जाना रमड़ना संवर्षण करना समाप्त
 होना ।
- १३९ दूदा-कूटा—उद्वृत्त छिन्न-निम्न
 बीर्न बीर्णबीर्ण ध्वस्त ।
- १४ मरम्भत—बीर्णोद्धार, दुस्ती
 संघोषन संस्कार, संसृति मुपराई
 मुबार ।
- १४१ मुपारक—सघोषक संस्कारक ।
- १४२ मुपारना—अच्छा करना ठीक
 करना बनाना धुंध करना संवारना
 सघोषण करना सघोषित करना मुपार
 करना ।
- १४३ बिपाड़ना—गुराव करना मष्ट
 करना मष्ट घष्ट करना नाग करना
 पोत देना, बरबाद करना बर्बाद करना

- मिटाना मिट्टी करना मेटना मेट देना
 नीप देना क्षीपपोत बराबर करना
 बिहूठ करना ।
- १४४ बनाना—अस्तित्व देना गड़ना
 ठीक करना ठीकना संवार करना दुस्त
 करना निर्माण करना निर्माण निर्मित
 करना प्रस्तुत करना रचना
 रूप देना बिधान करना संवारना
 संस्कार करना समाना विरचना मुषा
 रना सुबाना स्वरूप देना ।
- १४५ बिपड़ना—गुराव होना ठीक न
 रहना मष्ट होना मष्ट घष्ट होना
 बर्बाद होना बुरा हो जाना ।
- १४६ बिपड़ना—गुराव पिरा मष्ट, मष्ट
 घष्ट बर्बाद घष्ट ।
- १४७ बनना—ठीक होना बनाना जाना
 पूरा होना रचा जाना होना ।
- नोट—'बनाना' के 'पर्यायी के आचार पर
 और भी पर्याय बनावे जा सकते हैं ।
- १४८ बसा—अवस्था गति रचैया
 स्थिति हासत ।
- १४९ बुर्रसा—अपगति विस्तृत बुर
 वस्था दुर्गत दुर्गति नरकभोग अविहृत
 अशीघ्र ।
- १५ अच्छी बसा—अप्यति मुपति ।
- १५१ बुर्रसाप्रप्त—पिरा दुर्गत हीन ।
- १५२ प्रमा—अकन अकनि बाक
 पठति परिपाटी प्रमाणी परबा रबाव
 रसुम रसम रिबाव रीति रीनी ।
- १५३ बर्षरना—काम्य अकन बाक
 रानुर, नियम रबाव रीति ।
- १५४ बर्षरना—अमागन अमिक ।
- १५५ बनाना—आन बढ़ाना आसित

करना प्रचलित करना प्रचार करना
प्रचारित करना रायत्र करना ।

१५६- लोचना—लोगना ठरानु करना
लोचना बाँट करना बहन करना बहन
सेना ।

१५७- लौत्ने की किरा—लोग जोलाई,
तुलाई, ठाल्ल लील लौलाई, नाप ।

१५८- मात्रा—परिमाण मिक्काट, बहन ।

१५९- बहन—ठोठ ठीठ बोग भर
भर भार ।

१६- वासंभ—गहौप परंपा ।

१६१- जिससे नापा जाय—गपना गपही
गपुहा नाप नापी पैमाना माप मानदंड
माप मापक ।

१६२- नापने का काम—नाप पैमाइल
माप ।

१६३- अनुमान—अंदाज अटकल कयास
अनुमिति ।

१६४- अनुमान करना—अंदाज करना
अंदाजना अंदाज कयाना अंदाजा
अगाना अनुमानना अटकलना
अटकलना अटकल कयाना बाँटना
कूतना ।

१६५- अनुमानत—अंदाजन अंदाज से
कटीक कटीक-कटीक तखमीलन मोटा-
मोटी मोटे ठीर पर, मोटे रूप से कयमग ।

१६६- जिसका अनुमान न हो सके—
अनुमान अकूत अठोक अनुक
अपरिमेय अंदाज ।

१६७- अंकाणा—अंकाणा अंकाणा
अंदाज करना अटकल कयाना अनु-
मान करना कूतना कूतना तक्क-
मिलना ।

१६८- बल्पना करना—अनुमान करना
कूत करना मानना ।

१६९- बल्पना—अनुमान क्यास कूत
मनपड़ल मन की उपज मनत्र मानना
मानसत्र ।

१७- कश्चित्त—अौत्पामिक, वात्पनिक,
ह्यानी नकली कर्मी बनावनी मन
गड़ल मनमापी ।

१७१- संभव—मुमकिन समाय्य संभा-
पित ।

१७२- असंभव—ठीरमुमकिन मामुमकिन ।

१७३- संभवतः—बहाष कदाचन कदा
चित् कश्चित् प्राक्किन् मुमकिन है
हायब स्यात् ।

१७४- अबरवस्ती—अबरई, अबरल जोर,
जोर-अबरवस्ती बरिमाई बल हठ ।

१७५- अबरवस्ती से—अबरल अबरिमा
जोरजोरी जोरी बरबस परिमाई, बल-
पूर्वक बलात् हठात् ।

१७६- समीप—अधिक अतिपार्श्व अदूर,
अध्यास अतिदूर, अमित अम्यल
अम्यर्ग अम्यास आसम उपकंठ किम
ठट, मिक्ट, मेरे, पार्श्व पास संवेद्य
अनीक अमिन्ट अमिक्कट, समयादि
समिति संवेद्य ।

१७७- दूर—अलम स्याद परे, पुमकट
दिम विगत विलय ।

१७८- निपटना—नपिचाना नयीच
आना निकट आना नीबरे पहुँचना
पाठ आना समीप आना ।

१७९- बार्सा—बाएँ, बाम बायें
बाम ।

१८- बाहिना—बहिज बाएँ, बाहिन ।

- १८१ बाहर—बहिः, बहिरत् बहिर्गत बाहिर ।
 १८२ भीतर—अंदर, अन्तर्, आन्तर्, भीतरि, मझ मायं माह माही माहि माही में ।
 १८३ बाहरी—बहिरंग बाह्य ।
 १८४ भीतरी—अंदर का अंदरी अंदरनी आन्तर्गिक, मितस्का मितस्त्री भीतरका भीतरिया ।
 १८५ बीच—अंदर अन्तर्, बरमियान भीतर, मन्त्र मंत्रार, मधि मध्य मझ माझ ।
 १८६ इधारा—इगित प्रकृति समकार, सकेत ।
 १८७ इधारा करना—अंगुकि निरंसा करना आस मारना 'इधारा' के पर्यायों में 'करना' जोड़कर भी भी धार्य बनाये जा सकते हैं ।
 १८८ यहाँ—अत्र यहि, हियाँ ह्यौ ।
 १८९ वहाँ—उत्र तहाँ वाँ ह्यौ ।
 १९० कहीं—यत्र त्रिम जयह ।
 १९१ कहीं-तहाँ—इतस्तत्र, इतर-उतर, यत्रत्र यत्रात्र ।
 १९२ कहीं—किञ्च जयह, कुत्र ।
 १९३ कुतरी जगह—अयत्र अत्रत्र और वही वही यौर ।
 १९४ तब वही—जहाँ वही तब जयह तयत्त, सर्वत्र ।
 १९५ किसी स्थान पर—जगहँ जगहँ वही वही ।
 १९६ य—अद्म् यै मीं, एय ही ।
 १९७ तुम—आत तू मवनी भवान् वीपान ।

- १९८ मेरा—मम मोर, मोप हमार, हमार ।
 १९९ तुम्हारा—आपका तब तेरा तोर, तबीय भवत मबरीय ।
 १ • आपसे—अपने आप आपरूप आपसे आप आपही क ब, लुपही लुर ब पुप, स्वत स्वत ही स्वयं स्वयंही ।
 १ १ अंसा—अइसन पस जो अ्यों ।
 १ २ तैसा—तइसन तउ तैसे ए्यों वैसे ।
 १ ३ या—अववा किवा चाहे, वा ।
 १ ४ अगर—अदि यदि जो घायब ।
 १ ५ अगरचे—अयर्चे गोकि जयपि बाबजूके जयपि यकिचेत् ययपि ।
 १ ६ इसकिए—अतएव अत्र, अस्तु, परिणामतः, परिणामस्वरूप फलतः, फलस्वरूप ।
 १ ७ फिर भी—अपरंच पुन फिर, फिर भी ।
 १ ८ करायि नहीं—कतई नहीं कभी नहीं किन्तुत नहीं मुतक नहीं हुरमिब नहीं ।
 १ ९ बार-बार—अकसर, अहोर, अहोर अहोर, आएरिन कबार, फिर, फिर, प्राय बहुधा बहोर, बहोदि, बारहा मुहु महुर्मुहु, रोड ।
 १ १ कितनी बार—किती बार कै बार ।
 १ ११ पुन—अत्रत्र पुनि फिर ।
 १ १२ किन्तु—अरिनु, परतु, सिदिद ।
 १ १३ अचानक—अरस्मान् अचर्चा अचर्चत अचाना अचान अचीगा अर्चिज मनुष्यता अचचीगा अच

चितले जनायात अमृतपायित रूप से
आकस्मिक भाषातत इकबारपी इक
हाई लबका एक अ एक एकबारवी
एनाएक एकाएकी जीबक तत्पय
सघ सपरि छाहसा ।

१ १४ तचापि—तत्तापि तदपि यद्यपि
ती भी ।

१ १५ पीड़ा पीड़ा कर के—अल्पम
कमरा धीरे-धीरे ह्रीके-ह्रीके ।

१ १६ संपूर्णत—पूर्णत पूर्णरूपेण
संपूर्णतया ।

३६

१ बंध—अल्प आस्पद कुटुम्ब कुल
जानवान जान्वाण पोत पोत्र बरना
मसक परिवार, बंध बंध मस्कर ।

२ कुलीन—अभिजात कुलवत कुलवान
कीम जानवानी जान्वाणी सुजात ।

३ शौत्र—करी आस्पद शौत्र बरप
बाठि नामि ।

४ सपोत्र—शौत्रिया गोती शौत्रिय प्रबट,
भाईबनु, छागेती ।

५ पूर्वज—गुरबा पूर्वपुत्र बंधज
बापबादा ।

६ एक ही पूर्वज से उत्पन्न—एकजही
बसाय, बामाब पट्टीबार ।

७ पुस्त—सुप संघु, पीडी पुस्त ।

८ शैतुक—शुद्धन शुद्धबनन शुद्धन
प्राप्त जानवानी जान्वाणी तरका
पुस्तीनी बपीली भीरास भीस्ती ।

९ बरासत—शुद्धन बायबन बर्सा ।

१ बिरादरी—बभुता बंभुल बंभुता
भाईचार भाईबंरता सपोनता ।

११ भाई का भाव—बंभुता बंभुल
बिरादरी भाईपन भावुल भाव
भाव ।

१२ भाई की तरह का—बंभुल बिराद
रता ।

१३ बाप का—पिम्प पिदरी पैतुक ।

१४ बिना माँ बाप का—अनाथ दूबट,
बठीम काबारिस ।

१५ दो मसामों वाला—द्विमात्र ई
मासुर ।

१६ चचा से उत्पन्न हो—चचाबाब,
चचेरा ।

१७ सौत से उत्पन्न—सौतेला ।

१८ मौती के संबंध का—बठेरा
मौतिबाउत मौतिमायत मौतिरा ।

१९ मामी से संबंधित—ममेरा ।

२ निस्तान—उत्त अत्त अपुत
नपुता निपुत निपुता निरबंसी काबस,
संड ।

२१ नाम—आम्मा इस्म इस्मशरीक,
नाय नाय नामबेर बुयनाम सुमा-
अट, संझा ।

२२ नामबारी—नामबारी नामबाबा
मामी माम्मी ।

२३ बर्गगठ—अम्गतिभि अम्गति
बरसगठ, बर्गगठ, साकदिरह ।

२४ विवाहना—निकाह पढ़ना परिचय
करना पानिपह्न करना निवाह करना
धरिब बुमाना ब्याहना छापी
करना धिबुर डाकना धिबुर बाबना
ह्राव पकडना ।

२५. विवाहित—परिणित विवाही
 प्याहा।
२६. अविवाहित—अनप्याहा अविवाही
 कुमार, क्वारा निष्क बिनप्याहा।
२७. क्वारपन—अविवाहपन कुमारपन
 क्वारपन।
२८. बारात—अनमाभा अनेत पान
 बरात बरियात बरमाना।
२९. भायु—अवस्था भायु, भायुबंध
 भायुस्य भारवत् भारवसा उभित,
 अत्र द्विभंगी जीवनकाळ वैस वय
 सित।
३०. बन्धा—कुमार, तिफ्त नावान
 बत्स शिशु। रे 'अइफ' 'पुत्र'।
३१. प्रियता और घीबन के बीच की
 अवस्था—पीकंड।
३२. नौजवान—अवान तरुण तमून
 नवयुवक नवयुवा नवतर, नौजवा
 युवक युवा।
३३. अकाली—अदृश्यशीली अकाल तरु-
 नाई, तरुणावस्था तरुनाई तरुनाई,
 तरुनागा पचीशी युवावस्था यौवन।
३४. बुझा—अईड, अरठ अरापल अजर,
 अजरत जीव जीव बुझा डोरत पलित
 बुझवा बुझिना बुझ वनोबुझ बुझ
 रविरि।
३५. बुझावा—अपीपान अईकी अग
 अरठअ अरठान अग पीकंड जीगना
 अपीपानवा, अईड, पीठे अईकय
 अईकई अईकी अड बुझना बुझव
 अिनना बुझ बुझना बुझावावा अग-
 अईक रविरि।
३६. आरोग्य—अवर अकामय अंजन

- अंग अंजा अंज अमना अमुस्त
 अिमन नीमन नीरोय पीन पुष्ट
 अेरोग अंज स्वस्व अूंष्ट।
- अितोम—रे 'रोगी'।
३७. आरोग्यता—अगवता अंदुरस्ती
 नीरोगता स्वास्थता स्वास्थ्य।
- अितोम—रे 'रोग'।
३८. अज—अोज अंजता अोर, अोरतोर
 अाअत तापत अैज अम पराअम पोअ-
 पन पीअय अूता अीअै अंकित अकता
 अकति अत अमरवाहि, अमरंता
 अामअ्य अंगा।
३९. अकबोरी—अवगाव अककता
 अककित अीअता अुरंअता अाताअती
 अिअंअता अामअ्यैअीअता।
- अितोय—'अकबोर' के पर्यायीं में अयास्याम
 'अन' या 'ता' अनाकर अीर अय्य अम
 अकते अूं।
४०. अकवान—अठेक अोजपानी अीअइ
 अीअइया अम्वर अंड अवर, अवररस्त
 अम्वर अारवार, अोरवर अकुअत
 अाअतवर अैजवान पराअमी पाअट
 पुष्ट, अरंअ अकगर, अकअंड अकअंन
 अकपानी अकअीअ अताअ अताअय
 अिन्या अली अकअून अीअ्यैअत अीअ्यै
 अम अीअ्यैअंन अीअ्यैअान अकन अलि-
 अान अकनवान अकनपानी अकन
 अंअम अमरय अमय अकन अामरव
 अामअ्यैअान अामअ्यै अंअव।
४१. अुष्ट—अकन अूं अीअ अीअ
 अकअून।
४२. अकबोरी—अकन अम्वर अकन
 अकअर्य अकअय अीअ अीअ अीअ

बुद्धि सुबल निबल निबल बलहीन
बीर्यमत्त बीर्यहीन शक्तिहीन शिबिष
सामर्थ्यहीन सुस्त हतप्रम हीनबल ।

४३ कुमारी—अचिरोका वृष्टिपुण्या
बेनुका नौफकार्वा रामा स्वामा ।

४४ नकयीबला—तपणी तलुनी
प्रमदा प्रियंगु, युवति युवती
रमणी ।

४५ बूझा—बरठा बरंठ बीनौ
डोकरी बुझिया बूड़ी ।

४६ सववा—बबयुवता सुवादिनी सुहा
निग सुहागिनी सुहायिक सीमादिनी
सीमाप्यवती सीमाप्यघातिनी ।

४७ स्त्री के सववा रहने की अवस्था—
अहिवात सुहाय सौहाय सीमाम् ।

४८ विषया—अववा बनावा चासिका
अवहीना पतिहीना बेबा मंगलोकनी
यतिनी यती रंवा रंङ विस्वस्ता ।

४९ विषयापन—बेयापन रंवापा
बैवध्य ।

५० पतिव्रत—पतिव्रत्य पतिव्रत पाक-
यामिनी वृद्धचरितता सतीत्य सतीपन
सत ।

५१ रजस्वला—शुभुमती शुभुवती
पुण्यवती रजोवती ।

५२ बर्मवती—अतर्बधी अदिघसत्वा
अवरिणी अमिणी पुबिणी पुबी
बोपस्ता बोहूवती पेटवाली प्रजावती
घसत्वा हामला ।

५३ प्रसव—अगन प्रबनन प्रसूति ।

५४ प्रसूता—अकवती अल्पा प्रसूता ।

५५ पुत्रवती—पुत्रवाली पुती ।

५६ कुम्हरी—कृष्णवती कल्याणी गीरी

अपदि विपुववनी विपुवीनी सोभना
सुमगा सुमुखी वयाना ।

५७ सुकुमारी—शोभलांगी मूकुकांगी ।

५८ कामिनी—कामवती कामुका
कामुकी रमणी बिकासिनी ।

५९ सुनैनी—उरलकोचना सीनाली
मूयनैनी मूगकोचना मूयकोचनी
मूयासी बामाली सुनेना सुनैना सुनो-
विनी हरिपाली ।

६० स्तनमुक्ता—गुस्तनी सूरुजा
स्तनी ।

६१ फतली कमर वाली स्त्री—इसीवरी
मंशोवरी ।

६२ बिल स्त्री ने कपी रति न की ही—
असाठयोनि अछता ।

६३ कुम्हरी—कुम्हरी कुम्हा ।

६४ कुलकर्णिकिनी—कुलकर्णक कुल-
बोरन कुलायारिनी ।

६५ कम्हू करने वाली—अन्वामा
कर्मंठा ककहकारिणी ककहप्रिवा
ककहित ककहिनी बंठी बुईक ।

६६ कुम्हटा—अपला छिनाट, छिनाड
परपुण्ययामिनी पांशुका पुंशुकी घन्टा
अनिचारिणी स्वीरिणी ।

६७ तेलमर्दन—अम्यंग अंपी तेलमर्दन
तेलमालिख तैलमर्दन स्नेहन ।

६८ स्नान—अवाहात आस्पन आस्पण
गुसक मुस्क गहाना निमज्जन मज्जन
स्नानन हुनाला ।

६९ गहाना—अन्वामा अवाहाला मुस्क
केजा निमज्जन करना स्नान करना ।

७० गहाना—अन्वामा गहाना
स्नान करना ।

- ७१ शरीर पोछना—अंगप्रोक्षण अंगो-
छना गहना ।
- ७२ निचोड़ना—गारना निचोरेना
निचोना निपारना पसाना फरियाना
छट निकालना साफ करना सार
निकालना ।
- ७३ बंधनादिबेतैपन—बर्षा चार्चिक्य
बिछेपन ।
- ७४ केसकर्म—ऊँछना ऐँछना कंधी
करना काढ़ना केसबिन्यास प्रवेणी
बाहना सीमंत ।
- ७५ शरीर का सँवारना—अंगकर्म अंग
संस्कार, आकस्य टीमटाम ठाटर, ठाट
बाट ।
- ७६ छटना—टटना छटना ठाट बाट
करना बाट करना बनना पहलना
रचना बैस-बिन्यास करना सजना सज
पत्र करना सजावट करना सँवारना ।
- ७७ सजाना—बसकाया बुस्तत करना
प्रसापन करना प्रसाधित करना बनाब-
बोलाव करना रचाना विमदित करना
सूँदार करना सँबलना सँवारना सजाना
सजाना-बजाना सजोना सजित्त करना
सिगारना सुमसित्त करना ।
- ७८ बहनावा—बाष्पापन बपड़ाकता
पहिल पीछाव बरदि तिबाम बरन ।
- ८ पहरना (बपड़ा जादि)—पारप
करना परिच्छर करना परिषान करना
परिषेय करना पहरना पहरिना पहि
रना पेरना पेरना ।
- ८१ निमंत्रण—आमंत्रण आगन मवेद
दिमबद म्योउ बजाना बोलावा
हँवाप ।

- ८२ निमंत्रित—आमंत्रित आहुत आहुत
म्योतहरी बुझाया ।
- ८३ अदिमंत्रित—अनाहुत बिना
बुझाया ।
- ८४ मेहुमानदारी—अतिविपुत्रा अतिपि
पत्र अतिबिसत्कार, अतिष्य पड़ुनाई,
पाहुनी मेहुमानी ।
- ८५ म्योता देना—आमंत्रण देना मवेद
देना निमंत्रण देना निमंत्रना निमंत्रित
करना म्योतना म्योतना बुझाना
बुझावा देना हस्ती बाँटना ।
- ८६ शरीर—अठनंत मिसा शरीक
शामिक संसृष्टि, सम्मिकित ।
- ८७ शरीक होना—आना भाय केना
मिसना सामिक होना शिरकत करना
सम्मिकित होना हिस्सा केना हाव
बटाना ।
- ८८ रसोइयाँदार—ठापुर, बाबरणी
बाम्हन फाझन मंडारी महुरज रसो-
इया मुबार मुबार मूप मूपक मूपदार ।
- ८९ रसोई बनाना—घाना पकाना
बुस्त बराना भोजन बनाना ।
दे 'पकाना' ।
- ९ पकाना—बीटना बीटाना छवा
कना गाढ़ा करना चुपना चोम देना
बनाना रीपना रीपना रीम्ना
सिगाना मिड करना ।
- ९१ पका—बीटा मसा पका-पका
गाढ़ा मुका चुग पक परिपक रेंवा
रीपा रीहा मिड ।
- ९२ करना—बीग जाना गाढ़ा होना
चुना पकना पकना पक होना रेंपना
मिड होना मीमना ।

१३ बूचना (झींझ या बेसन आदि)—
कचरना फेंटना फेटना मक्कना
मसकना मीकना मिछाना खेंचना
खीचना छानना ।

१४ बभारना—कन्हारना छलममनल
करना छीकना छीकना-बभारना ठकका
देना ठकना फोरल देना बभारना
जतना भूषना ।

१५ पपना—बोतप्रोथ होला बूचना
निमग्निठ होला पपना बूकना मिगना
मिबना मिनना भीयना भीबना मम
होला रसना रस में बूचना कीन होला
घनना ।

१६ पगा—बोतप्रोथ बूबा निमग्निठ
मम रसा कीन घना ।

१७ भूचना—जान में बाकना तताना
पठीना मर्मल करना भूचना भूचना
भूतना भीराना छीकना ।

१८ खीकाना—उबाछना कककडाना
कककडाना खरखडाना ।

१९ उबाछना—उबाछना बीठना बी-
ठाना खीकाना परमाणा नर्म करना
गाड़ा करना जोध देना पकना पक
करना ।

२ उबकना—उबाल जाना कक
कडाना कककडाना नर्म होला खीकना ।

३ १ सेरवाना—भुङवाना भुङाना
ठंडा करना ।

३ २ सेरवाना—भुङाना ठंडा पकना
ठंडा होला बानी होला बर्क होला बसि
माना खीकना होला ।

३ ३ खताना (लकड़ी कोयला आदि)
—बचाना बाध करना बहूषाना

बाहूषा धराना प्रव्यक्ति करना
भस्म करना भस्मघात करना बहूषना ।

३ ४ खकना—जाग लम जाना बाध
होना खरना बध होना बहना बध
होला भस्म होला बरना बकना बरवार
होला मुकगना स्वाहा होला ।

३ ५ खमिधाना—खमिधाना नर्म कपना
पकना पकन होला छप होला छपना
बहूषा दाह होला ।

३ ६ खकनना—उबकना उफलाना
उबकना उबाल जाना खीकना परम
होला गरमा जाना जोध जाना बोध
में जाणा ।

३ ७ खिचकना—मक्कना टपरना टप
कना टेकरना इक्ति होला इधीमूठ
होला पसिबना पसिबना ।

३ ८ खकना—बड उठना खक्ति
होला प्रव्यक्ति होला नमकना
मुकुपना मुकुपना ।

३ ९ खिनपाटी—खिनवी कुटी
सुलिय ।

३१ खताना (खिरा आदि)—
खीकोना खराना बराना बरना,
बाधना रोधन करना कपाना ।

३११ खुसाना—भुल करना ठंडा करना
कडा करना निर्बाध करना बहूषाना
भुताना ।

३१२ नास्ता करना—करीड करना कठना
करना खरमेठाव करना खरमेठाव करना
खरई मारना खरई मिठाना खर
खलपान करना खलपान करना
पानी पीना मुंह में डालना ।
'नास्ता के लिए है 'खलपान' ।

- ११३ मूख—अवृत्ति दसनाया इच्छा
 क्षुत् क्षुधा त्रिभस्ता देयमि बुभुक्ष
 बुभुक्षा मूक मूक भोजनेच्छा
 रधि साकसा ।
- ११४ मूखा—अवृष्ट क्षुधातुर, क्षुधात्,
 क्षुधावृत्त क्षुधावान क्षुधित बुभुक्षित
 मुन्धङ्क मुन्हात् ।
११५. मुन्धङ्क—मुन्धमरा मुन्धमरा ।
११६. मूखा होना—झाडी पेट होना
 क्षुधित होना क्षुधाया बुभुक्षित होना
 मुन्धाना मुन्धाना त्रिभुक्षित होना ।
११७. खाना—बाहार करना खाना खाना
 भीमना खँकना पाना पा केना प्रसाद
 पाना विभय करना विघाटी करना
 मोद कमाना मोदन करना मोदन पाना
 रोटी खाना विभय करना । 'खाना' के
 किये से 'मोदन' ।
११८. निपटना—खा खाना गटक खाना
 मटकना गपक खाना गसे क नीचे उतार
 खाना मिटना बूटना बौटना बौट खाना
 बकार खाना निपटन करना निपट खाना
 लीक खाना लीकना ।
११९. बुधाली करना—बुधालना
 खवाना पपुघाना पपुटी करना रोमक
 करना ।
१२. आचमन करना—(बौद्ध के
 बार हाथ मूँह धोना)—बैषवना अचन
 अचनना कुला करना कुला
 करना कुली करना मूँह धोना
 हाथ-मूँह धोना ।
- १२१ प्यासा—तृषावृत्त तृषावान तृषित
 पिपासु, पिपासक पिपासा ।
- १२२ प्यास—अव्या उपवासिषा तृष

- तृषा तृष्णा पानेच्छा पिपास पिपासा
 पिपास ।
- १२३ पीना—अचवना अचना अचवना
 आचमन करना पाक करना ।
- १२४ स्वाद—आस्वाद चायका मन्ना
 रस सवाद ।
- १२५ खजना—जानक सेना आस्वादन
 करना खाना पीकना खान
 पर रखना बुठारना रसास्वादन करना
 मन्ना सेना चायका सेना ।
- १२६ खजाना—काट खाना खर्चन
 करना खमना खुसना ।
१२७. सरस—चायकेदार, मन्नेदार, रस
 मुक्त रसीला सुस्वानु, स्वादिष्ट ।
१२८. सुखा—अनरस अनाई, उकठा
 कठिहीन अदर असकाया सुरसुप
 सुस्क सुकसा सुट, सुप नीरस
 पिचका मकिन रसहीन म्ना रखा
 सीठा सुष्क ।
१२९. सरसता—रसयुक्तता रसीलापन
 सुस्वानुता स्वादिष्टता ।
१३. सुकता—अनरसता नीरसता रस
 हीनता उकठा अनाई, सुखापन सिठाई,
 सीठापन ।
- १३१ सुरमुरा—कुरकुरत बुर्भुरा ।
- १३२ सुजना—उकठना उबास होना
 कठिहीन होना बुला मुकसना मुपना
 निपम होना नीरस हो खाना पिचकना
 मकीन होना मुजाना सुष्क हो खाना
 रसहीन होना सीकना ।
- १३३ सुजाना—सुरजाना सुरजाना
 सुपना मुकसाना सुष्क करना घोषक
 कपना सुन्धाना खोजना ।

- १३४ लोखना—बूझना रस घीबना
 गुम्क करना घोषण करना घोषित करना
 घोषना ।
- घोषक—बूझक ।
- १३५ पसी—मातृप उत्पत्ता उत्ताप
 उमम गरबाई मरमी बाम उप्पारब उप्प
 उप्पा अंड तपन तपनि तपित ताप
 बहमी बहनि सेक ।
- १३६ सरी—बाड़ा ठंड ठंड ठंडक
 ठंडी ठारी पाला घोतकता सियासा ।
- १३७ परम—उत्पत्त उप्प नर्म पकता
 तता तपिन तप्य ताव ताता तापित ।
- १३८ सरई—ठंडा ठंडा ठार, घाँठ
 घीतक सीतक सरय, हिमबड ।
- १३९ मर्म करना—बाम रिखाणा बाम
 पर रमना मरमाता तप्य करना तपाना
 ताप बेना पिफाना वे 'लौलाना'
 'उबाप्पा' ।
- १४ सर्व करना—जुड़वाना, ठंडा करना
 घीतक करना ।
- १४१ मर्म होना—उप होना तप्य होना
 उमवना बबचना बचना पिबना ।
- १४२ सरई होना—जुड़ होना जुड़ाना
 टाटा होना टिगर जाना टिगरना,
 बीतक होना ।
- १४३ टिफकना—आं करना उगोचना
 बीना करना टिफकार करना
 टिफिना घीटना सर करना जाना
 बिदाना भिदाना पिबन करना, गिफ
 करना बीचना ।
- १४४ तिरा—बाई तर मर भीना
 बीना ।
- १४५ टिपुलना—आरना बीना वाड

- होना बड़ाना पम जाना बमना ठंड
 ममना टिठरना बरपटना पत्पर होना
 घीत ममना सियाना ।
- १४६ पसना—बाई होना बारन होना
 पुकना छरना इकित होना इबी-
 मूठ होना नरमाना पधिकना पसिबना
 पसीबना पिबकना ।
- १४७ सखेद—बकवर्ती राजा सखार
 सखेसर ।
- १४८ घासन—ममकदारी बाहणारी
 राज राज्य घासित हुपुमठ ।
- १४९ प्रमुत्ब—अलिमार, अविचार,
 आधिपत्य कब्जा कानु पतिर पत्य
 प्रमुता प्रमुताई, बय रउताई, बय
 स्वामिता स्वामितब ।
- १५० घासक—मफ्तार, घास्ता सरदार
 हाकिम ।
- १५१ सरशरी—मनुबाई, मेतापीरी सर
 बागी ।
- १५२ जित पर घासन हो—घासिन ।
- १५३ मुबराज का बर—मुबराई, मुब
 रानी मुबराज्य पीबराज ।
- १५४ बजारत—मंजिना मजिब बड़ीरी ।
- १५५ मंजघा—मंग मंग मजबरा मज-
 जित परामर्ष राय मम्मति तपाह ।
- १५६ बरिपद—पगिपदी मघापर मभा-
 मय ।
- १५७ प्रबय—आनीरम रंगराम करीना
 हापरा बडि, बनेदल बिबान बिपि
 ब्यबथा ।
- १५८ बुजबंघ—बवे अवेर नागा, मभा-
 बुय भापाय अविचार उाउव बडुब
 मरवड़ी बीना-बीनी ।

१५९. प्रबंध करना—इंतजाम करना
बसाना भीमना निर्वाहना बनाना
व्यवस्था करना संभालना करना
सँभालना सँभालना सुभालना ।

१६० संभालक—भारंभक भारंभकर्ता
बसाने वाला बालक परिचालक प्रब-
र्तक ।

१६१ व्यवस्था—कठिनापन क्रायश
तरकीब परंपरा परिपाटी श्रेणी शृंखला
सिलसिला ।

१६२ निरीक्षण—जीव पड़ताल देख
माल देखरेख निगरानी निगहबानी
परीक्षण परीक्षा मुजाहदा ।

१६३ नीरीक्षण करना—'निरीक्षण' के
पर्यायों में 'करना' जोड़कर पर्याय बनाए
जा सकते हैं ।

१६४ म्याह—अरक इनसाफ इस्ताफ
म्याह निर्णय म्याह म्याह
विशेष ।

१६५ अम्याह—अपेक्ष, अनीति बेईसाफ
अम्याह ।

१६६ म्यामी—अरखपसंद इंसाली म्याह-
वाल ।

१६७ अम्यामी—अनीतिवान कूट, बेई-
साफी ।

१६८ म्याहपुस्त—म्याह म्याहसंगठ ।

१६९ अत्याचार—अपेक्ष अनाचार, अ-
म्याह अनीति अन्याय, अतिचार, अनाउ
अन्याय अवरई अनापसी ओपजोटी
दियारनी पुस्त छोटी पीसा-बीपी
बीसापुनी मुसंभना नकली ।

१७० अत्याचारी—अनाचारी अन्यायी
अतिव्य कुम्पी नपंज ।

१७१ प्रताप—इकवास एकवास ओज
ओजस्विता काबि तेज शीष्टि ।

१७२ प्रतापी—तेजवंत तेजवान तेजसी
तेजस्वी प्रभावशाली ।

१७३ रौब—ठाट इकवा भाक स्तवा
रौब रौब ।

१७४ रौबइल—ठाटवार, बाक वाला
माउबद, रौबवार, रौबील ।

१७५ विप्लव—अनीहा अम्यवस्था
असाति आन्दोलन इनकलाव उत्पाव
उचक-पुबस उपइव उचम कप चाति
अकबमी बंपा असाह असेड़ा अगावत
बलना कड़ाई, अड़ाई-अमड़ा विचसन
बिरोह, हुगामा हुकल हुल्कड़ ।

१७६ विप्लवी—आन्दोलकाटी उत्पाटी
उपइवी अचमी चातिकारी फसाटी
अगावटी बलबाई, बिरोही हुल्कड़ी ।

१७७ राजरोही—आतिकारी बलबाई
बाणी बिरोही ।

१७८ कानून—आदन क्रायश फाफा
घाउ नियम पीन एमूम राजनियम
बिधि ।

१७९ कानूनवाँ—कानूनिवाँ कानूनी
मुन्तार, बकील ।

१८० कानूनी—कानूनी नियमानुबल
बीप बीबानिक ।

१८१ नियमित—अमबद नियमबद
नियमित अतिबद ।

१८२ बेचापरा—अबीप ईरकानूनी
नियम-बिबद ।

१८३ बचा—अबद अना घाउ ।

१८४ अवरवा—अबिपोप बीप दावा,
आतिव अतिवार, बीरामा ।

- १८५ अबास्तरी—कानूनी ।
 १८६ असौबा—सर्वा पांडुलिपि पांडु
 लेख मसबिबा ।
 १८७ आम्बिल—प्रतिभू, अणक ।
 १८८ सम्मल—अनुसासन पत्र आजापन
 परवाना फरमान आसन अखीना समन
 हुकमनामा ।
 १८९ प्रतिआपत्र—अहुरनामा इकरार
 नामा प्रतिआपत्र ।
 १९ सस्ती बेना—यबाही बेना प्रजाण
 बेना सहायत बेना साख बेना साबी
 बेना साखना ।
 १९१ यबाही—इबहाज अमान ध्यान
 सहायत साबी साबी ।
 १९२ प्रजाण—अपपति परमाण प्रथम
 प्रमाण अकृत ।
 १९३ प्रमावित करना—अपपित्त करना
 अमान बेना प्रमाणना प्रमावित करना
 अकृत बेना साबी बेना सावित करना
 सिद्ध करना ।
 १९४ मुहर—आप आया मुहा मोहर ।
 १९५ वृत का काम—वृत्तकर्म वृत्ता वृत
 पत्र वृत्तक वसीठी ।
 १९६ रखत—आमिक इन्डोरीकार, दर
 बान आर्याक अन्डोरीया पाकफ भरिया
 मुहाफिज रस रखाया रखाका
 रसिबा रखाया संतरी संखक
 हुमात ।
 १९७ अखर—आरक नायक विनायक
 हे 'नाय कर्ता' ।
 १९८ रखा—अपोट, खेम लखरारी रेश
 रेश निगदानी गहरेदारी अबाव रखा

- रखानी रखाई, रखा संरखन सुरखा
 रखा हिआजत ।
 १९९ खय—पाक्य खय ।
 २ • पाकना—खिठाना-पिकाना निर्भ-
 हुना परखरिस करना पाकन-पोषन
 करना पाकना-पोषना पोषन करना
 पोषना भरन करना भरन-पोषन करना
 रखा करना रखना ।
 २ १ खलना—खैयार हीना पनपना पर-
 रिस पाना पाकना-पोषना आना पाकित
 होना पोषन पाना पोषित होना पोष
 पाना प्रतिपाकित होना अहना संरखन
 पाना संरखता पाना सरखित होना ।
 २ २ आभेय—अवर्त्म अवर्त्मन
 आचार, आठप पनाह भरीया अरब
 सहाय ।
 २ ३ अनापय—अनाथ अनाथित अठ-
 हाय धीन निरवकन्य निराचार, निरापय
 बेखरोसा बेसहाय ।
 २०४ लनाथ—अधीन नाथकृत अठ-
 हाय ।
 २ ५ अगोरना—अपोरिवा करना बीकरी
 करना बीकरीराठी करना बीकी बेना,
 बेखना बैख रेश करना रखा-करना
 रखावानी करना रखाना गहप बेना,
 गहरेदारी करना सुरखित रखना
 हिआजत करना ।
 २ ६ बीरी—अजाकी अजाकी बीर्यवार्य
 छाया अयई, अवनन अगाहई, अगाही
 अयाई, अवी अवीठी अफा अजाअनी
 अयुना अयुवुनि धूर्तता अजाख अथ
 नना अंबअगाई, अंबना अठपना अठपारी
 अठपारी अठेरन हापीत ।

- २ ६. अ. खोरी न करना—अधीर्य बस्तेय ।
२०७. लेंब—नकब सेह ।
- २ ८. छाना—छेंठना छळ करना छठना अठना भूर्तता करना बोझा देना प्रतारण करना प्रतारित करना फुसला कर के सेना मुलाना भुडाना देना मूडना झूठना झूट सेना ।
- २ ९. झसिना—झटकना झटक सेना झसिा देना झसिा-पट्टी देना झसिा-पट्टी पढ़ाना ठगना ठगमूरी छिडाना दम बुत्ता देना धोखा देना फुलवाना बहकाना बहलाना भुलवाना भलाबा देना मार सेना ।
२१. चुपना—अपहरण करना अपहरण अपहरित करना उबा सेना पिरह कट्टी करना पिरह काटना खोरी करना छीनना छीना-सपटी करना छोरना झटकना झटक सेना झपटना ठगना डकैती करना डाका पढ़ना डाका मारना मार सेना मूसना सेना के सेना हरण करना हुना ।
२११. लठना—अछोटना चुपना खोरी करना छीन सेना, झटकना झपट सेना मार सेना मूसना के सेना ।
२१२. के सेना—आ डाकना मार सेना हडप कर सेना हुपना ।
२१३. छिन जाना—अपहरण ही जाना अपहृत होना अडप हो जाना खोरी जाना हुर हो जाना मष्ट हो जाना बरबाद हो जाना, रिक्त हो जाना नुट जाना विहीन हो जाना हुर जाना हरण हो जाना ।

२१४. हुत्या—आपाठ छटक छटक खून बब हनन हिंसा ।
२१५. हुत्यारा—खुंवार, पाठक पसकी चातिनी पाठी मारक संहारक हिंसक हिंसाकु, हिंस आठिके ।
२१६. आत्महुत्या—आत्मघात खुदकुशी खुदकुशी ।
२१७. आत्मघातक—आत्मघाती ।
२१८. मारडाठना—अठम करना खून करना जाना चालना बनना नाचना नाचना प्राण सेना प्राणित करना बचना बिधसना बिहडना मारना जोष डाकना बिनासना समाप्त करना हठना हत्या करना हुना ।
२१९. लाक—माटी मिट्टी मुर्दा सोब लीबि सव ।
२२. खूर्म—आशेष अपराध इज्जाम इलजाम कसूर, पूनाह, शोष पाप ।
२२१. खैरी—अपराधी अमिमुक्त कैदी खोपी बंद, बंदा बंदी बंदीवान बंदिरा बंधुमा बाहु, मुजरिम मुझविम ।
२२२. खैर—कारा कारावास कद, कैद खाना खेल खेहक बंधिपुह, बंध । ई 'कारावार' ।
२२३. पकड़—घसत घहण घाह, गिर प्लाठी बर पकड़ ।
२२४. बकड़ना—गिरलार करना घसना घहण करना घाघना घमिना घामना घामूना बरना पकड़ना सेना समाकना हमियागा हस्तगत करना ह्राप में सेना ।
२२४. अ बंद—भुमना खीड़ ताड़न घाघन घासित सडा सजाई, सजाय ।

२२५ बँडना—अर्थ बँड लगाना अरुमाना कमाना डाँड सवाना ठाङ्गना ठाङ्गित करना बँड लगाना बँडित करना पीठना मारना घडा देना ।

२२६ बँडनीम—बँडप ।

२२७ बँडनीम—बडड बँडबँडप ।

२२८ बघ्य—बघनीम हुननीम हुन्य ।

२२९ झुकी—फाँसी मात्र बँड झुकी ।

२३ झुटकारा—उठार, उबार, झुट्टी झुट निबाठ मिचेनी मिस्तर, निस्तरा मैसात मुक्ति मोक्ष पिहार् ।

२३१ झुटकारा होना—जवारी होना उठारना उठार पाना झुटकारा पाना झुटना ठरना निर्बाण पाना नियतरना निस्तरना मात्र बघना बैतरनी पार होना मवसापर पार होना मुक्त होना मुक्ति पाना स्वतंत्र होना ।

२३२ झिटका झुटकारा हुना हो—झुटा छोडा त्यक्त निर्मुक्त निस्तीर्य ग्यस्त मुक्त रिह्या । हे 'स्वतंत्र' ।

२३३ उठारना—जावाड करना जावानी देना उठारना उठार करना उबारना झुटकारना झुटकारना झुटकारा देना उठाना छोडना ठारण करना ठारना मात्र देना निस्तरना निस्तरण करना निस्तरना बैचाना भीसापर पार करना पार करना पार कपाना बघाना बैतरनी पार करना मुक्त करना मुक्ति देना मोचना मोचना सङ्गति देना ।

२३४ उबार—उठार, अनियमित अणु अणु जावाड उभ्यूगक निर्दुप

निर्यमित गिरगळ निरवग्रह, निर्बाण निमुक्त बँचन-विहीन मनमाना मुक्त यथाकामी स्वच्छंद, स्वाधीन स्वैर, स्वैरचारी स्वैरी ।

२३५ परतंत्र—अंधर, अधीन आधीन अस्वच्छंद वावड, आयत गुलाम गुलामक ककडा ठावे निधिन निष्ण निरधिन माठहुठ परतंत्र परबस परबड पराधीन बँच बंधा बड बसी बघवर्ती बघीभूत अरम श्रुंभमित ।

२३६ स्वतंत्र करना—'स्वतंत्र' के पर्यायों में 'करना' और 'स्वतंत्रता' के पर्यायों में 'देना' या 'प्रदान करना' जोड़कर पर्याय बनाए जा सकते हैं । जैसे 'जावाड करना' या 'मुक्ति देना' आदि ।

२३७ परतंत्र करना—बँचन में शक्तता बाँचना । ऊपर की भाँति 'परतंत्र' और 'परतंत्रता' के पर्यायों से इसके पर्याय बनाए जा सकते हैं ।

२३८ स्वतंत्रता—जवारी जावानी उभ्यू-अमर निर्बाणता निमुक्तता मनमानापन मुक्ति स्वच्छंदता स्वातंत्र्य स्वाधीनता स्वैरचारिता स्वैरता ।

२३९ परतंत्रता—अधीनता आधीनता गुलामी ठाबेशारी परबसाता बघधीनता, बचन माठहुठी बघता बछित, बधिय बघयता ।

२४ आजा—अर्थात् अनुडा अनुमति अनुयायन आदेश इजाजत बहना कइ प्रवीर्य वाचन हुपम ।

२४१ आजा देना—अडपना अडपना आजा करना बहना हुकमना हुपम देना हुपम लगाना ।

२४२ अन्नाकारी—अनुगामी आजा पाकक ऊरमाबरदार, हुकमबरदार ।
 २४३ अन्नापाकन—ऊरमाबरदारी हुकम बरदारी ।
 २४४ अनुसरण—अनुकृति अनुपति अनुयमन नकक ।
 २४५ अनुसरण करना—अनुकरण करना अनुकार करना अनुसरना अनुहृणा नकक करना पीछे चलना पीछे-पीछे चलना ।
 २४६ अनुचामी—अनुग अनुपत अनुच अनुचामी अनुचारी नककनी ।
 २४७. पसोचना—कईना कुचचना बबाना पकोटना पसोचना मकना मीचना मीचना सेबना ।
 २४८. मनाना—अनुनय करना अनुचपना पाब पड़ना प्रसम करना प्रसादन करना प्रार्थना करना अनुहार करना मनीती करना मनीती मानना मिमठ करना राबी करना बिनती करना बिनय करना हाब ओड़ना ।
 २४९. नीकरी—असा कीर्त्य किकरवा कषापी छिरमत छिरमदगारी चाफटी चेरई, टहक बाछटा हासद हासपन दास्य नीकरी परिवारवा परिवर्मा परि चार, परिवारन भृति मुकाबिमठ उहकारिता सेबकाई, सेवा सेवा भृति ।
 २५० प्रार्थना-यव—अफीकेशन अरबी अरबी आवेदनपत्र निवेदन-यव ।
 २५१ प्रार्थी—अरबीचार, उम्मीदवार, निवेदक सायक ।

२५२ निवेदन किया हुआ—निवेदित प्राणित ।
 २५३ उपाधि—बिठान खेताब डिफ्फोमा डिग्री पद ।
 २५४ डिग्री—मोस्पता ।
 २५५ योग्यता के अनुसार स्थान—बोहवा जगह, नीकरी पद स्थान ।
 २५६ एजमी—आयममुकाम बचाम स्थानापत्र ।
 २५७. उपस्थित—आयाठ उद्यत रीवार, प्रतिपत्र प्रस्तुत वर्तमान मीचूद, बिघ मान हाबिर ।
 २५८. अनुपस्थित—अनुद्यत अप्रस्तुत अभाव सायक रीरहाबिर, बिना रहित घूम्य ।
 २५९. उपस्थिति—मीचूदगी बिघमानता हाबिरी ।
 २६० अनुपस्थिति—अभाव अविघमा मठा रीरमीचूदगी रीरहाबिरी घूम्यता ।
 २६१ उपस्थित रहना—अकना मीचूद रहना रहना वर्तमान रहना स्थित रहना हाबिर रहना हाबिरहोना होना ।
 २६२ अकई—अनीक अमिसम्पत अग्या मई आनाह मायोचन आस्करन आहून आहूर, कंवन कटकट, कलह, बमसान बमासान बीरप्य अंम बुज्य बुहार, जुद बुस रंया शरण पुफूर, राजदारी बराक भाषा भारप भार, मारका मारकाठ मुद रय रपरम रन रोला अरुनि मरई, विप्रह, बिदारण छकुळ संघर, संधाम संधहार, संयुम समनीक सपर, समाघाठ समिठ समिति समिब समीक समोह, सामना ।

२६३ हरावक—हरवक हरावक, हिरावक
हिरौक ।

२६४ छतार—जबलि पक्षि पयत पंगति
पयति पांती माळ माळा भेनी मूंडका
सिद्धसिला ।

२६५ युद्धनाथ—युद्धबोध लक्ष्मण, हुस्का
हुक हुंकर, हुहु ।

२६६ बारबार—बनियाण तीक्ष्ण
तीक्ष्ण तेज मुकीला नोकबार, पैता ।

२६७ टेना—टेवना ठीसा करना तेज
करना बार देना पत्वार अटाना पैना
करना रगड़ना धान अड़ाना ।

२६८ नोक—मनी किनाउ सिय ।

२६९ मुकीला—बनियाण नोकवार ।

२७० हबिमारबंद—सत्तबारी सत्तरन ।

२७१ बतबारी—कमनीत कमानिया तीर
अंदाज बतक बनुंधर, बनुष्क, बनुष्माल
बम्बी निपंची बतइत बारीत लघुहस्त
छरमण्ड सरबंभी ।

२७२ देनापतित्व—देनापत्य पैनापत्य ।

२७३ बीर—अनंतबीर्य बंभीर, तरस्वी
बहुभुद, राकत विक्रंत बीरकेघरी घूर,
घूरबीर, मूरमा घूरा सामंत छिकोही
मूरमा ।

२७४ कमर—काठर, कदराह, काबर,
कावर, मावर पीरी पीरइ चक्रित डर
पोर बुद्धिक पस्तहिम्मत भयोड़ा
भगीही भम्पू भीर, भीर राड़ बिहार,
मियार ।

२७५ बीरता—बहादुरी बीरताई, मूरता
मूरताई मूरमाल ।

२७६ काबरता—करघई, कागला काव
रदा, पीरइरता बरबिची भीरता ।

२७७. पराक्रम—यम बल बीर्य धानर्य
हिम्मत । दे 'बीरता' ।

२७८. पराक्रमी—प्राक्रमी सामर्थी
धामर्षवान हिम्मती । दे 'बीर' ।

२७९ घामल—जाहूत घुटेक चोटिल
बलमी बलमी ठाड़ित प्रठाड़ित प्रहाड़ित
अपित ह्याहूत ।

२८० प्रहार—बाक्रमण बाबाठ चोट,
टक्कर, ठोकूर, ठाड़न ताड़ना अपेड़ा
बप्यड़ बक्का पिटाई, मार, बार ।

२८१ प्रहारना—भापाठ करना चोट
करना ठोंकना ताड़ना पिटाई करना
पीटना मारना बार करना ।

२८२ तोड़ना—उपहार, पाहूर, सीगात ।

२८३ मेट—अकोट, अँकोट, मखर, मख
राना पगुरा पाहूर, बयना बामन मेट ।

२८४ पुरस्कार—इकराम ईनाम इनाम-
इकराम उपहार, पारितोषिक बखशीत
बक्षिण्ड ।

२८५. रोजवार—कमबंभा क्यमबांध
कारवार, तेजारत तिजारत बुकान बंभा
नियम पय पराम पान बनिज
बाबिग्य बिबनेस बीपार, इजपार,
ब्यबसाय ब्यबहार, ब्यापार, ब्योपार,
ब्योपार ।

२८६. रोजवारी—बारवारी ठाड़ि, पवी
पराबपति बलिक बीपारी ब्यबठामी
ब्यबहारी ब्यापारी ब्योपारी ठाड़ुवार,
सेठ, सीरानर ।

२८७. भय—अप्यबताय आयास उचब
उचोम कडेघ परिभय प्रबल प्रयास
मगावरन मघवरत मेहनत रगड़
आति ।

२८८ क्षमी — अक्षयवसायी उत्साही उद्यमी उद्योगी कर्मठ कर्मधुर, परिश्रमी मद्यकठी ।

२८९. छटोपसंबंधी—जीवोपिक व्यावसायिक व्यापारिक ।

२९ बेचना—फरोकत करना व करना विक्री करना मोड देना विक्रम करना ।

२९१ खरीदना—खीनना क्य करना खीठ करना बिसहना बेसाहना व करना मोड सेना ।

२९२ विक्री—छटोस्त विक्रम विक्रयन ।

२९३ क्य-विक्रय—फरीदफरोकत हट बाई ।

२९४ विष्काड—क्य पन परम माळ विक्रयड, विक्रु, धीवा ।

२९५. खरीदा हुवा—खीठ खीठक ।

२९६. बटिया—बटिहा मामुळी सस्ता सारा हुसका ।

२९७. उमवा—अच्छा उँवा टिकळ, बडिया बेघकीमत ।

२९८. सतरी—अमहार्बता सस्ताई, सस्तापन ।

२९९. महूची—दिरानी बेरानी मँहगाई, मँहगापन महूर्बता ।

३ विनिमय—बदला-बदला ठबडीकी ठबादसा परिवर्त परिवर्तन बदला सेन-सेन ।

३ १ हानि—कमी बिसाराय बट्टा बटी बाटा अपठ टीटा बकडा मुक-साग हान ।

३ २ काम—आमद आमदनी मज्ज परामच्छक मुनाअ ।

३ ३ पैसा—उद्यम काम कार्य बंधा व्यवसाय ।

३ ४ अहना—पावना सेहन सेम ।

३ ५ अमानत—बुत्पी बुत्पी बाटी बरोहर ।

३ ६ उपमीय—इस्तेमाळ उपयोम व्यवहार, प्रयोम प्रयोजन ।

३ ७ उपमीय करना—आंगद सेना इस्तेमाळ करना उद्गाना काम में खाना खाना पाना प्रयोग करना बिससना भोगना हुक्के खमाना ।

३ ८ खेरना—बहोरना खीठाना बापध करना बापिस करना ।

३ ९ खेती—अनृतकर्म काष्ठ काष्ठ कापी किसानी कृषि कृषिकर्म खेती बाड़ी खेतीबापी मूहस्ती मूहस्वी ।

३१ कियारी—कियार, कियार केदार, क्यारी ।

३११ जोतना—कोल करना बास करना बासना सोमरा करना हर बकाना, हक बकाना ।

३१२ हँवा—हँवी पटेका ।

३१३ हँवाना—पटेका देना सुहागा देना हँवा देना हेगियाना छम करना ।

३१४ बीना—खीठना बावग करना बीज डाकना बीया डाकना बपन करना बीर्ष डाकना ।

३१५. अनावा—अंकुरित करना अनावा उदय करना उत्पन्न करना अम्माना बोला बपन करना ।

३१६. अंबुमाना—अकुरला, अंकुर फेरना अंकुर फेरना अंकुरणना अंकुरित होना अंबुवा फूटना उगना उत्पन्न

होना उमड़ना उमरना उपचना
ऊपर आना बनना बमना निकलना
परमट होना प्रकट होना बढ़ना बाहर
जाता ।

३१७. रोपना—पेड़ लगाना बोना रोपनी
करना लगाना बपन करना ।

३१८. माचपाखी करना—बोड़िचा
बसाना छिड़कना डेंडुस बसाना बीज
बसाना बीटी बसाना पानी देना
पुर बसाना पुढाब करना भरन करना
भरना भरवाब करना सिबिया करना
सीबना सीबाई करना ।

३१९. लहलहाना (बनस्पति)—उम-
कना कचूर होना लिहना पतपना
पल्लव फूटना पल्लवित होना प्रफुल्लित
होना फूलना लहराना विकसना
हृद्यमरा होना हरा होना ।

३२०. ललितान—ललितान लल बौलि-
पान लाटा ।

३२१. ललना—कचलना कड़िना कुच
कना कूबना कूटना पीबना मीड़ना
छतियाला ।

३२२. कारीपर—कलाकार, वस्तुकार,
मिस्त्री चित्पकार, चित्पजीवी चित्पी ।

३२३. कारीपरी—वस्तुकारी निर्माणकला
चित्प चित्पकला चित्पविद्या सिद्धप
चित्पिप हस्तकला हस्तकीटक ।

३२४. लड़ना—लटित करना लड़ाई
करना लष्ठी करना लष्ठीकारी करना
बैठाना लगाना ।

३२५. लड़ित—लटित पड़ाऊ, लट्टना ।

३२६. लालू—इंद्रजाल लेंड लमाघा
त्रिकस्व ।

३२७. लालुवर—इंद्रजासी ऐंद्र लालिक
मावाबी मायिक ।

३२८. लालुपरी—इन्द्रजाल तिकस्व
मामा मायाकर्म ।

३२९. लुपटी—निमुड, बजनी बाहुमुड,
मल्लमुड मल्ल-श्रीका लडाई ।

३३०. लडाईं लिये हुये—कमीहाँ रतनाए ।

३३१. लडाईं लिये काला रंग—साकि-
लानी कपोती हृद्य लोहित भूमिका
बुगल भूमरा भूमका भूमिक भूम ।

३३२. भूरापन लिये लाल — पिनक
पिनर ।

३३३. कुमुम रंग का—कुसुमा कुसुमी
कुमुम ।

३३४. लालीरंग—कवई, करंजुचा कानिक
लाठी बुलिमा पंड, पंडुर, भूरा मटमैका
मटिमाका मणिमाकी मटिला मटीका
मुकठानी ।

३३५. लाल का बना हुआ रंग—बकल
बकलक बकला पावक ।

३३६. सुनहला—भवरई, भमरसी सुन-
हृद्य सुनहरी सोलवाल सोलहर ।

३३७. मैला—साकिवर, लालिक, मटमैला
समक । रे 'काला' मैला ।

३३८. पेई के रंग का—बहुमी पेईकी ।

३३९. लाल के रंग का—गुपी ललपी
लापी ।

३४०. लुई के रंग का—भूमिमा पुन
रला भूमिक भूम भूमवर्ष ।

३४१. लेंड के रंग का—ललईं लेंड
मलकिरी ।

३४२. बेरंग—निरंग बहरंग बिरंग
बेरना कक मलिन विरंग विवर्ष ।

३४३ पंच रंगों का—पँचरँग पँचरँग
पचरँग ।

३४४ पहरा रँग—छोख बटक ।

३४५. बलाहना—उपाकम उपाकम,
बोकना बोकना ओरहन ओरहना
बोकहना बोकहना दिका सिकबा
सिकबा-सिकामत सिकामत ।

३४६. बलाहना देना—उपाकम देना
उपाकम देना उपाकमना ओरहना
सिकबा-सिकामत करना सिकामत करना ।

३४७. पछतावा—अफसोसना अनुताप
करना अफसोस करना अनुतापना चिठा
पुर होना चिठित होना संखना संखना
झींखना पछतावा करना पछतावना
परचाताप करना हाव मसना ।

३४८. पछतावा—बंबरीप अनुताप अप-
सोस अफसोस बंद, चिठा पछतानि
पछताव परचाताप परचानुताप रंज
सोख हसरत हूँठ ।

३४९. प्राप्त—अधिकृत उपकम्य मिळा
कम्य हस्तगत हासिक ।

३५ वाला—अधिकृत करना उपकम्य
करना प्रापन करना प्राप्त करना
प्राप्ति करना कमना सहना हस्तगत
करना हासिक करना ।

३५१ बड़कना—उठकना कंठित होना
कंपना करना बरबराता परीना बड़-
कना बकबक करना बकबड़ करना
पड़पड़ना धरकना मुकमुकना फड़कना
हिकना स्पंज करना स्पंजिल होना ।

३५२ फलना — पठानना पहुँचाना
प्रस्थापित करना बेचना ।

३५३ भंगना—भंगवाना ।

३५४ मंगना—बाँचना माचना माचना
करना ।

३५५ पठाना—भेजा प्रेषित पहुँचाना ।

३५६. मीया—बाबा मीगामा माचित ।

३५७ निवाहना—बलाग निवाह करना
निवाहना निवाह करना पार-बाट लगाया
पार लगाया पूरा करना समाप्त करना
सिद्ध करना ।

३५८ निवाह—बलाब निरवाह निवाह
पार, पारबाट पालन ।

३५९ मचना—बिछोड़ना बिछोना रिड़
कना मंचन करना महना ।

३५९. अ. मंचन— बिछोड़न मचना
मचाई ।

३६ साड़ना—ओझहटी करना मूत
उठारना साड़ना-फूँकना साड़-फूँक
करना सारना टोना-टोटका करना
फूँक बाकना मंत्र फूँकना सीखहटी
करना सीखीटी करना ।

३६१ उंक—बाँड़ रंस ।

३६२ उंक मारना—बाँड़ मारना मार
बैसना उंक मारना बसना बाँस मारना
रंस मारना रँसना ।

३६३ गुदमुडाना—मुडराना गुडुराना
मुकमुडाना ।

३६४ गुदपुडी—गुदपुडाहट गुडुराहट
गुकगुकाहट ।

३६५. सड़ना—उबसना पंघाना मकना
बजबजाना बसिमाना भजमजाना सडन
होना सरना ।

३६६. बरबु करना—गंध देना बंधाना
दुर्बिष करना बरबोय करना बसाना
बसाना मोहकना । दे 'सड़ना' ।

३६७. गंध सेना—आघात करना घात सेना बाध सेना बू सेना महक सेना धुंधला ।

३६८. फूमना (फूल)—कुमुभित होना खिलना कुकना पुष्पित होना प्रस्फुटित होना मुम्फुटना विकसित होना हँसना ।

३६९. सुबंधित करना—बंधयुक्त करना पथाना गंधित करना यमकाना बाधना महकाना सुबंधियुक्त करना सुवासित करना ।

३७०. उपाम्—अभियुक्ति करीना यी युक्ति बाध युवत युगुत योयाङ्क डंग बब ठरबीट, तरकीब ठरङ्क ठरीङ्का ठरं ठारपाठ ठीर, प्रकार, पञ्जति प्रभाठी ठिक, मल युक्ति मुपति योय रीति विधान टीली सावग सुबिस्ता सुबीठा सुमीठा ।

३७१. अग्निप्रस्य—अग्निजापा बाकांथा आघय इच्छा उद्देश्य कांता कामना कारथ तातपर्यं तात्पर्यं ध्येय गीयत मंथा मंथा मठकक कथ्य बजह, सम्मति स्पृहा हेतु ।

३७२. अरीया—अरिया बरीला सावग हीला ।

३७३. हील-हवाला—बैबका बहाना बहानाबाजी बहानेबाजी बहैरी मिस हीका ।

३७४. ऐह—कल्प वरावी चिन्ह चिह्न बाय बीप बव्या बूरा बूराई, लाछन ।

३७५. निजाल बङ्गना—उरट आना उर-टना उमर आना चिन्ह पङ्गना चिह्न पङ्गना बाय पङ्गना दयिआना बव्या पङ्गना ।

३७६. करक—कङ्क चिलक चिन्हक टपक टमक टमकन टीस । दे 'बर्' ।

३७७. करकना—कङ्कना कसकना लट कला गङ्गना चिह्नकना चिन्हकना, चयना टीस मारला टपकना टमकना उमकना बर् करला कुकना पीङ्गा रोगा, फटना फटना सूठ उठना ।

३७८. क्षीय चङ्गना—पथाना यीला, खोर डालना योपना बभाव डालना बाधना विवध करना ।

३७९. अंगङ्गना—अपङ्गाई केना बें-राना योविपना ऐङ्गना बहन तोङ्गना ।

३८०. पंखा दुकलना—पंखा करना पंखा खींचना पंखा बलाना पंखा बलना सलना पंखा हिलाना पंखा हलकना विचन करना विचन बुकाना हवा करना ।

नोट—सभी 'पंखा' के स्थानों पर 'पंखी' रखकर भी पर्वत्य बना सकते हैं । इसी प्रकार 'हवा' के स्थान पर 'वायु' आदि रखकर भी । ई 'पंखा' ।

३८१. कतराना (रतटा)—बैराना, फटना बचाना ।

३८२. अवाताला—अनवातना पुठारना ।

३८३. अफनाम—अऊँ अडम अफनाम तपस्तुठ ।

३८४. पता—ठिकाना ठेकाय निघान पता-ठेनामा ।

३८५. अफनाय—अडगी खबर, डिबरन्टी मय अयप्रतिष्ठि अतरथ अयभुति, झूठी खबर, बाठी ।

३८६. एहय—अंत भेद, मल बी बाध बाध मर्म अर्मबाक्य टाड ।

१८७. मीकाल—विद्यात वित्त शक्ति समर्थ समार्ह, हितियत ।
१८८. धुमाव—ऐल्य उमेल्य बस मरोड मुर्ही कपेट ।
१८९. कल—अत मतीजा परिचाम कर ।
१९. बजाना—कपडकाल करना बस्ती करना छान करना छानना झाड़ना छारना ।
- १९१ सहोजना—देक भाक कर सेना सेइतना सेभाकना सेभाक करा देना समस बूस सेना सुधुई करना सीपना सीपना ।
- १९२ धुन होना—धुन कपना धुन बड़ना रट कपना धनक सवार होना धनक होना हुब हीना ।
- १९३ समता—उपमा जोड तसबीह तारतम्य पटतर, मिसान मुकाबिला मुपाबहत लक्ष्यता सादुषय ।
- १९४ विपमता—असमता बैर, विरोध ।
१९५. मिलाता—मुसना करना बराबरी करना पटतरना मुकाबिला करना समता करना ।
- १९६ निबाब—मानर्यय तिबाई दीब तनाब ।
१९७. सीबना—मानर्यना कर्पना लठी टना एबना पसीटना छानना ।
१९८. जिंबाना—नर्यवाना निबवाना तदवाना तनाना ।
१९९. भरबरना—रोबाब होना रोमां विन होना रोबां सडा होना ।
१९९. अ रोबाब—गुलब लोभाब ।
- ४ उबल-गुपल—अरल-बरल अम्यव

- स्या "बरका उबर, उकट फेर उकटा-पसटी गडबडी फेरफार, व्यतिक्रम विपर्यय हिरफेर ।
- ४ १ उबल-गुपल करना—अडबड करना अस्तव्यस्त करना उबलना उकटना उकटना-गुकटना उकट-गुकट करना उकट-फेर करना सीबाना गडबड करना मीचे ऊपर करना पकटना लीट-पीट करना हेर-फेर करना ।
- ४ २ उकटना—सीपना उकट जाना उकटा होना मीचे ऊपर होना पकटना विकटना ।
- ४ ३ रिपटा—तात्सुक गतरई, गतरई, गाता गातेबायी रिस्तेबायी संबंभ हितई, हितार्ई, सपरक ।
- ४ ४ व्यक्ति—आरमी जन मनई मनुष्य व्यक्ति व्यक्ति, धरम । ई 'मनुष्य' ।
- ४ ५. अपना—अपान आपन आरम आत्मिक पाठी नजबीकी निर का निनी स्व स्वकीय स्वयं का स्वीय व्यक्तिगत ।
- ४ ६. रैर—अन्य अरम ऐच-नीरा ऐचारीक जुबा डुमर, डुमय स्यारा पराया पराए, परबा विद्याना बेगाना मित्र ।
- ४ ७. अपनापन—अपनरव अपनाव आरमता आरमपन आत्मिकता, स्वकी मता आत्मीयता ।
- ४०८ अपरत्व—ईरियत परायागत बे गालमी बेमानागत मित्रता ।
- ४ ९. अपवाना—अपीवार करना अंगे पना अपना करना अरवाना आशय देना प्रहय करना सेना स्वीकार करना ।

- ४१ त्यागना—दे 'ठुकराना' 'छोड़ना' त्यागना ।
- ४११ स्वर्ध—सुबाब परस सगाब सटाब ।
- ४१२ झूना—परस करना परधना सगना सटना स्वर्ध करना हाब रखना हाब कमाना ।
- ४१३ स्वर्धअम्य—कुठहा संभामक ।
- ४१४ उतरना—अवतरन करना अवतरना अकतीर्ण होना आरपार जाना पार करना पार जाना हुसना हुसना ।
- ४१५ बुबना—बचकका जाना बचकी जाना मोठा जाना बुकना घमा जाना ।
- ४१६ बुबाना—गोठना मोठा रेना बकाना मितपना ।
- ४१७ बुबकी—बचकका गोठा बुम्बी बुककी बुकुकी ।
- ४१८ उतरना—ऊपर जाना पीरना पीरना पीकना पीरना ।
- ४१९ बहाना—बहा रेना प्रबाहित करना फेंकना मसाना धिरना धेरवाना ।
- ४२ तीरना—उतराना तरना तरित होना धिरना पेंबरना पीरना पीकना पीरना ।
- बिलोम—दे 'बुबना' ।
- ४२१ तीराक—तीरहिया पीरहिया पीराक ।
- ४२२ बुबने जाना—गीनातीर, ब्या पनइया बडवा ।
- ४२३ घपब—बहुर जान कपम बिरिया घनिडा, मीपर सीपब हकक ।
- ४२४ घपब जाना—बनम सेना हकक उरना । बनम बिरिया सीपब, सीपब

- बाबि में 'जाना' जोड़कर बीर मी घपब बनाए जा सकते हैं ।
- ४२५ निश्चय—करार, इकरार, निबंन निर्धार, निर्धारन निश्चै निहूँ । दे 'संकल्प' ।
४२६. निश्चय करना—ठीक करना ठी करना नियत करना निर्धारना निर्धारित करना निश्चित करना सुनिश्चित करना ।
४२७. संकल्प—अहूयि इकरार, इरादा, कौल बुक बुकनिश्चय प्रब प्रतिज्ञा बादा विचार संकल्प ।
४२८. संकल्प करना—झींस करना प्रब करना प्रतिज्ञा करना बचन रेना बचन-बड होना हूला हाब उठाकर कहना ।
४२९. अवशिष्ट—अवशेष उबरा बचत बचा बाकी शेष ।
- ४३ निष्ठावर—उठाप उत्सर्ध निष्ठा-वर, स्वीछावर, बकि धारन धारना धारकर ।
- ४३१ अँटना—अँट जाना अटना अमाना जाना अट जाना भला समाना ।
- ४३२ न अटना—अधिक होना अधिकाना उबरना (किरी वर्तन बाधि में) ।
- ४३३ अस्त—अस्ममित बुवा समाप्त ।
- ४३४ अस्त होना (ग्रह बाधि)—अचना अचबना अचाना अस्तनना लनम होना बुबना समाप्त होना ।
४३५. कम—तरतीब ताठम्य गृबजा मिलसिबा ।
४३६. बमानुसार—कटीने से बमनुल कमना कम से बमानुल बमिब

तखीब से तखीबवार, मूँखलाबद विष्-
सिडेवार ।

४३७. बेचम—अड-बड अस्त-म्यस्त
चकटा-गकटा चकटा-मुफटा गडबड
बेईय बेतरखीब विपर्यस्त ।

४३८. बिस्मय—अचमय अचमा
अचमो अचरज आश्चर्य करामत
गजय अमत्कार, अमत्कृति तारुमुब
विष्म हूँत ।

४३९. बिस्मयकारी—आश्चर्यजनक कटा
माठी बडब का अमत्कारिक
अमत्कारी अमत्कारिक विष्मस्त्री
हूँतअबेद ।

४४ बिस्मित—अचमित आश्चर्य
अकित आश्चर्यान्वित आश्चमित
अकित अकृत अमत्कृत रग हकका
बपका ।

४४१ अकरला—अकवकाना अवाक

होना आश्चर्यअकित होना आश्चर्य से
हथर उथर ताकना काठ मार जाना
काठ हो जाना अकवाना अकना
अकपकाना अकवक होना अकना
अक हो जाना रग रड जाना पत्थर हो
जाना पैर तले की अमीन अकना
भौंअकना होना अमित होना अम्य
होना अकवकाना हवास गुम होना
होष अकना होष अकने होना । रे
'सद्र हो जाना' ।

४४२ अकवचय—अचमाअय संगीटबंदी
अकमपुपटा ।

४४३ अपरिग्रह—अन त्याग ।

४४४ परिग्रह—अनसंग्रह ।

४४५ अहिंसा—अरपीइतहीनता ।

४४६ हिंसा—अरपीइत ।

४४७ अहिंसक—अहिंस ।

४४८ हिंसक—अरपीइत हिंस ।

४१ त्यागना—दे 'दुकराना' 'छोड़ना' त्यागना' ।

४११ स्वर्ग—सुख परस लयान सटाव ।

४१२ झूना—परस करना परसना लयान सटाना स्वर्ग करना हाप रखना हाप लयाना ।

४१३ स्वर्गलम्प—सूतहा सजामक ।

४१४ उत्तरना—अवतरण करना अवतरना अवतीर्ण होना आरपार जाना पार करना पार जाना हुसना हेसना ।

४१५ बुजना—मचकका खाना मचकी खाना पोठा खाना बुजना समा खाना ।

४१६ बुधना—गोठना पोठा बेना बुजाना मितरण ।

४१७ बुधकी—मचकका पोठा बुधकी बुधकी बुधकी ।

४१८ उत्तरना—ऊपर जाना तीरना पीरना पीड़ना पीरना ।

४१९ बहना—बहा बेना प्रवाहित करना फेंकना मसाना सिराना छेरवाना ।

४२ छेरना—उतरना तरना तरित होना छिरना पीरना पीरना पीड़ना पीरना ।

बिलोम—दे 'बुजना' ।

४२१ तीराक—तीरहिया पीरहिया पीराक ।

४२२ बुकने बाकन—पोठाकोट, बुकना पनबुक्ना बुकना ।

४२३ सपन—सहद, सान कसम किरिया प्रतिज्ञा छीमद, छीमंज हुकड ।

४२४ सपन खाना—कसम केना हुकड उठना । कसम किरिया छीमद, छीमंज

आदि, में 'खाना' जोड़कर भीर भी छप बनाए जा सकते हैं ।

४२५ निरखय—कराए, इकराए, निर्खय निर्घाट, निर्घारण निर्खै निहूँ । दे संकस्य' ।

४२६ निरखय करना—ठीक करना ठी करना नियत करना निर्धारना निर्घाटि करना निरखित करना युनिरखित करना ।

४२७ संकस्य—अहिय इकराए, इराना कौल बुड़ बुड़निरखय प्रय प्रतिज्ञा बावा विचार संकस्य ।

४२८ संकस्य करना—कौल करना प्रय करना प्रतिज्ञा करना बचन बेना बचन बड होना हुना हाम उठाकर कहुना ।

४२९ अवधिष्ट—अवधेय उतरत बचत बचा बाकी छेव ।

४३ मिजावर—उताए उत्तरं मिज नर, म्योजानर, बकि बालन बालना बारफेर ।

४३१ बेटना—बेट जाना बटना अमाना खाना बट जाना भरना समाना ।

४३२ न बदना—अधिक होना अधिकाला उबरना (किरी बर्तन आदि में) ।

४३३ अस्त—अस्मित बुवा समाप्त ।

४३४ अस्त होना (अहू आदि)—अवना अचवना मसाना अस्तपना कृतम होना बुवना समाप्त होना ।

४३५ कम—उरतीव ठाठम्य मृच्छा सिद्धिला ।

४३६ कमलुतार—करीने छे कमलुत कमस कम से कमलुत कमिक

ठण्डीव से ठण्डीवबार, मुंलभाबठ सिक्क-
सिसेवार ।

४३७. बेचम—बड-बड अस्त-म्यस्त
उकटा-नकटा उकटा-मुकटा मडबड
बेईम बेतरणीव विपर्यस्त ।

४३८. विस्मय—अचमच अचमा
अचमी अचरअ आश्चर्य करमाठ
मनव अमत्कार, अमत्कृति ताग्दुव
विकस्म ईरठ ।

४३९. विस्मयकारी—आश्चर्यजनक करा
माठी मचव का अमत्कारिक
अमत्कारी अमत्कारिक विकस्मी
ईरठअपेड ।

४४०. विस्मित—अचमित आश्चर्य
अकित आश्चर्याकित आश्चमित
अकित अकृत अमत्कृत वंग हकका-
वकका ।

४४१. अकराना—अकवकाना अवाक

होना आश्चर्यअकित होना आश्चर्य से
इअर उअर ठाकला काठ मार आना
काठ हो आना अककला अकना
अकपकाना अकवकत होना अकना
अक हो आना अंग रह आना पत्थर हो
आना पैर ठके की अमीन अरकला
भीअकना होना स्तमित होना स्तम्भ
होना हकवकना हवास युम होना
होना उकना होष ठिकने होना । दे
'सम हो आना' ।

४४२. अह्यअर्य—अचमाअम अणोटअरी
स्तम्भअनुप्यता ।

४४३. अपरिग्रह—अन त्याग ।

४४४. परिग्रह—अनसंग्रह ।

४४५. अहिता—अरपीअनहीनता ।

४४६. हिता—अरपीअन ।

४४७. अहितक—अहित ।

४४८. हिसक—अरपीअक हिस ।

अनुक्रमणी

[शब्दों के आये क्रिसे अक्षर और अंक पीछे दिए गए पन्नों के शीर्षक ह।]

अ

अईसासन्या क ४९४	अंग क ५८५, क ११ प ११ प १२
अंक क ११ क २२८ क २९९, क ५५६	ग ११
क ६ ९, ग १२, प ७६, क १ १	अंगज क २०१ प २४७ प २५
क ४५७	अंगवार्ड सेना क ३०९
अंकगणित क ५५३	अंगकाना क ३०९
अंकड़ पाता क ८१	अंगक क ३०२, क ३८१, क ३३३ क ३५०
अंकड़ा क ५७२	अंगना क १४५
अंकड़ क ९९	अंगलार्ड क १४५
अंकन करना क २९४	अंगभनी क ५३७
अंक भरना क १५२	अंगरत्ना क २५२
अंकमात क १५	अंगरत्न क ३२२
अंकनामा क ९६७	अंगरत्ना क ३७९
अंकवार म ७६ क १५	अंग स्याना क १५२
अंकवार भरना क १५२	अंगहीन क २०१ क ५३९
अंकाला क ९९७	अंसा क २४३ क २५२
अंजित क १७	अंसार क १ २
अंजित करना क २८८, क २९४	अंसाही क २५१
अंजु क २४ प २६	अंजिया क २६९
अंजुना क ३३६	अंजिरा क ५७८, क ७४
अंजुन क ८२ क २१८, क ३ ८ क	अंजिराना क ९
७७८	अंजीवार क १७, क १८६ क १८८
अंजोप क ५	अंजीवार करना क १८३ क ४ ९
अंजोही क १९	अंजोटी क ४२१
अंजुना क २४	अंजुनी क ६७ प ४४४
अंजुनामा क ३१६	अंजुनीय क ३५८

अंगुल म ६०	अंठपा म ५४९
अंगुलाटी क ३५८	अठ क २७१ ग १२, ग ८१ म १२९, म ५१२ ख २
अंगुलाता क ३५०	अठकोय ग ८१ ख २
अंगुल न ७	अठज क १२३ ग ५५८, म ५८४ ग ५९८
अंगुली क ५२०	अठजंठ ज १२५, म ४३०
अंगुल्य म १९ ग ७	अठजठ करणा ख ११३ म ४ १
अंगुठी क ३३६ क ३५८	अठरामियर क २६९
अंगूर ल ५२८, म ३४३	अठा म १२ म ६ ३
अंगुरी क ४१ ल ५५	अठाकार ज ५८३
अंगेचना ख १५२, ज १८३ म ४ ९	अठाहृत क ५८३
अंगोचना म ७१	अठी क २३४
अंगोठा क २५६	अठुवा म ८१
अंगोठी क २५६	अंतकरण ग १३
अंग्रेज ग ३६५	अंतपुरवारिवा म २७७
अंघि म १३	अंत क १०२ ग १३ ग १५४ ज ८०१ ज ८२३ म ३८६ म ३८९
अंघक क २०३ ख २८	अंतक क ११२ क ११५, क ३१७ क ३१८ क ४७७ म १५४
अंघला क २०३	अंतकर्ता क १६५
अंघवता म १२ म १२३	अंतकाल म १५४
अंघार छ १३७ छ २०३	अंठी ग ९८
अंजन छ ३ ६ म ५३१ म ५६९ ग ८, क ३ १ क ३ ५, ख ८८, छ १४३	अंतरा ग २०८
अंजना क ३१४ क ३८१ म ५३१	अंतर म ५, क ३१२, छ ७ छ १४२, छ १ ३ ज ८ ज ८५६
अंजनी क ३८१ म ८ म १६६	अंतरवामी क ११२
अंजनीकुमार क ३८	अंतज क ११२
अंजल-अंजल ग १	अतरा छ ७ छ १४२
अंजीर म ३७	अंतगाथा म ५, म ६
अंजोरना म ११	अंतगि क २३८, म ४६ ख ३ ख ६
अंजोरिया ख १६	अंतगिरि ख ७ ख ७७
अंजा छ ७ छ १५५	अंतगीय क २६१ क २७१
अंजा ज १६ म ४३१	अंतर्गत म ८६
अंजामाता ज ७ ३	
अंठी क २६३ क २९३ क ३४ क ५६४	
अंठई म ५५	

अंबुष २६२
 अंबुषक १२३ अ ३८८
 अंबुषि अ २६४
 अंबुषाव क २८९
 अंबुषिणि अ २६४
 अंबुषति क २८९
 अंबुष क २ ७ क ३४६ ग १६६ अ २६२
 अंबुषक ३ ७ अ ६४ अ ३८८
 अंबुषर क २३९
 अंबुषी क ४५४
 अंबुषी क ४५४
 अंबुष क ६४३ ग ३६
 अंबुष क २९७ अ ९, क ४८
 अंबुष क ३३३ क २७४
 अंबुषाणी क २९७
 अंबुषा ग ११९
 अंबुषि अ १९५
 अंबुषि अ ३ ४
 अंबुष क २४२
 अंबुष अ २१ अ ७३ अ ८६, अ ८८,
 अ ८९, अ ९२
 अंबुषाणा अ ८१
 अंबुषाणा अ ७६
 अंबुषाणा अ ७६ अ ८१ अ १४५
 अंबुषाणा अ ९१
 अंबुषाणी अ ८८, अ ९२
 अंबुष अ ९१
 अंबुषि अ ९१
 अंबुष अ ११८
 अंबुषाणी अ ११८
 अंबुष अ ११८
 अंबुष अ २३३
 अंबुष अ ६ ३ अ १११

अंबुषक करमा अ ११३
 अंबुषकाना अ १८ अ ७६७ अ ४४१
 अंबुषकरा अ १३९
 अंबुषकर्म्य अ ६६ अ ६६२
 अंबुषकर्ता क ११२, अ ६६
 अंबुषकर्म्य अ ४४५, अ ६६
 अंबुषकर्मी अ ३१२
 अंबुषकर्म्य अ ६६२
 अंबुषकर्मिणी अ ३१५
 अंबुषकर्म क ११२, ग १३२ अ २२६
 अंबुषकर्मिणी अ ३६३
 अंबुषकर्मिणी अ ३६५
 अंबुषकर्म अ २७३
 अंबुषकर्मिणी अ १९८, अ ११९
 अंबुषकर्मिणी अ १९८ अ १ १३
 अंबुषकर्मिणी अ ८७९
 अंबुषकर्मिणी अ ४५५
 अंबुषकर्मिणी क ११२
 अंबुषकर्मिणी क ११२ क ११६
 अंबुषकर्मिणी अ ५
 अंबुषकर्मिणी अ ४ ५
 अंबुषकर्मिणी अ ४ ६
 अंबुषकर्मिणी अ ५२५
 अंबुषकर्मिणी अ १८
 अंबुषकर्मिणी अ २६६
 अंबुषकर्मिणी क ११५
 अंबुषकर्मिणी अ १८
 अंबुषकर्मिणी अ १६६
 अंबुषकर्मिणी क ११२, क ११६
 अंबुषकर्मिणी अ २६४
 अंबुषकर्मिणी अ ३८७
 अंबुषकर्मिणी अ ०२१
 अंबुषकर्मिणी अ ११९

अंतर्गति अ ३	अशोह अ २२४
अंतर्गति अ ७३ अ ८	अशय ५२८ ग ६५२, छ २८४ अ २ ३
अंतर्गति अ ८ १ अ ८ २	अ ४९६
अंतर्गतिना अ २२४	अशकार अ २३६ छ २८४
अंतर्गति ग ६ अ ८६	अशकूप क ३२३ क ३२४ अ ३ ५
अंतर्गति अ २२६	छ २८४
अंतर्गति अ ५६	अशङ्क छ २६८
अंतर्गति क ११२	अशठा अ ४९७
अंतर्गति अ १२३	अशठामिस क ३२२, क ३२३ क ३२४
अंतर्गति अ ८	अश्वरा अ ४९६
अंतर्गति अ १३	अश्विस्वात क १२
अंतर्गति अ ८२१ अ ८२२	अश्विपवाती क १४
अतिवाती अ २४२	अशा अ ४९६
अत्य क १७३ अ ५५	अशाबुध अ १५८
अत्यज ग २९६, ग २९८	अशापन अ ४९७
अत्यवर्ष म २९६	अशार अ २८४
अत्यासरी अ २७३	अशियार अ २८४
अत्यानुप्रास अ १९९	अशियारा अ २८४
अत्येष्टि करना अ ८३१	अशेर अ १५८ अ १६५, अ १६९
अथ म ९८	अशेरलाता अ १५८
अथी अ ९८	अशेरा छ २८४
अथर अ १७७ अ ९८२ अ ९८५, अ २३५	अशेरिया छ १४६ छ २८४
अथर आना अ ७४	अशेरी अ १९५, छ १४६ छ २८४
अथर करना अ ७४१	अथ अ १९७
अथर आना अ ७४	अथर क २४२ अ ४६ क २१८ क २३३
अथरता अ १८२	अ ३ छ २३९
अथरनी अ ९८४	अथरीय क १३४ क १६५ अ ४५
अथर अ ९६३ अ ९६४	अ ४६ अ ३४८
अथर अ ९६५	अथा क १८५, क १९४ अ १७७ अ १९७
अथर करना अ ९६४	अथालिका अ १७७ अ १९७
अथरना अ ९६४	अथिना क १८५, क १९४ क २ २
अथर लपाना अ ९६४	ग १७७ अ १९७
अथिना अ २२४ अ २२५, अ २३१ अ २३३	अथिया अ ३८

अनु च २६२
 अनुच क १२३ च ३८८
 अनुधि च २६४
 अनुनास क २८९
 अनुनिधि च २६४
 अनुपति क २८९
 अनु क २ ७ क ३४६, म १६६ च २६२
 अनुोज क ३ ७ ग ६४ च ३८८
 अनुोवर छ २३९
 अनुोटी च ४५४
 अनुहीटी च ४५४
 अनु च ६४३ ग ३६
 अनु क २९७ च ९, छ ४८
 अनुक छ ३३३ छ २७४
 अनुमाली क २९७
 अनुषा म ११९
 अनुति अ १९५
 अनुत अ ३ ४
 अनु क २४२
 अनुच अ २१ अ ७३ अ ८६ अ ८८
 अ ८९, अ ९२
 अनुच आता अ ८१
 अनुच विनाता अ ७६
 अनुचता अ ७६ अ ८१ अ १४५
 अनुचवास अ ९१
 अनुचवासी अ ८८, अ ९२
 अनुच अ ९१
 अनुचैत अ ९१
 अनुच अ ६१८
 अनुचनीय अ ६१८
 अनुच्य अ ६१८
 अनुचक अ २३३
 अनुचक अ ६ ३ अ ६११

अनुचक करना अ ६१३
 अनुचकाना अ १८, अ ७६७ हा ४४१
 अनुचकरा अ १३९
 अनुचर्ष्य अ ६६, अ ६६२
 अनुचर्तिक ११२ अ ६६
 अनुचम्य अ ४४५, अ ६६
 अनुचमी अ ३१२
 अनुचर्म अ ६६२
 अनुचसंकी अ ३१५
 अनुचक ११२, म १३२ अ २२६
 अनुचकमंथ अ ३६३
 अनुचकमधी अ ३६५
 अनुचक अ २७३
 अनुचकर छ १९८ अ ९१९
 अनुचस्तात छ १९८ अ १ १३
 अनुचंड अ ८७९
 अनुचाच अ ४५५
 अनुचाय क ११२
 अनुचारण क ११२, क ११६
 अनुचात छ ५
 अनुचिचन त ४ ५
 अनुचिचनता अ ४ ६
 अनुचिलदाह अ ५२५
 अनुचुनाता अ १८
 अनुचुतगता अ २६६
 अनुचुल क १६५
 अनुचुलाता छ १६१ अ १८
 अनुचुल अ ९६६
 अनुचुल क ११२, क ११६
 अनुचाहण अ २६४
 अनुचिमिणा अ ३८७
 अनुचैन-नुचैन अ ९२१
 अनुचैता अ ९१९

अकेला-बुकेबा व १२१

अकेलापन व १२

अकेले व ११९

अकबड़ व ७७ व २४

अकबरपन व ७९

अकबर क ३८

अक्रीम क १८

अकल व १ ८, व १३२, व ३३२

अकलमर्द व ३३३

अकलमन्त्री व ३३५

अकसर व १ ०९

अक क ३९४ क ५५८, ग १९, ग १३४

ग ५५८, ग १९२, क ३३ क ३७४

अकशुमार क ३९४

अकशूट व २१

अकश क ३ क ३१ व २३६, क ३३ क

३४ क १४८

अकशमोनि क ६२

अकशपटल व २२

अकशपाटक क १६

अकशपाद क ५६७

अकश व ८

अकशमना व ३६२

अकशमसिका क ५५८

अकशय क ११२ व ८३३

अकशयकुमार क ३९४

अकशवतुर्जीमा क २ ८, क २२

अकश क ११२ क २२५, ग ५, ग ९,

व ३ व २३३ व ८३३

अकशवाट व ३१७

अकशीन व ४९६

अकशि व १९

अकशिगग व २१

अकशुचन व ८७९, व ८२६

अकशिट व ३५९

अकशोट व ३५९

अकशोम व २४

अकशक क १६७ व ८७७ व ८७९

अकशक क २२५, व ८७७

अकशकित क १६७ व ८७७ व ८७९

अकशीन क २ ८ क २२

अकशवार क २८९

अकशला व ४७

अकशोटे व ३५९

अकशलाक्री उमूक क ३३१

अकशका क ८ व १ २, व २१७ व

२२३ व १२४ व १२५

अकशिक व ८७७ व ८७९

अकशियार व १४९

अकश क २९७ ग ५५८ व २ व २४८

अकशकमत व ४९८

अकशित व ५७१

अकशय व ५७१

अकश व ५४९, ग ३६

अकशला क ३७

अकशित क ५७१

अकशीमा व १४५

अकश व १ व १७९, व ५६४ व ५७६,

व ६५८, व ९११

अकश व ५६४ व ५७६ व ९११

अकश व १४ व १ ४

अकशके व १ ५

अकशकली क ३४

अकश व १४

अकशके व १ ५

अकश व १६६ क १४७ क १८९

- अथार क १३७
 अथाह व १४१
 अथित व २२७
 अथितित व २२७
 अथिराव छ १५९
 अथीठा क १६८, व २२७ व ९११
 व १ ११
 अथेत व २ ३ व २२९
 अथेतगा व ५२९
 अथीर्ष क २ ९ अ
 अथ्युत क ३१ क ६३
 अथ्यरा क २४७
 अथ्यरी क २४७
 अथ्या व ५४७ क ५ व ४२ व ४६३
 व ४७५, व ५६९, व ८२६, व ९९७
 अथ्याई क ५१ व २८, व ४७७
 अथ्या करला व ९४२
 अथ्यापन व ४६७
 अथ्या समाजा व ४६९, व ९५६
 अथ्युत क ११२, क १३४ क ४७७
 अथ्युवार्थ क ११२
 अथ्युत व २९६
 अथ्युता व २९८
 अथ क ११२, क १२३ क १३४ क १६५,
 क १६८, क २७१ क ३ ७ ग ८, ग
 ४९ ग ४९१ व ५९
 अथवर व ५६७ क ४ ८
 अथवक क १७६
 अथवहा व ५६७
 अथवरी व ११३
 अथव्या क ११२, क ११६
 अथव व ४१८
 अथवामा व २५१
 अथवेर क ५१८
 अथवीवा व १४४ क ७६
 अथव व २८९
 अथर क ११२, क २ ७
 अथवाहन क ७६
 अथल क १६७
 अथ क १८५, क १९४ व ४९२
 अथातथ्यु क १६५, क ४१४
 अथान क ५१४
 अथानुवाह व ५२७
 अथानीक क ४७१
 अथापववर व २१३
 अथिजीरा ग १६५
 अथिल क १६५
 अथिर क ३१६, व १२, व १४५, छ २६३
 अथीज ग २६७
 अथीव व ४१८
 अथीवोपरी व ४१८
 अथीर्ष क ४६७
 अथी व ११
 अथ व ४२२, व ११२, व ३६४
 अथता व २३६ व १ ४
 अथात व १ ६, व ११२
 अथातमीथला व १६१
 अथान क २३६
 अथानता व २३६ व ३६६
 अथानी व ११२ व ३६४
 अथीय क ११२
 अथुराना क २७५, व ७८१
 अटक व २१५ व २२४
 अटवता व २३२ व ७८१
 अटकल व ९६३
 अटकल समाजा व ९६४

अटकाता अ ७७४ अ ७८२, अ ७८८
 अटकाव अ ७८६
 अटन अ ६८७
 अटना अ ६८८ अ ४३१
 अटपट अ ६४
 अटपटागा अ २३२ अ ८४३
 अटल अ ६७९, अ ८३३
 अटवी अ ११
 अटा अ १४६, अ ९२४
 अटाठी अ १४३
 अटारु अ १७३
 अटाभा अ ९२४
 अटेन अ ५६४
 अट्टास अ १६५, अ ४१५, अ ६२९
 अट्टालिका अ १४६
 अट्टास अ ६२७
 अट्टारु अ ६२३
 अट्टी अ ५१
 अठिमाता अ ७६
 अठारु अ ६२३
 अठाराठ अ ११३
 अठकाला अ ९
 अठमी अ ४२४
 अठरु अ २२७
 अठुन अ १४९
 अठुवा अ १९३, अ १३८
 अठुमा अ ७८६
 अठुगा लमाता अ ७८८
 अठु अ ७३
 अठुवाता अ ७७४ अ ७८२
 अठुवन अ ७८६
 अठुवन शास्ता अ ७७४
 अठुवा अ ७७३ अ ७८१

अठुवांग अ ६४
 अठुवड अ ६४
 अठुवकाला अ ७ ७
 अठुवक अ ४२२
 अठुवक अ १९३
 अठुवा अ १३ अ १९३ अ २०३
 अठुवाता अ ७८२, अ ८७१
 अठुवार अ ६ अ ६५, अ ९२४
 अठुवक अ ७४ अ ४४५
 अठुवी अ १२
 अठुवा अ १४९
 अठुवना अ २४१
 अठुवाई अ ५८६
 अठुवना अ ७ १
 अठुवमा अ २६४
 अठुव अ ५ ३ अ ८९५, अ ९१
 अठु अ १ ६
 अठुव अ १ ६
 अठुवपुगा अ १९
 अठुवक २७१ अ ४९८, अ ५४
 अठुवराता अ ४४६
 अठुवराठ अ १८४
 अठुवक ३३६ क ३३७ क ३३८
 अठुवकाम अ ४९८
 अठुवकाम अ १७५
 अठुवकाम अ ४८
 अठुवकाम अ ८
 अठुवकाम अ ३११ ग ३७८
 अठुवकाम अ ८४
 अठुवकाम अ ९१४
 अठुवकाम अ ९२
 अठुवकाम अ ९२
 अठुवकाम अ ९१

अक्षरानुसारी १११
 अक्षरानुसारी ५११
 अक्षरानुसारी २६५
 अक्षरानुसारी ११२, ग १५९, छ १०२,
 च १८१
 अक्षरानुसारी ३०८
 अक्षरानुसारी १११
 अक्षरानुसारी १११
 अक्षरानुसारी १५८
 अक्षरानुसारी १८
 अक्षरानुसारी ५२३, अ १११, अ १६६
 अक्षरानुसारी १११
 अक्षरानुसारी ५०१, अ १११
 अक्षरानुसारी ३६
 अक्षरानुसारी ३६, अ ११५
 अक्षरानुसारी १११
 अक्षरानुसारी १११, अ १६६
 अक्षरानुसारी १११
 अक्षरानुसारी २९८, अ ३, अ ११९
 अक्षरानुसारी ३, १, अ १०
 अक्षरानुसारी १९
 अक्षरानुसारी ५२१, अ
 अक्षरानुसारी १९
 अक्षरानुसारी १८८
 अक्षरानुसारी ५५५, अ ७३, अ ७५
 अक्षरानुसारी ५५७
 अक्षरानुसारी ३, ७, अ ५५९, अ ५६८
 अक्षरानुसारी १८७
 अक्षरानुसारी ५३५
 अक्षरानुसारी ५५५, अ २३७
 अक्षरानुसारी ५५६
 अक्षरानुसारी ५३५
 अक्षरानुसारी १, १

अक्षरानुसारी ५३५
 अक्षरानुसारी २६५, अ २३७, अ ५६५
 अक्षरानुसारी २५
 अक्षरानुसारी २२७
 अक्षरानुसारी २२७
 अक्षरानुसारी २२८, अ ५५६
 अक्षरानुसारी ५१७
 अक्षरानुसारी १२६, अ १७७, अ २९७, अ ३५२
 अक्षरानुसारी १३
 अक्षरानुसारी ३१५
 अक्षरानुसारी ९
 अक्षरानुसारी ८, १
 अक्षरानुसारी ५५५
 अक्षरानुसारी १६५
 अक्षरानुसारी ५
 अक्षरानुसारी १८३
 अक्षरानुसारी ३
 अक्षरानुसारी ५, ३
 अक्षरानुसारी ३९
 अक्षरानुसारी २२५
 अक्षरानुसारी १८५
 अक्षरानुसारी २७६
 अक्षरानुसारी २७९
 अक्षरानुसारी १२३, अ २९७, अ ५, अ, अ
 ५५१, अ १७५, अ १७७, अ ६, अ ३५
 अ ९
 अक्षरानुसारी ५५८
 अक्षरानुसारी ७३, अ ८
 अक्षरानुसारी २३, अ ३०८, अ २, ५
 अक्षरानुसारी १७६
 अक्षरानुसारी ५१५
 अक्षरानुसारी १७८
 अक्षरानुसारी ११२, अ ७३, अ ८

मनुष्य १ अ ४५७ अ ७३ अ ८
 मरेली अ २६३
 मरेह २७१ अ ५४
 मरा अ ५७५
 मरी अ २३५
 मरुत अ १७९ अ ४१८
 मरु अ १८७ अ १९१
 मर्यापि अ १९२
 मर्यावधि अ १९२
 मरा अ ३३
 मरि अ २४८
 मरिजा अ १८५
 मरिजनमा अ १८५
 मरित अ ११२
 मरुच्छ्री अ २४२ अ २४७
 मरुत्पाटी अ ४८६ अ ४८७
 मरुभा अ ४२७
 मरुपका अ ७३
 मरुम अ ३१ अ २ अ ४२९ अ ४३९
 मरुमता अ ४४१
 मरुमपन अ ४३
 मरुमाई अ ४३ अ ४४१
 मरुप २४ प ८ अ ६
 मरुप अ ३ ४
 मरुि अ १९ अ १११
 मरुिअर अ १९८
 मरुिका अ ११३
 मरुिकनर अ १९७
 मरुिकमास अ ६३
 मरुिक हीना अ १८५ अ ११७ अ ४३२
 मरुिकांग अ १११
 मरुिकाण्ठ अ १९८
 मरुिकाई अ ११३

मरुिकाना अ ११७ अ ४३२
 मरुिकार अ ३४८ अ १४९
 मरुिकापी अ ३६८
 मरुिकुत अ ३४९
 मरुियम अ ३४२
 मरुिप अ ३६८ ग २२४ ग ३८
 मरुिपति अ १३४ अ ३४५ अ ३६८
 प २२४
 मरुिराज अ ३४९
 मरुिवास अ १२९
 मरुिवाही अ ५५५
 मरुिष्ठाटा अ ११२
 मरुिष्ठाग अ १२९ अ १३
 मरुीन य ३८३ अ १३६ अ २३५
 मरुीमता अ १३७ अ २३९
 मरुीर अ १२ अ १३ अ २२६
 मरुीरता अ १५ अ १६
 मरुीर हीना अ १८
 मरुीर अ ३६८
 मरुीस्वर अ ३६८
 मरुुमा अ १९१
 मरुुनाठन अ १७५
 मरुुली अ ४२४
 मरुुई अ १३४
 मरुुमिति अ २६२
 मरुुमनन अ ७२
 मरुुलोक अ ३३५
 मरुुवत्न अ २६१
 मरुुपी अ ४५४
 मरुुहा अ ७९ अ ३३५ अ ३६८ प ३८
 मरुुपन अ २ ९ अ २५६
 मरुुवन कला अ २४६
 मरुुवसाय अ २८७

अभ्यवसायी श २८८

अभ्यात्म क ५५८

अभ्यात्म रामायण क ५८४

अभ्यात्मशास्त्र ख ३२७

अभ्यापक ख २४१

अभ्यापन ख २५७

अभ्यास ख २९९

अभ्यास ख ९७६

अभ्यग म ४५ ख ६९३

अभ्यगा ख २९

अभ्यर क ८१

अभय क २७१ ख ५४

अभय क ११२ क १३४ क ३२८ क ३२९,

क ३३ क ३७ ख ५७१ ख ३

छ २ ९, ख ९११

अनन्तचतुर्विंशती छ २ ९

अनन्तमूल ख १४६

अनन्तर छ १९३

अनन्तबीर्ष श २७३

अनन्धना ख ४१

अनन्धी क १७५

अनन्धु छ ५, छ ६६

अनन्त क ३ ३ ख ३४ ख २६२

अनन्ता क ३ ३

अनन्त ख ४३५

अनन्तना ख ४५२

अनन्तना रा ५७१

अनन्ताहा ख १४३ ख ४२१६

अनन्तीना ख ११२

अनन्तना ख ११२ ख ३६४

अनन्तना ख १ ६ ख ११३

अनन्त्या छ १५५, छ १५६

अननुरक्त ख १२३

अननुरक्त करना ख १२६

अननुरक्त होना ख १२५

अनन्तास म ३५

अनपच ख ४६७

अनपङ्ग ख २४

अनपेक्षित ख ४२१ इ

अनबल ख २७६

अनबोद्धा ख ५१९, ख ६ ७

अनम्माहा श २६

अनभिन्न ख ११२

अनभिज्ञता ख १ ४

अनभिकपित ख १४३

अनमता ख ५४६, ख ५६

अनमनापन क २८१ ख ५७

अनमना होना क २८

अनरत ख १२८

अनरसता श १३

अनरसा क १८२

अनरूप ख ४६५

अनरूपता ख ४६८

अनरु क २ ६ क ३११ प १२४

अनात्प ख ९११

अनबलत ख १ ६

अनबट इ ५३५

अनबधि छ १९७

अनबरत छ १६७

अनबन्धित ख १३

अनबन्ध ख ८३३

अनन्धिन म २७

अनायासिण ख १४३

अनायास १६९
अनायासी ख १७

अनाज व २२५	अनिर्बन्धीय व ११८
अनाड़ी व ११२	अनिस क २४ क २६, क ११३
अनाड़ीपत्र व १४	क ११६, व ८४ व ४२
अनाथ स १४ स २३	अनिवार्य व ४२१ आ
अनाथात्म्य व २४	अनिवार्यता व ४२१ ई
अनावर व ३४८	अनिश्चित व २३
अनावर करना व ११९	अनिष्ट व २९
अनादि क ११२	अनिष्टकारक व ३१
अनामूठ व ३४५	अनी व ३५९ अ ३२१ स २६८
अनाप-सनाप व ६२५	अनीक व ३५९, व ३६५, स २६२
अनामय स ३६	अनीकिली व ३५९
अनामिका म ६९, प ७३	अनीति स १६५, स १६९
अनामास व १६८ व ११३	अनीतिनाम स १६७
अनार व ३४४	अनीस्वरवादिता क १२१
अनाशयक व ४२१ इ	अनीस्वरवादी क ६, क ११९
अनामूठ व ३८९	अनीह क ११२
अनामूठि व २५३	अनुकपा व १९
अनायय स २३	अनुकपा करना व २५
अनामिष्ठ स २३	अनुकरण करना व २९४ स २४५
अनासक्त व १२३	अनुकूल व १५२, ग २२६, व ३९, व १८४
अनासक्त करना क २७९	व २८५
अनासक्त होना क २८	अनुकूलता व २७५
अनामूठ स ८३	अनुवृत्ति व १३ स २४४
अनिष्ट व ३८८	अनुयत प ३८३ स २४६
अनिष्ट व ४७५	अनुमति स २४४
अनिष्टा व १४८	अनुगमन स २४४
अनिश्चित व १४३	अनुगामी म ३८३ स २४२ स २४६
अनिय व १५ व ८३२	अनुगीता क ५८२
अनिमेष व १	अनुगृहीत व २६५
अनिमेष रेषणा व ७२६	अनुग्रह व १९
अनियमित स २३४	अनुग्रह करना व २५
अनियारा स २६६, स २६९	अनुषाही व २२
अनिष्ट क ४३	अनुषर म ३८३

अनुचरी ग ३८४
 अनुचित व ४२१
 अनुच न २१४ य २२ स २४६
 अनुचाप व ४६, स ३४८
 अनुचापमा स ३४७
 अनुच्छाह व ४४६
 अनुचात व ४३८
 अनुचार व ३९ व ३१
 अनुचार्या व ३९१
 अनुक्ति छ १३८
 अनुद्यत स २५८
 अनुनय व १७६
 अनुनय करना स २४८
 अनुनय-विनय व १७६
 अनुपम व ४६३
 अनुपमेय व ४१८, व ४६३
 अनुपमक व ४२१
 अनुपस्थित स २५८
 अनुपस्थिति स २६
 अनुप्राप्त व १९
 अनुबंध व ८१२
 अनुभव व ३८३
 अनुमती व ३८२
 अनुमात्र व १८७
 अनुमूत व ३८४
 अनुमृष्टि व ३८३
 अनुमति स २४
 अनुमान व ९६३ व ९६९
 अनुमान करना व ९६४ व ९६८
 अनुमान कराना व ९६७
 अनुमानत व ९६५
 अनुमानना व ९६४
 अनुमित व ९६३

अनुयायी व ३८३ स २४६
 अनुरंजित व २२
 अनुरंजित करना व २६, स २७
 अनुरक्त य २६६, व १२२
 अनुरक्त करना क २७४
 अनुरक्त होना क २७५
 अनुरक्ति व १२७
 अनुराग व १४५, व १४७
 अनुरागना व १३९
 अनुरापी ग २६६
 अनुराधा व २६ व ४५
 अनुस्य व ४२२
 अनुस्यता व ४२४
 अनुसोय व ७३
 अनुवार व १
 अनुवारी व ३९
 अनुशासन स २४
 अनुशासनपथ स १८८
 अनुशीलन व २४८, व २५६
 अनुशीलन करना व २४६
 अनुष्टुप व २ ३
 अनुत्थल क ६२
 अनुसंधान व २५८
 अनुसंधान करना व २६ व ७९६
 अनुसंधानकर्ता व २५९
 अनुसंधित्तु व २५९
 अनुसरण स २४४
 अनुसरण करना स २४५
 अनुसरण स २४५
 अनुसर व ४२२
 अनुसूया क ४५७
 अनुहरण व २४५
 अनुहार व ४२२ व ४८३

अनुसू च ४१८, च ४६३	अपकार च २९, च ३४८ च १६९
अनुसूचन च ४१९, च ४६७	अपकाय च ३१ स १७
अनुसू च १६१	अपकार्य च ३१
अनुसू क ३ ४	अपकीर्ति च १५९
अनीक्य च २८३	अपहृत च ३४५
अनीसगिक च ३८६	अपहृति च ३ ४
अनीसगिकता च ३८८	अपहृत्य च ३१
अनोक्ता च ४१८	अपगति च ९४९
अनोक्तापन च ४१९, च ४६७	अपमा च २७१
अन क २९७ च ५८४ क ९३ च २६२, क २२५	अपवात च २५७
अनकूट क २१६	अपव च ४६७ च ४६८
अनघाता च ३६८, च ३८	अपचार च १५९
अनघपाली क ३८	अपटु च ३६४
अनघ्रासन क ९८, ग १४८	अपटत्व च ३६६
अघा च १८२ ग ४३३ स २४९	अपक च ३६४
अन्य च ५८४ स ४ ६	अपत्य ग २४६ ग २५
अन्यत्र च ९९३	अपव च ८ च २४३
अन्यमनस्क च ५६	अपनत्व च १४५, स ४ ७
अन्यमनस्कता च ५७	अपना स ४ ५
अन्याय स १५८ स १६५, स १६९	अपनाता च १८६, स ४ ९
अन्यायी स १६७	अपनापन च १४५, स ४ ७
अन्योक्ति च १९	अपमय च २४
अन्विष्ट च ८६	अपमय स २१८
अन्वीयन च २५८	अपमान च ३४८
अन्वेषक च २५९	अपमानता च १६९, च ३४६
अन्वेषन स २५८	अपमानित च १६ च ३४५
अन्वेषन करणा च २६	अपमय च १५९
अनुवट क ५३५	अपर च ५८४
अर्पण च ५३२	अपरं च १ ७ १ ११
अपकर्ण च ३ ४ च ३१	अपरस च ४६५
अपकर्णी च ३१२	अपरमित क १६५, क १६८
अपकर्ण च ३४८	अपरण च ३ ४ च ३१४ च ३१६, स २२

अपराध शब्दावली ४ ४
 अपमानित होना ४ ४७
 अपराधी ४ ३७ ४ ३१८, ४ २२१
 अपराध ४ १२९
 अपराधि ४ ४७५, ४ ४४३
 अपराधित ४ १ ६ ४ ११३
 अपरिमित ४ ५७१ ४ ४२१
 अपरिमित ४ ५७१ ४ ११६
 अपरिमित ४ ४६५
 अपरिमित १८५, ११५ ४ २ २
 अपरिमित १
 अपवाद ४ १५९, ४ ३ ४
 अपवादी ४ ११२
 अपविष ४ ४१५, ४ ५४३
 अपविषता ४ ४१६ ४ ५४५
 अपभ्यस्त ४ ३८५
 अपभ्यस्ती ४ ३८९
 अपघात ४ ४८
 अपघात ४ ६४१
 अपघात ४ ६४२
 अपघात ४ १८५, ४ ५१९
 अपघात ४ २१
 अपघात ४ २१३
 अपाग ४ २
 अपाग ४ ३१३ ४ ३१९ ४ ८३ ४ ८८
 अपागवान् ४ २६४ ४ १५
 अपागवान् ४ ५११ ४ ५७१
 अपार ४ ५७१ ४ १११
 अपावन ४ ४१५, ४ ५४३
 अपावता ४ ४१६
 अपाहि ४ ४४५, ४ ५३२, ४ ५३८
 अपि ४ १ १२
 अपुत्र ४ ५४३ ४ २

अपुत्र ४ २२८
 अपूर्ण ४ १२५, ४ ८ ४
 अपूर्ण ४ १७५, ४ ४१८
 अपूर्णता ४ ४१९, ४ ४६७
 अपेक्षा ४ ४२१ ४
 अपकट ४ ८
 अपवाद्य ४ २८४
 अपवृत्ति ४ ३२२, ४ ३६४ ४ ४४५
 अपवृत्ति ४ ८१८, ४ ४२३
 अपवृत्ति ४ ३४८
 अपवृत्त ४ १९७
 अपवृत्त ४ ४ ४ १५
 अपवृत्त ४ ४४
 अपवृत्त ४ ३४ ४ ४६ ४ ९१
 अपवृत्त ४ ४२, ४ ९६
 अपवृत्त ४ २५८
 अपवृत्त ४ ३८९
 अपवृत्तिक ४ ३८९
 अपवृत्तिका ४ ३८८
 अपवृत्तिका ४ १४८
 अपवृत्तिका ४ ३८
 अपवृत्तिका ४ २५
 अपवृत्तिका ४ २ ३ ४ २४७ ४ १२४ ४ ३९७
 अपवृत्तिका ४ १२७
 अपवृत्तिका ४ ११३
 अपवृत्तिका ४ १८, ४ ३७
 अपवृत्तिका ४ ३
 अपवृत्तिका ४ १८३
 अपवृत्तिका ४ ३८५
 अपवृत्तिका ४ ३६७ ४ १५
 अपवृत्तिका ४ २ ८
 अपवृत्तिका ४ ४७ ४ ३४८

अभिसोचना स ३४०

अभिसोचना स ४०९, स १९३

अभिस १९३

अभिस स ३२३

अभिस स १९२

अभिस स ४६

अभिस स ४२

अभिस स ३३ स ५ ग ४६३

अभिस स ६६०

अभिस स ४

अभिस स ६६०

अभिस स ३६४

अभिस स ३६३

अभिस स १५० स ४५३

अभिस करणा स ४५२

अभिस ग ४२२, स ३६४

अभिस स ३ स ३८८, स ४९४

अभिसोमि क १२३ क ३ ०

अभिस स १३२, स २३९, स ४६ स ३

स २०

अभिस स २६४

अभिस स ३३३

अभिस स १६३

अभिस स ४२

अभिस स १०४

अभिस स २३९

अभिस स १६०

अभिस स ८००

अभिस स १०३ स २४

अभिस स ४६३

अभिस स ४५८

अभिस स २५८, स २६

अभिस स ४६३ स २

अभिस स १३३ स ३६३

अभिसता स १ ३ स ३६५

अभिस होना स १३

अभिस स ८३४

अभिसम्मपिटक क ५९२

अभिस स कोय स ५

अभिसंवन स ४५

अभिस स १३०

अभिस स १०५

अभिस स ३०३

अभिस स ग ४२९

अभिस स ४२

अभिस स ८८

अभिस स शिक्षा स ९

अभिस स ८९

अभिस स २८०

अभिस स ३० स १९० स २२३

अभिस स ३६८

अभिस स ३३९, स ३३८, स १८४

अभिस स ३६८

अभिस स ४६३

अभिस स १३२ स स १३८

अभिस स १४२

अभिस स १३९

अभिस स १३८, स ३०३

अभिस स १४

अभिस स १६६ स ३५५

अभिस स ३५८

अभिस स १६६, स ३५५

अभिस स करणा स १६०

अभिस स १०५

अभिस स १०२

अभिस स १०५

अभिसारिका ख १५८
 अभी छ १९१
 अभीषित ख १४२
 अभीष्ट ख १४२
 अभुवाला ख ७६७
 अभूतपूर्व छ १७५
 अभेर ख ४२२
 अभेष्टा ख ४२४
 अभ्यतर म १३३ ख १८८ ख १८५
 अभ्यास ख २३३ ख ४ २, ख १७६
 अभ्यास करला ख २४६ ख २९४
 अभ्यासकारी ख ३ २
 अभ्यासत म ३७८
 अभ्यर्चना क ४५, ख ६६८
 अभ्र ख ४६ ख ३ छ २३९
 अघक ख ४४८ ख ४६
 अमंगल ख २६७ ख ४८
 अमचुर छ ७७
 अमन ख ४९
 अमनर्षिन ख ४९
 अमनिर्षी ख ४१४ ख ५४१
 अमर क २ ७ क २१६, ख १८३ ख ४५९
 छ १५१
 अमर्या क २२१
 अमरत्व क २२१
 अमरलाभ क २२५
 अमरपत्र ख ९
 अमरपत्रि क २२५
 अमरपुर क २३८
 अमरत्रेक ख १५१
 अमरलोक क २३८
 अमरत छ १५४
 अमरती ख ३० ख ३३६

अमर होना क २१७
 अमरावती क २३० क २३८
 अमरुद ख ३९
 अमरोष्ठ क २२५
 अमर्य क २ ७ क २१९
 अमर्य ख १८५, ख ९३
 अमर्यव ख ९३
 अमर्या ख ९४
 अमरु छ १ ख ४१४
 अमरुतास ख १४८
 अमरुदायी ख १४८
 अमरुका क १६३ ख ३७५
 अमरुकिन ख ४१४
 अमरुत छ ७७
 अमा ख १४ छ १११ छ १९४
 अमानत ख ३ ५
 अमाला ख ४३१
 अमार ख २१५, ख ९२४
 अमावस छ १५४
 अमावस छ १११
 अमावस्या छ १११ छ १४६, छ १९९
 अमिष्ठ ख ९११
 अमिष्ठ क २४२
 अमिष्ठी छ १७९
 अमीर ख ४ ५ ख
 अमीरी ख ४ ७
 अमूक ख ३६७
 अमूक ख २६७
 अमूर्त क ११२, ख ५, ख ६ छ १
 अमूर्तिमान क ११२
 अमृत्यु ख ४ ९
 अमृत क १३४ क २१६ क २४२
 ख ७ ख ९, ख १९८, ख २२५, ख ३३१

अ ४४८, अ ४५९, अ ४७८ अ ४८२,	अरबी ग ४५२ य ४६१
अ १५५, अ १५७	अरमक अ ४९९
अमृतबुद्धि अ २ ३	अरमान अ १३८
अमृतवरी अ १३	अरर अ १६५
अम्मा अ १७७	अररता अ ७
अम्ब य ४३, अ ४३ अ ५८ अ १६२	अरवणी अ २५९
अम्बक अ ५	अरविह अ २८४ अ ३८८ य ३९५,
अम्बता अ ५९	अ ४५ अ २६२
अम्बान अ ३८८	अरय अ १६८
अम्बिका अ ४६	अरया अ १५७
अम्बीरी अ ४५४	अरसाना अ ७५४
अयथा अ ८४१	अरसिक अ १७४
अयथावता अ ८४१	अरहूर अ २५३
अयन अ ४१६ य ४७७ य ४७८, अ १	अरावता अ २७
अयय अ १५९	अरावली अ २५९
अयाचक अ ४ ५ अ	अराक ग ४४
अयाचकता अ ४ ७	अरि य २७९, अ ७३
अयाक य ४६४	अरिपमेतिक अ ५५३
अयुक्त अ ४२१ अ ८५५	अरिष्ट अ ३४७ य ६५४ अ ७ अ ८५,
अयुम्मा अ ९१९	अ ३१४ अ १५ अ ४५८
अयोप्य अ ३९९, अ ४२१	अरि अ ३१
अयोप्यता अ ४ १	अरिषि अ १४८
अयोप्या अ ५७ अ ५९, अ ११	अरिमाना अ २७५
अ १११	अरमक १६२, अ ३ ४ अ ३४७ अ ३४
अरंज अ २६७	अ ३५, अ ५१ अ ५७३ अ १४५, अ
अरज अ १७६	१४७ अ २ २, अ २९७ य ४२९,
अरजी अ २५	य ६ ६ अ १६९, अ ३ ९
अरणि अ २९७	अरुणवृक्ष य ६४४
अरभ्य य ११	अरुणपिप्पला अ ६४५
अरबाता अ २६२	अरुणाई अ ३६
अरुणी य ३८३	अरुणिमा अ ३६
अरु अ ६३५, य ४५२, य ४६१	अरुभोरय अ १३९
अरुवता अ ७ ७	अरुसता अ ७८१

अवस्था करना क १६९, ख १७६

अवस्था क ११७ ख ११९

अवस्था क ७२

अवस्था क ११२

अवस्था केना क १५६

अवस्था क १५७

अवस्था क १५७

अवस्था क १५८

अवस्था क २८ ख १७१ ख ४८ भा

अवस्था क १११

अवस्था क २६७ ख १९९

अवस्था क २२४

अवस्था क ५५८

अवस्था क ३६६ क ३६८

अवस्था क २८९

अवस्था करना क ९१५

अवस्था होना क ७ ८

अवस्था क ९४

अवस्था क ९

अवस्था क १४५

अवस्था क १६९

अवस्था क ११

अवस्था क ३७

अवस्था क २९

अवस्था क ७७७

अवस्था क ६५

अवस्था क १७७ क ७८६

अवस्था क ७७६ क ७९

अवस्था क ७७४ क ७७८

अवस्था क ७७७

अवस्था क ७७६ क ७९

अवस्था क ७२

अवस्था क ७२

अवस्था करना क १५६

अवस्था क ७८, क ६५

अवस्था क ४२३

अवस्था क ११८

अवस्था क २५३

अवस्था क २ २

अवस्था क २ २

अवस्था क २६४

अवस्था क ३२३ क ८८

अवस्था क ११६

अवस्था क २५ क ७११

अवस्था क ७२३

अवस्था क ४९८, क ४२९

अवस्था क ५६१ क ४२९

अवस्था क ४२१ क

अवस्था क १ क १५५

अवस्था क १५४ क ७५२, क १९

अवस्था क १७२, क १५४ क १४१

क ८२३

अवस्था होना क १५५ क ८२१

अवस्था क १५७ क १६ क २२४

अवस्था क ९९, क १४२, क १४८, क ९४८,

क २९

अवस्था क १८५

अवस्था क ३४६, क ३४८

अवस्था करना क १६९

अवस्था क ३४८

अवस्था करना क ३४६

अवस्था क १६६

अवस्था क ८९, क ५१९, क ६ ३ क ६ ६

क ६ ८

अवस्था होना क ६ ४ क ४४१

अवस्था क ६७९

अविचार स १५८, स १६९

अविच्छिन्न छ १६७

अविद्यमानता स २६

अविद्या क २३६, ग ८

अविनाशी क ८३३

अविमर्श क ८६

अविमर्श क ८७७

अविरक्त छ १६७, प ५, ७

अविरक्तता क ५, ९

अविर्भाव क ४४३

अविनाशित स २६

अविस्मरणीय क २५६

अविरभासी क २५६

अर्थ स १८२

अभ्यक्त क ११२, क ५५८

अभ्यन्ता क १७९

अभ्यस क ११२, क २३८

अभ्यस्त्या स १७५

अभ्यस्त क ५७८

अभ्यस्त क ४८

अभ्यस्त क ३९९, स ४२

अभ्यस्तता क ४, १, स ३९

अभ्यस्त स ३९

अर्थात् छ १६७, क १२, क १३

अर्थात्ता क १५

अर्थात्ति क १५, क १३४, स १७५

अर्थात्ता क ३, १

अर्थात्ता क २१, क २९८

अर्थात्ति क २४

अर्थात्ति क ३, १

अर्थात्ति क ३७

असुचि क ४१५, क ५४३

असुचि क ४१३, क ४१५, क ८१२, क ८१३

असुचि क ५४८

असुचिता क ४१६

असुचि क ४१६, क ५४५, क ८४१

असुचि क ३, ४, क ४८

असुचि क २८४, क ३८

असुचि क ४१५

असुचि क ११९

असुचि क २४७

असुचि क ८

असुचि क ३३७

असुचि क ११९

असुचि क ५१६

असुचि क १९७

असुचि क २७, क ३६

असुचि क ४५२, क २८

असुचि क ६६

असुचिता क ४४१

असुचिता क ४५३

असुचिता क ४११

असुचिता क ८१, क ८३

असुचिता क १८८

असुचिता क ३६२, क १५

असुचिता क २५, क ४५४, क २७, क २८

असुचिता क २५, क ३, क ४२७

असुचिता क ४५, छ ७१, छ ७३

असुचिता क ६६, छ १८७

असुचिता क ६७

असुचिता क १४९

असुचिता क ५४५, क ६३१, क ४, १

असुचिता क १९४

असुचिता क ६८

अवज्ञा करना क १६९, ख ३४६

अवर्तस छ ३३७ ख ३३९

अवतरण ख ७२

अवतार क ६१२

अवतार सिमा क १५६

अवठापी क १५७

अवतीर्थ क १५७

अवतीर्थ क १५८

अववाठ ख २८, य १७३, व ४८ वा

अववपुटी य १११

अवधि य २६७ छ १९९

अवधी ख २२४

अवभूत क ५५८

अववेश क ३६६ क ३६८

अवगति य २८९

अवगति करना य ९१५

अवगति होना य ७८

अवगड ख ९४

अवधि य ९

अवधर्ष ख १४५

अवमानना य १६९

अवयव ग ११

अवराधक क ३७

अवराधन क २६

अवस्था य ७७७

अवरोध य ६५

अवरोध य १७७, व ७८६

अवरोधक य ७७६, व ७९

अवरोधना य ७७४, व ७७८

अवरोधित य ७७७

अवरोधी य ७७६, व ७९

अवरोह ख १२०

अवरोहण करना क १५६

अवरोही ख ७८, व ६५

अवर्ध य ४२३

अवर्धनीय य ६१८

अवर्धन छ २५३

अवर्धन स २९

अवर्धन स २९

अवधि स २६४

अवलेप छ ३२३, व ८८

अवलेह छ १३६

अवलोका ख २५, व ७३३

अवलोचना य ७२३

अवशिष्ट छ ४९८ स ४२९

अवशेष य ५६१, व ४२९

अवश्य य ४२१ अ

अवसर छ १ छ १५५

अवसाह य १५४, व ७५२, ख ३९

अवसान क १७२, व १५४, छ १४१

व ८२३

अवसान होना य १५५, व ८२१

अवशेर छ १५७, व १६, व २२४

अवस्था क ९९, व १४२, छ १४८, व ९४८

स २९

अवस्थिना य १८५

अवहेतना य ३४६, व ३४८

अवहेतना करना य १६९

अवहेता य ३४८

अवहेता करना य ३४६

अवाई य ६६६

अनाक छ ८९, व ५१९, व ६३, व ६६

व ६८

अनाक होना य ६४ स ४४१

अभिज्ञ य ६७९

अविचार स १५८, स १९९
 अविच्छिन्न उ १६७
 अविद्यमानता स २६
 अविद्या स २३६ न ८
 अविनाशी स ८३३
 अविभक्त स ८६
 अविनाश स ८७७
 अविनाश उ १६७ न ५ ७
 अविनाशता स ५ ९
 अविनाश स ४४३
 अविनाशित स २६
 अविनाशनीय स २५६
 अविनाशी स २५६
 अविनाश स १८२
 अविनाश क ११२ क ५५८
 अविनाश स १७९
 अविनाश क ११२, क २३८
 अविनाशा स १७५
 अविनाश न ५७८
 अविनाश स ४८
 अविनाश स १९९ स ४२
 अविनाशा स ४ १ स १९
 अविनाश स १९
 अविनाश स १९
 अविनाश उ १६७ न १२, न १३
 अविनाशा स १५
 अविनाश स १५, स १३४ स १७५
 अविनाश स ३ १
 अविनाशा स २१ स २९८
 अविनाश स २४
 अविनाश स ३ १
 अविनाश स १७

अविनाश स ४१५ स ५४३
 अविनाश स ४१३ स ४१५, स ८४२ स ८४३
 अविनाश कला स ५४८
 अविनाशा स ४१६
 अविनाश स ४१६ स ५४५, स ८४१
 अविनाश स ३ ४ स ४८
 अविनाश क २८४ स ६८
 अविनाश स ४१५
 अविनाश स ११९
 अविनाश स २४७
 अविनाश स ८
 अविनाश स ३३७
 अविनाश स ११९
 अविनाश स ५१६
 अविनाश स १९७
 अविनाशा स २७ स ३६
 अविनाश स ४५२, स २८
 अविनाश स ६६
 अविनाशा स ४४१
 अविनाश क ४५३
 अविनाशा स ४११
 अविनाश क ८१ क ८१
 अविनाशा स १८८
 अविनाशी स ३६२ स १५
 अविनाश क २५ स ४५४ स २७ स २८
 अविनाशीकारक २५ क ३ क ४२७
 अविनाश उ ४५, उ ७१ उ ७३
 अविनाश स ६ ६ उ १८७
 अविनाश स ६ ७
 अविनाशा स २४९
 अविनाशी स ५४९, स ६३१ स ४ १
 अविनाशी क १९४
 अविनाश स ६ ८

अस्तु क ५२६ घ १४९

अस्ती व ३ ९

अस्त्य क ११२, व २२८

अस्त्यता व ४६८

अस्त्या घ १४९

अस्त्य क ११४ क २२५ क २९७ व १

घ ४५ व ४

अस्त्या क ४

अस्त्य क २६ क ७३

अस्त्य करला क २७

अस्त्य क २६, व ३४३

अस्त्यीय क २९

अस्त्य क २६

अस्त्य क २८

अस्त्य क २८

अस्त्य क ५७४ क १०३

अस्त्यता व ४३४

अस्त्य क १८६

अस्त्य करला क ३८४ व ८५८

अस्त्य क २५

अस्त्य क ४१३ क ४१७ क २८, घ २५४

घ १ ९, व ८३

अस्त्य क २५९, क २९७ व ३ व ९,

व २६४

अस्त्य क ३ क ३८

अस्त्य क ४१८

अस्त्य कलागा म २२५

अस्त्य क १९६

अस्त्य कृति क १४२

अस्त्य कृति क १९२

अस्त्य क २३७ व ३३९, क ३३७,

क ३७९

अस्त्य क ३८३

अस्त्य क १८२

अस्त्य क ३८३ घ ४२६

अस्त्य क ५७५

अस्त्य क ८८

अस्त्य क २९१

अस्त्य क ५२३

अस्त्य क १९५

अस्त्य क ५७५

अस्त्य क २२५

अस्त्य क ५७५

अस्त्य क १९५

अस्त्य करला क १९९

अस्त्य क ५ १ क ५ २, घ ५९९ क २३६

अस्त्य क १४ क २४७ म ४२२ व ४९९,

ग ६ ५

अस्त्य क २१५, क २९७ क २९८ व १

अस्त्य क १७५

अस्त्य क २३८, क ४७३ व ४४८ व ३

अस्त्य क २६ क ४४७

अस्त्य क २४१

अस्त्य क ३२७

अस्त्य क १९२, क १९३, क १९४

क १८८ क १८९, क १९ क ३२७

अस्त्य क ४७३

अस्त्य क ३

अस्त्य क ४५५

अस्त्य क २४७ क २४८, व १७९

अस्त्य क ३७ घ ३८

अस्त्य क २९

अस्त्य क २७

अस्त्य क २५३

अस्त्य क २७

अस्त्य क २५९ क २७

अक्षरतः अ ४६७ अ ३२५
 अक्षरतः अ ३०५ अ ३३५
 अक्षरतः अ ११२
 अक्षरतः अ ८ ०
 अक्षरतः ८
 अक्षरतः अ ११२ अ ७३०
 अक्षरतः अ ८५५ अ ९७७
 अक्षरतः अ ५६ अ १२६ अ १८२
 अ ८५३ अ ७७५ अ ८९९ अ ९ १
 अ ९ ७
 अक्षरतः अ १२५ अ ७४६ अ ७४७
 अ ८५४ अ ९
 अक्षरतः अ ८५३ अ ९
 अक्षरतः अ ९ ४ अ ९ ८
 अक्षरतः अ ८५६
 अक्षरतः अ ८५३ अ ९ १
 अक्षरतः अ ९८ अ ११२
 अक्षरतः अ ५५४
 अक्षरतः अ ४६३
 अक्षरतः अ ४६७
 अक्षरतः अ ४ ६
 अक्षरतः अ ९२४
 अक्षरतः अ २२७ अ ३३१
 अक्षरतः अ ३३३
 अक्षरतः अ ३३४
 अक्षरतः अ ४५७
 अक्षरतः अ ४५६
 अक्षरतः अ ५९
 अक्षरतः अ ५४
 अक्षरतः अ ४४५
 अक्षरतः अ १८५
 अक्षरतः अ ७५४ अ ७५५
 अक्षरतः अ ८५६

अक्षरतः अ ८५५
 अक्षरतः अ ४४५ अ ६६
 अक्षरतः अ ४२२
 अक्षरतः अ ३९९ अ ४०
 अक्षरतः अ ५९
 अक्षरतः अ ९१४
 अक्षरतः अ ११६
 अक्षरतः अ ४५५
 अक्षरतः अ ६७७ अ १४७ अ १५६
 अक्षरतः अ ५१६ अ ५७३ अ ६१३ अ ६५४
 अ ६७७ अ ६६ अ २८८
 अक्षरतः अ ५२६ अ २७७ अ ६७७
 अक्षरतः अ ४ ६ अ ८४१
 अक्षरतः अ २४
 अक्षरतः अ १९ अ ५ ३ अ ४२६ अ ९१०
 अक्षरतः अ ४२८
 अक्षरतः अ १ १५
 अक्षरतः अ ४९१
 अक्षरतः अ १
 अक्षरतः अक्षरतः अ ६२५
 अक्षरतः अ ५२२
 अक्षरतः अ ६५
 अक्षरतः अ ५२२
 अक्षरतः अक्षरतः अ ५२२
 अक्षरतः अ ५७
 अक्षरतः अ ३ अ १ अ १५५
 अक्षरतः अ १ ५
 अक्षरतः अ ६८
 अक्षरतः अ ६९
 अक्षरतः अ ३९७
 अक्षरतः अ ४७६ अ ३९५
 अक्षरतः अ ५७६
 अक्षरतः अ १९ अ ३४८

अवज्ञा करना क १६९, ख ३४६

अवर्णन क ३३७, ख ३३९

अवतरण क ७२

अवतार क ११२

अवतार सेना क १५६

अवतारि क १५७

अवतीर्ण क १५७

अवतीर्ण क १५८

अवघात क १८, ख १७३, ख ४८, भा

अवधपुरी क १११

अवधि क २६७, ख १९९

अवधी क २२४

अवधूत क ५५८

अवधेय क ३६६, क ३६८

अवनिष्ठि क २८९

अवनिष्ठि करना क ९१५

अवनिष्ठि होना क ७८

अवनिष्ठ क ९४

अवलि क ९

अवमर्ष क १४५

अवमानना क १६९

अवयव क ११

अवरायक क ३७

अवरायन क २६

अवयव क ७७७

अवरोध क ६५

अवरोध क १७७, ख ७८६

अवरोधक क ७७६, ख ७९

अवरोधना क ७७४, ख ७७८

अवरोधित क ७७७

अवरोधी क ७७६, ख ७९

अवरोह क ७२

अवरोहण क ७२

अवरोहण करना क १५६

अवरोही क ७८, ख ६५

अवर्णन क ४२३

अवर्णनीय क ६१८

अवर्णन क २५३

अवर्णन क २२

अवर्णन क २२

अवधि क २६४

अवधेय क ३२३, ख ८८

अवधेय क १३६

अवलोका क २५, ख ७३३

अवलोकना क ७२३

अवशिष्ट क ४९८, ख ४२९

अवधेय क ५६१, ख ४२९

अवश्य क ४२१, ख

अवसर क १, ख १५५

अवसाह क १५४, ख ७५२, ख ३९

अवसल क १७२, ख १५४, ख १४१

ख ८२३

अवसाह होना क १५५, ख ८२३

अवसेर क १५७, ख १६, ख २२४

अवस्था क ९९, ग १४२, ख १४८, ख ९४६,

ख २९

अवहिला क १८५

अवहेजना क ३४६, ख ३४८

अवहेजना करना क १६९

अवहेजा क ३४८

अवहेजा करना क ३४६

अवाई क ६६६

अवाक क ८९, ख ५१९, ख ६३, ख ६६,

ख ६८

अवाक होना क ६४, ख ४४१

अविचल क ६७९

अभिचार स १५८, स १६९

अभिच्छिन्न स १६७

अभिघ्नमानता स २६

अभिघ्ना स २३६, ग ८

अभिलाषी स ८३३

अभिमन्त्र स ८६

अभिमाज्य स ८७७

अभिरक्त स १६७ स ५ ७

अभिरक्षता स ५ ९

अभिलेख स ४४३

अभिसाहित स २६

अभिरवसनीय स २५६

अभिरवासी स २५६

अर्धस स १८२

अभ्यक्त स ११२, स ५५८

अभ्यवा स १७९,

अभ्यस स ११२, स २३८

अभ्यवस्था स १७५

अभ्यङ्ग स ५७८

अभ्यङ्ग स ५८८

अभ्यङ्ग स ३९९, स ४२

अभ्यङ्गता स ४ १ स ३९

अभ्यङ्गि स ३९

अभ्यङ्गि स ३९

अभ्यङ्गि स १५, स १३४ स १७५

अभ्यानीय स ३ १

अभ्यानीयता स २१ स २९८

अभ्यसिक्त स २४

अभ्यसिक्त स ३ १

अभ्यसिक्त स १७

अभ्यसिक्त स ४१५ स ५४३

अभ्यसिक्त स ४१३ स ४१५, स ८४२ स ८४३

अभ्यसिक्त स ५४८

अभ्यसिक्तता स ४१६

अभ्यसिक्त स ४१६, स ५४५, स ८४१

अभ्यसिक्त स ३ ४ स ४८

अभ्यसिक्त स २८४ स ६८

अभ्यसिक्त स ४१५

अभ्यसिक्त स ११९

अभ्यसिक्त स २४७

अभ्यसिक्त स ८

अभ्यसिक्त स ३३७

अभ्यसिक्त स ११९

अभ्यसिक्त स ५१६

अभ्यसिक्त स १९७

अभ्यसिक्त स २७ स ३६

अभ्यसिक्त स ४५२, स २८

अभ्यसिक्त स ६६

अभ्यसिक्तता स ४४१

अभ्यसिक्तता स ४५३

अभ्यसिक्तता स ४११

अभ्यसिक्तता स ८१ स ८३

अभ्यसिक्तता स १८८

अभ्यसिक्तता स ३६२ स १५

अभ्यसिक्तता स २५ स ४५४ स २७ स २८

अभ्यसिक्तता स २५ स ३१ स ४२७

अभ्यसिक्तता स ४५, स ७१ स ७३

अभ्यसिक्तता स ६६ स १८७

अभ्यसिक्तता स ६७

अभ्यसिक्तता स २४९

अभ्यसिक्तता स ५४५, स ६३१ स ४ १

अभ्यसिक्तता स १९४

अभ्यसिक्तता स ६८

अटमी प १०२, उ १ ३ उ १५६
 अट्यावक क ५१५
 अट्यावक मीमा म ५८२
 अमंभ्य ल ५७१
 असंग क ८५५
 अमगज क ४२१
 असमति ल १९
 अननुष्ट क १६ क ४
 अननुष्ट कान्ता क ४४
 अगनुष्टि क ३३४
 अमनीप क ३४ क १३४
 अनंतोरी क ३६
 असंबद्ध क ८५५
 अमजब ल १९ क ९०२
 असपप प १५
 अमग्जन क ३ १
 अमग्जनता क २९८
 असनर्क क २ ३
 अमरप क ४ ६
 असरपता क ४ ८
 असरायबाही क ४१
 असबाब क ४१९
 असमंजस क २३१
 असम क ९ क ४२३ क ५०५
 असमता म ३९४
 असमर्ष ल १९७ क ३९९, ल ४२
 असमर्षता क ४ १
 असमान क ४२३
 असम्मत क १८५
 असरक क ६ क ६५
 असरकता क ६२
 असरक्षा क ४६
 असक क ३९६ क ४१२

अगनिदा क ४ ७
 अगनी क ४१२
 अगह क ३९३
 अगहनपीन क ६९२
 अमहनीय क ३९३
 अगाहमा क १८५
 अगहाय म २ ३
 अमहिस्यु क ८ क ३९२
 अतर्हपा क ३९२
 अगाह क ३९३
 अताड उ ३७ उ ४५
 अमार्हा उ ४६
 असाधारन क ४१८
 असाधारनता क ४१९
 असाध्य रोग ल ५२
 असामान्य क ४१८
 असावधान क ३१४ क २ ३
 असावधान हीना क २ ७
 असावधानी क २ ५
 असाहितिक ल १२९
 असि क ४ ६
 असिठ क २१ क ४८ क
 असीम क ९११
 असील क १७
 असीसता क १७१ क १७३
 अनुर क २ ७ क २९७ क ३४८, क
 ३४८, क २२ क ९ क १४३ क २३९
 अमूया क १८५, क २६२
 असी क ३४
 असोक क ६८
 असीध क २२७
 अस्त म ४३३
 अस्तबल क १८८

अस्तमना स ४३४
 अस्तार ग २३७
 अस्तित्व वेना व १४४
 अस्त होना व ४३४
 अस्त व्यस्त स ४३७
 अस्तु व १ ६
 अस्तुति क २६
 अस्तुत क ५२३
 अस्त्ये क १८ क ४७५, स २ ६ व
 अस्त्य न ३७ य १४ ग ११९, क ४ १
 अस्त्वधिक्रिया व ४३४ व ५४०
 अस्त्य घस्त्य क ४ ०
 अस्मानार व १८५
 अस्मापी छ १५ व ८३२
 अस्ति म ९५, ग ९९
 अस्तिर्पत्र म १
 अस्तिर क २१८, व १२, व १३
 अस्तिरता व १५
 अस्तीय व १५
 अस्त्यताक छ ५४३
 अस्त्यय म २९८
 अस्त्वच्छं व ५४३, स २३५
 अस्त्वस्य स ५४६, स ४२
 अस्त्वानु क ४८
 अस्त्वानुना क ४९
 अस्त्वानाधिक व ३८६
 अस्त्वानाधिक्या व ३८८
 अस्तीकार व १८९
 अस्तीकार कला व १८७
 अस्तीकार्य व १९१
 अस्तीकृत व १८९, व १८२
 अस्ती व ३
 अहं न ५, व ८८

अहंकार ग १३७ व ८८
 अहंकारी व ८९
 अहता व ८८
 अहंभाषिता व ८८
 अहंभाषी व ८९
 अहह स ४२३
 अहहनामा स १८९
 अह्नी व ४४५
 अहन क १३६, छ १४२
 अहमक व ३६४
 अहम् व ९९६
 अहता व १३०
 अहनिधि क १४४
 अहमकार व ३७५
 अहस्या क २२२, क ३८९
 अहत्या व २८
 अहता व १४४ व १९१ व १९८
 अहार क ४८७
 अहियक स ४४७
 अहिंसा क ४७५, स ४४५
 अहिंसा स ४४७
 अहि क २९७ य ५५८, व २३ व १६,
 व ९ व २६२
 अहित म २७९, व २९
 अहित्यु म ५६५
 अहित्या व २९८
 अहित्ये छ १९३
 अहिमयी न ६ ९
 अहित्य क ३३
 अहित्या व २३२
 अहित्यय व ९
 अहित्या क ३८९
 अहित्या स ४७

अहिवासी ग २७
 अहीर ग ३ ५
 अहेर क ३७३ अ
 अहेरी न ३४८ ग ४१३
 अकना न १६४
 अकिक क ६४१
 अक्रुय अ ३९८
 अख क ५८२, ग १९, ग ११९, ग २४७
 अ २४ अ ७२२
 अख आना क ४७८
 अख उठाना क ४७८
 अख का कोना न २
 अखका बोका प १ २
 अख न उहरना क २९२
 अख फुलना क ४७८
 अख जी बड़ाना न २३६
 अख मारना न ७६५, अ ९८७
 अख कयना न ७६१
 अखे दिखाना न २३६
 अगन न १४५
 अगसवेधी प ३६५
 अगिक न १२ अ
 अगिक क २७३ अ २८१
 अगिन क ३ १
 अटि न १२९
 अटिना न ११६
 अटी क २६३ अ १२४ अ १२९ अ १३१
 अडि न ८१ अ ३६१
 अडि जवरना क ५ ३
 अडिभूडि क ५ ३
 अडोहन न १५, अ ७१४ अ १७५
 अडोहनकरी क १७६
 अडेर न ४९६

अधी क ४६२, अ २६८
 अधिप-आर्ये न ६२५
 अधि क ४७
 अधिपट क ५५
 अधिपठ न २८१
 अधिना न ४५
 अधिपु प ११९
 अधिपु विराना प १२
 अधिपु बहना प १२
 अधिपु क १८८ अ १९४
 अधिपु क ३२६
 अधिपु न १ ९
 अधिपु न १
 अधिपु क ४४४
 अधिपु क २७६, अ ३९६
 अधिपु क २७८
 अधिपु करना क २७४ अ ३९०
 अधिपु हीना क २७५
 अधिपु करना न ८५८
 अधिपु क १ १३
 अधिपु क १४
 अधिपु क १३८, अ ३७१
 अधिपु क १४२
 अधिपु क १४
 अधिपु क २२, अ ४६२
 अधिपु क ३
 अधिपु क २५३
 अधिपु क २ ७ क २९७ क ३१६,
 क ३४८, अ ५९८, अ ४ अ २६
 अधिपु क १५१
 अधिपु क २
 अधिपु क ६४७
 अधिपु क २३१

भाकुचित क ६
 भाकुटन क ३२१
 भाकुल क १३ क २२६
 भाकुलता क १६
 भाकुल होना क १८
 भाकुलित क २२६
 भाकुलित क २२ क १३ म १५ म २३
 क ४६२
 भाक्रमन क १५९, क २८७ म २८
 भाकृत करना क २९१
 भाकृत होना क २९२
 भाक्रीडा क ९
 भाक्रीड क ९३ क १७२
 भाक्रीडित क ९५
 भाक्रीडित करना क १७४
 भाक्रीडित क ७५३
 भाक्रीडित होना क ७५१
 भाक्रीड क १६
 भाक्रीड क १५९, म २२
 भाक्रीडक क ५ ५
 भाक्रीडक क २२५
 भाक्रीड क १४
 भाक्रीड क २२५
 भाक्रीड क ४६२
 भाक्रीड क २६८
 भाक्रीड क २ ८ क २२
 भाक्रीड क ३७३ क
 भाक्रीडक क ३७३ क
 भाक्रीडी क ३४८ म ४१३
 भाक्रीडी म ३१
 भाक्रीडन म २ ८
 भाक्रीडन म २ ८
 भाक्रीडन म १६१

भाक्रीडन होना क १६
 भाक्रीडन क ५३४ क ५३८ क २, क १८८,
 क १९
 भाक्रीडन क ११२
 भाक्रीडन क ६६६
 भाक्रीडन करना क ६६४
 भाक्रीडन क ३६३
 भाक्रीडन क ३६५
 भाक्रीडन क ९६
 भाक्रीडन क १ क १४ क १४१
 भाक्रीडन क २३ म ४९, म ७९, म ३८
 क १८८
 भाक्रीडन क २३१
 भाक्रीडन करना क २३२
 भाक्रीडन क १८८, क १८९
 भाक्रीडन क ३११
 भाक्रीडन क १८८, क १९३ क १९४
 भाक्रीडन क ७८७
 भाक्रीडन क ६६५, क ६७१ क ६७३
 भाक्रीडन क ७८७ क ७१७ क ९५५
 भाक्रीडन क ८९९
 भाक्रीडन क ४४८
 भाक्रीडन क ३४७ क ७३
 भाक्रीडन करना क ७५
 भाक्रीडन क २२५, क ७ ३ म २१४
 म २८
 भाक्रीडन करना म २८१
 भाक्रीडन क २६
 भाक्रीडन करना म १३ म १२३
 भाक्रीडन क २९४
 भाक्रीडन करना क २९५
 भाक्रीडन क २९६
 भाक्रीडन क २ ५

भाषा क ५८६ व २९४
 भाषा पद्यति व ३३१
 भाषा विचार व २९४
 भाषा क १७ व २४१ व २७५
 भाषा क १५७ व १८७ व १९१
 भाषा क १४९
 भाषा क २५ व ३८३
 भाषा क २५४
 भाषा क २५१ व ३८४
 भाषा क २५१ व ३८४
 भाषा क १६२
 भाषा क २२७ व २४
 भाषा क २३३
 भाषा क २२८ व २३८
 भाषा क २३३
 भाषा क १३६
 भाषा क ८
 भाषा क १६३
 भाषा क १४९
 भाषा क २४
 भाषा क २४१
 भाषा क ३८३ व २४२
 भाषा क २४१
 भाषा क ३८
 भाषा क १८८
 भाषा क ३८३ व २४२, व २४३
 भाषा क १२१
 भाषा क १५७
 भाषा क ६५, क ६६
 भाषा क ६६४
 भाषा क १ १
 भाषा क ११० व १२
 भाषा क १ ८

भाषा क २६२
 भाषा क १४४
 भाषा क १२, व १ ८
 भाषा क १४ व १ ९
 भाषा क ३२१
 भाषा क ८६ व ३३८ व ७७२
 भाषा क ७७३
 भाषा क ६४
 भाषा क ६६४
 भाषा क ४३५, व ४९१ व २३३ व १४९
 भाषा क २३७
 भाषा क २४७
 भाषा क २३४
 भाषा क १ व १३५
 भाषा क २९७
 भाषा क ५२
 भाषा क ४५९
 भाषा क ५९९
 भाषा क ८४ व ८४
 भाषा क ३७९
 भाषा क ३३१ क ३३२
 भाषा क ५४६ व १२ व २२६
 भाषा क १५८, व १५, व १६, व ४४४
 भाषा क १८
 भाषा क १५८, व ४४४
 भाषा क ३७
 भाषा क ४ ५
 भाषा क २ ४
 भाषा क २१६
 भाषा क २१७
 भाषा क २१७
 भाषा क २७१ व २५
 भाषा क २६

आत्मज्ञ क ७५
 आत्मज्ञान क ५६
 आत्मज्ञानी क ७५
 आत्मता स ४ ७
 आत्मनिषेध क ७३
 आत्मप्रमाण स २१
 आत्म-मरणा स ३५७
 आत्मबोध क ५५८
 आत्मज्ञ क ११२, क १२३ क २०१
 ग २५
 आत्मबिद्या क ५६१
 आत्मस्वभावा स ३५७
 आत्महत्या स २१६
 आत्मा क ५५८ स ५७७ ग ५, ग १२
 आत्मिक स ४ ५
 आत्मा स १२७
 आत्मेष्ट क ५ ४
 आत्म स १ ४ २
 आत्मियत स २२१ स २२३
 आत्मि ग २ ग ३ स ४ ४
 आत्मियत स ८७
 आत्म क २६ स १५७ स ३४२
 आत्म करना स १६८
 आत्मगीय क २९, स ३५४
 आत्म सेवा स १६८ स ३४३
 आत्मता स १६८, स ३४३
 आत्मप्राप्त स ३४४
 आत्मभाव स ३४२
 आत्म-मत्कार स ३४२
 आत्म स १६६
 आत्मबोध स १६६
 आत्मबोध भावा स १६७
 आत्मि क ११२, स १७८ स ८१२

आत्मिक क ४६
 आत्मिकाम्य क ५७९
 आत्मिक क २ ४ क २ ७ क २२७
 क २९७ क २९८ स ३१६
 आत्मिना स ४८४
 आत्मि पुस्तक क ११२
 आत्मि स १७८
 आत्मि स २४
 आत्मिक स २४१
 आत्म क ५७५
 आत्म स ३३
 आत्म स ५७५, स २२५
 आत्म स ५७५
 आत्मिक स २३९
 आत्म स २ २
 आत्मिगी स ४८६
 आत्मि स ४३७ स २२४
 आत्मिक स १४
 आत्मिय स १४९
 आत्मि स २३५
 आत्मिता स २३९
 आत्मिक स १७५
 आत्म क ३६४ स ४५, स ४९, स ४७९
 आत्मिक स ४७८
 आत्मिकी स ४७८
 आत्मिता स ४१
 आत्म सेवा स १२५
 आत्मि स ३९, स ५१
 आत्मि करना स ४३
 आत्मि होना स ४१
 आत्मि स ४८, स ५१
 आत्मि स १७५
 आत्म स १२४ स ४२३

भाष्य ल १४ ल १५
 भाष्य म १५ म २३ म ४४
 भाष्य न १६६ न ८१३ न ८७
 न ४३१ न ६६४
 भाष्य नि १६१
 भाष्य प ४५७ प ९९७
 भाष्य र ९९९
 भाष्य स २७१
 भाष्य त ७ ८
 भाष्य थ ५
 भाष्य द ४ ५
 भाष्य ध १
 भाष्य ढ २८२
 भाष्य ढ ५४
 भाष्य ङ ४५१ ङ ९, ङ ४ ८
 भाष्य ञ ४ ८
 भाष्य ण १
 भाष्य ट १
 भाष्य ठ ५७७
 भाष्य ड २६६ ड ५, ड ८८
 भाष्य ढ १६८ ड १ १३
 भाष्य ढ ५
 भाष्य ढ २ ७
 भाष्य ढ ३६७
 भाष्य ढ १ ३
 भाष्य ढ १६८, ढ २८७ ड ४६७
 भाष्य ढ ३ ८
 भाष्य ढ ३८
 भाष्य ढ ३८८
 भाष्य ढ ३३५
 भाष्य ढ ३३
 भाष्य ढ ३३१ ड ३३३
 भाष्य ढ ३३५

भाष्य ष ३५ ष ४६
 भाष्य ष ३२७
 भाष्य छ २८७ छ २९४ छ ३८३
 भाष्य च २६७
 भाष्य च २६५
 भाष्य ज ३ ५
 भाष्य ज २३२
 भाष्य ज ३ ६
 भाष्य ज ३२७
 भाष्य ज २९४
 भाष्य ज ९२८
 भाष्य ज ९८४
 भाष्य ज ८१
 भाष्य ज ८५
 भाष्य ज ८२
 भाष्य त ४ त ४३५, त १५, त ३६
 भाष्य त ४५
 भाष्य त ३८६ त ९९९ त ३ २
 भाष्य त ६६४
 भाष्य त ३८६ त ३ २
 भाष्य त ८५१
 भाष्य त ५ ६ त ५१६
 भाष्य त ४३५
 भाष्य त ४७
 भाष्य त १४९
 भाष्य त ११
 भाष्य त ४४ त १४९
 भाष्य त ४४
 भाष्य त ४४ त ४५
 भाष्य त ४७
 भाष्य त १५७
 भाष्य त १५७
 भाष्य त १ ३ १११

बामुख क २९८
 बामेशना क ८४५
 बामोद क ३७३ क ४५
 बामोदित क ५१
 बामोरी क ४८
 बाम्नाय क ५३८
 बाम्ना क २८४ क ३५, क २८
 बाम्नाय क २७
 बाम्नाय क ७७
 बाम्नाय क ४९७
 बाम क ३८६
 बाम्ना क ५७३
 बाम्नाय क १९, क १३ क १४ क २५
 बाम्नाय क २३५
 बाम्ना क ४२३
 बाम्नाय क २५७
 बाम्नाय क २८७
 बाम्ना क १४२, क १५७ क १४८, क २९
 बाम्नाय क २१२
 बाम्नाय क १४८, क २९
 बाम्नाय क ५५६ क २३७ क ४२८
 क ४२९, क ४३
 बाम्नाय क ५३८
 बाम्नाय क १५१ क १५२
 बाम्नाय क २९, क १४८
 बाम्नाय क १५७
 बाम्नाय क १४४ क ८१२
 बाम्नाय क ८१४
 बाम्नाय क १६
 बाम्नाय क ८१३
 बाम्नाय क ४५४ क २१ क १४८, क ३२१
 बाम्नाय क ३४
 बाम्नाय क ४३५

बाम्नाय क १३८
 बाम्नाय क ५४५
 बाम्नाय क २६ क ३५
 बाम्नाय क ३६
 बाम्नाय क ३६
 बाम्नाय क ४१४
 बाम्नाय क १४८ क २९
 बाम्नाय क १४८, क २९
 बाम्नाय क १६५
 बाम्नाय क ३२६ क ३५७
 बाम्नाय क ४८२ क ५१३
 बाम्नाय क २६
 बाम्नाय क २७
 बाम्नाय क २८
 बाम्नाय क ५४७ क ९, क १४७ क ४९
 क ७६४
 बाम्नाय क ७६५
 बाम्नाय क ७३
 बाम्नाय क ४८२ क ५१३
 बाम्नाय क ४४५
 बाम्नाय क १६१
 बाम्नाय क ५६७
 बाम्नाय क ५४८
 बाम्नाय क ७१ क १५७
 बाम्नाय क ७१ क १५७ क २८७
 क ७९
 बाम्नाय क ७१
 बाम्नाय क ७८ क ७११
 बाम्नाय क ६१
 बाम्नाय क ३
 बाम्नाय क २७
 बाम्नाय क ४
 क ५४६

अर्थात् न ४८६	अर्थात् न २३३ न ५३३
अर्थात् न १२८ अ १५	अर्थात् न ३
अर्थात् न १८२	अर्थात् न ३ ३ न ३ ९
अर्थात् अ २३५ न १८४	अर्थात् न १३
अर्थात् अर्थात् न १५३	अर्थात् अर्थात् न १६३
अर्थात् अ २३६	अर्थात् अर्थात् न ५ न ३
अर्थात् अर्थात् न १५६	अर्थात् अर्थात् न ५० न ५०१८३ अर्थात्
अर्थात् न २३	अर्थात् अर्थात् न २३३
अर्थात् अर्थात् अ ३३३	अर्थात् अर्थात् न ३ ४ न ३ ५ न ३३०
अर्थात् अ ४४३ न ३२४ न ४४०	अर्थात् न ३ ३
अर्थात् अ ४४२	अर्थात् अर्थात् अ ३४२
अर्थात् अर्थात् न १ ८	अर्थात् अर्थात् अर्थात् न ३६८
अर्थात् अर्थात् न ५, न ५३	अर्थात् अर्थात् अ ३८९
अर्थात् न १८५ न २ ३ न ३६३	अर्थात् न ३३५ अ २४३ न २२४
न १०	अर्थात् अर्थात् अ ४२३ अ
अर्थात् अर्थात् न १ ८	अर्थात् अर्थात् अ ४२३ ई
अर्थात् न १५२	अर्थात् अर्थात् अ ४२३ अ
अर्थात् अर्थात् न १८३	अर्थात् अर्थात् अ ६४ अ ५८८, अ ६३० न ६४४
अर्थात् अर्थात् न ४४५	अर्थात् अर्थात् अर्थात् न ६
अर्थात् अर्थात् न ३५० अ ३२४	अर्थात् अर्थात् अ ८५३
अर्थात् अर्थात् अ ३२४	अर्थात् अर्थात् अ २०३
अर्थात् न १ ३	अर्थात् अर्थात् न ३२९, न ३४ न ३ ६
अर्थात् न १ न ३४	अर्थात् अर्थात् अ ५९९
अर्थात् अर्थात् न ४ अ ४४६	अर्थात् अर्थात् अर्थात् न ३४६
अर्थात् अर्थात् अर्थात् अ ०५४	अर्थात् अर्थात् अर्थात् न २८४
अर्थात् अर्थात् अ ३६५, न ४४५, न ६६	अर्थात् अर्थात् अर्थात् न २८५
अर्थात् अर्थात् अ ३६३ न ४४६	अर्थात् अर्थात् अर्थात् न २८४
अर्थात् अर्थात् अर्थात् अ ०५४	अर्थात् अर्थात् अर्थात् न २८५
अर्थात् न ३६	अर्थात् अर्थात् अर्थात् अ ०८
अर्थात् अर्थात् अ ३९९, अ ४	अर्थात् अर्थात् अ १८५, न ४ न ९३
अर्थात् अर्थात् अर्थात् अ ३५२	अर्थात् अर्थात् अर्थात् अ २५
अर्थात् न ३०३	अर्थात् अर्थात् अ ४ न ९३
अर्थात् अर्थात् अ २३९	अर्थात् अर्थात् अ २२९, न २४९

आर्षिक्रिया करना अ २३५
 आशय अ २६६
 आसनाई अ १४५
 आशय अ ४९, अ २०१
 आसा अ ७५, अ २१२ अ
 आसा देवता अ ४५३
 आसावाग होना अ ४५३
 आसा होना अ १४१
 आशिक अ २६६
 आशिन अ १००
 आशी अ १७
 आशीर्षक अ १७
 आशीर्षक अ १७
 आशीर्षक देना अ १७१ अ १७३
 आशु अ ४५२ अ १५९ अ ४४३
 आश्वर्य अ ४३८, अ ४४
 आश्वर्यवर्षि होना अ ६ ४
 आश्वर्यवर्षि अ ४१८, अ ४३९
 आश्वर्यवर्षि अ ४४
 आश्वर्य अ १९, अ ५०१ अ १३ अ
 १४ अ २५
 आश्वर्य अ ७३२ अ १ २
 आश्वर्य देना अ ७३३
 आश्वर्य अ ८४६
 आश्वर्य अ १३५
 आश्वर्य अ १३३
 आश्वर्य अ १३३
 आश्वर्य अ ५१
 आश्वर्य अ ४५
 आश्वर्य अ १ ७ अ ५ ८ अ ५ ९
 आश्वर्य अ १३८, अ २१२ अ
 आश्वर्य अ २४३
 आश्वर्य अ ४४५

आश्वर्य अ २६६ अ ११२, अ १५३
 आश्वर्य करना अ ४७२
 आश्वर्य होना अ २७ अ १२४
 आश्वर्य अ १२७ अ १४५
 आश्वर्य [११] अ ७३ अ
 आश्वर्य रचना अ १५१
 आश्वर्य अ ७ य ६ अ ५ ६, अ ५ ८
 आश्वर्य ग्रहण करना अ ७५
 आश्वर्य जमाना अ ७५
 आश्वर्य देना अ ७५
 आश्वर्य अ ६ य ९०
 आश्वर्य अ १ ७ अ ५ ८
 आश्वर्य अ ९७६
 आश्वर्य अ २३८, अ ३
 आश्वर्य अ ४५
 आश्वर्य अ २१२ अ ४५६ अ २ २
 आश्वर्य देवता अ ४५३
 आश्वर्य अ २ ५
 आश्वर्य अ ७५
 आश्वर्य अ ५८, अ ६५७
 आश्वर्य अ ६१
 आश्वर्य अ २२१
 आश्वर्य अ २४१ अ २४५
 आश्वर्य अ ६३५
 आश्वर्य अ ३५
 आश्वर्य होना अ ३७
 आश्वर्य अ २६४
 आश्वर्य अ ३५
 आश्वर्य अ २४७
 आश्वर्य अ ११८
 आश्वर्य अ १२
 आश्वर्य अ ३४४
 आश्वर्य अ ३४७ अ ३५

आस्पद क १ क १४ स १ स ३
 आस्पोटक म ३५९
 आस्प ग १५, गु २३
 आस्वार स १२४
 आस्वारन करना स १२५
 आहट व ६४४
 आहण व ३४४ स २७९
 आहार क ३९
 आहार करना स ११७
 आहिस्ता व ४४७
 आहिस्ता आहिस्ता व ४५
 आहुत क ८१ स ८२
 आहुति करना क ८२
 आहुति स ८२
 आह्विक व २९९, क १३७
 आह्वान स ८१
 आह्वान करना व ६ ॥

इ

इन्द्रेज प ३६५
 इणित क ९८६
 इंगुर क ३१
 इंगुटी क ४८८
 इनी क ३१२
 इनील क ६ ४
 इणिक ग १५४
 इणाम स १५७
 इणामकार क २८७ व ३७५
 इणार क ४५४
 इणार करना क ४५३
 इणार व ३ ७
 इणित क १९३
 इणीकर व ३८८, क ३९४ व ४ ८

इणु क ३ ७ व १५७ व २६२
 इण क ११५, क २२५, क २३६, व २२४
 व १७३ व ४५, व ७८
 इणाल स ३२६ स ३२७
 इणित क ३९३
 इणुति व ६
 इणमुप व ४८२, स २५२
 इणुपी क २३७
 इणप्रस्य व १२३
 इणिक क २३७
 इणिया व २ ३
 इणोपी क १९४ क १९७ क २ क
 २२३ क २२४ क २२७ क ७८
 इणाम प १४७
 इणिय क ५९६, स ६१२ ग ७५, व १२६
 ग १३४ ग १३५, व १३६
 इणिमिपह क १८
 इणत क ४२३
 इणत ग २
 इणक स १६४
 इण्टा व ८६
 इण्टा करना व ८५८, व ८६६ व ९ ९
 इण्टा होना व ८५९
 इण्टारपी क १६८, व १ १३
 इण्टास क १७१
 इण्टास स २८४
 इण्टार व ४२५, स ४२७
 इण्टारनामा स १८९
 इणता व ९१९
 इणतीता ग २५४
 इण्टार क २४
 इण्टापी क १ ६
 इका-मुक्ता व ९२१

- इसू म २४९
 इसुवली म १९४
 इसुवली म २९६
 इसुवली म १२३ म १३८, म ११३ म ३७१
 इसुवली म १३
 इसुवली म १४१
 इसुवली म १४२
 इसुवली म १४
 इसुवली म ५२८
 इसुवली म २२
 इसुवली म २२४
 इसुवली म १९१
 इसुवली म १९४ म २४
 इसुवली म २६४
 इसुवली म २६५
 इसुवली म १७७ म ३४२
 इसुवली म ३४६
 इसुवली म १६८, म ३४३
 इसुवली म ३४४
 इसुवली म ३४३
 इसुवली म ७६ म ९
 इसुवली म १९४ म २३८, म ४६९, म ९
 इसुवली म २५३
 इसुवली म ३३ म १३३
 इसुवली म १३५
 इसुवली म ३१२
 इसुवली म ७६ म ९
 इसुवली म ९९१
 इसुवली म ३१९
 इसुवली म ३१९
 इसुवली म ३२
- इतिहासिक म ३२१
 इतिहासिक म ८५
 इतिहासिक म ३१२, म ८४
 इतिहासिक म ९९२
 इतिहासिक म ८६३
 इतिहासिक म १७ म १८५, म ८६५
 इतिहासिक म १६५
 इतिहासिक म १७५
 इतिहासिक म १८९
 इतिहासिक म १८७
 इतिहासिक म २
 इतिहासिक म २२१ म २२३
 इतिहासिक म १६४
 इतिहासिक म ३ ७
 इतिहासिक म १४७
 इतिहासिक म १८७
 इतिहासिक म १४२
 इतिहासिक म ५२९
 इतिहासिक म २६
 इतिहासिक म २७
 इतिहासिक म १४८
 इतिहासिक म ४६
 इतिहासिक म ३४
 इतिहासिक म ५१२
 इतिहासिक म १४ म १४१
 इतिहासिक म १७९
 इतिहासिक म २५
 इतिहासिक म २५४
 इतिहासिक म ४५१ म २ ५, म ९
 इतिहासिक म २६२
 इतिहासिक म ४२७
 इतिहासिक म ४२४

अथाटना क २७९, व १२३ अ व १२६,
 व १२९, व ८५३
 अथाट होना व १२५
 अथाङना व ८५३ व ९ १
 अथाङा व ९ ३
 अथित व ४२
 अथ व ८६ व ४४
 अथस्वर व ६५, व ६६
 अथता व ४२७ व ४४२
 अथतिथि करना व २४६
 अथ्याटन क २८१ १२८
 अथ्याटन करना क २७९, व १२६, व १२९
 व ८५३
 अथ्याटन होना क २८
 अथ्याट होना क २८
 अथ्याटित क २८२
 अथ्याटित करना व १२९
 अथ्यात्न करना व २४६
 अथ्यथका क २२९ क ३०३ प ४५२,
 प ४८९, व ५१६
 अथ्युद्धस्ता व २३८
 अथ्युत्त व २९९ व ७१३
 अथ्युष्ट क १४ व ४९८
 अथ्य व ४९, व ७६ म १३३
 अथ्यम्बू व ६८१
 अथ्यम्बू करना व ६८५
 अथ्यता प ५२ व ६८३ व ३५१
 अथ्य व ५६ व ६८१
 अथ्यत्मा व ६८२
 अथ्य पारना व ६८३
 अथ्य व २१२
 अथ्यही व २१४
 अथ्यह व ७७ व ३६४

अथ्यहपन व ७९, व ३६६
 अथ्यङना व ५७
 अथ्यक व ३६४
 अथ्य व ३९५
 अथ्यता व २९
 अथ्यत्त व १५८
 अथ्यता व २८
 अथ्यतापन व २९
 अथ्यङ व २२६, व ५६८
 अथ्यङ होना व ५७
 अथ्यता व ३८३
 अथ्यार व ३८३
 अथ्यया व ३८३
 अथ्येका व ३८३
 अथ्येका पत्र व ८९
 अथ्येकी राठ व १४५
 अथ्यमिती व १२१
 अथ्यम व १२१
 अथ्यमल व २८ व ४४८
 अथ्यमस्ता व २९
 अथ्यकना व ६८४
 अथ्यिता व ९ ५
 अथ्य व १४२
 अथ्यता व ४५५, म ४७९, व ६८४ व
 ७४९, व ७६९
 अथ्यपीर प ४१८
 अथ्यता व १८३ व ७७
 अथ्यर व ५१ व ४५
 अथ्य व ४ व २६
 अथ्य क ३ ७
 अथ्यपति क ३ ७
 अथ्यता क ३ ७
 अथ्येका व ९ ५

उदर व २५४	उत्तर व ४७७
उदना ग ६ ०	उत्तुग म ५५२ ग ५५४
उदना ह ३८१	उत्तुष्ट व ४७५
उदना ज ८६७ ग ३ ७	उत्तुष्टता व ४७७
उदना मीना ग २१	उत्तुष्ट ग ४१६
उदना न १२९	उत्तुष्टक म ४१७
उदना प २२१	उत्तुष्टम ग १५४
उदना र ५५२	उत्तुष्टन व ७ ९
उदना स ५५२	उत्तुष्टता ग १३७
उदना त १०५	उत्तुष्टता ग १३५
उदना थ ७ १	उत्तुष्ट व ४१८, व ४७५
उदना द ७ १	उत्तुष्टता व ४७७
उदना क ७८८	उत्तुष्टता व ११२, व ३ १
उदना ख १५६ ग १४५, व १८६ व	उत्तुष्टता म ११
८५४ ग ४१४	उत्तुष्टता २१७ ग २१८ व ७६ व ७९,
उदना ग ५६५	व ८
उदना घ ४१५	उत्तुष्टता क ५८२
उदना च ४१८, ग ४	उत्तुष्टता व ३८
उदना छ ५६५	उत्तुष्टता व ३८१
उदना ज २५४ व ७२१ ग २३१	उत्तुष्टता व ३८
उदना म ४३	उत्तुष्टता व ५९१
उदना न १५४ व १२, व १३ व	उत्तुष्टता म २१
४४४ व ४४८	उत्तुष्टता व ४२१
उदना प १८	उत्तुष्टता म २७ व ३०
उदना र १५८ व १६२, व १५ व	उत्तुष्टता म २७ व ५४
८८८	उत्तुष्टता म २७ व ४७
उदना स १८	उत्तुष्टता म १२५ व १३१
उदना थ १३८ व २३४	उत्तुष्टता ह २७४ व ३८४
उदना द १८	उत्तुष्टता व ४८
उदना क ११	उत्तुष्टता ११५
उदना ख १५८	उत्तुष्टता होता व ७४
उदना ग ८३ व ८३ व १४	उत्तुष्टता व ३१८
उदना च ३३९	उत्तुष्टता व ३१९

उत्तेजित करना क २१०
 उत्थान क ७ ९
 उत्थान करना क ७४९
 उत्थानि म १४४ म ४४५ क ८१२
 उत्थान क ८१८
 उत्थान करना ग १४५
 उत्थान होना क १५६, म १४५, क ८१७
 उत्थान क ३८८, म ४ ७
 उत्थात म १६९, म १७५
 उत्थाती म १७६
 उत्थुस्तु क ३८२ क ३९
 उत्थम ग ४९, म ७९
 उत्थ क २७३ क ३ ७
 उत्थर्ग म ४६
 उत्थर्जन क १९५
 उत्थर क ४ क २ १
 उत्थाह क ४८ क १८६, क २१२, क २१९
 उत्थाह मङ्गला क २१७
 उत्थाह में होना क २११
 उत्थाह्नीन क २१५
 उत्थाह्नीनता क २१३
 उत्थाहित करना क २१७
 उत्थाहित होना क २११
 उत्थाही क २१४ क २८८
 उत्थुक क १४
 उत्थुकुचक म १७५, म ४
 उत्थना क ५६५
 उत्थानपन क ५६७
 उत्थक क ८
 उत्थि क २६४
 उत्थिनाथ ग ५९४
 उत्थीत क ६ ६

उत्थर म ५२, ग ७७ ग ११३
 उत्थात क २२
 उत्थान नामु क २६४
 उत्थार क २३ क ५९, क २ १
 उत्थात्ता क २
 उत्थास क १६५ क ५६, क १२३
 उत्थास करना क २७९
 उत्थास होना क २८ म १३२
 उत्थासी क २८१ क ५७
 उत्थासीन क ५६, म १२३
 उत्थासीनता क २८१ क ५७ क १२८
 उत्थाहरण म २६३
 उत्थुनम ग १४४
 उत्थुगार क २२३
 उत्थुवर क ५१ क ४५
 उत्थुवीक क ५५२
 उत्थुवाटिठि करना क ७९९
 उत्थुड क ७७
 उत्थुडता क ७९
 उत्थुपन क १८३
 उत्थुपि क १७७
 उत्थुप्य म ३७१
 उत्थापना म २३३
 उत्थुमुत क ७७
 उत्थक क १५३
 उत्थार क ४२ म २३
 उत्थार करना म २३३
 उत्थार पाता म २३१
 उत्थुमुत करना क १९८
 उत्थुमथ ग १४४ क ८१२
 उत्थुमावता क ८१२
 उत्थिथन क २
 उत्थत क ३७६, म २५७

उद्यम क २८९, म २८७ म ३ ३	उद्योगिता म १९
उद्यमी म २८८	उद्योग क ३७६
उद्योग क ९	उद्योगिता करना क ८५३
उद्योग म २८७	उद्योगिता करना क ८५३
उद्योगी म २८८	उद्योगिता क १४५
उद्योग क १३ क २२६	उद्योगिता क ३६ क ४१९
उद्योगिता क १६	उद्योगिता क ३
उद्योगिता म १८	उद्योगिता क २८
उद्योग क ४ क १६ क २२४	उद्योगिता क ३७ क ३०
उद्योगिता क ८५४ क ९०	उद्योगिता क १७१
उद्योग म १७५	उद्योगिता क २८
उद्योगिता क ७९९	उद्योगिता क ३
उद्योग म ३०८	उद्योगिता क १०१
उद्योगिता क ७९९	उद्योगिता क ३२
उद्योगिता क ४ १	उद्योगिता क २८
उद्योगिता म ४ क १९६	उद्योगिता क ३७२
उद्योगिता क ८५३ क ९ १	उद्योगिता क ४३५
उद्योग क ९ ३	उद्योगिता क ५४४
उद्योगिता क ७६	उद्योगिता म ४२८
उद्योग क ८६	उद्योगिता क २२४
उद्योग क २८८	उद्योगिता क १५६ क ८१३ म ११६
उद्योगिता क १७१ क ७९९ क १७	उद्योगिता क १ १
उद्योगिता क ७३१	उद्योगिता क ३२३
उद्योगिता क ५५	उद्योगिता क ३६१
उद्योगिता क १२६ क ४२६	उद्योगिता क ४५९
उद्योगिता क ९३५	उद्योगिता क ७६१
उद्योगिता क ३ १ क ३ ३ क ३३ क १४	उद्योगिता क ७६१
उद्योगिता क ३१८ क ३३३ क ३८१	उद्योगिता क १५८ म १७५
उद्योगिता क १	उद्योगिता क १७६
उद्योगिता क ३८३	उद्योगिता क २८७
उद्योगिता क १८७ क ३११	उद्योगिता क ३८८
उद्योगिता क ३८	उद्योगिता क १८ क १ ६ क १५ क ४
	उद्योगिता क ३ १

उपनिषद् क ५४५, क ५५७ क ५५८
 उपनाम क ३८३
 उपनीत क १५
 उपनेत्र क ४
 उपस्थास क २ ४ क २ ८
 उपस्थासकार क १२७
 उपपत्ति म २२७
 उपपत्ति क १९२
 उपपत्नी क २२८
 उपमावा क २२३
 उपभोग क ३ ६
 उपभोग करना क ३ ७
 उपपुत्र क ४२
 उपमा क २६४ क ३९३
 उपपुत्रता क ४ ७
 उपभोग क ३ ६
 उपभोगी कला क १
 उपरता क २७४ क ८५४
 उपरती क २७४
 उपरी क १९३
 उपरत क २ क २४ क १७९
 उपरतकी क २६१
 उपरी क ४२४
 उपरीकरता क २६१
 उपरक क १३३
 उपरीक क ११९
 उपर क २४७ क २३९, उ २५८
 उपरम्प क ३४९
 उपरता क ४२४
 उपरत म ९
 उपरत क ५२
 उपरत करना क ५३
 उपरिष्ठ होना क ७५

उपवीत क १ ६
 उपसम क १४
 उपनेत्र क ५३५, क ५५९
 उपस्थास क १७
 उपसर्व क १९५
 उपस्थास करना क ३५
 उपस्थ म ७९, म ८ क १३८
 उपस्थान क ९२५
 उपस्थित क ३७४ क २५७
 उपस्थित होना क ३६४
 उपस्थित रहना क २६१
 उपस्थिति क २५९
 उपहसित क १८१
 उपहास क १५९, क ३७२
 उपहार क २८२, क २८४
 उपांग क ५८५
 उपास्यान क ३१९
 उपाधि क २५३
 उपाप्याम क २४१ म २८८
 उपात क २९७
 उपाय क ३७
 उपरता क ८५३
 उपार्जम क ३४५
 उपास क ५२ ।
 उपासक क ३७ क ६९, म २९६
 उपासना क २६
 उपासिता म २९७
 उपाननीय क २९
 उपाती क ३७
 उपाय क २९
 उपाय क १३४ क २२८
 उपरिष्ठता म २ ३
 उपाता क ३८९

उदीपान ए २१८
 उधना ए १ ६
 उधना ए १ ६
 उधन ए २१२
 उधना ए ५
 उधना ए ४९७ ए ४९९
 उधना ए ४९८
 उधन ए १२१
 उधना ए ५७५
 उधना ए ४३२
 उधन ए ४२९
 उधना ए १ ए १ ६
 उधन ए ९७
 उधना ए ३६५
 उधन ए २१
 उधना ए २३३
 उधन ए २१२
 उधन ए १०६
 उधन ए १
 उधना ए ए ८, ए १०
 उधन ए १८९
 उधन ए ४७५ ए १८४ ए १
 ए ३१६
 उधना ए १८८
 उधन ए २१२
 उधन ए ४ ए २१२
 उधन ए ३११
 उधना ए ३११ ए ३१
 उधन ए ११८ ए ११ ए १ ७
 उधन ए १८४
 उधन ए १८८
 उधन ए ११५ ए ११५
 उधन ए ११५ ए १८५ ए ११५

ए २१५
 उधन ए २१२
 उधन ए ४७५
 उधन ए २१२ ए
 उधन ए २५१
 उधन ए १७
 उधन ए १४८ ए २९
 उधन ए ११, ए ११ ए १११
 उधन ए ५५८, ए ४५८ ए ३६
 उधन ए १६
 उधन ए ५
 उधन ए ५
 उधन ए २५४
 उधन ए २५४
 उधन ए ५
 उधन ए ४ २
 उधन ए ८४ ए ३१
 उधन ए १५
 उधन ए १५
 उधन ए १२
 उधन ए १५
 उधन ए १७
 उधन ए ५
 उधन ए ६५४
 उधन ए २५४
 उधन ए २१४
 उधन ए ८६
 उधन ए ११५
 उधन ए २१८, ए १
 उधन ए १८१
 उधन ए १ २७८
 उधन ए १
 उधन ए १७१

सर्वरा व ९ व १ १
 सर्वशी क २४८
 सर्षी व ९
 सकसत व २२४
 सकसता क २७५, व ७८१
 सकसता व ७८२ व ७८३
 सकसाव व ७८४
 सकटा व ९ व १७५, व ८९९,
 व ९ ५, स ४ १ स ४ २
 सकटमा-मुकटना स ४ १
 सकटा व २८६, व ४२१ व ८४१
 सकटा-मकटी व ४
 सकटा-मुकटा स ४३७
 सकटी आना व ४९८
 सकटी करना व ५ व ८९९
 सकटी घाँघ केना व ७१२
 सकाहना स ३४५
 सकाहना केना स ३४६
 सकीचना व ९ ५
 सकूक व १५२
 सकूक क ४३४
 सकपी क ४२३
 सका स ४९, क २८
 सन्टी व ४९९
 सन्वा व ३ १
 सन्कठ व १४५
 सन्कनी व १५३
 सन्कपन करना व ६८६
 सन्कमिठ व ३१
 सन्कमिठ होना व ४१
 सन्काम्य व १३४
 सन्काम्य व २ ३
 सन्काम व ४५, व २१२

सन्सासी व ४८, व ५१
 सन्सूक १३४ ग १५२, व ३६४
 सन्सू बोळना व ५७
 सन्सेस व १९
 सन्शीर व १७३
 सपर व १
 सवा क २१५, क २२३ क ४ ४ क ४४७,
 क १२९ क १३१ क १३४
 सपापति क ४ ३
 सप्ट ग ४५
 सप्प क ३१९ प १८८, क १९, स १३७
 सप्पव स १३५
 सप्प होना स १४१
 सप्पापम स ६९
 सप्पीव क २३८, क ३३७
 सप्पज प १७३
 सप्प क ६९, स १३५
 सप्पा स ५२ प १२१ प १२४ क १७,
 व ९३ स १३५
 सप्पागम क ६९
 ससकला व २१७
 ससास व ७१३
 सस्तार व ३६७
 सस्तापी व ३६८
 सस्तूय क ५२३

ऊ

ऊँय व ७५७
 ऊँयता हुमा व ७६
 ऊँयना व ७५४ व ७५५
 ऊँया व ८६ व ४४ व २९७
 ऊँयार् व ४४२
 ऊँया-नीया व ५७५

इंवा स्वर ता ६६
 इंटे य ४५०
 इंरुय ५३२
 इंय य २४९
 इंयत इ ४६४
 इंयद य ५६८
 इंयत ता २८
 इंयटीय क ६२५
 इंया ता १६१
 इंय ग ५९४
 इंयविलाय न ५९४
 इंया ता ४६ व ४६३
 इंयम य १७५
 इंयमी य १७६
 इंय इ २२४
 इंयी इ २२५
 इंयत य ७६ व ८६
 इंयत माता य ६८४
 इंयत माता य ७१
 इंयी य १, व ७३६
 इंयता य १८, व १७
 इंयत य १९४
 इंयीवी य २१०
 इंय इ २१४
 इंयताय य ५१०
 इंय व ४४ व ४८
 इंयि य ३३८
 इंयिल्ली य ३६४
 इंयत इ ३३५
 इंय य ४ व ७११
 इंयत य १११
 इंयत य ११३ ता ११५
 इंयत य ५५३

ऊष्मा उ २६२ व ११५
 ऋ
 ऋक क ५४१ क ५४३
 ऋक संहिता क ५४६
 ऋय य ४४८, ता ८, ता ९
 ऋयम य उ २५, व ४ व २६
 ऋयानि क १ उ क ३८४
 ऋयपय क ३८४
 ऋयेर क ५४४
 ऋया व ९२, क ९४ क ५४२
 ऋयु य ५१ व ५८, व ३
 ऋयुता य ६१ व २९०
 ऋयत १९८, व २९७
 ऋय ताता ता य
 ऋय युवाता य ४ १
 ऋयत ता य ४
 ऋय देता ता य १
 ऋय पाटता ता य १
 ऋयमुता ता य १
 ऋय लेता ता य
 ऋयी य ३०९, य ४२४ व २१५
 ऋय न ९, व ४ ५
 ऋयु ता १ व ७४ उ १ उ ६८ ७
 ६५
 ऋयुता उ य
 ऋयुली उ ५१
 ऋयवत य १३८
 ऋय व १ ८
 ऋयि य ३१० व ३८
 ऋयत य १ (ता ३) य ४८३ व ३०३
 ऋयतीर य ४८ व ४८६
 ऋयि य ४०५

ए

एक ल ५७७
 एकशेषा व ४९५
 एकसप्त ल ३४१
 एकजही झ ६
 एकटक बेखता व ७२६
 एकलव ल ३४१
 एकटा ल ५७९, व ४२४ व ८६
 एकव ल ८६ व ८६१
 एकव करना ल ५५९, व ८५८ व ८६६,
 व ९९
 एकव होना ल ८५९
 एकवित ल ८६
 एकवित करना ल ८५८, व ८६६
 एकवित होना ल ८५९
 एकव ल ५७९
 एकवत क १९२
 एकलयन व ३५४ व ४९५
 एकनामिनस ल ३७९
 एकनामिस्ट ल ३८३
 एक-व-एक व १ १३
 एकवारणी ल १६८, व १ १३
 एक में करना ल ५५९, व ८५५, व ८७४
 एकरोष ल ४२२
 एकरोर करना ल ८५५
 एकस्म ल ४८३
 एकस्मता ल ४२४
 एकसा ल ५७८
 एकसा ल ४२२, व ४८३
 एकाकी ल १३६
 एकाकीकार ल १३८
 एकांन व १३
 एकांत व ६२२ व २२७

एकांतवृह ल १७५
 एकांतता ल ९२
 एका ल ८५
 एकाई ल ८५
 एकमर्देक ल ६४१
 एकाएक ल १६८, व १ १३
 एकाएकी ल १६८, व १ १३
 एकाकार ल ४२२
 एकाकाशिता ल ८५
 एकाकी ल ९१९
 एकास क ४५३ ग ६५४ व ४९५
 एकमघर क ५५८
 एकासमकता ल ८५
 एकास्य ल ३१५
 एकास्यी ल १ ६
 एकावणी ल १९
 एकीकरण ल ८५
 एकेत्रिय व ५९६ व ५९७
 एकक्रम ल ९५
 एकका ल ३८७
 एकसमय ल २२८
 एवेक व ३७५
 एक्टिटर ल २९२
 एड व ८७ व ५१६
 एडी व ८७
 एतवार ल २५३
 एतवार करना ल २५४
 एनवेक्य ल ३१५
 एरंड ल २६७
 एराकी ल ४५२, व ४६१
 एराकत हापी ल ४८२
 एरावती ल ४३६
 एरापी ल ३६९, ल ३७

एमा छ ७८, छ १८६
 एमीपी रा ४२९, ग ४३३
 एम्ब रा १८
 एम्बी म २५३
 एम्बान व २८ व २६७
 एम्बामर्मद व ३२, व २६५

ऐब व ३९७ म ३७४
 ऐबमपाना व ४ ४
 ऐबी व २६८, व ३९५
 ऐया ग १६३
 ऐयाम छ १३६
 ऐयार व ३६७
 ऐयाटी व ३६८
 ऐयामी व २९९
 ऐरावीरा व ४२९, म ४०६

ऐ

ऐबाजाना व ४९४
 ऐबना म ३९७
 ऐछना व ५५२ म ७४
 ऐठ व ६३ व ८८
 ऐठार व ४८८
 ऐठ दिगाना व ७६ व ९
 ऐठम व ६६ म ३८८
 ऐठमशर व ४८८
 ऐत्रा व ६३ व ६७ व ७६ व ८१
 व म २ ८

ऐरावत म ४ ६
 ऐरावा क २३३ म ५ म ३४८ व ८८
 छ २४४
 ऐलकिल क २५५
 ऐम व २९९
 ऐमजगाम व २९
 ऐमवर्ष व २६३ व २६८, व ३४२
 ऐमवर्षवान ग ४ ५ म
 ऐमवर्षगानी ग ४ ५ म

ओ

ऐमशर व १
 ऐमा व ७६
 ऐमाना म ३७९
 ऐमालिख म ४ ७
 ऐम म १८३
 ऐमर व १४६ म १५
 ऐमेम म १५४
 ऐम व ८
 ऐम व १ ७
 ऐम व ३
 ऐम व ७५
 ऐम व ३१ व ३३१
 ऐम व ३३ व ३४ व ३४
 ऐम व ३३

ओजार म ६५८
 ओजगमाव व १६६
 ओजगमिय व १६६
 ओम म ६४
 ओमर व ४७३
 ओम व ३६ व १४
 ओमना म ७
 ओमनाई म ३७
 ओमनाग व ८ ९
 ओमनाई म ३७ व ३७
 ओमनाई म ४ ८
 ओमना म ४ ८
 ओमर व ५६९

कव्यमूल व ३ ४
 कव्य व ३१५
 कवरा व २५ व २५१
 कवराज व ३५९
 कवर्ष क २७१ क २५
 कवली व २७
 कवा व ३ ८ व ३ ९
 कवुक क ३७५
 कवय ३३ य ३६
 कवयग ३३ व १२३
 कवया य ३६ क ३१४
 कवा रीता व ७८७
 कवा लगाना व ७८७
 कवेया क ३९९
 कव सा १७५
 कवकौपाना व २३४
 कवकपी व ५३ व ६८
 कवल व ६८ व ७१४
 कौपाना व २३५ व ७१५
 कपिठ व २३७
 कौपाना व १७ व २३४ व २४५ व ३५१
 कपिठ करना व ७१५
 कपित होना व १७ व ७१९
 कवल क ३३८, क २९१
 कवुक व ४३५, व ४९४ य ६ ३
 कवुक व ४३५, य ४९४
 कवीय य ४९४
 कव क ४४३ य ४५६
 कवमुटी व ११५
 कवमति क ३९९
 कवहार ग ३ ९
 कवहारि य ३१

कवत व ५४
 कव वार व १ ९
 कवकी व ४९५
 कवक ७ ९४
 कककी व ३७२ व ३७३
 ककमी क ३५१ क ३५२
 ककुर ग ४५१ क ५५३
 ककुरमती व ७८
 ककुरम व ८६, व ७५
 ककौरला व ८९६
 ककल क ३५१
 ककलुटी व १२५
 कक व ५७ व ९ व १४८, व ३ ४
 कका क १ ४ व ६ ६
 कव य ३७
 कवकव व ६११
 कवपथी क ३३८
 कवपथी क ३१९
 कवकूट करना य १५६
 कवलसा ९३
 कवपी व ३७५, क ७३
 कवमला ३२१
 कवहरी व १७४ व २२४
 कवालसा व ५५
 कवाल व ३ ९
 कवुर य १५५
 कवुर हीला ३१९
 कवीडी क १ ३ क ११६
 कव्या व २६ ग ३१
 कव्या करना व ८८१
 कव्या माना क ५६५
 कव्य य ४५२ व ५९५, व ११ य ४ ७
 कव्या क २६६ क ४४६ व ५९५

बघटा क १ ४ ग ४५२
 बघ क ४४६
 बघना क २६२
 बघनी क १ ४ क २५८ क २६०
 बघानी क २६२
 बघ व ९१
 बघना क ४४६ व ५९५
 बघक व ९१
 बघीटा क २६२
 बघ व ६२ व १९०
 बघरा क १ १
 बघराई ग ३२
 बघरी व ४७२
 बघरीग क ४८७
 बघरीगी क ४८७
 बघरा व २४९
 बघनी व ४७२
 बघा व १५४
 बघाव ग ४१८
 बघारी व १०१
 बघरा क १ १ क २१
 बघरा क ४१८
 बघराती व १७१ क २ ६
 बघरा ११ ग ४९५ क ४८४
 बघरा १५५ व ८१ व १ क ११४
 क ५ ७ व ११५
 बघरा क १६१
 बघरागी व १७
 बघरा क १५४ व १ क ८५४
 बघरा व १६४
 बघरा व १७१
 बघरा व ४८७ क ४८७
 बघरा व १५७

बघराई व ४१० व ४११ व ४१२
 बघरा क ४४६
 बघराई व ८८६
 बघराई व २३८
 बघरा ग २
 बघरा व ८८६
 बघरा क ४१५
 बघरी क ४१५
 बघरा क ३१५ ग ४८६ ग ४८७ व १४२
 बघरा क ७८ व ४४५
 बघरा क ३५९
 बघरी क ३३२
 बघरी क ७९ व ११८
 बघरी ग ७९
 बघरी गौर व ३४
 बघरी गौर क ३
 बघरा १६६ व २६४ क ४३ क ४६
 क ६१
 बघरा क ३१५
 बघरा १६७ व २६४ क १९
 बघरा क ४७ क ६२
 बघरा व १ ६ व ३ ६
 बघरा व ६
 बघरा व ७७ व ३७१
 बघरी क ४४६
 बघरी क ४४६
 बघरी क ४४६
 बघरा व १५७
 बघरा २६ व ४१८
 बघरा २६५ क ४८७ व ५९
 बघरा क १७ क १६७
 बघरा व १७१

शोचनी क ६६२
 शोच क ९२४
 शोका क ४२९, क ४३९
 शोकाई क ४४१
 शोकापन क ४३ क ४४१
 शोच क १९१ क १९२, क २६२ क
 ३८३ क ३८८, क १०१
 शोचपात्री क ४
 शोचस्विता क १०१
 शोचनी क ४
 शोचस्त क ३५४
 शोचस्ती क ३५३
 शोचस्ती करना क ३ ६
 शोचती क ५२
 शोला क ३५४ ग २८१
 शोट क ४९७ क ७७२, क ९२४
 शोट कबाना क ७७३
 शोटा क १४७
 शोकिका क ४६८
 शोक्ता क २९ क १८३
 शोक्ती क २७४
 शोचमोच क ८ ५, क ९९
 शोचमोच शीना क ९५
 शोचन क ९२
 शोचरना क ८९२
 शोचा क २३५
 शोचापन क २३६
 शोचन क ५ ३
 शोच क २८७
 शोचदार क २८५
 शोचियम क १९३
 शोर क ७५
 शोचल क ३४५

शोरना क ९१५
 शोका क २५८, क २५९
 शोच टेस्टामेंट क ५९८, क ५९९
 शोचरकोट क २४८
 शोचि क ५४९
 शोचिवात्म क ४२८
 शोचबीच क ३ ७
 शोच ग २४
 शोच क २५६, क २५९
 शोचाना क ८५३
 शोचारा क १४७
 शोचरा क २५५
 शोचरना क ९१६
 शोचर क २९६

शो

शोकात क ३८७
 शोचना क ७५५
 शोचट क ५७६
 शोचारी क ७५७
 शोचाना क ७५५, क ४ १
 शोचाना क १८
 शोचना क ९ क ९९
 शोटा क ९१
 शोटा काना क ९२
 शोचाना क ९ क ९९
 शोचक क २६८, क १ १३
 शोचट क १६८
 शोचिय क ४ ७
 शोचर क ४ १ क ५५६
 शोचना क ९ क ९९
 शोचाना क ९
 शोचर क ३३१

बीडारी क १५७
 बीडकुम्भ ख १८५
 बीडार्य ख १६३ व २
 बीडार्य ख ७९ ख ८६
 बीडोमिक म २८९
 बीडम्याधिक ख ४१८, व ९७
 बीर ख ५८४
 बीर कही व ९९३
 बीरख ग ४ ग २२५
 बीरख ग २५ ग २५६
 बीरकाव म २४६, म २५
 बीरामाता ख ३३१
 बीराम्या क ११
 बीराम ख ५४९
 बीरामसम ख ५४३
 बीरान ख ८४

क

कंक क ३१७ क ४१४ व ३७
 कंकन क ३३४ क ३५१
 कंकर क १६२
 कंकाळ ग १
 कंकाळिनी क १९४
 कंकापी ग ५७
 कंकाण क ३३४ क ३५१
 कंकाण क ३३४ क ३५
 कंगनी क ३३४ क ३५१
 कंकाण ख ४ ५
 कंगही क ३३४
 कंकाण ख ४ ५
 कंगारुता ख ४ ६
 कंगाली ख ४ ६
 कंगुण व ४२

कंवी क ३१४
 कंवी करमा म ७४
 कचन व ४४८ व ३६ व ४६३
 कंबुक ग ५६६, क २१८ क २६९ क ४ ८
 कंबुकी व २३६ व २५५, व ५५८ क
 २६९
 कंब क १२३ क २४२, व ३८८
 कबा व १५४ व ४९३
 कजूस ख ३९
 कंबूची ख ३९१
 कजूसी करमा ख ३९२
 कंट व ४२
 कटक म २५
 कंटकाकीर्य व २४३
 कटकारि व १२५, व १९९
 कंटफळ क २ २
 कंटिया क ३२८, क ५७२
 कंटी व २५८ क १६
 कंटीला गमक क ३
 कंटोप क २३९ क २७९
 कठ ग ३३ ग ३४ व २१
 कठमाळा ख ५२५
 कठमी क ३३१ क ३४६
 कठा क ३३१
 कंठी क ४२, क ३३१
 कंटुवा क ३३१
 कंठा क ४२४
 कंठाल क ४५
 कवी क ४२४
 कंठील क ५९२
 कंठ ग २२४ ग ३८
 कंठ व ३ २, व ३ ७ प ३ ८, प ३ ९
 व २३९

कर्ममूल व ३ ४
 कर्मर व ३१५
 कर्मरा व २५ व २५१
 कर्मरुच व ३५९
 कर्मरुच क २७१ क २५
 कर्मरुचि व २७
 कर्मा व ३ ८ व ३ ९
 कर्मरुच क ३७५
 कर्म व ३३ व ३६
 कर्मरग ३३ व १२३
 कर्मा व ३६ क ३१४
 कर्मा वेना व ७८७
 कर्मा जगाना व ७८७
 कर्मिया क ३९९
 कर्मि क्ष १७५
 कर्मिर्कपाला व २३४
 कर्मिर्कपी क ५३ व ६८
 कर्मि व ६८ व ७१४
 कर्मिणा व २३५ व ७१५
 कर्मिण व २३७
 कर्मिणा व १७ व २३४ व २४५ व ३५१
 कर्मिण करणा व ७१५
 कर्मिण हीना व १७ व ७१६
 कर्मिण क ३२८ क २९१
 कर्मिण ४३५ व ४९४ व ६ ३
 कर्मिण ग ४३५ व ४९४
 कर्मिण व ४९४
 कर्मि क ४४३ व ४५६
 कर्मिणुपी व ११५
 कर्मिणि क ३९९
 कर्मिण व ३ ९
 कर्मिणि ग ३१

कर्मि व ५४
 कर्मि वार व १ ९
 कर्मि व ४९५
 कर्मि व ९४
 कर्मि व ३७२, व ३७३
 कर्मि क ३५१ क ३५२
 कर्मि म ४५१ क ५५३
 कर्मि मयी व ७८
 कर्मि व ८६, व ७५
 कर्मिणा व ८९६
 कर्मि क ३५१
 कर्मिटी व १२५
 कर्मि व ५७ व ९ व १४८, व ३ ४
 कर्मि क १ ४ व ६ ६
 कर्मि ग ३७
 कर्मि व ६११
 कर्मिणी क ३३८
 कर्मिणी क ३१९
 कर्मिणूट करणा ग १५६
 कर्मिणा क्ष ९३
 कर्मि व ३७५, क ७३
 कर्मिणा क्ष ३२१
 कर्मिणी व १७४ व २२४
 कर्मिणा व ५५
 कर्मि व ३ ९
 कर्मि व १५५
 कर्मि हीना क्ष ३१९
 कर्मिणी क १ ३ क ११९
 कर्मिणा ग २६ व ३१
 कर्मिणा करणा व ८८१
 कर्मिणा वारा क ५९५
 कर्मि व ४५२, व ५९५, व ११ व ४ ७
 कर्मिण क २६६, क ४४६, व ५९५

कञ्जा क १ ४ प ४५२

कञ्ज क ४४६

कञ्जना क २६२

कञ्जनी क १ ४ क २५८, क २६२

कञ्जाली क २६२

कञ्जु प ९१

कञ्जुवा क ४४६, प ५९५

कञ्जुक क ९१

कञ्जीटा क २६२

कञ्ज क ६२ क ३९७

कञ्जरा क ३ १

कञ्जराई क ३२

कञ्जरी क ४७२

कञ्जरीटा क ४८७

कञ्जरीटी क ४८७

कञ्जला क २४९

कञ्जली प ४७२

कञ्जा प १५४

कञ्जाक प ४१८

कञ्जाकी क ३७१

कञ्जाल क ३ १ क २३९

कञ्जाक ग ४१८

कञ्जाकी क ३७१ क २ ६

कञ्ज क ११ प ४४५, क ४८४

कञ्जक क ३५९, ग ८२ क ३ ४ क ३३४

क ५ ७ क १३५

कञ्जक क २६२

कञ्जरीपई क ३२९

कञ्जना क १५४ क ९, क ८५४

कञ्जक क १६४

कञ्जला क २७६

कञ्जा प ४८५, ग ४८७

कञ्जाना ग १५७

कञ्जरीया क ४१ क ४११ प ४१२

कञ्जक क ४९

कञ्जई क ८८३

कञ्जळें क २३८

कञ्जस प २७

कञ्जान क ८८३

कञ्जार क ४१५

कञ्जारी क ४१५

कञ्जाह क ३१९, क ४८६, ग ४८७ क १४२

कञ्जि क ७८ प ४४५

कञ्जिब क ३५९

कञ्जिसूत्र क ३३२

कञ्जी प ७९, क ११८

कञ्जीर प ७९

कञ्जीला गौर प ३४

कञ्जीला नमक क ३

कञ्जु प १६६, क २६४ क ४३ क ४६,

क ९१

कञ्जुब क ३१४

कञ्जुक प १६७ क २६४ क १९

कञ्जुकल क १९

कञ्जुठा क ४७ क ६२

कञ्जुला क १ ६, क २९६

कञ्जुमी क २९६

कञ्जुक प ७४ क २७५

कञ्जोरा क ४४१

कञ्जोरया क ४४

कञ्जोरी क ४४१

कञ्जुबा प ३५१

कञ्जा ग २६, क ४९८

कञ्ज क ५४९, क ५५८, क ५५९

कञ्जोइया ग ६५९, प ६६७

कञ्जबाप क १७६

कठकत क ४५१
 कठिन व १ व १५८, स ४१
 कठिनकक व २९९
 कठिनाई व १२
 कठिक व ४९
 कठोर व २४ व १८
 कठोरता व २१ व ७१
 कठोरपन व २१
 कठीर क ४५१
 कठीरा क ४५१
 कठीरी क ४५१
 ककक व ४५८, स १७१
 कककनाता स ९८, स १
 कककना स १७७
 कककनाक क ४ १
 कककना व ८९४
 ककवा क ११
 कका व ११५, क ११४ क ११५, क ११५,
 व १८, व ४१६
 ककाई व ७१
 ककापकना व ८१
 ककापन व ७१
 ककावीन क ४ ५
 ककाह क ४२८, क ४१
 ककाही क ४२८
 कका होना व ८१
 ककी क ५४४
 ककुवा क ११
 ककुवाई क १२
 ककुवापन क १२
 ककना व ११५, व ७११ व ८५१
 ककाई क ४२८
 ककाही क ४२८

ककी क ९९
 कका व १८८ व २२२, व ४९१ व २१६,
 व ५ १ व ८९५, व ९१
 कपावसुभ क ५१९
 कक व २१२
 ककक व २१२
 ककभी क ५२५
 ककर क १२५
 ककरम्पोंस करना व ८८
 ककरल व ८८२
 ककरला व ८८
 ककरनी क ५२५
 ककराई व ८८१
 ककराव व ८८२
 ककरागा स १८१
 ककल स २१४
 ककलबाव ग १७१
 ककहूँ व ९९५
 ककहूँ व ९९५
 ककार व ९२४ स २१४
 ककिक्या स ५४
 ककीय व १४
 ककु व ४७१
 ककई व १ ८
 कका क ४ १
 ककी क ४ १, क ४१५, क ५४९
 ककवाई स १४१
 ककक व १९८
 ककवा क १८७
 ककल स २१४
 ककवित् व १७१
 कक व ११७
 ककक व १९८

कथन स २७१ अ २७७ अ ६१४
 कथन करमा अ ६१६
 कथनी अ २१४ अ ६१४
 कथनीय अ ३५८ अ ६१७
 कथा क ७६, अ १३९ अ २ ८ अ ६१४
 अ ६२१
 कथा कहुना क ७७
 कथाकार अ १२७
 कथानक अ १३९
 कथावाचक क ७८
 कथामुख स २९८
 कथावस्तु क ५९३ स १३९
 कथा बचिना क ७७
 कथावार्ता क ७६
 कथित अ ६१५
 कथोपकथन अ २६९
 कथ्यक स ५७
 कथ्य अ ६१७
 कथंन अ २६३ अ ४१८
 कथंनक अ २६३
 कथ अ ३११ अ ९
 कथविद्य अ १९५
 कथन स १५४ अ ३ ४
 कथमथा अ १५२
 कथम अ ८६, अ ४१८, अ ६७७
 कथर अ ९१ अ ३४२
 कथराई स २७३
 कथराह स २७४
 कथयं अ ३९ अ ४६८
 कथयंता अ ३९१
 कथन स ३४९
 कथक अ ३४९
 कथता अ १२५

कथसी अ ३४९
 कथा अ ९
 कथाई अ ३११
 कथाकार अ ४६५
 कथाकारिता अ ४६८
 कथाव अ ९७३
 कथावन अ ९७३
 कथाचिन् अ ८, अ ९७३
 कथापि अ ८
 कथापि नहीं अ १ ८
 कथीम अ १७४
 कथीनी अ १७४
 कथु स २८५, अ २२८
 कथु क ४५१
 कथुव स ५५८
 कथु ल ४८
 कथ अ ८९५
 कथक अ ४१ अ ४४८, अ २ २
 कथकटा अ ५१७
 कथकीया अ ३७१
 कथकनूय ग ५७४
 कथनी ग २
 कथोप अ २३९
 कथपटी अ ३१
 कथपुठकी अ ६२४
 कथपुठ अ ३३
 कथप्रीडा अ १५६
 कथसकाई स ५७४
 कथात अ ४९७
 कथामिच्छा स २६०
 कथापन अ ३३३
 कथिच्छिन्ना अ ७४
 कथिष्ठ स २२

कनिष्ठा ख १६१ ग ६९, य ७४
 कनी ख ४८५
 कनीनिका ग २१
 कनीयम ख ४५
 कनुवाहन य ३२
 कनेठा ख ४९५
 कनेर ख ४१९ ख ४७९
 कनीडा ख ४९५
 कसब ख २२१
 कसा य ३ २ य ३ ८
 कनीजी ख २२४
 कस्यका य २६ ख ६४
 कन्या ग २६ ख ५८, य ६४
 कन्याकुमारी क ७८
 कन्हारै क ३९९
 कन्हार क २५४
 कन्हैया क ३९९
 कपट ख २५७ ख २६९, य ३६८
 कपटना ख ८५३
 कपटी ख २६८
 कपडा क ११८, य २३६, क २१९
 कपडा कटा ख ७९
 कपरै क १७७ य ६ ५
 कपरक क १७८ य ४३ य ६ ५
 कपरिका य ४९५
 कपशिनी क १९४
 कपशी क १६५, य ६ ५
 कपसूख क ५
 कपाट य १६५
 कपार य १ १
 कपाल य १३ य १६, य १ १
 कपालमूत क १६५
 कपालिका य १ १

कपालिनी क १९४
 कपाली क १६५
 कपास य १२६
 कपिजल य ६१५, ग ६२७ य ६२६
 य ६३९
 कपि क २९७ ख ४१ य ४३५, य ५२४
 कपिकच्छु य २९३
 कपिकच्छुटका य २९१
 कपिकेपरी क ३८
 कपित ख ३७
 कपित्थ य ५४
 कपिभ्रज क ४१७
 कपिक क १५४ क १६५, क २९७
 क ३४७ क ५७६, ख २८, ख ३७, य
 ४३ य ५१६, य ५३२, क ८
 कपिलवीता क ५८२
 कपिलता ख २९, ख ३६, ख ३९, ख ४४
 य २९३
 कपिलसूत क ५७
 कपिका ख २८, य ४७१ य ७६, य १८१
 कपिकाशी य ७६, य १४७, ३७३
 कपिघ ख ४३
 कपिघटा ख ४४
 कपीघ क ३८
 कपूत य २५२
 कपूर य १५७
 कपूर कपटी य १५९
 कपूर हस्त्री क २७
 कपूरी ख २८, ख ३८, ख ५५
 कपोत य ५९८, ग ६३३
 कपोतक क ३०५
 कपोती य ६२५, य ६३४ य ६६ ख
 ३३१

कवील म २८	कमल म ५२
कक म १२२ ग १२५ ख ४४२ ख ४४३	कमल म ४२६, म ९१
ककलससोट ख ३९८	कमलसक म २४५, म ४१३
ककलससोटी ख ३९९	कमक म ३ ९
ककली क १ ४	कमकरि म ३१
ककलक म ७३	कमकल म १२३
ककल म ४८, ग ५२, म २३ म २६२, ख ५३४	कमकल म ४९९, म ४२
कक छ ११	कमकल म ५ २
ककली क ३२५	कमकली म ३९
ककललीली क १९	ककल म ५९५, म ८
ककलला म ८५३	ककल क ४०९
ककल क २९७	ककली क ९१
ककल ख १६८	ककली लीला म ९११
ककल ख १६८	ककली म २७१
ककलस क २३८	ककली म ४६३
ककली म १६	ककल म ९१५
ककली म ४ म २२५	ककली म ५७१
ककली म २५८	ककलीला म ६ ७
ककल म ४३	ककल म ७८
ककल म ६३३	ककल म ४७
ककली म ६३४	ककली म २६५
ककल म ४६८	ककली म २६५
ककल म ४६८	ककल म १४८
ककली म ४६८	ककली म ४३९
ककल म ५१२, म २३	ककल म १३४
ककली म ५१२, म २३१	ककल क १२९, क १३२, म ३८८, म २६२
ककली म ८, म ९, म ११५	ककली म ३९
ककली म ११५	ककली म २७
ककली म १ ८	ककली म ३८९
ककली ९	ककली म ३९३
ककली म १४	ककली म ३९१
ककली क १ ३	ककली म १३४ क ३९९

कमलनाम क १३४	कम्पुनिग्म ख ३३९
कमलनाम प ३८९	कप छ २३९
कमलबीज व २७	क्याम व १३
कमलमूल व ३२५	क्यास ख ९३३
कमलमोनि क १६३	करंज म ३४४ म ३४५, व १५४ प १६१
कमल रोय ख ५१३	करंजक व १६१
कमला क १६३ क २ १	करंज छ ४ ६
कमलाकाठ क १३४ क ३६६, क ३९९	करंज म १११ छ ४८४
कमलास व २७	करंज प ५६९
कमलापति क १३४	कर ल ४१ ल ५८२, व ४४२, व ५९
कमलासन क १२३	व ९, व ४
कमली क १२३	करक ल ४५८, व ७२ व ३४४ व ४२
कमलोत्सव क १२३	स ३७६
कम होला व ९१५	करकट म ४४५
कमार्ड ख ३८६	करकना ख ४८२, व ४७ स ३७७
कमार्ड करना ख ३८४	करकमुत्ती ल ४५८
कमान छ ४ ३ छ ४ ५, छ ४ ९	करकर व ५८९
कमानवा छ ४ ९	करका व १ ९ छ २५८
कमाला ख ३८४	करडी छ ४३४ छ ४३५
कमानिया ख २७१	करकस छ ४३५
कमानेबाठा ल ३८८	करव ख ३९८ म ६७ ग ७५, ग ४९८
कमानुग ख ३८८	म ११९ व १६१
कमी व ९१९, स ३ १	कर बाठना ख ३५४
कमीब छ २४६	करव क ४३८, म १३४
कमीना व ४२९	करवीम व २९६, व ६६१
कमीनारत व ४३ व ४४१	करतव व ३९६, व ६५२
कमी पड़ना व ९१५	करतवी व ३९४
कमेटी व ९२५	करतल व ६१
कमेरा व ३८३	करतलभूमि ख ८४
कमोबिनी व ४ ७	करतव्य व २९६
कमीरा छ ४५५, छ ४७७	करनाल व ९६
कमोरिया छ ४७७	करतून व ६५२
कमीठी छ ४५५	कर देवा व ३५४

करबल क ३५९
 करबनी क ३३२, क ३५९
 करनफूल क ३३
 करला क ३५४
 करली क ३५२
 करमेवाडा क ३५९
 करपट्टिका क १
 करपुष्ट म ६२
 करम म ३१ ग ७८ ग ४४९, ग ४५
 करम क १९, क ४५७ क ३५२
 करमकण्डा क २७९
 करमपाटी क ३७५
 करमी क ३३९
 करमुखा क ८१४
 करमुही क ४८१
 करमेनबर करला क २५
 कर केना क ३५४
 करवा क ४४५
 करवाई क ३९४
 करवाल क ४ ६
 करवी क २१२
 करवनी क २३३
 करवीकूल ग ३२६
 करवाई क ३२
 करवाही क ४२८
 करमाठ क ४३८
 करमाठी क ४३९
 करपल क ९९
 करपर क २८१ क ४२५
 करप क २८१
 करप क १६९, क २४३ क ५२३
 करपती क ३१२, क २४३
 करि क ४३८

करिणी ग ४३६
 करिबमुही क ४८१
 करिया क ३ क ५६७ क ४८ क
 करियाई क ३२
 करियापी क १८३, क १६२, क ४७९
 करिहोव क ७८
 करी म ४३५
 करीना क १५७
 करीव क ९६५
 करीव-करीव क ९६५
 करीम क ११२, क ५२२
 करीक क ७४
 करवा क ६१
 करवाई क ६२
 करव क ११२, क ४४७ क १७९
 करवा क १९
 करवागिवात क २२
 करवागिबि क २२
 करवामय क २२
 करेनु ग ४३५
 करेमुका क ४३६
 करेरवा क २९९
 करेवा म ११ म १३३
 करैव क ५६९
 करैवा क २८१
 करैली क २८१
 करोचना क ५७८
 करोड़ क ६३४
 करोड़पति क ४ ५ क
 करोवना क ५१८
 करोना क ५७८, क ८९६
 करीरा क ४८
 करीली क ४ ६

कर्मवृत्त ४२	कर्तरी क ४ ६, क ५२५
कर्मग ५९२ क ३२६, व ५८, व ६२	कर्तरी वसामा व ८८
कर्मट ग ६४१ म ५९२, व ६२	कर्तव्य व ६५२ व ६६१
कर्मटी ग ५५८, व ८१ व १९९ व ३०२, क १ २	कर्तव्यविमूह होता व ६ ४
कर्मटी क ४४५	कर्ता क ११२
कर्मिष्ट म ६३६	कर्तार क ११२ क १२३
कर्म्य व १६ क ४ ६, व ५८	कर्त्तम व २८५, व ३ ४
कर्मसता व ५८२	कर्पट क २१८ क २२१
कर्कसा स ६५	कर्मद्विष्टा क १
कर्कोटक क ३२८, क ३२९ क ३३९, क ३४१	कर्पर व १ १
कर्पुर व १५५, व ४४८	कर्पुर व १५७
कर्षी क ४३५	कर्पुर क ३४६, स ४८ व ४४८
कर्ष स ३९८	कर्म् व ४५७
कर्ष उतारना स ४ १	कर्म-श्रियाँ ग १३६
कर्ष खाता स ४	कर्मकर क ३१७
कर्षखोर स ३९९	कर्मकष्ट सङ्गा क ३२५
कर्ष बुकाना स ४ १	कर्मकार ग ३२९ म ३८३ ग ४८३
कर्षहार ग ४२४	कर्मचारी स ३७५, ग ६५९
कर्ष क १३ क ३ क ४३८, स ५८२, ग २९, व ४९५	कर्मठ व ६५९, स २८८
कर्षकुहर ग ३	कर्मनासा व ३ ६
कर्षपोषर करना व ६ १	कर्मधूर स २८८
कर्मछिद्र म ३	कर्मिष्ठ व ६५९
कर्मचार व ३४१	कर्मी व ६५९
कर्मपाय क ३४१	कर्मोन्नय म १३५, व १३
कर्मपूज क ३३	कर्म्य व ६६१
कर्मवैद्य क ९८	करुण व ६६१
कर्मिना म ४४३ म ७२, व ३९८ क ३३	कर्त्त व ५८९
कर्तन करना व ८८	कर्त्त करना व ५९
कर्तनी क ५२५	कर्तना स ३७
कर्तरिका क ५२५	कर्तना स ३९७
	कर्तित होता क २७५
	कर्त्तक क ३१ स ३७४ व ३१४ व ३९७
	कर्त्तव्य व १६ व ३१२, व ३१५

वर्तनी क ४४८ अ ३१५
 वर्तनी ग १५१
 वर्तनी ग १८ ग ५४७ घ ७७ च ५५९ ञ
 १६० छ १२७ छ १८५, छ १८९ छ
 १८८ अ १३३
 वर्तनी घ ४५७
 वर्तनी छ २१
 वर्तनी च १२८ ग ६ ७ ग ६ ९ ग
 ११२ ग १३३ ग १५७ ग १६३
 वर्तनी ज ३ ७
 वर्तनी ज्ञ ४७७
 वर्तनी ज्ञ ५८९
 वर्तनी ज्ञा ८ ता १ *
 वर्तनी ट १३६
 वर्तनी टा ५८२
 वर्तनी टा ६३५
 वर्तनी टा ६३४ ट ६३५
 वर्तनी टा ६३५
 वर्तनी टा २१
 वर्तनी टा १ ग ७८ ग ८ ग ३५
 वर्तनी टा ६३९
 वर्तनी टा ६३८ वा ६३९
 वर्तनी टा ७
 वर्तनी टा १३६
 वर्तनी टा १३
 वर्तनी टा ३ ७ वा ३३ टा ३ २
 वर्तनी टा ३ १
 वर्तनी टा ३ ३ १
 वर्तनी टा ३
 वर्तनी टा ३३
 वर्तनी टा ३३
 वर्तनी टा ६८
 वर्तनी टा १३३ वा ८ वा १३३

वर्तनी टा २ ८
 वर्तनी टा ३३९
 वर्तनी टा ३४
 वर्तनी टा ४२ टा ४५२ टा ४५३
 वर्तनी टा ६ ७ ग ६४३
 वर्तनी टा १५८
 वर्तनी टा २६२ अ ६४३
 वर्तनी टा २८
 वर्तनी टा १५
 वर्तनी टा २८१
 वर्तनी टा ६२४ अ २८१
 वर्तनी टा ६५
 वर्तनी टा २८१
 वर्तनी टा २८१
 वर्तनी टा ६५
 वर्तनी टा ६५
 वर्तनी टा १ ग ३ ग २६१ वा ७ अ २६६
 वर्तनी टा ६
 वर्तनी टा ४ अ १४ ता १३७
 वर्तनी टा ३३
 वर्तनी टा १६५ वा ३ ७
 वर्तनी टा ३ ७
 वर्तनी टा ३ ७
 वर्तनी टा ४
 वर्तनी टा ३ ७ वा १३३ वा ३३७
 वर्तनी टा ३६
 वर्तनी टा ३७
 वर्तनी टा ३ ७ वा १३३ वा ३३७
 वर्तनी टा ३ ७ वा १३३
 वर्तनी टा ३ ७
 वर्तनी टा ३ ७
 वर्तनी टा ३ ७
 वर्तनी टा ३ ७

- ककारित म ३४
 ककावती म ५६
 ककाबिह म ४
 ककिय ग ६६५, म ६६७ म ७७ म १५२,
 म ३७८
 ककिर क २९७ म १९२ म ३७८
 ककियबा म २९२
 ककिपी म २९२
 ककि छ २१
 ककिफा म २७
 ककिफाल छ २१
 ककिठ म ४६३
 ककियक म ३ ४
 ककिधारी म १६२
 ककियुप छ १७ छ २१
 ककिहारी म १६२
 ककी म २४
 कक्युप म ४८६, म ३ ४ म ३१४ म ५४५
 कक्यता म ५४५
 ककपित म ३१५ म ५४२
 ककपी म ३१५ म ५४३
 ककडर म ६५१
 ककेऊ म ४१
 ककेऊ करला म ११२
 ककेजा ग ११ म १३३
 ककेवर म १२
 ककेवा छ ४१
 ककेजा करला म ११२
 ककीट छ २८१
 ककीर ग ४७३
 ककीजी छ ८६, छ १ ५
 कक म ३ ४
 ककि क १५४ क १५५, क ४४७
 ककिन् क ४४८
 ककिन्मुप छ २१
 कक क ५५५, छ २३७ छ २ ५, छ २२,
 छ २५, छ १३९
 ककपठर क २४१
 ककपडुम क २४१
 कक्यना म ९६९
 कक्यना करला म ९६८
 कक्यपाषप क २४१
 कक्यकता क २४१
 कक्यबुल क २४१ म १९२, म ४८२
 कक्यांथ करला क १७१ क १७२
 कक्याबर्तथ क ५८७
 कक्यिठ म ९७
 कक्यम म ३ ४
 कक्या म ४७३ छ २ ५
 कक्याम म ४४८
 कक्यामकारी म ४७८
 कक्याणी क १९४ क १९८, म ४६९,
 म १४१ म ४७८, म ५६
 कक्या म २२, म २४
 कक्योठ म २७८
 कक्यू छ १८५, छ १८६
 कक्यारला म ९४
 कक्य छ ४ ८
 कक्यित्री म १७२
 कक्यर छ ७५
 ककरी म ४२
 कक्य म ४४९, छ ७५
 कक्यकगटा म २७
 कक्यि म २९३
 कक्यामर म २१६
 कक्यावरणी छ २१७

- वधिक १२३ व ४५३ वा १०७ वा १०१
- व २०
- वदिका ग १९८, वा १९८
- वदिका वावा ग १९
- वदित्त ग १९८ ग ० ३
- वदित्वात्र व १० वा ५३८
- वदीड व १०
- वदय व २६३
- वदीड व १०३
- वदमल व ३ ४
- वदमीर व १२५
- वदमीरत्र व १
- वदमीरी व १
- वदल्य व ४५ वा ७३
- वदल्योद्य व १२५
- वद ग ३५ ट ५०
- वदा ट ३ ३
- वदार व ७३ ट ४३ ट ५४
- वदापी व ५५ वा ०६
- वदल्य व ९३४
- वदट व १०५, वा ४८४ व
- वदल्यत्र लल्ला व ४३
- वदल्यत्र हीला व ४३
- वदट देग व ५५
- वदपी व ५३
- वदल्यत्र लल्ला व ५५
- वदल्य व १ ट ५३ व १
- वदल्य ल ८३
- वदल्यल्ल व ४८३ व ४३ ल १४३
- वदल्य हीला व ४ ३
- वदल्युट व १११
- वदली व ३
- वदल्य व ३ ४

- वदमवा व १३५
- वदमवित्त वा १२४ ग ३९०
- वदमवी वा १५४
- वदमल ग ४२३
- वदममवावा व २३२
- वदमर व ३९०
- वदमल ट १०३ वा
- वदमगीटा ग ४
- वदमगी ग ४०५
- वदमगी व ३६३ वा २४
- वदमलवावा व २२५
- वदमगीवावा व २२५
- वदमल ट ५४
- वदमुर व २५५, व ३१६ वा २२०
- वदमुरमट व ३१८
- वदमुरवा व ३१३
- वदमेव व ३१६
- वदमील ट ५४
- वदमीलत्र ट ५५
- वदमीरी ट १ २
- वदमील व ४६३ ट ४७७ ट ४७८
- वदमीरी वा ६५ ट ५०
- वदमीरी वा लल्ला व २५४
- वदमुर व ४०६
- वदमगी व १३
- वदमल्य ट १३५
- वदमलील्ल ट ५३२
- वदमली व १३३
- वदमला व ६३
- वदमल्ल व ६३
- वदमल्ल लल्ला व ६३
- वदमल्ल लल्ला व ६३
- वदल ट ५

- कहूयरी क ४५६
 कहूयू क २३४
 कहूयू क ५
 कहूयू क २३४ व ६१४
 कहूयूय क ६१४
 कहूयूय क २०८, व ६१६, म २४
 म २४१
 कहूयूयय क २३४ म ६१४
 कहूयूय क १९४
 कहूयू क ९९२
 कहूयू क ६१४ म २४
 कहूयूनी क १३९ ल २४ ल २८
 कहूयूनीकार क १२७
 कहूयूय म ३९, व ३८३ म ४७
 कहूयूयि ग ३९ ग ३१ ग ३८४
 कहूयूयय क २३४ व ६१४
 कहूयूयूय क ६१५
 कहूयूयूय क ११
 कहूयूयू क ९९५
 कहूयूयू और क ९९३
 कहूयूयू कहूयू क ५८
 कहूयूयू क ६१
 कहूयू क ९९५
 कहूयू क ६१७
 कहूयूय क १३८ म ३०१
 कहूयूय क १४
 कहूयूय ग ५७
 कहूयूयय क ३३६ ल ३४९
 कहूयूयय क ४७२ म ६१
 कहूयूयय क ३९ व ४६ व ४४८
 कहूयूयय म ४०३ क ६३
 कहूयूयय मयक क ३४
 कहूयूयूयू क ११२
 कौनी क १९७ व ११२
 कौनीवर क १६१
 कौनीवरम क ११२
 कौनीहाउस क १६१
 कौटा क २५, क ५३७ क ५४७ क ५५१
 क ५७२
 कौटी क २३४
 कौट क २९९, व १६, व २६२, व ८७
 कौटिका व २४७ व ८२ म ३२१ मयक
 १३४ क १६५, क ३७ क ३९७, व
 २२४ म ६२२, व २६७ व ४५१ क १
 कौटिय ५७४ व ११
 कौटा म ४ म २२५, क ७८
 कौटार क ११ व २४३
 कौटिक क ३२ क ३९, ल १६१
 ल १९२, व ४४८ क २८७ व ४५७,
 म १७१
 कौटिमान क २८८
 कौटिमान होना क २८९
 कौटिहीन म १२८
 कौटिहीन होना म १३२
 कौटियक होना क २८९
 कौटा क ३१४
 कौटव क २८५
 कौटो क २८५
 कौबर क ३९९
 कौबी म ३६
 कौना क १७
 कौप म ४४६, क ३४२
 कौपिका क २३४ व २४५, व ३८
 व ७१६ म १४५
 कौबि-कौबि व ५८९
 कौबि-कौबि क ५८९

कौशा न ४५६	काठ न १८
कौशिक न ४५६	काठ मार जाना न १ ४ न ४४१
काक ग ६२२ ग ६५४	काठ होना न १४५
काकछवि ग ६६३	काठी क ३९३
काक्यूडी न १७१	काङना न ७४७ न ८५३ न ७४
काकपण्ड ग ३७	काङा न ५५ न ७४८
काकसी ख ६८	काण ग ६५४ न ४९५
काका ग १८७ ग ३५१	काठर न २३७ न २३९, न २७४
काकावला ग ६१८	कावटा न १६, न २२४ न २३९ न २४१
काकी ग १८८	कातिक छ ५३
काकुत्स्थ क ३६६	कातिक ग ४ ५
काकुल ग ३७	कातिक ग ३७३
काना न ६५४	कात्यायन क ५७८
कापड न ३ ५	कात्यायनी क १८५, क १९४ क १९९, क २ २
कागमुष्टि क ३८७ न ४९५	कावम्ब न ६४३
कावर न २८१	कार्बरी ख २ ८ ग ६१३ ग ६२४ क २ ५, क १४३
काना ग ६५४	कार्बिनी छ २४१
काच न ६ १ क १५, क ५४	कावर न २७४
काचनन क ३४	कावटा न ३९१ न २७६
काछा क १ ४ क २५८	कान न २९, ग १३९, ग ४४४ क ३४१
काछिन ग ३ ८	कानसमूरा ग ५७४
काठी ग ३ ७	कान खडा होना न २ ६
काज न ६५२	कान देना न ६ १
काजर क ३ १	कानन न ११ क ३५२
काजक क ३ १	कान्यूरी बाटा क ६६
कानू ग ३६२	काना न ६ न ४९५
काट न ३ ७	कानाकूडी न ६२४
काट जाना न १३६	कानी ग ७४
काट छोट न ८८३	कानून न १७८
काट-छोट करना न ८८	कानूनवाँ न १७९
काटना ग १५८ ग ५५५, छ ३ न ८५३ न ८८ न ३८१	कानूनी न १७९, न १८ न १८५

- काह्य क ३९९, म ३६
 काह्यक क ११ क १६५
 काही म ३ २
 काहुका ज २२
 काह्रिया म १९९
 काह्रिया मिमाना म १६९
 काही छ १९४
 काही हाना ज ९१६
 काहुर होना ज १०६
 काहूरी म २८
 कावतिपन ज ४
 कावा क ५२१
 कावित ज ३९८
 कावितेहनवार ज २५५
 कावितेपाठीक ज ३५८
 कावू म १४९
 काव क २०५, क २७१ ज ६५२
 कावकराई म ३९४
 कावकायी ज ३३२, ज ४२१ ज ६५९
 कावकायू ज ३३२
 कावचौर ज ४४५, ज ६६
 कावचित क १६५
 कावतक क २४१
 कावक क ११२ क २७१
 कावदार म ३७५
 कावदेव क २७१
 कावदेव के नाम क २८३
 कावधंधा म २८५
 कावधाम म २८५
 कावधेनु क २३५, म ४८२
 कावना म १३८ म ३७१
 कावनाच्छित ज १४१
 कावण्डि क १६५
 कावण्य ज १२४
 कावणी म ११३ म ५८
 कावण्णन म ६५२
 कावणा म १२३
 कावार्धी क १९४ क २२, म १२३
 कावार्था ज १२३ ज १२४
 कावार्णि छ २०४
 कावार्णुर क ३ २
 कावार्णिक क १६५
 कावार्णी म ४ म ११३ म ५८
 कावार्णिक ज ८७९
 कावी क १३४ क २७१ क २८५
 क ३ ७ म ६२२ म ६३३, म ६३५
 म ६४ ज १४ ज ३ २, ज ४२१ म
 कावुक क ३७१ म ६२२, म ६३८, म
 ४११ म ४३१ ज १४ म ३ २
 काव म १२
 कावम म ३ ३
 कावमिन म ३ ४
 काववा ज २९७ म १५७ म १६१,
 म १७८
 कावकक म १६४
 कावममुहाम म २५६
 कावक छ २१८ ज २३९, म २७४
 कावत्त म ३ ३
 कावत्ता ज २४१ म २७६
 कावा म १२, म १ २
 काविक म १८७ म १२ म
 कावक छ ३८४
 कावकुनिवा म ३७५
 कावज म ६५२
 कावक छ ३१६

कारण क १३४ क १६५ क ३२६ क
 १५३ क ३०१
 कारणमाता क १९
 कारणस्वाहा म ३७५
 कारणार क २८५
 कारणारो क २८६
 कारण क १८३ क २२२
 कारणार क १८२
 कारणभू क १८२
 कारणबाध क १८२, क १८३ क २२२
 कारिका ग ३७५
 कारी ग ३९८ क
 कारीवर ग ४ ६, क ३२२
 कारीगरी क ३२३
 कारका ग ११७
 कार्ड क ३१६
 कार्तिक क ३७ क ५३ क ७६ क ७९
 कार्तिक्येय क १८८
 कार्य क १४३ क ६५२, क ३ ३
 कार्यव्यस्त क ३३२, क ४२१ क
 कार्याधिकारी क ३६७
 कार्याव्यय क ३६७
 कार्यावस्था क १४२
 कारक २ ५, क ३१८, क ३ क ५८७
 १ य १५४ क ४७७ क १९, क २१ क १
 क ५, क १६
 कारकभूट क १८३ य ४७८
 कारकक्षेप करणा क ३
 कारक्य ग ६४५
 कारकर्म क १५४
 कारकनाथ क १६५
 कारकनिष्ठा क १४६, क २ ५
 कारकपुत्र्य क १

कासमेरु क १७
 कासम्पात करना क ३
 कासरा क ५ ८
 काकराणि क १९९ क २ २ क २६ क
 १४६, क २ ५
 काका क ३ क ३१ क १२४ क १५
 क २ २, क ८६, क ४८
 काका वीर क ८३
 काकातीर क १८१
 काका नमक क ३३
 काकापन क ३२
 काकमुत्रंगा क ३१
 काका हिरण य ५ ८
 काकिर क ३०८
 काकिरी क ४१ क २९२
 काकि क १८५, क १८६
 काकि क १५
 काकिका क १९४ क १९८, क ५७५,
 क ५७६, क २१ क ८६
 काकिमा क ३२
 काकिम क ३३९, क ३४२
 काकी क १८५, क १९४ क २ १ क ३१२
 क ३४२, क ३ ६ क १२४
 काकी घटा क २४४
 काकीन क २८६
 काकी नाथ क ३४२
 काकी निषे क ७६
 काकिन क २७४
 काकिमिक क ९७
 काकि क १८५, क १८६
 काकिरी क ९
 काव्य क ४५३ क २, क १३२, क १३४
 क १६८, क २

काव्य करणा क ११९	किपुस्य क २४९, ग २४९
काव्यकार क १२७ क १७१	किबशती क ३८५
काव्यतत्त्व क १७८ क	किभूक क ७२
काव्यपद्य क १७८	किक्रियाता म १२ क ५९६
काव्यप्रेमी क १७३	किचक्रिय क ६११
काव्य मर्मज्ञ क १७३	किटकिट क ६११
काव्य मूक क १७४	किटकिटाना क ९७ क २५९
काव्यरतिक क १७३	किठनी बार क १ १
काव्य-साधना क १३१	किठव ग ४१५, क २ २, क २६८
काद्य क ४८९	किठाव क २९६
काशी क ५७ क ५८ क ११ क ११३	किठि क ३ ३
काशीनाथ क १६५	किठी बार क १ १
काशीपद क २८५	किठका क ८९५
काष्ठ क ३ ९	किठकी क ८९५
काष्ठकार ग ३७६	किठारा क २८१ क २६८
काष्ठकारी क ३ ९	किठर क २ ३ क २४३, क २५७ क २२
कास्मीर क १९ क १२५	किठायत क ३९३
काष्ठ क १८	किबका ग १७४
कास्मीरी क ३५८	किमा क ६६३
काष्ठक्रीड म ५५१	किमार क १ २
काष्ठमेवक ग ५५१	किमारा क ३१
कासनी क ४५, क ४६	किमारी क ३१
काहित क ४४५	किरव क २९९, क ६१८, क ९
कहिबी क ४४६	किरपित क ३९
काही क ४१ क ५५, क १६७	किरपित क ४९९
किरग ३८३	किरत म २९९, ग ३६४ क ११९
किरग्या क २४९	किराठिनी क १९३
किठरी ग ३८४	किठया क ४१२, क ४१३ क ४१४
किर्कृत्यविभूक होना क ६ ४	किठिया क ४२३
किकिनी क ३३२, क ३५९, क ३६	किठटक २२५, क २ ३ क ८७, क ११७ क ३३८
किपित क ९१	किठटी क ४१७
किजस्क क ३९	
किनु क ११२	

करीना ग ५४८	करीना म २९१
करीना ग ५५	करीना ख ४ ८
करीना ग ३ ४	करीना ख ४ ९
करीना ग ६६७	करीना ख ४ ८
करीना ग १७१ ग १७२	करीना ग ६१७
करीना ग ५२१ ग ५५	करीना ग ३४२
करीना ग ३ ४	करीना ग ४ ४
करीना ग १६५	करीना ग ४ ४
करीना ग ३५८	करीना ग ४ ४
करीना ग ५४	करीना ग ४ ४
करीना ग २२, ग २३ ग २६	करीना ग ३४२
करीना ग २४७ ग ४२२	करीना ग ३५३
करीना ग ९९२	करीना ग ४ ४
करीना ग ४५७	करीना ग ४ ४
करीना ग ११	करीना ग ४ ४
करीना ग ३५८	करीना ग ४ ४
करीना ग २३ ग २६ ग २९ ग ३९३	करीना ग ४ ४
करीना ग ३७६	करीना ग ४ ४
करीना ग ३ ९	करीना ग ४ ४
करीना ग ९, ग ८	करीना ग ४ ४
करीना ग १९५	करीना ग ४ ४
करीना ग ४५७	करीना ग ४ ४
करीना ग ४६	करीना ग ४ ४
करीना ग १२६	करीना ग ४ ४
करीना ग २८५	करीना ग ४ ४
करीना ग ८	करीना ग ४ ४
करीना ग १२६ ग २८५	करीना ग ४ ४
करीना ग २८५	करीना ग ४ ४
करीना ग ५३६ ग ५४८, ग ५८४ ग ६६८	करीना ग ४ ४
करीना ग ६६८	करीना ग ४ ४
करीना ग ५३६, ग ५४८, ग ५५४ ग ५५८	करीना ग ४ ४
करीना ग ५३६	करीना ग ४ ४
करीना ग ५४२	करीना ग ४ ४

- कुंडली क ११४ क २८९ ग ५५८,
 घ ६ ९, घ १०८ न २९२
 कुंडा क ५४४ व ४९८
 कुंडी क १ ३ क ४१४
 कुण्ड क ३११ क ४१४
 कुण्डक प ३७ न ३९
 कुण्डी क २२२, क ३१४ क ४११ प २७
 प १०७
 कुण्ड क ११४ प ४१४ प ४१९
 कुण्डहल व ३६४
 कुण्डोहली व ३६६
 कुण्डल प ४४८
 कुण्डल न २९५
 कुण्डा ग ५९९
 कुण्ड व ५८, व ६९, क २१४
 कुण्डकार ग ३२१ प ६४४
 कुण्डक क ४४ क ४६४ क ४६७
 कुण्डाल क ४४ क ४६४ क ४६७
 कुण्डी व १ ९, व १६४ व १७७ क ५७२,
 क २१५
 कुण्डीपाक क ३२३
 कुण्डीर ग ५७९, प ५८
 कुण्डर ग २४७
 कुण्डरि क ३५५
 कुण्डाठी क ५२
 कुण्ड ९
 कुण्डोर्मा व ३ ७
 कुण्डो व ३ ७
 कुण्डर्म व २९९, व ३१
 कुण्डर्मी व ३१ व ३ ८, व ३१२
 कुण्डुकी न २४६
 कुण्डुर प ५१९, व २ १
 कुण्डुरमुता व ३ १
 कुण्डुट प ६४४ ग ६४५
 कुण्डुर प ५१९
 कुण्ड ग ५२
 कुण्डि न ५२, ग ११३
 कुण्ड्याल व ३५
 कुण्ड्याति व १५९, व ३५२
 कुण्ड प ५
 कुण्डलना व ८२० घ २४७, घ ३११
 कुण्डिला प ४७९
 कुण्ड व ९१
 कुण्डकी व १६६
 कुण्डक क ४४ व १५२, व १९७
 कुण्डनी न २७५, क ८४
 कुण्डिया व १४२
 कुण्डिख व २३ व ११ व १
 व २६८, व ४८८
 कुण्डिलता व ६२, व २६९
 कुण्डिलफल व २६९
 कुण्डिल होना व ६३
 कुण्डिचार्ड व २६९
 कुण्डिचार्ड काला व २७
 कुण्डी व १४२
 कुण्डीर व १४२
 कुण्डुम्ब ग ३ ल १
 कुण्डुम्बी क १ ८
 कुण्डेव व ४ ३
 कुण्ड्टमति व १६४
 कुण्डिका क ५५८
 कुण्डारपाणि क ४४४
 कुण्डमाई प १५१
 कुण्डीक व ४६५
 कुण्डमल क ३२९, व २७
 कुण्डन व २५८, व २६२

कुवना अ १७ अ २५९
 कुवना अ २६०
 कुवप ग १५९, अ ४५७
 कुवरा अ ८८
 कुवराणा अ ९६७
 कुविषा य ५१७
 कुवुखाना अ २११
 कुवुहक अ १६४
 कुवा ग ५१६
 कुवी य ५१७
 कुव अ ९९२
 कुविष अ १६१ अ ३ २
 कुविषरूप अ ४६५
 कुवका अ ६८३
 कुवाल अ ४४६, क ५३
 कुवाली क ५३
 कुवविल ग ३२६
 कुववी ग ३२५
 कुवव अ ११ अ २४३
 कुववामी अ ३ २
 कुविष अ ४ अ ९५
 कुवुष ग २५२
 कुप्पा क ४७८
 कुप्पी क ४७८
 कुववष अ १५८
 कुववा अ ५३
 कुवडा अ ९ अ ५३
 कुवडी अ ५३ अ ६३
 कुवघ अ ५३
 कुवरी अ ६३
 कुवेर क २५५
 कुवेरुटी क २७
 कुव्व क १६ अ ६ अ ५३

कुव्या अ ५३ अ ६३ अ १४९
 कुभाग्यधामी अ ४६१
 कुवी य ४३५, अ ५८०
 कुमकुम क ३२१
 कुमरी ग ६६ य ६६७
 कुमाठा य १८३
 कुमार क १८८ क ३११ यि २४७
 ग २५ य २८५, अ ६१७ अ २६
 अ ३
 कुमारपल अ २७
 कुमारिका य २६ क ७८
 कुमाटी क १६३ क १८५, क १९४ क
 १९८, ग २६ य ३९८, ५, ६, ७ अ ४३
 कुमार्ग अ २४३
 कुमार्गी अ ३ २
 कुमुदक १३४ य ३९५, अ ४ ७ अ ४ ८
 य ४४९, अ ८८
 कुमुवर्षमु क ३०७
 कुमुविनी अ ४ ७ य ४ ८
 कुमुविनीपति क ३ ७
 कुमोविनी अ ४ ७ अ ४ ८
 कुम्पैत य ४६७
 कुम्हाका य २८५, अ २८६
 कुम्हार य ३२३
 कुम्हारिल य ३२४
 कुरंग य ४६३ य ५ ५, य ४५८
 कुरणा क २४३
 कुरती क १५१ क २७
 कुरविन य ३२६
 कुरमी ग ३२५
 कुरती अ ६३१
 कुरवक य ४११, अ ४१२
 कुरमी क ५ ९

कुराह व २४३
 कुराव क ६ १ क ६ ४
 कुरव व १६७
 कुरई क ४७
 कुरम्प व ४१५
 कुरम्पवा व ४६८
 कुरेवता व ५७८, व ८५३ व ८९६
 कुरैया व १६७
 कुरी क २४३, क २४५
 कुरी क ५ ९
 कुरुवम व १६८
 कुरु व ५५८, व १२, व ३ व ९२४
 व ८९ व १
 कुरुकर्मक म ६४
 कुरुकर्मिणी व १४
 कुरुनविता व १५९
 कुरुटा व १६७ म १६
 कुरुपी व २४२
 कुरुपति क ७९
 कुरुप्य व ३३७
 कुरुमुताहट व १५
 कुरुवोरण म ६४
 कुरुवठ म २
 कुरुवठी व २७३
 कुरुवधु व २७२, व २७३
 कुरुवठी व २७३
 कुरुवान म २
 कुरुववण क २७९
 कुरुही क २३९
 कुरुमा व ६८१
 कुरुमा व ३२३ व ३४४ व ३५२
 कुरुमि क २३६, व ४८५
 कुरुमी व ३८६, व १९९

कुलीन म २
 कुलफ क ५४१
 कुस्माव क १४९, क १९७
 कुस्मा व ४६३
 कुस्मा करणा व ११६, म १२
 कुस्मी व ४६३
 कुम्हक व १ ५, क ४५९
 कुम्हा व १ ५
 कुम्हाड़ी क ५१२
 कुम्हिया क ५१८
 कुम्हा व ५२
 कुम्हय व ४ ७ व ४ ८
 कुम्हार क ५१
 कुम्हैर व ७८
 कुम्ह व ९३ व २६२, व ११६
 कुम्ह व ३६३ व ३६७ व ४७९
 कुम्हलेम व ४७९
 कुम्हला व ३६५, व ३६८, व ४७९
 कुम्हमंथल व ४७९
 कुम्हा व ११६
 कुम्हातन क ५ ८
 कुम्हिलपर क ४९७
 कुम्ही व ३२९
 कुम्ह व ४६४
 कुम्पाड व २८५, व २८६
 कुम्भी व ५१
 कुम्भय क ६
 कुम्भी म ३३३
 कुम्भ व १२८, व ३८१ म ३३३
 कुम्भकर क ८४
 कुम्भपुर व ११८
 कुम्भपर क २७१
 कुम्भानु व २७१

कुमुदिता व ३८२
 कुर्दका व २८५
 कुहक क ३३९
 कुहक व ६४८
 कुहुकला व ६४७
 कुहर व १९४ व २५
 कुहप व २५९
 कुहसा छ २५९
 कुहू छ १११ व ६४६, व ६४८
 कुई व ४ ७
 कुषिता व ८२ छ ३२१
 कुषी व १९
 कुञ व ६२६, व ६४८
 कुञगा व ६१४ व ६४७
 कुञी व ३ ७
 कुक व ६४६, व ६४८
 कुकना व ६१४ व ६४६, व ६४७
 कुका क ४७३ व १३७ व २४६,
 व ५५३
 कुज व ५८८
 कुजना व ६४७
 कुजा व ३९८
 कुट व २६९, व २४८, व २४९
 कुटगा व ५५२, व १५६, छ ३२१
 कुटन क ११२, व ६, व ११९
 कुट्ट व २६९
 कुठगा व ९६४
 कुठगा व ५२ व ६८३, व ६८४
 कुठघोर व ६८१
 कुप व ३ ७
 कुप व ६९
 कुपडबाला व ३२५
 कुपट व ५३

कूर व ६८, व २३६, व २४३ व ६६
 कूरठा व ७१ व २४१
 कुरी व ८९ छ ३
 कुरी मगाला व ८८७
 कुषिका व १९
 कुर्म क १५४ क १५५, क ४४६, क ५७४
 व ५९५, व ९
 कूक व २८१ व ३१३
 कुहा व १ ५
 कुकबास व ५३
 कुकळ व ३ ४
 कुकळ क ३२६
 कुका छ १८, व ६६३
 कुकान्न व ३१, व २६४
 कुकान्ना व २६६
 कुकानी व २६४
 कुकन व ३२, व २६५
 कुकनता व २६७
 कुकनुप छ १८
 कुकतकर ७ क ३१७ व १५४ व ३ ४
 कुकित क १३४ व ५११ व ६५२
 कुकी व ३६३
 कुकिका व २७
 कुक्य क ९७ व ६५२
 कुकित क ३४ व ३८६
 कुकितता व ३८८
 कुकप व ३९
 कुकपता व ३९१
 कुकपता कला व ३९२
 कुकपा व २७
 कुका व १९
 कुका कला व २५
 कुकाम क ४०६

हृष्याणी क ५२५
 हृष्यापान ज २६
 हृष्यापूर्वक ज २७
 हृष्यामरण ज २२
 हृष्यारु ज २२
 हृष्यामृता ज १९
 हृष्यिण ज ३९
 हृष्यिता करता ज ३९२
 हृष्यिणार्थि ज ३९१
 हृष्यिणार्थि करता ज ३९२
 हृष्यिण म ५३६
 हृष्यिणन म ७२
 हृष्यिणी क ९ क १९९
 हृष्यिमोक्षण क ३२३
 हृष्य ज ४२६, ज ४९९, ज ५ ३
 हृष्याकाम ज ४९९
 हृष्यता ज ५३७
 हृष्यापि ज ४९९
 हृष्यागु क २४४ क ३११
 हृष्यागुरेता क १६५
 हृष्यित ज ४९९
 हृष्योत्पत्ती ज ६१
 हृष्य ज ४२६, ज ४९९, ज ५ ३
 हृष्यक म ३७६
 हृष्यता ज ९१२
 हृष्यवार्थि ज ९१२
 हृष्यत्व ज ९१२
 हृष्यिण म १३४ ज ३ ९
 हृष्यिका क ५२७
 हृष्यिणीवी ज ३७६
 हृष्यक १३४ क १५४ क १५५, क ३९९
 क ४१७ क ४६१ क ५५८, ज ३
 ज ४६ ज ६११ ज ६५४ ज १२४

प १४ ज १८८ ज २४३ ज २६४
 क ८६ क ३ ५, क ५२० ज २९२
 क ८८
 हृष्यगीता क ५८१
 हृष्यगुहरी म ११२
 हृष्यार्थ्यामन क ४६१
 हृष्यपस उ ८७ उ ८८
 हृष्य गगरी ज ११५
 हृष्य मनुबोध क ५४८ ज
 हृष्यमृण उ १९
 हृष्यनवय क ३३
 हृष्यलोकिति ज ३३१
 हृष्यवर्ष म ८५, ज ४८ ज
 हृष्यसत्ता क ४१७
 हृष्यष्टमी उ २१२
 हृष्या क ४१८, ज ११२, ज १६६, ज ११६
 ज ३४३ ज २९८
 हृष्या नदी ज २९८
 हृष्याष्टमी उ २१२
 केरुका म ५९२
 केरुका ज ५९७
 केरुक ज ५९६
 केरुकी ज ५९६
 केरु ज १२९
 केरुई क ३७८
 केरुका ज ५९२
 केरुकासिपी ज १९९
 केरु म ६ ९
 केरुसिखा ज ६११
 केरुकी ज १७ ज ३९९
 केरुग क ४ २, ज १, ज १४
 केरु क ४ २, ज ५, ज ७२, ज २२
 केरुकी ज ३४९

केदार व २३ व १२, स ३१	कै करला स ५ व ८९९
केदारनाथ क ५८	कैकेयी क ३७८
केन क ५५८	कैटम क १९४
केमूर क ३३३ क ३५	कैटमविण क १३४
केपया स ४१२, स ४१३ स ४१४	कैटव व ८८९
केराव व २५८	कैव व ५४
केवा व ३४९, क २२९	कैव व ५४
केलि क २८७ स १६४	कैव स २२२
केलिकरला क २८६	कैवखाना व १८२, स २२२
केवट म २९९, म ३४१ व ३७	कैवी म ३७२, स २२१
केवड़ा व १७ व ३९९, व ४	कैव व ३९७ म ४७
केवल व २१५	कैवी क ८७
केवाच व २९३	कैव व ४९३
केवाड़ व १६५	कैवास क ५८, क १८२, क २६९, व २६७
केवाड़ी व १६५	कैवाघनाथ क १६५
केस क १३४ क २८९, क २९७ म ३७	कैवास क १८२, क २३८
केसकर्यै म १४९, स ७४	कैवर्त म ३४१
केसकीट म ५५४	कैवत्व क ५५८
केसपास म ३८	कैवखान म ४१२
केसर व १२२, म ३९ क १	कैखाना व ७३८, व ७३९
केसरी म ४५३, म ४९४	कैका क ५४४
केसर क ११२, क १३४ क ३९९	कैपल व २२, व २६
केसविण्यात स ७४	कैहड़ा म २८५, म २८६
केस-विण्यास करला स ७६	कैहार म ३२३
केसिणी क ३९२	कैहालिन व ३२४
केसर म ४६४ क १ म ४२ क ९	कैरलि म ३८
केसरिया स ३७	कैरटी म ३७
केसरी म ४९४ व १२२	कैरकर म ६१३
केहरी व ४९४ व ४५३	कैरका क ४२५
केहुनी म ५८	कैरी म ४७ व ४८
कैवी क ५२५	कैरक १३४ म ५१४ म ५९३ म ६२२, क ४२५
कैवी करला व ८८	कैरकर म ३८८, म ३९५
कै व ४९९	

- कोक्यात्म ल ६५२ ।
 कोका ग २१६, व ४ ७ व ४ ८
 कोकिक न ६१३ व ४२, छ ६८
 कोक म ५२, ग ११३
 कोचना ल ७३९
 कोचमान ग ४१२
 कोट क २४० क २४८, व १३९,
 व १७२, व १८९, व १२४
 कोटर व १५, व १४३
 कोटि ल ६३४ व ९२४
 कोटिक ल ६३४
 कोट्याबीस ल ४ ५ ल
 कोठ ल ४६४
 कोठरी व १४८
 कोठ्य व ११४ व १४६, व २१६
 कोठी व १४१
 कोकर व १५
 कोका व ५५२, क ३९६
 कोकी ल ६२६, व ९३२
 कोक ल ४६४
 कोन ग २
 कोनवाली व १८४
 कोसाह व ४२६
 कोसाही व ९१२, व ४२८
 कोसक क ४ ९, व ६७
 कोरो व २३९
 कोन व ८९
 कोन करना ल ३११
 कोना व ८९
 कोप व ९३ व १७२
 कोपमुह व १७९
 कोपना व ४६, व ९६
 कोपल व २४
 कोपिल व ९५
 कोमल व ३८९, व ६९, व ४६३
 कोमल करना व ७२
 कोमलता व ७
 कोमकामी ल ५७
 कोमल व ६१३
 कोमला क ४२५
 कोमा व २ व १ २
 कोर क २११
 कोरक व ६२७ व ६२१ व २७ व ३८९
 क १९
 कोर क २११ व ८९
 कोरपग छ १७७
 कोरि व ९२४
 कोरी व ३५९
 कोरि व २२४
 कोक व २९९, ग ३६४ व ५२३ व ४२,
 क ७९, क ३८१ क ४२७, व २१
 कोकाहल व ५८९
 कोकाहल करना व ५९
 कोसी व २४५
 कोविद क १७ व ३६३
 कोय व २१ व ९२४
 कोयकार न ५४३ व २४६
 कोयलपुटी व १११
 कोयावार व १८१
 कोय क २६७ ग ६ ३ व २१५
 कोठ व ११४
 कोप्ययता ल ४६८
 कोषना व १७४
 कोह व २४८ छ ८६
 कोहका व २८६
 कोहकापान क १८५

कोहनी म ५८	अनुमुक्त क २ ७
कोहनीगत ग ३२४	अम स ४३५
कोहना व १६	अमबद्ध स १८१
कोव छ २५५	अमरा ज १ १५, स ४३६
कोवा छ २५४ छ २५५	अमापत व १५४
कोमा म १५४	अमानुसार स ४३६
कोटिस्य व ३०५	अमिक व १५४ स ४३६
कोडी व ६ ५, व ४९५, छ ३२८	अम-विक्रम स २९३
कोकनी क ३४९	अम्य स २९४
कोक छ ९४	अम्य ग ९१
कोकीन क १ ४ छ २५८	अम्याह क ३४९, व ४९४ ग ६२५
कोकस्य व ७	अंतदधी क ११२
कोमुदी व १६ छ १४५, छ २ ५	अति स १७५
कोमोदकी क १३९	अतिकारी व ३४९, स १७९, स १७७
कोर छ ७५	अइस्ट क ५ २
कोल छ ७५, स २, स ४२७	अडिट छ ३६९
कोल करना स ४२८	अमि म ५३६
कोवा ग १५४	अइस्टमत् छ २२८
कोवाठोटी म १७१	अइस्तान क ५
कोवा होना क २१७	अइना छ ३६६
कोचक व ३६८	अइना क २८७ छ ३६४
कोचस्यपति क ३६८	अइना करना छ ३६६
कोचस्या क ३६९	अइनाम व १७८
कोचाबी क ४८७	अइनास्यम व २ १
कोचिक क २२५, क ४६६, म ६५२, व १७७	अइत स २९५
कोचिस्या क ३६९	अइतक स २९५
कोचीतकी क ५५८	अइ व ९५
कोस्तुम क १४७	अइ म ६२५, व २४ व ६८, स १६७
कोस्तुममणि म ४८२	अइता व २१ व ७१
क्यापी स ३१	अइत ६३४ म ४९५, म ७६ म ५२६, म ५८१ व ४८३ व २१
अनु क ८१ क १३४ क २ ५, म ६, छ ४५	अइत छ १८६, व ९३
अनुगु व ४५२	

श्रीम करला अ १६	अम अ ७
श्रीमित अ १५	अमनीय अ १
श्रीमित होमा अ १६, अ १७	अमता अ ४
श्रीधी अ १४	अमना अ ९
श्रीध न १२१ प १११, अ ११	अमा क १८, क ११४ क २१९, अ १
श्रीधर्क अ ४ ५	अ १
श्रीधरि अ ७५३	अमाई अ ४
श्रीधरि होमा अ ७८१	अमा करला अ ९
श्रीधरि अ ७५२	अमा-रहित अ ८
श्रीधरि अ ११७ अ १ अ १५८	अमाबाग अ ७
श्रीधरि अ १२	अमाधीक अ ७
श्रीधीन अ २२	अमामुष्य अ ८
श्रीधीनत्व अ २२२	अम्य अ १०
श्रीधेस अ ५ अ ३८७	अम्य अ ४१५, अ ५२ प १५४ अ १४८
श्रीधेसित अ ५२	अ २६३ अ २२, अ ८२३
श्रीधोम प १ ९	अम्य करला अ ८१९
श्रीधरि करला अ १३	अम्य होमा अ ८२२
श्रीधरि होमा अ १२	अर प ७ प १२, अ २१९, अ ८१९
श्रीधरि अ ५५	अरमा अ ८११
श्रीधरि अ ३७ अ ५१ अ ७३ अ ७९	अरि अ ६
श्रीधरि अ २६	अरि अ २४२, प २९२
श्रीधरिपन अ २७	अरि क १३४ अ ४९९
श्रीधरि अ १ अ १२३ अ १२४	अरि अ ३ अ ४२६ अ २८
श्रीधरि अ ९ अ १४३	अरि अ २२, अ ९
श्रीधरिपुर अ १५ अ ८३२	अरि अ प ५९७
श्रीधरि क २१८, अ ८३२	अरि क २९७
श्रीधरि होमा क २१९	अरि अ १२४ अ १५९, अ ४४९
श्रीधरि अ ५२६	अरि अ १५८, अ ४४४
श्रीधरि न २१२, अ २६२	अरि अ ३११ अ ११४ अ ४४८
श्रीधरि प २९३	अरि अ १६२
श्रीधरि प २९२, प ३ १	अरि अ ५४६ अ ४९९, क ४२
श्रीधरि अ १४३	अरि अ ४९९
श्रीधरि क ३ ७	अरि अ ५३३ अ ५३७ अ ५ १ अ ३९

बीर क १२३ क १५५, क ४७ क २६२
 बीरनि क २६४
 बीरनिधि क २६४
 बुध्न क ८७८
 बुध्न क ३९ क २६८, क ४२९
 बुध्नता क ४२८, क ४३ क ४४१
 बुधा क ११३
 बुधातुर क ११४
 बुधामु क ११४
 बुधार्थ क ११४
 बुधित क ११४
 बुधित होना क ११३
 बुध्न क १३
 बुध्निय क ३२७ क ५२३
 बुध्न क ५२३
 बुध्न क ४ न १२, न २२५, क १
 क १२, क २६, क २२२
 बुध्नयनिध क ५५५
 बुध्न क ४७९, क १९८
 बुध्न क ९
 बुध्निय क ३४९
 बुध्न क ९
 बुध्न क १६, क ९३ क ११४ क २४९
 बुध्निय क ९५, क २२३ क २३७
 बुध्न क २१८
 बुध्निय क २२९
 बुध्न क १४९
 बुध्निय क १४९
 बुध्न क ९
 बुध्न क १८३ क ५६३ क ४७८
 बुध्न

बुध्न क ४५१ क ४६ क ५३८
 बुध्निय क २९ क ५४७
 बुध्निय क ३३३ क ५३२
 बुध्निय क ९५
 बुध्निय क ३३३
 बुध्निय क ४६, क ४१५
 बुध्निय क ३३३
 बुध्निय क ३३३ क १७१ क २६९
 क ७५, क १६, क १६६, क ४३८,
 क ८७६, क ८८२
 बुध्निय क १७६
 बुध्निय क ८७३
 बुध्निय क ८७२
 बुध्निय क ५३८
 बुध्निय क १६६, क ८७८
 बुध्निय क ८७३
 बुध्निय क ८७२
 बुध्निय क १५८
 बुध्निय क ४४६
 बुध्निय क ५९४
 बुध्निय क ५३९ क १६७
 बुध्निय क ५३९
 बुध्निय क २
 बुध्निय क ४४७
 बुध्निय क ४३८
 बुध्निय क ७ क २४३ क २९७ क ३७
 क ३३३ क ५९८ क ४१२, क ४ क
 २६, क २३९, क २६३
 बुध्निय क ७३८, क ९१४
 बुध्निय क ३४७ क २, क ३
 बुध्निय क ४६६
 बुध्निय क ४४४ क १८१
 बुध्निय क ४८७

जन्म व ५९

जटका व १२५, व ३०७

जटका व २२४ व २४९

जटपट व २७६

जटमल व ५५२

जटार्थ क ५९, क ७७

जटाबट क १५८, व ४४३

जटास क ५९

जटिया क ४९९

जटोला क ४९९, क ५ १

जट्टा क ५८

जट्टापन क ५९

जट्ट व ३११

जट्ट क ४ १

जट्टुली क ११७

जट्टवकामा क १८

जट्टाई क २९७ क २९९

जटा होना व ७४९

जट्टी बोली व २२४

जटम ग १५८

जटम करना व २१८

जटम होना व १५५, व ११६ व १३८,

व ४३४

जटप व २४९

जटपनी व २९३ ग ३ २

जटा व २१५, व ३११

जट्टी व २१५

जट्टी ग ३ १

जट्टवकामा व ९८

जट्टव व ४४४

जट्टवका व १७४ व ७४७

जट्टोला क ४४९

जट्टोला क २९७ व १७१

जट्टक ग ५३२

जट्टका व ४४५

जट्टिका व ४४३

जट्टिका व ४४६, क ५३

जट्टीक व १६८

जट्टक व ३८७

जट्टका व ११६

जट्टीक व १६८

जट्टक व ३९, व ४ व ९९

जट्टा करना व ४४

जट्टव व ३४१

जट्टी व ३४

जट्टव व ८४

जट्टवकार व २ २

जट्टवकारी व २ ४ व १९८

जट्टव व ३४१

जट्टी व ३४

जट्ट ग ४६६, व ४६७ व १५ व १५४

जट्टोला व ५१९

जट्टवना व ३८५, व ८६७

जट्टका व ३८७

जट्टव व १३६

जट्टविक व १३३

जट्टुवा व ३७६, व ३७७

जट्टोव व ४७५

जट्टु व ५१९

जट्ट व ४१२

जट्टव व ३९५, व ४२६, व ४७६

व ९४६

जट्टव करना व ५४८, व ९४१

जट्टव होना व ९४५

जट्टी व ४४६, व ३१६ व १९७

जट्टव व ८९७

लघुपना क ८९६
 लठी क २१५
 लठी खोटी क ६३९
 लठी खोटी मुगाना क ३६
 लठीरना स २९१
 लठीर-करीर स २९३
 लठीरु क २२९
 लठीरु क ८९७
 लठीरुटी क २३
 लठीरुना क ५७८ क ८९६
 लुर्न क ३८७ क ४८
 लुर्न करना क ३८५
 लुर्ना स ३८९
 लुर्न क ११
 लुर्न स १८६
 लुर्न क ३८
 लुर्नटा मारना क ७९२
 लुर्नटा केना क ७६२
 लुर्नटा भरना क ७९१
 लुर्नक २६६, ५६३६ क ३९८, क ४३६
 लुर्नक २९७ ग ५१३ क १ क २ २
 क ४६१ क क ९ क २६८, स ३२०
 लुर्नक क १३
 लुर्नकभी क १५, क १६ स १७५
 लुर्नक क ४५५
 लुर्नक डालना क ४५६
 लुर्नकडालन क ३३८
 लुर्नकडालन स ३२
 लुर्नकडालना क ७२१ क ८९, क ८५३
 लुर्नक क १६५, क २१५, क २६८
 लुर्नक क ४९५, क ५९८
 लुर्नक क ४९६
 लुर्नक क ३३०

लुर्नक क ४८४
 लुर्नक क १७३
 लुर्नकना क ६७६
 लुर्नकना क ६७
 लुर्नकस क ११
 लुर्नकस क २२४ क ३८
 लुर्नकस क ४४५, क ४६५
 लुर्नकस क ९१ क ९३५, स २११
 लुर्नकस क ४९१
 लुर्नकस क १९२
 लुर्नकस क ५५
 लुर्नकस क २८९
 लुर्नकस क ४६६
 लुर्नकस क १६७
 लुर्नकस क १७१ क १७२
 लुर्नकस क ३ स १
 लुर्नकस क २, स ८
 लुर्नकस क १२
 लुर्नकस क ४८८
 लुर्नकस क ४८९
 लुर्नकस क ४२६
 लुर्नकस क १४
 लुर्नकस क ३३४
 लुर्नकस क ४४८, क ४६५, क ९५२
 लुर्नकस क १८३
 लुर्नकस क ७९३ स ११८
 लुर्नकस क १८३
 लुर्नकस क ४९९
 लुर्नकस क २१२
 लुर्नकस क २६८
 लुर्नकस क ३५४
 लुर्नकस क ३४२
 लुर्नकस क ३४२

आसिरी क १३३ व ३४२
 आर क ५३३
 आरिम ग ३८३
 आघ क ३६
 आन क ४४८ क ३८
 आनपान प ३० स १
 आनपानी स २ स ८
 आनपान क ३८
 आना क ४ क ३९, क ४ व १४
 स ११७ स १२५, स ३ ७
 आना पकाना स ८९
 आनि क ४४४
 आनिव क ४४३
 आमोघ व ६ ८
 आमोघी क ६०९
 आर क २५, व ९९, व २६२
 आरिव व ८५५
 आरी क ३५
 आका प २११
 आकिक क ५२२
 आली क ४२१ उ व ८ ४
 आली करना क ७२१ व ८ ९
 आनू क २१
 आनिव प २२४ ग ३८
 आिष जाला क २७५
 आिषी क १ ७ क २१८
 आिषजाना क ३९८
 आिषाई स ३९६
 आिषाग स ३९८
 आिषाव क २७६, स ३९६
 आिषी क १ ७ क २१८
 आिषमठिया व ३८३ व ३८८
 आिषवाहट क २५८

आिषी उ ८२
 आिषाव क ३१७
 आिष व २५८
 आिषाग क २६
 आिषी क १९६
 आिषाव स २५३
 आिषा क १ ४
 आिषमठ स २४९
 आिषमठवार प ३८३ व ३८८
 आिषमठवाटी स २४९
 आिष व ४ ५, व ३६, व ४ व ५७
 व २२६
 आिषाव क ९८१ व ३४ व ५७
 आिष होना क २८
 आिषाना क ९३८
 आिष उटना क ३४९
 आिषकण्ट क १ ३ व ९२४
 आिषकिलाना क ६३ व ६४९
 आिषणा क ४१ व ८५४ स ३१९, स ३१८
 आिषवाक क ३६४
 आिषा क ३९
 आिषाकी व ४१४
 आिषाग स २
 आिषाव व १८५, व ४२१
 आिषीना क ३७
 आिषी क १९१
 आिषकना क ३७६
 आिषकाना क ६७
 आिषियाग क ९६
 आिषीना व ९५, व ३२२
 आिष स ३९६
 आिषना क २७४ व १५, व ४७८
 व ८६९, व ८९९, व ९३५, स ३९७

बीज क २५८
 बीजना क १७ क २५९
 बीज क २५८
 बीजना क ४२, क १७ क २५९
 बीर प ५३ क १२३
 बीर प ३७४
 बीर क १४७ क १४८
 बीर क १४७
 बीर क ३४ क १३
 बीर क ५५८
 बीर क ८४
 बीरकाना क ४४७
 बीरकाना क ४४८
 बीरकाना क ४४८
 बीरकाना क २२४
 बीरकाना क ३८ क ३९
 बीर क १
 बीरकाना क २१९
 बीरकाना क २७४
 बीरकाना क २७३
 बीरकाना क १० •
 बीरकाना क ११२, क ५२२
 बीरकाना क ११७ क ४४७
 बीरकाना क ८८
 बीरकाना क ५९५, क ५९६
 बीरकाना क २१३ क ८९५
 बीरकाना क ४३३ क ४९५, क १२
 बीरकाना क ५८ क १२८
 बीरकाना क ५८२
 बीरकाना क ५८
 बीरकाना क ५८२
 बीरकाना क १८१
 बीरकाना क ४३८

बीरकाना क १८१
 बीरकाना क ७६१
 बीरकाना क ३६८
 बीरकाना क ३९, क ५१
 बीरकाना क ४३
 बीरकाना क ४६
 बीरकाना क ४५९
 बीरकाना क ४८
 बीरकाना क ४५९, क ४६
 बीरकाना क ३१२
 बीरकाना क ४८
 बीरकाना क ४५ क ५१ क ५६९
 बीरकाना क ४७७
 बीरकाना क ४१ क ६४९
 बीरकाना क १
 बीरकाना क ९९
 बीरकाना क ९८
 बीरकाना क ४५
 बीरकाना क १२८
 बीरकाना क २४ क २४३ क २१५
 बीरकाना क २१
 बीरकाना क १२७
 बीरकाना क ३९९
 बीरकाना क ५३७
 बीरकाना क ९४ क २१४
 बीरकाना क १५८, क २१८,
 बीरकाना क १५७
 बीरकाना क ३४ क ४७४
 बीरकाना क ४७३
 बीरकाना क ४६३
 बीरकाना क ४६७
 बीरकाना क ३
 बीरकाना क ६५२

खेचसा न ३
 खेजाव क ३१७
 खेड़ी न ४५२
 खेत क ४९६, न १ २, न २२२
 खेताव न २५३
 खेतिहर ग ३७६
 खेती क १९४ न ५५, न ३ ९
 खेतीबाड़ी न ३ ९
 खेव न ४६, न ७५२, न ३४८
 खेमा न १३१
 खेक क ३६४ न ३२६
 खेकना क ३६६
 खेकनेवाला क ३६५
 खेकवाड़ क ३६४ क ३७
 खेकाड़ी ग ४१४ क २६५
 खेकाऊ न २८६
 खेकौना क ३७
 खेकट ग ३४१
 खेका न ४१५
 खेकरा न ४४८
 खेकापी न २५९
 खेह न ९७
 खेनी क २
 खेर न ६६७ न ८१ न ९१ क १८७
 न ४७९
 खेरसाह न ३ न ९८ न १ १
 खेरसाही न १ न १ २
 खेरसाही करना न ९९
 खेप न ३४१
 खेरत क ५९, क ५१६, न १९५
 खेरियत न ४७९
 खेरिछा क २७३
 खेरि न १२७

खेरि न ५३७
 खेरिप न १५
 खेरिवा न ५२६, न ५३७
 खेरिता न ५ ४ न १९५
 खेरिसना न ७३९
 खेरिना क १६१
 खेरिना न ८ ६
 खेरिज न २५८
 खेरिज करना न २६
 खेरिज करना न ७९७
 खेरिजना न २६ न ७९६
 खेरिजना न २६१ न ७९७
 खेरिज न २६८, न ३१८, न ३९५, न ३९७
 खेरिज न २६८, न ३१८, न ३९५, न ४३९
 खेरिजाई न २६९, न ३९७ न ४४१
 खेरिजी खरी मुगलाना न ६४
 खेरिना न ४४५
 खेरिवाई न ४४७
 खेरिना न ७९४ न ८६७
 खेरिपी ग १३ ग १ १ न ४८४
 खेरिप क ४४१ न ५३२
 खेरिप क २८९, क २९२
 खेरिपना न ७९९, न ९ ७
 खेरिवा क १६१
 खेरिह न २५१ न ३११
 खेरिज न २३३
 खेरिज करना न २३४
 खेरिजनाक न २४३
 खेरिज क ३१८, क ३२२
 खेरिपना न १ ६
 खेरिपना न ९८, न ९९, न १
 खेरिप न ३४९
 खेरिपि न ३५१

स्वातिप्राप्त व ३४९
 स्वात व २, व ११७ व ८३४ व ९९९
 स्वात करमा व १२२, व ८३७
 स्वामी व ९७
 स्वाव व ७६६
 स्वार् व ३४५
 स्वाहिष्ठा व १३८
 स्वाहिष्ठावर्ध व १४

ग

गंगा व २९
 गंगावमुनी व ३३ व ३४२
 गंगावत व २९१
 गंगावर क १६५, व २६४
 गंगावाम व १५४
 गंगा काय होना ग १५५
 गंगासागर क ५८, व ४४५
 गंगोत्री क ५८
 गज व ९२४
 गजव व ८६
 गजा व १९५, व २८, व ४८४
 गजी व ३०८, व २४२, व ४८४ व ९२४
 गौड्या व ५१६
 गडग ३१ व ८१ व ४४५
 गडक ग ५२, व ५८४ व ३३१ व ३३२
 गडवी व ३२
 गडमाला व ५२५
 गडस्पत ग ३१ व ४४५
 गडा ग ५२, व ९३२
 गडिगर व २८१
 गडिरी व २५१
 गदगी व ४१६ व ५४५ व ५४६
 गदला व ५४२ व ५४३
 गदा व १५४ व ४१५, व ४७६, व ५४२

व ५४३
 गदा करला व ५४८
 गदापन व ५४५
 गदी ववान व ६४१
 गदी ववान निकालना व ६४
 गदुन व २२८
 गदुमी व ३३८
 गदम व ४७१, व ३१२
 गदक व ४७१
 गदकी व ३७ व ३८
 गदमावन ग ६७७
 गदवर्धक २ ३ क २४३ व ५७ ग ४५२,
 ग ५५, ग ५७ ग ६१३
 गदवर्धिका व ५६
 गदवर्धिक क ५५६
 गदवर्धक ३१३ क ३१६
 गदाना व ३६५, व ३६६, व ३६९
 गदारैठा व १२७
 गदी व ४७१
 गदीर क १६५, व २१५, व ३५३
 व २३७ व ११ व ५१२, व ५६४
 गदीरठा व १४ व ५१४ व ५६६
 गदीर व १३३
 गदीरपन व ५६
 गदीला व ३, व ८६७
 गदीर व २४ व ३६४ व ४६५,
 व ५५८, व ५५९
 गदीरपन व ५६
 गदीक व ५५९
 गदुग ४६६
 गदुलावा व २३
 गदम व ४६ व ३
 गदमवर ग ५९८, व २६

गणनचुम्बी प ४४	गजराज व ४३८
गणनचुम्बी प ३ १	गजराज व २ ३
गणनचुम्बी क २९७	गजराज व १८७
गणनपति क २२५, क २९७	गजा प ४३६
गणनमेड प ६२६	गजाजीव प ४१
गणनमेडक व ३	गजानन क १९२
गणनायना क २४७	गजारोह प ४१
गणनेचर क २ ७ व २६	गजासल व ६६
गणरा क ४५२	गजी क २२३
गणरी क ४५२, क ४५३	गर्भक २३३ प ४३५, प ४३८
गण व १७	गर्भपुर व ९
गणकी खाना स ४१५	गर्भी क २२३
गणकका स ४१७	गर्भिन व ५ ७
गणकका खाना स ४१५	गर्भ प ३५
गण प ४३५	गटक खाना स ११८
गणक क ४१	गटकना स ११८
गणकर्म व ३ ९	गटरवों कर खाना व ७९३
गणवट व ४४६	गट्टन व १५४
गणवान प ४४७	गट्टा प ६ व २७
गणनाक क ४ ३	गट्टर व ९२४ व ९२५, व ९३
गणपति स ३४९	गट्टा व ९२९
गणपुरा प १७५	गठक्या व ४१८
गणव व ४१८, स ४३८	गठन व ४६२
गणवहन क १९२	गठरी व ९२४
गणवीक क ३९८	गठ व ४९८
गणवाम क ३९८	गठिया व ५१६
गणमणि व ४९८	गठियाला व ७८३
गणमह प ४४७	गठवडाला व ५९८
गणमुख क १९२	गठु व ५३
गणमुक्ता व ४९८	गठु व ९२४ व ९३
गणमीठी व ४९८	गठुही क ३८२, व ९२४ व ९३
गणरसम क १३९	गठुहा व ३११
गणरा क २३३ क ३३४	गठु व १७२

गङ्गक म ३९८ अ
 गङ्गन अ ४६२
 गङ्गना अ ९४४
 गङ्गा अ ३११
 गङ्ग अ ५१२
 गङ्गपन अ ५१४
 गङ्गीया म ३९८ अ
 गङ्गवेद्य अ ३१
 गङ्गना अ ४७ अ ७४ अ २७७
 गङ्गप्या अ ३११
 गङ्गबङ्ग अ १५८ अ ४३७
 गङ्गबङ्गना अ ८४३
 गङ्गबङ्गी अ ४४१ अ ४
 गङ्गबाना अ ३२९
 गङ्गहा अ ३११
 गङ्गना अ ४४५
 गङ्गेरी ग ३३३ म ३३४ प २५१
 गङ्गना ग ५५३ अ ५५६, ग ५६८
 गङ्गना करला ल ५६९
 गङ्गनीय ल ५७२
 गङ्गपति क १६५, क १९२,
 क ५५८
 गङ्गिना ग १६ ग ३९७ प ४ ४
 गङ्गिन ग ५५३
 गङ्गित्त ग ६४२
 गङ्गिन ज्योतिष ग ६४९
 गङ्गिनगात्र ग ५५३
 गङ्गेता क १९२
 गङ्गेगीता क ५८२
 गङ्ग ग ५७२ अ ३५४
 गङ्गमाप्य अ ३५४
 गङ्ग अ ८२८
 गङ्गस्य उ ३२

गङ्गिक ३१३ अ ६८ अ ७१४, अ ७४२,
 अ ९४८
 गङ्ग सा ४३५
 गङ्गर ग ५१९
 गङ्गरु अ ७३ अ ९८
 गङ्गहृषीकी अ २३
 गङ्गहृषीक अ ३६६
 गङ्गहृषीका अ १७५
 गङ्गहा ल ५३८, ग ४६७ अ ३६४
 गङ्गा अ ७३ अ ९८ अ २८५
 गङ्गी म ६१
 गङ्ग अ १६७
 गङ्गकार अ १२७
 गङ्गकाम्य अ २ ४ अ २१२
 गङ्गपीठ अ २१२
 गङ्गा अ २४९
 गङ्ग अ ३ अ ६११ अ ६२५, अ ३८५
 गङ्गबाना अ ११८
 गङ्गबोधि अ ६११
 गङ्गबोधि करला अ ६२६
 गङ्गनाद अ ६२५
 गङ्ग मारला अ ६२६
 गङ्ग ह्रींका अ ६२६
 गङ्गी अ ६१
 गङ्ग अ ५ ६, अ ५ ७
 गङ्गक अ २२४
 गङ्गर ल ४ ५ अ ३४
 गङ्ग अ ५७६ अ
 गङ्गबाना अ ३६९
 गङ्गपीठ अ ३९१
 गङ्गपीठ अ ५२
 गङ्गा अ २५६
 गङ्गक २८७ ग १५४ अ २४१ अ ६६७

गमन करला व ३३५
 गमी ग १५४
 गम्य व ५७६ व
 गम्य ग ४३५
 गमा क ५९, क ४९९
 गरक १८३, म ५६३ व ४७८
 गरख व २७३ व ४२१ ई, व ५९७
 गरखला म ४४१ म ४४५, व ५९८
 गरखर्मद व २७४
 गरखी व २७४
 गरखू व २७४
 गरख व ४७८
 गरखन व ३३ व ३५
 गरख व ८८
 गरखीका व ८९
 गरम व १३७
 गरम होला व १ ६
 गरमी व ४५९ व ४ व १३५
 गरख क १८३ म ५६३ व ४७८
 गरख व २७७
 गरिमा क २६४ व ५१४
 गरियाला व ३४२
 गरी म ३३५
 गरी व ४ ५
 गरीवखाना व १४
 गरीवनिवास व २२
 गरीवपरवर व २२
 गरीवी व ४ ६
 गसक १४ क १६ क ५७४ ग ६ ६
 गसक्यन क १३४
 गसर व ८८
 गरोह व ९२४ व ९२५
 गर्क व १२९

गर्जन व ४४८ व २४२, व ५९७
 गर्जन करला व ५९८
 गर्जना व ५९८
 गर्त व २५ व २५१ व ३११
 गर्त व ९७
 गर्जन म ३३
 गर्जित्या देला व ७ ५
 गर्भ म ४६७ व २१५, व ४ ७
 गर्भ क ५५८, व १४५, म ५२, व ११६
 व १४ म ४२२
 गर्भपात व १४३ व
 गर्भपातिनी व १६२
 गर्भ खाना व १४१
 गर्भवती व ५२
 गर्भभाव म १४३ व
 गर्भावात क ९८, म १४३
 गर्भाक्षय म ११३
 गर्भिणी व ५२
 गर्भ व १३७ व ९५
 गर्भ करला व ९९, व ११९
 गर्भ लयला व १ ५
 गर्भ होला व १ म १४१
 गर्भला म १३९
 गर्मी व ४५९, व ६७ व ९६, व ११५
 गर्मी म ४६३
 गर्भ व १८५, व ८८
 गर्भीला व ८९
 गर्भीय व १६१
 गर्हित व १५४ व १९
 गर्वती व ३१६, व ८४१
 गर्वती करला व ८४३
 गर्वती होला व ८४३
 गर्वतन व ४७६

पल्लवा झ १ ७ झ १४६ झ ३६५	वाँठ लुगाना ज ७८३
गल्मुजा क २८७	वाँडीबगर क ४१७
गला म ३३ म ३४ झ ९१	वाँघारख ७ ख ७३
गली ख २४१ ख २४५	वाँव ख १३३
गलीबा क २८९	वाख ख २८३ ख २५४
गलीब न ११५, ज ५४२, ज ५४३	वायना ज ५९८
गल मितना ज १५२	वायर म ३ ६
गले लमाना ज १५२	वायुवाँ ख १७६
गला ख २ ८, ज ९२	वाछ न २
गल्ला ख २२५, ज ९२४ ज ९२८	वाकी क ३८७
गवगहरी ल ५८	वाका ग ४४ क २२३ झ ९१
गवना ग १५३	वाका कला झ ९ झ ९९
गवाई ख ६१ ख ६३	वाका हौना झ ९२
गवाज क ५३६, ख १६६	वाकी क ३८२
गवाह म ३७१	वाठ क २४३ म ११, न १२, ख ९
गवाही झ १९१	वाभ म ११ म १२
गवाही देना झ १९	वाबा क ७३
गवेपना ख २५८	वान ख ६
गवीया ख ५७	वानबिठा ख ५६
गहन म ११ ख २६२, ज ५६४ ख ५७६	वाना ख ५९, ख ६ ख ६१ ज ६४७
गहना क ३२० ज १८३	वाग्लिल ज १ ३
गहण ख २१५, ज ५६४	वाग्लिली ज २ ५
गहणई ज ५६६	वाभ म २२, म २४
गहवर ख २५१ ज २२६	वाबा ख २२
गहिर ख २३७ ख ५६४	वाव ग ४६९
गहना ख ६६	वावर ल ५७
गहवर ख ११ ख १४२, ख १९४ ख २५०	वावकाचार्य ल ५७
ख २५१	वापन ख ५६ म ५७
गावेम क ४३४ क ४६१ ख १२३ ख ४४८	वापन कला ५९
गाँजा क १९६	वावक ज ७३ ख ८ झ २५८
गाँड म १ ७ ज ३७६, ज ७८४	वावक कला ज ७९३ ख ७ ४
गाँडोभी ख २८	वावरी क ९३ क १९४ म ८१
गाँड रोग म ५१६	वावरीमंत्र क ९२

सावित्री स ५८
 सार स २५१ स ३११
 सारना स ७२
 सार स २८५
 सारी स ६४१
 सारदिक स ५४२
 सार्गी स १ ४
 सार्हस स १
 सार स २८
 सारस स १७
 सारिषण स १७३
 सारी स १७२ स ६४१
 सारी-सारी स ६४१
 सारीगुला स ६४१
 सारी देवा स ६४२
 सार स ९१
 सारसक्रिया स २८७
 सारदी स ३६४
 सारी स ९३२
 सारि स ६२३
 सारिती स २२८, स ५५३ स ५६८
 सारिना स ५६९
 सारिनाता स ५७
 सारिती स ४२२
 सारिती स ५८८
 सारिगिट स ५३
 सारिबिटास स ५३
 सारिवावर स ५ ३
 सारिवात स ५३
 सारिना स ८२, स ६९९, स ७ १ स ७ ८
 स ७१८, स ८११
 सारि पङ्कना स ६९९
 सारिपटाटी स २२३

सारिवात स २२४
 सारिवात स ४१६, स ४१८
 सारिवात स २१
 सारिवा स १३० स २३ स २७ स ९४६
 स ९५१
 सारिवा स २४७ स ८३ स ७ २
 स ७१, स ८७१ स ९०५, स ९०९
 सारिवाती स २९९
 सारिवा स ५२६ स २४८
 सारिवा स १८५, स ५ ३ स ४ १
 सारिवात स ३९९
 सारिवाती स ३९९
 सारिवात स २५५, स २६
 सारिवात स १६५, स १९, स २५५, स २६
 स २६१
 सारिवात स १२५
 सारिवाती स ४६२
 सारिवात स २८५
 सारिवाती स ५२६
 सारिवा स ३४५
 सारिवात स २८९
 सारिवात स ४४६
 सारिवाती स १९१
 सारिवाती स ५२६
 सारिवा स ५, स ६
 सारिवाती स ५९
 सारिवाती स २ ३
 सारिवात स ५१३, स ५१९, स २७४
 सारिवाती स २७६
 सारिवाती स ५७
 सारिवा स ६२३
 सारिवाती स २ ७
 सारिवा स २३५

नेहुंभां ग ५६८, व ४८ आ म ३३८

नेहुं व २२८, व २२९

नेहा ग ५०२

नेमा ग ४६९

नेर म ४ ३

नेरकानूनी म १८२

नेरव म ३२१

नेरमामूसी व ४१८

नेरमुनासिय व ४२१

नेरमुमकिन व ९७२

नेरमौजूदपी म २६

नेरबाबिब व ४२१

नेर हाभिर म २५८

नेरहाभिरि म २६

नेरि क ग ४४८, व ४६२

नेरियठ म ४ ८

नेरु व २४१ व २४५

नेरु ग ३४९

नेरुकिन ग ३५

नेरु व ३३

नेरु क १३ क २३६ क २३८, क २९७

क ३ ७ ग १९, ग २७ ग १३४ ग १७७

ग ४५२ व ४६९ ग ४८३ म ४९७

ग ४८५, क ४१२, व ९, व ७५, व ९०

नेरुहा ग ३७७

नेरुहा क ४२४

नेरुहा ग २७८

नेरुहे ग ५१

नेरुकि म १ ५

नेरुल म ४७५, व २ २

नेरुल व १८

नेरुल म ५ २

, नेरुल २३८

नेरुल व १५

नेरुल मरुता व १५१

नेरुल ग ५७४

नेरुल्लि म १७६

नेरुली क ४१७ क ५५५

नेरुल्लिया क ११८

नेरुल्लु म २१६

नेरुल्ल म ८६

नेरुल्ल म ४७५

नेरुल्ल मरुता व १६७

नेरुल्लु क ३३५

नेरुल्लु म ४७७

नेरुल्लु क ५ ४

नेरुल्लु क २९७

नेरुल्ल व १२४ म १ म ३

नेरुल्ल म ४१६

नेरुल्ल म ४१७

नेरुल्ल मरुता म ४१५

नेरुल्लु क ४२२

नेरुल्लु म ४१६

नेरुल्लु म ४

नेरुल्लु म ३ म ४

नेरुल्ल व २४८, व १२४ म १ म ३

नेरुल्लु म ३ म ४

नेरुल्लु ग १ ८

नेरुल्लु म ७३९

नेरुल्लु व १३८, व ११६

नेरुल्लु व २९७

नेरुल्लु म ७६

नेरुल्लु म ४७५

नेरुल्लु म ३२८

नेरुल्लु क १४१

नेरुल्लु व २३ क ५६६

सुलभ क २५३	सुधना क ८१४ व ८८१, स ९१
सुलभन क ९	सुदक क २२१
सुधयम्बो क ४१६	सुद्य म ८२
सुकार्थ क २५३	सुम क ९९
सुकाव क ३९८	सुर क १७
सुकावनामुन क १७८	सुलगा क ८८१
सुकावी क ३४ व ५१	सुलर क ५१
सुकाम स २३५	सुह म ११५
सुलामी स २३९	सुध प ६२३
सुक्त म ८५	सुह क १३७ व १४
सुस्य क ४७१, म ११२	सुहमोचिका क ५३१
सुसक स ६८	सुहपति क १ ८, क ३११ व ३८२
सुसुखनागा क १५१	सुहस्य क १ ८
सुस्ताक प ८४	सुहस्वामम क ९८
सुस्तावी क ८६	सुहस्वी क १ ८, स ३ ९
सुस्त स ६८	सुहागव ग ३७८
सुस्तनागा क १५१	सुहिषी ग ४ ग २२५, व ५१४ क ९
सुस्त सेना स ६९	सुही क १ ८
सुस्ता प ९३	सुहीत व १९२
सुस्तावर प ९४	सुं क २५
सुस्ता होना प ९६	सुंकी क २५
सुस्तीक व ९४	सुं क ३०५
सुह क १३४ क १८८, ग ८ ग ११५, ग ४६२ व ९२४ व ९२५	सुं क ४२९, क ३०५
सुहा क ४४६, व २५ व २५१	सुं क ६ ५
सुधा क १९५, व ८३	सुं क ४२९
सुं ११५	सुं क ३६४
सुं ५१९	सुं क ६२
सुंवातन क ५२	सुंवर क १२
सुंवी क ३६१ क ३६३	सुंवा क ९ ५
सुं वरना म ६५३	सुंवावी स ३९९
सुंवी क ३३	सुं क ४ व ४६२
सुंवी क १९	सुं क १४
	सुंवातन म ५६८

गोनस ग ५६९, न ५०२, प ४८४
 गोप प ३ ५, ङ ३३१
 गोपति क १३४ क १६५, क २९७ क ३९९
 गोपब क ५५४
 गोपन क ८ २
 गोपना क ७९२
 गोपनाय क ४ ८
 गोपाङ्क क ३९९ क ४९४ ग ३ ५
 गोपालतापनी क ५५८
 गोपित करमा क ७९२
 गोपी प ३ ६ न १४६
 गोपीनाथ क ३९९
 गोर्वेद्र क १३४ क ३९९
 गोबर ङ ५३३
 गोबर करमा ग ११६
 गोबरमसेस प ३६४ क ४६५
 गोमी न १७६ न २७८
 गोमना क ७३९
 गोमेद न ४८ न ४८१ न ४९३ ङ ८२
 गौर क ४८ ना
 गौरसपूरी दीसा क ४२६
 गौरसमुंठी न १७९
 गौरस ङ १९५, ङ १६२
 गौरांप न ४८ ना
 गौरा ग ३६५, न ४८ ना
 गोरी ल ५६
 गोरु क ४३ प ४६९
 गोरोचन न १८२
 गोख ङ ३५८, न ५८४
 गोखरु ग २१ न १ २
 गोख कर खाना क ७९३
 गोला क १९४ क ४७१ न ३६५, ङ ४ ३
 न १३८ क ५८४

गोसाईं क ५८५
 गोलाकार क ५८४
 गोमी ङ ५, ङ ४ ५, न ९३१
 गोठोक क २३८
 गोमोक खाना म १५५
 गोसोकवासी क २४
 गोवर्धन न २६
 गोविंद क १३४ क ३९९, न १७, न ५
 गविल्लपव ग ९
 गोस्त ग ९१
 गोष्ठी क १३४
 गोसाईं क ११२
 गोघाडा क २ ३
 गोह ग ५२७
 गोहम न ९१८
 गोहरा ङ ४२४
 गोहराना न ६
 गोहार न ५९९
 गोहमन म ५६८
 गोहूँ न २२८
 गौं ल ३७
 गौ न १८१ न ४६९, म ४८१
 गौवा न १६६
 गौकी क १९४
 गौन ग ४२८
 गौतम क ४४७ न ७३
 गौतम बर्म सूत्र क ५७७
 गौतम सूत्र क ५६६
 गौतमी क ३८७, न १८२
 गौना न १५३
 गौर ल २८, न ३७ क २४८, न ७१
 न १५७ न ४४८, ङ १ न ४८ ना
 गौर कला न ३६९

घटयोनि क ४६४

घटवाई न ४ १

घटवार ग ४ १

घटा छ २४१

घटाटोप छ २४१

घटाना छ ५६

घटिका छ १२७

घटिया म ४ १ अ ४२९

घटिया न १ २, स २९६

घटियाई न ४३

घटी क १ ४ छ १२७ स १ १

भङ्गभङ्गाना न ५९८

भङ्गा क ४५२, क ४५३ क ४५४

भङ्गिमारु न ११४ ग ५८

भङ्गी स ९६, छ १ क १२७

भन न ९४ अ ९६, ग १९, न ११ न

४६ छ २३९, अ ९२४

भनत्त न ५ ९

भनमाळा छ २४१

भनस्याम क ३९९ अ ३ छ २४४

भनसार न १५७

भना न ३८ अ ५ ७

भनापन न ५ ९

भनाभरी स २ ३

भनिष्ट न ५ ७

भनङ्गाना न १८, अ २४५, स ४४१

भनराना है 'भनङ्गाना'

भनराना न १३

भनरानाहट न १६

भनराना न ८८

भनराना दिगाना न

भनरी न ८

भनराना ग १५६

भनभमाना न १५६

भनभासान स २६२

भन न १४८

भननी न ४ ग २२५

भनना स १ स १ ३

भनराना न १४

भनराना क २८७

भनन कराना न ९३८

भनीटाना स ३९७

भन क १ क १३६

भनराना ग १५६

भनी ग ३५

भनराना न २९३

भन न २९९

भन ग ३५, अ ९१२, स १ १

भनराना ग ४ १

भनी न २५२, न २५३

भनी क ७१

भनराना स २१५

भनराना स २१५

भनराना स २१५

भनी न ८२४ स २१५

भन न १

भनराना स २७९

भनराना न ८२४

भनराना क १७१ न १५८, स २१८

भनराना कराना न ८७५

भन स ५२६

भनराना छ २३१ अ ५४९

भन न १४८, अ १५४

भनराना न १४९

भनराना न १५४

भनराना ग २८८

बिना अ ७८ अ ७८१ अ ८५०
 बिना अ १३६
 बिना अ १८ अ १८
 बी अ १५७
 बीना अ १८३
 बीना अ १
 बीना अ १ १
 बीना अ ४८८
 बीना अ ११५ अ ११२
 बीना अ १५२
 बीना अ १४१
 बीना अ ८५
 बीना अ १४७ अ १४८
 बीना अ १४६
 बीना अ १६२
 बीना अ १८८
 बीना अ ७५१

बीना अ ४१७
 बीना अ १४
 बीना अ १४८
 बीना अ १४९
 बीना अ १५४
 बीना अ १५७ अ २६२
 बीना अ १८३
 बीना अ १४८
 बीना अ १५
 बीना अ ७७१
 बीना अ १४८ अ १८८ अ १ १
 बीना अ १०१
 बीना अ १६४
 बीना अ ११८
 बीना अ १ १ अ १५५
 बीना अ १५२
 बीना अ ८

- शैली क ४६७ क ४६९
 शंकर क १३७
 शंकर क १११ क ११६, अ १२, अ १३,
 अ १७८
 शंकरा अ १५
 शंकरा हुमा अ १७
 शंकरा क १६३ अ १८८ क २५४
 शंभु अ ५, ५, ग ६ १
 शंभु अ १६७
 शंभु क १४५, क १६१ अ ५२४ अ ४४८,
 अ ९४ अ २४३ अ ३५८ अ १३५
 शंभुता अ ३८
 शंभुता ग २९८
 शंभुता क १८५, क १९४ क १९८
 शंभुता अ १५
 शंभुता अ १६७
 शंभुता क ३ अ १३ क १
 शंभुतापीठा अ १३१
 शंभुतालाक अ १२२
 शंभुताहार क ३३१ क ३४६
 शंभुता ग ६१२, क २९५
 शंभुता क ३ ७
 शंभुता क २९५
 शंभुता क ३ ७ अ ५७७ अ ६१२, अ १६
 अ ४४८ अ १५, अ ३२
 शंभुताला क ३३८
 शंभुताला अ १६
 शंभुतालामि अ ६
 शंभुताला क ३ ७ अ ४८२, अ ५, अ ११
 शंभुतालापि क ४५८
 शंभुताला क १६५
 शंभुताला क ११७
 शंभुताला क १६५
 शंभुताला क ४
 शंभुताला अ ४८८
 शंभुताला अ ६६४ अ ६६४
- शंभुताला क ४
 शंभुताला क १६५
 शंभुताला क ३ ७, अ ६१२, अ १६७ क
 ८७ क १८६, क ३२८, क ३३८, अ ११
 शंभुताला क ३७
 शंभुताला अ ४ ६
 शंभुताला हुमा अ ६७६
 शंभुताला अ ४ ६
 शंभुताला क ३३१
 शंभुताला क १६७
 शंभुताला अ २८४ अ ३ १
 शंभुताला क ५५२
 शंभुताला क ९९
 शंभुताला अ १ ३
 शंभुताला ग ३२२
 शंभुतालागला क २९२
 शंभुतालापुर अ ७५३
 शंभुतालापीठा अ ६९४
 शंभुतालाला क ४४१
 शंभुताला क १६७ क ४६१
 शंभुताला अ २ ७ अ ४३४
 शंभुतालापण अ ४३५
 शंभुताला क १३४
 शंभुताला ग ६२२
 शंभुतालापीठा क २९१
 शंभुताला क १६४ अ १३, अ २३७ अ ६ ७
 अ २७४ अ ४४
 शंभुताला हुमा अ ६ ४
 शंभुताला अ ३५४ अ ३५६
 शंभुताला ग ६२१
 शंभुताला क १
 शंभुताला अ ४८८
 शंभुताला मारण अ ६६४ अ ६६४

बनरी ट १९३ ट १९१
 बनर ३ न १५ .. ग १२० प १५३
 बनर .. र २४
 बनरिय ट ११८ व १
 बनरी गंगा न १५ ग १८३
 बनरन न ११०
 बनरन ट २९३
 बनर १०
 बनरिया न ५ /
 बनरिय न १०९
 बनरन न १५३ ग ११५
 बनर ३ ११३
 बनरन १८३
 बनरिय ट १६
 बनरन ११
 बनर १ ८ व १८३
 बनरन १०७ ट ८ ११३ व १ ८
 व १८
 बनरी ट १ ८ व १८८

बनरन व १८३ व १८ .. व ५०३
 बनरी ट ३ व १३
 बनरना न १३
 बनरन १८८ न ३ .. व ३१
 बनरीगंगा न ३११
 बनरगंगी व ११
 बनर व ५५
 बनरन न १५
 बनरन ५ १ व ३९८ व १९१ व १९३
 बनरन ३ १९८
 बनरगंगी ट १
 बनरगंगी व १ .. व १९८
 बनरगंगी व १ १
 बनरगंगी ५ ३ व ३०९
 बनरगंगी न
 बनरी ट
 बनरीन ११
 बनरीगंगी ट १ व १ ९
 बनर ३ व ११८

अपना क १६३ प १८८ क २४
 क २५४ म ६६
 अपनी क १
 अपेट ग ६३
 अप्पल क २९७
 अप्पाई क १६२ प १६३
 अपाना म ११९ म १२६
 अप्पुल्ल क १५५
 अप्पना क १४२
 अप्पल क ४८५, क २८७
 अप्पुल्ल क २८५, क २८८
 अप्पुल्ल क २८९, क ७६, क ६८५
 क ८७२
 अप्पुल्ल क २९ प ५४७ म ७७
 अप्पुल्ल क २८८
 अप्पुल्ल ग ५२८
 अप्पुल्ल क २८८
 अप्पुल्ल क २८९
 अप्पुल्ल क ४३६, क ४४४
 अप्पुल्ल क २३२
 अप्पुल्ल प ९
 अप्पुल्ल प ९
 अप्पुल्ल क ४३८
 अप्पुल्ल क ४३९
 अप्पुल्ल क ४३८
 अप्पुल्ल म ४४
 अप्पुल्ल प ९
 अप्पुल्ल प ५१ क ५५२
 अप्पुल्ल क २३२
 अप्पुल्ल ग ३५२, क ६६७
 अप्पुल्ल ग २९९, क ३५१
 अप्पुल्ल म ३५२
 अप्पुल्ल क ३५९

अपेक्षी क ४२ क ४०३
 अप्पुल्ल क ४४४
 अप्पुल्ल प ९२४
 अप्पुल्ल प ८६२
 अप्पुल्ल करना क ८८४
 अप्पुल्ल ३६९, क ३७७ म ६६६, क ६९
 अप्पुल्ल प ८४४
 अप्पुल्ल क ५६४
 अप्पुल्ल क ८६ क ३
 अप्पुल्ल क ४५ क २२५
 अप्पुल्ल क ५६, क ६१
 अप्पुल्ल क ५७
 अप्पुल्ल क ६२
 अप्पुल्ल क ६२
 अप्पुल्ल ग ९३
 अप्पुल्ल क ५३२
 अप्पुल्ल प ८४४
 अप्पुल्ल क २९४
 अप्पुल्ल क १ प २९४
 अप्पुल्ल क ८५
 अप्पुल्ल क ४६६
 अप्पुल्ल क ३७२
 अप्पुल्ल क ५९
 अप्पुल्ल क ८, क ६२६, म ७३
 अप्पुल्ल प ९३
 अप्पुल्ल क ३५१ क ३६१ क ३६१
 अप्पुल्ल क १४२
 अप्पुल्ल करना क १२६
 अप्पुल्ल क १३४ क १६५, क १२, क ६७८
 अप्पुल्ल-क ३७८
 अप्पुल्ल क ३३१ क २९४ क ९६६
 क ९६३
 अप्पुल्ल क २७८ क ६६५, क ६७६

बाल्या-विद्या अ १८८	बाल्या अ १४ अ ४४
बाल्या अ ४१२	बाल्या अ १०
बाल्या अ १५५	बाल्या अ १३८
बाल्या अ १६३ अ ० अ ५४	बाल्या अ ४१६ अ ४१८
बाल्या अ १६३	बाल्या अ १३
बाल्या अ ३१५ अ ३१७ अ ५५	बाल्या अ १८३
अ १५५ अ १५७	बाल्या अ २४
बाल्या अ १६	बाल्या अ ४३
बाल्या अ १३ अ १३ अ १३८	बाल्या अ १६३
बाल्या अ १५८	बाल्या अ ५४५
बाल्या अ ४३५	बाल्या अ १८३
बाल्या अ १३	बाल्या अ १८८
बाल्या अ ४	बाल्या अ १५३
बाल्या अ १३	बाल्या अ १३
बाल्या अ १८३	बाल्या अ ८
बाल्या अ १४८	बाल्या अ १
बाल्या अ १४३ अ १४५	बाल्या अ १
बाल्या अ १४३ अ १४५	बाल्या अ १
बाल्या अ १४३ अ १४५	बाल्या अ १

आय छ १०६	बिगना ग ६४७
आय छ ३६९, छ ३७७ अ ५९१ म ३६६	बिग्याङ्ग ग ४४८, अ ५९५
आयल ग ३५३ ग ३९५	बिपाङ्गना अ ५९४ अ ५९६
आयपाई छ ४९९	बिषका म ४६
आयवाग म ९	बितन अ २४८, अ २२४
आय छ २ ८ छ २१२	बितन करना अ ३६९
आय म १८५, छ ३२१ अ १९, अ ४६३	बितना अ २, अ २२४ अ २२५, अ ३६९
आरता अ ४६७	बिता अ १८५, अ २ अ ४६, अ २२४
आर्ये छ ५९४	बिता करना अ २२५
आर्षिक क ५, क ६, क ११९	बितावस्त अ २२६
आर्षिमल क १२१	बितामणि क ११२, क १२३ अ ४८४
आरु अ २ ५, अ १ अ २६९, अ २९४	अ ४९७
अ ६४४ अ ६८ अ ९५२ अ ९५३	बिताबिहीनता अ २२८
अ ३७	बितित अ २२६
आरुक्त म १६	बितित होना अ २२५, अ ३४७
आरु-बलन अ २९४	बिबी अ ८७६
आरु बलना अ २७	बिउँटा ग ५४
आरुना म ३९	बिउँटी अ ५४२
आरुवाह अ ३६७	बिउँका छ १४५
आरुवाही अ २६९	बिक ग ३६३ छ ४९७
आरुवाही करना अ २७ अ ८४४	बिकना अ ५७९
आरुका अ २६८, अ ३६७	बिकनाई अ ५८१
आरुकी अ २६९	बिकनागा अ ८ ८
आरु अ १३८ अ २१२	बिकनाहट अ ५८१
आरु छ ६३ छ ९२	बिकाय अ १ ७
आरु ग ६५७	बिकिरसक अ ५३८
आरु करना म ३११	बिकिरता अ ४२८, अ ४२९, अ ५४४
आरु ग ३७६ अ ३७७ ग ६६२	बिकिरसाक्य अ ६४३
आरु छ १९६ अ १३८ अ १४५	बिकुर म ३७ ग ५२६, ग ५३६, अ ५५८
आरुना अ १३ अ १३९, अ १४५, अ १५१	अ ५९७
आरुनेवाला अ १४	बिकरुन अ ५७७ अ ५७९
आरुमुन्य अ १४१	बिकुर ग ५२६
आरु अ १ ३	बिग्याङ्ग अ ५९५

विष्णुपुराणा म ४४१ अ ५०४ अ ५०६	विष्णुपुराणा म १२
अ ५८	विष्णुपुराणा म ५८ अ ५७ अ ५१६
विष्णुपुराणा म २०८	विष्णुपुराणा म १५ अ ११६
विष्णुपुराणा म १२० अ ५०	विष्णुपुराणा म ३८ अ ४८३
विष्णुपुराणा म ८०६	विष्णुपुराणा म १२
विष्णुपुराणा म ८१ अ ८०२	विष्णुपुराणा म १५
विष्णुपुराणा म ८५३	विष्णुपुराणा म १३
विष्णुपुराणा म ११५	विष्णुपुराणा म १५ अ ११६
विष्णुपुराणा म १०६	विष्णुपुराणा म १५
विष्णुपुराणा म ११८ अ ३५८ अ २०६	विष्णुपुराणा म ११८ अ १४३ अ ११५ अ १०३
विष्णुपुराणा म ३ अ १५५	अ ३३ अ ४१
विष्णुपुराणा म ३६०	विष्णुपुराणा म १८
विष्णुपुराणा म ३३	विष्णुपुराणा म १५५
विष्णुपुराणा म ३ अ ३५०	विष्णुपुराणा म ३२१
विष्णुपुराणा म ५८	विष्णुपुराणा म ३८१ म १
विष्णुपुराणा म ३१३	विष्णुपुराणा म ३८१ म १

विरस्पामी क २१६, ख ८३३
 विरहटा ग ३४८
 विराम क ४९
 विरामभाग क ४९१
 विराना छ १७४
 विरयता ब १३५
 विरयु ब ६९, क १५१
 विरैया न ५९८
 विरौजी ब ३६६
 विर ग ५९१
 विरक क ४८५, छ २८७, ख ३७६
 विरकता झ ३७७
 विरकमयी क ४७१
 विरकमत क ४९७
 विरक ग ६४९
 विरकपौ ब ५८९, ख ५९२
 विरकाना ग ५१८, ख ५९, ज ५९४
 ब ५९६
 विरकमाहट ब ५८९, ज ५९२
 विरकक क ४८५, झ ३७६
 विरककता झ ३७७
 विरहरता ज ८९२, ख ९३७
 विरहपाना ज ९८३
 वीटा ग ५४
 वीटी ग ५४२
 वीख ज ५९२
 वीखना क १५३, ख ५९, ज ५९४
 ज ५९६, झ १२५
 वीख ल २९७, क ३७, क ४१८
 वीख म ८८
 वीखना ज ८९३, ख ९३६
 वीखयक ल ४३४
 वीखा ब ४९९

वीखार ब ५९२
 वीखार कला ज ५९४
 वीखड़ा क २२१
 वीखना ज ८९३, ख ९३४
 वीन ब ४५८, क ४२, क ४८
 वीनिया बाराब ब ३७१
 वीनी क १७२
 वीन्हा ज ११
 वीन्हापहाना ज ११६
 वीर ल ५४, ब ४५८, क २१८, क
 २२१
 वीरता ज ८९३, ख ९३६
 वीरफ़ड़ क ५४
 वीर ल ५२६, ख ५४, क २१८
 वीर कमता ब ९३३
 वीर ग ६४९, म ६६७
 वीरर ब ५५३
 वीरू ग ६४९, म ६६७
 वीना ज ४९२
 वीरक ब ४५३
 वीनाना ज ७१९
 वीरवर ब ३२२
 वीरक क ४५९
 वीरर ब ६५२
 वीरलखोर ज १६३
 वीरलखोटी ज १६४
 वीरता ज १६३
 वीरनी कला ज १६५
 वीरनी खाना ज १६५
 वीरुता ज १६३
 वीरुनी ज १६४
 वीरुनी ज ६३७
 वीरिया ब ४२

पुईक अ ४८६ अ २७९
 पुईक क ३५२, अ ३५
 पुकिहाय ग ३५७
 पुकिहारि म ३५८
 पुना अ ८८४
 पुनेबाका अ ८८६
 पुना हुमा अ ८८५
 पुनिरा अ ८८५
 पुनीटी क ४८९
 पुनीटा अ ५९३
 पुनीटी रेना अ ५९१
 पुधी अ ४९१ क २१३
 पुप अ ६६, अ ६८
 पुपचाप अ ६८
 पुप्पा अ ३६४ अ ५१९, अ ६७
 पुप्पी अ ५२ अ ६९
 पुमता अमान अ २६८
 पुमता अ ४७ अ ७३८, अ ७४
 अ ३७७
 पुमता अ ७३९, अ ७४१
 पुमता अ ९२
 पुपना अ ९ अ २१
 पुममुका अ २६८
 पुममुकाता अ ३४९
 पुममुकाहट अ १५
 पुम्बी क ४२
 पुम्बवाज अ ३७१
 पुपी ग ५१
 पुफ अ ३४१ अ ८४१
 पुफता अ ८४३, अ ९१५
 पुजा ग ६४७
 पुजा क ५५८, क ३३३ क ३३४ क ३५५
 पुजाकर्म ग १४९

पुकामनि क १६५, क ३२८
 पुकी क ३३४ क ३५५
 पुत ग ८२, अ ३५
 पुतक म ८२
 पुत क ३६, क १८८
 पुता क १८८, क ७१८, अ ८११
 पुती अ ४८ क २१३
 पुमना अ १३९
 पुत करना अ ५५२
 पुस अ ५५१
 पुसता क ११५
 पुर्म अ ५५१ क ७ क ३५
 पुर्म करना अ ५५२
 पुस्ता क ४२
 पुस्ता अनाता अ ८९
 पुतता अ १२६, अ १३४
 पुहा क १९३ म ५३२
 पेचक अ ५१
 पेट ग २२४ ग ३८३
 पेटक म ३८३
 पेटी अ ३८४
 पेट अ १३ अ ८३४ अ ८४
 पेटन क ११२, अ ५, म ६ ग ७
 पेटना ग १३२, अ ५, अ ८३७ अ ८४
 पेटाना अ २८
 पेटाचनी रेना अ २८
 पेन अ २४७ अ ३४६, क ३४९
 पेय ग ३८३
 पेटी अ ३८४
 पेका अ २४२
 पेहवा ग ५९१
 पेहय ग १५, अ ४६२
 पेहय-मोहरा अ ४६२

शैत छ ३९, छ ७ छ ८५
 शैतन्य क ११२, क २ २, क ३३६
 शैतन्य करना क २ ८, क ७७
 शैतन्य होना क ७६९
 शैतन्यता क ५
 शैतहा छ ४
 शैती छ ४ छ २२७
 शैम छ ३७ छ ३९
 शैन छ २४७ क ४९, क १३३
 शैलेख क ५९३
 शैलेख करना क ५९१
 शौच प १ १
 शौच लागना क ७६
 शौचा प ६६७
 शौचना क ८९३ क ९ १ क ९३४
 क ९३५ क ९३६
 शौचरुख क ४९२
 शौचरुख क ३२२
 शौचा क १ १
 शौच क २
 शौचघरा विद्याना क ७६
 शोट क ५२६ क ७ ३ क २८
 शोट करना क २८१
 शोट खाना क ७ ६
 शोटा क १७३
 शोटिक क २७९
 शोटी क ४२, क ३२५, क २४९
 शोरन क २८७
 शोरना क २८६
 शोरार्ड क २८७
 शोर प ४१८
 शोरी क २ ६
 शोरी करना क २१

शोरी खाना क २१३
 शोला क १२, क २५२
 शोला छोड़ना प १५५
 शोली क २६९
 शौकाता क १२३ क
 शौकियाता छ २९२
 शौक क १४५, क २४६
 शौकड़ी छ २३ क ६८१
 शौकड़ी खाना प ५२
 शौकता क २ २ क २३७
 शौकस करना क २ ८
 शौकस होना क ७६९
 शौकसी क २ ४
 शौकसी करना क २ ५
 शौका क ३२ प २५, क ३२८, क १५४
 शौकी क ३२, क १११ क ३२८, क ५
 क १३ क १८४
 शौकीवार क ३७२
 शौकीवारी करना क २ ५
 शौकोना क ५८७
 शौगान क १४५
 शौगुला क ५९३
 शौगुय छ २३
 शौड़ा क ४३४
 शौड़ाई क ४३५, क ५७४
 शौड़ान क ४३५, क ५७४
 शौड़ापन क ४३५, क ५७४
 शौरुय क १५५
 शौय क ५९५, छ १९
 शौया क ५९२
 शौयाई क ५९५
 शौयापन क ३५
 शौरुय क १ ९

बीच का ११९
 बीच का ३७३
 बीचाहाल का १५५
 बीचाई का २ ३
 बीचाया का ४३
 बीचाका का १४७ का १५४ का २०९
 बीचे का २८५
 बीमासा का ७२
 बीमुहानी का २४६
 बीरपा का ९३
 बीरस का ५७७
 बीरसा का २४६
 बीरक का ३५७ का ३५८, का २६ का २९२,
 का ३२८
 बीरई का ३२८
 बीरहा का २४६
 बीमा का ९३२
 बीरर का ३७३
 बीरसा का २४६
 बीरसकार का १९७

छ

छंर का ५३८, का ५३९, का ५५५, का १९८,
 का १९८, का २ १ का २ ३ का २३७
 का ३५३ का १३८, का ३ ८
 छंर का ३५३
 छंर का ८५४
 छंर का ८८५
 छंर का ५२
 छंर का ३७
 छंर का ६ २
 छंर का ४४
 छंर का ५३३
 छंर का ६८५

छंर का ९
 छंर का ९
 छंर का १ १
 छंर का १ १
 छंर का ६ १
 छंर का ५५५
 छंर का ४७७
 छंर का १४६, का १९८
 छंर का ५५४
 छंर का ८७
 छंर का ५५४
 छंर का २२४
 छंर का ५५३, का ५५४
 छंर का ५९९, का २१ का १२४
 छंर का २१
 छंर का २३२, का ३८३
 छंर का २६८
 छंर का १ का १२३ का १२४
 छंर का ३३४
 छंर का ३ ७
 छंर का २ ३
 छंर का १९८
 छंर का १ का ४६७
 छंर का ४६३
 छंर का ४६७
 छंर का ६
 छंर का १४६
 छंर का २५७ का २६९
 छंर का २ ८
 छंर का २६९, का ३ ८
 छंर का २७ का ८४४
 छंर का २६८

छत्ता न २७ न ८४४ स २ ८
 छत्तागी क ४६२
 छत्तांग न ६८१
 छत्तांग मारणा न ६८६
 छत्तिया क १९२, न २६८, न ३६७
 छत्ती न ४१६, न २६८, न ३६७
 छत्ता क ३३६, क ३५८ क ३६१ क ३६३
 छत्ती न २
 छत्तेदार न ४८८
 छह न ६ ०
 छहिर्मा क २९४
 छीक क १६२
 छीठ न ४९९
 छीठ करता न ५ न ८९९
 छीटना न ५७८ न ७४७ न ८५३,
 न ८८ न ८८४
 छीटा न ८८५
 छीरठ क ५३९, क ५४२
 छीरोप्य क ५५८, क ५५९
 छीह क २९४
 छीई न ४५३
 छीग न ४९१
 छीपल ग ४९१ क ३३५
 छीउ क १६२
 छीवन क २१८ न १९८
 छीवना न ५५४
 छीहना न ५ न ८६८
 छीना क ५५४
 छीती ग ४९, न ५
 छीती के लगाना न १५२
 छीवृत्ति न २४४
 छीवलय न २४५, न २ ०
 छीवना न ३९

छीवनीग न २५
 छीवता न ८७१
 छीव स १९४
 छीवना न २८८
 छीवना स १९४ स २ ६
 छीवनासना न २८६
 छीवनीक न २, क २९४
 छीवर क ४२६
 छीव न २
 छीवटी क २२८
 छीवता न ४७७ न ५२१
 छीवनी न १३ न १३८, न १११
 न २ ५
 छीवनी क १९८
 छीवनी न ७४
 छीवता न ५६५
 छीवनापन न ५६७
 छी छी करता न १४९
 छीवोरपन न ४४१
 छीवोट न ४२९
 छीवटना न ६८५
 छीवना न ८६५
 छीव्युट न ५ ८
 छीवना न ८६५
 छीवना स १४३ स ३१८
 छीवनाथ करना स १४३
 छीवटना न ८६३ न ८९५, न ८७६
 न ८९२ न ८९३
 छीवना न ७३८
 छीव न १ न १५९
 छीव नागा स २१३
 छीवतर न २९५, न ३ २, स ६६
 छीवता न २९९

छिनाळ क २९९ स ३३	छूट स २३
छिन्न-निघ्न क १३९	छूटना क ८५४ स २३१
छिन्न-निघ्न करला क ८२	छूना स २३२
छिन्नस्ता क २ १	छूना क ३६१ स ४१२
छिन्नकसी म ५३१	- छूण क १ क ५२३ क ५४५
छिपला क ७९१	छेकना क ७८२
छिपाणा क ७९२	छेद क १५९, क १९४
छिपाव क ४९७ क ८ १ क ८ २	छेवना क ७३९
छिस्तका म २	छेना क १६४
छीटना स १४३	छेर क ४९२
छीका क ५४ क ५६३	छेरला क ११६
छीटना क ८३३ स ३१४	छेवना क ८८
छीन क ४९९, स ४२	छोकडा म २५
छीनला क ८५३ स २१ स २११	छोट क ४३८
छीपा ग ३६	छोटा क ४२६, क ४२९, क ४३६, क ४३८
छीपी म ३६	छोटाई क ४२८, क ४३
छीमी क ३१	छोडना क ९, क १८२, क ७४१ क ७४७
छीळना क ५७८, क ८५३ क ८८	क ७९४ क ८५३ क ८६८, स २३३
छुटकाला स २३३	छोला स २१
छुटकाय स २३	छोय म २४७ म २५
छुटकाय बेना स २३३	छोरी म २६
छुटकाय पाना स २३१	छोसना क ५७८
छुटना क ८५४	छोला क २५५, क १४३ क १४९
छुटाई क ४२८	छोहण म २५
छुट्टी क १५५, क २ १ स २३	छोहाका क ३६३
छुडना क ८५४	छोक क ७४
छुडना स २३३	छोकन क ७४
छुडना स ४१३	छोकना स ९४
छुड क २६८	छोला म ४३१
छुटी क १ क ५४५	ज
छुहाय क ३६३	जय स २६२
छुड क ८ ४	जंग जडना क २८२
छुडी क ३२९	जमम क १७८

अंगक क ११	अमरन्वा क १९४
अपला क १६६	अगरीश क ११२, क १३४
अमली छ ९९, क ५५३, क ५५७	अपराध क ११२, क १३४
अंगी क ४२५	अमलापपुरी क ५६
अंभा म ८४	अममयाता छ २८९
अंधिया क २५९	अमनाहट छ २८७
अंधना क ४६९	अमह क १, क ६९२, क २५५
अंधवाना क २५५, क ७२५	अपाना क ७७
अंधीर क ३५३, क ३४६, क ३४९, क ४	अचल म ८२, म ८४
अंधर क ३३१	अचल्य म २९६
अंधु दे 'अंध'	अच्छा म ४२१, म ५४
अंधी क ३५१	अच्छासला क १५
अंधर क २७	अज म ३६६
अंधुक क २८९, म ५१३, क ५१९, क ३९९	अजमान क ८७
अंधुल क ४	अजीय क ९२
अंधुलीप क ५८७	अटना क २७, म २८
अंध क ३५३	अट्य म ३७, म ४३, म ११, म २९, म ६७, म १२७, म २९३
अंधी क ७५६	अटावारी क १६५, क ९९, क ४८७
अंधीरी क ३५४	अटमासी क १९३
अंधी क २४, क २३७	अटामु म ६२३, क १७७
अंधी म ३४	अटिठ म ३२५
अंधी म ३५	अटिक क ६५, म २६२, क ४८७
अंध क ७३, क ३२१, क ३३९	अठर क ४६६, म ५२, म १११
अकड़ा म २३५	अठरलक छ २७३
अकटा क ५७, क ५१५, क ४१	अठरमि क ४६६, क २७७
क १९५	अक क १३, क ३२, क ४५८, क २६२, क ३६४, क ६७९
अक्षीय क १२४	अकटा क १८५, क ३६६
अक्षी म २७९	अकना म ३२४
अक क १३	अकहल म २२७, क २३२
अकम क २	अकाना क १४५
अकक १६५, क ३१३, क ३३, क २६३	अकिय क ३२५
अकटी क ९, क १३	

पद्मीश्री व १३३
 पद्मीश्री व ३२५
 पद्मीश्री व ५३
 पद्मीश्री व २६२, व २ ८
 पद्मीश्री व ४६७ व ९९, व ३२४
 पद्मीश्री व ९२५
 पद्मीश्री व १ ०५
 पद्मीश्री व ३९९
 पद्मीश्री व ३९९
 पद्मीश्री व १ २४ व ४०४
 पद्मीश्री व ३७९, व १०४
 पद्मीश्री व ३४
 पद्मीश्री व ३४६
 पद्मीश्री व ११२, व १४४ व १०४ व ५६
 पद्मीश्री व १४५, व १४६
 पद्मीश्री व १७७ व ४२१ व १९६, व ३२४
 पद्मीश्री व ३४८, व १ ७
 पद्मीश्री व ३८५
 पद्मीश्री व १४४
 पद्मीश्री व ८१३
 पद्मीश्री व ११५
 पद्मीश्री व ३८
 पद्मीश्री व १३ व २२ व १२५
 पद्मीश्री व ३८५
 पद्मीश्री व २२५, व १७७
 पद्मीश्री व १३४ व ३९९
 पद्मीश्री व ८१
 पद्मीश्री व १ ६, व १५
 पद्मीश्री व ५३
 पद्मीश्री व १४४ व ८१२
 पद्मीश्री व २३
 पद्मीश्री व १२५, व १४६
 पद्मीश्री व १५६, व ३१६

पद्मीश्री व १४५, व ८१७
 पद्मीश्री व १२५, व ३१५
 पद्मीश्री व २१२
 पद्मीश्री व १६५, व १०४ व २५
 पद्मीश्री व ३८ व ४८
 पद्मीश्री व ३९, व ४९
 पद्मीश्री व १६९
 पद्मीश्री व ९
 पद्मीश्री व १९५
 पद्मीश्री व १ ३
 पद्मीश्री व ४
 पद्मीश्री व १७४ व १६९
 पद्मीश्री व १७४ व १७५
 पद्मीश्री व २१३ व २७ व ११४
 पद्मीश्री व ३१७
 पद्मीश्री व ६८९, व ८५९, व १४५,
 व ३१६
 पद्मीश्री व ३६
 पद्मीश्री व ३८१, व ४११ व १०४
 पद्मीश्री व ८४८
 पद्मीश्री व ८ व ३३६
 पद्मीश्री व ३५४
 पद्मीश्री व ३५५
 पद्मीश्री व १ व ६९१ व ८५८, व ९ २,
 व ३१५
 पद्मीश्री व १७३
 पद्मीश्री व ८ व १२४ व १२५
 पद्मीश्री व ३४६
 पद्मीश्री व २१९, व ४७९
 पद्मीश्री व १२४ व १२५ व १२७
 पद्मीश्री व ३११
 पद्मीश्री व ३७४

अमूर्त्य य ४८६
 अमेटी य ५५५
 अम्नोषी क ५९
 अयंठ क २२८, क ३७ क ४२५, क
 २९
 अय क १४५, क २२८, क ४१४ य १८,
 य २३७ य २८८
 अयकाम्य क ५८
 अयइय क ४३९
 अयमाळ क ३३३ क ३४६
 अयहिंद क १६६
 अय ख ३८ ख ४९१ य १३
 अयखेज य ११
 अयठ छ १७४ छ ३४
 अयठपन क ३५
 अयख क ३७
 अयखा क १८९
 अयवी य ३९
 अयला क १४
 अयख क ५६२
 अयख करना क ५६३
 अयखन क २६५
 अयय य ९१ क ३५
 अययना क १३ क ११
 अययतंभ क ४४२
 अययह क ५३९
 अययीया क ३७२
 अययत य ४२१ य
 अययत य ४२१ ई
 अययती य ४२१ या
 अययत क ३४
 अययत क ३७
 अययती क १८

अयवी क ३९
 अयवी य ८९५
 अयवीह क ५३९
 अयवीही क ४३४ क ५४
 अयय क ४७ य २६२
 अययतर य ५७७ य ५८९
 अययविक्रिया क ४३२
 अययक क ३०७ य ५७७, य ५८५
 य ३२८, य ३८८, य ४८३ य ४९९
 अययनात य ३८८
 अययमकाम्य य २६९
 अयय क २३९
 अययतर य २६४ छ २३९
 अययवि य ५२, य २६४
 अययन क ४५५, क २८२, य ३३९
 अययना क १४ क १५
 अययपान क ४१ क ३८१
 अययपान करना क ११२
 अययप्यावन य २८४
 अयययामु क ३२५
 अययया य ९२५
 अयययाना य ८३१ क १३, क ११
 अयययवन क ४२३
 अयययसय य १७३ य २७१ य ३३९
 अयययी क ३४५
 अययीक करना य ३४६
 अययीक होना य ३४७
 अययीवी क १८
 अययीका य ५९६
 अयय क १५९, य ४४३
 अययबाइ छ १६४ य ४४८
 अययबाडी छ १६२, य ४४४
 अययी छ १५८, छ १६२, य ४४४

अस्वी करना छ १६१ अ १८
 अस्वी मथाना अ १८
 अस्पना अ ११३
 अस्तास म ३७३
 अक अ २३६, छ २६५, अ ४४३
 अवनिका छ ४९७
 अवारि म १६३
 अवाग अ ३२
 अवानी अ ३३
 अवाव अ २६७
 अवावरेह अ ३८
 अवावरेही अ ३८१
 अवाहर म ४८
 अवाहरबाकेट छ २५१
 अवाहरण अ ४८
 अलम अ १२५
 अमुमति क ४ ९
 अस्ता अ ४५५
 अहभूम क ३१९, क ५३२
 अहर क १८३ म ५६३ अ ४७८
 अही अ ९९
 अही कही अ ९९४
 अही ठही अ ५ ८ अ ९०१
 अहाड छ ३८
 अहाग अ १ ३
 अहाकत अ १ ४ अ ३६६
 अहीन अ ३६३
 अहेत्र अ ४१९
 अहनु क १३४
 अी अ २
 आयत म ९१ अ ४७८, अ ५५६ अ ५५७
 आय म ८४
 आयिपा छ २५९

आय अ २५० अ २५८, अ १६२
 आयना अ २५४ अ १९६, अ ३५४
 आय-यकठाल अ २५१
 आयि छ ४६१
 आयिवाल क ३८४
 आ क ३६७ म १७७ म २५
 आर्द म २६ म ४ ३
 आकेठ छ २५१
 आयना अ ७६९
 आयरण अ ७६८
 आयस्क अ ३४८
 आयति अ ७६८
 आयीरधार म ४ ५ अ
 आयति अ ७६८
 आयक म ४३६
 आयना अ १९६
 आग्नस्यमाण छ २८८
 आटू अ २२४
 आडू छ ७५
 आडा छ ६७ छ ७५, छ ८ छ ८२,
 अ १३६
 आडा कुसार अ ४९४
 आठ म १४४ म २५ अ २९० म ३
 अ ८१८
 आठक क ५९६, म २४७ म ४२२,
 म ४२६
 आठवेर क ३११
 आठा म २६
 आठिल २०१ म २८१ म ३ म ६१५,
 अ ३
 आठू क ३६२, अ ३२६
 आठूगर म ४ ७ अ ३२७
 आठूगरी म ३२८

पान न ८४ अ १ ३	पारव म २४६ अ १८
पानकार अ ३६३	पाक क ५६१ क ५७१ अ १२४
पालकारी अ १ ३ अ ११७ अ ३६५	पानिम अ १७
पालकी क ३६७	पाकी क ५५८ क ५६१
पान आना ग १५५	पावक क ३२४ अ ३३५
पानना अ ११	पानाळि क ५५८
पानपह्णान अ ११४ अ ११६, अ ११७	पानिनी अ २२१
पानपह्णानी अ १११	पासुय अ ३७७
पानवर ग ४३	प्राहित करना अ ७९९
पाना क २, अ १ ५, अ ३८४ अ ३९५	प्राणनी अ २९
अ ३६७	पिब क ३५
पानामुष्ठा अ १ ५	पिबगी ग १४२, अ २९
पानी ग ४ अ २२५, अ २६७ अ १५९	पिबा रे परिशिष्ट क १
पानु अ ८४ अ ८५	पिब अ १ ८, अ ६२१
पाप क ४८, क ५१	पिगर अ १, अ ११ अ ११६
पाफपनी अ ३७	अ २ ९
पावर क १ ८	पिबिया ग २ २
पाष्ठा अ १७८	पिबाघा अ ११९
पाम क ४४३ क १ क १२८	पिठ क १८८, अ २८८ अ २९
पामरथ क ३८४	पिठेप्रिय क ३८
पामा क २१८, क २५२	पिठ अ ७३
पामाठा अ २६३	पिठ करना अ ७५, अ ८१
पामिन अ १८७	पिठी अ ७४
पामुन अ ४ अ ४१	पिठ क १३४ क २९७ क ३५ क ३५६
पामुनी अ ३ अ ४५, अ ४६	क ४७७ क ४८४ क ५३१
पाक्का क ५१ अ १२४	पिनिस क ३६
पामका सेना अ १२५	पिण्ड क ३६
पामकेशार क ५ क ६ अ १२७	पिरील क ५२८
पामर अ ४२	पिरीक्य अ २११
पामरा अ २५	पिम्मा अ ३८१
पामफल अ २२	पिम्मेवार अ ३८
पामा अ २२५, अ १५	पिम्मेवाठी अ ३८१
पार अ २२७ क ५७१	पिम्मेवार अ ३८

- त्रिम्बेवारी व ३८१
 त्रिपाईळी व ३२३
 त्रिपावटी स १६९
 त्रिपालोमी व ३२६
 त्रिपुळ व ४८ व ११९
 त्रिरीफ व ५०१
 त्रिस्त व ९०
 त्रिस्त व ३४८, व ९४९
 त्रिस्त उदना व ३४
 त्रिपुळ १३४ व २२५, व २९७ व ४१७
 त्रिस्त वगह व ९९
 त्रिस्त व १२
 त्रिस्तामी ग १२ व
 त्रिस्ता ग २७ व १३९
 त्री ग १३
 त्रीवा ग २३
 त्रीवी व २२
 त्रीव व २८८
 त्रीवता व २९३
 त्रीन व २२३ व ३९३ स ३४
 त्रीगा व १५७
 त्रीम व २३ व २७
 त्री भर आना व ३७
 त्रीमी ग २७
 त्रीमता स ११७
 त्री मित्रनागा व ४९८
 त्रीभूतनाहन व २२५
 त्रीव व २२२ व २२३ व ३९ व ८१
 त्रीव छत्रे व २२२
 त्रीव स्वाह व २२३
 त्रीरो व ५७३
 त्रीर्व व १३७ व १३९, व ३४ ३५ ४५
 त्रीर्वता स ३५
 त्रीवस्तन व २२१
 त्रीर्वतीर्व व १३९
 त्रीर्वतीर्व होना व १३३
 त्री सलवाता व ४७२
 त्रीव व १३४ व १ ग ५, ग ६, ग ७
 व १९, व ३५
 त्रीवस्तु व ४३
 त्रीवट व २९
 त्रीववारी व १ ग ४३०
 त्रीवत व ९२, व १४२, ग १२९, व २५५
 व १५७
 त्रीवतकाल व १४२ स २९
 त्रीवत पागा व १४५
 त्रीवत भर व १४९
 त्रीवनी व २४ व २२
 त्रीवामा ग ५, ग ७
 त्रीवित्तुविका व २१७
 त्री हटना ग १२५
 त्री हटना व १२३ व व १२६ व १२९
 त्रीनी व ५५४
 त्रीनाडी व ४१५
 त्रीनाम व ४७५
 त्रीमित्त स ३७
 त्रीव व १ व १ व १६, ग ७
 त्रीवगु व ६७१
 त्रीवगुविका व ३२३
 त्रीववता व ८५८
 त्रीवली करणा स ११९
 त्रीवत स ३७
 त्रीवुगु व ६७१ व ३३१ व ३४६
 त्रीवुगु व १८६, व १४८
 त्रीवुगुवित्तु ग १५४ व १६
 त्रीवुगार व ३६४ स २६२

पुस्तार करला न २८२
 पुस्तारु क १ ३
 पुटना क २८६, न ८५९
 पुठ्या न १५२, न ८५८, न ८६६,
 न ८७४
 पुठारला न १२५, न ३८२
 पुठ्या न ८५९, न ८७४
 पुठ्याना न १ १ न १४
 पुठ्याना न ३७ न १ २, न १४२
 पुठ्या हुमा न ८७५
 पुषा न ८५५, न ४ ६
 पुषाई न ८५६
 पुषाई करला न ८५६ न ९ १
 पुषा होला न ८५४
 पुषाई क ३ ७ न १६, छ १४५
 पुमा क १२१
 पुमापठ क १२
 पुम्का न २३२
 पुम्ना न २२४ न
 पुम्नागा क ४३८
 पुम्नागा कनागा क २२५
 पुर्म न २२
 पुर्म क २६७
 पुर्मपिती न ४५६
 पुर्कार छ ३८
 पुर्कारा न ३५९
 पुर्म न १६९
 पुर्मि न १७
 पुर्मपठ न ३५४
 पुर्म ५५४
 पुर्मि न ५५४
 पुर्म १३ न ५५४ न ३१२
 पुर्म न २३८

पुस्ताना न २८ न २८२
 पुर्म न ४३ न १२७ न १२८
 पुर्म क ४९८
 पुर्म क ४९८
 पुर्म ग ४३
 पुर्मि न ४९१ न ४९४
 पुर्म क २९७
 पुर्मि क २९७ क २९८
 पुर्म क ३८
 पुर्मि न ४ ५
 पुर्म न ४४६ न ७५६
 पुर्मि न १७१
 पुर्म न २४२, क ४३ क ७ क ७१
 पुर्मि न २४२
 पुर्मि क ४४
 पुर्मि क ४४
 पुर्मि क १३४ न २९
 पुर्मि न २९९
 पुर्मि क ४९६
 पुर्मि क ४९८
 पुर्मि करला क ३८४
 पुर्मि न ४३८
 पुर्मि क ५ ४ क ५१८, क ५१९
 पुर्मि न १८२ न २२२
 पुर्मि क ३२७
 पुर्मि क ३७ क ३४
 पुर्मि न १३१ न ३६२
 पुर्मि क ३
 पुर्मि क ४७२
 पुर्मि क ५७१
 पुर्मि क ५५१
 पुर्मि करला न १६७
 पुर्मि न ४२२, न १ १

बी हिंदू करमा अ १६७
 बीक म ५९६
 बीबरी अ २४५
 बीक १ १ अ १ ४
 बीकाम अ ४७५
 बीक अ ६४५, अ ९५७
 बीकामा अ ९५६
 बीकाई अ ९५७
 बीक क ६६
 बीम-टोट करमा क ३६१
 बीपबाना अ ८५८
 बीमाइ अ ३७
 बीमाइ करमा अ ८५८
 बीमिन क १११
 बीगिमा अ ४३८
 बीपी क ६४ क ११
 बीगोस्वर क १६५, क ३९९
 बीइ अ ५५८, अ १ ७ अ ३९३
 बीइ आना क २८६
 बीइना अ ५५९, अ १५९, अ ८७४ अ
 ८८१ अ ९ २
 बीइना २९७ अ ८७५, अ ९ ४
 बीइनी अ १ ५, अ १ ९, अ ३७७
 बीइनी-गाइनी अ २८
 बीउ अ ५५
 बीउना अ ३११
 बीषा अ ३६४
 बीभूषी अ २४३ अ २४४ अ २४५,
 अ २४६
 बीभूषी क ३ ७
 बीबन अ ३३
 बीम य ४ ग २२५
 बीर अ ३७३ आ अ ९७४ अ ३८

बीर आना अ ३७८
 बीरदार अ ४
 बीरना अ ८७४
 बीरसोर अ ३८
 बीरु ग ४ म २२५
 बीबना अ ४५३ अ ७२३
 बीष अ ४ अ २१२
 बीष-सरोष अ २१२
 बीष आना अ १ ६
 बीष रैना अ ९ अ ९९
 बीषन अ ३३३
 बीष में आना अ २११ अ १ ६
 बीषिता ग ४
 बीषु अ २५८
 बीइना अ २५८, अ ४५३ अ ७२३
 बी म २३६
 बीमा म २२५
 बीहर अ ४८
 बीहरी म ४ ८
 बीत अ १ ५, अ ११८, अ ३८४
 बीत करमा अ १ ९, अ ११
 बीतम्ब अ १ ७
 बीता अ १११
 बीम क ७४ क ५३४ क ५६ अ २३५
 ग १३२ अ १ ३ अ ३६५
 बीमगम्ब अ १ ७
 बीम रैना अ २६२
 बीम प्राप्त करमा अ १ ९
 बीमबान अ १११
 बीनी क १७ क ७५, अ १९ अ १११
 अ ३६३
 बीनेत्रिय अ १३५, म १३५, अ १३९
 बीषि अ १ ३

श्रेय अ १ ७
 पयारडी अ ११३
 पयारा अ १११ अ १२४
 पयारा हीना अ ११७
 पयामिठि अ ५५५
 प्येठ क ११२ ग २४२, छ ४३
 प्येठला क १६१ ग ७२, ग ५३१ अ २७
 अ ४५
 प्यो अ १ १
 प्योठि क ११४ क २९७ क ३११ अ ८६,
 छ ८७ अ ९, अ २६, छ १८३
 प्योठिरियन अ ६७१
 प्योठिर्मय छ २८५
 प्योठिर्मिय क १६५
 प्योठिय क ५५५ अ २३७ अ १४७
 क १४८ अ २७
 प्योठिपी क १५ अ ४
 प्योठला क १ ९, अ १६
 प्योमेटी क ५५५
 प्यार अ ४९१ अ ४९३
 प्यार क ३११ छ २८७
 प्यारन क ३११
 प्यारिठ छ २८८
 प्यार अ २४३
 प्यार छ २८
 प्यारो छ २८

संसरी क १६९ अ १६९
 संसा छ २६९, छ २७
 संसापाठ छ २७
 संड क ३७
 संडा छ ४०२
 संडी छ ४ २
 संदु अ ४३६
 संप छ ३२१ छ ३४५
 संपना अ ३२८
 संपिय अ ३२७
 सक अ ३३६
 सकसक करना अ २८
 सकोर छ २६६, अ ७१४
 सकोरना अ ७१५
 सकोरण छ २६६
 सकक अ ३३७
 सककी अ ३३५
 सकय अ ५८४ अ ७
 सकडना अ २८
 सकडा अ २६९, अ २७६, अ १३१
 सकडा करना अ २८०
 सकडाशु अ २८१
 सकरना अ २८
 सकरा अ ३४३
 सका छ २४३, छ २७८
 सकुमी अ २७८
 सक छ १५८, अ ४४३
 सकक क १५८
 सककना अ ३६१ अ २ ९, छ ११
 अ २११
 सककारना अ ५५२
 सकना अ ८११
 सकपना अ ४८

सु

संकार अ ६४५
 संकारना अ ९३
 संदुत होना अ ९२
 संदुना अ ३४७
 संदुनी छ २७८

गुप्त होना अ ३०
 गुप्ति अ २६२ अ ३३
 गुप्ता अ १३१ अ १२२
 गुप्तासंग अ १२१
 गुप्तिन अ १४ अ १२१
 गुप्तिन होना अ १३०
 गुप्ता अ १३१ अ १२२
 गुप्त ह ४०६
 गुप्त म १२, ग १२९, छ १६४ छ २८७
 छ ३८३ अ २५२ अ ३०८ अ ४४३
 अ ४४८ अ ३८ अ १७१ अ २६६
 गुप्त करना अ २६७
 गुप्तकर्ता अ २५२
 गुप्तगाय ह ८२
 गुप्तवान अ ४ अ १७२
 गुप्तवाही अ ३०८ अ १७२
 गुप्तवाता अ २८५
 गुप्ती छ १५८, छ १६२ अ ३०९, अ ४४४
 गुप्त अ १०८
 गुप्त अ ११८
 गुप्त अ ९
 गुप्त ह ३१३
 गुप्त अ २३१
 गुप्तवाती ह ५५६
 गुप्तवर्तिन अ ६७
 गुप्त लक्षणा अ ९
 गुप्त अ ३६३
 गुप्त अ ३३
 गुप्तलक्षणा अ ३३४
 गुप्तलक्षणा अ ३५ अ ३५१
 गुप्ति अ ११
 गुप्त अ ४४
 गुप्त अ ५८८

तेही अ ९४ अ ८९
 ती कर्मा अ ४२६
 तीतिरम ५९२ ग ६२९
 तीमितीय क ५४८, क ५५४ अ ५५८
 अ २५७
 तीवार अ १८४ अ ३०४ अ ३७६, अ ४९८
 तीवार करना अ ९४४
 तीवार होना अ २ १
 तीवारी अ ३७५, अ ३७७
 तीवना अ ४१८ अ ४२
 तीवक अ ४२१
 तील ह ३१३
 तीलवार म ३१९
 तीलवर्तिन अ ६७
 तील अ ०३
 तीला अ १ २
 तीले अ १ ३
 तीर ह ६
 तीरवाला अ ५३१
 तीरवा अ २ ३
 तीरनाक ३७९, अ ८५३ अ ८७३
 तीरना ह ३३१ ह ३३४ ह ३३५, ह ४०४
 अ २८१
 तीरुई अ ४१
 तीरुणा अ ५२१
 तीरुणा अ ५३२
 तीरुना अ २३३ अ ६१७
 तीरु ह ४ ३
 तीरुना अ ७१८
 तीरु अ ३३३
 तीरुवर्तिन अ ३६४
 तीरु अ
 तीरुई अ ३८३

शोरज क १६५	शरज क २३७
शोरज क १५९	शरज केन क २३३
शोरज क १५७	शरज क २२४ क २२९
शोरजा क १५६	शरज घाना क २३४
शोरज क २८५	शरज क २४९
शोरज क ३३	शरजना क २३५
शोरजमात्र क ३५	शरजिज क २३७
शोरज्य क २८२	शरि क ५८७
शोरक क ३३१	शरि क १८ क ३७९
शोमी क १ १४	शरिना क १७
शोर क २ ५ क ३७	शरिना क १७१
शोरि क ६ ४	शरिनादर्या क १७१
शोरि क ६४५ क १५९	शरिनावेता क १७१
शोरिना क १५६	शरिना क ५८६
शोरिनाई क १५७	शरिना क ३३२ क ३३४ क २५९
शोरिनाई क २५७	शरिना क १९४ क ५८८
शोरी क २५७ क ५४७	शरिना क ३९५
शोरज क १८	शरिना क २३८ क ३
शोरज क १९३ क २३२	शरिना क १२२
शोरज क ६६ क १८ क १९५	शरिना क ४४२ क ४४९
शोरजना क १८२ क ८६८ क ४१	शरिना क १९२
शोरजी क ११ क १८१	शरिना क १६५ क १७९ क ४५९
शोरज्य क १९१	शरिना क २९
शोरि क १ २	शरिना क २८५
शोरि काना क २३६	शरिना क १८ क २५८ क २५९
शोरिना क ३३	शरिना क २३७
शोरिना क ६ क २ १	शरिना क १६५
शोरि क ३२१	शरिना क ५३
शोर क ५८७	शरिना क २ ३
शोरमात्र क २९१	शरिना क ११२
शोरि क १९४ क ५३८	शरिना क १९४ क १९८ क २९७
शोरिना क ६१८	शरिना क १३४ क ३६६ क ३६९
शोरिना क १ ८	शरिना क १९५

विशेषी न ११० अ २९६
 विशेषी ग २८५
 विशेषी क ४७ ग ५२१
 विशेषी ५८७
 विशेषी १८९ अ ५ १ अ ८५१
 विशेषी १० अ २०
 विशेषी १००
 विशेषी ११४
 विशेषी ११८, क १९४
 विशेषी १२०
 विशेषी ११५, अ २
 विशेषी १५८ अ १६२, अ ४५१
 विशेषी १५८ अ ४५१
 विशेषी १६५, क २९८

घ

घ ५११
 घ ७८९
 घ १ १ अ १०९
 घ ७५१
 घ १६५, अ ७५१
 घ ७५२
 घ २९१
 घ ७५१
 घ १११ अ ७५२
 घ १११, अ ७५१
 घ ७५१
 घ १११ अ ७५२
 घ ७५२
 घ ५११
 घ १ १
 घ १११ अ २८

घ ६१ अ २८
 घ १९९
 घ ११८
 घ २३४
 घ १०
 घ १४५
 घ १० अ २३४ अ २४५
 घ ६८
 घ ४४०
 घ २३४ अ २४५
 घ १
 घ ७५
 घ १ अ ११
 घ ७
 घ ४
 घ १५, अ २५४
 घ ७८८
 घ १ ५
 घ १५, क १५० अ ४३० अ १
 अ १९१
 घ ११० अ १८४
 घ ७३८
 घ ७३८, अ १०१
 घ ४४
 घ ४४
 घ ४४
 घ ११
 घ १११ अ १८१
 घ ११८, अ ६८९
 घ ११ अ ११
 घ १ ७
 घ १११
 घ १११

बुड़ीबुड़ी का ३५६
 बुड़ीबुड़ी करना का १४९
 बुन्ही का ५३८
 बूक का १२२
 बूकना का ३६ का ८९९
 बुड़ी बुड़ी करना का ३६
 पू पू करना का १४९, का ३६
 बून का ५३८
 बुनी का ५३८, का ५३९
 बुन्ही का ५३८
 बुरना का १५६
 बूल का ४६५
 बूला का ४९८
 बूहर का ९७
 बेरीगापा का ५९६
 बीला का ४९५
 बीसी का ४९६, का ४९४ का ५५८
 बोक का ९२४ का ९२५
 बोड़ा का ५ ३ का ९१
 बोड़ापन का ९१२
 बोड़ा होना का ९१५
 बोपना का ३७८
 पीर का ९१
 पीरि का ९१

ब

बंका का ४४
 बगल का ९२४
 बगा का ५८५, का १७५, का १६२
 बंड का १ २, का १३४ का १६५, का ५२८,
 का ५५५, का १ का १२७ का १२४ का
 बडक का ३ ३
 बडनीय का २३६

बंडपाणि का २३८
 बंड लपागा का २२५
 बंडवत का १६६
 बंडित करना का २२५
 बंडी का १६५, का ३१७ का ४२४
 बंत का २५
 बंतच्छत्र का २४
 बंतमानन का ८१ का ५५९
 बंतुल का ५२३
 बंतुला का ५२३
 बंतुली का २५
 बंपति का २४१
 बंन का २३६
 बेंवटी का ५३४
 बंस का ६७६, का ३६१
 बंसन का ४ ८
 बंटु का २५
 बंटुा का १ ३
 बंसना का ३६२
 ब का २ १
 बडव का ३४६
 बक्षिण का ८१
 बख का १३४ का २०५, का ५७८, का १३५,
 का ३६३
 बसता का ३६५, का ३६८
 बसमुता का १८५, का २८५
 बक्षिण का १५२, का २२६, का ७६, का ७६,
 का ८१ का ९८
 बसत का ७४२
 बडा का २६९
 बदाबाद का २६८
 बदाबादी का २६९
 बगिआना का ३७५

राज करना अ ८३१ ता १ ३
 राज होना ता १ ४
 राजियत अ ४९
 राजपुत्र अ ५५९
 राजपुत्र २५६
 राजविता अ १२२
 राजायेय अ १५४ अ ४९८, अ ५५८
 राज न १६२, न २१८
 राजीवता न १६५
 राजु न ४४९
 राजि अ १५६
 राजिगुण अ ३ ७ अ ४८३
 राजीव अ ४५२
 राजु अ ४५१
 राजु अ ३४६
 राजना अ १४
 राज ठ १ ता १८३
 राजरा अ २४८, ता १०१
 राजक राजा अ ७ १
 राजा अ ८२ अ ३३२ अ ८ ७
 राजा अ ८३ अ ३९१ अ ३४७
 राज अ ७३८
 राजीव अ ५ ६
 राज ५५३४
 राज अ १८, अ ११४ अ ४४७ अ ३८७
 अ ७१३ ता ३८, अ ३७७
 राज अ ३८७
 राजना अ ३८, अ १४१
 राजलिला अ १११
 राज अ ११६ अ ११७, अ ६ ६
 अ ४३४
 राजा अ ११४
 राजा अ ७

राजा ग २६३
 राजामा ग ११३
 राजा अ १९
 राजा करना अ २५
 राजानिधान अ २२
 राजानिधि अ ११२, अ २२
 राजास अ २६
 राजापूर्व अ २७
 राजाई अ २२
 राजा अ ३२, अ २०१
 राजास अ २२ अ २६
 राज ग १४६, अ २८३ अ २५ अ २५२,
 अ ३११ अ ४६५
 राजना अ ८९२
 राजा अ २
 राजाह अ २२४
 राजन ग ६१७
 राजी ग ३३७
 राज ग ४८४ अ ५ अ ३१०
 राजी अ ०
 राज ग ३८ अ ४४३
 राजास अ १९६
 राजा अ १७४
 राजाजी अ ३१६
 राजियत अ ८५
 राजरा अ ११२ अ ११३ अ ११५
 राजन अ ३७१
 राज अ १५
 राज अ १
 राज राजा अ ६ ३
 राज राजा अ ८ ३
 राजु अ ४ ५
 राजीव अ ३ १ अ ४ ६

बुड़ीबुड़ी व ३५६
 बुड़ीबुड़ी करला व १४९
 बुन्ही क ५३८
 बूक य १२२
 बूकना व ३६ व ८९९
 बुड़ी बुड़ी करला व ३६
 पू बु करला व १४९, व ३६०
 पून क ५३८
 पूनी क ५३८, क ५३९
 बुन्ही क ५३८
 पूरला य १५६
 पूल व ४६५
 पूला व ४९८
 पूहर छ ९७
 पेटीयावा क ५९६
 पीला क ४६५
 पीली क ४९६ क ४९४ क ५५८
 पीक व ९२४ व ९२५
 पीका व ५ ३, व ९१
 पीकापन व ९१२
 पीका होला व ९१५
 पीपना व ३७८
 पीर व ९१
 पीरि व ९१

व

वंग व ४४
 वनन व ९२४
 वंन व ५८९ व १७५ व २६२
 वड क १ २, व १३४ क १६५ क ५२८,
 क ५५५, छ १ छ १९७ व २२४ व
 वंरक य ३
 वंरनीय व २३६

वंरपाणि क २३८
 वंर समाना व २२५
 वंरवत व १६६
 वंरित करला व २२५
 वंरी क १६५, क ३१७, व ४२४
 वंत य २५
 वंतच्छर य २४
 वंतवानन य ८१ क ५५९
 वंतुळ व ५२३
 वंतुला व ५२३
 वंतुली व २५
 वंरति य २४१
 वंर क २३६
 वंरटी क ५३४
 वंर व ६७६, व ३६१
 वंरन क ४ ८
 वंरु य २५
 वंरु व १ ३
 वंरगा व ३६२
 व व २ १
 वडत क ३४६
 वडितन व ८१
 वडा क १३४ क २ ५, क ५७८, य १५५
 व ३६३
 वसठा व ३६५, व ३६८
 वडमुठा क १८५, क २८५
 वडिन व १५९, ग २२६, व ७६, व ७८
 व ८१ व ९८
 वडन व ७४२
 वडा व २६९
 वडावाड व २६८
 वडावाडी व ३६९
 वडिवाला व ३७५

बहना झ १ ४ झ १ ५
 बहुलना ज २३४ झ ३५१
 बहुलाना क २४७
 बहुलत क २३३ क २४६
 बहुलत लाना क २३४
 बहुलक ज ५९७
 बहुलकना म ४९५, क ५९८
 बहुलाना क २८१
 बही क १५६
 बहीबड़ा क १३३
 बहेज क ४१९
 बाँध न २५
 बाँध पीछना ज ९९
 बाँधुल ज ५२३
 बाँधी क ९८
 बाइजा क ४१९
 बाई क १
 बाळ क ४१ ग २१८
 बाळपी म २२८, न २२९
 बाएँ ज ९८
 बाळ म ३६४
 बाळिक ज ७४३
 बाळिक करना ज ७४१
 बाळिक होना ज ७४
 बाए ज ३१४ झ ३७४
 बाळ पड़ना झ ३७५
 बाणी ज ३१५
 बाळिम न ३४४
 बाड़ न २६
 बाड़ी ग ३२, ग ४६
 बाउष्य क २
 बाठा ज २ १
 बाठार ज २ १

बाठील क ५५९
 बाजी न ४२३
 बाब क ४४९, क ४६५
 बादा न १९, म १६२, ग २१८
 बावी म १६३
 बाबुर म ५९३
 बाहु म १६२, म २१८
 बान क ५९ क ५१६, क १९५
 बानकर्ता ज २ १
 बानपान ज २
 बानपुष्प क ११ क
 बान सेना ज १९७
 बानव क ३४६, क ३४७
 बानवी क ३४९
 बानशील क २ १
 बानधीलना ज १९५
 बागा न ३२, क १४२, क २१३ क २१७
 छ २२५
 बागी क २ १
 बाग क ३८ क ४८ क ४५१ क ५२१
 क ९२४
 बागाद म २६३
 बागिनी क ३२८, क ५२१ छ २५४
 बागोर क १३४ क ३९९
 बाग क ३८ क ४१९, ज १९५
 बायजा क ४१९
 बायज ज ५८५
 बापाद ग २५ ग ४२ झ ६
 बापी म ४२३
 बार ग २२५, क ३११
 बारक न १४७ ग २५
 बाय न २२५
 बारज झ २६२

हरिया अ २६४ अ २७१

हरियास्त अ ११८

हरियास्त करणा अ १ ९, अ २८३

दर्शन अ ६१७ अ ९३२

हरित ग ३३८

दर्जी ग ३३७

दर्द अ ४८४ अ ५

दर्द करणा अ ४८२, अ ३७७

दर्दमर अ २२, अ ५ २

दर्दुर अ ५९३, अ ४६१ अ ४८३ अ २३९

दर्प अ ७९, अ ८८, अ २४९

दर्पण अ ३२६

दर्पी अ ५५८

दर्भ अ ११६ अ ५ ८

दर्भा अ १५ अ २४१ अ २५२

दर्भा अ २८३

दर्भ अ ९९, अ १११ अ ७३३

दर्भक अ ७३४

दर्भनक अ ५३५, अ ५६२, अ ७३३ अ ८४८

दर्भन करणा अ ७२३

दर्भन करणा अ ७२५

दर्भन रीता अ ६६४

दर्भनघास्त अ ३२७

दर्भन होला अ ७२४

दर्भनीय अ ४६३

दर्भिय अ ७३५

दर्भी अ ७३४

दर्भ अ ३५९, अ २१ अ ३८४ अ ३९३

अ ८२, अ ९२४ अ ९२८

दर्भमुनी अ १११

दर्भक अ २८६ अ ५ ६

दर्भपति अ ३५८

दर्भक अ ३५९

दत्तवास्त अ ३५९

दव अ ११ अ २७५

दवन अ ४२३

दवना अ ४२३ अ १४१

दवटी अ ५३४

दवा अ ३११, अ ५४४ अ ५४९

दवाताना अ ५४३

दवात अ ३१

दघ अ ६१२

दघकठ अ ३९०

दघकथ अ ३९

दघकथर अ ३९

दघक अ ६१४

दघन अ २५, अ ४ ८

दघमी अ १ ५

दघम् अ ५१३

दघरक अ ३६८

दघहृय अ २ ६

दघा अ ५४५, अ ९४८

दघानन अ ३९

दघ अ ६१२

दघर्षा अ ६१३

दघक अ २५६

दघकार अ ३२२

दघकारी अ ३२३

दघताना अ २६८

दघूर अ ९५३

दघी अ २५५

दघु अ ४१८

दघुनति अ २२५

दघ अ २८२, अ ३१

दघकाना अ १ ३

दघन अ ३११, अ ५८७ अ २३

बहुना झ १ ४ झ १ ५
 बहुना क २३४ झ ३५१
 बहुना ल २४७
 बहुना म २३३ न २४६
 बहुना नाना २३४
 बहुना ५९७
 बहुना ग ४९५, न ५९८
 बहुना २८१
 बहुनी क १५६
 बहुनीका क १३३
 बहुन क ४१९
 बहुत ग २५
 बहुत पीसला क ९६
 बहुतुल क ५२३
 बहुपाँ क ९८
 बहुना क ४१९
 बहुर् क १
 बहुक ४१ ग २१८
 बहुजी क २२८ न २२९
 बहुएँ क ९८
 बहु क ३६४
 बहुल क ७४३
 बहुल कला क ७४१
 बहुल होना क ७४
 बहु क ३१४ झ ३७४
 बहु पड़ना झ ३७५
 बहुनी क ३१५
 बहुमि क ३४४
 बहु म २६
 बहुनी य ३२, ग ४६
 बहुम्य क २
 बहु क २ १
 बहुजार क २ १

बातीन क ५५९
 बाती ग ४२३
 बाद क ४४९, न ४६५
 बाघ ग १९, य १६२, न २१८
 बाघी ग १६३
 बाघुर ग ५९३
 बाघु ग १६२, ग २१८
 बाक क ५९, क ५१६, न १९५
 बाककर्ता क २ १
 बाकपाथ क २
 बाकपुष्प क ११ क
 बाक सेना क १९७
 बाक क ३४६, क ३४७
 बाकनी क ३४९
 बाकशील क २ १
 बाकशीलता क १९५
 बाका य ३२, क १४२, क २१३ क २१७
 क २२५
 बाकी क २ १
 बाक क ३८ क ४८ क ४२१ क ५२१
 क ९२४
 बाका ग २६३
 बाकनी क ३२८, क ५२१ क २५४
 बाकौर क १३४ क ३९९
 बाक क ३८ क ४१९, न १९५
 बाकना क ४१९
 बाकय क ५८५
 बाका ग २५ ग ४२ झ ६
 बाघी ग ४२३
 बाक न २२५, न ३११
 बाक ग २४७ ग २५
 बाघ क २२५
 बाएव झ २६२

वारिका म २६
 वारिख स ४ ६
 वारिधिय स ४ ६
 वाह म १८ ऊ २ ५ व २ १
 बालनीनी ऊ ८३
 वाहन क १३४ क १६५
 वास्तवकुम स २७४
 वास्तुस्थी म ११३
 वासु स ५४९, व १८
 वासु म २५२ ऊ ६९, ऊ ९७
 बालनीनी ऊ ८३
 वासान स १४७
 वासन ऊ ५२९
 वावागीर म २७९
 वावामि ऊ २७५
 वावाय स ३१
 वावालक ऊ २७३ ऊ २७५
 वाघ म २९६, ग ३४१ व ३८३
 वाघता स २४९
 वासी म २२५, व २९७ म ३८४
 वासुत्व स २४९
 वास्ता स २ ८
 वास्य क ७३ स २४९
 वाह स ४५५, ऊ २८२
 वाहना व ५५, स १ ३
 वाह संस्कार करना व ८३१
 वाहिना व ९८
 विक स ५२
 विकपाल व ७७
 विक्रमा व ७२४
 विक्राना व ७२५
 विक्रमार्थ व ७३७
 विक्रमाला व २५५, व ७९५

विसाई बेना व ७२४
 विसाळ व ७३६
 विसाना व २५५, व ७२५
 विसामा हुमा व ७३५
 विसामटी व ३ ९, व ७३६
 विमूठ व २
 विपवर क १३५, क ४७३, क ४७४
 व ३८९
 विगंबण्या व ३९
 विम्वज व ६ ६, व ८७
 विधि क ४५१
 विधिया म २ २
 विन ऊ १ व १३६, ऊ १४२
 विनकर क २९७
 विनविन ऊ १३८
 विनमणि क २९७
 विनता ऊ १४१
 विनाय व ४४९
 विनी व ४६६
 विनेय क २९७
 विनीची व ४८१
 विपना ऊ ४९
 विमाण ग १ ८, व १३१ व ८८
 व ३६२
 विमाण खराब होना व ३३८
 विमाणवार व ८९, व ३६३
 विमाण कड़ाता व ३६९
 विमाणी व ८९, व ३६३
 विमा ऊ ४९
 विमासलाई ऊ ५४५
 विरमाग व ५४४
 विरमानी व ५३८
 विक ग १३३

दिक लीचना क २७४
 दिक्षुपीर क ५९
 दिक्षुपला क २१४
 दिक्षुपत्य क ४६३
 दिक्षुनमई क १३३
 दिक्षुवार ग २६६, क २३
 दिक्षु वेना क १५१
 दिक्षुबहुकाय क ३७३
 दिक्षु में रजना क १५१
 दिक्षुत्वा क १५६,
 दिक्षु छेना क २७४
 दिक्षुवर क १५५
 दिक्षुवर क २१४
 दिक्षुसा क १३३
 दिक्षुेर क २१४
 दिक्षुपी क ३७२
 दिक्षुपी करना क ३७३
 दिक्षुपीकाय क ३७१
 दिक्षुपी क १२२
 दिक्षुपण क २४
 दिक्षुगत होना क १५५
 दिक्षु क २३८, क ३ क १३६
 दिक्षु छ १३६ छ १४२
 दिक्षुा क ६५२
 दिक्षुापता क ४८१
 दिक्षु छ १३६
 दिक्षुाकर २९७ क १
 दिक्षुीया क २ १
 दिक्षु प १७७ क २३६ क ८८, क ४६३
 क ४७४
 दिक्षुाचयु क ४ क ४९६
 दिक्षुता क ४६७
 दिक्षुा छ १६ क १९८, क ८९

दिक्षुा क ६१२, क ७५
 दिक्षुाचिप क ७७
 दिक्षुा होना क ११६
 दिक्षुि क ७२२
 दिक्षुम्बर क ३८
 दिक्षुि क ७२२
 दीक्षु क २४१
 दीक्षु क २५७
 दीक्षा क २६८
 दीक्षा वेना क २४७
 दीक्षा पाता क २४६
 दीक्षुि क २४२
 दीठ क ७२२
 दीदा क ७२२
 दीदी ग २ २
 दीन क १ क ४ ५, क ११ क ५६,
 क २ २
 दीनता क १९१ क ४ ६, क ७५, क ८
 दीनताई क ४ ६
 दीनत्व क ४ ६, क ८
 दीनप्रतिपाक क २२
 दीनबंधु क ११२
 दीनानाम क ११२
 दीनार क ४२२
 दीप क ३ क ३५, क ४९
 दीपक क २७१ क ८३ क १ क ४९
 दीपकावार क ४९१
 दीपदान करना क ३६
 दीपन क ११
 दीपना क २८९
 दीपमास्त्रिका क २ ४
 दीपावली क २ ४
 दीपिका क ४९

श्रीपति क २८७
 श्रीपति क ११ क २८५
 श्रीपति होला क २८९
 श्रीपति का १६१ व ४५६, व ४६७ व
 १ क २८७ क ३८३ व ४६७ का
 १७१
 श्रीपतिमान क २८८
 श्रीपतिमान होला क २८९
 श्रीपापा का २९८
 श्रीपाक व ५४५
 श्रीपाट क ४९१
 श्रीपा क ३५
 श्रीपा व ४५ व २३ व ४२५, व ४३१
 व ५७३
 श्रीपाकर्म का ५१५
 श्रीपाकाय का ४३१
 श्रीपाजीवी क १५१ का १५२
 श्रीपाता का ४२७
 श्रीपासंताक का २९७
 श्रीपाबाहु का ५२७
 श्रीपासु व १५४ व १२५, क १५१
 श्रीपाट क ४९१
 श्रीपा क ४९
 श्रीपाल का ३५७
 श्रीपाला का ३३५
 श्रीपालागन का ३४१
 श्रीपाल का १५८
 श्रीपाली क १४
 श्रीपाना का ७२४
 श्रीपुभी का ११३
 श्रीपा व १७
 श्रीपा करना का १७३
 श्रीपा देना का १७१ व १७३

श्रीपा क ५८२
 श्रीपाल का १३ क ११
 श्रीपाल का २८५
 श्रीपाल क २१८, क २२८, क २२६
 २७४
 श्रीपाक ३२६, क ४९१ का ४१, व १
 श्रीपाका व ५
 श्रीपाक का ५४
 श्रीपाकाई होला का ४८२
 श्रीपाकाक का ५४
 श्रीपा देना का ५९
 श्रीपाका का ४८२, का ३७७
 श्रीपाकर का ५४
 श्रीपाला का ४८२, का ४५
 श्रीपापी का ५२
 श्रीपात का ५२, व ५१
 श्रीपाता का ४५, व ५२
 श्रीपा व ५२, व ५१
 श्रीपा करना का ४४
 श्रीपा का ५८५
 श्रीपा क १५५
 श्रीपात का २२६
 श्रीपातई का २२४ व २२९
 श्रीपाताई का २२४
 श्रीपाकर का ३५६
 श्रीपाकरला का ३६० व ३६१
 श्रीपा क २३३ व ११७
 श्रीपाता का २८
 श्रीपाता का १३
 श्रीपातापार का ३६७
 श्रीपातापारी का ३३१ व ३६८
 श्रीपातापी का ३६७
 श्रीपाटा क २५४ क २७४

दुपट्टा क २३८, क २५४ क २७४
 दुपहट्टिया छ १४
 दुबकना क ७९१
 दुबिया क २३१
 दुबका क ४९९, स ४२
 दुबभाषण क ५ १
 दुम ग ४३४
 दुमुक्त क १६५
 दुर्गा क ४९, क २६४
 दुर्दुष्टता क ७४७
 दुर्मिग्रह क १६
 दुपग्रह क ७३
 दुपग्रह करना क ७५
 दुपचार क २९८
 दुपचापी क २६८, क ३ १
 दुपक क ४९७
 दुस्त क ८२६
 दुस्त करना क ९४४ स ७७
 दुस्तौ क ९४
 दुर्ग क ३३
 दुर्ग करना स ३६६
 दुर्ग क ११७ क १७२
 दुर्ग क ४ ५, क ९४९, क ९५१
 दुर्मति क ३१९, क ९४९
 दुर्म क १३४ क ११ क १७२, क ५७६
 दुर्ग क १८९, क १९५, क १९६, क १९८,
 क १९९
 दुर्नुनमुक्त क ४७६
 दुर्न क २६८, क ३ १
 दुर्नता क २६९, क २९८
 दुर्न क १३४ क ३४७
 दुर्न क ९४९
 दुर्नप्राप्त क ९५१

दुर्वा क १६५
 दुर्व क ४५८
 दुर्व क ४९९, स ४२
 दुर्वकता क ५३७ क ५ १ स ३९
 दुर्वक होना क ५ २
 दुर्भाग्य क ४५८
 दुर्मि क ७ ५
 दुर्मि क २ ३
 दुर्मि क ४५२
 दुर्विन क ४६६
 दुर्विन क ४६३
 दुर्विता क ४५९, क ४५९, क ५७५,
 क ५७६
 दुर्करी क ३३१
 दुर्लभता क १५१
 दुर्लभ क २६५
 दुर्लभ क २६४
 दुर्लभ क २६५
 दुर्लभ क २९
 दुर्लभ क १४५
 दुर्लभता क १३९, क १५१
 दुर्लभ क १५५
 दुर्लभ क १५६
 दुर्लभ क २२४
 दुर्लभ क २९१
 दुर्लभ क ३ २
 दुर्लभ क २७९
 दुर्लभ क २७६
 दुर्लभ होना क २७९
 दुर्लभ क ३५८
 दुर्लभ क २६८, क ३१
 दुर्लभ क ३१२
 दुर्लभ क २६८

शुद्धता क २६९
 शुद्धता ग २९९
 शुद्धाह्वय क २१
 शुद्धता क २६
 शुद्धता क १३८
 शुद्धताघर क ४
 शुद्ध छ ९६
 शुद्ध का काय छ ९७
 शुद्ध ल ३६९
 शुद्धकर्म क १९५
 शुद्धी क २७५
 शुद्ध म ५ क १५५
 शुद्धा क ५८५
 शुद्ध क ११४
 शुद्धि क ७२७
 शुद्धिनी क ७२८
 शुद्ध क ९७७
 शुद्ध करना क १२६, क १८२, क १७
 क ७७५, क ८५१ क ८६८
 शुद्ध भागा क ७४४
 शुद्धार्थक क ७२७
 शुद्धार्थक यम क ५५७
 शुद्धसिता क ७२८
 शुद्धार्थी क १७ क ७२७
 शुद्धी क ५५७
 शुद्ध हटना क ८५३
 शुद्ध होना क १२५, क २१३
 शुद्ध क ११४ क १५९
 शुद्ध ग २२४ क २६४
 शुद्ध क २६५
 शुद्धा क २२४
 शुद्ध क २३ क ३२
 शुद्ध क ४४१ क ३२४ क ३१६, क ३९७

शुद्ध समाता क ४४
 शुद्धनीय क ३१९
 शुद्धि क ३१५, क ४१५, क ४७१
 शुद्ध क ५८४ क ५८५, क ४१
 शुद्धी क १९३
 शुद्ध क २२
 शुद्ध क ५४७ क १३५, क १७, क ४४
 क ४२७
 शुद्धिद्वय क ४२७
 शुद्धि क ७४
 शुद्धि क ४८५ क ४९८
 शुद्धि क ५
 शुद्ध म १९, क ७३४
 शुद्ध क ७२९
 शुद्धकाम्य क १३२, क १३६, क १११
 शुद्धमान क ४६३
 शुद्धि क १९, क ७२२
 शुद्धिकोष क २
 शुद्धिमत करना ७२३
 शुद्धिमत होना क ७२४
 शुद्धिबोध क ७२३
 शुद्धिबोध करना क ७२३
 शुद्धिबोध होना क ७२४
 शुद्धि फेरना क ७२३
 शुद्धि क १९ क २६३
 शुद्धि क ३६३
 शुद्धि क ५४५
 शुद्धि क २५४ क २३ क ४४६
 क ७२३ क ७३३ क २५
 शुद्धि-मात्रा क २५४
 शुद्धिबाला क ७३४
 शुद्धि क २५ क ७३२, क १९७
 शुद्धि क २५ क १९२, क १९८

शेखरेक करना क २ ५
 शेखराना क ७२५
 शेखरीया क ७३४
 शेखाऊ क ७३६
 शेखावेसी क ७३२, क ७३३ क ८४८
 शेखाना क ७२५
 शेखी क ४२९
 शे शेना क ८१७
 शेखार क ३९९, ग ४२४ ग ४२५
 शेना क ३९८, क १९९
 शेने मीमा क २
 शेनेबाबा क २ १
 शेर क १ क १७५, क ४५१
 शेर लमाला क १६ क ४५२
 शेरी क १, क १५७
 शेखही क १२२
 शेक क २ ३ क २ ७ क ३४६, क ४५९
 शेकरी क ४ ७
 शेकरीजल क १३४ क ३९९
 शेकरीय क ३५७
 शेकरीय क २४१
 शेकरीय क २ ७ क २ २
 शेकरीय क २ ७, क २२१
 शेकरीय क १९
 शेकरीय क ८७
 शेकरीय क ५२३
 शेकरीय क २५३ क २९
 शेकरीयटी क्वि क २२९
 शेकरीया क २१९
 शेकर क २४३
 शेकरानी क २२७
 शेकरि क ४६३
 शेकरि क ३० क ४४३

शेखरता क ४ १ क ४४१
 शेखरीक क २३७ क २३८
 शेखरीनी क २१९
 शेखरीना क २४७
 शेखासम क १९
 शेखी क ५५८, क ५९ क २९५, क ३७३
 शेखी गीता क ५८२
 शेखेन्द्र क २२५
 शेखोत्पल क २१
 शेख क ३४८, क १ क १ ४
 शेखान्तर क १ ५
 शेखार क १ ५
 शेह ग १२
 शेखाय क १५४
 शेखी क १६२, क १६३
 शेखी क १२२, क १६२, क १६३
 शेखना ग १५४
 शेखांठ होना ग १५५
 शेखात क १३३
 शेखाटी क ५५८
 शेखातीपन क ५६
 शेखावसाग १५४
 शेख क ३४६
 शेखमुर क ४५३ क २
 शेखराज क २
 शेखीप्यमान क २८८
 शेखीनी क ३ ३
 शेखि क २९१, क ३३७
 शेखी क ३ ३
 शेख क १८५, क ३९१, क ४ ६
 शेख ग १५२, क ४५७
 शेखमि क ४५७

दीर्घ ऋ २ ७ क २२

दीर्घ क २२

दीर्घी क २२

दो क ५८२, म ५१

दोली क ११८

दोगला ग २४९

दोषित क २२६

दोषक क ११९, क ५३२

दो टुक होना क ९३७

दोबना क ४११

दोना क ४२३ क ४४९

दोनों क ५८३

दोपहर क १४

दोरंगा क ४९

दोका क १२४

दोलेय क ४४६

दोघमा क ११७

दोव क १९६, क ४४१ क ११२, म ५६,

क ३ ४ क ३१४ क ३१६, क ३९७,

म २२ क ३७४

दोपमुक्त क ३१८

दोपहाटी म ६८

दोपा क १४३

दोपापोषण क ४०४

दोपी म १७ क ३ ६, क ३१८, क २२१

दोवी ठहलना क ४ ४

दोस्त ग २७८

दोस्ताना क २७५

दोस्ताना होना क २७८

दोस्ती क १ क ११३, क २७५

दोहा म ६३

दोही क १ क ११३

दोह क ११८

दोहर ग ५२ क २९२

दोहा क २ ३

दोड़ क १७३

दोड़बुन करना क १९४

दोड़ना क १७२, क ७४४

दोड़ाना क ५५, क १७४

दोना क ४२४

दोरी क ४६७, क ४६९

दोस्त क ३८

दोस्तबाना क १४

दोस्तमंद क ४ ५ म

दोस्तमंदी क ४०७

दोहिन ग २६१

दु क २३८, क ३११, क ३, क १

दुकिया क २८३

दुम क २९७

दुभोक क २३८

दुठ रे 'परिधिष्ट'

दुठकार ग ४१५

दुठभीक म ४१५

दुठबूढ़ क २१८

दुठ क ३८३

दुी क २३८

दुव क १६२, क २३३

दुवठा क २३४

दुवत्व क २३४

दुवित होना क १०७ क १४५

दुवीमुठ होना क १ ७ क १४५

दुम्य क ३८ क ३७ क ४१८, क ४१९

दुसा म ३४३

दुसक क १४

दुसक म १५५, क ४४८

दुसकी क १८६

बन्धु व ३६६, क ४ ९, व ५८, व ६७
 बन्धुर्षर स २७१
 बन्धुर्षरी स २७१
 बन्धुर्वेद क ५५६ स २३७
 बन्धुप क ४ ९
 बनेश क १३४ क २५५
 बन्नासेठ क ४ ५ अ
 बन्धु व ७५, व ४६
 बन्धुवर्ति क १५४
 बन्धा व ३१४ स ३७४
 बन्धा पङ्गा स ३७५
 बन्धक व ६४४
 बन्धकाना व २३५, व २४७
 बन्धकी व २४६
 बन्धकी रोगा व २४७
 बन्धनी व ९७
 बन्धुपद क ५९६
 बर क १३४ क २ ६, क ३९९, प ४८,
 प ३५४ व २४८
 बरल क २९७ व ९
 बरलि व ९
 बरली व ९ व २४८
 बरली व ९
 बरला स २२४
 बरला रोगा व ७५
 बर पङ्क स २२३
 बरहृष व १७३
 बरु व ११३, व ६, व ९
 बरुलस व ९
 बरुना स ११
 बरुषानी व ८२५
 बरुषी व ९
 बरुहर व ३ ५

बर्म क १ क १५, क ११ व ३३३,
 व १ व ३ ३
 बर्म करना क १५
 बर्मभोज व २ ९
 बर्मध्वजी क १४ व ३ ९
 बर्मपत्नी प २२५
 बर्मराज क ३१७ क ३१८, क ४१४
 क ४४७ प ३६६
 बर्मशाखा व २ ६
 बर्मशास्त्र क ५३५, स २३७
 बर्मशील क १३ क १४
 बर्मसंबंधी क २
 बर्मविवर क १२
 बर्मत्या क १३, व ३ ५
 बर्मभक्त क १६, क १९५
 बर्मवितार क ४१४
 बर्मी क १३, क १३४ व ३ ५
 बरु ग ३ प २२४ व ७१
 बरुल स २८ व ७१ व २ ६, व ४१४
 व ४८ व
 बरुल्ला व २९
 बरुना व ७३९
 बरु व २४५, स १७३
 बरु जमाना व २५ व २५१
 बरुङ्ग व २५२, व ३४९
 बरुा क ४८
 बरुा क १३४ क १६५, क २९८, क ३३७
 बरुा ग ९५, व १२४ व ४४३ व ४५२
 बरुा क ३ ७ अ व ३१
 बरुा व ३५९, ग १७७ प १८२, व ४४
 व ४६९, व ९
 बरुा व २३ क १४८
 बरुा का लया क १४८

बागी का ४१
 बाग्य का २२५
 बाग्य का ५४ का १३४ का ३८, का १४
 बागिनी का ५१
 बाग्य का ४२३
 बाग्य का ११५, का २, का ८३४
 बाग्यकरना का १८३ का ८
 बाग्य का १३२, का ३६२
 बाग्यी का ९
 बाग्यार का २६६
 बाग्य देना का २६७
 बाग्य का १८३
 बाग्यिनी का ९
 बाग्य का ७२, का २०३ का २७७ का ९२४
 का १०८, का १८३
 बाग्यार का २३९
 बागी का ३५९ का ९२४
 बाग्यिक का २, का १३ का ३५
 बाग्य का ३६९, का ३७६
 बाग्य का ६०२
 बाग्य का ७१ का २८७
 बाग्य का २२७
 बाग्य का १५९, का ३५६
 बाग्य का १४१
 बाग्य का १३९
 बाग्य का ३५६
 बाग्यार का ३६
 बाग्यार का २४६
 बाग्यार देना का २४७
 बाग्य का २५९, का ४२८
 बाग्यिनी का १५८ का १६९
 बाग्यार का १६९
 बाग्य का ३९, का ३४७

बाग्यार का ३१
 बाग्य का ४४५, का ४४७
 बाग्यार का ७२
 बाग्यार का १७ का १९ का ३६३
 बाग्यार का ४५
 बाग्य का १ का ११ का १३३
 बाग्यार का १३३
 बाग्यार का १४ का १३३
 बाग्यार का १५१
 बाग्यार का १५१
 बाग्यार का ४५ का १५
 बाग्यार का १५१
 बाग्यार का १५१
 बाग्यार का ३१ का ३४१ का ३४७
 बाग्यार का ३५१
 बाग्यार का १९ का ३३३
 बाग्यार का ११
 बाग्यार का ३३७ का ३३९
 बाग्यार का ३९२
 बाग्यार का ३३५
 बाग्यार का ३९२
 बाग्यार का ५८८
 बाग्यार का ३६२
 बाग्यार का ३६१
 बाग्यार का ७१
 बाग्यार का २३
 बाग्यार का २२
 बाग्यार का ५५१
 बाग्यार का ६६
 बाग्यार का ३३ का ३३ का १
 बाग्यार का २७
 बाग्यार का ३४

सुमकेतु क ३११ क ४२, व २२, व ७२	शौकनी क ५१७
सुम क १६५, क ३४३	शौत व २८ व ४४९
सुमवर्ष क ३१२, म ३४	शौखर व १७३
सूर्त ग ४१५, ग ४१६, व १७७ क ३	शौसा व १३
व ३६८, व ३६७	श्याम क ३८, ग १७७ व २, व २२४
सूर्तता व २६९, म २६	व ८३४
सूर्तता करना व २७ म २८	श्याम करना क ३९, व ३६९
सूक व ६८५, व ३९१ व ९७	श्याम देना व ६१
सूक उड़ाना व ५७	श्यामोपासना क ६२
सूक में मिळाना व ५७	श्येय म ३७१
सूत क २३२	शुभ क १३४ क २९, क ४६९, व ७७
सूत व ३१९, ग ४५ व ४६७ व ९७	छ ६५
सूतपट्ट क ४३५	श्वस क १७२, ग १५४ व ८२३
सूति क १८, क २२, क ३९, व १८५	श्वसक व ८२४
व १३३	श्वसन व ८२३
सूठ व १५२, ग २२६, व ८४	श्वसना क १७१
सूठता व ८६, व २१	श्वसी व ८२४
सुनु व ४६९	श्वज ग ७९, क ४२
सुखी व ४२४	श्वजा क ४२
सुख व १६३ व १४ व १३३	श्वनिक २५, व ६४ व ८४ व ५८८
सुखबाल व १३५	श्वनित करना व ९३
सुखत व ७	श्वनित होना व ९२
सुमाना व ५५१	श्वस्त व ८२५, व ९३९
सुखा व २५७	श्वत छ २८४
सुखा देना व २७ म २८, म २९	
सुखेबाज ग ४१६ व ३६७ व २६८	म
सुखी क २६१ क २७१	
सुना छ २९ व ५४६, व ५५	मंगई व २७७
सुनिन म ६६७ ग ३४५	मंगई करना व ७५
सुखी ग २९९, ग ३४५	मगबङ्ग व ३८९
सुखमदुत क १५८	मंगपना व २७२
सुखना व ५५	मंगा क १६५, व २७१, व ३८९
सु व ७१	मंगा करना व ७९९

संघापन व ३९
 संघई व २७२
 संघई करमा व ७५
 नया व २७१ व २८९
 संघा करमा व ७९९
 संघापन व ३९
 संघ क १३४ क ४०८, म ७५, म २४५,
 व २५ व ४१
 नवक क १४१ क २७१ म २५
 संघकिमोर क ३९९
 संघकुमार क ३९९
 संघन क १३४ क १६५, क २३२, क २७१
 म २५
 नवनकामन क २३२
 संघराणी क ४९
 संघलाक क ३९९
 संघित व ५१
 संघित होला व ४१
 संघिनी क १८५, क १९४ म २२५,
 म २४५, व २६ व १८२
 संघी क १३४ क २७१ म ३५
 संघीगम म ४८१
 संघोई म २४४
 संघर क ५५६ व ५६८
 संघरी व ३५
 संघरी म ३१
 संघमी छ १४
 संघठिकनी व ११८, छ १९८
 संघटा व ५१८
 संघटी व १२३
 संघकुवाहा म १६१
 संघपत्री व ९८
 संघपत्र छ ३२९

संघव म २७
 संघवजन म ४१८
 संघवुस्ती छ ३२९
 संघवेसर छ ३२९
 संघक व १३६, व १३७ म २४४
 संघक करमा व २९४ म २४५
 संघजी व ४१३ व ९७
 संघस्थी म २४६
 संघसा व ३१७
 संघसा सीपना व ६१६
 संघसीर व ४७६
 संघार व १८९
 संघारना व १८७
 संघुल क ४१३ क ४५७ म २५ म ५२९
 संघव व ६२७ व ४८३, व २६
 संघतनाम क ३७
 संघव विद्या व ६४७
 संघ क १६५ छ १४३
 संघ म ५७९, म ५८ व १८६, व ६८
 संघा व ३१७
 संघसीर व ४७६
 संघ व ६२५, म ७५, म ११९, व ८७६
 संघव व २६
 संघरा व १५
 संघरा करमा व ७६
 संघायुध म ४९७
 संघी म ४९४ म ४९८, म ४९९, म ५३२
 संघ क २९७ म ५५८, व २, म ४८
 व २४८
 संघन क २
 संघन व ३८९
 संघनति क ३७ व २५५
 संघर व १३५

नगरकोट का १३९
 नगरबासी का ५६१ का ५६२
 नगरी का १३५ का ५६२
 नवाका का ११३
 नगिबाना का ९७८
 नपीना का ४८
 नमीनासाय ग ३९९
 नगौर का २५५
 नम का ३८९
 नम करना का ७९९
 नमता का ३९
 नमनिर्मा का १२२, ग ३९६
 नखवीक
 नखवीकी का ४ ५
 नखर का ७२२, का २८३
 नखरबब का १८३
 नखरबाग प ८
 नखर जगाना क ३६३
 नखराना का ७२३ का २८३
 नखला का ४७५
 नखाकत का ७
 नखात ग ९
 नखाप का ७२२, का ७२९
 नखीर का २६३
 नखूम का ३४७
 नखुमी का ६५
 नखम का १६८
 नख्खाप का ७२९
 नख क ३५१ क ५३३ का १२२, का १४६,
 ग २९६, न ३९३ ग ३९५, का ६८,
 का १२१ क २५
 नखई का ३३
 नखट का २६८

नखट्टा का २६९
 नखट्टी का २६९
 नखन का ११७
 नखना का ७५
 नखराज क १६५
 नखरु का ४३६
 नखी का १२३, का ३९४ ग ३९६ का १२१
 नखी ग ९७
 नख क ४७७ का ११ का ३
 नख होना का ८२
 नखई का ४ ३
 नखिष्ट ग २५७
 नखिनी ग २५८ ग २६२
 नखीया का ३८९
 नख क ३२९
 नखना ग १८, का ३८३
 नखिया क ३२६
 नखुना ग १८
 नखुनी क ३२९
 नख क १३४ क २६६, का २७१
 नखी का ३१८, का २७१
 नखीस का २६४
 नखर का २४५
 नखरीई ग २४४
 नखिबीय ग १७३
 नखिबाघपुर ग २४
 नखिहाक न १७३
 नखा का ४२३, का ४३८
 नखापन का ४२८
 नखिपाना का ५५२
 नखुसक का २२
 नखुसकता का २२५
 नखु ग २५७

नक्ररत ज १४८
 नक्ररत बाला ज १४९
 नक्र म ३ २
 नक्रसत ज ७ ज ४६४
 नक्षीरी ज १११
 नक्षीर ज ४६३
 नवी क ५२३
 नख म ९७
 नन क १६५, न ३ न २६२, छ ४७
 छ ४९, छ २३९, छ २४५
 ननपामी क २ ७ क २९७ क ३ ७
 प ५९८, न ४
 नननरक २४३ ग ५९८, न २६, छ २३९
 नननरक न ३
 नन क ८१ छ २३५, म १४४
 ननक क २८, ज ४६७
 ननकीन क ५२ ज ४६३
 ननबीनी छ ५३
 ननन ज १६६
 ननना ज ८२, ज १६७
 नननीम ज ३५४
 नननवार ज १६६
 नननवार बाला ज १६७
 नननीन ह २७
 नननी ज १६६
 नननी बाला ज १६७
 नननक ५ ७ क ५ ८, न ५ ९, क ५१
 नननगाना न ५११
 ननन वरना क ५११
 नननै गारावर न ५१
 ननना ज ८३
 ननन होना ज ८७
 ननना न ३६३

नमोना क ९८
 नम न ९२, ज ७८
 नमना ज ८
 नम क ३३१ ग २८२, न २७१
 नमन ग १९, म २१
 नया छ १७५
 नयापन छ १७७
 नर क १३४ क १६५, क ४१७ ग ३
 प ४५२
 नरक क ३१९, क ३२२, न ३
 नरकमोग ज ९४९
 नरक मोमना क ३२५
 नरकमोगी क ३१९
 नरनाययन क १५४
 नरनाह ज ३४९
 नरन ज ६९
 नरन करना ज ७२
 नरना ज ७
 नरनाना ज ७२, म १४६
 नरनी ज ७
 नरनोक न १ ३
 नरनिह क ५७६
 नरनो छ १८३
 नरनिप न ३४९
 नरनिना ज ५९
 नरनै न ३४९
 नरनै न ३४९
 नरनै क ३१९
 नरनै न १२१
 नरनक १६५, न १२२, म ३९३ न ३९५,
 प १९१
 नरनी छ १२३ प ३९४ न ३ ५
 नरन न ११७

मर्मवा न २९९

मर्मी अ ७

मस न १२१ न ३३८

मसखर क २५८

मसिग न ३८८

मसिनी न ४ ७ न २०१

मसम्बर छ ३८

मस क ९४ अ ६ ९ छ १७५

मसजात ग ४२२

मसजा क ६११

मसजा भक्ति क ७३

मसजा अ ८२

मस निधियाँ क २३२

मसनीत क ३९९, क १५८

मसमी छ १ ४

मसम् क ६१

मसमुख क ३२

मसयीवना अ ६११ अ ४४

मसरी क २७१

मसरेल न ४८

मसक छ १७५, अ ४६३

मसकटा छ १७७

मसी अ ६१

मसागा अ ८३

मसासा न २६१

मसीन छ १७५

मसीनता छ १७७

मसेर अ ८१

मसेर देगा अ ८५

मसेला छ १७५

मसोडा छ १६१

मस्य छ १७५

मस्यता छ १७७

मसा न २५७

मसुर क १

मसुर अ ८३२

मसु अ १ २, अ ५६८, अ ८२५, अ ९४१

मसु करला क १७१ अ ८२ अ ९४१

मसु मसु अ ८२५, अ ९४१

मसु मसु करला अ ८२ अ ९४१

मसु मसु होना अ ५७ अ ९४१

मसु होना अ ५७ अ ९४१, अ १ ४

मसु ग १७ ग ९६, अ ९७

मसु क १

मसीव अ ४५

मसीवृत अ २३५

मसेनी अ १५७

मसुरनी क १ क ५२४

मसुरला छ ७

मसागा अ ६८, अ ६९, अ ७१

मसिना अ ६८३, अ ६८६

मसि अ २१

मसि क ५७६

मा न ३

माई ग ३११ अ ४२२

माइन ग ३१२

माउम्मेव अ २१५

माउम्मेवी अ २१२ आ अ २११

माइटकैय क २४

माइन न ३१२

माऊ ग ३११

माऊ क २३८ ग १७ ग ५७९, अ १

माऊकटा अ ५१८

माता ग ५७९

मातावतियन अ ४ १

मायून ग ७५

माघ क ३२७ म ४३५, म ५५८, म ४५७
 म ४५८, म ४६१
 माघकेदार म १२२
 माघफली म ९८, क ३२९
 माघर म ३४८, क २४ म ३६३ म ३६७
 माघरमोषा म १२३
 माघरिक्त म ५६१ म ५६२
 माघरिक्ता म ५६३
 माघरिक्त शास्त्र म ३३२
 माघरी म २२२
 माघरी विधि म २२९
 माघसोक्त क ३३५
 माघा क ४७४ छ ७
 माघिन ग ५६
 माघ म ११७
 माघ करना क ११८
 माघवर क १२५, म १८६
 माघना म ११८, म ६७२
 माघनेवाली म १२३ म ३९६
 माघमहल म १२५, म १८
 माघिकेठा क ३११
 माघी म ४२९
 माघ म २२५
 माघिरम क ३४४
 माघी क ३४५
 माघुक म ६९
 माघक म १३५, म १३६
 माघकवार म १२७ म १३८
 माघा म ४३६
 माघिका म १३४
 माघ्य म ११७ म १२१
 माघ्यवला म १३७
 माघ्यवार म १४६

माघ्यस्वला म १६६, म १६६म म १८६
 माघी म ९७
 माघा म ४ ३
 माघाफली म ३९
 माघिन म २५८, ग २६२
 माघी म २५७ म २६१
 माघेवारी म ४ ३
 माघ ग २२४ म ३८
 माघ म ५८८
 माघान म ११२, म ३
 माघानी म १ ४ म ३६६
 माघा म १६८, म ८३, म ७४१ म ८६८,
 म ९ ६
 माघिहाक म १७३
 माघी म १६९
 माघा म ४३८
 माघ क ३८१, म ९५७ म ९६१, म ९६२
 माघाक म ५४२
 माघाक करना म ५४८
 माघिन ग ३११
 माघरवर म ५७५, म ५८
 माघि क १६५, ग ५४ म २९२, म ३
 माघी म ५४
 माघंजूर म १८९
 माघंजूर करना म १८७
 माघ म २६२, म ३५१ म २१
 माघकरम क ९८, म १४७
 माघज म ३५
 माघवाती म २२
 माघई म २२
 माघई म २२२
 माघवर म ३४९, म ३५३
 माघवती म ३५१

नामवाला श २२	माकायक्री श ४०१
नामस्मरण क ४८	नामी घ २४५
नामस्मरण करना क ३९	नाब ह ३८१
नामाकूम ज १ ६	नाबाकस्त्रियत ज १ ४
नामी ज ३४६, श २२	नाबाकिष्ठ ज ११२
नामुनाखिब ज ४२१	नाबिक न ३४१
नामुमखिज ज १७२	नाबेज श २ ८
नाम्नी श २२	नाघ क १०२, न १५४ छ २२, श ८२१
नामक श १४६, श १५१ श १५२ श ३३६, य २२९	नासक ज ८२४ श १९७
नामिका श १५३, श १५५, श १५७ श १५८, श १५९, श १६१	नासना क १०१ श ८१६, न ८२० श २१८
नारंभी श ३७ श ४	नाघनीय क १७३
नारंभी श ३७	नासपाठी श ३४७ श ३७६
नार क ५३२, ग ३३, ज २६२	नाघवान क २१८, न ८३२
नारकीय क ३१९	नाघवान होना क २१९
नारक क १५४ क ४६३ क ४९६, क ५७४ क ५७८, ज १६३	नास्था ह ४१
नारक होना ज १६५	नास्य क १७३
नाघ ह २१५, न २७२	नासना क १७१ श ८१९
नाघज ह ४१२	नासमक्ष ज ११२, ज ३६४
नाघज न ३६, श ४	नासमक्षी ज १ ४ ज ३६६
नाघज करना ज ४४	नासा य १७ न १८, न १४९
नाघजगी श ३४	नासापुट न १८
नाघज होना ज ४२, श ९६	नाघामक ग १२३
नाघजी ज ३४	नाठारंभ न १८
नाघमज क १३४ क ५५८, न ५७	नाधिका य १७ य ११
नाघमधी क २ २	नाधिक्य क २५
नाघिमक श ६	नास्तिक क ६ क ११९
नाघी न ४ य ९७	नास्तिकता क १२१
नाघ श ३८९	नाहुमवार श ५८
नाघा न २७२	नाहुमवारी ज ५८२
नाकायक ज ३९९	नाहुर ग ४९४ य ४९७ न ४२७
	नाही श १८९
	नाही करना ज १८७

निब १६१ अ ७५८	निक्रियाता अ ८५३ अ ९७
निबक अ १६२	निकेत अ १ अ १४
निदना अ ३६	निकेता अ १४
निदनीय अ १६१	निकोटता अ ९ १
निधा अ १५९	निहृष्ट अ ४२९ अ ४३९
निधा करणा अ १४९, अ ३६	निहृष्टता अ ४३ अ ४४१
निदाघा अ ७६	निखारला अ २९
निदिश अ १५४ अ १६	निखिप्त अ ८७९
निध अ १६१	नियम अ ५३८, अ १३५, अ १३६, अ २२५
निध अ ७	निगयनी अ १६२, अ १९८
निधक अ २४	निगलना अ ११८
निधेयस अ ९	निगहवानी अ १६२
निधकोषी अ ३२४	निगाह अ ७२२
निधंताम अ २	निहृक १३४ अ १६५
निधेह अ ४२१ अ	निधोक्ता अ ७२
निधार अ २५, अ ८४	निधोक अ २१८, अ २७४ अ २९६
निकट अ ९७६	निधार अ ४३
निकट भागा अ ९७८	निवाक्य अ ७
निकम्मा अ १६५, अ ४२१ अ ४२१ अ अ ६६	निवात अ २३
निकर अ ९२४	निमी अ ४ ५
निकरणा अ १४५, अ ६६५, अ ७४६, अ ८५४ अ ८९९, अ ९	निष्ठा अ ४२१ अ
निकप अ ५२	निष्ठा अ ४२१ अ अ ६६
निकरणा अ ६६५, अ ८५४ अ ९	निदुर अ २४ अ ६८
निकार्द अ ४६७	निदुरद अ २१
निकाय अ ९२४	निदुरता अ २१ अ ७१
निकायना अ ५६ ग १४६ अ ७४७ अ ८ ५, अ ८५३ अ ८६८, अ ९ ५, अ ९ ७	निदुर्या अ २१ अ ७१
निकाया अ ७४८, अ ९ ३	निदुर अ २४
निकामना अ ८५३	निदुर्यता अ २४२
निगाह पङ्कता अ २४	नितंब अ ३६, अ ८२
	नित अ १३८, अ १९७
	निय अ १३८, अ १९७ अ ८३३
	निरूपति अ १३८

नित्यवीचना क ४१८

नित्यता छ १३८, छ १९७

निवारणा झ ७२

निवारणा ज १६९, ज ३४६

निवाच छ ६९

निवाह झ ४३९

निबिया ज ७५८

निद्रा छ १८५, ज ७५८

निद्राप्रस्त ज ७६

निद्राममान ज ७५९

निद्राह ज ७६

निद्रा सेना ज ७६१

निद्रित ज ७५९

निद्रित होना ज ७५४, ज ७५५

निघन ज ४ ५, ग १५४

निघनपठि क १६५

निघन होना ज १५५

निधि क २६७, ख ६ ९, ज २६४

निधवीं ज ४७७

निदाह ज ५८८

निपात ग १५४

निपात होना ग १५५

निपुण ज ३६७

निपुणता ज ३६८

निपुण झ २

निपुटा झ २

निर्बन्ध घ २ ४, ख २ ७

निर्बन्धनार ख १२७

निर्घ ख ३ ७, घ ३ ९

निर्घटना ज ३५४

निर्घन झ ४२

निर्घाट क १३६, झ ३८५

निर्घाटना ज ६२२, झ ३५७

निर्भमा ज २७८

निर्भय झ ८१

निर्भयन सेना झ ८५

निर्भयित झ ८२

निर्भयन झ ६८

निर्भयन करना झ ६९

निर्भयित झ ९६

निर्मल छ १२३

निर्मल ज ६५३

निर्मल ज्ञान ज ५

निर्मल छ १२३

निर्मलक ग २२, ग १५४

निर्मल ग २२, छ १२३

निम्न ज ८५, छ २३७, ज ४२९, ज ४३९

निम्नता ज ४३, ज ४४१

निर्मलित झ १८१

नियत क १६५

नियत करना झ ४२६

नियतापि ज १४४

नियति क १९४, ज ४५७

नियम क ११, ज क १३४, क १९७

ज ३३१, ज ९५३, झ १७८

नियमन ज ७

नियमबद्ध झ १८१

नियमानुकूल झ १८

नियमित झ १८१

नियतना ज ९७८

नियुत ज ६३३

निरंजन क ११२, क १९५

निरंतर छ १६७

निरतना ज ७२३

निरत्ययी ज ३१७

निरर्थक ज ४२१, ४

निरर्थक श २	निर्मय श १६४ श ४२५
निरर्थक श २ ३	निर्मयात्मक श २१
निरुद्ध ४८	निर्भय श २४
निरुद्धा ४९	निर्भयता श २१
निर्यात करना श ८९८	निर्बन्धी श २४
निर्यात क ११२, क ११४ म ६, न ३	निर्बोध श ३१७
निर्यात श ३४८	निर्बोधी श ३१७
निर्यात करना प १६९	निर्भय श ४ ५
निर्यात श २ ३	निर्भयता श ४ ६
निर्यात श ८९८	निर्धारण श ४२५
निर्यातक ५५८	निर्धारित करना श ४२६
निर्यातक २२६, श ४१८	निर्बल श ४२
निर्यातक ४१९	निर्बलता श ३९
निर्यात श २१५	निर्मय श २२७ श २४
निर्यातता श २१२ आ	निर्मयता श २४२
निर्यात श २१२ आ श २१३	निर्मिक श २४
निर्यात श २ ३	निर्मिकता श २४२
निर्यात श १६२	निर्मल क ४८३, श ४६ श ४१४
निर्यात करना श ७२३	श ५४१
निर्यात करना श ७२५	निर्मल करना श २९
निर्यातवादिता क १२१	निर्मलता श ५४४
निर्यातवादी क ६, क ११९	निर्मली प २१२
निर्यात श १४१	निर्माण करना क १२५, श ९४४
निष्कल क ५५५, श २३७	निर्माता श ८१६
निष्कल श ५४७	निमित्त क १२७
निष्कलता श ५४८	निमित्त करना क १२५, श ९४४
निष्कली श ५४७	निर्मोक म ९ प ५६६
निष्कल क ११२ क ११३ क ११४	निर्मोही श २४
निष्कल श ५८८	निर्लज्ज श ३२४
निर्गत क २ ७ श २२६	निर्लज्जता श ३२६
निर्गता एकवचनी श २२३	निर्वाचक श ८८६
निर्गत श २७३	निर्वाचन करना श ८८४
निर्गती श ३ ८	निर्वाचित श ८८५

निर्वाच क ५५८, ग ९	निर्वाच क १२९, छ १३१, छ १४१
निर्वाच होना म १५५	निर्वाचिनी छ १४३
निर्वाह क १३६, छ ३५८	निश्चय क १९, म ४२५
निर्वाह करना म ३२२	निश्चय करना म ४२६
निर्वाहना म १५९, म २, म ३५७	निश्चय क ७१, म ६, म ६७९
निर्वाह स १८५, म १४, म १८	निश्चित म २२७
निश्चय म १, म १४	निश्चितता म २२८, म ३३४
निवारण करना म ७७५	निश्चित करना म ४२६
निवास म १२९, म १४	निश्चितता म ४२१, म
निवासस्थान म १२९, म १४	निश्चेष्ट म ६७९
निवासी म ५५५	निर्णय क ४११
निवृत्ति म ९	निर्णयी म २७१
निवेदन म २५१	निर्णय म ७
निवेदन म १७६	निर्णय म ७७७
निवेदन करना म ६१६	निवेदन क १९, म ७७८
निवेदित म २५२	निवेदन करना म ७७४
निवेदन म १५१, म १३१, म १४	निष्क म ४४८
निर्णय म २२७	निष्काम म १४१
निर्णय होना म ११८	निष्कृत म ५१३, म २४, म ६८
निष्ठा क ९	निष्कृता म ७१
निष्ठाकर क १६५, क ३, म ६४४	निष्कृत म ३६३
निष्ठाकर क १६५, क ३४३, क ३४९, म ५१९, ग ५५८, म ३२२, म ६५२	निष्कृत होना म १३२
निष्ठावटी क ३४९	निष्ठाप क ४८३
निष्ठा म ४४, क ४२, म ११४ म ३८४	निष्ठावृत्त म ४२१, म
निष्ठा पकना म ३७५	निष्ठावृत्त म ८५३
निष्ठा म ११४	निष्ठावृत्त म ७४७
निष्ठा क १४३	निष्ठावृत्त म १५७
निष्ठाकर क ३४६, क ३४८, म ६२२, म २९	निष्ठावृत्त म ६, म ३, म ६, ६
निष्ठावटी क ३४९	निष्ठावृत्तता म ६, ५
निष्ठावृत्त क १४४	निष्ठावृत्तता म २३१
	निष्ठावृत्त म ९, म २३
	निष्ठावृत्तता म २३३
	निष्ठावृत्तता क १६५

निस्पृह अ १४१ अ १८१

निस्पृहा अ १८

निष्क य ५७५

निष्कारना अ ७२३

निष्काम होना अ ३७ अ ४१

निष्कुरता अ ८२

निष्कृता अ ८३

निहोरा अ १७६

नीर अ ७५८

नीर सेना अ ७६१ अ ७६५

नीच अ ३९ अ १६१ अ ४३९

नीचता अ ४४१

नीचा छ २३७

नीचे अ ७६, अ ८५

नीचे जाना क १५६ अ ११५

नीचे जाना अ ७२१

नीड़ ग ६ अ १९५

नीडि ल ३३ अ ३३१ ल ३३२

नीडिपात्र ल ३३

नीप य ४१८

नीष य ७

नीवी छ २६५, छ २७३

नीवु य ३५५, य ३५६

नीम य ७

नीपन स ३७१

नीर अ २६२

नीर्य य ३८८, य ४८३

नीर्य छ २३

नीरधि अ २६४

नीरध अ ६ अ ६ ७

नीरधना अ ६ ५

नीरधन छ ४८, स १२८

नीरधना छ ४९, स १३

नीरा छ २ १

नीराजन क ३५

नीराजन करना क ३६

नीरोरा ल ५४७ स २६

नीरोराता स ३७

नीठ क २६६ क ३१८, ल ४६, अ ६३७

अ ६५, य १२४ य ४७८, य ४८८,

छ ३४ अ ४८ अ

नीसकंठ क १६५, अ ३ ३

नीसकमल क २८४ अ ३९४

नीसपाय ग ५ ४

नीसप्रीव क १६५

नीसम य ४८१ य ४८८

नीससोहित क १८५, अ ४५

नीसावर अ २१

नीसा ल ४६ स ६७२, य १७५, य २२३

य ४६७ य ४७२, अ ४८

नीसापन ल ४७

नीसिमा ल ४७

नीसी अ १२४ छ २ ४

नीसोपल अ ४ ८

नीसत अ १ ७

नीहार छ २५६, छ २५७ स २५९,

छ २६

नुमान अ ३५५, स ३ १

नुमान करना अ ४५६

नुकीना स २६६

नुत्त अ ३ ७

नुत्तुम स ६४७

नुति अ ४५

नुत्त स २४६

नुत्ता अ ७३१

नुत्त य ३५, य १७५

मृतन छ १७५

मृतनता छ १७७

मृतन क २८

मृतनरु क ३३५, क ३३१, क ३३२

मृत्यु क ५, क ११७, क ११९, क १२१

मृत्यु करला क ११८

मृत्युकी क १२३, ग ३९६

मृत्युसाक्षा क १२५, क १८

मृप क ३४९, ग २९२

मृपठि क २५५, क ३४९

मृसंस क २४, क १७

मृसंसठा क २१, क १६९

मृसिंह क १५४, क १५५

मृक रे 'मृच्छा'

मृकनाम क ३५३

मृकी क २८

मृचरोपीमी क ४२९, क ४३२

मृवा क ४१४

मृवाठ २३

मृटा ग १२३

मृटा क १३४, क ३३५, क ७

मृटाबिरी क १५१

मृभ क १९

मृभच्छर क २२

मृभमक ग १२३

मृभविहीन क ४९६

मृभाम्बु ११९

मृभुवा क २७७

मृभ क ११, क

मृभिताम क ४८२

मृभार्थ क १९७

मृभर क ३३५

मृभका ग ५२९

मस्तनानुव करला क ८२

मैच्छत क ३४८, क २३

मैच्छत्यकोन क ७६, क ८४

मैन क १९

मैनु क १५८, क १३३

मैमायिक क ५६७

मैयस्म क २१२, क

मैसपिक क ३८५

मैसगिकता क ३८७

मैहर ग २३४

मैचना क ९, १, क ९३४

मैक क ४६३, क २९८

मैकर क ३८३

मैचना क ८९३, क ९३५

मैक क २८

मैला क ४७

मैगिया क ३३७

मैनी क ३३७, क १५८

मै क ९, ९, क ३८१

मैकर ग ३८३

मैकरगी क ३८४

मैकरी क २४९, क २५९

मैका क ३८१

मैकार्थ क ५६९

मैकवाण क ३२

मैक्री क ३३६

मैकठ क ११३

मैमी क १, ४

मैरंगी क ४, क ३४८

मैकका क ३४५

मैनी क ६१

मैना ग २६४

मैसावर क ४६४

म्यस्त झ २३२
 म्याम क ५६२, क २३७ झ १६४
 म्यायकशी म ३६६
 म्यायमुक्त झ १६८
 म्यादाधीन ग ३६६
 म्यापाल्म क २२४
 म्यापी म ३११ झ १६७
 म्यारा क ४१८, क ८५५, क १७७
 झ ४ ६
 म्यूटेस्टामेंट क ५९८, क ६
 म्यून क ९१
 म्यूनरा क ९१२
 म्यूनपत्र क १९७
 म्यून होना क ९१५
 म्यीछावर झ ४३
 म्यीला झ ८१
 म्यीउना झ ८५
 म्यीला म ५२९

प

पक क ३ ४
 पकड म ३८८
 पकल म ३ क ९२४, क ९२५, झ २६४
 पंर म ५९९
 पंरा क ५७३
 पंरा करला झ ३८
 पंगी म ५९८, म ६७ क ५७३
 पंगुड़ी क ३८४
 पदम क ९२५, झ २६४
 पानि क ९२४, क ९२५, झ २६४
 पमु क २१ क ५३९
 पमुउ क ५३२
 पच ल ५९६ म ३६७

पंचाल क ५९८ म १५४
 पंचपात्र क १ ३
 पंचम क ७ क ५९७
 पंचमी छ १
 पंचरंगा झ ३४३
 पंचकड़ा क ३३१
 पंचातर क २७१
 पंचाम झ ६५१
 पंचामुक्त क २६७
 पंचामन क १६५, ग ४६४
 पंचिमी छ १ क २२४
 पंछी म ५९८
 पंजर ग १२, ग १ म १ ४
 पंजरी म १ ४
 पजा म ६ २
 पजुम क ५९७
 पंहा क ८८
 पंहाल क २१९
 पंथि क १७ क ७८, क ५३६, क ६५
 म २८२
 पंथिगारम ग २८३
 पदुय २८, म ३७ झ ३३४
 पंदुक ग ६३३, ग ६६ म ६६७
 पंदुकी ग ६६१
 पंदुर म ५७ झ ३३४
 पच क १ क २९७, क २४१
 पदी क ६९३
 पट्ट ल ६२
 पंथला क ४२
 पनरा म २४३
 पंथी क १ ४
 पंथकी क ३
 पंथना क ७४

- पक्रु म २२३
 पक्रुगा म २२४
 पक्रुी घ ६७
 पक्रुा म १२
 पक्रुा म १ म १९
 पक्रुा त ५२२
 पक्रा म ११
 पक्रुी क १३४
 पक्रा व १७ व ६८, व ८२६
 पक्रा रंग व ४८ व
 पक्र म ११
 पक्र क १६५, व ५८२, म ४५, म ५९९,
 उ ८६
 पक्रावात घ ५२३
 पक्रुी ग ५८९, ग ६२५
 पक्रु व ३ ८
 पक्रुी व ३ ९
 पक्र उ ८६
 पक्रना ग ५९९
 पक्रवात उ ८६
 पक्राव व १ २
 पक्रात व २४७
 पक्रावना व ५५
 पक्रावनी व ३९२
 पक्रु ग ५९८
 पक्र ग ८६, व ६६७
 पक्रुी व २४४
 पक्रुी क २३८
 पक्रा म ९५
 पक्रावा व ३३८
 पक्रा क २७४ व ५३२, म ९६
 पक्रुवा म ११९
 पक्रुी करुना म ११९
 पक्रुा क ४९९
 पक्रुना व ८ ७
 पक्रुुी क ३३१
 पक्रुी म ३३
 पक्रुीकारी करुना म ३२४
 पक्रुु व ८२
 पक्रुी ग ५९८
 पक्रुावा म ३४७
 पक्रुावा म ३४८
 पक्रुावा व ५५
 पक्रुा क ३३४ क ३५४
 पक्रुी क ३३४
 पक्रुुना व ५५४
 पक्रुी म १ ४
 पक्र व ३६६, क २१८, क ४९७,
 व १६५
 पक्रु व ४२२, म ३९३
 पक्रुना म ३९५
 पक्रा व ११८
 पक्रुनी व ३५३
 पक्रुी व ३११ व ३१२, व ११ क ३११
 पक्रु म २९९, व ३ ५, व ३८४ क
 २९६ क ४९७ व १६८, व ९९४
 पक्रु व १२८, क २२९
 पक्रुा व ३११
 पक्रु क २६५
 पक्रु व २२३ व २७५, व २८१ व ४८९
 व ३६७ व ४४३
 पक्रुा व १२७ व १९८
 पक्रुा क २६५, क २७४
 पक्रुा व ३६८
 पक्रु व ३६८
 पक्रुा म ३१२

पटोसना झ २४७

पट्ट झ ३११ ऊ २३८, ऊ २७४ व १६५

पट्टमहिषी झ ३५३

पट्टिका व १८४

पट्टी झ ३११ घ १८४ ऊ ७

पट्टीवार ग ४२ झ ६

पट्टन झ ४९८

पट्टन झ २५६

पट्टन-याट्टन झ २५६

पट्टन-याट्टन करना झ २४६

पठाना झ ३५२

पठिया झ ३५५

पठठाक झ २५ झ २५८, झ १६२

पठमा व १९९ झ ७ ८

पठमा ग ४८७ ऊ ९५

पठाम व १३

पठिया व ४८७

पठमा व २४६ व २५६, व २७८

पठमई व २३८

पठाना व २४७ व २५७ व ८४४

पठाना व २३९

पठाना व ५८७

पठ व ३८ झ २८५, झ २९४

पठ्य व १३६ व १३८, व २८५

झ २९४

पठ्याळा व १३८

पठम व २९७ घ ५९८, घ ६६८, व ६६९,

व ६७ घ १३२, व ३८१ ऊ ३१

पठ घ २२४

पठमऊ छ ८२

पठमर होना व ८११

पठन होना व ७ ८, व ८११

पठपर्व व ५७२

पठरी व ३३८

पठला व १९९, व ५३

व ५७१

पठमून ऊ २६४ ऊ २६६

पठमार ऊ ५६७

पठा झ ३८४

पठाऊ व १४१ व १४२ ऊ ४ २

पठा कमनागा व २६१ व ७९७

पठा कमाना व २६ व ७९६

पठिका ११२, व २२४

ग ३८ घ १८५

पठित व ३१९

पठितपावन व ११२

पठिवठा व १८५, व २७२

पठियाना व २५४

पठोळा ऊ ४३

पठोली ऊ ४३

पठुरिया घ ३९७

पठोह घ २३३

पठल ऊ ४४८

पठा व २१ ऊ ३३

पठार व २४७ ऊ २५८, व ६८

पठार होना झ १४५

पठी व ३६१ घ २१

पठो घ २२५

पठ व ३ व ४ व २८९, ग ५९९,

व २१

पठकार व २९२

पठनाहू व ३६९

पठा व ३ ५, व ६५१

पठिका व २९ व २९१ व २२१

पठी घ ५९८, घ ६२५, घ २, व ६९, घ

३८८, घ ४२४

पयं च २४१

पयपी स ४६२, क ४४७

पयिक च ६९३

पयी च ६९३

पय्य क २९

पय स ५८२, ग ९, न ८६, च १ ६ स
२५५, स २५६

पयक च ४८५, क ५६

पयतस्य स ८८

पयनाभ क २९७

पयनी च २४१

पयातिक स ३६५

पयार्थन करमा च ६६४ च ६६५

पयार्थं च ५९१ क ४१८

पयति स २ ५, च २४१ च ९५२ स
१५७ स २६४ स ३७पय क १४४ क २६६, क ३२८, क
३२९ क ४९८, क ५७४ च १६७
च १६८, स १७५, स ३३८, च ३८८,
च ४५८, च २६२

पयनाभ क १३४ क २९७

पया क १६३ च ४ ९

पयानती क १९३

पयिनी च १५५

पय च १६८

पयारना च ६६४ च ६६५

पयबुद्ध्या स ४२२

पयपमा च २ १ स ३१९

पयमरिण ग ३१

पयहाय च ३ ९

पयहापी स ३१

पयही क २९७

पयस च ४९

पया क १४

पयाती स २५९

पयाह स २ २

पयिहा स ३७७

पयीर क १६४

पयमय ग ५५८, स ४८९

पया स ३ ४ च ४८६, क १४

पयरा क १२

पयीता स ५७

पयीहा च ६१५

पय च २२५, क १५५

पयस क २३९

पयोवर स ५ ग ४७७ ग ४७८, च ६

च २४९ च २४८ च ३१६, क २१९

पयोधि च २६४

पयोनिधि च २६४

पयं च १ १२

परंपरा च ९५३ स १६१

परंपरापत क १८२, च ९५४

पर क १२३ क १६५, न ९, च ५९६

क ३१ क ३२

परई क ४५७

परकीया स १५६

परस च २५

परसना च २५४

परसनाना च २५५

परसनीया ग ४ ८

परसा च २५१

परसा च ९५२

परसूनिमा ग ३२७

परसूनी स ३२७

परसाही क २९४

परसंन स २३५

वर्तन करमा हा २३७

वर्तनता हा २३९

वर्ता हा २९६, हा ४९७

वर्ता करमा वा ७९८

वर्ता घोसना वा ७९९

वर्ताना वा १६१ वा १६२

वर्तरेण वा १६

वर्ताना वा १६७

वर्तीक हा ४४८

वर्तबोधना हा २६२

वर्तवृत्त क ११२, क ५५८

वर्त क ११४ क १६५ वा २१

वर्तमूत्र क २९

वर्तम हा १४६

वर्तमूत्र क ११२, क ५५८

वर्तमात्र वा ८९५

वर्तमात्रा क ११२

वर्तमे-वर्त क ११२, क ११४ क १६५

क ४८

वर्तन वा २७५

वर्तनक हे 'वर्तन'

वर्तनक जाना वा १५५

वर्तनक निपातना वा १५५

वर्तन वा २७५

वर्तनिय वा १३६

वर्तनिय करमा हा २

वर्तनिय पावा हा १

वर्तन हा २३५

वर्तनता हा २३९

वर्तनामी वा १४

वर्तना वा १७ वा १३५ हा १८८

वर्तना वा २२४

वर्तना वा १५४ क १६५ वा ४४४

वर्तन हा ४११

वर्तना हा ४१२

वर्तनाक उ ३१ उ ३२

वर्तना उ १८४

वर्तनीनामी वा ३२

वर्तन क ५६१

वर्तन वा ३८५, वा ३९१

वर्तन कैसर वा ३८५

वर्तनम वा २१२, हा ३८ हा २७७

वर्तनमी वा २१४ हा ४ हा २७८

वर्तनमुत्र वा १२३

वर्तनम वा २८९

वर्तनित होना वा २९२

वर्तना हा ११२

वर्तन हा ४३९

वर्तनीन हा २३५

वर्तनीनता हा २३९

वर्तना वा १७२, वा ७४४

वर्तना वा २८५, वा ८२३

वर्तनम वा ८२५

वर्तनम करमा वा २९१

वर्तनम होना वा २९२

वर्तनम हा १५५

वर्तना हा ४६

वर्तनात हा ४८

वर्तना क ५७६ क ५७८

वर्तन वा ८२५

वर्तन करमा वा २९१

वर्तन होना वा २२

वर्तन वा १ वा १३४

वर्तनमा क २

वर्तना करमा वा २१

वर्तन हा ४४४

परिचय स २९, अ १३ व ११४	परिचीकन स २५६
अ ११६, अ ११७ अ ८५१	परिभ्रम स २८७
परिचय करना अ ११	परिभ्रमी स २८८
परिचय पाना अ ११	परिपद् अ २२३ अ ३३६, अ ३६६
परिचर्या क २६, स २४९	परिष्कार क ३२७
परिचयक अ १२	परिष्कार्य क ३५३
परिचारक स ३८३	परी क २४७
परिचारिका स ३८४	परीसक अ २५२
परिचासक अ १६	परीसय अ २५ अ २५४ अ १११
परिचित अ १५, अ १११	परीसा अ २५ अ १६२
परिचित होना अ ११	परीसा करवाना अ २५५
परिच्छेद अ २९९, क २३६	परीसापत्र अ २६६
परिच्छात अ १५	परीसार्थी अ २५३
परिचय ग १५१	परीसा सेना स २५४
परिचय करना स २४	परीक्षित क ४२२, अ २५१ अ ३८४
परिचय स ३८९	परीसान अ १३
परिचामक अ १६	परीसान करना अ ५५
परिचामकसी अ ७२७	परीसाना अ १६
परिचय अ १८	पश्य अ २४
परिचय्य अ १९	पश्यता अ २१
परिचय क २१८ क २३६ क २७१	पश्यत्व अ २१
परिधि क २१८, क २३६, अ ८	पश्या स १९३ अ ६३
परिपक्व स ९१	परेर्ष स ६३४ स ६६१
परिपाटी अ ९५२, स १६१	परेष्य क ११२
परिप्रासक क ५५८	परेषा ग ६३३ अ ६६
परिमल क २८७	परेषान अ १३ अ १३६
परिमाण अ ९५८	परेषानी अ १६, अ १३७
परिमित स ५७२ अ ४२	परेद् क ९९
परिमा उ ९५, उ १५६	परेँ उ १८४
परिवर्तन स ३	परोष अ ८२७
परिवार अ २४६ स ३ स १	परोषा स १६१
परिवेश अ ८	परोषा स ३७५
परिवेग अ ८	परोषा क ११२

पर्वटी व ६७
 पर्वी व २६६
 पर्वीय क १६४ क २१५ क २२५
 छ २१९
 पर्वी व ७२, छ १९
 पर्वीकुटी व १४२
 पर्वीसाका व १४२
 पर्वीय छ १९९
 पर्वीयक व १८६
 पर्वीयन व १८७
 पर्वीयत होना व ११६
 पर्वी क १ म १८, छ ११ छ ११२,
 छ २ १
 पर्वीय व २४८
 पर्वीय छ ४९९
 पर्वी म २२, य ११ छ १२१, छ १२४
 पर्वीय ११२
 पर्वीय म २२, छ १२४
 पर्वीय मारना व ७५५
 पर्वीयन व १५९, व १२५
 पर्वीयना व १७५, म ४ १ म ४ २
 पर्वीयनिवा व १६५
 पर्वीय छ ५४९
 पर्वीयना म २ १
 पर्वीय छ ५४९
 पर्वीयतर व १७
 पर्वीय व २८१ छ ५४९
 पर्वीयनी व १६८
 पर्वीयक व ७४२
 पर्वीयन करना व ७४४
 पर्वीयन क १४८, व ७२
 पर्वीयता छ ४ ४
 पर्वीय छ ४३९

पर्वीयना म २४७
 पर्वीयना म २४७
 पर्वीय व २१ म २२, व २३ व ३१३
 छ ३३४
 पर्वीय छ ५४९, व १६५
 पर्वीय क १३४ क ३११ क ३१३ क ३१६
 छ २६३ व ७१३
 पर्वीयकुमार क ३८ क ४२५
 पर्वीयसुत क ३८० क ४२५
 पर्वीयमान क ३ ७ क ३१३ क ३१६
 पर्वीय क १६५, क २८८, व ११६, म
 २६२, व ४२६, व ४५० छ १५७ छ
 २४५, व ४१४ व ५४१
 पर्वीयता व ४१५ व ५४४
 पर्वीय स्वाग क ५४
 पर्वीय क ८१ क २ ७ म ४३०
 पर्वीयपति क १६५, क ३११
 पर्वीयपतिनाथ क ५८
 पर्वीयवेध व २३१
 पर्वीय छ १७४ छ १९३
 पर्वीयताप म ३४८
 पर्वीयार् व ८२, छ १९३
 पर्वीयम व ७६, व ७६, व ८९
 पर्वीय म ३७
 पर्वीयनी छ २२६
 पर्वीयया व ९६०
 पर्वीय व ४७१ व १२३ व
 पर्वीय ल ५२७
 पर्वीयना व ८६५
 पर्वीयना म ७२
 पर्वीयना व ८६३, व ८७
 पर्वीयना व २५, म १४६
 पर्वीयना म १२१

पस्त अ ७५३	पहुतारी स ८४
पस्तहिम्मत स २७४	पहुत स २८३
पहुचनवाता अ ११५	पहुडी अ २७
पहुचल अ ४४ अ ११४	पांख म ५९९
पहुचानना अ ११	पाखी य ५९८, अ ६७
पहुनना स ७६, स ८	पांखुटी क ३८४
पहुनावा क २३६, स ७९	पांख स ५९६
पहुर अ १ स १२८	पांखन्य क ११८, क ३११
पहुय अ १६२	पांखर्वा अ ५९७
पहुय बेना स २ ५	पांखाडी क ४१८, अ १९४
पहुरवा अ ३७२	पांखर अ ६३३
पहुरेवार अ ३७२	पांखक ४१२, अ ५९६, अ ८९
पहुरेवादी स १९८	पांखनीता क ५८२
पहुरेवादी करना अ २ ५	पांखु क ४२ स ५१३, य ६६ अ ३८०
पहुचवाम ग ४ ९	पांखुता अ ३९
पहुला अ ५७८	पांखुर अ २८ अ ३७ य ६५ अ ७८
पहुके अ १७२, अ १९४ अ ८२७	अ १६७
पहाक अ २४८	पांखुरोग अ ५१३
पहाडी अ २४८	पांखुडिपि अ २९५, स १८६
पहिचाल बे 'परिचय'	पांखे अ २८९
पहिचाला अ १ ५	पाखेय अ २८९
पहिठी क ९७	पांठ ग ३
पहिना स ८	पांठी अ ९२४ अ ९२५, स २६४
पहिनावा क २३६	पांख अ ८६ अ ६७७
पहिरन क २७१ स ७९	पांखडा क २९४
पहिपवा क २३६	पांख पडना स २४८
पहिळा अ ५७८	पांथु अ १५८, अ १८६, अ ५३३ अ ९७
पहुंय अ ७४२	पांथुल अ ५४२
पहुंवा ग ६	पाठकर अ ५५३, क ३२२
पहुंवाना स ३५२	पांथिय अ ८, अ ९
पहुंवाया स ३५५	पाक ग ४२२, य ६ ५
पहुंवी क ३३४ क ३५३	पाकड अ ३७
पहुना य ३७८	पाकवामिती स ५

पाकर घ ६७	पात्र ज ४९८
पाकपात्रा ज १९८	पाठीन ग ५८७
पाकपासन क २२५	पाठप ज १७७
पाकस्पष्टी ज १९८	पाड़ा ज १३७
पाका ज ४७७	पाडा ज १९७ ज १३७ ज ४९८
पाकेट क ४९६	पाणि क ३४ ज ५८२, ग ५९
पाक्षिक घ २९१	पाणिग्रहण ग १५१
पाखंड ज ३ ८	पाणिग्रहण करना झ २४
पाखंडी ज ३ ९	पात्र ज २१
पाख क ८६	पात्रक घ १४ ज ३ ४
पाकर घ ६७	पात्रक्री क ३१९, ज ३ ६
पाकामा ग ११५, ज १५२	पात्रगोमी ज २७९
पाकाला होना ग ११६	पात्रपाहू ज ३४९
पाप क १८४ क २३८	पात्र होना ज ७ ८, ज ८११
पापक ज ३३५, ज ३४ ज ३६४	पात्राल क ३३१ क ३३५, क ३३६, क ३३७ ज २५१
पापस्पन ज ३३७ ज ३४१ ज ३६६	पात्री ज २१
पापक होना ज ३३८	पात्रक १५ ज २१ क ८२ क ४२७
पापक ग ४ २	पात्रक २९७ क ३११ क ३१३ ज ३ ज २४१ ज २६२, ज २६३, ज २६४ ज ६९३
पाघा ग ५५	पापर क ४७५, ज २४७
पात्रामा क २६४	पात्रोत्रि ज २६४
पात्रीपन ज २६९	पात्रक १६५, ज २९९, क, ५७४ ज ५९५, ग ८६, ज ६५
पात्रीपना ज २६९	पात्रकाल क २९७ क २९९
पात्रैव क ३३५, क ३६२	पाचना ज ९५१
पाट घ १२७ ज १२८	पाचन घ २
पाटन ज १६८	पाच्याहू घ ३४९
पाटन घ ४४२	पाचाहुलक घ २ ३
पाटसीपुत्र ज ११८	पाचुता क २०७ क २९९
पाटन ज ५४७	पाचा क ८८
पाटी ल ३११ क ५ ७	पाच घ २१ क १९ क १९१ क ३७९
पाटीर क १ २	
पाठ ग १७४ घ २९९	
पाठ्याज्य घ २७४ ज १९९	
पाठन ल २५७	

पस्त अ ७५३	पहुनारी स ८४
पस्तहिम्मत स २७४	पहुण स २८३
पहुणतवागा अ ११५	पहुणी स २७
पहुणाम अ ४४ अ ११४	पांख न ५९९
पहुणानना अ ११	पांखी ग ५९८ प ६७
पहुणना स ७६, स ८	पांखुरी न ३८४
पहुणावा क २३६, स ७९	पांख अ ५९६
पहुर अ १ अ १२८	पांखज्य क १३८, क ३११
पहुर अ १३२	पांखी अ ५९७
पहुरा बेगा स २ ५	पांखाली क ४१८ अ १९४
पहुरवा स ३७२	पांखर न ६३३
पहुरेवार अ ३७२	पांखक ४१२, अ ५९६, न ८९
पहुरेवाटी स १९८	पांखपीठा क ५८२
पहुरेवाटी करला स २ ५	पांखु क ४२ अ ५१३, ग ६९ व ३८
पहुरवाल न ४ ९	पांखुठा अ ३९
पहुरा अ ५७८	पांखुर अ २८, अ ३७ प ६५ व ७७
पहुरे अ १७२, अ १९४ अ ८२७	अ १६७
पहाड अ २४८	पांखरोग अ ५१३
पहाड़ी अ २४८	पांखुडिपि अ २९५, स १८९
पहिवाल है 'परिचय'	पांखे स २८९
पहिवाला अ १ ५	पांखेव स २८९
पहिठी क ९७	पांत न ३
पहिना स ८	पांठी अ ९२४ अ ९२५, स २९४
पहिनावा क २३६	पांथ ग ८६, अ ६७७
पहिरन क २७१ स ७९	पांथडा क २९४
पहिरवा क २३६	पांथ पढ़ना स २४८
पहिना स ५७८	पांथु प १५८, न १८९ क ५३३ व ९७
पहुंन अ ७४२	पांथुल अ ५४२
पहुंन न ६	पांथर न ५५१ क ३२२
पहुंनाना स ३५२	पांथिय स ८, प ९
पहुंनाना स ३५५	पांथ ग ४२२, न ६ ९
पहुंणी क ३३४ क ३५३	पांथु प ९७
पहुंन न ३७८	पांथुदिनी स ५

पाकर न ६७	पाठा न ४९८
पाकपाखा न १९८	पाठीन न ५८७
पाकसासन क २२५	पाठप ल १७७
पाकस्वामी न १९८	पाड़ा न १३७
पाका न ४७७	पाडा प १९७ न १३७ न ४९८
पाकेट क ४९६	पाणि क ३४ न ५८२, ग ५९
पाक्षिक ल २९१	पाणिप्रह्वन प १५१
पासड न ३ ८	पाणिप्रह्व करला क्ष २४
पासंठी न ३ ९	पाठ न २१
पास क ८६	पाठक प १४ न ३ ४
पासर प ६७	पाठकी क ३१९, न ३ ६
पाखाना ग ११५, न १५२	पाठपोमी न २७९
पाखाना होना ग ११६	पाठघाह ल ३४९
पाग क १८४ क २३८	पाठहोना न ७ ८, न ८११
पागळ न ३३५, न ३४ न ३६४	पाठाक क ३३१ क ३३५, क ३३६
पागळपन न ३३७ न ३४१ न ३६६	क ३३७ न २५१
पागळ हांना न ३३८	पाठी प २१
पाचक न ४ २	पाचक १५ प २१ क ८२, क ४२७
पाछ न ५५	पाच क २९७ क ३११ क ३१३ न ३
पाबामा क २६४	न २४१ न २६२, न २६३ न २६४
पाबीपन न २६	न ६९३
पाबीपना न २६९	पावर क ४७५, न २७७
पाजेव क ३३५, क ३६२	पाबोधि न २६४
पाट न १२७ प १२८	पावक १६५, ल २९९, क ५१७ न ५९५
पाटन न १६८	न ८६, न ६५
पाटन न ४४२	पावसाग क २९७, क २९९
पाटनीपुन न ११८	पावना न ६५१
पाटन न ५४७	पावप न २
पाटी ल ३११ क ५ ७	पावघाह ल ३४९
पाटीर न १ २	पाण्डुलक घ २ ३
पाठ ल १७४ ल २९९	पापुना क १९७ क २९९
पाठनाला ल २७४ न १९९	पापा क ८८
पाटन ल २५७	पाप प ३१, क १९ क १ १ क ३७९

पान करना क १२३
 पान मुर्ती क १८९
 पाना क १८६ क ११७ क ३ ७ क ३५
 पानी क २६२, क २२९, क २४५
 पानी उतरना क ५ ३
 पानी उतारना क ३४६
 पानीवार क २८८
 पाप क ३ ४ क ३१ क ४१५, क २२
 पापाचाटी क ३ ६
 पापक क १२ क १२१
 पापनाशक क १६५
 पापी क ३१९, क ३ ६, क ३१८
 पार्यबाह क २९४
 पाय क ८६, क ५ ४
 पायक क ३८३
 पायजामा क २६४ क २७७
 पायक क ३३५
 पायस क १२३
 पाया क ५५१
 पारंगत क १११
 पार क ४५९ क ५ ४
 पार करना क ६८६, क ७३९, क २३३
 पारखी क २५२
 पारक क २३९
 पारसी क ३
 पाप क ४५९
 पापबध क ५२४ ग ६३३ ग ६६
 पापवार क २६४
 पारिजात क २४१ क ४१७
 पारिषीपिक क २८४
 पारिषमिक क ३९४
 पारिषद क १८ क ३६६, क १५६
 पार्क क ८

पार्क क ३३६
 पार्क क ४१७ क ३४९, क ८१
 पार्कक क ८५६
 पार्किक क ३४९, क २९२
 पार्कती क १८६, क २ २, क २१५
 क ३६२
 पार्कतीय क ३५९
 पार्किय १०४ क २८१ क १७१
 पार्कनाय क ४८२
 पार्क क ३५७
 पाक क १३, क २८२
 पाकक क २५५, क २५६, क ११५
 क १९६
 पाककी क ३२७ क ४५८ क ३९७
 पाकन क १३६, क ३५८
 पाकन करना क ३२२
 पाकन करने वाला क १७५
 पाकन-योग क १३६
 पाकन-योग करना क २ ०
 पाकना क १३५, क ५ १, क ३१८
 क २
 पाला क २८१ क २५९, क २१
 पाकन-योग वाला क १ १
 पाकिटिक क ३३२
 पाकिठ होना क २ १
 पाली ग ५५४ क २२
 पालेना क ११७
 पाल क ५७४ क ५९५
 पाकक २८९, क २६७ क ३१६, क २१९
 पावन क १३४ क ३१६ क ४५६
 क २ १ क ४१४ क ५४१ क ११
 क ३ ३
 पावनता क ४१५ क ५५४

पावना झ ३ ४
 पावसगी करना झ १६७
 पावस छ ७२
 पावा झ ५ ४
 पाग क २९१
 पागुपत क ११ क ५५८
 पापाय झ २४७ छ २६१
 पापंग झ ९६
 पाप झ ९७६
 पासा झ ३७४
 पासी म २९९
 पाहन झ २४७
 पाहुन म २ ३
 पाहुना म २६३ म ३७८
 पाहुनी झ ८४
 पाहुर झ २८२ झ २८३
 पाम रा ३७ म ५३२ म ४५४ म ४७३
 पाल क ३११ रा ३७ म ५२४ म ५२९
 म ६५२, म ४५४ झ ३३२
 पाल मीना क ५८२
 पालना क १६३
 पालर रा ३७ म १२, म १२२ म ४७३
 पाल म १२, म १४ म ४७५
 पाल म १७ झ २१५
 पालिया ट १६८
 पाली झ ६८ ट ३१५
 पाल म ११३
 पालना ट ४७७
 पालना झ १ ० झ १४३
 पालना झ ८ ७ झ १३२
 पालना झ १३८
 पालना म ३८३
 पालना म ५५४

पिछौरी झ १७४
 पिटक क ५९६ रा ५२२, झ ४६९
 पिटाई झ २८
 पिटाई करना झ २८१
 पिटापी म ५५१
 पिटई झ ५ ६
 पितर म १६६, म ३७
 पिता म १७४
 पितामह क १२३ क १६५, क ४३४
 क ५७८, म १६२
 पित्त रा ४४२, ल ४४४ म १२४ म ४५१
 पित्तपापका म १८६
 पिती ल ४५६
 पितृ म १६६, म ३७
 पिपुम्य म १८५, म १८७
 पिरर क १७४
 पिनाक क १७६ म ४६१ झ ४ ९
 पिनाकी क १६५, क १६८
 पिनामा झ १२२
 पिनामु झ १२१
 पिनीकिया म ५४२
 पिपल झ २६२
 पिपला क ५५३
 पिप म २२४
 पिपटाई म ३
 पिपा म २२४
 पिपाय झ ३६६
 पिपाला ट ४६३
 पिपाल झ १२२
 पिपई म ५४८
 पिपाय क २ ३ क ३५, म १०२
 पिपय क ४६३ म ६५४ म १६३
 पिपना म १६४

पिस्ता ब ३६
 पिस्ता क ६५
 पिस्ता घ ३६
 पिस्तू ग ५४८
 पीक ग १२२
 पीकवान क ४७२
 पीकना ब ६४७
 पीछा ग ५५
 पीछा करना ब ३७४
 पीछे क १९३ ब ८२७
 पीछे बचना प्र २४५
 पीछे हटना ब २९१ व २९२
 पीटना ग १५६, क २२५, क २८१
 पीठ क ८ क ३३४ व ५५, क ५ ६
 पीठ ठोकना क ४ ३
 पीठमर्द न ३९८
 पीठिका क १ ७ क ५ ९
 पीठी क ७
 पीकक ब ५४
 पीका क ३२६ क ४८४ ब ५
 पीका बेना क ३७७
 पीकित ब ५४६, ब ५२
 पीका क ५ ६
 पीड़ी क ५ ५, क ७
 पीठ ब ३७ व ४७३ व ४९२
 पीठ कमज ब ३९६
 पीठचरन ब ११३ व ११३
 पीठवा ब ३९
 पीठक ब ४५४
 पीठावर क १३४ क ३९९
 पीठाम ब १३१
 पीठ ब ४९८, क ३६
 पीठवा ब ५

पीठघ घ ४७५
 पीठा क २१५, क १२३
 पीप ब ५२७
 पीपक ब ६६, व १८८
 पीप क ५२७
 पीप म २२४
 पीपुप क २४२, क १५५
 पीर क ११ व ५
 पीर ब ३७ ब ५
 पीर म ४३५
 पीरखाना ब १८७
 पीरवान ब ४१
 पीरा ब ३७ क ३८, व ११२, व ४७१
 पीराचरन ब १११
 पीरापन क ३९
 पीरिया ब ५१३
 पीर व २२४
 पीरक क ४४६, क ४९८
 पीरवा ब ५
 पीरना ब ५५२
 पीर २३४
 पीरु ग ४८३
 पीरुल क १९२
 पीरुल क १११ व ४४४ व ४९८
 व ५४३ व २३ व ३८८ व ३९६
 व ४२४ व ८८
 पीरुलकास क १३४
 पीरुली क ६६
 पीरु व ३
 पीरुल ब २२१
 पीरुलीन व २२
 पीरुल क ९८
 पीरुल क ८९९

पुस्तकालय १ ०
 पुस्तकालय ४ २
 पुस्तकालय ११५, १५१
 पुस्तक ४३४
 पुस्तक ६
 पुस्तक २५, ३०
 पुस्तक २०
 पुस्तक १००, २२, २०१
 पुस्तक ११, ३, १, ५, ४१४
 पुस्तक १, ८
 पुस्तक ४६
 पुस्तक ११, ११४, ४१४
 पुस्तक २१, ३०६
 पुस्तक २१, ३०६
 पुस्तक २५, १२२
 पुस्तक २३३
 पुस्तक ३०६
 पुस्तक ८३
 पुस्तक १८
 पुस्तक १, ०, ११, ११, ३
 पुस्तक २५
 पुस्तक ११४, ११५, ११७, ११४
 पुस्तक ११
 पुस्तक ११, ३
 पुस्तक ११, ३
 पुस्तक ११४, ३३५
 पुस्तक १००, ४३१, ११५, ११०
 पुस्तक ११८
 पुस्तक ११, १५
 पुस्तक १११, १११
 पुस्तक १८, १५, १११, ११०
 पुस्तक १११

पुस्तकालय ३४२, २८४
 पुस्तक ०६, ११५, ५३५, ५०४
 पुस्तक २३०, १११, १२३
 पुस्तक २१
 पुस्तक १३४, १०४
 पुस्तक १०६
 पुस्तक १०४
 पुस्तक १०६
 पुस्तक ११५
 पुस्तक १, ३, ११५, ११५, २०१
 पुस्तक ११५, २६२
 पुस्तक ३३८
 पुस्तक ११५, २१०, १, ५, ५, ५
 पुस्तक २२४, ११४
 पुस्तक २३१
 पुस्तक २, १
 पुस्तक ११२, ११४, ११०
 पुस्तक २, ५
 पुस्तक १५०
 पुस्तक ८८
 पुस्तक ११
 पुस्तक २८८
 पुस्तक ४१, ४८
 पुस्तक ११५, ५०८, ५०४
 पुस्तक ०
 पुस्तक २४, ३, १
 पुस्तक ३८१
 पुस्तक ५५, ३०
 पुस्तक ८
 पुस्तक ५८, ११८, ११५, ३, ०
 पुस्तक ४८८, ४१४, ५१, ५, १८८
 पुस्तक ५३, ५३, ५३, ५३, ५३, ५३
 पुस्तक ५६, ५३

पुस्तक ११५, ११५६ क ४४३
 पुस्तक ५४३ क ४९८ मा ३६ मा ४
 पुस्तक ५
 पुस्तक २ २
 पुस्तक १२८, ५९८, ५९८१ क २३
 क ३५
 पुस्तक विमान १३९
 पुस्तक ३८३
 पुस्तक ३८५
 पुस्तक १
 पुस्तक ३८२
 पुस्तक होता ३९८
 पुस्तक २९६
 पुस्तक २११
 पुस्तक २९६ ता ३ २
 पुस्तक ३८१
 पुस्तक ४३४
 पुस्तक ३८ ता ३८१
 पुस्तक ११९
 पुस्तक १९२, ५९२४
 पुस्तक ११८, ५११९
 पुस्तक ११९
 पुस्तक १ ९
 पुस्तक २६, ५३४२
 पुस्तक ५७ क ३४३
 पुस्तक २९, ५३४
 पुस्तक २६ क ३४२
 पुस्तक २७ क २७
 पुस्तक २८, ५३४
 पुस्तक २९, ५३४ क ४४
 पुस्तक २९ क ३५४
 पुस्तक ३५४
 पुस्तक १ ९, ३११ ३ १११

पुस्तक २५० क ४९४ क ४९४ क ५४१
 पुस्तक ५४४
 पुस्तक ३५९, ५३६ क १११ ३२६
 पुस्तक ११
 पुस्तक २८३
 पुस्तक २६४ क २४५
 पुस्तक ३५५
 पुस्तक ११
 पुस्तक ५७
 पुस्तक ८१
 पुस्तक १३७ क ८०५ क ८३९
 पुस्तक ८१ मा ३५७
 पुस्तक ११९
 पुस्तक १५५ क ८२१ क ९१६
 क ९४३
 पुस्तक १ ९
 पुस्तक १३४ क १ ९, ५२६२, ५८ ५
 क ८७९
 पुस्तक ८१
 पुस्तक १ १६
 पुस्तक ११
 पुस्तक ११६ क १ १६
 पुस्तक ३७ क १५५, ५८२१
 पुस्तक ११ क ११५
 पुस्तक १९, ५७६, ५७९, ५८१
 क १९४
 पुस्तक २९७
 पुस्तक १६ क २१८, ५५
 पुस्तक ३१८
 पुस्तक ५
 पुस्तक ८३
 पुस्तक १२९, ३११ ३ ११२
 पुस्तक २७ क ३८

पूर्वाभाषण अ २० अ ५३
 पूर्वापाठ अ २० अ ४३
 पूर्वोक्त अ ११९
 पूजा अ १२४ अ १२९
 पूज अ १४ अ ३३ अ ५७
 पूजक अ २९३
 पूजाक २१५, क २ ७ क १ ९ अ ५५
 अ १
 पुम अ ५७ अ ७९ अ ८१
 पुत्रक अ ८५५, अ ७३
 पुत्रक वरमा अ १८२, अ ८५३ अ ९०१
 पुत्रवना अ ८५६
 पुत्रक होना अ ८५४ अ १
 पुत्रा अ ४११
 पुत्रिणी अ २३३ अ
 पुत्रक ११४ अ १५४ अ १९५ अ ३११
 अ ४२५
 पुत्रुणा अ ४०८
 पुत्रुणा अ ५
 पुत्री अ ५३३ अ ७८, अ ८९ अ १
 पुत्रीणा अ १ ३
 पुत्र अ ३०४ अ ५५
 पुत्र अ ३३ अ ६६
 पुत्रीणा अ १५८
 पुत्री अ १६ अ १११
 पुत्रा अ ८
 पुत्रक अ ३१३
 पुत्री अ ३३५
 पुत्रा अ ७३३
 पुत्र अ ३ ४
 पुत्र अ ७३ अ ११३ अ ३४
 पुत्र अ ७३ अ ११६
 पुत्र अ ७३ अ ३३

पेट रूना अ १४१
 पेटारी अ ४८४
 पेटो अ ५३ अ ३९५ अ ४८६
 पेटोरोट अ २०५
 पेट अ २८६ अ १८५
 पेट अ २ अ ५
 पेट-नीचे अ १
 पेट लगना अ ३३०
 पेटो अ १४
 पेटु अ ५४ अ ७३ अ ११३
 पेटुना अ ८
 पेट अ २ ७ अ २६६ अ २८९
 पेटना अ ७६१
 पेट अ ४४८
 पेटवार्ड अ ६६८
 पेटवार्ड वरमा अ ६६१
 पेट अ ३ ३
 पेटानी अ १६
 पेटाव अ ११३
 पेटाव वरमा अ ११८
 पेटो अ ६ ३
 पेटार अ १३२
 पेटो अ ३३५
 पेटवार्ड अ ५३३ अ ५३४
 पेट अ २६६
 पेट अ २६१
 पेटो अ १ ५
 पेटो अ ३३३ अ ३३५
 पेटुना अ ३६४
 पेट अ ११८ अ ३७३
 पेटु अ ५३८ अ ७४
 पेटु अ ७३१
 पेटु अ ७३ अ ३३३

पैताबा क २६७
 पैतुक स ८, स १३
 पैतुक स ३६ स ३६१
 पैतुक फीज स ३६१
 पैता स ३६८ स ८१८
 पैताइस स १७४
 पैता करना स ३८४ स १४६
 पैताबार स २२४
 पैता होना स १४५ स ८१७
 पैता स २६६
 पैता करना स २६७
 पैताइस स १६२
 पैताना स ६४५ स १६१
 पैर स ८६, ग १३८
 पैरगाड़ी क ३८६
 पैर कूना स १६७
 पैरला स ४१८ स ४२
 पैर भारी होना स १४१
 पैरी क ३२५ क ३६२
 पैसा स ३८ स ४८ स ४२६
 पैसागा स ७४१
 पैसियागा स ६७४
 पैसि स ५३६
 पैसना स ५५२
 पैसियागा स ६७४
 पैटा स १२३
 पैता स ५६१ स ६ ५
 पैता स ६७
 पैतर स ३१३
 पैतरा स ४६२
 पैतरा स ३१८
 पैत स ४२६

पेय ग ६ ३
 पेड़ स ४९८ स ४१
 पेठ स ४३१ स ६ ३ स ५ क ३८
 क ३८१
 पेठक ग ४२८ स ६ ५
 पेठडी ग २५८
 पेठ देना स ९४३
 पेठका क ११२ क ११४
 पेठा क ३१३ स ८१ स २५७
 पेठी ग २५८
 पेथा स २९६
 पेथी स २९५ स २९६
 पेथीगा स १८९
 पेपपंथी क १२, क १४
 पेपठा स ५२४ स ८ ६
 पेपलीका क १२
 पेप स ३३५
 पेप स ६८
 पेस स ९३१
 पेसटिकक स ३३३
 पेसा स ८ ६
 पेसाक क ९४
 पेसा स ५६१
 पेसाक क २३६ स ७९
 पेपल क १३६
 पेपल करना स २
 पेपल पागा स २ १
 पेपनीय क १३७
 पेपित होना स २ १
 पेप्य क १३७
 पेप्युस स २५५ स २५६
 पेसना स २
 पेस पागा स २ १

प्रविष्ट करना व ७४१

प्रवीण व ३६७

प्रवृत्ति व १२३ व

प्रवेश व ७४२

प्रवेश करना व ६६

प्रवेश कराना व ७४ व ७४१

प्रवेश पाना व ७४

प्रबंधक क ९५

प्रबंधनीय व ३५८

प्रबंध क ४५, व ३५५

प्रबंध करना व ३५९

प्रघस्त व ९६

प्रघस्ति व १७६, व ३५५

प्रस क ५५८, क ५५९, व २६५, व ११९

प्रसन्न व २६६

प्रसंग क २८७ छ १ व ६२१

प्रसन्न करना क २८६

प्रसन्न व ३९

प्रसन्न करना व ४३, व २४८

प्रसन्नचित्त व ४७

प्रसन्नता व ४५

प्रसन्न होना व ४१ व ३७ व ६४९

प्रसन्न व १४४ व २४६ व २४७ व ३८१

श ५३

प्रसन्न होना व ८६५

प्रसन्न करना व १४६

प्रसार व १९१ व १९३, क ८२

प्रसार पाना व ११७

प्रसारित व २६८

प्रसार व ५७४

प्रसिद्ध व ३४७ व ३५१

प्रसून व ७५

प्रसून व १४४ व ८१८

प्रसून ऊपर व ४९३

प्रसूता व ४२१ व ५४

प्रसून व ३८१ क ८८

प्रस्तर व २४७

प्रस्तावना व २९८

प्रस्तुत व ३७४ व ३७६, व २५७

प्रस्थान व १३४ व ६६७

प्रस्थान करना व ६६५

प्रस्वेद व १२१

प्रहर व ६६, व १ व १२८

प्रहरी व ३७२

प्रहृष्ट व ३९

प्रहृष्ट व १३५ व ३७२

प्रहार व २८

प्रहेल्मिका व ५, व २७

प्रहार व ४५

प्रागय व १४५

प्राप्त व १६

प्राकाम्य व २६४

प्राहृत व २१८, व ३८५

प्राहृतिक व ३८५

प्राहृतिक चिकित्सा व ४३२

प्राक्कथन व २८

प्रातिविहामिक व ३२२

प्राची व ८३

प्राचीन व ३१९, व १७६

प्राचीनता व १७६

प्राचीर व १३९, व १९ व १८१

प्राच्य व १७६

प्राक्क १२३ क ३११ क ३१३ क ३१५

व ५६ व ३२४

प्राप्त्याग व १५५

प्राप्त्याग व १५६

प्रचार करना अ ८६३ अ ९५५
 प्रचनन ग १४४ अ ५३
 प्रवा अ ३७८, म २४६
 प्रवर्तन अ ३४
 प्रवापति क १२३ क २९७ क ३१७
 क ५७८ म १७४
 प्रवापती अ ५२
 प्रज्ञ क १७
 प्रज्ञा क १३ अ १३२
 प्रज्जमित्त अ १ ८
 प्रज्जमित्त करना अ १ ३
 प्रज अ १९७ अ ४२७
 प्रय करना अ ४२८
 प्रवत्त अ ७८
 प्रणम म ९ अ १४५
 प्रणयी ग २२४ अ १५३
 प्रणव क ११२
 प्रणाम अ १३६
 प्रणाम करना अ १६७
 प्रणयी अ २ ५ अ ९५२, अ ३७
 प्रणेता अ ८१६
 प्रणयी अ १७२
 प्रणय अ १ अ २७३ अ १७१
 प्रणयित्त अ २७९
 प्रणय्य अ २ ६
 प्रतिकार अ २६७
 प्रतिबन्ध अ १८५ अ २८६ अ ४२१
 प्रतिबन्धता अ २७६ अ २८३
 प्रतिज्ञा अ ४२ अ ४२३
 प्रतिज्ञा करना अ ४३८
 प्रतिज्ञापन अ १८९
 प्रतिदिन अ १३८
 प्रतिद्विधा अ २६१

प्रतिद्विधी अ २८४
 प्रतिपत्नी ग २७९, ग ३६९ अ २८२
 प्रतिपदा क ४९१ अ ९५
 प्रतिपाकक अ ७८९
 प्रतिपाकन अ ६२२
 प्रतिपत्न्य अ ७७८, अ ७८३
 प्रतिपत्न्य लगाना अ ७८८
 प्रतिपिब क २२, अ २९७
 प्रतिभा ग १३२
 प्रतिभू अ १८७
 प्रतिभ अ ४२९
 प्रतिभा क २२
 प्रतिभाकार अ १
 प्रतिभूति क २२
 प्रतिभाप अ २६९
 प्रतिभायी ग ३६९, अ २८४
 प्रतिघट अ ६३
 प्रतिष्ठा क २३ अ ३४२
 प्रतिष्ठ्य वेला अ ३४३
 प्रतिष्ठ्यन क २३
 प्रतिष्ठ्यापना क २३
 प्रतीक म ११
 प्रतीक्षा अ ४५४
 प्रतीक्षा करना अ ४५३
 प्रतीक्षाक्रम अ २१
 प्रतीची अ ८२
 प्रतीति अ २५३
 प्रत्यंथा अ ४१
 प्रत्यय करना अ ७२३
 प्रया अ ९५२
 प्रय अ २ १
 प्रयत्न अ ५३३ अ ५३४
 प्रयत्नक अ ७३४

प्रत्यय स १९२	प्रमाती क ५५९
प्रपाया स १४४	प्रमाव व २४९
प्रपूय क २ १ छ १४१	प्रमावसाली स १०२
प्रपुंजी य ७१ व ७३१	प्रमु क ११२, क ११५, क २२६ स ३४९, स ४०५ स य ३८० व ४५९
प्रपुंजित व ७३५	प्रमुता स १४९
प्रबस स ५७८ छ १९४ व ८१२	प्रमुताई स १४९
प्रदाता क २ १	प्रमूख स १४९
प्रदान क १९५	प्रमाव स १९२
प्रदान करना क १९९	प्रमाण देना स १९ स १९३
प्रदीप इ ४९ छ ३८३	प्रमानित करना स १९३
प्रदेश छ ३४८, व १ व १ ६	प्रमाव क ३१
प्रदीप क १२५, छ १३१ छ १३५, छ १४१	प्रमुक्त स ३३५, य ४ ४
प्रद्युम्न क २०१ क ४ २	प्रकृष्टि व ५१
प्रधान स ३३५	प्रमेह स ४६१ व १४८
प्रधान मंत्री स ३५९	प्रमोह व ४५, व ४९
प्रधानाभ्यासक स २०१	प्रपल स १४४ स २८७
प्रति व १ ३	प्रपाव क ५८, व ११६
प्रतिगामह क १२३ य १६१	प्रपाण व २८७
प्रपुंज व ३८२, व ५१	प्रपाल स २८७
प्रपुंजित करना व ४३	प्रदीप स ३ ६
प्रपुंजित होना व ४१	प्रपोजन स ३ ६
प्रपय स १०५, स २ ७ स १५७	प्रपय क १७२ छ २२
प्रपयक स २८७ स ३७५	प्रपय करना क १०१
प्रपय करना स १५९	प्रपय व ३११
प्रपयवर्ती स २८७	प्रपय करना स १२ स १११ व १२३ व १२६
प्रपयवर्तक स १ ७ स २८७	प्रपयन क ५३८
प्रपय वाच्य स १०६	प्रपाव व २३ व १ २
प्रपोजना स २६२	प्रपाव क २४ व २०४ व ७७ व ४
प्रपोजन व ३११ व ३१६	प्रपुंजि व ७४
प्रपा क १९७ क ३ २ व १ छ १८१	प्रपुंजि वाचा स ४१
प्रपाव क ७ व ३ ७ क ३११	प्रपुंजि व ७४१
व १ व ३१४	
प्रपय छ ११	

प्रविष्ट करना व ७४१	प्रसूत ज्वर व ४९१
प्रवीण व १६७	प्रसूता व ४२१ स ५४
प्रवृत्ति व १२३ व	प्रसून व ३८१ क ८८
प्रवेश व ७४२	प्रस्तर व २४७
प्रवेश करना व ६६	प्रस्तावना व २९८
प्रवेश कराना व ७४ व ७४१	प्रस्तुत व ३७४ व ३७६, स २९७
प्रवेश पाना व ७४	प्रस्थान व ११४ व ६६७
प्रशंसक क ९५	प्रस्थान करना व ६६५
प्रशंसनीय व ३५८	प्रस्त्रेय स १२१
प्रशंसा क ४५, व ३५५	प्रहर व ६०६, क १ क १२८
प्रशंसा करना व ३५९	प्रहरी व ३७२
प्रसस्त व ९६	प्रह्वित व ३९
प्रसृति व १७६ व ३५५	प्रहसन व १३५, व ३७२
प्रसू क ५५८, क ५५९, स २६५, व ११९	प्रहार स २८
प्रसून व २६६	प्रहेलिका व ५, क २७
प्रसंग क २८७ क १ व ३२१	प्रह्लाद व ४५
प्रसंग करना क २८६	प्रान्त व १४५
प्रसभ व ३९	प्रान्त व १६
प्रसभ करना व ४३ स २४८	प्राकाम्य क २६४
प्रसभचित्त व ४७	प्राकृत व २१८, व ३८५
प्रसभता व ४५	प्राकृतिक व ३८५
प्रसभ होना व ४१ व ३७ व ६४९	प्राकृतिक विक्रिया व ४३२
प्रसव स १४४ व २४६, व २४७ व ३८१	प्राक्कथन व २९८
स ५३	प्राकृतिक व ३२२
प्रसरित होना व ८६५	प्राची व ८६
प्रसन्न करना स १४६	प्राचीन व ३१९, क १७४
प्रसार व १९१ व १९२, क ८२	प्राचीनता क १७६
प्रसार पाना व ११७	प्राचीर व १३९, व १९ व १८९
प्रसाधिका व २६८	प्राण्य क १७४
प्रसार व ५७४	प्राणक १२३ क ३११ क ३१३ क ३१६
प्रसिद्ध व ३४९, व ३५१	व ५९६, स २२४
प्रसूय व ७५९	प्राणप्याय व १५५
प्रसूत व १४४ व ८१८	प्राणप्यायी व १५६

प्राचप्रिय व २२४
 प्राच ब्रह्मणा स २३१
 प्राच सेना स २१८
 प्राणवायु छ २६४
 प्राणति य १५४
 प्राणति करना स २१८
 प्राणान्त होना म १५५
 प्राणाचार य २२४
 प्राणी म १ य ६ म ४३
 प्राणेश म २२४
 प्राण छ १३९
 प्राणपथिक क ३११
 प्राणमिक छ १७८
 प्राणुर्मात्रि क ८ ३ व ८१२
 प्राप्त स ४९
 प्राप्त करना व १८६, स ३५
 प्राप्ति क २६४
 प्राय छ १९८, व १ ९
 प्रारंभ व ८१२
 प्रारम्भ करना व ८१४
 प्रार्थनिक छ १७८
 प्रारब्ध व ४५७
 प्रारब्धहीन व ४६१
 प्रार्थना क ४५, क ९५, व १७६
 प्रार्थना करना स २४८
 प्रार्थना-नम स २५
 प्राचित्र स २५२
 प्राची स २५१
 प्राण्य छ २५९, छ २६
 प्राबुद्ध छ ७२
 प्रासंगिक छ १४
 प्रामाद क १९, व १७१
 प्रियपत्न य २७६

प्रियंगु छ ३५२, स ४४
 प्रिय व २२४ व ४ १ व १५५, व ४६३
 प्रियतम ग २२४ व १५५
 प्रियतमा म २९७ व १५६
 प्रियवर्षी व ४६३
 प्रियभाषी व ३३६
 प्रियवर व १५५
 प्रिया म २२५, म २६७ व ४ १ व १५६
 प्रीतम व २२४ व १५५
 प्रीतमा व १५६
 प्रीति क २८५, क ३ ९, व १४५
 प्रेक्षागृह व १६६
 प्रेत क ३५
 प्रेतिनी क ३५२
 प्रेम व १४५, व १४७ व १५३, व १५७
 प्रेम करना व १३९
 प्रेमभाव व १४५
 प्रेमालिंगन व १५
 प्रेमिका म २६७
 प्रेमी म २६३
 प्रेमसी म २६७ १५६
 प्रेरक व २१८
 प्रेरणा व ४ व २१६
 प्रेरणा देना व २१७
 प्रेरित करना व २१७
 प्रेम छ १८६
 प्रेरिडेंट व ३३५
 प्रोटैस्टेंट क ५ १
 प्रोत्साहक व २१८
 प्रोत्साहन व २१६
 प्रोत्साहित करना व २१७
 प्रोप्राइटर म ३८
 प्रोफ़ेसर छ २४१

श्रीक स ४१
 श्रीकटा क ५ १
 श्रीका स १५७
 कथम ग ५ ५ ग ५२४ क १७
 क्वाट क १३९
 क्वास्टर क १७
 क्वीहा य ११२
 क्केग क ५ ९
 क्केट क ४४२

क

कंथना क ७८१
 कंथा क ५६२
 कंकरी क ५१
 कंसना क ७८ क ७८१
 कंठा क १२२
 कंठाना क ७८२
 कंठानि क ५७१
 कक क २८
 ककीर क ११
 ककीरि क १११
 ककीरी क ६६
 ककूर क ८८
 ककुना छ २ ३
 ककुनहटा छ ७२
 ककुनहा छ ६१
 ककल क १९
 ककुरि क ५ ९
 ककीरु क ९४९
 ककुल क ४२१ इ
 ककुलपर्यंत स १८९
 कट ग ५६४
 कटव क १६४

कटकल इ ४६३
 कटकना क ५५४ क ८५३
 कटकाना क ३६१
 कटकार क ३५६, क ६३९
 कटकारना क २४७ क २४८, क ३१
 क २५२, क ६४
 कटना क ४८२, क ८५४ क ८९२
 क ९३७ क ९३३
 कटकटिया इ ३८५
 कटा य ५६४
 कटी य ५६४
 कक क २१८
 कककना क ६८५, क ३५१
 कककना क ६
 कक ग ५६४
 ककवर य ५५८
 ककीर क ३३
 ककी य ५५८
 ककह क २८८
 ककहना क हीना क २९३
 ककठना क ६६८, य ६६९
 ककुही क २४२, क २५१
 कक क २३५, य ५६४ क ३९९
 ककोला क ५२१
 ककीला क ४६३
 ककना क ६८५
 ककका क ८५६
 कककना क ६
 ककमान स १८८
 ककनाबरदार स २४२
 ककनाबरदारी स २४३
 ककरी छ ३८
 ककवत क ३४४

हरिया क २७४ क २७६, क २८
 हरिया क १८४
 हरियावी क ३६८
 हरियाना क ८५४ क ७२
 कस्ता क ५३१
 कस्ता क ५३१
 कस्तूरी क १४६
 कस्तूरी क ४१
 कस्तूरी क २३८
 कस्तूर क २९२
 कर्त क ९६९
 कर्त करना क ९६८
 कर्त क ९७
 कर्त क १८३
 कर्त क १७
 कर्त क ५९१ क ३४२, क ३५७ क ४०७
 क ५२७ क ३४२, क ३८९
 कर्त क २३८, क ३११ क १२२, क १९,
 क ४७ क २३८
 कर्त क १ १
 कर्त क ४९
 कर्त क ६३
 कर्त क ३४९
 कर्त क मारना क ६८६
 कर्त क १४४ क ७७
 कर्त क ३४२, क ३५७
 कर्त क २३१
 कर्त क्योटिय क ६४९
 कर्त क २, क ३१
 कर्त क ४ ४
 कर्त क ३ ३
 कर्त क २२४ क १
 कर्त क ६५

कर्त क १७५
 कर्त क १७६
 कर्त क २ ८
 कर्त क २२४
 कर्त क ८७६
 कर्त क ६८१
 कर्त क ६८३ क ६८६
 कर्त क ५ ८
 कर्त क २२९
 कर्त क ३ ७ क ३०९
 कर्त क ६६
 कर्त क ३३६, क २ ३
 कर्त क ६
 कर्त क १६५
 कर्त क ९३३, क ३७७
 कर्त क ८९३ क ९३४ क ९३६
 कर्त क ९५३
 कर्त क ५२७
 कर्त क ९३६
 कर्त क १६५, क ३७७
 कर्त क ४५
 कर्त क ६३
 कर्त क ५१८, क ५२३
 कर्त क ४१७ क ८३ क ८६ क ९
 क ३७ क ७
 कर्त क ४७६ क ५३१
 कर्त क ३४४
 कर्त क ३४५
 कर्त क २२५
 कर्त क ३३९
 कर्त क २२४
 कर्त क २२५
 कर्त क २२६

क्रिष्णस्त व २२६	फुटेहरा क १४४
फिटकार व ३५६, व ६३९	फुवकना व ६८३ व ६८५
फिटकारणा व २४० व ३६	फुफुली क २७२
फिटकरी प ४६६	फुछीका व ४४८
फिरबी ग ३८३	फुरसत क १५५
फिरंगी ग ३६५	फुर्वी क १६२ व १५८, व ४४४
फिर क १९३ व १ ७ व १ ९, व १ ११	फुर्वी करणा क १६१
फिरका व ९२४	फुर्वीबाब व ४४८
फिरला व ६३ व ६७५	फुर्वीका क १६४ व ४४८
फिर मी व १ ७	फुवना क १
फिराफ व ८५६, व २२४	फुवकी क १
फिरोबा व ४९	फुवगारी व ९
फिरसफा व ३२७	फुवान व ५२४
फिजासछी व ३२७	फुविया क ३२९
फिरव व २ १	फुवैक क ३१२
फिरवना व ६९८, व ६९९	फुवोड़ी क १३४
फिरलाइंट व ६९८	फुवलागा व ८४४ व २ ९
फीबना व ५४० व ५५	फुहार व २६३, क २४८, क २४९
छी व ४२	फुही व २६३, क २४९
छीका क ४८	फुवना क ३६१ व ९३ व ८१९, व ८११
छीकापन क ४९	फुवा प २ ६
छीरोबा व ४९	फुट व ३७३
छीरोमी व ४६	फुटना व ८९२, व ९३७
छीक म ४३५	फुफा व २ ७
छीकनागा व १८०	फुपी व २ ६
छीकपाव व ५१७	फुसू प २ ९, प २ ७
छीकवान प ४१	फुक क ३ व ४६४ व ९९, व २७८ व ३८१ व ४५६, क ३४३, व ३९
फीसड व २ १	फुलमोपी व २७८
छीस व ४२	फुवना व ४१ व ८ ८, व ३१९, व ३१६
छीसबी क ६३	फुवगरी क ३५
फुट व ८५५	फुवा व ४६४
फुटकर व ८५५	फुवा न समागा व ४१

फैफ़ाना क ३८५, ज ७ २, क ८७१
 क ८६८ म ४१९
 फेफ़ाना म ९३
 फेफ़ा ह २६३
 फेफ़ म १७ ह २१ क २६६ क २८३
 फेफ़िह क ४२ घ ८५
 फेफ़ी ह १२८
 फेफ़ड़ा ग १ ९
 फेर क ३५५
 फेर झकना क ३६
 फेरना म ३ ८
 फेर पड़ना क ३५९
 फेरफ़र म ४
 फेरबासा क ३५६
 फेरी क २
 फेरी देना ज ६९४
 फेरी ज ३१
 फ़ैयासी ज २
 फ़ैलमुक़ म ३८९
 फ़ैना ज ४३४
 फ़ैनाता ज ८६३ क ८९५, ज ८७१
 फ़ैनाब ज ४३५, ज ५७३ ज ५७४
 फ़ैरा म ५२१ म ५२२
 फ़ोटो म १३
 फ़ोटो लीखना ज १६
 फ़ोड़ना ज ८५३ ज ८९४
 फ़ोड़ा म ५२२
 फ़ोड़िया म ५२३
 फ़ोणा ग ८१
 फ़ोनीहाफ़ म ११६
 फ़ोरल ह १६३
 फ़ोरल देना म ९४
 फ़ोड म ३५ क ९२४

फ़ौजदार क ३५८
 फ़ौज ज ८२८
 फ़ौज़ाद घ ४५२
 फ़ौज़ क ३५९, ज ९२५
 फ़ौज़ ज ४४३
 ख
 खंक ज ६ ज ६४
 खंका ज ६ क ६४
 खंम घ ४५७
 खंगला म २२१ क १४१
 खंगुरी ह ३३४
 खंभरु म ४१८, ज २६८
 खंभरुता म २ ६
 खंभना म २ ६
 खंभाना म २३३
 खंभुम घ ९२
 खंभा घ ३
 खंटबाघ ज ८८९
 खंटा ज ८८८
 खंटाई म ५६४
 खंडल क ९२४ ज ९३
 खंडा क ३ ९
 खंडिल ज ९२४
 खंडी ह २५१
 खंड घ १९८, क १ ७ क १८३ म २२१
 खंड करना ज ७९८
 खंडगी ज १६६
 खंडपोमी क २७९
 खंडनवार घ ४८३
 खंडनीय ज ३५४
 खंडर ग ५२८
 खंडरग्यां ज ४८२

बंदरी प २२५	बंदा व २७२, व २७३
बंदा ग ३७२, ग ३८३, ग २२१	बंदर व ७
बंदिगृह स २२२	बंदा न २४६, व ८
बंदिया क ३२८	बंदज न २४६, ग ५
बंदिस करना क १६९	बंदपरम्परा म २४६
बंदी ग ३५३, ग ३७२, क ३२८, स २२१	बंदसोचन व २१८
बंदीखाना व १८२	बंदी क ११२, क ५७२
बंदीगृह व १८२	बंदीकर क ३९९
बंदीखत प ३५३	बंदा व ८०, ग १
बंदीखान म ३७३, स २२१	बंदी क ५२२
बंदुकची क ३६५	बंद क २२५, क २८, ग ६५
बंदुक क ४ ५	बंदक करना व २८, व ११३
बंदुकची क ३६५	बंदना व ११३
बंदे व १६६	बंदक व ११३
बंदीखस्त स १५७	बंदक करना व ११३
बंद ग १२, ग २३५	बंदक ग ४९१
बंद पागा व ७८	बंदी ग ४९२
बंदत क १६५, व १८२, व १८३	बंदरी क २२६
व ७८४, स २३९	बंदना व ११३
बंदत में डालना व ७७९, क ७८३,	बंदना करना व ११३, व १२६
ग २३७	बंदनाही व ११२, व ११५
बंदत में होना व ७८	बंदनास व ११३
बंदतबिहीन स २३४	बंदनासी व ११२
बंदा ग २३५	बंदनास व ९
बंदु व २१४	बंदुची प २१६
बंदुता ग १, ग ११	बंदुस प ४२, व ४२६
बंदुख ग १, ग ११	बंदुता न ६५
बंदुखत ग १२	बंदुली ग ३५१
बंदुबा ग ३७२, ग २२१	बंदेन ग ४७४
बंदूक व ४२५	बंदेना व ४७४
बंदुवपुष्प व ९	बंद व ११, व ९
बंद्या प ३	बंदत क ४८६
बंदुलिख व १५२, व १५३	बंदत रा १४३, व ८९

बहारा लम्पला प ८८७
 बहारा ल ३५५
 बहारा ल ३५९
 बहारा ल २१५ ल ९२४
 बहारा ल ८८१
 बहारा ल १२६
 बहारा ल १७५
 बहारा ल ८६३
 बहारा ल २८४
 बहारा ल ६५
 बहारा ल १४५
 बहारा ल ८७१
 बहारा ल ५७
 बहारा ल २५
 बहारा ल २ १
 बहारा ल १७५
 बहारा ल १७६
 बहारा ल ९
 बहारा ल ६५
 बहारा ल ३ ९
 बहारा ल ३८७
 बहारा ल ४९८, ल ३४७
 बहारा ल ७४
 बहारा ल ९४
 बहारा ल २२४
 बहारा ल ४२९
 बहारा ल २७१ ल ६१४ ल ६२१
 बहारा ल ४२८
 बहारा ल ७७५, ल २३३ ल ३८१
 बहारा ल १ ८
 बहारा ल २४६ ल ४२२, ल ६ ५, ल ३
 बहारा ल ११३
 बहारा ल ४३१ ल ५५६ ल ४८

बहारा ल ४५६, ल ४८
 बहारा ल ४५६, ल ४५७
 बहारा ल ९२
 बहारा ल ३६५
 बहारा ल २३६
 बहारा ल ९२, ल ९३
 बहारा ल ३८९
 बहारा ल २५६
 बहारा ल ९७
 बहारा ल ३६४
 बहारा ल ७८ ल ७८१
 बहारा ल १२२
 बहारा ल ७८१
 बहारा ल ६५, ल २४१
 बहारा ल ५४८
 बहारा ल ३२३, ल ६७
 बहारा ल ४१८
 बहारा ल २ ६
 बहारा ल ६४४
 बहारा ल ५, ल ६, ल १३१
 ल १३४
 बहारा ल ५, ल ४७४
 बहारा ल ९, ल ५, ल ६, ल १३१
 बहारा ल १ १ ल ४२२
 बहारा ल ४३१
 बहारा ल ४३१ ल ५५८
 बहारा ल ६३ ल ६६७
 बहारा ल ९२७
 बहारा ल ५५२, ल ८५८, ल ८६६
 ल ८६९
 बहारा ल ६९३
 बहारा ल २७ ल ४७४
 बहारा ल ९६ ल ५५८

बहुपल का ३४२ का ४२
 बहुपलका का ६१३
 बहुपलका का २०३
 बहुपल का ५
 बहुपल का १३२ का ४२५ का ४४
 बहुपल का ३४२ का ३५५ का ४४२
 बहुपल करता का ३५९
 बहुपल दिन का २२८
 बहुपल भाई का १०५ का २१८
 बहुपल का १३१
 बहुपल इकायणी का ७८
 बहुपल बहुत का २ २
 बहुपल का ३३२
 बहुपल का ३३१
 बहुपल का ६६५ का ३०१ का ११७ का २ १
 बहुपल का ७१७ का ७८७ का १११
 बहुपल का २१६
 बहुपल देना का २१७ का ७८७
 बहुपल का ६ का ४६३ का ४७५ का २९७
 बहुपल का २८६
 बहुपल का २६२ का ११५ का २ ८ का
 ६१६ का ६२३
 बहुपल का ३१३ का ५१६ का ५१८
 का २६३
 बहुपल का ३४४
 बहुपल का ६४३
 बहुपल का ४ ४ का ४९
 बहुपल का ३३
 बहुपल का ३ २
 बहुपल का ४६१
 बहुपल का ४५८
 बहुपल का ३ २
 बहुपल का ६४१

बहुपल का ६४२
 बहुपल का ४६९
 बहुपल का १२ का २३
 बहुपल का ३ १
 बहुपल का २९८
 बहुपल का ३०९
 बहुपल का ४६१
 बहुपल का ४५८
 बहुपल का १६ का ३५
 बहुपल का १५५ का ३५२
 बहुपल का ३१
 बहुपल का 'पतिपिष्ट' का
 बहुपल का ३६६
 बहुपल का २६८
 बहुपल का २६९ का २७१ का २७२
 बहुपल का ३४२
 बहुपल का ५६
 बहुपल का ५८
 बहुपल का १८२
 बहुपल का ३
 बहुपल का २३९
 बहुपल का ४६५
 बहुपल का ४६७
 बहुपल का ८८
 बहुपल का २३५
 बहुपल का २१४
 बहुपल का १५८ का ४७५ का ११८
 बहुपल का १५७
 बहुपल का २२५
 बहुपल का ३७३
 बहुपल का ५१६
 बहुपल का २३३

बभ्रुटी म २३३ ग २७

बभ्रु म २२८

बन व ११ व ४६२

बनवर व ५५७

बनव व ३८८, ५५६

बनवाऊ व ९३

बनना क १४८, व २७८, व ६५५, व
९४७ म ७६

बन पकना व ६५६

बनमूमि व १

बनमाही क १३४ क ३९९, छ २३९

बनमूर्ति म ६४८

बनबाटी क ३९९

बनबाही व ५५७

बनस्पती व १

बनस्पति व १

बनावट व ३ ८ व ४६२

बनावटी क ३ ९, व ७३६, व ९७

बनात क २३१

बनाना क १५, व ३७३ व ८१५, व ९४२,
व ९४४ म ९ म १५९

बनानेवाला व ३९८ व व ८१६

बनारस व ११३

बनाव क ३ व ३ ८

बनिमादन म ३२८

बनिठा म ४ म २२५

बनिषा व ३९ म २९४ ग ३२७ म ४ ४

बनिमादन ग २९५, क २४२

बनीला व ५५६ व ५५७

बनीपी छ २५८

बन्य व ५५६

बभ्रु व १२, व ४६२

बभ्रु व ४ ५

बपीती म ८

बप्पा ग १७४

बबर ग ४९४ म ४२५

बबुजा ग २४३

बबुल व ७३

बभ्रुवाहन क ४२४

बभ्रु व ४९९

बभ्रु करना क ५

बभ्रुमि व १५३

बभ्रु म २८३

बभ्रु ग ६६७

बभ्रु म १९१

बभ्रु करना व ६१६

बभ्रु व ७६७

बभ्रु क २६३

बर ग २६४ म ६५, क १

बरल म ३१६, म ३१८

बरी ग ४१५, म ३१७ ग ६६७

बरला व ८५४

बरला करना व ७४७

बरल म ६५

बरला व ७७४

बरल क ४२७

बरला करना व १८३

बरला छ २८९, व ६७ म १ ४

बरल व १८६, छ २६

बरल व ९७५

बरला क ५१६

बरल व ११२

बरल छ २७

बरला छ १४७ म ९३

बरला छ २४६

बरला छ ६७ छ ७२

बरसाना छ २४७
 बरसीहा छ २४३
 बरसाती छ २२३
 बरहा न ६ ९
 बरही प ५३४ न ६ ९ ग ६४४
 बरघण न १२५, स २८
 बरघर छ १९७ न ४२२, न ५७७
 बरघर करना न ५७८
 बरघरी न ४२४
 बरघरा न १४७
 बरघर न ५२३
 बरियाई न १७४
 बरी छ १२९, छ १३१
 बरस्य क २८९, न ७८
 बरनी ग ४५
 बरस्य छ ४५९, न १२४
 बरेछ ग ३४५
 बरोह न १९
 बरोनी प ४५
 बरबन न ७७८
 बरबना न ७७५
 बरबना स २५७
 बरबी घुना क ५३
 बरबन छ ४२७
 बरब छ २५९, छ २३
 बरब होना स १ २
 बरबर न १३१ ड ३१ न ५१८
 बरबि न ८२५, न ९४६
 बरबि करना न ८१७ न ८२ न ९४३,
 स २१३
 बरबि होना न ५७ न ९४५, स १ ४
 बरबि न ८२३
 बरबि न ७७७ न ३५१

बरबि करना न ८३८
 बरब न ४४
 बरब क ३४ क ४१ स ३५९, न २६
 न ६६, न ९४ स ३८ स ९७७,
 स ३८८
 बरब सागा न ६३
 बरबम प १२६
 बरबरा क ४१
 बरबरेन क ४१ क ५९
 बरबना छ २८९, स १ ४
 बरबपूर्वक न ९७५
 बरबनर क ४१
 बरबम प २२४
 बरबयम क १५४ क ४१
 बरबयत स ४
 बरबना स १७५
 बरबवाई स १७६
 बरबना न ४९८, स ४
 बरबहीन स ४२
 बरब क १६३ न १९६, न ९ न ५०
 बरबस्य न २५४
 बरबस्य न १७५
 बरबस्कार न २९९
 बरबहक क १५१ छ २३
 बरबि प ९ क ३४ क ३४३ न ४७१
 स ४३
 बरबियाग न १९५
 बरबियाटिक न ३६४
 बरबिष्ट न ४५ न ४९८
 बरबी न ४५ ग ४८६, न ४९ न ४९८
 स ४
 बरबक ड २२८
 बरबम प २२४

बस्मीक घ ५४५, व १९४
 बस्मीक घ ६, घ ७
 बस्मी व ६ घ ७
 बबंदर छ २६७ छ २६८
 बबासीर क ४७३ क ४७५
 बग म १४९
 बसंत छ ८४
 बसंतपंजमी छ २२४
 बसंती ल ३७
 बस ह ३८४
 बसना व ६८९
 बसा व ५६९
 बसाना व ६९१ म ३६६
 बमियाला म ३६५
 बसिष्ठ क ५७६
 बमु क ३११
 बसेरा व ६९
 बस्ती व १३३ व १३४
 बहुबना व ६९५ व २ ९
 बहुन व २ १ म २ २
 बहुनी व ३ ३
 बहुर ल १९८
 बहुलाना म २ ९
 बहुली ह ३८९
 बहुल म ३२९
 बहुलु म २७३
 बहुलुदी म २७५
 बहुना व ८९७ व ८७१ म ३७३
 म ४१
 बहुनेबाब व ३
 बहुनेबाबी म ३७३
 बहुर छ ८५
 बहुरना व ४५३

बहुन व २७५
 बहुन व २ १ म २ ९ म २१३
 बहुरिम व ९८३
 बहुरि व ५१६
 बहुरिष्य व ७४८, व ९८१
 बहुर व ४२५, व ९११ व ९२४
 बहुतापठ व ९१३
 बहुतेप व ९११
 बहुपंथी व ४२१ व
 बहुपा छ १९८ व १ ९
 बहुमूल ल ४६१
 बहुमुख्य ल ४ ९
 बहुला व ६७५
 बहुरि छ १९३
 बहुरिया म २३३
 बहुक क १६५, क ३११ छ २ ६,
 व ९११
 बहुला व ९१३
 बहु व २२५, ग २३३
 बहुदा घ १९३
 बहुदिमा घ ३४८
 बहुलना म ३ ८
 बाई व ९७९
 बाँक ह ३३३ ह ३३४ ह ५१२ व ६
 बाँबना व ६२
 बाँबर व ६५, व ४६३
 बाँबु व ६४
 बाँग क ५१४
 बाँप व ३६४
 बाँपदन व ३६६
 बाँग देना म ६४६
 बाँक ल २७४
 बाँबना ल २४६

वर्साणा क २४७
 वर्साहा क २४३
 वर्साही क २२६
 वर्सा ग ६ ९
 वर्सा म ५३४ म ६ ९ म ६४४
 वर्सा न १२५ म २८
 वर्सावर क १९७ न ४२२ प ५७७
 वर्सावर करना क ५७८
 वर्सावरी क ४२४
 वर्सामशा क १४७
 वर्साह प ५२३
 वर्सामाई क ९७४
 वर्सी क १२९ क १३१
 वर्सन क २८९ न ७८
 वर्सनी ग ४५
 वर्सप क ४५९ न १२४
 वर्सेअ ग ३४५
 वर्सीह न १९
 वर्सीनी प ४५
 वर्सेन क ७७८
 वर्सेना क ७७५
 वर्सेमान म २५७
 वर्सी रज्जना क ५३
 वर्सेन क ४२७
 वर्से क २५९ क २६
 वर्से होता म १ २
 वर्सेर क १३१ क ३१ न ५६८
 वर्सेरि क ८२५ न ९४६
 वर्सेरि करना क ८६७ न ८२ न ९४६
 म २१३
 वर्सेरि होता क ५७ न ९४५ म १ ४
 वर्सेरी क ८२३
 वर्सेरीना न ६१३ न ७६७ म ३५१

वर्सेरि करना क ८३८
 वर्सेरि प ४४
 वर्सेरि क ३४ क ४१ म ३५९ म २१
 न ६६ न ९ ४ म ३८ म २७
 म ३८८
 वर्सेरि खाना न ६३
 वर्सेरि म १२६
 वर्सेरि क ४१
 वर्सेरि क ४१ क ५९
 वर्सेरि क २८९ म १ ४
 वर्सेरिपूर्वक क ९७५
 वर्सेरि क ४१
 वर्सेरि म २२४
 वर्सेरि क १५४ क ४१
 वर्सेरि म ४
 वर्सेरि म १७५
 वर्सेरि म १७६
 वर्सेरि म ४९८ म ४
 वर्सेरि म ४२
 वर्सेरि क १६३ म १९६ न ९०
 वर्सेरि म २५४
 वर्सेरि क ९७५
 वर्सेरि क २९९
 वर्सेरि क १५१ क २१
 वर्सेरि प ९ क ३४ क ३४१
 म ४३
 वर्सेरि म १९५
 वर्सेरि म ३६४
 वर्सेरि म ४५ प ४९८
 वर्सेरि म ४५ प ४८६ प ४९
 म ४
 वर्सेरि क २२८
 वर्सेरि म २२४

बानप्रस्थायम क ९८
 बानप्रस्थी क १०९
 बानर ग ५२४
 बाना क ४ २
 बानी क १३ क ६१४
 बानैत स ३६४ स २७१
 बाप ग १७४
 बापू ग १७४
 बाब स २९९
 बाबर्षी ग ४ २, ग ४०३ स ८८
 बाबर्षीबाना क १९८
 बाबा म १६२, म १७४ क १८९
 बाबीरंग क २१५
 बाबू ग १७४ ग २४३ ग २९२
 ग ३८
 बाम क ९७९
 बामा ग ४
 बाम्भूत ग २८२, स ८८
 बायन स २८३
 बायस ग ६५४
 बायी क ९७९
 बारन ५६७ म ३७ क १, क १२४
 बार-बार क १ ९
 बार-बार बहना क ८३८
 बायू क ६१६
 बायूविहा म ५ ३
 बायू क १ ९
 बाप क १३२
 बापही क २ २
 बायन स २८
 बायि म ३१४
 बायि क १३४ स २४५
 बायि होना स २४६

बायी म ३१३, म ९ क ३४ क १६९
 क २८१ क २८४
 बायीक क ५ ३ क ५ ५
 बायीबहार क ४२१ क
 बायी क ६२१
 बास म ३७ ग ३८ ग ३९, क ४३१ क २८
 क २३
 बासक ग २४७ म २५ म ४२२ ग ४४९,
 ग ४५६, क २ ६ क २३
 बासि ग ४३४
 बासना स ११
 बास-बन्धे म २४६
 बासम ग २२४
 बासमशीत क ३७४
 बासा म ४ ग २२५, क २६ क ७८,
 क ३३४
 बासाई क १६०
 बासावर क २५२
 बासि क ३८२
 बासिका म २६ क ९८
 बासी क २८ क ३३ क ३४
 बासिका क ९८
 बाबू क ९८
 बास्यीक क ४६
 बास्यीकि रामायण क ५७८ क ५८४
 बासना क ३३५, क ३४ क ३६४
 बासनापन क ३४१
 बासना होना क ३३८
 बासिना क ५५५
 बाप म ११९, क २६२
 बास-क क ३ ९
 बासि क ४२७
 बासना स २१८ स ३६९

बीछा व १३८
 बीछल व १४२
 बीछ व ३
 बीट व १४३, क ५४८, व ८८९, व ८९
 बीटना व ५४२, व ८८७
 बीट-बल्लय व ८९७
 बीटा व १४३, व ८८८
 बीपी ग ३८४
 बीष व २८७
 बीषना व ७८३ स २३७
 बीषव ग २१४ ग २७८
 बीषी व १९४
 बीस व ८
 बीसफूड व २३१
 बीसुटी व ९८ व ११२
 बीह व ५६ क २४४
 बीबल व ३
 बीबलिक क ५९७ क ६ ४
 बीई व ५१६
 बीई केमा व ३३८
 बीईसिकल क ३८६
 बीसी व ५६१ स ४२९
 बीसस क ४८६
 बीन व ९ क ३९४
 बीनकोर क ३९४
 बीनी स १७७
 बीनी व ६१
 बीन ग ४९७
 बीषा क १३ व ५८८
 बीन व ४५२, ग ६२५
 बीनय म २४५
 बीना व ९१ व ९४ व ९५, व ९६ व
 ९७ व ९८

बीमि म ४५२
 बीनीगर म ४ ७
 बीनु ग ५६, व ५९९, क ३३३ क ३५
 बीनुवन् ३३३ क ३५
 बीट क ५४८, व २४१
 बीट रेखना व ४५३
 बीटी क १ २
 बीडव म २८२
 बीड़ा व १९१ व १९३
 बीड़ी क २६९
 बीड़ व २८४
 बील क ३११ म ४७७ व २ ९ क ४१२
 बीमिज्य स १८५
 बील व ४४२ व ५१६ क २६३, व १ ८
 व ६१४ व ६२१ व ३८६
 बील करला व ६२३
 बीलपीठ व २६९, व ६२१
 बीलपीठ करना व ६२१
 बीलहूमीन व ३
 बील क १९२
 बीलसाह व ३४९
 बीलसाही स १४८
 बील क २३९
 बीदाम व ६२
 बीदामी क ४ व ४३ व ५८१
 बीदी स ४७४
 बीदी बगतीर व ४७३
 बीलक व ५४ व ७७६, व ७९७
 बीलक ३२६, व ५ व ४५५, व ७८६
 बीना शकना व ४५५, व ७७४
 बीन व ३५७
 बीनक व ४६२
 बीनमल्य क १

बालप्रत्याभम क ९८

बालप्रस्थी क १ ९

बालर ग ५२४

बाला क ४ २

बाली क १३ क ६१४

बाली क ३६४ स २७१

बाप म १७४

बापु म १७४

बाब क २९९

बाबर्ची म ४ २, म ४७३ स ८८

बाबर्चीखाना क १९८

बाबा ग १६२, ग १७४ ग १८९

बाबीरंय क २१५

बाबू ग १७४ क २४३, प २९२,

ग ३८

बाब क ९७९

बामा ग ४

बाम्हन म २८२, स ८८

बायल स २८३

बायल ग ३५४

बायी क ९७९

बार छ ५६७ म ३७ क १ छ १२४

बार-बार क १ ९

बार-बार कहना क ८३८

बाच्छ क ६१६

बाच्छिहा ग ५ ३

बाच्छा क १ ९

बाछ क १३२

बाछी क २ २

बाछन स २८

बाछि म ३१४

बाछि क १३४ छ २४५

बाछि होना छ २४६

बाछि म ३१३ क ९ क ३४ क १६६

क २८१ क २८४

बाछि क ५ ३ क ५ ५

बाछिगार क ४२१ क

बाछी क ६२१

बाछ म ३७ म ३८ म ३९ ग ४३१ क २८,

क २३

बाछक म २४७ म २५ ग ४२२ म ४४९

म ४५६ क २ ६ क २३

बाछि म ४३४

बाछना स ११

बाछ-बाछे म २४६

बाछम म २२४

बाछमसीध क ३७४

बाछा क ४ म २२५, ग २६ क ७८

क ३३४

बाछाई क १६

बाछावर क २५२

बाछि क ३८२

बाछिका ग २६ क ९८

बाछी क २८ क ३३ क ३४

बाछका क ९८

बाछ क ९८

बाछीक क ४६

बाछीक यमायम क ५७८, क ५८४

बासना क ३३५, क ३४ क ३६४

बासनायन क ३४१

बासना होना क ३३८

बासिध क ५५५

बास्य म ११, छ २६२

बासिध क ३०९

बासन क ४२७

बासना स २१८ स ३६९

बागमती न २३१	विचार न २
बासर क १३९	विचारणा न ३६९
बाठी क १७४	विचित्र न ४१८
बासुकी क ३३	विचित्रता न ४१९
बासुदेव क ३११ क ३९९, क ५९	विष्णू न ५७३
बाहर न १५२, न १८१	विष्णुला क २८ न ६७६, न ९९९
बाहर करना न ५ न ७४७ न ८९९	विष्णुवन क ५ २
बाहरी न ९८३	विष्णिमा क ३६३
बाहु न ५६	विष्णुभा क ३३५, क ३५९
बाहुक क ४२७	विष्णुना न ८५४
बाहुमूक ग ५७	विष्णुना ग २६८
बाहुमुख न ३२९	विष्णीला क २८२, न २८५, क २५
बाह्य न ८५५, न ९८३	विष्नेस न २८५
बिन्दु क ३२८	विजय न २८८
बिन्दी क ५७३ क ३१९, क ३२ क ३२८	विजयी क ३३१ क ३४२, क २५४
विष्णु न २६३	विज न ३६३
बिवा न २९५	बिटिया न २६
बिफट न ६	बिजाल न ५२१
बिफटता न ३७९	बिताता क ३
बिफराल क १६९	बिता क ३८
बिफल न २२६	बिदग्ध न ३६३
बिफारु न २९४	बिदरणा न ८९२, न ९३६, न ९३७
बित्री न २९२	बिदा प १५३
बित्री करना न २९	बिदाई न ६६७
बिदरणा क २८ न ८६५	बिदरणा न ८९३
बिसेरणा न ८६३ न ८७१	बिदाटीफंड प ३२४
बिभङ्गा न ९७ न २४८, न २५९, न २७९, न ९४५	बिदा न २३५, न ३९६
बिभङ्गा न ४७६ न ९४६	बिपना क १२३
बिगाङ्ग न २७६	बिषवा ग २७१
बिगाङ्गा क १७१ न ९४३	बिषाणा क १२३
बिगन न ८३७	बिषापक न ८१६
बिषमना न २८ न ६७६	बिषि क १२३
	बिष्णु क १२३ क ३११ न १५७

विन्धी ज १७६	विन्धीपार्क ज १९४
विन्धीना ज ८२२	विन्धीकना ज ७२३
विन्धीसाना ज ८२२	विन्धीकना ज ३५९ ज
विन्धी ज २५८	विन्धीकना ज ३५९
विन्धी ज ५	विन्धीकना ज १४१
विन्धी ज १५१	विन्धीकना ज ५२१
विन्धीमाना ज ४८४ ज ४८९ ज ४९३	विन्धीकरी पत्थर ज ४९६
ज ५९	विन्धीकना ज ५२, ज २ ८
विन्धीकना १६४	विन्धीकना ज ८९४ ज २५१
विन्धीकना ५९४	विन्धीकना क ३ ४
विन्धीकना ज ४६७	विन्धीकना ग १५१
विन्धीकना ज ३८३	विन्धीकना ग १२
विन्धीकना क ३८६	विन्धीकना ज १६४
विन्धीकना १२३	विन्धीकना ज ५५
विन्धीकना ज ११७	विन्धीकना ज ८४३
विन्धीकना ज २	विन्धीकना ज ८४३
विन्धीकना ज ६३७	विन्धीकना ज ३८१ ज ३८७
विन्धीकना ज २६८	विन्धीकना क १६५ ज २८२
विन्धीकना ज ७५	विन्धीकना ज ८७१
विन्धीकना ज २१४ ज १ ज ११	विन्धीकना ज ५३१
विन्धीकना ज १२	विन्धीकना ज ४६५
विन्धीकना ज ४६८	विन्धीकना ज ३३९
विन्धीकना ज १५७	विन्धीकना क २३८ क ५३
विन्धीकना ज ४५२	विन्धीकना ज ३४४
विन्धीकना १९४ ज २५ ज २५१	बीजना ज ८६३ ज ८७१
विन्धीकना ज ८५५	बीज ज ७ ज ९८५
विन्धीकना ज ८५३ ज ८८४ ज ९ ७	बीज ज २७८
विन्धीकना ज ५७ ज ४ २	बीजना ज ८८४
विन्धीकना ज ५३७	बीज ज १४३ ज ९२, ग १२९ ज ३२,
विन्धीकना ज ३ ७	ज २२५
विन्धीकना ज ३६५	बीजक ज ९ ज ३५५
विन्धीकना ज ५२१	बीजकना ज ५५४
विन्धीकना ज ३ २	बीज दाकना ज ३१४

बापमती व २३१	विचार व २
बाघर क १३९	विचारला व ३६९
बाघी क १७४	विचित्र व ४१८
बागुली क ३३	विचित्रता व ४१९
बागुलेव क ३११ क ३९९, क ५९	विष्णु व ५७३
बाहर व १५२, व १८१	विष्णुना क २८ व ६७६, व ९९९
बाहर करना क ५ व ७४७ व ८९९	विष्णुवग क ५ २
बाहरी व ९८३	विष्णुना क ३६३
बाहु व ५६	विष्णुना क ३३५, क ३५९
बाहुक क ४२७	विष्णुना व ८५४
बाहुमूल य ५७	विष्णुना ग २६८
बाहुमुद स ३२९	विष्णुना क २८२, व २८५, क २९
बाहु व ८५५, व ९८३	विष्णुनेव ल २८५
बिन्दु क ३२८	विजय व २८८
बिन्दी ल ५७३ क ३१९, क ३२ क ३२८	विजली क ३३१ क ३४२, क २५४
बिन्दु व २६३	विज्र व ३६३
बिबा व २९५	बिडिया म २६
बिकट व ६	बिबास य ५२१
बिकटता व ३७९	बिताला क ३
बिकटाक क १६९	बित्त व ३८
बिकक व २२६	बिदम्ब व ३६३
बिकाक स २९४	बिदरना व ८९२, व ९३६, व ९३७
बिबी स २९२	बिबा म १५३
बिबी करना स २९	बिबाई व ६६७
बिबरना क ९८ व ८६५	बिबरना व ८९३
बिबेरना व ८६३ व ८७१	बिबाटीकंठ व ३२४
बिगाइना व ९७ व २४८, व २५९, व २७९, व ९४५	बिबा व २३५, व ३९६
बिगाइ व ४७६, व ९४६	बिबना क १२३
बिगाइ व २७६	बिबवा व २७१
बिगाइना क १७१ व ९४३	बिबाता क १२३
बिगव व ८२७	बिबायन व ८१९
बिबलना क २८ व ६७६	बिधि क १२३
	बिबु क १२३ क ३१३ व १५७

विनयी अ १७६	विनीयाकन अ १९४
विनयना अ ८२२	विनीकना अ ७२६
विनयाना अ ८२२	विनीकन स ३५९ अ
विना स २५८	विनीकना स ३५९
विपत्ति अ ५	विनिष्ठम अ १४१
विवाह ग १५१	विस्मी ग ५२१
विद्विषाणा अ ४८४ ग ४८९ ग ४९३	विस्मीटी पत्वार अ ४९६
अ ५९	विश्व अ ५२, अ २ ८
विश्वोक अ १६४	विश्वर अ ८९४ अ २५१
विमंग अ ५९४	विश्वस्यत क ३ ४
विमव अ ४६७	विवाह ग १५१
विमा छ ३८३	विद्विषाणा ग १२
विमीपन क ३८६	विश्वेक स १६४
विमु क १२३	विपत्तर ग ५५
विपारी करुता स ११७	विश्वरता अ ८४३
विपना अ २	विश्वरता अ ८४३
विपद् अ ६३७	विश्वत अ ३८१ स ३८७
विपद्ही अ २६८	विस्तर क १६५, क २८२
विपद्मना अ ७५	विस्तरना अ ८७१
विपद्पर ग २१४ स १ स ११	विस्तुहमा ग ५३१
विपद्पना स १२	विहंगम अ ४६५
विपना अ ४६८	विहान छ १३९
विश्वेक अ १५७	विद्विस्त क २३८, क ५३
विश्वेकना अ ४५२	विहीयाना अ ३४४
विश्व अ १९४ अ २५ अ २५१	वीमना अ ८६३ अ ८७१
विश्वग अ ८५५	वीज छ ७ अ ९८५
विश्वयाना अ ८५३ अ ८८४ अ ९ ७	वीजि अ २७८
विश्वयाना अ ५७ स ४ २	वीजना अ ८८४
विश्वविकाना अ ५३७	वीज अ १४३ ग ९२, ग १२९, ग ३२,
विश्वसना स ३ ७	ग २२५
विश्वपती ग ३६५	वीजक ग ९ ग ३५५
विश्वव ग ५२१	वीजपणित अ ५५४
विश्वप्री अ ३ २	वीज शास्त्रा स ३१४

- बीट न ११५
 बीका क १९१
 बीड़ी क २ ३
 बीठना छ २
 बीठा हुमा अ ८२७
 बीठा हुमा अर्थ छ ३२
 बीबी अ २४१
 बीन स १ ८
 बीनना अ ८८४ अ ८९८
 बीना अ १ ८
 बीबी ग २२५
 बीमत्स अ १५४
 बीमार अ ५४३
 बीमापी अ ४३५
 बीरम २१४ ग २५ क ३३४
 बीरबहूटी अ ५४३
 बीरमुमि अ २२२
 बीरग अ ५६८
 बीरग होना अ ५७
 बीस अ ३२५ अ ४२५
 बीहड़ अ ५७५
 भुव अ २६३
 भुम्बा क ३२ क ३३ क ३३८ क ३४२
 भुवेली स २२४
 भुभा य २ ६
 भुङगी स ५५१
 भुङगी करला अ ५५२
 भुङगा क ३२३
 भुङगा य ११
 भुङार अ ४९१ छ २६२
 भुजविज अ २३९ अ २७४
 भुजविषी अ २४१ स २७६
 भुसगी अ २७
 भुसाना ल २६२, स १११
 भुसोवक ल २७
 भुङकी स ४१७
 भुङगा स ४१६
 भुङुवा स ४२२
 भुङुपा स ३५
 बङ्गिमा स ४५
 भुङ्गीती स ३५
 भुव क २२
 भुवपरस्त क २५
 भुवपरस्ती क २४
 भुवाना स १११
 भुवा देना अ ८४४
 भुव क १५४ क १५५ क ४४७ अ ५ ७
 ११९
 भुङवार क ११५, क ११९
 भुङि क १८ ग १ ८ अ १३२, य १३४,
 अ ३६२
 भुङिमाम् अ ३६३
 भुङिमामी अ ३६५
 भुङिवान् अ ३६३
 भुङिहीन अ ३६४
 भुङिहीनता अ ३६९
 भुङ अ ३६४
 भुवक २ ७ क ३ ८, क ३१८, अ १८
 भुववार क ११९
 भुव अ २९, अ ३१ अ १५४ अ १६१
 अ ३ २, अ ३९५, अ ४७६, अ ४४८
 अ ४८
 भुवाई अ २९, अ ३९७
 भुवमका कङ्गा अ १७४
 भुव कणगा ४७
 भुव सम्य छ ५

मुद्रा क १९
 मुद्रा क १७३
 मुद्रा क ४४
 मुद्राक म ६२८ क ६६७
 मुद्राका क ६ स ८५
 मुद्राका स ८१
 मुद्राका वेता स ८५
 मुद्राका क ५५२
 मुद्रापी क ४७३ क ५५३
 मुद्रा क २६३
 मुद्रापी छ २४९
 मुद्रा ग २ ६
 मुद्रा ग ३६३
 मुद्राकागा क २२५
 मुद्रा क ४६५, क ५१७
 मुद्रा क ३६२
 मुद्रा क ११
 मुद्रा क २९७
 मुद्रा स ९५, स ४१५
 मुद्रा स ३४ स ४५
 मुद्रा क १७२
 मुद्रा क ९२४
 मुद्रा के पिङ्ग
 मुद्रा स ३४
 मुद्राता स ३५
 मुद्राक म ५७३
 मुद्रा क ६
 मुद्रा छ २४५
 मुद्रा छ २४६
 मुद्रापिक ५७८, क १९
 मुद्रारण्यक ५५८
 मुद्रा क २२५
 मुद्रा क ५९३

मुद्रा ५५१
 मुद्रा क ६ क ६५
 मुद्रा क ९२
 मुद्रा क ३२
 मुद्राका क ९६६
 मुद्राका क ३६४
 मुद्राका क ३६६
 मुद्राका क ८४ क ३ १
 मुद्राका क २९८
 मुद्राका क ३४५
 मुद्राकाकरना क ३४६
 मुद्राका क १६५
 मुद्राका स १६७
 मुद्राका क ३४५
 मुद्राकाकरना क ३४६
 मुद्राका होना क ३४७
 मुद्राका क ३४८
 मुद्राका क २५६
 मुद्राका क ३४५
 मुद्राका क ३४८
 मुद्राका क २२६
 मुद्राका क २२६
 मुद्राका क ३१७
 मुद्राका क ४२१ क
 मुद्राका क ६६
 मुद्राका क २९८
 मुद्राका स १८२
 मुद्राका क ४२१ क
 मुद्राका स ४३७
 मुद्राका क २ ३
 मुद्राका क ७६२
 मुद्राका क २ ५
 मुद्राका क २४

बेबीली व २४२
 बेग क ४९५, छ १५८ व ४४४
 बेनाला घ ४ ६
 बेगानापन झ ४ ८
 बेगुगाई व ३१७
 बेबना म २९
 बेबीनी व १६
 बेटा म २५ व ४२२
 बेटी ग २६
 बेठीक व ४२१ व ४७६, व ८
 बेडा क ३८१
 बेडीक व ४६५
 बेडंग व ४६५, घ ४३७
 बेडव व ४६५
 बेठ व ९३, क ५५५
 बेठलीक म ४३७
 बेठाक क ३५
 बेठुका व ४२३ व ४६५
 बेठुकापन व ४६८
 बेह क ५३८
 बेदान व ३१७
 बेही ग १६
 बेचइक व २४
 बेचना व ७३९
 बेना क ५७३
 बेनी व २९६
 बेनीपी छ २५८
 बेपडा म २४
 बेप्रायदा व ४२१ व
 बेपिक व २२७
 बेपिपी व २२८
 बेबली व १३७
 बेमवा क ४८

बेमटा ग ५४१
 बेमेक व ४२३
 बेमुरम्पठ व ६८
 बेमुरम्पठी व ६८ व ७१
 बेमसिम क ६६
 बेरवा म ३४२
 बेर व ४२, व २७६, छ १५७ व ४५१
 बेरकरणा व ४५२
 बेरवा क ३५४
 बेरस क ४८
 बेरूम व २४
 बेरुमी व २१
 बेरा छ १
 बेरागा व ८५३
 बेरोष म ३६
 बेरीजवार व ४२१ व
 बेरी व २७१
 बेस व ७ व ५२
 बेसवार ग ३८७ क २२७
 बेसा क ९७ क १ ६, प ४ १ क ४४१
 व २६७ छ १ छ १२५
 बेसकड व ३६४
 बेसकूरी व ३६६, व ५६
 बेसा व २७१ म ४८
 बेसाई व ४५
 बेरा व ९११
 बेसाकीमत म २९७
 बेसरम व ३२४
 बेसरनी व ३२६
 बेपी व ९११ व ९१३
 बेगुमार व ५७१
 बेराज क ७१
 बेगधी व ३४

बेसरग ४६६, ४ ३२९
 बेसाहना छ २९१
 बेसुब अ २ ३ अ ८४२
 बेहूय छ ५७१
 बेहूया अ ३२४
 बेहूयाई अ ३२६
 बेहोती अ ५२९, अ ५३५
 बेकुष्ठ क १३४ क २३८
 बेकुठ्यापी क २४
 बेग क ४९५
 बेगल अ २८९
 बेगनी अ ४५
 बेजोपी क १४९
 बेजनी अ ४५
 बेजयंत क २३१
 बेजा म ८१
 बेठक अ १५४ अ २ ९, अ २२३
 बेठना अ ७५
 बेठाना छ ३२४
 बेठवाती अ २०३
 बेठाबिक अ ३५३
 बेठाबिन क ३५२
 बेठुबमुकदस क ५१९
 बेठुबहराम क ५२१
 बेर अ ४२, अ २६२ अ २७६ अ ३९४
 बेर होला अ २७९
 बेराग क ६६, अ १८
 बेरागी क ११ अ १८१
 बेरी अ २७९
 बेरु अ ४८३
 बेरुपाड़ी क ३८९
 बेरुपाड़ी अ २२४
 बेसाती छ ४२

बेरुय क ४१७
 बेरुला अ २०
 बेसार अ ४९१
 बेस अ ५१२, अ ५१४ अ ७२ अ
 अ ९२४ अ ९२९, अ ९५९
 बेस उठारना अ ७२१
 बेसना अ ७२
 बेसिक अ ५१२
 बेसा अ १७९, अ २६
 बेसी म ५४
 बेसल क २
 बेसा अ ३६४ अ ४४५, अ १९५
 बेसक ५६ अ १३२, अ १ ३ अ १३३
 बेसक अ १२
 बेसगम्य अ १ ७
 बेसना अ २६२
 बेसियवा क ४९७
 बेसिमी क २९९
 बेसिनुअ क ४९८
 बेसा अ ८७१ अ ३१४
 बेसिंग अ २४५
 बेसल अ ६४ अ ४८
 बेसनाक अ २३३
 बेसना अ ६१
 बेसना अ २७८ अ ६१६, अ ६२३
 बेसावा म ८१
 बेसी अ २१३ अ २२२, अ ५८८,
 अ ६२१
 बेसी-बेसी अ ६३७
 बेसी बेसना अ ६३८
 बेसित क ३८
 बेसाउ छ २५
 बेस क ३ क ४८९

बीना ग ४३९, ख ४३७ व ४३६
 बीर म ७ व २८
 बीरह व ३४
 बीली क ३१२
 ब्यंभ व ६३७
 ब्यंग कसना व ३३८
 ब्यबहार म २८५
 ब्याबा म ३४८
 ब्यापि व ४३५
 ब्याना व १४६
 ब्याळ क १३४
 ब्याह म १५१
 ब्याहना म २४
 ब्याहा म २५
 बज स २२४ व १२४
 बजौरवट क ३९९
 बठ क ५२
 बठबंभ क १ ६
 बठ रहना क ५३
 बठी क १ १
 बझ ल १९
 बझ क ११२ क १२३ क ५३८ क ५५८
 क ५७४ ल ८९, ग ५, म ६
 बझबर्ष क १ क ४७५ म ४४२
 बझबर्षिणी क १३ क १८५ क १९४
 क १९९, म १९८
 बझबारी क १ १
 बझबान क ७४ क ५६
 बझबानी व ७५
 बझग म ९
 बझगुन क १८४ क २५१ क ४६३
 व ४६७ व ४७८
 बझपति छ २६

बझबारी क ५६४
 बझसुन क ५५७ क ५६२, म १५
 बझस्तान क १९, क ३५७ क ३५८
 बझाड क ५७४ क ५७५, क ५७६, व २,
 व १ ३
 बझा क ८५, क ११२, क १२३ क ११४
 क १५४ क २८२, क ४७७ व ७८
 बझा क्य दिन छ २५
 बझा की पति छ २६
 बझानी क १३ क २७ क २ २,
 म ४५४
 बझा क १२४ म १५९
 बझान क १३४ क १६५, क ३१६
 क ५४५, म २८२, म ८८
 बझानी ग १८१, म २८३ म १९७
 बझामुहूर्त छ १३४ छ १३९
 बीका ल १८५
 बीकाहीन व ३२४
 बीकाहीनता व ३२६
 बीही म २३
 बीसलेट छ ३३४
 बीसलेट ड २७

म

मंग ल ४३५, क २०४ व १७८, व २८६
 व ८७६
 मंग वरना व ८७३
 मंगरा व २ १ क २३
 भोगीबा ड २३
 भपी ग २९० व ३५४
 भजना व ८७३
 भटई ल ४६
 भटा व २७६

संसारक २६७ क ८१ क १९८, क २१५
 संसारग ५२ क १८१ क ९२४
 संसारी स ८८
 संसृष्टि ग ३०८
 संवर ग १७७ क २७९
 संवरी क २७९
 संवसा ग २१४
 संवसाई ज २३८
 संसुमा क ३६४
 संसुमाना ज ६ ४
 संसृष्ट क ६ ७ क ९२
 संसृष्टि क ७१ स ६ ९ ज १४८
 संसृष्टि करना क ७२
 संसृष्टि क ७
 संसृष्टिमात्र क ७१
 संसृष्टि स १ ७
 संसृष्टि ग ५८४ क ४३
 संसृष्टि क २९७ क २ ८, क ३ ७ स ३८
 क ९, स ८ क ८३ क ३८ ज ४५९
 संसृष्टि क १०४ क २५८
 संसृष्टि ग २
 संसृष्टि क ६
 संसृष्टि क ७१
 संसृष्टि क ७
 संसृष्टि ग ३ ४ ज १७२, ज १७६ ज
 ७४४ ज ७४६
 संसृष्टि क ११२
 संसृष्टि क ११२ क ११५, क २ ७
 क ४४७
 संसृष्टि क ७३
 संसृष्टि क १३ क १०४
 संसृष्टि क १३६ क १८८
 संसृष्टि क ५५७ क ५८१ क ५८२

संसृष्टि क १ ४
 संसृष्टि क ११२, क १३४ क १६५, क
 १८८, क २९९, क ४४७ क ४८४
 संसृष्टि क ६७ ज ६७४, ज ७४७
 संसृष्टि ग २ ४ ग २ ५
 संसृष्टि ग २ १
 संसृष्टि क ७४५, स २७४
 संसृष्टि क १३ क १९४
 संसृष्टि क ७४५, स २७४
 संसृष्टि क ८७८
 संसृष्टि क ३८, क ४३ क ४८
 संसृष्टि करना क ३९, क ४९
 संसृष्टि क ५६७
 संसृष्टि क ३९, क ३७२
 संसृष्टि क ४४८ क ५
 संसृष्टि क ३६५
 संसृष्टि क ३६४ स ३१५
 संसृष्टि क १९९
 संसृष्टि क ५२२, क ६९५
 संसृष्टि क ६९६
 संसृष्टि क ३५३
 संसृष्टि क २०७
 संसृष्टि क ४७९
 संसृष्टि क २८८
 संसृष्टि क २ ६
 संसृष्टि क १२३ क
 संसृष्टि क २८८
 संसृष्टि क ३४
 संसृष्टि ग ३५
 संसृष्टि ग २ ४
 संसृष्टि ग २२२
 संसृष्टि ग ७३३
 संसृष्टि क १८५

भरई घ २३४ छ ५

भरई ज ४६५

भरई ही छ ५०

भरई क ४६५

भरई ल ४६८

भरई म १६९, न ४८३

भरई न १९४, न ४६९, न १२४, न १४६,

न ७८, न २१७, न १९६, न ९

न ९

भरई ण १ ८

भरई ट २३४

भरई ड २३५

भरई ढ १२६

भरई ढ १६९, न ६२५, न २४३

न ३७८

भरई ढ ३७९

भरई ढ १८६, न ४३५, न १२४, न २२९,

न २३३

भरई ढ २३४

भरई ढ २४३

भरई ढ २४७

भरई ढ १३४, न २४४

भरई ढ २४३

भरई ढ २३७

भरई ढ २३५

भरई ढ २३४

भरई ढ २४४

भरई ढ २२१

भरई ढ १६९, न १७९, न २४३, न

२७८

भरई ढ ३७९

भरई ढ २४३, न ३७८

भरई ढ ३७९

भरई ङ २२१

भरई च २९९, न ९५९

भरई च १३६

भरई च-नीयन करना न २

भरई च २७

भरई च ३७३, न ३२७

भरई च १ ८

भरई च १ ६

भरई च २२४

भरई च ६२७, न ६६७

भरई च ६२७, न ७३

भरई च ३७, न ७२, न ८१, न १४३

न ३१८, न ४३१

भरई च २३६, न ७९

भरई च ८७९

भरई च ३९९

भरई च ५४८

भरई च ६८८, न ६९६, न ८४३

भरई च २७

भरई च ८ ५

भरई च ८ ५

भरई च ६२७, न १११

भरई च १११

भरई च ४५९

भरई च २१२, न ४, न २५३

न २ २

भरई च १३४, न २२४, न १ ५

भरई च २२४

भरई च १५९, न ३५९

भरई च ७

भरई च २९७

भरई च ५४७, न २८, न १ २, न ४६४

न ४७५, न ४७९, न ५६९

भर्ताई ज २८ ख १ २, ख ४७९	भाँवर क २
भसेमानुष ज ३	भाँवर बुयागा झ २४
भस्मक म ५ ग ५१६, ख २६७	भाँवर फेला क २१
भब क १६५, क २७१ ख १ ३ छ २३९	भाई म २ ८ म २१२, ग २१४ म २१५, म २२ म २८१
भबबाप क १७९	भाईबाप म २१७ झ १
भबबीय ज ९९९	भाईजी म २४२
भबन ल ८, ख १४ ख १४१	भाईजूज छ २२१
भबन-निर्माणकला झ ६	भाईबंभु झ ४
भबर्मजम क ११२	भाग ल ५६४ ल ६४३ ज ४५७ ख ४५९, ख ८९
भवान ज ९९७	भाग करता ज ८८७
भवानी क १८५, क १९४ म २२५	भाज जाना ज ६७६
भवितभ्यता छ १८९, ख ४५७	भाव बेगा ल ५६५
भविष्य क ५७४ ख २६९ छ १६९, ख १८८	भागना ज ६७२, ख ६७६, ख ७४४
भविष्यवर्ती छ १९	भागनेय म २ ४
भव्य छ १८९, ख ४६३	भाषकन घ ५६६
भव्यता ज ४६७	भागवत क ७ क ५७४
भमुर म २४२	भाषिनेय म २ ४
भमिह ख ३२५	भागी क १६५, म ४१९
भरम ट ४२६	भापीरपी ख २९
भरम करना झ १ ३	भाप्य ख १५७
भरम होना झ १ ४	भाप्यवान ज ४६
भरमीभुज छ २८२	भाप्यगानी ज ४६
बहुतना ज ७	भाप्यहीन ज ४६१
भाप ट २ ४	भाजक ग ५६६
भाजा म ३ ४	भाजन ट ४७७
भाडी म २ ५	भाजना ज ३७२
भांग ख २७६	भाडी ख ७७४ ख ३२६ ट १ ४
भाह ट ४२७	भाज म ३५३
भाजुट म ३११	भाह ट ४७९
भाह ल १३६	भाहा ल ४१२, ग ४१३ ल ४१४ ख ४१५
भाहा ट ४७७ ख ७३१	
भाहार ख २६७ ख १८१	

भाषा का ११५	भाषा का ५५८ का २, का ३ का २२४
भाषा का १२ का ११९	भाषा का १७८
भाषा का ५१७	भाषा का ७१
भाषा का ३७ का ४९, का ७३ का ७४	भाषा का १८८, का १८९, का ४५७
भाषा का ४९	भाषा का २७२, का २७७
भाषा का २९७	भाषा का २७९
भाषा का २४	भाषा का २७८
भाषा का ४९९, का ९९	भाषा का ११
भाषा का ११४ का २७ का २९७ का ९	भाषा का ११
भाषा का २६२	भाषा का ११ का ८८, का २१३, का २२१
भाषा का २१९	भाषा का २१४
भाषा का २१५	भाषा का २१५
भाषा का ४	भाषा का २१५
भाषा का २१४ का ३	भाषा का ३
भाषा का २१७	भाषा का १८५, का १ का २८१ का २८७
भाषा का १५५	भाषा का २८९
भाषा का ११४ का २४७ का ७२ का	भाषा का २८८
भाषा का ७२	भाषा का १६५, का २९७, का ३१६, का १ का ४४८
भाषा का ३११ का ५८ का १ का ८, का २६२	भाषा का २९७ का १३६, का २८८
भाषा का ११ का ११५ का १९८	भाषा का २८२
भाषा का ४४	भाषा का ५५८ का ४२६, का ३६८
भाषा का ४१४	भाषा का ४५५ का ४२६
भाषा का ५९६, का ५१२, का ४२५	भाषा का ५८२
भाषा का ४२७ का ५१४	भाषा का ४२६
भाषा का ४४४ का ५७५, का ५७६, का २	भाषा का ४२७
भाषा का २२५	भाषा का ४५५ का ४२६
भाषा का १६, का ११	भाषा का ९५
भाषा का ४१४	भाषा का १३३
भाषा का ५	भाषा का १३३
भाषा का १६२, का १८४ का १४९, का २, का ३ का २५३	भाषा का ५
भाषा का २७१ का २१९	भाषा का ५७१
भाषा का २६७ का १५५	

मिङ्गना क २८७ क १५२, क २८ क
 २८२, क ७ ६
 मिङ्गना क ४१६
 मिङ्गना क १५८
 मिङ्गना क १७४
 मिङ्गना क १५
 मिङ्गना क १७४
 मिङ्गना क ११४
 मिङ्गना क ८५५ क १७७ क ४ ६
 मिङ्गना क ४ ८
 मिङ्गना क १२३ क
 मिङ्गना क ३८८
 मिङ्गना क २
 मिङ्गना क २३८
 मिङ्गना क ५३८
 मिङ्गना क १४४
 मिङ्गना क २३३
 मिङ्गना क 'परिच्छिप्त' क
 मिङ्गना क १५
 मिङ्गना क १५
 मिङ्गना क १२५, क १२६
 मिङ्गना क १५८, क २३७
 मिङ्गना क १८२
 मिङ्गना क ७३८, क ७४
 मिङ्गना क १८४
 मिङ्गना क २३३
 मिङ्गना क ११४ क ११५, क ११६, क ११७,
 क ४१३ क ४२५, क १३ क २४३
 क ४२५, क ४१८, क ५१२
 मिङ्गना क ४२५, क ४१८
 मिङ्गना क ३७९, क ४२७
 मिङ्गना क एकादशी क २२३
 मिङ्गना क २३७ क १२६, क २७४

मिङ्गना क ४१७ क ५१३ क २ क २३७
 क २३९, क २७४
 मिङ्गना क २३३ क २४१ क २७६
 मिङ्गना क २९९, क ३६४
 मिङ्गना क ३८८
 मिङ्गना क १२३ क ११५, क ४६८
 क २४३ क ३७८
 मिङ्गना क ३७९
 मिङ्गना क ११५, क ३४८, क ४२५, क ४३४
 क २४३
 मिङ्गना क ५५८
 मिङ्गना क ११४ क ११५
 मिङ्गना क ३६७ क ३८२
 मिङ्गना क ५३
 मिङ्गना क ११५
 मिङ्गना क ११६
 मिङ्गना क ६५४
 मिङ्गना क ११७
 मिङ्गना क ५५८
 मिङ्गना क ४५८
 मिङ्गना क ५६
 मिङ्गना क ५६
 मिङ्गना क ३३३ क ३५
 मिङ्गना क ५६
 मिङ्गना क ४१३ क ४१५
 मिङ्गना क १४२
 मिङ्गना क २४६
 मिङ्गना क ३५६
 मिङ्गना क ३६८
 मिङ्गना क १४ क १७
 मिङ्गना क १ ६
 मिङ्गना क २७ क ७१४ क ८४
 क २ ९

मुलाभा ज ६ ४ अ २०८
 मुलाभा रीता ज २७ अ २ ८, अ २ ९
 मुलन ज ६१९ अ १ १ अ २६२
 मुलाक ज ३४९
 मुगुडि क ३८७
 मुगुडि रामायण क ५८४
 मुमुवी क ३८७
 मुम छ २ ९ २१४
 मुक म ११३
 मुकला ग ५१८
 मुजना म ९४ अ ९७
 मुच १ अ ९
 मुच ४ अ ३११
 मुक म ११३
 मुन म ११३
 मुना म ११४
 मुता हीना म ११६
 मुगर्म क १३४
 मुदभंगायन रा ३२६
 मुनीन रा ३२३ अ ९
 मुगातिक रा ३२४
 मुचर क १६५
 मुवा ट १४२
 मुन क २ ३ क ३४८ क ३५० अ २६२
 छ १६९ छ १७२ अ ८२७
 मुन गायना क ३६१ म ३६
 मुनराज छ १७७
 मुन गायना क ३६१
 मुनाच क १६५ क १६
 मुन चरदना क ३५
 मुनच अ
 मुन गायना क ३५९
 मुन गायना क ३६

मुठि क १३४ क १६३ क २६३ २६८
 अ ५१ छ २८
 मुठिनी क ३४९ क ३५२
 मुतेरवर क १६५
 मुवेच प २८२
 मुपर क १३४ क ३३ अ ३५९
 अ २४८
 मुलना म ९७
 मुना क १४२
 मुप ल ३४९
 मुपति ल ३४९
 मुपाल रा ३४९
 मुनंजल अ ९
 मुमि अ ९ अ १ १
 मुमिकर रा ४११
 मुमिना ल २९८
 मुमिना क ३६७ प ३७१
 मुमिनीवी ग २९४
 मुमितंभवा क ३६७
 मुमिहार अ २८४
 मुप रा ४३ म ३३४
 मुपनन ल ४४
 मुठि क १२३ क १३४ क १६५ क २१५
 मुठि प ४८३
 मुठिच अ ८२
 मुन अ ८५१
 मुन बरना अ ८५३
 मुनचूड अ ८५१
 मुनचूड होना अ ८५३
 मुना अ १६५ ८५३
 मुना चरना अ ८५३
 मुना अ ८५२
 मुना चरना अ ८५३

मूकोक्त क १ १
 मूषक क १३४ क ३२७
 मूषा क ३ क ३२७
 मूषित क ४७३
 मूषा क २ ९ क २१४
 मूषी क २१४
 मूसुर ग २८२
 मूसामी ग ३७४
 मूस्य य ३६५, य ३७७ य ४६ क ८२, क ८३
 मूषी क १७४ य ३५, य १४५ क २ ४
 मूषुटी न ४४
 मूसु क १६५ क ४४४
 मूसुभन क ४४४
 मूसुनाय क ४४४
 मूसुराम क ४४४
 मूसुरेखा क १४८
 मूसुष्ठा क १४८
 मूस्य य ३८३
 मूस्या ग ३८४
 मूस्य क ७३३ क ८४८, क २८३
 मूस्यता क १५२
 मूस्य ग ४८८, ग ४९
 मूस्य य ४९ क २७ क २८२
 मूस्य क १४७
 मूस्य बनाना क १४८
 मूस्यता क ३५२
 मूस्यता क ३५५
 मूस्यता ग ५१४
 मूस्य क ८५६, क ३८६
 मूस्य क ४१ क ९१
 मूस्यता क ३७७
 मूस्य - ७३३ - ४४४

मेरि क ११३
 मेव क १४७
 मेवक क २४ क ८६ क २६२
 मेव य ४८४ क ३६४
 मेसा य ४८५
 मेन य २ ४ य २ ५
 मेया य २१४
 मेयाद्वय क २११
 मेरक १६५, क १६९ क १७ क ८६, क २४३
 मेरवी क २ १
 मेपय्यागार क ५४३
 मेफला य ५१८ क ७३९
 मेवा क ४६५
 मेवु क ३६४
 मेव क २८७ य ५६२, य २९९
 मेव करता क २८६
 मेवला क ३२५, क ३ ७
 मेवनीय क २८८
 मेव बनाना क ११७
 मेवबिलास क २८७ क २९९
 मेवबिलास करता क २८६
 मेवी क ३३ य ५५८ क ४८ क ५१ क ३ २
 मेव्य क २२५
 मेव्या य ३९७
 मेव्य क ३९, क ४
 मेव्य करता क ११७
 मेव्य बनाना क ८९
 मेव्यनाथ्य क १९८
 मेव्यन क ३ ५, क ८२
 मेव्यपुरी क २२४
 मेव्य क ४२

भोटिया प ६२
 भोर छ १३४ छ १३९
 भोला क ५८
 भोलागाथ क १६५
 भोलापन ज ७१
 भोलाभावा क ११२
 भोसड़ा ग ८
 भौ न ४४
 भौड़ा ज ४६५
 भौर ग ६७५ प ६७७
 भौर ग ६७७
 भौह ग ४४
 भौगोलिक ल ३२४
 भौषक ज ६ ६
 भौषका ज ६ ६ ज ६ ६
 भौत्राई न २१९
 भौतिक क १६५
 प ४८३
 भौज क १४
 भौम क १७
 भौमवार छ ११८
 भौपना क ९७
 भौरी ह १ २
 भ्रम हे. परिभाषा क
 भ्रमण ज ६८७
 भ्रमण करना ६८८
 भ्रमण ज ६८८ ज ६९४
 भ्रम में डालना ज ९७
 भ्रम में डालना ज ८४३
 भ्रमर ग ६७७
 भ्रमरी क १८५ ग ६७७
 भ्रमिण ज ६ ६ ज ८६२
 भ्रमिण होता न ६९४ क ८६३

भ्रमी ज ६९६
 भ्रष्ट क ४६ ज ९४६
 भ्रष्ट करना ज ५४८
 भ्रष्टा क ६६
 भ्रांत क ८४२
 भ्रांति क ३४१
 भ्रांति में पड़ना ज ८४३
 भ्राता ग २१४ ग २१५
 भ्रातृज प २२२
 भ्रातृमा क २२३
 भ्रातृभाषा क २१९
 भ्रातृत्व क ११
 भ्रूष प १४
 भ्रू ग ४४

म

मंजता प ४२६
 मंगपोखनी क ४८
 मंजनी ग १५१
 मंजनी सेना ज १९६
 मंगल प ४२६
 मंगल क ४९६ क ५७ क १७ न
 ४७८
 मंगलवारी ज ४७८
 मंगलप्रद ज ४७८
 मंगलवार छ ११५ छ ११८
 मयला क १८५ ग २७२ क १८
 ह ९
 मंजलापुरी क ३ ७
 मन्मथा क २९५ क ६६ क ७८ क १८२
 क २१७ ह
 मंजवाला क १५३
 मंजवाला क १५३

मंत्र का १६६ अ ख २८ इ ४९९
 इ ५ ५
 मंत्रिका इ ५ ५
 मंत्रिया इ ४९९ इ ५ ५
 मंत्रिका व ४८३
 मंत्रिी छ २९९, घ २८ व १११ व ३८१
 घ ४८३ इ १९५
 मंत्रिक व १३ व २ ५
 मंत्रिी छ १ ५, इ ३३५, इ ३३२
 मंत्रिीय छ १ ५
 मन्त्रु व ४६३
 मन्त्रु व ३०० व ४६३
 मन्त्रु व १०९, व १८८ व १९२
 मन्त्रु करता व १८३ व १७८, व १८९,
 मन्त्रुी व १९४
 मन्त्रुया व २ २, इ ४८३
 मन्त्रा इ ३०२
 मन्त्रार व ९८५
 मन्त्र म ५९३ इ ९३
 मन्त्र इ ३२७ व ८
 मन्त्र व ४३१ व १३ व २ ५
 व २२१
 मन्त्राणा व ३९४
 मन्त्र क ५५८, व ३४८ व ८, व १९,
 व ५८५, व ९२४ व ९२५
 मन्त्राकार व ५८४
 मन्त्री क १६५, क २९७ व १५, व १२५,
 मन्त्रा व २२१
 मन्त्रि व ४७३
 मन्त्री व १३६
 मन्त्रुया व २४१
 मन्त्र व ९ म ५९३
 मन्त्रुया व १९८

मन्त्र क ९२
 मन्त्र भारता क ३६१
 मन्त्र क ९२
 मन्त्रया व १५५
 मन्त्रानुह व १७५
 मन्त्रावाता व ३५७
 मन्त्र पङ्गा क ३६१
 मन्त्रि व १५४
 मन्त्री छ ३५७
 मन्त्र व ३५९ व
 मन्त्र करता व ३५९
 मन्त्र व २१ इ १६५, व ४३९, व ४४५,
 व ४४७
 मन्त्रा इ १६३ व ४३ व ४४१
 मन्त्रुदि व ३६४
 मन्त्र क २३८, व ४४७
 मन्त्रार व ६८
 मन्त्र होता ७५४
 मन्त्रा व ४४७
 मन्त्राकिली क २५३ व २९४
 मन्त्रानि व ४६८
 मन्त्रार क २३८, क २४१ व ४३५, व १ ०
 व ४४७
 मन्त्रि क १९, व १२९, व १४
 मन्त्री छ १६३
 मन्त्रोदरी क २२२, क ३९७
 मन्त्रार व ६५, व ६७
 मन्त्रा व ३७१
 मन्त्रुया व ३६६
 मन्त्रिी छ ५
 मन्त्रुया व २४१
 मन्त्र क ३८
 मन्त्र क ३३७

मकड़ा य ५३८ न ५३९

मकड़ी य ५३९

मकड़व य १९९

मकड़व क ५१२, य २२९

मकरंद य ३८६, य ३९१ य ३९२, य ४१४

मकर क २६६, क २८६ क २९ न

५८ य ५८१ ग ५८४ य ५८, य ६८

मकरकेतु क २७१

मकरध्वज क २७१

मकर संज्ञाति छ २१८

मकर ग ५३८

मकरध्वज य २६४

मकरी य ५३९ ग ५८

मकरध्वज य ४७६

मकरी य २४६

मकान य १२९, य १४

मकुट क ३३७

मकुना य ४३९

मकुनी क १ ३

मकोइया य ३९१

मकोड़ा य ५३६

मकका क ५१८ क ५२१ य २४६

मककार य २६८

मककारी य २६९

मकका मोक्षधामा क ५२१

मकखन छ १३८

मकखन मकना य ९९

मकली य ६७२

मकलीधूम य ३९

मकलीधूमि ल ३९१

मकलीधूमि करना य ३९२

मकना य २७४

मकिका ग ६७२

मय क ८१

मसमल क २३४

मसमली य ४३६

मसमली कीड़ा य ५४६

मसमली क ८९

मसली य ३७२

मसलीकी य ३७१

मस य २४१

मसय य १ ८

मसय य २

मसय क १७७

मसय क १७७

मसय य ३५३

मसय य ३९, य १२२

मसर य ५८ य ५८१

मसरय क ८६

मसरय क य ५८ य ५८१

मसरि य क ५ ९, य ८२

मसरी य ५८४

मसरीया क ८६

मससि य छ ५५

मसही य २२४

मस ग १ ८

मस य ३९, य १२२, य ३३८, य ९९

मस होना य १२४ छ ९५

मसवा क २२५

मसवायित क ३९३

मस य २७ य ३७

मसवना य ७५

मसली ल ४९७ छ ४९९

मसिया क ५ ५

मसय य ५८

मसय क ६७६

मन्तर ग ६७६	मटमीका क ४३ स ३३४ स ३३७
मन्त्री ग ५८४	मटमीकापन क ४४
मन्त्रोली क २३५	मटर स २५८
मन्त्रोदय क २३५	मटरमली क ६८७
मन्त्री क २७२, क ५८४	मटियामेट कटा क १७१
मन्त्रु ग ३४७	मटियाका स ३३४
मन्त्रु प ३८३ ग ३८५, प ३८६	मटीका स ३३४
मन्त्रुली ग ३८४	मट्टी क ९६, क १ ४
मन्त्रुली स ३९४	मट्टा क १९२
मन्त्रुत स ४ स ४१	मठ क ८ क १२९, क २ ६
मन्त्रुन क २९७	मठमीय क ७९
मन्त्रिस क ९२५	मटिया क ८० क ३३४
मन्त्रुव क १	मङ्गी क १४२
मन्त्रुवी क २	मङ्गा क २९१
मन्त्रु ५१ क ४५, स १२४	मङ्गा क २४१
मन्त्रु क ३७२	मङ्गोर क ६६
मन्त्रु उद्गाता क ३७३	मङ्गी क ८ क १४२
मन्त्रु क ५१२ क २२९ क २३	मणि क ४८ क ४८६
मन्त्रु म्ना स १२५	मणिक क ४५५
मन्त्रु क २ २	मणिमाला क ३३१ क ३४६, क ३४८
मन्त्रु क ९६, क १ ५	मर्तग ग ४३५, क २३९
मन्त्रु ग ३८३, प ३८५, ग ३८६	मर्तवी ग ४१०
मन्त्रुलि प ३८४	मठ क १ क ३४७ स १५५
मन्त्रुली क ३९४	मठकन क २७३ स ३७१
मन्त्रुवार क ५ क ६ स १२७	मठकवी क २७४
मन्त्रुवारी क ५१	मठकी क ४९९
मन्त्रुव स ६८	मठकी जाता क ४९८
मन्त्रु ग ९२, ग ९५, क ३३ क २८३	मठवाका क ३३१ क ३४०
मन्त्रु क ९८२, क ९८५	मठवाकापन क ३३४
मन्त्रुवार क ९८	मठि क १८५, ग १३२
मठकता क ७५, क ७६	मठिघट्ट क ३४८
मठका क ४५५, क ४७७	मठिधत क ३६३
मठकी क ४७७	मठुम प ५५२

मत्त ग ४४ व ४८६, व ६१३ क २ २,
 व ६४
 मत्तता व ३३४
 मत्तहोना व ३३३
 मत्वा ग १६ ग १ १
 मत्तर व ९१ व २६२
 मत्स्य क १५४ क १५५, क ५७४ व ५८४
 व ७
 मत्स्यगर्वा क ४३३
 मथना क ४७६, व ५४९, व ५६९
 व ५६९ व
 मथनी क ४७६
 मथाई व ३५९ व
 मथानी क ४७६
 मथित क १६२
 मथुय क ५७ क ५८ व ११ व ११५
 मय क २७१ व १६४ व १८५, क ११
 व ४५, व ८८, व ४०२
 मयव व ७८५
 मयवगार ग ४२८, व ७८९
 मयव वेना व ७८७
 मयन क २७१ ग ६२४ व ६७७ व ४२
 क २ २
 मयनमहोत्सव क २२२
 मयपुर्म व ३३१
 मयरसा व १९९
 मयाव व ८९
 मयावता व ८८
 मयाव होना व ७६
 मयार म १
 मयिष क २ ५
 मयीता क ५१८, क ५९
 मयाप्रमत्त व ३३१

मयीप्रमत्ता व ३३४
 मयिम क १६५
 मय क २ ५
 मयघाला व २ ८
 मयु क २४२, व ४३ व ३८६, व ३९२,
 क २१ क ४४ व २६२, व ३६
 क ८४
 मयुक ग ३५३ व ४३ व २ ७
 मयुकर व ६७७
 मयुकटी क १ २
 मयुता क ४५, व ४६७
 मयुवीप क २७१
 मयुप ग ६७७
 मयुपुर व ११५
 मयुपुटी व ११५
 मयुमवली ग ५७५, ग ६७५
 मयुमसिका ६७५
 मयुमती व २ ३ ।
 मयुमेह व ४६
 मयुर व ३६ व २५८ व ४५७, व ४६
 क ४४ व १९६, व ६९, व ४६३
 मयुरता क ४५, व ७ व ४६७
 मयुर ध्वनि करना क ५९
 मयुरमाषी व ६३६
 मयुय व १६३ व २३२, व ३२७, व ९१
 व ११५
 मयुयई व ४६७
 मयुयान क १६६
 मयुरियु क १३४
 मयुरिना व ४६७
 मयुसूदन क ११४ क १९६, व ६७७
 मयुक ग ६६६, व ४३
 मयुसिका क २ ५

मन्त्रतर ॐ २४
 मन्त्रतर ॐ २५३
 मम ॐ १९८
 ममता ॐ १४५
 ममत्व ॐ १४५
 ममनून ॐ ३२, ॐ २१५
 ममियाँ समुर ग २३८
 ममीरा ॐ ३ ८
 ममेरा य १७२, ॐ १९
 मर्यक ॐ ३ ७
 मय ॐ ३४ य ४५
 मयका म २३४
 मयन ॐ २०१ ॐ १४
 मयनफल य २१
 मयमुता ॐ ३९१
 मया ॐ ५४४
 मयूर म १ ९, ॐ १४४
 मय्या य १९
 मर ॐ २१८
 मरकट य ५२४
 मरकत य ४८१ ॐ ४८१
 मरकट ॐ २२८
 मरु ॐ ४३५
 मरु ॐ १८५, ॐ १५४
 मरुमन्त्री १५४
 मरु य ३
 मरुवातपी ॐ २२१
 मरुवापा ॐ ११९
 मरुवा म १५५
 मरुवी ॐ १९
 मरुमन ॐ १४
 मरुवावा ग १५७
 मरुवा ॐ ३३४

मरुम ॐ ५४१
 मरुवा य २ ५
 मरुम ॐ ८२९
 मरुम होता य १५५
 मरुपी ॐ २२१
 मरुक ॐ १२८, य ४३५, य ४५२, य १०७
 मरिष ॐ १९, ॐ ९७
 मरी ॐ ५ ७
 मरीचि ॐ २९९, य ९, य ७४ ॐ १८७
 मरीची ॐ ३ ७
 मरीच ॐ ५४१
 मरु ॐ २१५, ॐ ३११, ॐ ३१६, य ४२,
 ॐ २६३
 मरुवत ॐ ९९
 मरुमूमि ॐ ९९
 मरुसा य ३३४
 मरुवत ॐ ९९
 मरुड ॐ ३८८
 मरुडता ॐ १७
 मरुड ॐ ५२४, य ५३८, य ५३९, य १४४
 मरुडी ॐ २२५, य ५३९, य २९३ ॐ १६
 मरु ॐ ४३५
 मरु ॐ २१८, ग १२
 मरुलो ॐ ९ य १ ३
 मरु य ३ य २२४ ॐ २१९, य १५२
 मरुन करुणा ॐ ८२
 मरुम य ३
 मरुमी ॐ २२३
 मरु ॐ ३८६
 मरुपी य ११३
 मरुवातय ॐ ३८६
 मरु म ११५, ॐ ५४१
 मरुवा ग ८१ म ८१

मलमा छ २९, व ९३८ स ९३ स २४७
 मलमास छ ६३
 मस्यज व १३
 मस्यालम व २२१
 मलमुक्त व ४१५, व ५४२, व ५४३
 मलहम व ५४१
 मलाई क १६०
 मकावरीव व ४६८
 मकाह ग ६४१
 मकाहिन व ३४२
 मलिफाई क ११७
 मकिन क ३१ क १६२, व ४१५
 व ५४२ व ५४३ स १२८, स ३४२
 मकिनता व ४१६, व ५४५
 मकिनिया ग ३४४
 मकिमायेट करला क १७१
 मलीन व ४१५, व ५४२ व ५४३
 मलीनता व ५४५
 मलीन होना स १३२
 मलेपिया व ४९४
 मस्व व ४ ९, व ३६७ व ४९५, क ४१४
 मस्वमुद्र स ३२९
 मस्वाह ग ३४१
 मस्किभ्य व ५४ व ४ १
 मवार व ५२७
 मवाध व १४
 मवेसी रे 'पधु'
 मवेसीबागा व १६१, व १९३
 मघ व ६७६
 मघक व ६७६
 मघकक स २८७
 मघककटी स २८८
 मघपूठ व १२२

मघरिक व ८३
 मघबिया स १५५
 मघहूटी क ४९९
 मघहूर व ३४९
 मघहूटी व ३५१
 मघान व २२८
 मघाल क ४९३
 मघीन व २८२, क ५५६
 मरक व ४ २
 मरक ग ६७६
 मरभगा व ९३३
 मरकक स २८७
 मरकक व ३७१
 मरककपन व ३७२
 मरकरोबाज व ३७१
 मरबिब क ५११
 मरनर क २८८
 मरुत व २३४
 मरुतगा छ २९ व ८२० स ९३
 मरुता व २३४
 मरुबिया स १८६
 मरु व ६७६
 मरुग क ३५
 मरुतल क ४९३
 मरुि क ३१ व ३ ६
 मरुिपिका व ३१
 मरुिबानी व ३१०
 मरुिपाव स ३१
 मरुिबिन्नु क ३ ३
 मरी व ३ ६
 मरीर क ५११
 मरीर क ५११
 मरीन व २८२

मसीहा क ५ २
 मसूर क २५१
 मसूरी क ५१
 मसूर क ४१३
 मसूज क ५७९
 मसूजता क ५८१
 मसीबा क १८१
 मस्कर क ८ क १
 मस्करा क ४२६
 मस्करा क ११ क ५११
 मस्विद क ५११
 मस्त क ३९ क ४८, क ३११
 मस्तक क १३ क १६
 मस्त होना क ३३३
 मस्ताना क ४३४ क ३३१ क ३३३
 मस्तिष्क क १ ८ क १३१ क ३६२
 मस्ती क २२८, क ३३४
 मस्ती में आना क ३३३
 मसूरी क २९९
 मसूरी क २९९
 मसूरी क ७९
 मसूरी क ७९
 मसूरी क २६२ क ४२५
 मसूरी क ३३९
 मसूरी क ५११
 मसूरी क २६२, क ४२५
 मसूरी क २७६ क २
 मसूरी क ३५४
 मसूरी क ४५७
 मसूरी क ३४२
 मसूरी क १२९
 मसूरी क ३५९
 मसूरी क १८ क ९२५

महय क १ ९, क ३८३
 महय क ४ ३ क ८८
 महयकित क २८३
 महयनी क ५१
 महरि क ४ ९
 महरी क ३१ क ३८४
 महर्ष क १३
 महर्षि क ४४९
 महर्षि क १४ क १४१ क १७१ क १७३
 महर्षि क १३७
 महर्षि क ४१ क ४११ क ४१३
 क ४१३, क ४१५
 महा क ४२५
 महा क १३
 महा क ४१
 महाक क १९२
 महाक क १९५
 महाकाशी क १९४
 महाकाश क १७६
 महाकाश क ४ ४ क ४ ५ क ४२५
 क ४ ४ क ४२५
 महाकाश क ३३६, क ३३७
 महाकाश क १६५
 महाकाशी क १९४ क २ २, क ३५३
 महाकाशी क ९१
 महान क ४२५
 महानता क ३४२ क ४२७ क ४४२
 महानता १५४
 महानता क २६६, क ३२८, क ३३७
 क २९७
 महानता क ५९१
 महानता क १७२
 महानता क १२

मादि क १९४ क २५ क २५१

मादि घ ९१ क ९५ क १५

मादि छ क ३९, क २५४ क ३७८, क ४५८

मादि ज क ५

मादि चिह्नो य ३६३

माई य १७७

माखन क १५८

माखन ख १८७

माखनी क १८८, क २३५, क ४४

माख क ३७ क ५८, क ७६, क ८३

माखी क ५९

माखि क ५४६

माखुफ्त क २११ क २१४

माखिन ग ३४२

माखी य ३४१

माख्य क ५४१

माटी य १२, क ९६

माख्य क १६२

माका क २२१

माखिक घ ४८१ क ४८४ क ४८७

माखि क २७१ ग २९८, क ४३५

माखि क १७४

माखि क २३५

माखि क २३९

माखि क १६३ क ५१ ग १७७ क १८१

घ २९३ क १७७ क १८१ क १९३

माखामह य १६८

माखामही य १६९

माखामह य १७७ क १७९ क १८०, १८१

माखा क २२७ क ९५८

माखिक क २१

माखा य १३ ग १६

माखा पञ्ची करण य ३७

माखी क १४५

माखन क १३४ क ३९९, क ४३, क ४१

क ८४

माखी क १६५, क १११ क ३३२, क

४२१ क २५

माखीक्या क ४३१

माखी क ४५, क ८९ क ४६७

माखी क १६३ क १९१ क १९२

क ४३७ क ७

माखी क ३६६, क ३९९

माख क १९४ क ३४२, क ९९१

माखपिता क १५९

माखिन क ३१७

माख पाता य १७८

माखता क ४७

माखबंद य ९६१

माखता क १५१ क १७८, क १८६

क २५४ क ३४३ क ९६८, क ९९३

माखनी क ३५४

माखपत्र क २९३

माखन क ५७६, य २, य ३

माखनी य ४

माखन क २७१ क ५८३ य ३ क १३

माखनिक क १८७ क ४३६

माखनिक रोग क ४३७

मास का ११६, य ११ व ३५
 मासा का ५ २ म २१
 मासिक का २९१ छ ३६
 मासिक कर्म य १२८
 मासुक का ४१३
 मास्टर का २४१
 माह छ ३५, छ ५८
 माहवारी छ ३६
 माहुर क १८३ व ४०८
 माहेश्वरी क १९७ क २२४
 माजारी छ २
 माकवार व ९५८
 माजसी का ४९७
 माजसी भागा का ४९८
 माजगी य २२
 माजाज व १
 माजाज बचतना व ८१
 माजाग का ५५८
 माठना व ८२२
 माठाना क १७१ व ८१९, व ९४३
 माट्टी य १९ व ९ व ९६ व २१९
 माट्टी करना व ९४३
 मिठपूरी क ११
 मिट्टई क ४५, क १६६
 मिठास क ४५
 मिठाना का ४९८
 मिठली का ४९७
 मिठली भागा का ४९८
 मिठम्प का ३९३
 मिठम्पठा का ३९३
 मिठम्पठी वे परिशिष्ट क
 मिठई व २७५
 मिठि छ ९ क १३६

मित्र क २९७ क २९८ ग २७८ व ४४
 मित्रता व २७५ व ८५६
 मिथिला व १२८
 मिथुन व ५८ व ६१
 मिथ्या व ४ ६
 मिथ्यावादी व ४१
 मिमल व १७६
 मिमल करना व २४८
 मिमियागा व ४८९
 मिमोरता व ६७
 मिया व २२४ य ३५६ य ३८
 मियाव छ १९९
 मियावी बुझार व ४९२
 मिरबी का ५१९
 मिर्च क ७९
 मिर्चा क ८५
 मिर्चई क २५
 मिखली ग ३७४
 मिखल व २८९, व ८४८ व ८४९ व
 ८५
 मिखना व १५२, व ८४८, व ८४९ व
 ८५ व ८७
 मिखा व ९ ४ व ८६ व ३४९
 मिखल व ३९३
 मिखाना व ८४९, व ८५८, व ८७४ व
 ९ २ व ९३ व ३०५
 मिखाप व ८४८, व ८४९, व ८५
 मिखापा टुना व ८४७
 मिखावट व ८४६
 मिखावट करना व ८४५
 मिखावटी व ४१३
 मिय य २९१ य ३ ४ व ३ ५ व ४५४
 व ८४७

मिथल क ८४६
 मिथल करना क ८४५
 मिथिल क १६७ क ८४७
 मिथी क १७४
 मिष्ट क ४४
 मिष्ठास क १६६
 मिष्ठभापी क ६६६
 मिथ क ३७३
 मिथ्याई क ५३४
 मिथाल क २३४ क २६३ क २६४
 मिथी क ७ क ३२२
 मिथी क १७४
 मिस्त क ४२२
 मिस्ती क ३१६
 मीचला क ७९८
 मीचना क २४७
 मीतना क २४७
 मीचन क २९
 मीचान क ५५८
 मीचान करना क ५५९
 मीठ क ४४
 मीठा क १६६ क ६८ क १६५
 मीठा मीठू क ३५३
 मीठ पापक क १२
 मीठ भाव क ९५ क १९६
 मीठ स्वर क ६८
 मीठी कभीपी क ११७
 मीठी घटाई क १३८
 मीम ग ५८४ क ५८५ क ७
 मीमानी क ५९
 मीमार क १७३
 मीमांसा क ५६२ ग २३७
 मीमांसा सूत्र क ५७१

मीकिल क १९ क ८४७
 मीसी क ३१६
 मुंज क २९
 मुंज क ५५८, ग १३
 मुंजल ग १४९
 मुंजमाली क १६५
 मुंजा ग २७५, क ४८५
 मुंजी क १३ क १७९
 मुंजिम क २८७ ग ३७५
 मुंबरी क ३५८, क ३६३
 मुषी क २४१ ग ३३
 मुषिजावन म ३४
 मुह ग २३ ग १३८
 मुहण क ११
 मुहजोरी करना क २८
 मुहतोड़ बनाव क २६८
 मुह भोग क १२
 मुह छेला क १४९
 मुह सिफोइना क १४९
 मुजाक क ६
 मुजाकिक क २८५, क ४२२
 मुजाकिक क ४२४
 मुजायना क २५ क १६२
 मुजबमा क १८४
 मुकहमा क २९८
 मुकहर क ४५७
 मुकरना क १८७
 मुकी क २७
 मुकाबिल म २७९
 मुकाबिल क ३९३
 मुकाम क १ क १४
 मुकुंद क १३५, क २६६ क ३९९
 मुकुट क ३३७

मुञ्जुर घ ६ १ क ३२६
 मुञ्जुर ग ५, म १२, न २७ न ४२
 मुञ्जुरिष्ठ न २७
 मुञ्जुरा ग ६४
 मुञ्जुर क २४ म २३२, न २३४
 मुञ्जुरक ख १७५
 मुञ्जुर करणा ख २३३
 मुञ्जुर होता म २३१
 मुञ्जुरहस्त ख ३८९
 मुञ्जुरा ख ४८३
 मुञ्जुरि न ९, म २३ म २३८
 मुञ्जुरि बेना ख २३३
 मुञ्जुरि पाता म २३१
 मुञ्जुर ख १४५, प १५, न २३
 मुञ्जुरा प १५
 मुञ्जुरस ख २२
 मुञ्जुर मोचना ख १८२
 मुञ्जुर ग ६५४ म ४९४
 मुञ्जुराभिष्ठ प २७९, ख २८४
 मुञ्जुराभिष्ठ ख २७६
 मुञ्जुरिया ख ३३५
 मुञ्जुरार म १७९
 मुञ्जुर ख १५५
 मुञ्जुरर क ३७७ न ४७
 मुञ्जुर ख १२२
 मुञ्जुर करणा ख ४७२
 मुञ्जुरता ख १६४
 मुञ्जुर हीना क २७५
 मुञ्जुरा ख १५७
 मुञ्जुरर ख ४३५
 मुञ्जुरर ख ४६५, ख ४८९
 मुञ्जुर ख ४८९
 मुञ्जुरि म ३७ म २३१

मुञ्जुरि ख ५
 मुञ्जुरिया ग ३८६
 मुञ्जुरा ख ९२४ न ९३
 मुञ्जुरी प ३५
 मुञ्जुरा ख ६३ न ८२, न ६७५
 मुञ्जुरा ख ४८४ ख ४८५
 मुञ्जुरा ख ८३ -
 मुञ्जुरा ख १९७
 मुञ्जुरि ख ३९
 मुञ्जुरि प ३६८
 मुञ्जुरक क ५५८
 मुञ्जुराखेह ग ३६९
 मुञ्जुराख्य ख २८६
 मुञ्जुरा ख ३८ म ४२१ न ४२३
 क ३३६, क ३५८ म १९५
 मुञ्जुरिका क ३५८
 मुञ्जुरि करणा ख २८८
 मुञ्जुरक ख ३६४
 मुञ्जुरापी ख ६ ३
 मुञ्जुरासि ख ४१
 मुञ्जुरास म ३ २
 मुञ्जुरि क ६४ क ४४७ क ४४९, क ४५१
 न ४२४ ख ५१९
 मुञ्जुराखर क १३४ क ४४७
 मुञ्जुरा ख ४३८
 मुञ्जुराखिष्ठ ख ४ ५
 मुञ्जुराखिष्ठी ख ४ ६
 मुञ्जुर ख १९५
 मुञ्जुरि ख ९७१
 मुञ्जुरानियत ख ७७८
 मुञ्जुराहिल ख २५२
 मुञ्जुरी न ४३३ क ३४
 मुञ्जुराख ख ११

मुहताबी क ४ १	मूर्ति क २२, क ११
मुहम्मद क ५२४	मूर्ति क ११२, क ११५, क ११४
मुहर क ४२२, क १९४	मूर्ति क १ ४ क ११६, क ५१
मुहरम क २२७	मूर्ति कतागा क १७१
मुहस्ता क ११७	मूर्तिना क ७४
मुहीषा क ४५२	मूर्ति क ५२९, क ५३५
मुहानय क २३३	मूर्ति क २२, क २, क ११ क ११ प १२
मुहूर्त क १४९, क ५६, क १ क १२१	क ४५९
मूव क २५७	मूर्तिक्ता क ९
मूवळी क ३७१	मूर्तिकार क १
मूवा क ४८१ क ६ २	मूर्तिकारी क ९
मूठ क ४७	मूर्तिपूजक क २५
मूव क २ ९	मूर्तिपूजा क २४
मूड ग १३	मूर्तिस्वापन क २३
मूडना क २ ८	मूर्ति ग १३
मूडी क १३	मूल क ११ क ३ २, क २७ क ४६,
मूदना क ७९८	क ८३५
मूक क ५१९	मूलक क १७४ क ३ ४ क ३ ५
मूक्या क ५२	मूलपन क ३८१ क ३९६
मूव क २ ९	मूली क ३ ४ क ३ ५, क २२९
मूठ क ३६२, प ६५	मूस्य क ४ ८
मूठ कतागा क ३६३	मूस्यवान क ४ ९
मूठी प ६५	मुपक प ५३२
मूड क ३६४	मुप ग ५३२
मूडता क २३६ क ३६६	मुपना क ३१ क २११
मूव प ११७	मुपक क ४६५
मूतना क ११८	मुप प ४३ प ४३७ म ५ ५ प ५ ६
मूव प ११७	क ३२
मूवबोध क ४६१	मुपवर्म प ५११
मूर्धेक्षि प ७९	मुपछाला प ५११
मूर प १३ क ४६	मुपनामि प ५१२, क ११
मूरु क २४ क ३६४	मुपनीमी क ५९
मूरुगनाम क ३६६	मुपमर क ११

मैबा क ३५७
 मैबाड़ी क १ ७
 मैबाठ क ३५७
 मैबा म ४९ क ५८ क ५९
 मैबा संज्ञा लि छ २१३
 मैबा छ २१९ छ २५१
 मैबातर क ३५४
 मैबातरगी म ३५५
 मैबातक क १ ७
 मैबात क ३७३ वा म २८७
 मैबाताना क ३९४
 मैबाती म २८८
 मैबा बरघना छ २४६
 मैबाग म ३७८
 मैबागबार म ३७९
 मैबागबारी म ८४
 मैबागी म ८४
 मैबा क १९
 मैबागी क १९
 मैबागी करना क २५
 मैबा क १ २
 मैबा क २२५
 मैबा क १९६
 मैबा क २३४
 मैबाजिन क २९
 मैबाजी क ५४८ क ५४९ क ५५८
 मैबा क २७५
 मैबा होना क २७८
 मैबा क २९७
 मैबा क ५५८
 मैबाटीक म ५५३
 मैबाटीकियन म ६४३
 मैबाजी क ३६७ म ३२४

मैबा क २८७
 मैबा करना क २८६
 मैबा क ६६
 मैबा क २ १ क २२२
 मैबा होना म ११६
 मैबा क २७१
 मैबा क २१
 मैबा क ६२४
 मैबा क २९५
 मैबा क ३१७
 मैबा म १८
 मैबा म १७७
 मैबा क ५४६
 मैबा म ११५ क ५४२ म ३३७
 मैबा करना क ५४८
 मैबापन क ५४५
 मैबापनी क २३२
 मैबा क १९६
 मैबा म १८४
 मैबा क १५५
 मैबा क १, क १५४ म २३
 मैबा क १५४
 मैबा क ५३६
 मैबा क ४ १
 मैबा म २३३
 मैबा म १ ९, क १२४ क २४९
 मैबा म ४७
 मैबा क २६७
 मैबा क २६७
 मैबा क ५३२, क ४९८, क ५ ४
 मैबा क २२३
 मैबा क ३८४
 मैबा शब्दकोश क ३८५

मोटरी व १२४ व १३
 मोटा व ४९८, व ५ ४ व ५ ६
 मोटाई व ५
 मोटाना व ८ ८
 मोटापन व ५
 मोटा-मोटी व १६५
 मोटा होना व ८ ८
 मोटिया ग ३८६
 मोटे तीर पर व १६५
 मोट्यापिठ व १६४
 मोड़ना व ८३
 मोंडा व ५११
 मोठिया व ३४ व ५१ व ५२, व ४ १
 मोठी व ४८१ व ४८३
 मोठीचूर व २३१
 मोबा व १२३
 मोबी व २३८
 मोघ व ४५
 मोक्क व १६९, व १७५
 मोदिनी व ४ ४
 मोदियात्र व २०५, व ३२८
 मोरी ग २०४ व ३२७
 मोनस्टा व ३६४
 मोनिर्वा व ४८४
 मोम व १४
 मोमिया व ८
 मोर व १८९, व ६०९, व १९८
 मोरली व ६१ व ३२९
 मोरणी व ४६
 मोरपुण्ड व ६११
 मोरघा व १८४
 मोरज व १७१
 मोरी व ६१

मोर्बा व १२५
 मोरवी व २४१
 मोहक व २७१ व १८५, व २३६ व १३५
 व १४५
 मोहक व २७१ व २७६, व २७७ व
 ३९९, व २ ९
 मोहन व २७१ व २७६, व ३९९, व २ २
 मोहनभोग व १२२
 मोहनमाला व ३३१, व ३४६
 मोहिनी व १५४
 मोहना व २७४ व २७५, व १३० व ४७२
 मोह्यत व १४५
 मोह्यती व १५३
 मोहर व ४२२
 मोहुरै व ४ २२७
 मोहित व २७८, व १२२
 मोहित करना व २७४ व ४७२
 मोहित होना व २७५, व १३
 मोहिनी व ३३५, व १९६
 मोका व १ व १, व १५५
 मोक्कि व ४८३
 मोत्र व ३६४ व २७८
 मोत्र में जाना व ३३३
 मोत्रा व १३३
 मोरी व ४८
 मोत्रु व २५७
 मोत्रुली व २५९
 मोत्रु रूना व २६१
 मोन व १५४
 मोन व ६ ८, व ६ ९
 मोनकी व ६ ७
 मोनी व ६ ७
 मोर व ३३

मौस्ती स ८
 मौस्ती ज १६६
 मौस्ती ख २४१
 मौस्ती ग ४२
 मौस्ती घ ११, व १ १
 मौस्ती छ १
 मौस्ती झ १४५, छ १५
 मौस्ती ञ २१
 मौस्ती टा १८
 मौस्ती थ २१
 मौस्ती द २११
 मौस्ती ढ १८
 म्याऊँ करना घ ५२२
 म्यान है परिशिष्ट क
 म्बेच्छ घ १५६, घ ११
 य
 मंत्र स २८२, छ ५५६
 मन्त्री क २५१
 मन्त्री करना ज २५४
 मन्त्री रहना ज २५४
 मन्त्र घ ११ ग १११
 मन्त्र क २ १ क २४१ क २५५
 मन्त्रा स ५२
 मन्त्रा ख २
 मन्त्रा घ ८७
 मन्त्रा ज ५४४ ख २१७
 मन्त्र क ८१ क १५४
 मन्त्र करना क ८२
 मन्त्रकर्ता क ८६
 मन्त्रपुत्र क १३४
 मन्त्रमन्त्र क ८९
 मन्त्रालय क ८९

यमोपवीत क १ ६ न १५
 यति है 'यती'
 यतिवर्म क ६६
 यतिनी स ४८
 यती क ११ य २७१ स ४८
 यतीम ख १४
 यतीमछाता ख २ ४
 यत्न स १७
 यत्र ज ९९
 यत्रतत्र ज ९९१
 यवार्थ ज ४ ५, ख ४२
 यवार्थता ज ४ ७
 यद्यपि ख १ ५
 यदाकदा छ १९५
 यदि ख १ ४
 यदुलम्बन क १९९
 यदुलाभ क १९९
 यदुपति क १९९
 यदुराई क १९९
 यद्यपि ख १ ५
 यम क १३४ क २१५, क १ क ११६
 क ११८ क ५७८, ख १३८, ख ७८
 यमक क ५९३, ख १९
 यमपीठा क ५८२
 यमज ख ९२३
 यमदलि ज ७३
 यमशितीना छ २११
 यमन क ११७
 यमपुर क ११९
 यमराज क ११७
 यमल ज ९२३
 यमी क १ १
 यमुना क ११४ क १ १ य ९९९

यव छ २३६
 यवन क ५ ५, म ३५६, न २२८
 यवनिवा क ४९७
 यव न २६२, व ३५१ व ३५५
 यव भागा व ३५९
 यवस्त्रिनी न २ ६, क २१
 यवस्त्री व ३५३
 यवी व ३५३
 यवोवा क ४ ९, व ४५९
 यवोवरा क ४९४
 यव्टि व २ ७ क ५५५
 यवी व ९८८
 यव्वी क ३
 याविक व २८२
 या व १ ३
 याव क ८१
 यावक म ४२६
 यावना व १९६
 यावना करला व १९६, व ३५४
 यावित्त व ३५३
 यावक क ८६, क ८७
 यावन क ११२
 याववस्त्र क ५५८
 याविक क ८६, क ८७ म ३६ व ७२,
 व ८१ व ११६
 यावना क ३२६
 यावना मोचना क ३२५
 यावुपाव क ३४८
 यावुपानी क ३४९
 यावा व ६६७ व ६८७
 यावा करला व ६८८
 यावी व ६९३
 याव क ३८, व ८३४ व ८३६

याव करला क ३९ व ३६९, व ८३७
 व ८३८
 याववास्त व ८३६
 याव विलागा व २०८, व ८३९
 यावव क ३९९, ग ३ ५
 याव क १७८, व २८७
 याव क २८७ छ १ क १२८, क १४३
 याविकी क १४३
 याव म २२७ म २७८, व ९५९
 यावना व २७५
 यावी व २७५
 याव्व क ५ २
 याव्व व ४२
 याव्वि व १९ व ३७
 याव्विपुव्व व ४२
 याव्व ५९१ छ १ क १६
 याव्व व ६१ ग ५८४
 याव्व व २६२
 याव्व करला व २८२
 याव्वव व २२२
 याव्ववरा व २६५
 याव्ववूमि व २२
 याव्ववस्त्र व २२२
 याव्विठर क ४१३, क ४१४
 याव्व व ३२
 याव्वी व ४१५, क ९ व ४४
 याव्ववरा व ३५४
 यावा व ३२
 यावावस्था व ३३
 याव व ३५९, व ९२४
 याव्व व ३५८
 याव्वानी व ४२९, व ४३१
 याव्विठर व २७४

योही ज ४२१ ई
 योग क ६२, क ६६ क ५६२, क ५६८
 ख ३८ ख ५५८, म १७८, म ३७
 योयवर्गन क ५६८
 योयनाय क १९५
 योयनिहा क १९४
 योयमाया क १९४
 योगघास्त्र क ५६८
 योयसायना क ६३
 योगसूत्र क ५६८
 योयाम्यास क ६२
 योयाम्यासी क ६४ क ११
 योयान्न क ६२
 योगिनी क १९४ क २ २ क २ ४
 योगिपत्र क ११
 योनी क ६४ क ८४ क ११० क १६५,
 क ८४
 योय्य ज ३९४ ज ३९८ ज ४२०
 योय्यठा ज ३९६ ज ४ म २५४
 योडा वा ३६४
 योनि य ८० य ३८, य २६२
 योनिवन्द्य वा ५३१
 योनिभावा वा ५३१
 योय छ १३६
 योयिया छ १३८
 योयुक्त वा ४१९
 योय्येय क ४१६
 योय्य म ३३
 योय्यगविना वा १५९

र

रकल ३० म ४ ५, म ४४५
 रकला वा ४ ६

रंगक २ ख ४५७ ख ४५
 रंगलेख क १८६, क २२२
 रंगगृह वा १६६ क १८६
 रंगबीजक ख १४ वा १४६
 रंगत वा २
 रंगदार वा २२
 रंगना क २३ क २७ ज १२४ क ६१६
 रंग नरकला ज ९६
 रंग-किरंगा वा २२
 रंगभजन क १७८
 रंगभूमि वा १६६, क १८६, क २०२,
 क २१९, क २२२
 रंगमथ वा १६६ क
 रंगरेज वा ११ ग ३६
 रंगरीमी वा ४५
 रंगवार्दिक २४ वा २५
 रंगवाना वा २६
 रंगवाला वा १२५, क १८६
 रंगसाह वा २१
 रंगसमक वा १६६, क १८६
 रंगार्द वा १४ वा २५
 रंगाना वा २६ वा २७
 रंगिणी छ २
 रंगी य ३६ क ४८
 रंगीन वा २२
 रंगीला वा २३ क २६६, क ४८, ज ४६३
 रंग क ५ ३ क ९१
 रंग क ५ ३ ज ९१
 रज क ४६ ज ५ वा ३४८
 रजन ग २५, ग १२४ क १३२
 रजना ग २७
 रजनी क ३ ६ क १२४ क २ २, २६
 रजिण वा ३२ क ३६, क १३२

संविद्य करणा क २१, क २७ व ६१६	रक्तप्रसव व ४३५
संविद्यी क ४२१	रक्तवर्षा व ५४६
संविद्य व २७६	रक्तसार क ८१, म ११२
संवीरा क ४ व ५२, क ५६	रक्तहर म २
सका क १२४ म १७१ क ४८	रक्तोप व ११ म ६ २
सैवापा क ४९	रक्तोष्णी म २ २
संवी क १२४	रक्ता क २ २, व ४६७ व ६ ६
सैक वा म २७४	रक्तोद्योग ४८६
सैवना क ९२	रक्तोत्थिहार क ५११
सैवा क ९१	रक्तार्थ क ४७३
संघ क १५९	रक्तानु व ३१७
संघ करणा व ७३९	रक्तिक व २६४
सैमा क २४८, व ३४५, व ४८२	रक्तिका व २४६, व ६ ६
सै क ८ क ४७६	रक्ती व ६ ६
सैसि क ४ ५ म ग ३७४	रक्तोपक व १२५, व १९५
सैवार्थि क १४९	रक्त क २ ३ क ३४८, व ४६, क १९६
सैम क ३८	रक्तक म ४२९, क १९६
सैकवहार म ४११	सैम क १९८
सैकवी क ४४२	सैवनीय क १३७
सैवीय व २६६	सैमा क १३६, क १९८
सैक क ३४ म ९४ म ९५, व ४२५, म ४५ क १ क ३ ५, क ३१	सैमा करणा क ३२२, क २ क २ ५
सैकफंट व ६१३ व २७६	सैमाव्यव क २ ७
सैककर्म व ३१३ व ३१७ व ६ ७	सैविनी म १९
सैकवीय क ३४८	सैम क १३७ क १९९
सैकवर्धन व १३२, क १	सैवना व ७७३ क २
सैकवूर्ण क ३ ९	सैवनी व २२८
सैकटा क ३६	सैवना क ३७२, क १९६
सैकमासक व १६७	सैवामी क १९८
सैकपुण्य व ३४४ व ४११ व ४२५, व ४३९	सैवामी करणा क २ ५
सैकपुष्पी व ४२२	सैवार्थि क १९८
सैकप्रवर क ५३४	सैवानी क २ ५
	सैविवा क १९६
	सैवी व २२८

रमजाल म २४९	रविलोचन क १३४
रमजाल २२४ क २७१ क २८७ ज १५५	रविबंध क ३६५
रमज करण क २८६	रविचार क ११५, छ ११६
रमजी क ४४ छ ५८	रविदिव क ४८७
रमजीय क २८८, ज ४६३	रविमुखा क ३१७ क ३८५
रमजीयता ज ४६७	रविहय क ३ ३
रमजाना म २७२	रक क २६२
रमज क २७१ क २८७	रविम ४५, ज ९, छ २८७
रमा क १६३ क ३६७	रस क १७९, ल ६० म ९५, व १९२
रमाकाल क १३४	म ४५९, य ४७८, छ १४१ क ११०
रमानिवाह क १३४	ज २६२, क ४ ज ४५, ज १४५, ल १२४
रमायन क ५८३	ल १३४
रमारम क १३४	रसगर क ५
रमेय क १३४	रसना म २३ म २७
रमीय क ११२	रसर क ३६, क ३७
रम्य ज ४६३	रसरोज क १९६
रम्या म ४ ९, छ १४३	रसबाहु म ४५९
रत्ना म ६३७	रतना म २३ म २७ क ३५९, व ७१८
रत्न म ६३६	क ८११ ल ९५
रत्ना म ६३६	रतनाम म ४५९
रत्न क ४ ५	रतनामक क १६५
रती ज ४५	रतपति क ३ ७
रव क ११२, क २९७	रतपत्र म ६
रवना क ३९	रतमम म ९४
रवा क ८९५	रतमती म ३५१
रवाज ज ९५३	रत में रवना म ९५
रवि क २९७ ज ४	रतपुरा म १३७
रविर्वात म ५९९	रतभक्तता म १२९
रविपुत्र क ३६५	रतमात्र म ४५९
रविपुत्र क ३१७ क ३८५	रती क ५२१
रविर्वात छ ११६	रतमा म ३६६
रविर्वात क ३१७ ज २१	रतमा क १५
रविपुत्र क ३१७ क ३८५	रतमम म ४

रसहीन हा १२८	रस्म क १५२
रसहीनता हा १३	रस्ती क ५२१
रसहीन होना हा १३२	खँटा क ५६४
रसा क ३४३, क ९ स ९६	खून-सहन क २९४
रसाई क ७४२	खुना क ६८९ हा २६१
रसाक्षय क ४५	खून क ६९
रसातल क ३१९, क ३३७	खून क १९
रसाना क ७१९	खून क १९
रसायन क २१५, क ४७८	खून क १९
रसायनी क १५ क १७८, क १८३	खून क १९
क २ ३ म २ ४ क ३५१	खून क २२
रसाक ग २७ क ३५, क २२८ क २४९	खून क ५२२
रसाका क ३४३ क १२७ क १३६	खून क २३८, क २२७
रसास्वादन करना हा १२५	खूनना क ४१
रसिक ग २६६ क ३४ क ४८	खुष्टि क २२७
रसिकबिहारी क ३९९	खून्य क ५५८, हा ३८६
रसिया क ४८	खुष्ट क ६९
रसी क ४८	खुष्ट कठना क ६९१
रसीका क ६ क ४८, हा १२७	खुना क ६९१
रसीलापन क ५१ हा १२९	खून क ६९
रसूम क १५२, हा १७८	रखि हा २५८
रसूक क ५२३ क ५२४	रखि क २५५
रसेन्द्र क ४५९	रखी क ११२, क ५२२, क २२
रसोई क १९८	रंभा क ४५७
रसोइया क १९८	रंभना क २७ क ४१
रसोइयाधार क ४ ३ क ८८	रंभ क १२४ ग २७१ हा ४८
रसोइया क ४ २, हा ८८	रंभना हा ९
रसोई क १९८	रंभा हा ९१
रसोइवर क १९८	राई क २६४ क ८
रसोई बनाना क ८९	राकस क ३४८
रसोतम क २५७ क ४५९	राका क २२३ हा ११ हा १४५
रसोतम क ३१	राकाबि क १५
रसोतमबा क १७१	राकै क ३ ७ क १५
	रासक क ३४६, क ३४८ ग १५२, क ४६
	राससपति क ३९

रबीया स १९६	रबठाई क २९
रब ग ९७	रबतघुति क ३८
रमड़ स २८७	रबनि क १४३
रगड़ खाना क ९३८	रबनी क ७७ क १४३
रमड़ना क २९ क ५५२, क ९३८ स २६७	रबनीकर क ३ ७
रमब क २	रबनीपन्था क ४१६
रमना क २९	रबनीपर क ३ ७ क ३४८
रनुनाम क ३६६	रबनीपति क ३ ७
रनुनाय क ३६६	रबनीमुख क १६५, क १४१
रनुनामक क ३६६	रबनीस क ३ ७
रनुपति क ३६६	रबन्स क ४५९
रनुपई क ३६६	रबन्सका स ५१
रनुपम क ३६६	रबा क १५५
रनुपम क ३६६	रबाई क २९
रनुर्मा क ३६६	रबानर क १८४
रनुवर क ३६६	रबानबी ज १९४
रनुवीर क ३६६	रबोर्गि क ४७१
रबक क ८१६	रबोमूति क १२३
रबना क १२६, स २९४ स ७६	रबोवती स ५१
रबना करना क २९४	रब्बाक क ५२२
रबनाकार क १२७	रब्बु क ५२१
रबमिता क १७१ स ४०५, क ८१६	रट क ३३६, क ५९९
रबा खाना क ९४७	रटना क २४६ क ६ क ८१८, स ७१
रबाला क ७६३ क ९४४ स ७७	रट मैना क ८३८
रबिठ क १२७ पैल १७	रब स २६२
रब्बु स ४२९	रबमिय क १३४ स ६२५
रब्बा स १९८	रबर्का स ३६४
रब स १२८, स ३८५, क ३९१ स ४४६,	रगामूति क २
इ १ क ९७	रबरंग क २२२, स २६२
रबक स ३४५	रबर्गुय स ३६४
रबकी स ३४६	रबभक्त क २२२
रबत स ३८, स ३४ स ९४ क ४४६,	रबाथानी क १६५, स ३५८
इ ९, क २४२	रबेय क १६५

रत क २८७ ग ८१ व १२२

रतम्बर म १५४

रतन व ४८

रतनाकर व २६४

रतनार क ३४

रतनाखा क ३६

रतनाय क ३४

रतमूहा व ४८२

रत होना व १२४

रतानू व १ ८ व ३२१

रति क २८५, क २८७ क ३ ९ स १८६,

व ३६, व ८ क १४३ व १४५, व ४६३

रति करला क २८६

रतिमूर्धुर ग ८

रतिकोविदा क १६१

रतिमूह से 'रतिमंथिर'

रतिबाण क २८७

रतिनाथ क २७१

रतिनाथक क २७१

रतिपति क २७१

रतिमवन व ८ व १७८

रतिमंथिर म ८ व १७८

रतिरमण क २७१ क २८७

रतिवत व ४६३

रतिपात्र क ६५

रतिधमर क २८७

रतिधमर करना क २८६

रतिवाचन म ७९

रती क २८५, क २८७ व ४६७

रतीपी व ४८

रत क ११९, व ४८ व ४८४ व ४८७

रतकीर्ति क ४४७

रतकेतु क ४४७

रतपर्या व ९०

रतधर क ४०५ व

रतनिधि क १३४ ग १६३ व ३६४

रतपारशी म ४ ८

रतविशेषा व ४ ८

रतार क २६४

रत क ३८८, क ३८९, क ३९१

रतबाहू ग ४५२

रतोग म ६२२

रतोगपानि क १३४

रतानी क २६५

रतार क ३६३

रती व ३६ व ३६३

रत्या व २४ व २४१

रत म २५

रतच्छत्र ग २४

रतन व २५

रतनच्छत्र व २४

रती व ४२१ द, व ४७६

रत व ११ व ३१२, व ३१४ म २६२

रतिवात व १७७

रत क १९८

रतन व १९८

रतना व १९९

रतना व १९८

रतुनकर होना से भागना

रतुन करना व ८८१

रती क १५९

रती म २२७

रत-रत व ८५१

रती व २२७

रतोर व ४६३

रत क २७१

रमबाल ग २४९

रमबाल २२४ क २७१ क २८७ व १५५

रमब करमा क २८६

रमबी छ ४४ छ ५८

रमबीम क २८८, व ४६३

रमबीमता व ४६७

रमबाला व २७२

रमग क २७१ क २८७

रमा क १६३, क ३६७

रमाकांठ क १३४

रमानिवास क १३४

रमावन क ५८३

रमारमण क १३४

रमेष्ठ क १३४

रमीया क ११२

रम्य व ४६३

रम्या व ४ ९, छ १४३

ररमा व ६३७

ररई ग ६३६

ररमा व ६३६

ररई व ४ ५

ररौ व ४५

रर क ११९, क २९७

ररना क ३९

ररा व ८९५

रराज व ९५३

ररि क २९७ व ४०

ररिकांठ व ५९९

ररिगुल क ३६५

ररिगुल क ३१७ क ३८५

ररिगुल छ ११६

ररिगुल क ३१७ व २१

ररिगुल क ३१७ क ३८५

ररिगुल क १३४

ररिगुल क ३६५

ररिगुल छ ११५, छ ११६

ररिगुल व ४८७

ररिगुल क ३१७ क ३८५

ररिगुल क ३ ३

ररु क २६२

ररिगुल व ४५, व ९, छ २८७

ररु क १७९, व ९ ग ९५, व ११९

व ४५९, व ४७८, छ १४१ छ ३१

व २६२, व ४ व ४५, व १४५, छ १२१

व १३४

ररु क ५

ररुमा ग २३ ग २७

ररु क ३६, छ ३७

ररुदोय व १९६

ररुधालु व ४५९

ररुमा ग २३ ग २७ छ ३५९, व ७१८

व ८११ व ९५

ररुना व ४५९

ररुनाम क १९५

ररुपति क ३ ७

ररुपुत्र व ६

ररुभव ग ९४

ररुजरी व ३५१

ररु में दूबना व ९५

ररुमुल व १२७

ररुपुत्रा व १२९

ररुपुत्र व ४५९

ररुपी छ ५२१

ररुवर्त व ३६६

ररुवर्त छ १५

ररुवर्त व ९४

रसहीन स १२८	रसम व १५२
रसहीनता स १३	रसी क ५२१
रसहीन होना स १३२	रसी क ५६४
रसा व ३४३, व ९, स ९६	रस-सहस्र व २९४
रसाई व ७४२	रसमा व ६८९, स २९१
रसाक्षय व ४५	रस व ६९
रसातल क ३१९, क ३३७	रस व १९
रसाना व ७१९	रसम व १९
रसायन व २१५, व ४७८	रसमरिच व २२
रसायनी व १५, व १७८, व १८३	रसमान क ५२२
व २, व २४, व ३५१	रस क २३८, व २२७
रसाक ग २७, व ३५, क २२८, क २४९	रसना व ४१
रसाका व ३४३, क १२७, क १३६	रसि व २२७
रसास्वायन करना स १२५	रसन्य क ५५८, स ३८६
रसिक व २६६, व ३४, व ४८	रसास व ६९
रसिकबिहारी क ३९९	रसास कराना व ६९१
रसिया व ४८	रसामा व ६९१
रसी व ४८	रसाम व ६९
रसीका क ६, व ४८, स १२७	रसित स २५८
रसीलापन क ५१, स १२९	रसिका व २५५
रसूम व १५२, स १७८	रसीम क ११२, क ५२२, व २२
रसूक क ५२३, क ५२४	रसीमा व ४५७
रसेन्द्र व ४५९	रसीना क २७, व ४१
रसेरि व १९८	रसी क १२४, व २७१, स ४८
रसेरिया व १९८	रसीना स ९
रसेरियावार व ४, स ८८	रसी स ९१
रसेरिया व ४, २, स ८८	रसी व २६४, क ८
रसेरि व १९८	रसक क ३४८
रसेरिबर व १९८	रसक क २२३, क ११, क १४५
रसेरि बमाला स ८९	रसकासि व १५
रसेरिम व २५७, व ४५९	रसेरि क ३, व १५
रसेरिभन क ३१	रसस क ३४६, क ३४८, व १५२, व ४६
रसेरिजना क १७१	रससपत्ति क ३९

राजसी क ३४९	राजनीति क ३३४
राज क ४२६	राजस्य म २९२
राजी उ २ ङ क ४२६	राजपटोल म २७५
राज ल ८ ल ८१ ल ६ • क ३२४	राजपत्नी ल ३५३ म १८१ म २९१
ज १४५, ज २६२	राजपथ क २४
राज नाइना म १२	राजपुत्र घ ३५४
राजवृत्त क २७१	राजाभिषेक घ ३४९
राजागी क ४२१	राजपुत्री घ ३५५, म २९६, म ४ ६
राजपञ्चम म ६८	म ४ ३
राजपुष्पी म ४१७ म ४२२	राजपुत्र घ १२२
राजपुत्रा क २८५, म ७९	राजप्राणार क १७१
राजिनी ल ८१ ल ८२	राजप्रिय म २१३
राजी ल ३४ म २६६	राजमन्त्र क १७१
राज्य क ३६६	राजमोक्ष म २२
राजना घ १६ म १२४	राजमन्त्रि क १७१
राज्यगी क ३४९	राजमहल क १७१
राज क ४ १	राजमहिषी ल ३५३
राज्य क ३४८	राजमार्ग क २४०
राज ल ७ ल ३४८, ल १४८ ल ३८६	राजमात्र क २६०
राजमुञ्ज ल ३५४	राजमुहुट क ३३०
राजमुञ्जि ल ३५५	राजमुह क २३८
राजमुञ्ज ल ३५४	राजराज क २९५
राजमुञ्जारी ल ३५५	राजराजेश्वर ल ३४५, ल ३५
राजमुष्पाह क २७१	राजरीय घ ४४६
राजपीर ल ७	राजर्षि क ३०५, क ४६६
राजसू क ५	राजस्थान ल ३३ ल ३३२
राजसू ल ३३२	राजसूय क १४८
राजसू ल २६२	राज्य क ९३
राजसू ल ३०	राजशाहा क १०४
राजसू ल १००	राजसी ल ३५१
राजसूय ल १००	राजसूय मत्र क ८३
राजसूय ल ११० ल ३३२	राजशाही क ३३६
राजसूय ल ३३३	राजसूय म ९ ३

पाना क ३४९, म २९२
 पानिका क ५१ क २६४ क १ २
 पानी क २६४ क ३५, क ५१
 क १८४
 पानी करना क ४३ म २४८
 पानीय म ३८८
 पानी होना क १७८
 पाने क ३४९
 पानेस्वर क ३४९
 पान्य क ३४८, क ४८ क १ ४ क १ ७
 म १४८
 पान्यरोग क ५२
 पान्यतंत्र क ३४१
 पान्यपन्ना क ५२
 पान्यशास्त्र क ३३२
 पानी क ३५३ क २६४
 पान क ३४९ क २१
 पान म २७४
 पाना क ३४९
 पान छ १४३
 पानकी छ १४३
 पानदिन छ १ क १४४
 पानपानी क ४१६
 पाना क २२
 पानि क २१७
 पानियाणा क १३९
 पानि छ १४३
 पानिचर क ३४८
 पानिचर क ३४९
 पानिचारी क ३४८
 पानिपुण्य क ४ ७
 पानिमणि क ३ ७
 पानियम छ २८४

पाना क १९६, क ४ क ३८ क ४३
 छ ४१
 पानाकार क ३९९
 पानारमण क ३९९
 पानावस्त्र क ३९९
 पानामुठ क ४३८
 पानिका क ४
 पानम क ४३८
 पान म ८४
 पाना क ३४९
 पानी क ३५३ क २९३
 पान क १७
 पानकी क १५९
 पान क ११२, क १५४ क १५५, क २८९,
 क ३६९, क ४१ क ४४४ म ५ ७
 म १८, क ८२
 पानपीठा क ५८२
 पानचक्र क ३६६
 पानचरित क ५९१
 पानचरित मानस क ५८३
 पानजना म २४९
 पानजनी म ३१७
 पानजवाहन क २३३
 पानजाना म २७२
 पानबाध क ३८
 पानभूत क ३८
 पानगामी क ३३१, ३४६
 पानप्रिया क ३६७
 पानमन्त्र क ३८
 पानमोय क २३१
 पानमुय छ २
 पानरस क २८
 पानरस्य क ५५८
 पानराम क १३६

रामराम करना व १४९ व १९७

रामलीला व १३६

रामसर व २९

रामसेतु व १२

रामा क १६३ क ३६७ क ४ व ६८

व १८२, व १८३ व ४३

रामानुज क ३७

रामान्न व २७२

रामायण क ५७९, क ५८३ क ५८४

रामेश्वरम् क ५६

राम व ३४७ व १९४ व १५५

रामब करना व १५५

रामठा क १३५

राम व ४७७

राम व ५८८

रामक क २५६, क ३९०

रामकपुटी व १२६

रामक व २७३

रामक क ३६

रामक व ४६७

रामि व ६६, व ५६

रामि व ५७

रामि व ३४८, व ३७८, व १४ व १७

रामि व ३१७

रामि व ३५२

रामि व १३६ व २५६, व २७

रामि व ४६६, व ४६७

रामि व १३६

रामि व ५८, व ४५, व ४२

रामि व ४९

रामि व ४७

रामि व २४१

रामि व ७८८

रामि व ७७४

रामि व १५

रामि व ५८५, व २४१

रामि व ४१८

रामि व ७६४

रामि व ४५३

रामि व ४५३

रामि व १९५

रामि व १९३

रामि व ५८५, व ५, व २३

रामि क ४९५

रामि व ३७८

रामि व ८०४

रामि करना व ८९

रामि ही जाना व २१३

रामि व २४६

रामि व २६

रामि व ४७३

रामि व ८५

रामि व १७४

रामि व ३९८

रामि व ४९

रामि व ३९९, व ४२४

रामि व २७९

रामि व २७६

रामि व २५१

रामि करना व २४६

रामि होना व २४६

रामि व ४७

रामि व १५२

रामि व ४९

रामि व ४९

रामि व ४९६

रिक्तशब्द का ४१७	रक्तस्य च १५५
रिक्त का ९३	रक्तार्थि मा १३
रिक्तहा का ९४	रक्तसार म २८
रिक्ताना का ४२ का ४४ का ९६	रक्तसूत्री का ६६७
रिक्ति का ९३	रक्त्य का ५४६
रिक्तिमाना का ९६	रक्त्या का ४६९
रिक्तीहा का ४	रक्ति क २९९, का १ का १२३ का का
रिक्ता मा २३२	१३८, का १४५, मा ११३
रिक्तीर्षि मा २३	रक्तिर म ३ ४ क ४४ क ८२, का ४६३
रीचना मा ९	का ४७१
रीच ग ५	रक्तिरता क ४५, का ४६७
रीचना क २७५	रक्त्य म २३ क ३३
रीचा म ८५	का ४७१
रीचर का २४१	रज का ४३५
रीङ्ग ग १ ५	रजसा मा १७३
रीठा का ८ ४	रजन रे 'परिधिष्ट' क
रीति का १७७ का २ ५, का ४५४ का ९५३	रजन करला म १२
रीतिया का १९४ का ९५३ मा ३७	रजक १९५, क १९८, क २ ४ क २१५,
रीत्यूना मा ९	का ६१५, का ३३, का २४३
रीड का ९३१	रजाम क ४ क ४१ क ५५८
रीठ का २६१ का २६२	रक्तिर म ९४ क १
रीसना का ४२, का ९६	रज्ज का ७७७
रिड म ४८	रज्ज करला का ७७४
रिजा का २३२, का ९८९, का ७८१	रज्या का ३८ का ४२३
रिजाव का ७८६	रज्यूना का ५५
रिजावट का ७७८ का ७८६	रज्यूया का ४२३
रिजावट कामना का ७८२, का ७८८	रजाक क २५५
रिजम का १२२ म ४४८, का ४४९	रजाळी क २५८
रिजिमी क ४ १	रज ग ५१
रिज का ५७५, मा १२८	रजना ग ६३६
रिजाता मा १३	रज्ज का ९५
रिज म २	रज्ज होना का ९६
	रज्या का ७७४ का ७८८, मा ९३

रु म १५ ग २३	रेवक व २१९
रुई क २२२	रेवट क १
रुब प २३	रेट व १७
रुबा झ १२८	रेणु व १८६, व १९६, व १८७, व १९
रुला ज १६	व ९८
रुव व ४६६	रेणुका क ४४५, व ९
रुम ख १४७ ग १५, व १२, व ४२२, व ४१७	रेण ग १२९, व ९८, व २१२
रुमक ख १३३ ख १३५, ख १३६ व ४४९	रेण व ९२, व ९९
रुमगविता ल १५९	रेणो क ५१४ व ९८
रुमनादायी ल २ ३	रेणगाड़ी क ३८३
रुम भारत करला ख १४८	रेवती व २७
रुममंबटी प २३१ व ४३३	रेवतीरमप क ४१
रुमया घ ३८	रेवम क २३२
रुमयौनला ख १६१	रेवमी कपड़ा क २३३
रुमयन्त व ४६३	रेव व ६७३
रुमवान व ४६३	रेवला ल २९
रुमधि ल ५६	रेवटी व १९८
रुमी प ४३३ व ४२२	रेव ख ३८९
रुमाल क २५५	रेवड क ७१
रुव व ४६६	रेव छ १४३
रुव ल ३१२	रेवड क २९३
रुवला ख ९६	रेवत ल ३७८
रुव व ५, ग ६	रेवडी व ४
रेकना व ४६८ व ५९६	रेवक व ७७८, ७८६
रेवला ग ५३७ व ६७६	रेवक-बाम व ७७८
रेवला व ७१७	रेकना व ७७६ व ७७५, व ७७६, १ ७८२, व ७८८
रेट ल ४१४	रेकनबाला व ७७६
रेडी प २६७	रेवा व ७७७
रेवगा घ ३ ३	रेवा हुजा व ७७७
रेवा ल ५६८	रेव ग ४३५, ल ४३६ ग ४३७, ल

रोगनिर्णय क ४३९
 रोगरीहित क ५४७
 रोगरुज क ५२
 रोगार्त क ५४६
 रोगहारी क ५३८
 रोगहीन क ५४७
 रोगाशुर क ५४६
 रोगिया क ५४६
 रोमी क ५४६
 रोमक क २ ५, क ३१३, क ३४९
 रोमन क १४८, क ३५२
 रोमना क २१८
 रोम क १३६, छ १३८, क १ ९
 रोम का क १३७
 रोमवार क ३५२, छ २८५
 रोमपाटी क २८६
 रोमपटी क २३३, क १३८
 रोम-रोम छ १३८
 रोमा क ५ ७ क ५१५
 रोमाना क १३८
 रोमी क ३९४, क ३५२
 रोमीना छ १३८
 रोट क ३४९, क १
 रोटी क १ ६, क १ ९
 रोटी काना क ११७
 रोड क २४
 रोडक क ७७६
 रोडन क ७८६
 रोडना क ७७४
 रोना ग १२, क ५९
 रोडन क ४५९
 रोडना क ८१४, क ३१७
 रोडनी करना क ३१७

रोम क २४९, क १७३
 रोमक क २५२, क १७४
 रोम माटना क २५१
 रोम शास्त्रि करना क २५१
 रोम शास्त्रि होना क २५
 रोम बमना क २५
 रोम बमाना क २५१
 रोमदार क १७४
 रोम होना क २५
 रोमक क १७४
 रोमक करना क ११९
 रोम क ५ ४ ग ३७ ग ४
 रोमनईबोलिक क ५ १
 रोमरानी ग ५३
 रोमरु ग ४९, क ८२
 रोमहर्षण क २४३
 रोमान क ४१, ३९९, क
 रोमानित होना क ३९९
 रोमेरु ग ५२३
 रोर क ५८९
 रोरी क ३२१
 रोरु क २ ३
 रोरु क ३१२
 रोका क ५८९, क २६२
 रोमी क ३२१
 रोमी ग ३७
 रोमन करना क ११
 रोमनबीकी क १११
 रोमनदान क ५३६
 रोमनाई क ३ ६
 रोप क ९३, क २५८
 रोप करना क ९६
 रोपी क ९४

रोसगा न ९६	अंगरसाला न २४
रोह ग ५०४	अंगी अवाला न ७८८
रोहक न ७११	अंगूर न ४३४ म ५२४
रोहन न ७९	अंगोटा क १४ क २८१
रोहना न ७९	अंगोटा क २५८
रोहिणी क १९४ क १९८ क ३७ न	अंगोटी क १४ क २५८
न ४६९ न ६५ न १६४ न २२ न	अंगन करना न ६८६
२४ क २६ न २७ न ३१	अंगना न ६८२
रोहिणीय क ३७	अंठ न ३६४
रोहिण क २९७ न ९४ न ५१ क ३२१	अंठा न ३६६
रोहिणाव क ३११	अंठारी न ३६६
रोहिणी न ३१	अंघ २२४ म ३७७ न ४३१
रोही न ७११	अंघा न ४१६ न ४३१
रोहू न ५८५	अंघारी न ४३३
रोहना न ८२ स ९३	अंघा-नीका न ५७३
रोना न २२९	अंघाल न ४३३ न ५७४
रोह न १७९	अंघापन न ४३३
रोहक छ २८७ न ४६२, न ४६७	अंघोराय न ४३२
रोह्य प ४४९	अंघोर क १९२
रोह स १७३	अंघ्या क २७५ क २७६
रोह अमना न २५	अंघर क ४३७
रोह क ३१९, क ३२२, क ३२३	अकड़वाया न ५१४
रोह भोगना क ३२५	अकड़ा क ४१७
रोहन स १११	अकड़ी प १८, क ४२३
	अकवा न ५१८ स ५२३
	अकुटी क ५५५
	अकपी न ३४
	अक घ ६३२, न ४८३
	अकय क ३१ न १९५, स ४४
	न ११४
	अकय आना क ११
	अकयति स ४५ न
	अकमी क १४६, क १९३ क १९४ क १९६

क २२, क २६५, क ३६७ व ३८
 व ७८ व १११ व ४९, व ४८२,
 व ४८३ क ९

सम्पत्तीपति क १३४ क ३९९, व ४५ व
 सम्पत्तीवान व ४५ व
 सम्पत्त क ३७ ग ६४
 ग ६४२

सम्पत्ता व ७२३

सम्पत्ता व ७२५

सम्पत्ता व ६७४

सम्पत्ता व ५६, व १२७ व ३३९

सम्पत्ता व १२४ व ७८० व ३२४
 स ४१२

सम्पत्ता व ९६५

सम्पत्ता क ४२३

सम्पत्ता व १२२, व ४९

सम्पत्ता क १६७ व १९७

सम्पत्ता व ४११

सम्पत्ता व १६५, व ७७९, व ८६४ व
 ९२, व ९६४ व ११ व ३१७

सम्पत्ता क ३९४

सम्पत्ता व ७८१

सम्पत्ता व १४५, स ४११

सम्पत्ता व ४३४

सम्पत्ता क ४२३

सम्पत्ता व ३५३ व ५६ व १२२,
 व ३२७

सम्पत्ता क २६४

सम्पत्ता व ४२६, व ४४३ व ४६३

सम्पत्ता व ४२८, व ५१३ व ९१२

सम्पत्ता व ९१२

सम्पत्ता व ११७

सम्पत्ता व ११८

सम्पत्ता व ८२

सम्पत्ता व ८३

सम्पत्ता व ८२

सम्पत्ता व ८३

सम्पत्ता व ४४ व ११४

सम्पत्ता क ३३५, क ३५२, व ९३१

सम्पत्ता क १६३

सम्पत्ता क ३७ ग ६४२

सम्पत्ता व ३२९

सम्पत्ता व ३२२

सम्पत्ता व ३२८ व ३२९

सम्पत्ता व ३२२

सम्पत्ता व ३२२

सम्पत्ता व ३२३

सम्पत्ता क २०२, व ३२१

सम्पत्ता व ३२३

सम्पत्ता व ३२२

सम्पत्ता व ३२७

सम्पत्ता व ३२९

सम्पत्ता व ३२८

सम्पत्ता व ५३७

सम्पत्ता व ४३८, क ३२९

सम्पत्ता व ७५५

सम्पत्ता व ५२

सम्पत्ता व १३ व ५२

सम्पत्ता क २७५, व ७७

सम्पत्ता क २७८, व १२२

सम्पत्ता व ४७२

सम्पत्ता व २७५

सम्पत्ता व २४७ व ४२३

सम्पत्ता-सम्पत्ता व २४६

सम्पत्ता व २४८, व ३६

सम्पत्ता व १७ व ७०७

क्याई व २७६, ख १७१, घ २६२, ङ ३२९	क्याई ख २६२
क्याना व २८ व २८२	कर्म व १३१
क्याका व ३६४ व २८१	कर्मक व १३८
कईटा व ३६४ व १५५	कर्मकना व १३
कडदू क १७६, क १७७	कर्मकार व ५९३, ख २६५
कडिया क ३८९	कर्मकारना व ५९१
कटा व १	कर्मचाना व ५९१
कटाभरल कला ग १५६	कर्मचाना व १३
कटर व ७	कर्मचारा व १३२
कटाव व २९२	कर्मचाना व ४७२
कटावी व २५९, व २९२	कर्मक ग २२४ व ७५, व ३६६
कटा व ६, व ७ व ९२	ककना ग ४ व २७
कटाबौर व ६	कका ग २२४
कठिका व ६, व ७	ककमुही व ४८२
कठिमाना ग १५६, ख ३२१	ककाहन व ३ ४
कटा क २१८, क २२१, क २३६	ककाई व १६
कपाड़ व २५६	ककाट ग १६
कडक व ४४५	ककाम ग ४५२, व ४८, क ३२७ व ४६७
कपट क २८	ककामटा व ४६७
कपटना व १५२	ककामी व ३६, क ३३, व ४६
कपटी क १२२	ककित व १६४, ख २ ६, व ४६३
कपेट व ३६, ख ३८८	ककित कला व १
कपज व २३१	ककित क २४२ व ४६७
कव ग २४	ककौही व ३३
कवापा क २५२	ककव क ८८
कवि व ५६७	कक क ८२, व ९१
ककुक व ३४८	ककव क ३४६, व २ ५, क २८, क ३४
ककना व ३५	ककव क ४३
ककवित ग २	ककवता क ५३
ककधी ग १९९	ककनी क १५८
कक क ३४६, क ३४९	ककनीन व १२२
ककवचना व ७ ७	ककनीनता व १२७
	ककनीन होना व १२४

श्रीषी करमा छ २८८
 शीन छ १२२, स १६
 शीमला छ १२७
 शीम हीना छ १२४ स १५
 शीप देगा छ १४३
 शीक्याय प ५ ४
 शीसना स ११८
 शीसा स ४६, स १३४ न ४३३
 शुंगी छ २६
 शुभ छ ५२८ न ५३२, न ५३८
 शुभ प ४८
 श्रद्धिनी शाय क ४९७
 श्रवा छ ४२२
 शुक्रवाना स ७९२
 शुक्राठ छ ४२२
 शुक्रना प ७९१
 शुकाना न ७९२
 शुकापी छ २८
 शुक्र छ ४९३
 शुक्राई न ४ न २२५
 शुक्राई छ १
 शुक्राई स २७२
 शुक्रना प २७१, न २९८, न ३०२
 शुकुत शाना स ११३
 शुकुता स ३८५, न ८९७
 शुकुतिया छ ४४६
 शुकुतिय स २ ६
 शुकुतो ग ४१८
 शुकुतिय प ४३७
 शुकुतना प ७ १ न ७ २
 शुकुताना स ७ २
 शुकुतारी छ २८१
 शुकुत प १७३

सुतपई स १३४
 सुती छ २८१ स १०९
 सुतार्ई प ४६७
 सुत प ७३० न ८
 सुतुपना ग ३४८
 सुतुव क २७८, न १३२
 सुतुवक प ३४८
 सुताना स १३ न ४७२
 सु छ २७१
 सुक छ २८
 सुका छ ४९३
 सुतना स ३८४ स २ ८ स २११
 सुत सेना है 'अमर'
 सुता न ५३९
 सुवा प ५२८ न ५३२
 सुवाकैगका स ५३८
 सुह छ २७१ न ५२८
 सुहका प ९२४ न ९२८
 सुकिन प १ १२
 सुकधी प १४
 सुकवरर स २४१
 सुक क २०७ स १९ स २ ७
 सुकल स १२७ प ४ ५, स ३९५
 सुकनी प ३ ७
 सुकपाल स ३४१
 सुकिका प १२८, स १७२
 सुक्य स ४५८
 सुकिय छ ३७७ स ४ ९
 सुकना प ८२, न ७१५
 सुकना प ८३
 सुकना छ १७५
 सुकनी प ९८
 सुक स ३ ४

कार्ड क ११२

कार्ड का ३४ क ३५ ग २४७ ग २५ न
११७ न ४७२, न ४८४ न ४८७ न
९५, न १५५, न ४९८

कार्डमंत्र न ३१७

कार्डमन्त्र म ३९५

कार्डमंत्रन न १३२

कार्डन क १३१ न १३८

कार्डन करता क १३

कार्डपी क १३२, क १४

कार्डपी क ४९२

कार्डन क २५३

कार्ड निर्ध क ८५

कार्डशा क १३८, क १३३

कार्ड होना क ९६

कार्डा म १२२, ग ३ ३ ग ४०४

कार्डामित होना क १३

कार्डित्य क ४६७

कार्डित्या क ३६

कार्डी क ३६

कार्ड क ३११ न ३२७

कार्डम्य क ४६७

कार्डमया क ४६७

कार्डनी क २ ३

कार्डन म २

कार्डा क १४७

कार्डारित्य म १४

कार्ड ग १५५, क ३३ म २१९

कार्डा म ३३

कार्डानी न ४२३

कार्ड क १८७ घ ११७ च ११९

कार्ड न ४६७

कार्डी क ४६७

कार्ड क ५७४ क ५७६, क ७९

कार्डिस्ट क ११५

कार्डोटिया क ५३३

कार्डना क २८८, क २९४

कार्डाना-मङ्गल क २४७

कार्डित क १७

कार्डिरेवर क १२६

कार्डाग क ८३

कार्ड्टी क १ क १ १, क १ २, क
१ ३

कार्डाङ्ग क ३५६

कार्डागाना क १५२

कार्डि क २२५, क २३

कार्डिक म ४ ५

कार्डिबद्ध करना क २९४

कार्डित म १२२

कार्डिता क १२७

कार्डित होना क १२४

कार्डिता क १३१, क १३८

कार्डिद्रव्य क ३१५

कार्डिद्रव्य म ७९

कार्डिभक्त क ८७ क ३९६

कार्डिट क १६

कार्डिगयाण क २१४

कार्डिङ्गा म ५५, म ५६

कार्डिङ्ग क १७७ न ३२१

कार्डिङ्ग क २९

कार्डिङ्ग म ५५४

कार्डिङ्ग म ५५४

कार्डिङ्ग क ३३६

कार्डिङ्ग क ४०५

कार्डिङ्ग क ६१

कार्डिङ्ग क ३३६

५
 ५ १४१ व ३२९
 १५ २४
 ११ १११ व २१९
 ४ ७५
 ८६९ व १८
 ११
 ४११
 १ व
 ४ १६
 ५५७
 १ ४१६, ५ ४१८, ६ ५१९
 १ व २३९
 ६ व ८५५
 ६ क ७३
 १० व १०० 'परिचिष्ट क'
 १० व १८२
 १ व ३७२
 १ व १८२
 १ व ४२५
 १ क १३४ ग ३ व ७५, ५ ८ व
 ४१९, ६ १
 १० व २१८
 १ व ११२
 १० व ३९९
 ५० क २५५
 ५ व १७९
 ५ व ४९
 ५ व ४९
 ५ व १५५
 ५ व २०७
 ५ व ७८ व २७९, ५ ६३५, ५ ६१
 ५ व १०२, ५ २७७

५ क ११ व १७ व ६४
 ५ व ६२
 ५ व २७१
 ५ व ४
 ५ व ६५, ५ ७२ व ५ ९५८,
 ५ ९५९
 ५ व ९५६
 ५ व ५१२
 ५ व ९५६
 ५ व ५१२
 ५ व ६५३ व ३७१
 ५ व १५४
 ५ व २४४
 ५ व ३५७
 ५ व १५४
 ५ व २३६, ५ ४५, ५ ४६१ व ४८५,
 ५ २३ व ३८
 ५ व ६५
 ५ व २४७ व २५
 ५ व २९४
 ५ व ४९, ५ ४८ व ३
 ५ व १८४
 ५ व २७
 ५ व २३
 ५ व २१
 ५ व ४६८
 ५ व ४५८
 ५ व २२५
 ५ व २२५, ५ २३३
 ५ व २२८
 ५ व ११ व २६२
 ५ व ५५७
 ५ व ५५७

कैन-बैन स ३

केना व १८६, व १९८, व १ १ स २१
स २२४ स ४ ९

केम व ५४१

केपन व ५४१

के केना स २१ स १११ स ४१२

केप व ९१

केहन क ११६, क २ ८, स ३ ४

केहना क २ ८

केहान व १७७

केहाऊ क २९

केहा क ४२, क ११६

केनू क १५८, क १६३

केक व १ ३ व १ ३, व १२४

केकमित क ४४७

केकतम व ३४

केकावार स ३३१

केकोमित व २३४

केकरी व ५१५

केग व ९२४

केगार्ड ग २२५

केव व ११९

केवन व १९

केटना व ७६५

केटा क ४४५

केटाना व ८३

केङगा व ८८४

केङा क ४७४ व ८८५

केङिया क ४७४

केव व १५९, स ११९

केव व १ ४ क १७

केन क ९८

केनार्ड व ४६७

केनी व ३३७ व ४७

केप व ८ १ व ८२३

केपना क १७१

केपामुद्रा क ४६५

केफर व २७१

केफरी व २७२

केविमा व २६ व २९९

केम न ३७ व १३१

केम करना व १३

केमना व १३

केमपना व १३१

केमी व १३२

केम व ४

केमड़ी ग ५१५

केमस व ४९ व ५१५

केमहर्षण व २४३

केरकी क ३३

केल व ८३२

केला क १६३

केलुप व १३२

केलुपता व १३१

केह व २७ व १४ व ४४८ व ४५१

व ४५४

केहा व ४५१

केहान व ३३

केहार व ३२९

केहारिन व ३३

केहिल स ३४ व ४८४ क १

केहिलार क ३११

केह व ९४

केह उ १९९

केह क ८८, क ३२९ क ३४३

केहा व ७९, व २४७

श्रीश्री य ३८४
 श्री छ २८ अ १४१ अ ३२९
 श्रीश्रीना अ ७२४
 श्रीश्रीक सस्युत अ २१९
 श्रीश्रीना अ ६७५
 श्रीश्रीना अ ८६७ अ ३८
 श्रीश्री अ ४५१

य

यकिम अ ६
 यम य ५५७
 यमक य ४१६ य ४१८, य ५१३
 यमक्या अ २३९
 यमिठ अ ८५५
 यमल क ७३
 यमनीय रे 'परिधिण क'
 यमनीया य १८२
 यमी य ३७२
 यम्य य १८२
 यम्यु अ ४२५
 यम्य क १३४ ग ३ य ७५, य ८ अ
 २४९, अ १
 यमलोचन य २१८
 यमी अ ११२
 यमीधर क ३९९
 यमक २५५
 यमीक अ १७९
 यम्य य ४९
 यम्यकल य ४९
 यम्य छ १ छ १५५
 यम्यस्य अ २७७
 यम्या अ ७८, अ २७७, अ ६३५, अ ६१
 यम्युता य २७२, य २७७

यम्य अ ११ अ १७ अ ६४
 यम्या अ ६२
 यमीश्रित अ २७१
 यम्यर अ ४८
 यम्य अ ६४५, अ ७२ अ अ ९५८,
 अ ९५९
 यम्यन करता अ ९५६
 यम्यनदार अ ५१२
 यम्यन सेना अ ६५६
 यम्यनी अ ५१२
 यम्यु अ ६५३ अ ३७१
 यम्याय अ १५४
 यमीका अ २४४
 यमीर अ ३५७
 यमीरी अ १५४
 यम्यक २३६, क ४५, अ ४५१ य ४८५,
 अ २३ अ ३८
 यम्य य ६५
 यम्यु य २४७ अ २५
 यम्यिक य २९४
 यम्य य ८९, य ४८ अ ३
 यम्यनाम क १८४
 यम्यर उ २७
 यम्यन य २३
 यम्यन्य अ २१
 यम्यकोट अ ४६८
 यम्य य ४५८
 यम्यमाता अ २२५
 यम्यु य २२५, य २३३
 यम्य अ २२८
 यम्य य ११ अ २६२
 यम्यर अ ५५७
 यम्यारो अ ५५७

बनभूमि ब १

बनमाझी क १३४

बनवाणी ब ३ ३ प ४३७

बनस्वामी ब १

बनस्पति ब ६५

बन्य ब ८ क १२१ ब ५५६

बपन प १४९

बपन करना अ ३१४

बपु ब १२

बभन ब ४९९

बभन करना ब ५ ब ८९९

बब क १ अ २९

बबस्का प २७७

बबस्तब ब १६१

बबोबुद्ध अ ३४

बब न २६४ ब ४७१ ब ३१५, क १

क ८१ प ३५४ ब ४२५, ब ४४

प १ १

बबक ब ३०४ ब २३८

बबन न ४५

बबन ब ५२४ क ४ ८

बबनामा ब २८

बबान क १३४ ब ८ क ८२, क ८३

बबानी क ९

बबटिका ब ४९५, ब ६ ५

बबस्त अ ९

बबहक १३४ क ५५९ क ५७८, प ५२३

बबन क २८९, क २९७ क २९८, क

५७९, ब ५२

बबनाकर ब २३४

बबेय क १६५

बब क ३ ४

बब ब २९९, प ३

बगडिट ब ८८८

बबन प १८०

बबित प ७७७

बब्य ब ६ ५, प १९१ प ७७७

बब क २ ब २२५, ब ५९९, ब २८८

ब ४६२

बबन करना ब ३१६

बबनात्मक शैली ब २ ६

बबनीय ब ३५८, ब ३१७

बबसंकर ब २४९

बबिक ब २ १

बबित क ४५, ब ३१५

बब्य ब ३१७

बबमान ब १६९, क १७३

बबमान काक क १७३

बबमान बीबीषी क ४८१

बबमान रहुना ब २९१

बबिका प ६३

बबुक ब ३ ७ ब ४ १ ब ५८४

बबुनाकार ब ५८४

बब्य ब २४१

बबमान क ४८४ ब २९७

बब क ४ ८, ब १४

बबी ब २९२

बब क २७९, प २१८, ब ४२५, ब ४४

बबना ब ४२७

बब क २७ क ३१ क २१९, क २४५

बबनाथ क १४७ ब २३

बबी क ६८ क ७२, क २४५, क २५१

बबीबु क ७२

बबी होना क २४५

बबी ब ६ ९

बबन क ३५३

वस्तु ५ २०	वस्तु ५ १५, ५ ३०
वस्तु ५ २५	वही ५ ९८९
वस्तु ५ १५५	वहिकार ५ १८
वस्तु ५ २२५, ५ १५६	वहिकार करना ५ ८५३
वस्तु ५ ८७	वहिकारी ५ १८१
वस्तु ५ ४८, ५ १४९	वहिकृत ५ १९३, ५ ७४८
वस्तु ५ २३९	वहिकृत होना ५ ७४६
वस्तु ५ २३५	वहिक ३११, ५ ४५२
वस्तु ५ २६४	वही ५ ९८९
वस्तु ५ ४६७, ५ ७३	वांछनीय ५ १४४
वस्तु ५ २३५	वांछित ५ १४२
वस्तु ५ २३९	वास्तुवांमकर ५ २७६
वस्तु ५ १८, ५ ८४	वास्तुपुर ५ ६१
वस्तु ५ ५१	वास्तुपति ५ १९
वस्तु ५ २३	वास्तुपति ५ १३, ५ ११७, ५ ३८३
वस्तु ५ २१८	वास्तु ५ १११, ५ ३८२
वस्तु ५ १३, ५ १०९, ५ २०४	वास्तु होना ५ ११
वस्तु ५ ७४	वास्तु ५ २३२, ५ १४, ५ ५८८
वस्तु ५ ३७२	वास्तु ५ १२३, ५ १३, ५ १९५, ५ ६१
वस्तु ५ ३९७, ५ १०	वास्तु ५ १३०
वस्तु ५ १३४, ५ १६५, ५ २५, ५ २१५,	वास्तु ५ १३
५ २९७, ५ ६, ५ ५१	वास्तु ५ ६१
वस्तु ५ ४६	वास्तु ५ ६१, ५ ६३५
वस्तु ५ १	वास्तु ५ १२६
वस्तु ५ १०	वास्तुवास्तु ५ २११
वस्तु ५ ४३८	वास्तुपति ५ १९
वस्तु ५ १९, ५ १	वास्तु ५ १३, ५ २३, ५ २७, ५ ६२१
वस्तु ५ १९, ५ १	वास्तु ५ ६१२
वस्तु ५ १३, ५ १७, ५ ४१८	वास्तु ५ ४२
वस्तु ५ २१८, ५ २१, ५ ७२, ५ ७	वास्तु ५ ४२
वास्तुवास्तु ५ ७९९	वास्तु ५ ४२
वस्तु ५ ३८१	वास्तु ५ ४५२, ५ १४, ५ ४६९
वस्तु ५ २३१	वास्तु ५ ९, ५ १६
	वास्तु ५ ३१८, ५ ५९९, ५ ४३३

विजित होना क २९२
 विजेता क २९
 विज्ञ क १७ क ६५ क १११
 विज्ञप्त क १२१
 विज्ञप्ति क १२२
 विज्ञान क ५३४ क २८१ क १०३
 विज्ञापन क १२२
 विज्ञापित क १२१
 विज्ञापी क १२
 विठ क २९४ क ३
 विटप क २
 विटम्ब क १३४
 विद्यालय क ५२१
 विद्यालास क ४६८
 विडीया क २२५
 वितक क ३३६, क ३३७ क ३३८
 वितान क ८१ क २९५
 वितुंड क ४३५
 वित्त क ३८ क ३८१ क ३८७
 विचारण क २६२
 विचारित करना क ९३४ क ९३६
 विचारोर्ध्व क १९४
 विधीर्ध्व होना क ९३७
 विधीत क १५
 विद्येह क ३७९
 विद् क १११
 विद्ध क १७२
 विद्यमान क २५७
 विद्यमानता क २५९
 विद्या क १८ क १९४ क २९, क ५५८,
 क ५३४ क ३ क २३५, क ३१९,
 क ११४
 विद्यावर क २३ क २४३

विद्यार्थी क २४२
 विद्यालय क २७४ क १९९
 विद्युति क २५४
 विद्युत्प्रमाण क २३
 विद्युत् क ६२
 विद्योह क २७६ क १७५
 विद्योही क १७६, क १७७
 विद्या क १७ क २३९
 विद्येय क २६२, क २७६
 विद्येयन क २७६
 विध्वंसना क १७१
 विधवा क २७१, क ४८
 विधवापन क ४९
 विधाया क १२३ क २९८
 विधापी क १३
 विधान क १५७ क ३७
 विधान करना क ९४४
 विधायक क २८७, क ८१६
 विधि क १९ क २५, क ४९, क १५७
 क १७८
 विष्णु क १३४ क १७
 विष्णुर क २७४
 विष्णुवदनी क ५६
 विष्ण्वत् क १७२, क ८२३
 विष्ण्वसना क १७१
 विष्ण्वसनीय क १७३
 विष्ण्वसी क ८२४
 विष्ण्वस्त क ८२५
 विनता क ४५१
 विनती के विनय
 विनती करना क २४८
 विनम्र क ११ क ७८ क ८९
 विनम्रता क ८

द्वितीय ब ८ क १७६	विप्लवी श १७६
द्वितीय करणा श २४८	विपुष क २०७
द्वितीय पिटक क ५९२	विमक्त श ६४४ ब ८८८
द्वितीयशील ब ७८	विमक्त करणा ब ८८७
द्वितीयी ब ७८	विमक्ति ब ८५६, ब ८८९
द्विन्द्वर ब ८३२	विमश ब ३८ ब २८८
द्विन्द्व ब ५६८, ब ८२५	विभा छ २८७
द्विन्द्व होना ब ५७	विभाकर क २९७ क ३११
द्विनायक क १९२	विभाय ब ६४३, ब ८८९
द्विनाय क १७२ ब ८२३	विभायक छ ५६६
द्विनायक क ४४७ श १९७	विभाजन ब ८८९
द्विनास होना ब ५७	विभाजन करणा ब ८८७
द्विनाशी ब ८२४	विभाजित ब ६४४ ब ८८८
द्विनासना ब ८१९, श २१८	विभाजित करणा ब ८८७
द्विनिमय श ३	विभाज छ १३९
द्विनीत ब ४२४ ब ७८, ब ८५	विभाजरी छ १४३ छ १४५
द्विनीत होना ब ८२	विभाज ब १८३
द्विनोदशील ब ४८	विभिन्न ब ८५५
द्विनोदी ब ४८	विभीषण क ३८६, ब १२१
द्विपद्यता ब २८३	विभु क ११२, क १३४ क १६५, क २२६, क ५, ब ७ ब ४२५
द्विपक्षी य २७९, ब २८४	विभुता ब ४२७
द्विपत्ति ब ५	विभुता से 'भुक्त'
द्विपटीत ब ४२१	विभुक्षित होना श ११६
द्विपटीतता ब २८३	विभुति क १६३, क २६३, क २६८, क ३८
द्विपर्यय ब ८४१ श ४	विभुपित्त ब ४७३ ब ४७४
द्विपर्यस्त श ४३७	विभुहित ब ४७३ ब ४७४
द्विपिन ब ११	विभुहित करणा श ७७
द्विपिनविहारी ब ५५७	विपर्य ब १४५
द्विपुष क ४८३	विमल ब ४४९, ब ९, ब ४१४ ब ४६३
द्विपुषा ब ९	विमला य १८
द्विप्र य २८२, ब ६६	विमान क २३४ य ४५२, क २७९
द्विप्रसंग ब १८ ब ८५६	
द्विप्पन्न श १७५	

बाणी क १३ क १९६ व २३ य २७
 क ५८८, क ६२१
 बाठ क ३१३ क ३१६, क ४४५
 बाठावन य ४५२
 बासस्म ग १८४ क १४५, क १४६
 बाव क ३२९
 बावक ग ३८९
 बावरायनसूत्र क ५६३
 बाव विवाद क २६९, क २७२, ग ३२९
 बाव विवाद करना क २८
 बाबा क ४२७
 बाबिस क ९१
 बाबी क ६९, ग ३६८
 बाघ क ५, क ९१
 बालप्रस्थ क ४३
 बालर ग ५२४
 बापघ माता क ३७५
 बापसी य ३५१
 बापिका क ३ ८, क ३१२
 बापिघ करना क ३ ८
 बापी क ३ ८, क ३१२
 बाग क २७१ क ९७९
 बागवैव क १६५
 बागम क १३४ क १५४ क १५५,
 क १६५, क ५७४ क ५७५, व २८२,
 क ८८, क ४३६, क ४३७
 बागाधिपातन क ६८
 बागा क १९४ ग २२५
 बायझिन क १ ६
 बायविडग क १२५
 बायस ग ६५४
 बायु क ३१३ क ३१६, क २१५, व ४२
 बायुकीय क ७६, क ८४

बायुयोग क ४७१
 बायुमडक क ३
 बायुवेग क २६५
 बार क १६५, क ६ ३, क २८
 बारय ग ४३५
 बारना क ७७५, क ४३
 बारना क ७७५, क ४३
 बारभरिता ग ३९७
 बारह क १५४ क १५५
 बारिक क १३ क २३ क २६२
 बारिय क ४४८ क ४९४ क ६ ५, क ८८
 बारिय य १२३, क २३ क २३९
 बारिय क २६४
 बारणी क २९६, क ४८२, क २ ५
 बारती क १९४ क ६२१ क ३८५
 बार्ताकान है 'बात' 'बातचीत'
 बार्ताकान करना क ६२३
 बार्तिक ग २९४
 बार्तिक क ४ ३ क २८
 बार्तिकी क ४ १
 बार्तिक ग १७४
 बार्तिका य १७७
 बार्त्स्निकी क ४६
 बाय्य य ११९, क २६२
 बासंती क ४ ३, क ४ ४ क ४१७
 क ४३१ क ४४१ क २२२
 बाघ क ३१३ क ३१६ क ८८, क २१८
 क १२९, क १४ क २२३
 बासकसज्जा क १५८
 बासर क ३२
 बासी क ५५५
 बासुकि क ३२८, क ३२९
 बासुकी क ३३ य ५५९

वायुदेव क ११४ क ११९ क ५५८	विगत क ८२७ ज ९७७
य ६६	विगतवर्ष क ३२
वास्तक क २४७	विग्रह क २२, ग १२, म २६२
वास्तविक ज ४ ५	विग्रह करना क ८५३
वास्तविकता क ४ ५	विघ्न क ७८६
वास्तु क १३ क १४	विघ्नकर्ता ज ७७६
वास्तुकला क ६	विघ्न शास्त्रा ज ७८८
वाहन क ३११ क ३७८	विघ्ननाशक क १९२
वाहिनी क ३५९	विचक्षण क १७
विद्यु क १४३ क ५७३ ग १४	विचक्र क १३
विद्यापथ क ५८ क २५७	विचक्षण म १७५
विकल्पित होना क १७ ज २४५	विचक्ष्णा क ७ ७
विकल्प क ३८२	विचक्षित ज १२ क १३
विकट क १९२, क २४३ ज ३७८, क ४२५	विचक्षित करना क १२३ ज
क ३५८	विचक्षित होना क २८ ज १७ क १६५
विकटता क ४२७	क ७ ७
विकटमार्ग क २४३	विचार क २४८, ज २, ज २९४ म ४२४
विकराज क २४३ ज ६५८	विचारणा क ३६९
विकर्षण क २८१	विचित्र प ६८, ज ४१८
विक्रम ग २७४ क २२६	विचित्रम क १६६
विक्रमता से 'परिधिष्ट क'	विच्छेद क ८५६
विक्रमाला ज १८	विछोह क ८५६
विक्रमता क ४१, म ३१९	विजन क ५७३ क २२७
विकार ज ४२५, क ४४१ क ३९७	विजन दुकाना म ३८
विहृत क ५४६ क १५४	विजय क १४५, क ३३८, क ४१७ क २८८
विहृत करना ज ९४३	विजय कला म ११७
विहृति ज ४३५, क ४४१	विजया क १९४ क ४३१, प १२४
विघ्न क १३४ क ३८	क २१७ म २ २, क २६, क २ ४
विघ्न म २९२	क २ ६
विश्रांत म २७३	विजयवादासी क २ ६
विधिष्ठ ज २२६, ज ३३५, ज ३४	विजयी ज २९
विधेय क १६४	विजयी होना क २९३
विध्यात क ३४९	विधित करना ज २९१ ज २९३

विहित होना अ २१२

विशेष अ २९

विज्ञ क १७ अ १५ अ १११

विज्ञप्त अ १२१

विज्ञप्ति अ १२२

विज्ञान क ५३४ अ २८१ अ १ ३

विज्ञापन अ १२२

विज्ञापित अ १२१

विज्ञाती अ १२

विट ग २९४ क ३

विटप अ २

विटठक क १३४

विवाह ग ५२१

विवाहाद्य अ ४६८

विधीना क २२५

वितक क ३३६, क ३३७ क ३३८

वितान क ८१ क २९५

वितुंड अ ४३५

वित्त अ ३८ अ ३८१ अ ३८७

विदारण अ २६२

विदायि करण अ ९३४ अ ९३६

विदायीक्य अ १९४

विधीर्ण होना अ ९३७

विदेस अ १ ५

विदेह क ३०९

विद् अ १११

विद्य अ १७२

विद्यमान अ २५७

विद्यमानता अ २५९

विद्या क १८, क १९४ क २ २ क ५५८,

क ५३४ अ ३ अ २३५, अ ११९,

अ ११४

विद्यावर क २ ३ क २४३

विद्यार्थी अ २४२

विद्यालय अ २७४ अ १९९

विद्युति अ २५४

विद्युन्माद्य अ २ ३

विद्युम अ ६ २

विद्योह अ २७६, अ १७५

विद्योही अ १७६, अ १७७

विद्वान क १७ अ २३९

विद्येय अ २९२, अ २७९

विद्येयन अ २७६

विद्येयना क १७१

विद्येयन अ २७१ अ ४८

विद्येयन अ ४९

विद्येयता क १२३ क २९८

विद्येयी क १३

विद्येयन अ १५७ अ ३७

विद्येयन करण अ ९४४

विद्येयक अ २८७ अ ८१९

विधि अ १९ अ २ ५, अ ४९, अ १५७

अ १७८

विधु क १३४ क ३ ७

विधुर अ २७४

विधुवदनी अ ५९

विध्वंस क १७२, अ ८२३

विध्वंसना क १७१

विध्वंसनीय क १७३

विध्वंसी अ ८२४

विध्वंस्त अ ८२५

विध्वंता क ४५१

विध्वंती अ विध्वं

विध्वंती करण अ २४८

विध्वंन अ ११ अ ७८, अ ८५

विध्वंता अ ८

विनय क ८ क १७६
 विनय करमा क २४८
 विनय पिटक क ५९२
 विनयशील क ७८
 विनयी क ७८
 विनयस्वर क ८३२
 विनय्य क ५६८ क ८२५
 विनय्य होना क ५७
 विनायक क १९२
 विनाय क १७२ क ८२३
 विनायक क ४४७ क १९७
 विनाय होना क ५७
 विनायी क ८२४
 विनायना क ८१९, क २१८
 विनियम क ३
 विनीत क ४२४ क ७८, क ८५
 विनीत होना क ८२
 विनोदशील क ४८
 विनोदी क ४८
 विपसता क २८३
 विपक्षी क २७९, क २८४
 विपक्षि क ५
 विपरीत क ४२१
 विपरीतता क २८३
 विपर्यय क ८४१ क ४
 विपर्यस्त क ४३७
 विपिन क ११
 विपिनविहारी क ५५७
 विपुल क ४८३
 विपुला क ९
 विप्र क २८२, क ६६
 विप्रर्जन क १८ क ८५६
 विप्रस्य क १७५

१

विष्णवी क १७९
 विष्णु क २ ७
 विमक्त क ६४४ क ८८८
 विमक्त करना क ८८७
 विमक्ति क ८५६, क ८८९
 विमद क ३८ क २८८
 विमा क २८७
 विमाकर क २९७ क ३११
 विमाय क ६४३, क ८८९
 विमायक क ५६६
 विमायन क ८८९
 विमायन करना क ८८७
 विमायित क ६४४ क ८८८
 विमायित करना क ८८७
 विमाय क १३९
 विमायरी क १४३ क १४५
 विमाय क १८३
 विमिश्र क ८५५
 विमीषण क ३८६, क १२१
 विमु क ११२ क १३४ क १९५, क २२६
 क ५, क ७ क ४२४
 विमुता क ४२७
 विमुखा क 'मूख'
 विमुक्षित होना क ११६
 विमृष्टि क १६३ क २६३ क २६८,
 क ३८
 विमृष्टि क ४७३ क ४७४
 विमृष्टि क ४७३ क ४७४
 विमृष्टि करना क ७७
 विमृष्ट क १४५
 विमल क ४४९, क ६९, क ४१४ क ४६३
 विमाता क १८
 विमान क २३४ क ४५२, क ५७९

विभुज क १२३
 विभोहल क २७६
 विभोहला क २७४ क १३
 विभोहित क २७८
 विभोहित करला क २७४ क ४७२
 विभोहित होला क २७५
 विभय् क ३
 विभुक्त क ८५५
 विभुक्त होला क ८५४
 विभोय क १८ क ८५६
 विभोगिमी ग २६९
 विभोगी ग २६८
 विर्षि क १२३
 विरक्त क १२३ क १८१
 विरक्त करला क २७९, क १२३ क
 क १२६ क १२९
 विरक्त होला क २८ क १२५
 विरक्ति क २८१ क १२८, क १४८
 विरक्ति लाना क १२९
 विरक्ति होला क १२५
 विरक्षित क १२७ क १७
 विरय क १२२
 विरय क ३५१
 विरय माग क ३५९
 विरय क १५६, क ५८
 विरयता क ५१
 विरय क ३४२
 विरय क ८५६
 विरयपटा क ३६९
 विरयिणी ग २६९
 विरय होला क २८
 विरयनी क ११ क १८१
 विरय ग २९२ क ४२५

विरयकुमारी क ४२१
 विरयटा क ४२७
 विरय क ७६४
 विरय जेना क ७६५
 विरय क २८६, क ४२१
 विरयता क २७९
 विरय क ४७७ क ४६५
 विरयता क ४६८
 विरयभ क १६५, क १४७
 विरयन क २९७ क ३७
 विरयना क १७४
 विरय क २६२, क २७६, क २८६,
 क ३९४
 विरयनी ग २७९, क २८४ क २९
 विरय क ४५१
 विरय करला क १६ क ४५२
 विरयता क ४३८
 विरयता क ४१९
 विरय क ८५५, क ९७७
 विरयता क ८५४
 विरयगाया क ९३
 विरयना ग १२
 विरय करला ग १२
 विरयता क १५
 विरय क २८७ क १६५
 विरय करला क २८६
 विरयिणी क ५८
 विरयनी क ३२
 विरयनी क १२२, क ७६ क ८
 विरयनी होला क १२४
 विरयिण क १६२
 विरय क २८९
 विरय क २५ क २५१

विद्यारण्य ख ३	विस्वकर्मा क ११२, क १२३ क २५२, क २९७
विद्यारण्य देना ख २६२, ख ६१६	विस्वनाथ क १६५
विद्यार्थ ज्ञ ३४२	विस्वविद्यालय ख २७४
विद्यार्थ ख ९२४	विस्वयनीय ख २५५
विद्यया ख १३६	विस्वस्त ख २५५
विद्यस्मान क २९८, ख १	विद्यवामिन क ४६६, क ५७८ ख ७३
विद्या ख २६९, ख ३२९, ख ६४३	विद्यवायु क १३४ क २४४ क २४५, क २४६
विद्या करना ख २८	विस्वास क २ ७ ख २५३
विद्यानी ख ६९	विस्वास करना ख २५४
विद्याह क ९८, ख १५१	विस्वासभाव ख २५७
विद्याहला ज्ञ २४	विस्वासवादी ख २५६
विद्याहित ज्ञ २५	विस्वासपात्र ख २५५
विद्येक दे 'ज्ञान'	विस्वासी ख २५५
विद्येकी ख ३६३	विस्वेस्वर क ११२, क १६५
विद्येचन ख २ ९, ख ३	विद्य क १८३ ख ५६३ ख ४७८, ख २६२
विद्येचना ख २ ९	विद्यखण्ड ख ५२७ ख १७५
विद्येचना करना ख २६२	विद्यपर ख ५५८
विद्येचनार्थक शैली ख २ ६	विद्यम ख २ २
विद्यय ख २८	विद्यमता ख ३९४
विद्याया ख २७ ख ४३	विद्यय ख २९७ ख ३८ ख १ ७ ख २९९
विद्यारण्य ख ४२ ख ३६३	विद्यय-भासना ख २९९
विद्यिल क ४१२	विद्ययी ग १३४ ख ३ २
विद्युत् ख ४१४	विद्यवीर्य ख ५४२
विद्युत्तिका ख ५ ८	विद्या ख ११ ग ४३२
विद्येय ख १९	विद्या ख १८५, ख २२४
विद्येयकर क १९८	विध्य ख ११५
विद्येय होता ख ९१७	विष्णु क १२२, क १३४ क २ ६, क २१५, क ३११ क ५७४
विद्याम ख ७६४	विष्णुलोक क २३८
विद्याम करना ख ७६५	विद्यार्थ ख १९५
विद्येय ख ८५६	विसर्जन ख १९५
विस्मर क ११२, क १३४ क २२५	
विद्य ख १३४ क १६५ ग ७ ग १२, क २ ख ४८, ख १ ३	

विसर्जन करना क ३६	व २२४ न २५ न ८६ न १०६
विसूचिका ख ५ ८	न ३६७ प ४१ न ४१६ क १९७
विस्तार क १६५ व ४३५, न ५७४	क ३ ९, न २७३
विस्तार देना न ८७	बीरता न २७५
विस्तीर्ण न ४२५, न ५७३	बीर रस ख १८२
विस्तीर्णता न ४२७ न ५७४	बीरान न ५६८
विस्तृत न ४२५, व ४३४ न ५७३	बीर्य व १२९, न ३२, न ३८, न २७७
विस्तृता न ४२७	बीर्यपाल ख ४
विस्फोट क ५१ न ५२२	बीर्यस्वी व २१९
विस्फोटक न ५१	बीर्यहीन न ४२
विस्मय ख १८६, न ४३८	भुंभ न ६३५
विस्मयकारी न ४३९	भुन्वानन क ५८
विस्मरण न ८३५	भुक्त क ३१६, न ५१४, न ५१८
विस्मरण होगा व ८४३	न ६५४
विस्मृत व ८४२	भुकोटर क ३१८ क ४२५
विस्मृति व ८३५	भुस न २
विस्मृति होना न ८४३	भुत न २ १ न ५८४
विस्मिन्न न ६ ६, न ४४	भुताकार न ५८४
विहंग्य न ५९८, क ४ ८ क २३९	भुति न १६५, न ३
विहंगम क २९७ न ५९८	भुतिनी न १९३
विहंगमा व ६३ न ६३२	भुनह्य क २२५
विह्वल क २९७ क ३ ७ क ३१३ क ३१६,	भुन न १३७ न ३४
प ५९८ क ४१२, क २३९	भुना व १७९, न ४५
विहाग न १३९, न १८६	भुनावस्था न ३५
विहार से परिधिष्ट 'क'	भुद्धि न २८८
विहायी क ३९९	भुद्धि करना न ९१७
वीथि न २७८	भुविचक न ५८, न ३६
वीणा क १३३ न ९७ न १ ८	भुप क ३९९, न ४८३, न ५१२, न १४
वीणापाणि क १३	न ५८
वीथिका न २४५	भुपन न ४८३ न ६
वीथी न १३५, न २४५	भुपमानुषा क ४
वीमल्य न १७९	भुपन न २९६, प ४५२
वीर क १६५, न १७९, न ३६४ प २१४	भुष्टि न २४५

बृहिक २२५ क ३११ क ३१३ क ३१५
 न ४९ छ २१९
 बृहिक ३११ न ४२५
 बृहिकता न ४२७
 बृहिकारम्भक क ५५९
 बृहिक न २२५
 बृहिकता क ४१७
 बृहिकस्थितिकार छ ११५ छ १२
 वेग छ १५८, न ४ न ४४३ न ४४४
 वेनवान होना न ६७२
 वेनी ग ४२
 वेणु छ ११२, न ८
 वेणु छ ३९५
 वेद क ५३५, क ५३८ छ ५९१
 वेदभक्ति क ९१
 वेदना क ३२३ न ५
 वेदपाठी क १ १ क ५४२
 वेदमाया क ५३९
 वेदमन क ९२ क ५४१
 वेदविहित क ५४
 वेदव्यास क १५४ क ४६१
 वेदसम्पत् क ५४
 वेदराग क ५३५ न १
 वेदराज क ५१२
 वेदराजसूत्र क ५६३
 वेदवादी क ५६४
 वेदव्यापी क ५४२
 वेदोक्त क ५४
 वेणु क ५३
 वेणु छ १४७
 वेण्या छ १२४ ग ३९७
 वेणु छ १४७ न ४६२
 वेणु वरणा छ १४८

वैजयंठ क २३१
 वैजयंठी क ४ २
 वैतरणी क ३२२, क ३२३
 वैतरणी पार करला छ २३३
 वैतरणी पार होना छ २३१
 वैदर्भी छ १०४
 वैदिक क ४ क ५४२
 वैदिक संस्कृत क ५३५, न २१९
 वैदूर्य न ४८१ न ४८९
 वैदेही क ३६७
 वैद्य क ४३, न ५३८
 वैद्य न १८
 वैद्यक्य छ ४९
 वैद्यवेद्य न १ १
 वैद्यक्य छ ३८
 वैद्यनाथ न २७३
 वैद्यनाथ होना न २७९
 वैद्यकराय छ २१७
 वैद्यस्वयं क ३१७ क ३१८
 वैद्यक्य क ६१ न २८
 वैद्या छ ४१
 वैद्याकर्षण ग ४६७
 वैद्यपिक क ५६२
 वैद्यपिक सूत्र क ५६९
 वैद्य न २९४ न ४८
 वैद्या छ ७
 वैद्यालय क १ १
 वैद्यक्य क ५, क ७
 वैद्ये न १ २
 वैद्य ग ७९, न ६३७
 वैद्यक्य कृता न ६३८
 वैद्यनाथक पीठी न १ १
 वैद्यन छ २२६, न १८९

व्यंजना ए १९५
 व्यक्त करना ए ७९९
 व्यक्ति ए ४०४
 व्यक्तिगत ए ४०५
 व्यप ए १३ ए २२६
 व्यवन इ ५७३
 व्यतिक्रम ए ४
 व्यतीत ए ८२७
 व्यतीत करना छ ३
 व्यतीत होना छ २, ए ८२१
 व्यथा क ३२६ ए ५
 व्यथित ए ५२
 व्यभिचार ए २९९
 व्यभिचारिणी ए ६६
 व्यभिचारी ए ३ २
 व्यय ए ३८७
 व्यय करना ए ३८५
 व्ययी ए ३८९
 व्यर्थ ए ४२१ इ
 व्यवधान इ ४९७
 व्यवसाय ए २८५
 व्यवसायी ए २८६
 व्यवस्था ए १५७ ए १६१
 व्यवस्था करना ए १५९
 व्यवस्थापक ए २८७
 व्यवहर्ता ए २९४
 व्यवहार ए २९४ ए ३ ६
 व्यवहार करना ए २९५
 व्यवहारी ए २८६
 व्यष्टि ए ४ ४
 व्यस्त ए १२२, ए २२६, ए ३३२
 व्यस्त रहना ए ७८१
 व्याकरण क ५५५, ए २१६, ए २३७

व्याकरणवेत्ता ए २१७
 व्याकुल ए १३ ए २२६
 व्याकुलता ए १६
 व्याकुल होना ए १८
 व्याख्या ए ३
 व्याख्या करना ए २६१
 व्याख्याता ए २४१
 व्याख्यान ए २७७
 व्याख्यानपत्रा ए २७९
 व्यापात ए ७८६
 व्यापात बालना ए ७७४
 व्याघ्र ए ४९४ ए ४९७
 व्याज ए ३९७
 व्याजोक्ति ए १९
 व्याज ए २९९, ए ३४८
 व्याधि ए १८५, ए ४३८, ए ४६४ ए ५
 व्याधिग्रस्त ए ५४६
 व्यापक क ११२
 व्यापार ए २८५
 व्यापारिक ए २८९
 व्यापारी ए २८९
 व्यायाम इ ३७३ ए
 व्यायामघाता ए २१७
 व्याघ्र ए ३४९, ए ४३५, ए ४९७ ए ४९४
 ए ५५८, ए ३६
 व्यावसायिक ए २८९
 व्यास क ७८, क ४६१ क ५७८
 व्यास शैली ए २ ६
 व्यूह ए ३५९, ए १२, ए ९९४
 व्योम ए ४६ ए ३, इ २३९
 प्रत्या ए २८७
 प्रण ए ५२२, ए ५२६
 प्रत क ५२, क ५३

श्रीका व ३२१

श्रीकामठ व ३२७

श्रीकामठ होना व ३२८

वा

वाक व २३३

वाक्या व २३४

वाकर क ११२, क ११५, ग २४९

वाका व १८५, व २२४ व २२९, व २३३

व २४९

वाकाकुल व २२६

वाकित व २३७

वाकित होना व २३४

वाक क २६९ क ३२८, क ३२९, क ३३९, व

९८, व ६३९, ग ४४५, म १२ व ४९४

वाकभूक क ३३९

वाकभुषी क १८

वाक म ४८१, ग ४८३ व २

वाक व ४९४ व १ ३

वाक क १६५, क १९८

वाक व २२९, म ४

वाकट ग १२, क ३८२

वाकर क १७२

वाकरकंठ व ३ ८

वाकल ग २३ व ४६२, क ८३

वाकुंठ व ५९८

वाकुति व ५९८, व ६४९

वाकुर क १७१ क १७२

वाकुरपाला क १८१

वाकित क १६३ क १९४ व ३८ व ३८७

वाकितवान म ४

वाकितहीन म ४२

वाक्य होना व ६५६

वाक क २२५, क २९८, व ४५

वाक्यनु छ २५२

वाक्यपुरी क २७

वाक्यरि व ३९३

वाक्य व ४६२

वाक्य म ४ ४

वाक्य व ३८१

वाक्य क २२७

वाक्यपति क २२५

वाक्य व १५२, म २२६, व ११ क १

वाक्य व १२९

वाक्यपुष्पिका व २५३

वाक्य व ६२८ व ६२९

वाक्य क २९

वाक्यकोटि क २३६, व ६३५

वाक्यक व ३८८

वाक्यव क ५५४

वाक्यव म ५४२

वाक्यवरी म ५७४

वाक्यवर्ग क ४५४ व ११६

वाक्यवर्ज व परिशिष्ट क

वाक्यवर्ज क १२३ क १३४

वाक्यवर्षी क २९

वाक्यवृ छ १३५

वाक्यवृ क २

वाक्यवृ क २२७

वाक्यवृ व ६३५, व ६३७

वाक्य क २९

वाक्य ग २७९

वाक्य क ३७५

वाक्य व २६२, व २७६

वाक्य होना व २७९

वाक्यार्थ व २७६

शशुवमन क ३७५

शशुहन क ३७५

शनि क ३ क ५, क २१

शनिचक्र क २१ छ १२२

शनिवार छ ११५, छ १२२

शनी-शनी क ४५

शपथ क १४ श ४२३

शपथक्षाना श ४२४

शशुवाकू म ३२१

शशा श ३६

शशाखाना क ५४३

शशासुम म ४६५

शशी क ५२४ क ५२७

शसनम क ४ २, छ २५६

शसरी क ३८८

शश्व क ६४ क २३१ क ५८८ क ६१४

शश्वरोप क १९६

शश्वरोपी क ३६८, क ४१७

शश्वरालंकार श १८८

शम श १८६ क ६, क १४

शमन म ३५८ क १४

शमघेर क ४ ६

शमी म ७८

शमन क ५ २, क ७६४

शमन करना क ७६१ क ७६५

शमन कराना क ७६३

शमनागर क १४९

शमानु म ५१६

शर क ३४६ म २ ९, क ४१२

शरट म ५३

शरम श ३, श ३३५

शरतू छ २७ छ ७७

शरतूवाकू छ ७७

शरतुपथ क ३९७

शरतुपथ क ४२५

शरतू छ २७ छ ६८, छ ७७

शरतू क १४

शरतू क १४१

शरतूवाकू क ३७ क ३८ क ५५

शरतू क ५५८ क ४४९, क ४५१ क ५०७

क ५४९, क ६३१

शरतू क ३२१

शरतूवाकू क २९७

शरतू क २ ५

शरतूवाकू क २ ८

शरतू क २६९, क २७२

शरतूवाकू क २७१

शरतूवाकू क ४ ९

शरीक म ४१९, श ८६

शरीक होना श ८७

शरीक क ५८

शरीक म १२, क २६८, क २७१

शरीकवाकू म १५४

शरीकवाकू म १५४

शरीक पौछना श ७१

शरीकवाकू म १५४

शरीक म ५, म ६

शरीक क १७२, क ९९

शर्म क १४ क ३२१

शर्मवाना क ३२९

शर्म से मइना क ३२८

शर्मना क ३२८

शर्मिणी क ३२५

शर्मिणी क ३२७

शर्मिणी करना क ३२९

शर्मिणी होना क ३२८

शर्मीला व ३२२
 शर्मीली व ३२३
 शर्म क ११२, क ११५
 शर्मरी छ १४१ छ १४३
 शल क १२३ व ५३५, व १ ३, क ४१४
 शलमम प ३ ७
 शलजम प ३ ७
 शलमम ५४४ ग ६३१ म ६६९ म ६७
 शलाका क ४१२, क ५१९
 शलाप व ३४
 शल्य ग ५३४ व ५२, क ४१४
 शस्यक्रिया क ४३४ ख ५४
 शस्यशास्त्र क ४३४
 शव ग १५९, छ १४३ म २१९
 शवदाह व ८३
 शवर म ५१
 शवरी क ३८८
 शघ ग ५ ७ ग ५१९
 शघक क ३१ ग ५१९
 शघवर क ३ ७
 शघांक क ३ ७
 शधि क ३ ७
 शधिकान्त व ६
 शधिवर क १६५
 शशिपाल क १६५
 शशिवेवार क १६५
 शस्त क ४५
 शस्त्र म ४५१ क ४ १
 शस्त्रपाठी म २७
 शस्त्रशिव्या म ५४
 शस्त्राधार व १८५
 शस्य म २२५
 शस्यहीना व १

शहछाह क ३४९
 शह ग २६४
 शहबाषा क ३५४
 शहबाषी क ३५५
 शहत क १२
 शहतुव व ६४
 शहनारी क ९८, क १११
 शहर व १३५
 शहस्पनाह व १३९
 शहपती व ५६२
 शहपतीपन व ५६३
 शहरी व ५६१ व ५६२
 शहाबत म १९१
 शहाब क ३४८, क ३५
 शहित्य क ५५८, व ५२
 शान्त क १७९, छ १६५, व ११ व ५८,
 व ३३६, व ३९१ व ६ ३ छ १३८
 शान्त करना व ७२
 शान्तनु व ३७२
 शान्ता व ४४ व ७८, म ११४
 शान्ति क ४८ छ १६३ व १४ व ३३,
 व १३३ व ६ ५
 शान्तियुक्त व ७
 शान्मरी क १९६ क २ २
 शाक म ३२६, क १ ४ व ९३
 शाक्य क ४५७
 शाका क २६
 शाक्य क ५, क ९
 शाक्यमुनि क ४४७
 शाक्य म १८९, व ८७६
 शाका छ २९९, म १६, व ८७६
 शाक्यायुव व ५२४
 शास्त्री व २

धामिर्ष क २४२	धाक व २ व ५ व ७५ ड ११६
धामिर्षी क २४३	ड २९३
धाव व २८५	धाकाग ६२४ व १ व १४० व १४१
धावी म १५१	धाकि म २३
धावी करणा क ९४	धामिधाम क १५९
धावक न ४८३, म ११४	धामिहोम व ४५२
धाव व १०२	धाहीन व ७८, व ८५, व ३
धावपत्त व १०५	धास्मही क १६ क ३२९, म १०६
धाव देना व १०४	म १२५
धावित म ५६, व १०५	धावक ग ४३१ म ६०५
धावर ड १०	धावव क २१६
धाम छ १४१	धावक प ३६८, म १५
धामिपाला व १३१	धावण व ३४८ म १४८, म १८८
धामिभ क ८६	म २२४ म म २४
धामिष्ठ होना म ८०	धावणकर्त्ता व ३६८
धावक ड ४ ६ व १४	धावित म १५२
धावक छ ८, छ १९५, व ९०३ व १ ४	धास्ता क ४४६ व ३६८, म १५
धावक छ १२० छ १०१	धास्ति म १४८, छ २२४ म
धावक छ १०२	धास्त्र क ५३४ व ४२८
धावटी व १६८	धास्त्र क ५३६
धावटी करणा छ १६९	धास्त्री म ६५
धावण म ६१५	धास्त्रीय क ५३०
धावण म ३९० छ ७८	धास्त्रोत्त क ५३०
धावण क १३ व १४६ व १९८ छ ७०	धाह व ४२५
धावणिक म ४२	धाहार्थ व ३८९
धावणिक छ २८, छ ७८	धाहार्थ व ३५४
धावणिक म ६२४	धाहार्थी म ३५५
धावणिक न ४३६ म १३ म	धाहि व ३५
धावणिक रोग व ४३८	धाहिनी ड ४१
धावण क १४२, व ३१५	धाहिनी व ३९३
धावणिक ६६० व ४०५, म ४०४ म ४ ७	धाहिक म ५२
म ४९९	धाहिका म ३४५
धावणिकिणित व २ ३	धाहिक व २८९

- सिद्धत खाना अ २९२
 सिद्धतनी अ २८९
 सिद्धत बेना अ २९१
 सिद्धायत अ ४३५, अ १५९, अ ३४५
 सिद्धायत करना अ ३४६
 सिद्धार अ ३७३ अ
 सिद्धारपुरी अ ३६४
 सिद्धारी ग ३४८, अ ४१३
 सिद्धारी कौट अ २४८
 सिद्धत अ २३५
 सिद्धक अ २४१
 सिद्धम अ २३८, अ २५७
 सिद्धपात्म्य अ २७४
 सिद्धा अ ५५५, अ २३५, अ २३७ अ २३८
 सिद्धार्थी अ २४२
 सिद्धा-बीदा करना अ २४७
 सिद्धा बेना अ २४७
 सिद्धा पाना अ २४६
 सिद्धालय अ १९९
 सिद्धित अ २३९
 सिद्धित करना अ २४७
 सिद्धित होना अ २४६
 सिद्धि अ ६११
 सिद्धिनी अ ४ ४ अ १ ६
 सिद्धिनी क १३४ क १९५ क ३९९
 अ १ ९, अ ३४४ अ ४ ४
 सिद्धर अ ४२, अ २४९
 सिद्धरनी अ ४४१ अ १२७
 सिद्धा न ४२, ग ४८१ अ १११ अ २८
 सिद्धरी अ १६९, अ २४८
 सिद्धि क २२६, क २७१ क ३११
 अ १ ९, अ ४ ३ अ २३
 सिद्धिम्ब्र क १८८
 सिद्धि म ६११
 सिद्धिवाहन क १८८
 सिद्धी क २२५, क ३११ अ ४५२,
 अ ४८३, ग १ ९, अ ३४४
 सिद्धीमूक अ ३ ७
 सिद्ध अ २८
 सिद्धात्म्य अ १
 सिद्धि अ ३
 सिद्धिकंठ क १६५, अ १ ९, अ ११५
 सिद्धित अ १६५, अ ११ अ ४४५,
 अ ७५३ अ ४२
 सिद्धिक करना अ २९१
 सिद्धिक होना अ २९२, अ ७५१
 सिद्धिकता अ १६३ अ १४ अ ४४६,
 अ ७५२
 सिद्धिकाना अ ७५१
 सिद्ध अ ५
 सिद्ध म १३ अ १९, अ ९१
 सिद्धाष्ट अ १५
 सिद्धी अ ३१
 सिद्धा क ५ ६
 सिद्ध ग १३ क १ १
 सिद्धत अ ८९१
 सिद्धत करना अ ८०
 सिद्धती अ ४१९
 सिद्धतूक अ ३२८
 सिद्धतीर अ ३२८
 सिद्धानी अ २४९
 सिद्धमूक अ ४८६
 सिद्ध ग १७ अ २७७
 सिद्धीय अ ७७
 सिद्धीमूक अ ३२८
 सिद्धीमणि अ ३२८

शिरोरुह प ३७

शिखा व १५७ क ८, व २४७ व २४९
व २५

शिखाकव व ९८

शिखाव व ४५१ क ८

शिखाज्यु व ४९९ क ८

शिखाजीत क ८

शिखात्मज व ४५१

शिखी व ५९७

शिखीमुख प ६७७ क ४१२

शिख्य व ३२३

शिख्यक क १३४

शिख्यकार प ४ ९, व ३२२

शिख्यकारिका व २७७

शिख्यकी प ४ ६

शिख्यपाद् क २५२

शिख्यक क १६५

शिख्यी प ४ ९, व ३२२

शिख्यीसाला व २१४

शिख्य क १२२, क १६५, क ५७४ व ६ ५,
व ४४ प ८२, व १७७ प ४५९,
क ३२, क ३ ९, व ३३

शिख्यकता क १९४

शिख्यकारिणी क १९४

शिख्यगण क ४८

शिख्यपीठा क ५८२

शिख्यतुर्बन्दी छ २१९

शिख्यता प ९

शिख्यमुम व ५२

शिख्य पारिषद क १८

शिख्यपुरी व ११३

शिख्यप्रिया क १९४ व ४९९ व ६ ८,
क २०२

शिख्यफल व ५२

शिख्यपति छ २१९

शिख्यशोक क २३८

शिख्यवस्तुमा क १९४ व ३९८

शिख्यवीर्य व ४५९

शिख्यगुण क १९२

शिख्यगुणवाहन प ६ ९

शिख्यगुण्युक्ति क १९४

शिखा क १८५, क १९४ व ९, प ५१९,
प ७८ व ११४ व १८२, क २६,
क ३ ४

शिखाव व ६ ९

शिखात्मज क २९

शिखाकव्य क १९

शिखाका क १९

शिखिका क ३९ क ३९२

शिखिर व १३१ व १३२, व १४०
व १७३

शिखिर प १७३ क ६८, क ८२

शिखिरांत क ८४

शिख्य प २४७ व ४२२, व ६ ५, क ३०

शिख्यभार क ३९९, प ५८२

शिख्य प ७९

शिख्य व ४२

शिखा प ४२

शिख्य व २४२, व ११ व ७८ व ३

शिख्यता व ८ व ८७ व २९७

शिख्यभार व ८ व २९७ व ३४२

शिख्य्य प २४२

शिख्य्यता व २४३

शीकर व २६३

शीघ्र क १५९, व ४४३

शीघ्रता क १५८, क १६२, व ४४४

शिवरोह प ३७
 शिमा न १५७ क ८, न २४७ न २४९
 न २५
 शिमाकर्म न ९८
 शिमाव न ४५१ क ८
 शिमानुपु न ४६९, क ८
 शिमाशीत क ८
 शिमात्मन न ४५१
 शिमी न ५९७
 शिलीमुख न ६७७ क ४१२
 शिल्प श ३२३
 शिल्पक श १३४
 शिल्पकार ग ४ ६, श ३२९
 शिल्पकारिका न २७७
 शिल्पकी प ४ ६
 शिल्पराटु क १५२
 शिल्पिक क १६५
 शिल्पी प ४ ६, श ३२९
 शिलीशाळा न ११४
 शिव क ११२, क १६५, क ५७४ न ६०५
 न ४४ न ८२, न १७७ न ४५९
 क ३२, क ३ ९, न ३३
 शिवकर्मता क १९४
 शिवकारिणी क १९४
 शिवयम क ४८
 शिवशीला क ५८२
 शिवशतसुर्वशी क २१९
 शिवता ग ९
 शिवसुम प ५२
 शिव पारिपद क १८
 शिवपुरी न ११३
 शिवश्रिया क १९४ न ४९६, न ६ ८
 क २ ९

शिवकर्म न ५२
 शिवदामि क २१९
 शिवकोक क २३८
 शिवकस्तमा क १९४ न ३९८
 शिवशीत न ४५९
 शिवसुत क १९२
 शिवसुतवाहन ग ६ ९
 शिवसुन्दरी क १९४
 शिमा क १८५, क १९४ न ९, ग ५१६,
 न ७८ ग ११४ न १८२, क ९६
 क २ ४
 शिमाव न ६ ९
 शिमात्मन क २९
 शिमाकर्म क १९
 शिमाका क १९
 शिविका क ३९ क ३९२
 शिविर न १३१ न १३२ न १४
 न १७३
 शिविर न १७३ क ६८, क ८२
 शिविराटु क ८४
 शिवसु २४७ न ४२२, न ६ ९, श ३
 शिवसुमार क ३९६, ग ५८९
 शिला न ७९
 शिव न ४२
 शिवा ग ४२
 शिव क २४२, न ११ न ७८, न ३
 शिव्या न ८० न ८७ न १९७
 शिव्याचार न ८ न २९७ न ३४२
 शिव्य क २४२
 शिव्या न २४३
 शीकर न २६३
 शीघ्र क १५६, न ४४३
 शीघ्रता क १५८, क १९२, न ४४४

शूरप न १४
 शूरता स २७५
 शूरमा स २७३
 शूरवीर स ३६४ स २७३
 शूर्प क ४६३
 शूर्पणखा क ३९८
 शूक स ४८३ स ४८४ न २५
 शूक उठना स ३७७
 शूक करना स ४८२
 शूक्यन न १९
 शूक्यारी क १६५
 शूक्यासन क ३३
 शूक्यापि क १६५
 शूक्यन् न २६१
 शूक्यस्त क १६५
 शूला म ३९७
 शूली क १६५
 शूलाक क ३३२, क ४
 शूलाका न ३६८, क ३३२, क ३४९
 क ३५९, क ५४३ स १६१ स २६४
 स ४३५
 शूलाकित स २३५
 शूंग म ४२, म ४३२, न ३८८, न २४९
 शूंगवेर म ३१५
 शूंगार स १७९, स १२१ न ३७९,
 क ३
 शूंगार करना स ७७
 शूंगार रस स १८
 शूंगार म ५१३ म ५१९
 शूंगी क १६५, क १७४ क ४६२, स
 ११ म ४३५, म ५८९, न २, न ६५,
 न ६७ न १४५, न १६९, न ४७८,
 न २४८

शूंगी श्रुति क ४६२
 शूकर म ४२, न २४९
 शूकी न ८८ न ९२
 शूकीवाज न ९१
 शूकाकिका न १४८
 शूर स १९८, म ४९४ न २५२
 शूरती न ४९९
 शूरवानी क २४९
 शूय क ११२, क ३३० क ३७ क ४१
 क ५६१ न ७८, स ४२९
 शूयनाग क ३३
 शूयघापी क १३४
 शूयान क ५२९, क ५३३
 शूयित्य न ४४६
 शूय न १३७ क ८, न २४८, न २४९,
 न २५
 शूयकुमाटी क १८५
 शूयका क १८५, क १९४
 शूयुटी न २५४
 शूयी न २, न ५, न ९५२, स ३७
 शूयीपस स १७८
 शूयेंद्र न २५५
 शूयक ५, क १ क ११ न ४६९, क २ १
 शूयकिनी न २७१
 शूयक स १८६ न ४६
 शूयक करना न २२५
 शूयकासक न ६८
 शूयकासक न ५९
 शूयक न ८४ स ३४४
 शूय न २२४
 शूयकहित न २२७
 शूयक स ३६, म ९४ क २५, क ३ ९,
 न ५२८

- शुद्धचरित्रता क्ष ५
 शुद्धता अ ४१५ अ
 शुद्धमति क ४८
 शुद्धा क १७२
 शुद्धि क ९७
 शुद्ध अ ४२६
 शुद्धक म ५१६
 शुद्धहा अ २२९
 शुद्ध क ३४६ ग ४९१ अ १८५, अ ४४९,
 अ २६२ अ ४७८ अ ४७९
 शुद्धकर अ ५७८
 शुद्धकरी अ ७८
 शुद्धकर्म अ ३११
 शुद्धकर्मी अ ३ ५, अ ३१३
 शुद्धकामना देना अ १७१
 शुद्धकायी अ ४७८
 शुद्धवर्गी अ ६४९
 शुद्धचित्तक अ ३
 शुद्ध अ ६६
 शुद्धा अ ७८
 शुद्धनाम क्ष २१
 शुद्धप्रह अ ४७८
 शुद्ध मुहूर्त अ ६४९
 शुद्धवचन अ १७
 शुद्धापी क २८५
 शुद्धा क २५४ अ ११४ अ १८२ अ २१८
 शुद्धाकार क्ष २१
 शुद्धाचार अ २९७
 शुद्धाचार्य अ ३ ५
 शुद्ध अ २८, अ ४४९, अ ४६ क ३१
 शुद्धता अ २९
 शुद्ध्या अ २१८, अ ४६६, क १७२
 शुद्धार अ ५६८
 शुद्धार करना अ ५६९
 शुद्धाङ्क अ ८
 शुद्ध अ ८१२
 शुद्ध करना अ ८१४
 शुद्ध अ ४१२, अ ४१९, अ ४२
 शुद्ध्या क २६
 शुद्ध्या क ४५४
 शुद्ध अ १७४ क ४८, अ १२८
 शुद्ध करना क्ष ११३ क्ष १२४
 शुद्धता क ४९, अ ११०
 शुद्ध हो जाना अ १३८
 शुद्ध क २९७
 शुद्ध न ६१७
 शुद्धकीट ग ५९७
 शुद्धर ग ५२३
 शुद्धरमुक्त क ३२३
 शुद्धर अ ४६३
 शुद्ध रोय अ ४६३
 शुद्धि क ४८१
 शुद्धी क ४८१
 शुद्धीपत्र अ १७
 शुद्ध ग २९६
 शुद्धपत्नी म २९७
 शुद्धा ग २९७
 शुद्ध्य क ११२ क २३८, अ ५७३, अ ६
 अ २२७ क्ष २५८
 शुद्धता क्ष २६
 शुद्धस्वाम अ २२७
 शुद्ध क ४६३
 शुद्धता क ३९८
 शुद्ध क ११४ क २९७ अ ४९९, अ ५१८
 अ ५ अ ७५, अ १९ अ २९८
 अ २७३

घूरन व १४
 घूरा म २७५
 घूरमा म २७३
 घूरवीर व ३१४ म २७३
 घूर्ण क ४६३
 घूर्णमला क ३९८
 घूरा क ४८३ व ४८४ म २५
 घूक जला म ३७७
 घूक करना व ४८२
 घूकन व १९
 घूककारी क १६५
 घूकनाथन क ३३
 घूकपाणि क १६५
 घूकधनु व २६१
 घूकहस्त क १६५
 घूला म ३९७
 घूली क १६५
 घूसल क ३३२, क ४
 घूसला व ३६८, क ३३२, क ३४९
 क ३५९, क ५४३ म १६१ म २६४
 म ४३५
 घूसलित म २३५
 घूंग ग ४२, ग ४३२, व ३८८, व २४९
 घूंगेर व ३१५
 घूंगार व १७९, व ३२१ व ३७९,
 क ३
 घूंगार करना म ७७
 घूंगार रस व १८
 घूंगाळ म ५१३ म ५१९
 घूंगी क १६५, क १७४ क ४६२, व
 ११ व ४३५, ग ५८९, व २, व १५,
 व ६७ व १४५, व १६९, व ४७८,
 व ९४८

गूंभी वृषि क ४६२
 घेकर म ४२, व २४९
 घेबी व ८८ व ९२
 घेबीवाड व ९१
 घेकर्मिका व १४८
 घेर व १९८, ग ४९४ व २५२
 घेरली ग ४९६
 घेरवानी क २४९
 घेप क ११२, क ३३, क ३७, क ४१
 व ५६१ व ७८, म ४२९
 घेपनाथ क ३३
 घेपसामी क १३४
 घेदान क ५२९ क ५३३
 घेविस्व व ४४६
 घेव म १३७ क ८, व २४८, व २४९,
 व २५
 घेवकुमाटी क १८५
 घेवजा क १८५, क १९४
 घेवठटी व २५४
 घेवी व २, ५, व २, ९, व १५२, म ३७
 घेवीपस व १७८
 घेवेंद्र व २५५
 घेवक ५, क १, क ११ व ४५९, क २, २
 घेवकिमी व २७१
 घोक व १८६, व ४६
 घोक करना व २२५
 घोकनासक व ६८
 घोकाकुल व ५६
 घोख व ८४ म ३४४
 घोष व २२४
 घोषपीठ व २२७
 घोष व ३६, ग ९४ क २५, क ३, ९,
 व ५२८

शोभित क १

शोभ क ४२४

शोभ क २५ क २५८

शोभक क २५९

शोभ करना क २६

शोभन क २५ प ३५२

शोभना क २६

शोभनात्मक क २१२

शोभनागा क २६१

शोभनक ११५, क ३११ क ३८८ क ३ ३

क ४६३

शोभना म १८२, क ९ क ५६

शोभा क १६६, क १६३ क १८२, क ९

क ४६७

शोभित क ४९६, क १३ क ४७४

शोभित होना क ६४९

शोभ क ५८९

शोभ करना क ५९

शोभ प ४६९

शोभ क २८३ क २५

शोभन करना क १३४

शोभन करना क १३३

शोभना क २७१

शोभना क ३५१

शोभ होना क ११६

शोभ ग ३४५

शोभ क २२४

शोभान क ३५८ क २२८

शोभानपति क १६५

शोभ क ४६ प ४७

शोभ क ३ प ३७ क २४ क २७

क ७९, क २३९, क ४८ क

शोभजीरा क २३१

शोभना क ३२

शोभानुक्ती क ११२

शोभानु ग ४७२

शोभानु क ३१८

शोभानु क ३ क ६६, प ४८ क

शोभानु क ३२

शोभानु क ४ क १५

शोभानु क ७७ क ४८ क

शोभानु क ३९९, क ७८

शोभानु क ४ क ४ क ४७२, प ११६

ग ६२८, प ६६७ क ७६, क ११६

प १२४ क १४६, क १७८ क १८८

क १४३ क १४६ क ४३

शोभानु ग २ ३ प ५१९

शोभानु म १९२, प ६२४

शोभानु क १९२

शोभानु क १९४

शोभानु ग ५१३

शोभानु क १५७

शोभानु क ३४३

शोभानु क १५७

शोभानु क १५८

शोभानु क १५८

शोभानु क १५८

शोभानु क १५२

शोभानु क ३५४ क ४४

शोभानु क १८५, क २८७

शोभानु ग ३८५

शोभानु क ३८५

शोभानु क १२१

शोभानु क ३८५

शोभानु क ७५३

शोभानु क ३८५, क ७५३ क २८८

अवज क ७२, ग २९, ख २७, च ५
 अवज करना ज ९ १
 अवजपट्टु ज ५१६
 अवजेत्रिम म २९
 अव्य काव्य ल १३२, क १६७
 अति ज ७५३
 अति ज ७५२ अ २८७
 आहृ हि परिशिष्ट क
 आहृदेव क ३१७
 आप ज १७२
 आप देना ज १७४
 आपित ज १७५
 आबक ग ६५४
 आबध छ ४७
 श्री क १३ क १६३ क ३ ९, ल ८३
 स ३८ म १११ क ३२८, च ४६७
 श्रीष्ट क १६५
 श्रीकांत क १३४
 श्रीकृष्ण क ३९९
 श्रीकृष्ण म १३ क १२७
 श्रीगणेश करना ज ८१४
 श्रीराम क ३९९
 श्रीनिवास क १३४ क २३८
 श्रीपंचमी छ २२४
 श्रीपति क ११२ क १३४ क २५५
 क ३६६ क ३९९
 श्री वल म ४४ म ५२, च ५३ म ५८,
 च ६
 श्रीवल्ली म १ ९
 श्रीमन् ल ४ ५ अ ३२८
 श्रीमन् ल ४ ५ अ
 श्रीमती क १६३ क ४ च ४०२
 श्रीमद्व्यगवहृतीना क ५८१

श्रीमान् ल ४ ५ अ म ६६, च ९९७
 श्रीमुख क २९७
 श्रीरमज क १३४
 श्रीष क १३४
 श्रुतकीर्ति क ३७६, क ४१९
 श्रुति क २ २, क ५३८, ग २९
 श्रुति कट्टु ज १९७
 शुभा ग २३३
 शैवी म ३ स १६१ स २६४
 शैव ज ३०३ ज ४७५
 शैवस्वर ज ४२
 शैव्य २६४ ज ४१८, ज ४२५, ज ४४
 ज ४७५
 शैव्यता ज ४२७ ज ४४२, ज ४७७
 शैवि ज ४ ४
 शोषि ग ७८, ग ८२
 शोष म २९
 शोषा ज ७२४
 शोष म २९
 शोषिय क १७ क ५४२
 शोषी क ५४२
 शोष छ १६५, ज २१५
 शोषणा छ १६३
 शोषणीय ज ३५८
 शोषापा ज १ ज ३५५
 शोषाम्य ज ३५८
 शोषीर ल ५१७
 शोष ल १९ १९२
 शोष्यांन ज ५६
 शोष्यांनक ज ५६
 शोष्या म १३२, म १२५, म १२६
 शोषक क ९२
 शोष म ५१६

व्यतिक्रम ५१०

व्यतिक्रम २९८

व्यतिक्रम ३१३ क ३१३

व्यतिक्रम १७५ य १८९

व्यतिक्रम १९

व्यतिक्रम ७१३

व्यतिक्रम ५१३

व्यतिक्रम ४९० क ७१३

व्यतिक्रम रोम ४९

व्यतिक्रम ७१३

व्यतिक्रम ४५३ य २८ य ३५३ क ४४५
क ४५४

व्यतिक्रम २३३

व्यतिक्रम ४५४

व्यतिक्रम २२२

व्यतिक्रम २९

व्यतिक्रम ३९७

व्यतिक्रम ४९४

व्यतिक्रम ३७३ क ४१४ क ४१९

व्यतिक्रम ५३४

व्यतिक्रम ९१

व्यतिक्रम २१८ क ४५६ क ६ ५ ६ १७२

व्यतिक्रम ५५८

व

व्यतिक्रम ६

व्यतिक्रम ६ क ६ २

व्यतिक्रम १८२

व्यतिक्रम ४८५

व्यतिक्रम ५५४

व्यतिक्रम ६७७

व्यतिक्रम १८८

व्यतिक्रम ७

व्यतिक्रम ७३

व्यतिक्रम १८८

व्यतिक्रम ५५४

व्यतिक्रम १८८

व्यतिक्रम १ १

व्यतिक्रम १ १

व्यतिक्रम १९४ क १ १

व्यतिक्रम १९५

व्यतिक्रम ८२

व्यतिक्रम ९२१

व्यतिक्रम २ १, २ ८

स

संस्कृत २४५ क २५३, ५ ५ क ५७१

संस्कृत ८४६

संस्कृत ३४५ क ५ क ५७१

संस्कृत ५७२

संस्कृत ४१

संस्कृत ५५८, ८६२

संस्कृत ८६१

संस्कृत ८५८, ८६५

संस्कृत ४२७

संस्कृत ४२८

संस्कृत ५७१

संस्कृत ५७२

संस्कृत ३२७ क ५७१

संस्कृत ३२९

संस्कृत २३४

संस्कृत ५७१ क ९२४ क ९२६, ९२९

संस्कृत ५७१ क ९८६

संस्कृत ६ परिशिष्ट क

संस्कृत १ क २३१ क २३२, २३६

क ३२१ क ३२५ क ५७२

संकोच करना अ ३२८, अ ८६९	संभाम अ २६२
संकोचना अ २३२	संभामलेख अ २२२
संकोचहीन अ ३२४	संभ्राही अ १६७
संक्रांति अ २१३	संघ अ ३३६, अ १४२, अ ९२४ अ ९२५
संक्रामक अ ४१३	संघट अ ८४९, अ ८५
संक्रिया अ ४६५	संघटन अ ८४९, अ ८५
संक्षयक अ ५५७	संघट्ट अ ४३२, अ ८५
संक्ष्मा अ ५५६	संघर्षण करना अ ९३८
संक्ष्मान अ २७४	संघात क ३१९
संग अ २७७ अ ७८५, अ ८५ अ ८५२, अ ९१८	संघाती ग २७८
संगठन अ ३३६	संघा य २७८
संगठक १८५, अ २७७ अ ४२ अ ९१८	संघना अ ८५८
संगठि क २८७ अ २७७ अ ८५२	संघय अ ९२४
संगठिक अ २४ अ ६८	संघय करना अ ८५८, अ ८६६
संभक्तिणी अ २१ अ ७१	संघयी अ ३९
संगम अ ११६, अ ११७ अ २८९, अ ८४९	संघाटी अ ७८
संगर अ २६२	संघारीभाव अ १८४
संघरभूमि अ २२२	संघासक अ ३३५, अ १६
संघसाय अ २७७	संघासन्न करना अ १५९
संघाटी अ २७८	संघित अ ८६१
संघिनी अ २२५ य २७७	संघय क १२३ क १६५,
संघी ग २७८	संघीया अ ५६
संघीत अ २, अ ५६, अ ६ अ ७८	संघात्र अ ८१८
संघीतकता अ ५६	संघीयन क ३९२
संघीयता अ ५७	संघुन अ ८७५
संघीय अ ४९८	संघोष अ ८५७
संघुहीत अ ८६१	संघोचना अ ८५८
संघुहीत करना ८५८	संज्ञा क ३ २, अ ५, अ २१
संघह क २८७ अ ८६२	संज्ञाहीन अ २ ३
संघह करना अ ८५८, अ ८६६	संज्ञा उ १४१
संघटना अ ८५८	संज्ञ ग ४८१ य ४८३
संघटिणी अ ५१४	संज्ञमुनिंद ग ४ ९, अ ४०८
	संज्ञमा अ ४३७

संज्ञा	४३७	संपत्तिघाती	४५५
संज्ञा	४३८	संपदा	४५६
संज्ञा	४३९	संपन्न	४५७
संज्ञा	४४०	संपर्क	४५८
संज्ञा	४४१	संपाठ	४५९
संज्ञा	४४२	संपादक	४६०
संज्ञा	४४३	संपादना	४६१
संज्ञा	४४४	संपुट	४६२
संज्ञा	४४५	संपूर्ण	४६३
संज्ञा	४४६	संपूर्णता	४६४
संज्ञा	४४७	संपूर्ण होना	४६५
संज्ञा	४४८	संपोषा	४६६
संज्ञा	४४९	समति	४६७
संज्ञा	४५०	समन्वय	४६८
संज्ञा	४५१	संबन्ध	४६९
संज्ञा	४५२	संबन्धी	४७०
संज्ञा	४५३	संभार	४७१
संज्ञा	४५४	संभव	४७२
संज्ञा	४५५	संभवता	४७३
संज्ञा	४५६	संभार	४७४
संज्ञा	४५७	संभावना	४७५
संज्ञा	४५८	संभावनी	४७६
संज्ञा	४५९	संभावक	४७७
संज्ञा	४६०	संभावना	४७८
संज्ञा	४६१	संभावित	४७९
संज्ञा	४६२	संभाव्य	४८०
संज्ञा	४६३	संभाव्यता	४८१
संज्ञा	४६४	संभाव्यता	४८२
संज्ञा	४६५	संभाव्यता	४८३
संज्ञा	४६६	संभाव्यता	४८४
संज्ञा	४६७	संभाव्यता	४८५
संज्ञा	४६८	संभाव्यता	४८६
संज्ञा	४६९	संभाव्यता	४८७
संज्ञा	४७०	संभाव्यता	४८८
संज्ञा	४७१	संभाव्यता	४८९
संज्ञा	४७२	संभाव्यता	४९०
संज्ञा	४७३	संभाव्यता	४९१
संज्ञा	४७४	संभाव्यता	४९२
संज्ञा	४७५	संभाव्यता	४९३
संज्ञा	४७६	संभाव्यता	४९४
संज्ञा	४७७	संभाव्यता	४९५
संज्ञा	४७८	संभाव्यता	४९६
संज्ञा	४७९	संभाव्यता	४९७
संज्ञा	४८०	संभाव्यता	४९८
संज्ञा	४८१	संभाव्यता	४९९
संज्ञा	४८२	संभाव्यता	५००

संमोहना क ४७२
 संमोहित होना क २७५
 संपत् क १९५
 संयम से परिशिष्ट क
 संयमी क १ १
 संयुक्त क ८४७ क ८७५
 संयुक्त कला क ८४५, क ८७४
 संयुक्त निकाय क ५९५
 संयुक्त क ८५ क २६२
 संयोग क १८ क ८४८, क ८४९, क ८५
 क ८५१ क ८५७
 संरक्षण क ४२९, क १९६
 संरक्षण क १९८
 संरक्षण पात्र क २ १
 संरक्षक क १४७
 संरक्षण करना क १२३
 संरक्ष क २९
 संरक्षक क १६५
 संरक्षक क ३ २
 संरक्षक क ७७
 संरक्षक क ३९९
 संरक्षक क २६९
 संरक्षक क ६९
 संरक्षक क १२४ क १४४ क ७६, क ७७
 क १५९
 संरक्षक क ३८८
 संरक्षक क २२९, क २३३
 संरक्षक क २३
 संरक्षित होना क २३२
 संरक्षक क १४३
 संरक्षक क १४
 संरक्षक करना क १४२
 संरक्षक क ८४७

संरक्षक क ८४६
 संरक्षक क २८७ क ८४८, क ८५७
 संरक्षण क २४
 संरक्षण क २८७ क १९८
 संरक्षक क १ ३
 संरक्षक क २१८
 संरक्षक होना क २१९
 संरक्षक क १ ३
 संरक्षक क ८४७
 संरक्षक क ८४६, क ८६
 संरक्षक क १७ क १२१ क १४
 संरक्षक क १४४
 संरक्षक क १४३
 संरक्षक क २१८ क २१९
 संरक्षक क १४
 संरक्षक क ३३६, क १२५
 संरक्षक क १५४ क १४
 संरक्षक क ८६१
 संरक्षक क २८७ क १२
 संरक्षक क ८२२
 संरक्षक क १७२, क ८२३
 संरक्षक क ८२४ क २१५
 संरक्षक क १७१
 संरक्षक क २२
 संरक्षक क १७१, क ८१९
 संरक्षक क १७३
 संरक्षक क ५४५
 संरक्षक क २२४ क ३८
 संरक्षक क ४११
 संरक्षक क ३२८, क ७७१
 संरक्षक क १३९
 संरक्षक क २३२
 संरक्षक क ३२८, क ३२८

सक्रुचाहट अ ३२१
 सक्रुपी म ५८३
 सक्रुशीहा अ ३२२
 सक्रुनतक्रिया अ ६२०
 संकोच म ३६
 सखा म २७८
 सखी ग २७०
 सखुमा अ ७५
 सखुनतक्रिया अ ६२०
 सख्य अ ६८
 सख्ती अ ७१ अ १६९
 सख्य क ७३ अ २७५
 सख्यमाणा अ ७७१
 समपुत्रिया म २८४
 सख्यो अ ८७९
 सगुण क ११३ क ११५
 सपा अ २१५
 सगुणपुत्रा क २४
 सपोष अ ४
 सपन अ ५ ७
 सपनता अ ५ ९
 सप अ ४ ५
 सपिष ग ३५०
 सपेउ अ २ ३
 सपेठ करना अ २ ८
 सपेठ होना अ २ ६
 सपषा अ ४ ९ अ ४१२
 सपषाई अ ४ ७
 सपिषातन्त्र क ११२
 सप अ १९९
 सप अ २ ३
 सप अ ७७
 सप होना अ ७६९

सपपत्र करना अ ७६
 सपन म २२४ अ ३
 सपना अ १४८, अ ७६
 सपनी म २६७
 सपा अ ४०३ अ २२४ अ
 सपा बेना अ २२५
 सपाना अ १४४ अ ७७
 सप्रीठा अ ४६३
 सप्रीना अ ७७
 सप्यन अ ५८, अ ५९, अ ३
 सप्यनता अ २९७
 सप्या इ २८२, इ ४९९
 सटना अ १५२, अ ४१२
 सटागा अ ९ २
 सटीक अ ४२
 सट्टक अ १३४
 सट्टी अ १३६
 सट्ट अ २४
 सट्टा अ ३६५
 सउ अ २६२, अ ३८
 सउउ अ १९७
 सउ निकालना अ ७३
 सनपुत्रिया म २८४
 सनपुष अ १७ अ १८
 सतर म ७९, अ ९५
 सनपना अ ९६ अ २५०
 सउरु अ २ २
 सनरु करना अ २ ८
 सनरुगा अ ३ ४
 सनरु होना अ ३ ६
 सनरुनी म २७२
 सनाता अ ५५
 सनातर इ २

- सतिबद्ध क १९
 सती क १८५, न २७२, ब ६ ४
 सतीत्व भा ५
 सतुभा क १५
 सत् क १७
 सत्कर्म ज ३ ३
 सत्कार ज ३४२
 सत्कार करना क १६८
 सत्तु क १५
 सत्य क १८ क २ ५, क ४७५, ग ७
 ब ६६, न २६२, ज ४ ५
 सत्यता ज ४ ७
 सत्ययुग वे 'सतयुग'
 सत्यवती क ४३३
 सत्वर छ १५९, ज ४४३
 सत्यव्रता ज ४४४
 सत्यवादी ज ४ ९
 सव ज १४ ज ३१३ छ २७
 सवह ज ६२२
 सवन ज १४ ज २६२
 सव्य ज २२
 सवर य ३३५, छ १
 सवस्य थ ३६६
 सदा छ १९७
 सदाचार क ११ म ज २९७
 सदाशायी क १३ ज ३ ज ३ ५
 सदानन्द क ११२, क १२३ क १३४
 क १६५
 सदाशरार प ४३
 सदाशय ज २३
 सदी छ २९
 सद्गुण ज ४२२
 सदैव छ १९७
 सद्गति ज ९५
 सद्गति देना म २३३
 सद्मान ज ८५१
 सद्य ज १४
 सद्य छ १८७ छ १९१ ज ४४३
 सद्यवा ग २७ भा ४६
 सन छ २७ ब १२९
 सनई क १२९
 सनक ज ४ ज ३३७ ज ३३९, ज ३४१
 सनकना ज ३३८
 सनक होगा म ३९२
 सनकी ज ३३५, ज ३४
 सनकुमार क २५१ क ५७६
 सनना म ९५
 सनम ज १५५
 सनातन क १२३, क १३४ छ १७४
 छ १८२
 सनातनता छ १७६
 सनाथ म २ ४
 सनाथ ज १४१
 सनीचर छ १२२
 सनेह क ३३३ ज ५७९
 सनावर क ८८
 सपथ ज ३७६
 सप्त हो जाना ज ६ ४
 सप्राया ज ६ ५
 सप्रिण्ट ज ९७६
 सप्रियाण ल ४९६ ज ९२७
 सप्यान ज ३४२
 सपानी म २३
 सपदि ज ४४३ ज १ १३
 सपना ज ७६६
 सपाट ज ५७७

सपुत्र म २५१	सम्भी स ४२, म २७४ व ३२६, इ १ ४
सपीठ्य व २१९	सत्र व ३३ व १३३
सप्त क ३ छ स ६ ३	समा स ३३६ व ७३४
सप्तक क ६ ५	समापति व ३३५
सप्तम व ६ ४	समासव व ३६९, म १५९
सप्तपर्णी व ९४	सम्य स ३६६, ग ४ ४ व ३
सप्तमी छ १ २	सम्प्रता व ८७ व २९७
सप्ताह छ ११३	सम स १९ स २ २, छ २७ व ४२२,
सप्ताहिक छ ११४	व ६ ३
सफर व ६८७	समवृत्तिया ग २८
सफर करना व ६८८	समकक्ष व ४२२
सऊटी म ३९	सम करना छ ३१३
सफल से 'परिचित क'	समकर्म क १६५, क ४४७
सफल होना व ६५५	समकाशीन छ १४
सऊदा व ३ ४	समय व ८७९
सघ्न क ३ ४	समय म १ ८, ग १३२, व ३६२
सघर्ष व ४५ व ५४४	समतदार व ३६३
सघर्ष करना व ५४७ व ५५२, व ८९२	समसदारी व ३६५
सघ्न व ५५१	समसता व ११
सङ्कट करना व ५५२	समसाना व २४७ व २६२, व ३८
सङ्केत ग २८ म ४७२	समतक व ५७७
सङ्केत कर्मक म ३९७	सबनस करना व ५७८
सङ्केत म ३७	समता ग १९२ व ४२४ म ३९३
सङ्केत व २९	समपित ग १९८
सव व ८७	समशी व १९७
सव जगह व ९९४	समन्वय व ८५१
सवक व ६५३	समन्वित व ८७५
सवरी क ३८८	समय म २ ९, छ १ छ १५७
सवान क ११ व	समय लगना छ १६
सवुग म १९२	समर्पित करना व १
सवुग देना म १ ३	समय म ३६२
सवेग छ १३	समर्थ व ३ ८ म १ व ३८७
सव्य व ४१	समर्थता छ ३८

समयपत्रक ग २८
 समयपत्री क ३१७
 समयपत्र क ५८६, क ९२४
 समयपत्रि क १२९
 समयपत्र क ८७९
 समयपत्र क २७
 समा क २४ छ १
 समाई क ३८७
 समाचारपत्र क २८९
 समाज क ३३०
 समाजवाद क ३३८
 समाजवादी पार्टी क ३४६
 समाधान क २६७
 समाधि क १९ छ १९२, क २२९
 समाज क ३१६, क ३७ क ४१९, क ४२२
 समाना क ७४ क ४३१
 समाप्त क ४३३
 समाप्त करना क ८१९, क २१८ क ३५७
 समाप्त होना छ २, क १५५, क ८२१
 क ८२२, क ४३४ क ९३८
 समाप्ति क १७२, क ८ १ क ८२३
 समाप्य क १७३
 समाप्त प २३१
 समाप्तोत्तर क २११
 समाप्तोचना क २ ९
 समावृत्त क ९८
 समान शैली क २ ९
 समाहार क ९२४
 समिति क ९२५, क २६२
 समीक्षा क २११
 समीक्षण क २ ९
 समीक्षा क २ ९
 समीच क ७६

समीर क ३१३ क ३१६, क ७८, क ४२
 समीरण क ३१३ क ३१६
 समुच्चय क १९ क ९२४
 समुदाय क ९२४ क ९२५
 समुद्रफेन क २१, क २६६ छ २३१
 समुद्री नमक क ३२
 समुस्साय क २९९
 समुचा क ८७९
 समूह क ९२४
 समूह क ४ ५ क
 समूह क ४ ७
 समेटना क ८६६, क ८६९
 समेत क ८७५, क ९१८
 सम्मत् क १८४
 सम्मति क १५५, क १९४ क ३७१
 सम्पत् क १८८
 सम्मान क १५७ क ३४२
 सम्मान करना क १६८
 सम्मान देना क ३४२
 सम्मानित क ३४४
 सम्मानिय क २९
 सम्माप्य क २९, क १५४
 सम्मिश्रित क ८४७ क ८६
 सम्मिश्रित करना क ८४५
 सम्मिश्रित होना क ८७
 सम्मिश्रण क ८४६
 सम्मिश्रण करना क ८४५
 सम्मेलन क ८४९
 सम्मोहन क २७६, क २८३
 सम्पत् क १४८, क ४९४
 सम्राट क ३४९, क ३५
 सपाना क ३६३
 सप्यासी क ३३२

सरय १३ ग ४२, म १ १ म ४९९,
 च ५६२, च ३१३
 सरकोटा म १ १
 सरकोटा म ५३७ म १७ म ६५५, च ६९९
 सरकाणा म ६७०
 सरकार म ३४८
 सरज ३ १५८
 सर मुकाणा म १६७
 सरनि म २४१
 सरदार म ३३५, म ३५८, म ४ ५ म
 म १५
 सरदारी म १५१
 सरही म ४७५
 सरनाम म ३४९
 सरपंच म ३६७
 सरपुत्र म १०६
 सरपा म ३८७
 सररोवा म ३४२ म १ १
 सरवर म ३३०
 सरमा म २३३
 सरपू म ३०३
 सरल म ३११ म ४४२ म ५८, म ५९,
 म ६५
 सरल म ६१
 सरनिम म ५८
 सरवर म ३११ म ३१४
 सरल म १०) म ५ म ३११ म ४९१
 म ४७५, म १२७
 सरल म ५५ म ३१५, म ३२५
 सरल म ५६
 सरल म ५७
 सरल म ३१८ म ३ ३ म ३११
 सरल म ३११

सरसवती क ९३ क ११० क ३०१
 क २२३ म २३५, म २७७ म ११८
 सरसुत्र म १९३
 सरपना म १७४
 सराम म २ ६, म २ ७
 सरपुत्रा म ३५५
 सरपुत्रा करना म ३५९
 सरपुत्रीय म ३५८
 सरि म ५७१
 सरि म २७१
 सरि म ३७१
 सरि म २३४ म २७७
 सरि म ४२२
 सरि म ४२३
 सरि म ५५८
 सरि म ४६२ म ४६३
 सरि म ९३
 सरि म ३८८
 सरि म १७
 सरि म ३१३ म ३१४
 सरि म १६५, म ३ ५
 सरि म ५३५
 सरि म २३ म ४४५, म ११८
 सरि म १५
 सरि म ४७५, म ७५, म ११६
 सरि म ५५८, म ३६
 सरि म ३३० म ५५९
 सरि म ५९७
 सरि म २३७
 सरि म ३१८ म १६५, म ३११
 सरि म १६५, म ६
 सरि म ३५
 सरि म ३११ म १६५, म ३११
 सरि म ३११ म १६५, म ३११

सर्वत्र ज १९४
 सर्वत्र छ १ छ १९७
 सर्वमेध यत्र क ८३
 सर्वघोष्ठ ज ४७५
 सर्वस्वर क ११२ म १४७
 सर्वोत्तम ज ४७५
 सतमम प ३ ७
 सतज्जम म ३ ७
 सतज्जम ज ३२२
 सतज्जम त ३४८, छ ३६
 सतवार ह २७७
 सतार्द्र ह ३ ह ५१८, ह ५४६
 सतार म ३४
 सतारम ज १६६
 सतारम कमा ज १६७
 सतारम म १५५
 सतारम म २६२
 सतारम ज २८
 सतारम ह ७
 सतारम ह ५२ म ४६३
 सतारम ग २३
 सतारम छ ४८
 सतारम छ ४८
 सतारम ज ४२२
 सतारम ज ४२४
 सतारम ग ५८
 सतारम ग ५८
 सतारम ह ५ म १२४
 सतारम य ३६९
 सतारम ग ३६५ म ११९
 सतारम-सतारम म ३६९
 सतारम व २९७ म ३९८ छ ९१६
 सतारम ज ६३७

सतारमना ज २३४ म २३५ म ७७१
 सतारमना ज २३७
 सतारमना करना ज २३५
 सतारमना होता ज २३४
 सतारम म २७
 सतारम ग १८९
 सतारम म १९१
 सतारम म २९६
 सतारम म २९८
 सतारम म २९८
 सतारम म २३
 सतारम ज ५७९
 सह म २६२
 सहकारिता म २४९
 सहकारी ग ४२८
 सहकार ग २७८, म ३८३
 सहकारी ग २२५, ग २७७ प ४१०
 सहकारिणी ग २२५, म २७७
 सहकारी ग ३८३
 सहकार ग २२५ म ५८, म ३८५
 सहकार ज ६१ ज ३८०
 सहकार ज ३८५
 सहकारना ज ३८७
 सहकारिणी ग २२५
 सहकार म १४२, म ६
 सहकारना ज १८३
 सहकारिणी ज ७८, म ११९
 सहकारिणी ज ८
 सहकार ज १८३
 सहकारी ग ३७८

सहस्राष्ट्र व २७७
 सहस्र व २४९ व ३२१
 सहस्रत व १८४
 सहस्रता व २३४
 सहस्राना व २३५
 सहस्रयोग व ९१८
 सहस्रयोगी व ४२८
 सहस्रयता व २३४
 सहस्र व ५८
 सहस्रकाणा व ४४७ व ९९
 सहस्राष्ट्र क २८७ व ८५२
 सहस्राष्ट्र करणा क २८६
 सहस्र व ६३१ व ५५
 सहस्रा व १६८ व ४४३ व १ १३
 सहस्र व ६३१
 सहस्राष्ट्र क २२५
 सहस्र व ४२८ व ७८५ व ७८९
 सहस्राष्ट्र क ४२८ व ७८९
 सहस्रमता व ७८५
 सहस्रमता वेता व ७८७
 सहस्राष्ट्र व ७७२ व ७८५ व २ २
 सहस्राष्ट्र वेता व ७ ३
 सहस्र व ८६१ व ९१८ व ९२२
 सहस्रता व ८५२
 सहस्रम्पु व ७ व ३९१
 सहस्री व १९४ व ४ ५ व ८२६
 सहस्राष्ट्र व २९५
 सहस्रमित्त व ६१
 सहस्रव व १७१ व २२ व २३ व २६६ व ३
 सहस्रयता व २
 सहस्री व ३९१
 सहस्रीना व ३९१

सहस्री व २७७
 सहस्रीष्ट्र व २१४ व १११
 सहस्री क ११२ व २२५ व ४०
 सहस्री क ३४५ व ५११
 सहस्री क ५६२
 सहस्रीष्ट्र क ५७
 सहस्री व १४१
 सहस्रीना व ९ २
 सहस्री व २४५ व ३९६ व १ १
 सहस्री व १७५
 सहस्री व ४८१ व ४८१
 सहस्रीमा व ४५
 सहस्री व ४८१
 सहस्रीता व ३३ व १३१
 सहस्रीना वेता व ३८
 सहस्री व ५५८
 सहस्रीपिन व ५६
 सहस्रीष्ट्रविक क २
 सहस्रीष्ट्र व ३१ व ३७५
 सहस्रीष्ट्र व ४८ व
 सहस्रीष्ट्रपिन व ३२
 सहस्री व ४९ व ७१३
 सहस्री व ४२२
 सहस्रीष्ट्र व २८१
 सहस्रीष्ट्र व ३८६
 सहस्रीष्ट्र व ३४५ व ४ ७ १२४
 सहस्रीष्ट्र व ४११
 सहस्रीष्ट्र क ९
 सहस्रीष्ट्र व १५५ व २४९
 सहस्रीष्ट्र क ११५
 सहस्रीष्ट्र व २६७
 सहस्रीष्ट्र व १११
 सहस्रीष्ट्र व ७३१ व ७३१ व ८५८

साक्षी ग ३७१ स १९१	साक्षा ज ५८ स २९६
साक्षी रीना स १९ स १९३	साक्षानम ज ६१
साक्ष ज २४९	साक्षी ल ३६२
साक्ष देना स १९	साक्षुवय ज ४२४
साक्षी ग ३७१ स १ २ स १९१	साक्ष ज १३८
साक्षी रीना स १९	साक्षक क ६४
साक्षरक ४८ प १९ क ४५ ज २६४	साक्षन ग ७९ स ३७ स ३७२
ज ३१४	साक्षना क ६२ ज ६५४
साक्षु ज ७७	साक्षना करना क ६३
साक्ष म २७४ ज ३२६ क १ ४	साक्षनात्मक क ६५
साक्षु ज २७३	साक्षारण ज ४१७ ज ६५७
साक्षीग ज ८४	साक्षु क ६४ क ११ ज ३६६ ज ५८
साक्ष क ३	साक्षुता क ६६ ज ६१ ज २९७
साक्षन ग २६६	साक्षुनी क १११
साक्षसामान क ४१९	साक्षु क ६४ क ११
साक्षा ज ८९१	साक्ष्य क २ ४ क २ ७ ज ५८
साक्षेदार म ४१९ ग ४२	साक्षी प २७२
साक्षना ज ९ ९	साक्ष जयना स २६७
साक्ष प २४९	साक्षिना स ९३
साक्षी म २३ म २३३ ज २३४	साक्षु क २९७ प ११ ज ९२४
साक्षी क २७१ क २८०	साक्षिाहिक स २९१ उ ११४
साक्षी क १६	साक्ष ज ३१७ ज ४१२ ज ४१४ ज ४८०
साक्ष घ १ ३	सा ज ५४१
साक्षी घ ६ ४	साक्ष करना क ९१ ज ५४७ ज ५५
साक्षकी ल १६५	ज ५५२ ज ५५४ ज ५७८ स ७२
साक्षर क ३९९ क ४१०	साक्षा क २३८
साक्षिण क १२३ क १३४ उ १८७	साक्षी क २५५ क २५६
साक्षिणी क १९४	साक्षि उ ८२३
साक्ष ज ७८५ ज ८५२ ज ९१८	साक्षि करना स १९३
साक्ष रीना ज ७८७	साक्षि क ३५ ज १३५
साक्षिनी प २७७	साक्षु ज ८२६
साक्षी ज ६१	साक्षुना प २७३
साक्षर प ४६४	साक्षंजस्य ज ४२४

सामंत स २७३	न ६२५, ग ६६३, ग ६७७ व ३८६
सामंतबाब स ३४२	ब ९ व २६४ व ३१३ व ४६३
सामंतसाही ब ३४२	सारंगी स ९७ स १ ७
सामसाग क ५५२	सार क ११३ क ३१६, स १९ प १६
सामात्री क ३७ क ४१९	ग १२९, व ३३ व ४५१ क १५८
सामना स २६२	सारपी ग ४१२
सामयिक छ १५, छ ६५	सारसाय क ४९७
सामर्षी स ४ स २७८	सारस क ३ ७ प ६४
सामर्ष्य व ४ स २७७ स ३८	साय व ८७९
सामर्ष्यबाग व ३९८, स ४ स २७८	सारिका प २७५
सामर्ष्यहीन व ३९९, स ४२	सारी प ६२४ क २७१
सामर्ष्यहीनता व ४ १ स ३९	सार्धमीम स ३५ ग २९२, व ८८
सामवेद क ५४४ स २३७	साङ्ग स ४८३ व ७५, स १ २, क २७
सामाजिक स ३६६	सालगिरह क १४७ स २३
सामाग क ३७ क ४१९, व ३७५	सालन क १ ४
सामान्य स १९ व ४१७ व ४२४	सालना स ४८९, व ४७
सामान्या प ३९७ स १५६	सालममिमी क २२
सामुद्रिक क ३२	साका प १९२, व ६२४
साम्य व ४२४	साकागा छ २८
साम्यवाद स ३३९	साली प १९४
साम्बवादी पार्टी स ३४६	सालू क २७१
साम्बाम्बवाद स ३४३	सामबाग व २ २
साम्बाग्यसाही व ३४३	सामबाग करना व २ ८, व ७७
सार्य छ १४१	सामबाग होगा व २ ६, व ७६९
सार्यकास छ १४१	सामबागनी व २ ४
सायत स ६४९, छ ४ छ १२४	सामन क २८९, छ ३७ क ४७ क ७१
सायत व २६४	क ७४
सायल स २५१	सावी व २४
साया क २७५, छ २९४	सावित्री क ९३ क २ २, क ५५८
सायक ११२ क १६५, क ३ ७ क ३९९,	प २७
छ २२, ग ४ ग ४३५, व ४५२, व ४९४	साय प १९
ग ५ ५, ग ५५८, व ५९३ ग ५९८,	सायुर प १९१
प ६ ७ प ६ ९, प ६१३ प ६१५	साहू क ११२

साहस अ २ ९, अ २१२ अ २४२
 साहसिक ग ४१८, अ २१४ अ २४
 साहसी अ २१४
 साहाय्य अ ७८५
 साह्य ग १२६ अ ८५२
 साह्यकार ग १२७
 साह्यिक ग १२७ ग १३
 साह्य ग २१४ ग ४ ४
 साह्यकार ग ४ ४ अ २८९
 साह्य ट ४३९
 साह्य ट ३१
 साह्य ग ११
 साह्य ट ३०
 साह्यिका ग ७७
 साह्यी ग ५८९
 साह्य ग ११
 साह्यिका अ ३७९
 साह्यी ग ५८९
 साह्य बगना ग १६३
 साह्यिका बगना ग ३१८
 साह्य ट ३ ९
 साह्य बगना ग २४
 साह्यी ग ३६ अ ४३८
 साह्य अ ३ ५
 साह्यी ट ४५ ७ ट २४
 साह्य अ २१४ अ १५ अ ३३३ अ ३ ५
 साह्यिका अ ११३
 साह्य ट ४३५
 साह्यिक ट ३९
 साह्यी ट ४८८
 साह्य १८१ ६६ ट अ ८ अ १३
 साह्य अ १५४ अ ४५४ ट ८१ अ ११९
 साह्य ग १८ अ १५४

साह्य ग ११०
 साह्यिक अ १७६
 साह्यी अ ४९६
 साह्यी ग ४०६ अ १४५ अ १९९
 साह्यिक ग ५१३
 साह्यिक ग १०२
 साह्यी ट ५१९
 साह्यी ट ३३१ ट ३३२ ट ३४६ ट
 ३४९ ट ३५९ ट ५४३
 साह्यिक ग ३५७
 साह्यी ट १०२, अ ९८
 साह्यिक ट ५४
 साह्यीका अ ८ ७
 साह्यीका अ ५७२
 साह्यीका अ ८६०
 साह्यिक ट ४
 साह्यी ग ४२१
 साह्यिक अ ३
 साह्यी ग १६४
 साह्यी बगना ग १४३
 साह्यी अ ९८
 साह्यिक ट १२७
 साह्यीका ग २६७ अ ८७४
 साह्यी अ ५ ८
 साह्यीका बगना अ ५१३
 साह्यीका अ ५ ७ अ १५५
 साह्यीका ग
 साह्यीका ट ३ ९
 साह्यीका अ ३३२
 साह्यी ट ४५ ट १३
 साह्यी ट ३३ अ ३४१
 साह्यी ट ३३ अ ३४
 साह्यी अ ३४१

मुक्त क १७
 मुक्ति व ४६३
 मुक्तीक व ४६३
 मुक्तीसपन व ४६७
 मुठ प २५
 मुवल क ३३६, क ३३७
 मुवा न २६ व ६४
 मुवाठी क ४८२
 मुगुही व ६ ४
 मुत्तपिटक क ५९२
 मुबला क २६४ क २७७
 मुबनी प ३११ क २६४ क २७७
 मुबरा व ५४१
 मुबरापन व ५४४
 मुबराग क १४ क १६५ व ८९
 मुबिन छ ४
 मुबी छ ८९
 मुब व ८३४ व ८४
 मुब न खला व ८५३
 मुपकुप व ५, व ८४
 मुपा क २४२, क २६ प ९ व २९
 व ९७ व ९२२
 मुपा^र व ६१
 मुपाकर क ३ ७
 मुपार व ९४
 मुपारना व ९४२ व ९४४ ता १५९
 मुपि व ८३६ व ८४
 मुपि बरना व ८३७
 मुपि बरना व ८३
 मुपि लीना व ८४३
 मुपि लिना व ८३९
 मुपि विनगना व ८६३
 मुपि मेना व ८३७

मुषी क १७
 मुतना व ६ १
 मुतघान व ५६८
 मुतहय क ३७ क ५५, ता ३३९
 मुम व ६ ६
 मुनी क ५ ६
 मुपाठी क १९२
 मुपुत्र प ४२५
 मुपुर्ब करला ता ३९१
 मुपु व ७५९
 मुपुति व ७५८
 मुफेर व २८
 मुफेरी व २९
 मुवह छ १३९
 मुबिला ता ३७
 मुबीता ता ३७
 मुयम प ६८, प ४११ व १५५
 मुभागा छ १११ ता ५६
 मुनरा क १९४ क १९८, क ४१९ ता
 मुभाष व १
 मुभाषित क ४४७
 मुमीना छ ३७
 मुम प ३८१
 मुमन क २ ७ प ३८१ व २१
 मुमित्त क ३८
 मुमिरता क ३९, क ४
 मुमणी व ७५, ता १ ३ ता ५६
 मुमर व ३५८
 मुयेर क ४१ व २४५, व ३५८ व ४३३
 मुबग छ ४
 मुपोपन क ४३६
 मुग व ३६८ क ३१
 मुग व ७ क २९७ ता १४ व ४४६

सूचना भा ३३७

सूत्र म ४४२

सूत्र म ५८२

सूत्र ग ५२३

सूत्रा ग ११७ क ४८३

सूत्र क ४८१

सूत्रा ख ४२५

सूत्रकार क ४४९

सूत्राष्टक क ४४९

सूत्रम क ११५, ख ४२६, ग ५ ३

सूत्रमता ख ४२८

सूत्रम सटीर म ५

सूत्र नामा ग ५ २

सूत्रना भा १३२

सूत्रा भा १७४ क ४८, क २११ छ २५३,

ग ५९८ भा १२८

सूत्रापन क ४५, ख १३

सूत्रारोग ख ५३७

सूत्रक ग ५१६, ग ५२१ न १५४ ग १२

ग १६३

सूत्रना ग १२२

सूत्रिका म ४४४

सूत्रित ग १२१

सूत्रित करना ग २ ८

सूत्री क ४८१

सूत्रीमुग क ३२१ क ३२३ छ ४८५

सूत्रन ग ५२४

सूत्रना ग ८ ८

सूत्रा क ४८३

सूत्री ग ३३७ क ६७

सूत्र ट ३६६

सूत्र क २९७ ग ३३१ ग ३५३ क ४१२

ग ४५

सूत्रक न ४५९

सूत्रकगृह ख १५

सूत्रगीता क ५८२

सूत्रकेली क १२८

सूत्रा क ४८

सूत्रिकामुह ख १५

सूत्रिका रोग ख ४९३

सूत्री कपड़ा क २२३

सूत्र क ५८५, क ३३२, क ४८

सूत्रकार म ३३१

सूत्र शैली ख २ ६

सूत्र ख ३९७ ग २९६, ग ४ २

ग ३ ८

सूत्रखोर ख ४ ४ न ४२५

सूत्रा ग ५८

सूत्रापन ग ६१

सूत्र क ९७ क ४१२ क ४६३ भा ८८

सूत्रक ग ४ २, भा ८८

सूत्रकार ग ४ २, भा ८८

सूत्रा ग १ ६

सूत्र ग ३९ ग ४६५

सूत्रपना ग ३९१

सूत्र ग ५२३ ग २५६, ग ४९६, भा ९७३

सूत्रक क २९७ ग ४९६

सूत्रमूर्ती म ४२८

सूत्र ग १४७ न २३ ग २२, न ४६१

सूत्रित क २२, ग १४७

सूत्रान ग ४९६

सूत्रा ग ३१

सूत्रना भा २७३

सूत्रमार्ग भा २७५

सूत्र ग १५९

सूत्रनगा क ३९८

सूर्य क ३९७ क ५५८, ख १११ प १
ब ५, ब ७

सूर्यकोश क ४८४ प ५९९

सूर्यनाशमणि प ५९९

सूर्यमीठा क ५८२

सूर्यमंडल क ८

सूर्यमूषी क ४२७

सूर्यबंध क ३६५

सूर्योदय छ १३९

सूत्रक क ८१६

सूत्रक क १२६

सूत्रनहार क ८१६

सूत्र क १२७

सूत्रि क १२६

सूत्रिकरणा क १२५

सूत्रिकर्ता क ११२, क १२३

सैक क १३५

सैकना क ९७

सैमर प २३३

सैट क ३१२

सैकुटिया प ४३८

सैक क ३७३, ख २ ७

सैना नामक क २९

सैबई क १२४

सैहक प ४७९

सैनेटरी क ३५७

सैपल क ५६८

सैज क २८२, क ४९९

सैठ क ४ ४, ख ४ ५, ब ५, ग २९४, ग
३३५, ब ३७८, ख २८३

सैठानी प ३३६

सैठी क २९४

सैठु क २८८

सैनुवा प ५८९

सैनु बाप रामेश्वर क ५८ ब १२

सैना क १११ क २२७, ख ३५९, घ ३६
क ४१४

सैनाम्पल प ३५८

सैनाली क १८८, ख ३५८

सैनापति क १८८ प ३५८

सैनापतित्व क २७२

सैक प ३४५

सैम क २९१

सैमर क १२५

सैमा प २९

सैर क ३५

सैरवाना क १ १, ख ४१९

सैरना क १ २

सैक क ३४५

सैक प २९६, प ३८३

सैकफई क २४९

सैकती प ३९८

सैकना क २६ क २७, ख २४७

सैका क २६, ख १९८, ख २४९

सैकार प ५८२

सैकिका क २९७, प ३८४, क १२४

सैकित क ३४५

सैकी प ३८३

सैक्य प ६६, ब १३, ख १९९

सैहक प ९७

सैहुरा क ४५१, ख ४९५

सैकिक क २९७

सैको क २४५

सैकग ४५२, ब ४५९, क २९

सैकका क ६२८, ख ६२९, ब ९३२

सैकिक क २९

सैनापत्य स २७२
 सैनिक स ३६५, स ३७३
 सैन्य स ३५९, स ३६५
 सैर्षा य २२४
 सैरंभी क ४१८, स २७७ स ३८४
 सैजगी ज ३३१
 सैसाव स २८४
 सौंवर नमक क ३३
 सौंटा क ५५५
 सौंठ क २४
 सौंवा क ३१५
 सौंसइत क ३५४
 सौंसइती क ३५३
 सौंसइती करना स ३६०
 सौंसना स १३४
 सौंस क ३५४
 सौंसाना स १३३
 सौंस्ता स ३१४
 सौंसगा स २२५
 सौंस स २२४ स ३४८
 सौंस करना ज २२५
 सौंसना स २४८, ज २२५, ज ३६९
 सौंटा क ५५५
 सौंटा स ४६९
 सौंठ स २७३
 सौंठा स २७३
 सौंसना ज ८ ८
 सौंस स ३ ५
 सौंसकरिया स ६०१
 सौंसजूही स ४ ५
 सौंसगाय स १ ५
 सौंसमड स ३ ५
 सौंसटा स ५१६

सोना स ४४८, ज २ ७ स ७११
 ज ७६५
 सोनापाय स १ ५
 सोनार स ३३५
 सोनारिन स ३३६
 सोने का सिक्का स ४२२
 सोपान स १५७
 सोम क २ ६ क २१५, क २२२
 क २५५, क ३ ७ क ३१३, क ३१८,
 क ५१५, स ५८९, ज ३, स २६२
 सोमय करला स ३११
 सोमकता क २ ७
 सोमवार क ११५, क ११७
 सोमस क ५८९
 सोमाबीन स २६१
 सोर स १३
 सोर स ४६९
 सोरह स ६२१
 सोरा स ३३२
 सोराना ज ७६३
 सोरामिग स ३३८
 सोरुन स ३२८, स ६६७
 सोरुवत स २७७ ज ८५२
 सोरुप क ३ ९, स ४७
 सोरुपिन स २७
 सोरुपी क १ ९, क ११
 सोरुप ज ४६७
 सोरुप स १७२
 सोरुपा क ३१५
 सोरुपना ज १९९, स ३९१
 सोरु रा ६२८
 सोरु क ८९
 सोरुमार्य ज ७

सौख्य क ४९
 सौख्य म ४२३
 सौख्य न २८२
 सौख्य त ३९५ म ३९९
 सौख्य ग २३
 सौख्य प २३१
 सौख्य ल १७
 सौख्य वा १७६
 सौख्य शी १८
 सौख्य ख ३४१ म २९४
 सौख्य ङ २८६
 सौख्य ञ २५४
 सौख्य ञ ४४९, म १४ म १४६ म १७१
 सौख्य णि २७ म ४६
 सौख्य ञ ५५८, क ३ ९ म ४५९
 म ४७
 सौख्य ष २७ म ४६
 सौख्य ष ४६
 सौख्य ष ५१
 सौख्य ष ४५
 सौख्य ष २९७
 सौख्य ष ३७
 सौख्य ष ५८४ म १५९, म १८, म ५८,
 म ४६३
 सौख्य ष ४६७ म ६१
 सौख्य ष ४६३
 सौख्य ष १९४ म २ ७ म ४ १
 सौख्य ष ५७६, म ४२
 सौख्य ष १५
 सौख्य ष ३५, क १ क ३१२
 सौख्य ष ३
 सौख्य ष १५
 सौख्य ष ३ ७

सौख्य क ४६७
 सौख्य क १४६ म २७५
 सौख्य क २९९, ग १२, ग ३६, म १६ म
 ९२४
 सौख्य क २७४ म १९९
 सौख्य क ३१२
 सौख्य क होता म ८११
 सौख्य क ३१६
 सौख्य क ५११
 सौख्य क ३४८
 सौख्य क ८४ म ५२९, म १६७
 सौख्य क ७७६
 सौख्य क २८३ म ७७८
 सौख्य क ६ ६, म ७७७
 सौख्य क होता म २३४ म ६ ४
 सौख्य क ५
 सौख्य क ५१
 सौख्य क १५५
 सौख्य क ६ ३
 सौख्य क ६ ५
 सौख्य क २३७ क २७५, क २८२,
 क ५ २
 सौख्य क ४३ क ४५, क ९४
 सौख्य क ९४ म ४७६
 सौख्य क ४३, म १ म १५५
 सौख्य क ३५९
 सौख्य क १८
 सौख्य क ३५८
 सौख्य क ४३ क ४५, क ९४ म ३५५
 सौख्य क ४६
 सौख्य क ९५
 सौख्य क १६७
 सौख्य क ४५, क ९२, क ९४ म ३५५

स्तोम क १४ व ११४

स्त्री य ४ ग २२५

स्त्री प्रसंग क २८७

स्त्री प्रसंग करना क २८६

स्त्रीक्रिय य ८

स्त्रीज य ३ २

स्त्रीगत होना क ६६५

स्वक य ४४४ व १

स्वामी क ४३१ व १

स्वामि क १२३, क १३७ व ३४

स्वानु क १६५, क १४ व १८

स्वान क १९ क ३५७ क ५८६, व १

व १४ व २५५

स्वान मैत्रा व ७५

स्वापत्य क २

स्वापत्य कला व ६

स्वापना क २३

स्वामी क २१६, व ७८ व ६७६, व ८३३

स्वामीभाव व १८४

स्वामि क २४८, व ६७९

स्वित खूना व २६१

स्विति व ९४८

स्वित क १६५, क २१६, व २, य ७१ व

२४८ व ६७९, व ८३३

स्वितचित्त व ११

स्वितचित्तता व १४

स्वितता व १४

स्वित होना व ६८९

स्विक क १३४ व ४९८, व ५ ४ व ५१२,

व ४९

स्विकभाव व ४९८

स्विकता व ५ व ५१४

स्विक होना व ८ ८

स्वीय व १४ व १३३

स्नातक क १०८

स्नात व ६८

स्नात करना व ६९

स्नात कथना व ७

स्नानागार व १५१

स्नान य २८ क १४ व १७९

स्नानता व ५८१

स्नेह क ३१३, व १४५, व १४६

स्नेह वेना व १३९

स्नेहन व ६७

स्नेहप्रव व २६७

स्नेही क २६६, व १५३

स्नेह क ३२३

स्नेहित होना व ३५१

स्नेही व २६१

स्नेही व २८४

स्नेह व १९५, व ४११

स्नेह करना व ४१२

स्नेहन क ३१३ क ३१६, व १९५

स्नेह करना व ८९९

स्नेहनीय व १४४

स्नेहा व १३८, व ३७१

स्नेही व १९९

स्नेहिक व ४८४ व ४९६

स्नेह य ५९४ व ३८२

स्नेहिक क २८१ व १ ९

स्नेहिक व ४४४

स्नेहिकता क १६४

स्नेहिकता व १६५

स्नेहिकता क १६३

स्नेहिक व ५२२

स्नेह क २७१

स्मरण क ३८, क ७३ स १९ व ८३४
 स्मरण करणा क ३९, स २४९ व ८३७
 व ८३८
 स्मरण विज्ञाना व २ ८, व ८३९
 स्मरणधर्मिष्ठ व ८३९
 स्मरणीय व ३५४
 स्मस्तान व २२८
 स्मार्त क ७
 स्मित व १८१
 स्मिति व ३३१
 स्मृति क २ २, व १८५, व २२४ व ८३४
 स्मृत क ३१३, व ३९
 स्मात् व ८, व १९५, व ९७३
 स्वार ग ५१३
 स्माह व ३ ग ४६२
 स्माही व ३२, व ३ ६
 स्मोत व २६२, व २७१ व २७७
 स्मोतस्मिनी व २७१
 स्मीपर क २९८
 स्व क १३४ क २३८ स ४ ५
 स्वकीय स ४ ५
 स्वकीयता स ४ ७
 स्वच्छंद स २३४
 स्वच्छंदता स २३८
 स्वच्छ व ३१७ व ४१४ व ४६३ व
 ५४१
 स्वच्छ करणा व २९ व ५४७ व ५५२
 स्वच्छता व ४१५ व ५५४
 स्वच्छ होगा व २३
 स्वतः व १
 स्वतंत्र स २३४
 स्वतंत्र करना स २३६
 स्वतंत्रता स ३३८

स्वतंत्र होना स २३१
 स्वत्वाधिकारी व ३८
 स्वप्न स १८५, व ५८८, व ७६९
 स्वभाव व १ व ४ २
 स्वभावज व ३८५
 स्वयं व १
 स्वयंभू क ११६, क १२३, क १३४ क
 १६५, क २७१ क ४८३
 स्वर क २३८, व ६४ स ६६, व २२६,
 स २२७ स ६ ३ व ३, व ५८८
 स्वस्म्य व १४७ ग ५, व ४६२
 स्वस्म्यवान व ४६३
 स्वयं क ११२, क २३८, व ३
 स्वर्गावाही क २४ व ८२८,
 व ८२९
 स्वर्गीय क २४ व ८२८, व ८२९
 स्वर्ग व ४४८
 स्वर्गकार व ३३५
 स्वयंभू व १८९
 स्वस्तिक व १७१ व ५४७ व ३९,
 व ४
 स्वस्पता व ५४८, व ४९
 स्वांग व १३६, व १४७
 स्वांग बनाता व १४८
 स्वागत व ६६८
 स्वागत करना व ६६९
 स्वार्तव्य स २३८
 स्वाती क ३ २, व २७ व ४२
 स्वाह स १२४
 स्वाह्यहीन व ४८
 स्वाह्यहीनता व ४९
 स्वादिष्ट व ५ व ९ स १२७
 स्वादिष्टता व ५९, स १२९

स्वाधीन स २३४

स्वाधीनता स २३८

स्वाधीनपत्रिका स १५८

स्वाध्याय क ८४ स २५६

स्वामाधिक स ३८५

स्वामाधिक चिकित्सा स ४३२

स्वामाधिकता स ३८७

स्वामित्व स १४९

स्वामिनी ग ३८१

स्वामी क ११२, क १३५, क १६ क

१६५, ग २२४ न ३८ न ४५९

स्वार्थ स २७३

स्वार्थता स २७३

स्वार्थपरता स २७३

स्वार्थी स २७४

स्वास्थ्य स ४२८ स ५४५, स ३७

स्वाहा होना स १ ४

स्वीकार स १७९, स १८८

स्वीकार करना स १७८, स १८३, स १८६

स ४ ९

स्वीकार्य स १९

स्वीकृत स १८८

स्वीकृति स १९४

स्वीकृति वेत्ता स १७८

स्वीय स ४ ५

स्वेद स १२१

स्वेदज ग ५५४

स्वेदन ग १२१

स्वीर स २३४

स्वीरपाणि स २३८

स्वीरपात्री स २३४

स्वीर्या स २३८

स्वीरिणी स ३६

ह

होकारणा स ५९१

होकारी स ३६९

होगामा स ५८९ स १७५

होकिमी स ४९२

होमी स ४५६

होता स ८२४

हठरी स ४९ स ७१३

होथ क ११२, क १३१ क १३४ क १५४

क १६५, क २४५, क २९७, क ५९८

ग ५, न ६ न ७ ग ४५२, न ६ ७

स २६२

होसना स ६३ स ६३२, स ६३८

होसमुख स ३७१

होसली स ३३१ स ३४५

होसबाहिनी क १३

होसाई स ६२८

होसिया स ५२९

होसी स ३७२, स ६२८, स ६२९

होसी करना स ३७३

होसी मचाना स ३७३

होसुली स ३३१ स ३४५

होसुषा स ५२९

होसोत्र स ३७१

हकबकाना स ४४१

हककाना स ५२२

हकीम स ५३८

हकीमी स ४३१

हकका-बकका स ६ ३ स ४४

हकका-बकका होना स ६ ४

हवनहठी स ८३, स १५३

हयता स ११६

हय क ५ ७ क ५१७

ह्रस्वम करणा क ७९३
 ह्रस्वम कर सेना क २१८
 ह्रस्वत् क ५२४ क ३६७
 ह्राम ग ३११
 ह्रार क ६३१
 ह्रजूपी ग ३८४
 ह्रम्यम ग ३११
 ह्रमामी क ४३४
 ह्रमना क ७७४
 ह्रमा क ६७ क १८२, क २८ क ६६५,
 क ७४४ क ७९१
 ह्रमार्द्रि क २९३
 ह्रमना क २७९, क १२९, क ३६१ क
 ६७ क ७४७ क ७७५, क ८५३
 ह्रमया क ७४८
 ह्रदुवा ग ४
 ह्रद्व क १३६ क १३८
 ह्रद्वकट्टा क ४९८
 ह्रद्वी क १३८
 ह्रठ क ७३ क ९७७
 ह्रठवर्मी क ७३ क ७४
 ह्रठवर्मी करणा क ७५
 ह्रठना क ४२८
 ह्रठ्योग क ६२
 ह्रठ्ठ क ९७५
 ह्रठी क ७४
 ह्रकना क ५ २
 ह्रकपना क २१२
 ह्रकवकाणा क १६१ क १८
 ह्रकवकाइट क १६२
 ह्रकवक्रिया क १६४ क ४४८
 ह्रकवकी क १५८, क १६२, क ४४४
 ह्रकवकी मषाणा क १६१

ह्रकी ग ९९
 ह्रक्या ग ५७६
 ह्रकी य ९९
 ह्रकडम्बत क ३४८
 ह्रकप्रम क १६५, क ४२
 ह्रकमुद्रि क ३६४
 ह्रकना य १५८, क २१८
 ह्रकष क २१५
 ह्रकाह्वत क २७९
 ह्रकोत्याह्व क २१५
 ह्रक्या क २१४
 ह्रक्या करणा य १५८, क २१८
 ह्रक्या करणाणा ग १५७
 ह्रक्याप क २१५
 ह्रकट्टा क ५२८
 ह्रककेर क ३९८
 ह्रककेर सेना क ४
 ह्रकरोटिया क १ क १ १
 ह्रकिनी क ४३६
 ह्रकिया क ४२६
 ह्रकिमाणा क १९८, क २२४
 ह्रकियार क ४ १
 ह्रकियारबंध क २७
 ह्रकुर्द क १
 ह्रकेली य ६१
 ह्रकीका क ५१५
 ह्रकीस क ६ २, क ६ ४
 ह्रकना क २१८
 ह्रकनीज क २२८
 ह्रकु क ३२ क १२ य १५७
 ह्रकुमाण क ३१५, क ३८
 ह्रक्य क २२८
 ह्रक्य करणा क ८३८

हस्ता छ ११३ छ १२२

हस्तावापी छ ११४

हस्त्य व १८२ व १८३

हस्त्य व १९६

हस्त्य व १ १

हस्त्यह व ११८

हस्त्यही व ८५२

हस्त्य ग १४

हस्त्य व २८७

हस्त्यार व ५७७

हस्त्यार करना व ५७८

हस्त्य व १५१

हस्त्य व १९८

हस्त्य छ १ छ १९७

हस्त्य व १५१

हस्त्य क २२५, व ४५२

हस्त्य व १५ व ३२१

हस्त्य करना व ३२८

हस्त्यार व ३२२

हस्त्यार व ३२२

हस्त्य व ६८ व ७१४

हस्त्य करना व ७१५

हस्त्यार व ३६९, व ३७६

हस्त्य व ४१

हस्त्यार व ४१

हस्त्य व ४५५

हस्त्य करना व ४५६

हस्त्य क १६८

हस्त्यार व ४७३ व ४७५, व ४७६

हस्त्यारिका व ११४ व २२१

हस्त्यार व २१

हस्त्यार व २२५

हस्त्यार व ४

हस्त्यार व २२५, व २२८, व ३८४

हस्त्यार छ १

हस्त्यार व ३७७

हस्त्यार व ४५

हस्त्यार व ४१

हस्त्यारार व ४१७

हस्त्यार व ४१ व २ ४

हस्त्यार व २८९

हस्त्यार व २९१

हस्त्यार व ४२

हस्त्यार व ५६९

हस्त्यारार व ४५५

हस्त्यारार व २४९

हस्त्यारार व ३६१ व २६३

हस्त्यार व २१२ व २२४ व २४९

हस्त्यार व ३४९ व ३१९

हस्त्यार क १३४ क १६५, क २२५, क २९७

क ३७ क ३११ क ३१३ क ३१६

क ३१७ क ३६६, व ३७ व १२९

व ४५२ व ४९४ व ५२४ व ५५८

व ५९३ व ६९, व ६१५, व ४४८, व

३८८, व ५ व २४८

हस्त्यारिका व २ ३

हस्त्यार व १३४ क १६५, व २९७ व

५ ५, व १७

हस्त्यार व २ २, व ४ ४

हस्त्यार क २९७ व ४१ व ४३, व ४५४

व ४८६, व ४९ व ७५

हस्त्यार व ४५८, व ९ व १५५

हस्त्यार व ५ ५

हस्त्यार व ५ ६

हस्त्यार व ४१, व २१६

हस्त्यार व २१६

हरियाली क ४२	हसाहल क १८१ म ४७८
हरित क ५२८	हलया क १२२
हर्न क ४५५	हलक क ५११
हर्न करना क ४५६	हलुकी क ५१३
हर्ता ग ४१८, क ८२४	हल्ला क ५११
हर्क क २२५	हल्ली क २७ क ९
हर्त क २६	हल्ला क २८७ क ५८९ म २६५
हर्ष क १८५, क ४५	हल्ला करना क ५९
हर्षना क ४१	हल्लीघ क १३४
हर्षाणा क ४१	हल्लुक क ५११
हर्षित क ३९	हवन क ३११
हर्षित करना क ४३	हवन करना क ८२
हर्षित होना क ४१ क ६४९	हवत क १३१ क १३८
हृक क ५२६	हवा क ३१३ क २६३ क ३३९
हृक्का क ३७२, क ६९, क ५१६, म २९६	क ६५
हृल्ला करना क ७२१	हवाई बहाव क ३७९
हृल्लाल करना क ५५	हवा करना म ३८
हृल्लापन क ५१३	हवा बीमना क ६५१
हृल्लोरना क ५४९	हवागाड़ी क ३८६
हृल्लोर ग ३५४	हवाकाठ क १८२
हृल्लोरिन ग ३५५	हवाघ क ५
हृल्लत क १५, म १७५	हृदि क ९ क १५७
हृल्लर क ४१	हृदिप्य क ९ क ९१
हृल्लना म ४१४	हृदली क १४१ क १७१
हृल्ल म ४२३	हृतरत क १३८ म ३४८
हृल्ल जटाना म ४२४	हृदिन क १६४ क १८१
हृल्लपी क ३२६	हृदीन क ४६३
हृल्लवाई म ४ २	हृत्क २४४ ग ४३ म ५९, म ४४३ क
हृल्लवाहा म ३७७	२७ क ४
हृल्लवाही म ३७७	हृत्गत म ३४०
हृल्लाना क ७४१	हृत्गत करना क १९८
हृल्लापुष क ४१	हृत्पुष् क ६२
हृल्लालसार ग ३५४	हृत्तिनापुर क १२२

हस्ता छ ११३ छ १२९

हस्तावारी छ ११४

हस्त व १८२, व १८३

हम व ९९६

हमदर्द व १ १

हमघह व ९१८

हमघही व ८५२

हमछ व १४

हमछा व २८७

हमवार व ५७७

हमवार करमा व ५७८

हमाम व १५१

हमाघ व ९९८

हमैषा छ १ छ १९७

हम्माम व १५१

हम क २२५, व ४५२

हमा व १५ व ३२१

हमा करमा व ३२८

हमाघार व ३२२

हमागाम व ३२२

हरकठ व १८ व ७१४

हरकठ करमा व ७१५

हरकठघ व ३६९, व ३७६

हरसना व ४१

हरसामा व ४३

हरज व ४५५

हरज करमा व ४५६

हरज क १६८

हरजाल व ४७३ व ४७५, व ४७६

हरजालिका व ११४ व २२१

हरजा छ २१

हरज क २२५

हरजा क ४

हरम ग २२५, ग २२८, व ३८४

हरमकठ छ १

हरमाहा ग ३७७

हरप व ४५

हरसमा व ४१

हरसिमार म ४१७

हरख व ४१ क २ ४

हर्यई व २८९

हरयना व २९१

हरयन व ४२

हरयमघ व ५६९

हरयमखोर व ४४५

हरयमबाबा प २४९

हरयवक व ३६१, व २६३

हरघ व २१२ मा व २२४ व २४५

हरघ होमा व ६४९ व ३१९

हरिक १३४ क १६५, क २२५, क २९७

क ३ ७ क ३११ क ३१३ क ३१६

क ३१७, क ३६६, व ३७ व १२६

ग ४५२, ग ४९४ ग ५२४ व ५५८

ग ५९३ ग ६ ९, व ६१५, व ४४८, व

३८८, व ५ व २४८

हरिबीठिका व २ ३

हरिप व १३४ क १६५, व २९७ ग

५ ५, व ६ ७

हरिपी व २ २, व ४ ४

हरिण क २९७ व ४१ व ४३ ग ४९४

व ४८६, व ४९ व ७५

हरिया व ४५८, क ९ व १५९

हरिग ग ५ ५

हरिली व ५ ६

हरिमर व ४१ क २१६

हरिपटी क २१६

हरियाली क ४२

हरिस क ५२८

हर्ष क ४५५

हर्ष करना क ४५१

हर्षा क ४१८, क ८२४

हर्ष क २२५

हर्ष क २६

हर्ष क १८५, क ४५

हर्षना क ४१

हर्षना क ४१

हर्षित क ३९

हर्षित करना क ४३

हर्षित होना क ४१ क ६४९

हस क ५२६

हसका क ३७२, क ६९, क ५११ क २९६

हसका करना क ७२१

हसकाल करना क ५५

हसकापन क ५१३

हसकोरना क ५४९

हसकोर क ३५४

हसकोरिन क ३५५

हसकल क १५, क १७५

हसकर क ४१

हसना क ४१४

हसक क ४२३

हसक उठाना क ४२४

हसपी क ३२६

हसबाई क ४ २

हसबाहा क ३७७

हसबाही क ३७७

हसना क ७४१

हसनापुर क ४१

हसनापुर क ३५४

हसाहक क १८१ क ४७८

हसना क १२२

हसक क ५११

हसुकी क ५१३

हसना क ५११

हसपी क २७ क ९

हसना क २८७ क ५८९ क २६५

हसना करना क ५९

हसनीय क १३४

हसक क ५११

हसन क ३११

हसन करना क ८२

हसन क १३१ क १३८

हसा क ३१३ क २६३ क ३३९

क ६५

हसाई जहाज क ३७९

हसा करना क ३८

हसा खोलना क ६५१

हसागाड़ी क ३८६

हसाबात क १८२

हसास क ५

हसि क ९ क १५७

हसिप्य क ९ क ९१

हसैली क १४१ क १७१

हसरत क १३८ क ३४८

हसिन क १६४ क १८१

हसीन क ४६३

हसक २४४ क ४३ क ५९५ क ४४३ क

२७ क ४

हसपठ क ३४९

हसपठ करना क १९८

हसपुठ क ६२

हरिनापुर क १२२

हस्तिनी का १५५, ग ४३६

हस्ती म ४३५

हस क ५ ९

हहरना व २३४ व २४५

हहरना व २४०

हहा क २४६

हां व १९४

हांक व ५९९ म २६५

हांकना व ७१७

हांकने वाला व ६१

हांक लगाना व ६

हांकी क ४५६

हांफना व ७१२

हांमी भरना व ९९

हां में हां मिठागा व ६९

हांसी व ३७२

हांड व २३८

हांकिम व ३६८ म १५

हांकिमी क २ २

हांकी (खेज) क ३६७

हांकी क ३६८

हांवठ व ४२१ ई

हांबिर म २५७

हांबिर खाना म २६१

हांबिपी म २५९

हांट व १३६ व १३८

हांटक व ४४८

हांड ग ९९, क ४५

हांडा व ५७६

हांडी क ४५६

हांवा व १ ६, व १९१ व १४४

हांव म ५९, म १३८, म ४२८, व ७८९

हांव थोड़ना व १८७ म २४८

हांव पकड़ना व ७७४ व २४

हांव बढाना म ८७

हांव मलना म ३४७

हांव मुँह पीना म १२

हांव लगाना व ७८७

हांवी म ४३५

हांवीखाना व १८७

हांवीखान म ४१

हांवि व ४५५, म ३ १

हांवि करना व ४५६

हांवैट क २५९

हांवुल क १४३

हांवला म ५२

हांवी भरना व १७८

हांर व ४१६ म ५५८ क ३३१ क ३४६

व २८९, व ७५२, व ९२४

हांर बेना व २९१

हांरना व २९२ व ७५१

हांरमोनियम व ११५

हांर व ७५४

हांरिपी क २ २, व २७७

हांरिल म ६२

हांरीठ क ५७८, म ४१८, म २ ६

हांरिया व ५ ३

हांरमोनियम व ९८ व ११५

हांर क ५२६, क १७३ व ४४३

हांर का क १७५, क १७९

हांरल म ५४५, व ९४८

हांरा क २ ५

हांर व १६२

हांर व १८६, व ३७२, व ६२८, व ९१२

हांरपिटल व ५४३

हांरिज म ३४९

हासिल करना स ३५	हित न २७८, न २८, न ३ न १ २
हास्टस न २	हितकर न ३
हास्य स १७९, न ३२८	हितकारी न ३
हास्यात्मक शैली स २ ६	हितचितक न ३ न १ १
हाहा क २४५, क २४६	हितचितन न १ २
हिगुमाना प ३७८	हितार्थ स ४ ३
हिगुल क ३१	हिगु म २७७ म २७८, न ३ न १ १
हिगोस स ८३ क ३९१	हितपिता न १ २
हिह न १ ८	हितवी ग २७८, न ३ न १ १
हितवी स २२२	हितहिनाला म ४५३
हितसा स २२८ स ५५६	हिना प ४२१
हिषी स २२२, स २२४	हितजयत स १९८
हितुस्तान न १ ८	हितजयत करना स २ ५
हितुस्तानी क ४ स २२२, स २२४	हितज करना न ८३८
हितु क ३ क ४	हित क ३ ७ प १५८, प ३८८ प ४४७
हितोस्ता न १ ८	उ २७ उ १५८, उ २५९ उ २६
हितक ग ३६३ स २१५, स ४४८	हितकण उ २६१
हिषा स २१४ स ४४६	हितकर क ३ ७ न १६
हिषामु स २१५	हितवान न २५५, न २६१
हित स २१५, स ४४८	हिमांजल न २५५
हितक न ४९७	हिमांशु क ३ ७ प १५७
हितमत स ४३१ स ५४९	हिमांशु न २५५
हितना स ५१२	हिम्मत न १ ९, न २१२, न २४२, स २७७
हितक न २३१	हिम्मतवर न २१४ न २४
हितवना न २३२	हिम्मतहीन न २३९
हितविधाना न २३३	हिम्मती न २१४ न २४ न २५२
हितविवाह न २३१	स २७८
हितवी ग ५१२	हित प ४९, म ११३
हितज्ञा न ३२	हिवाक न २ ९, न २१२
हितज्ञान न २२२	हितक न ५ ५
हिन्दी उ ३७	हितक्य क २४२, प १२९, स ४४८, न ६ ५
हितवस्तुनी स ३४४	हितवर्ग क १२३ क १३४
हितवा क ४२६	हितन म ५ ५

हिरणी म ५ ६	हीस व २६२
हिरस व १३१	हुंकार व ५९३, स २६५
हिराबल व ३६१	हुंकारना म ४९५, व ५९१
हिराघठ व १८३	हुंकार म ५१४
हिर्य व १३१	हुनुमत व ३४८
हिरुक्रोच व २७८	हुनम स २४
हिरुना व १७ व ६८ व ७७ व ७१६, व ७४ व ७७१ स ३५१	हुनम देना स २४१
हिरार्थ व ७१४	हुनमनामा स १८८
हिरुना व ५४९, व ७१५	हुनमबरदार स २४२
हिरोङ्गा व ७१५	हुनमबरदाटी स २४३
हिरोर व २७८, व ७१४	हुनम ल्याना स २४१
हिरोरना व ५४९, व ७१५	हुनुपी व ३८३
हिरोच व २७८	हुग्यत व २६९, व ३२९, व ६४१
हिरोव व ५५३, व ६४६	हुग्यत करना व २८
हिस्टारिकल व ३२१	हुवापन क ३११
हिस्टीरिया व ५३५	हुबहुब म ६६७
हिस्टोरियन व ३२	हुनर व ३, व २३५, व ३६८, व ३९६
हिस्ट्री व ३१९	हुनरवीं व ३९४
हिस्ता व ६४३ व ८९ व ८९१	हुमसना व ४१
हिस्ता ल्याना व ८८७	हुमेक क ३३१
हिस्ता देना स ८७	हुलसना व ४१
हिम्मेदार म ४१९, म ४२	हुलसना व ४३
हीय क ९१	हुलसित करना व ४३
हीयना म ४५३	हुलसित होना व ४१
ही व ३२१	हुलास व २१२
हीन व ४२९, व ४३९, व ९५१	हुलाङ्क व ५८९, स १७५
हीनगा व ४३ व ४४१	हुलाङ्की स १७६
हीनयान क ४२	हुला व ५८९
हीम म ४९, व १३३	हुला मचागा व ५९
हीर व ४८५, स २५४	हुधियार व ३६३
हीरा म ४८१ व ४८५	हुँवना व १७४
हीरा स ३७२ स ३७३	हुक व २३४
	हुकना स १४८

हृक् होना क ३९२

हृक् क २४७

हृसना क १३

हृत् क २४५, क २४६ छ २७९ क २९५

हृत् म १३ ग १३३ क ३१३, क ३१४

हृत् म क ५५८, म ४९ ग १ ९, म १३

ग १३३

हृत् मघाही क ४६३

हृत् मघे म २२४ क १५५

हृत् मघेस्वर म २२४ १५५

हृत् मघेस्वरी क १५६

हृत् मघेष् क १३४ क ३९९, छ ५७

हृत् म ३६

हृत् म क ३१२

हृत् म क ३१३

हृत् म क ३१२

हृत् म क २७९

हृत् म क १४५, क १५३ छ ३७१

हृत् म क १८ क ८

हृत् म क ४४७ क २६ क ४४८ छ २७

छ २५९

हृत् म क २५८

हृत् म क २६ क ७२३, क ७९६

हृत् म क ४

हृत् म क ४

हृत् म क ७९४ क ७९७

हृत् म क ७२५

हृत् म क १८३

हृत् म क ९३

हृत् म क ७४ क ४१४

हृत् म क २७७ क ८५१

हृत् म क १६२, ग ३५४

हृत् म क ३३१

हृत् म क ५२८

हृत् म क २४

हृत् म क ४३८

हृत् म क ४३९

हृत् म क १३

हृत् म क ५५

हृत् म क ४३

हृत् म क ३८७

हृत् म क ४४१ क ५९१ क ५९३

हृत् म क २४

हृत् म क ६५५

हृत् म क १९८

हृत् म क २४

हृत् म क ३८१ क २६१

हृत् म क ८५

हृत् म क ५५८

हृत् म क १८९, क ४५७

हृत् म क १५५, क १५६, क १८९, क

१४७ क २६१

हृत् म क ४२९

हृत् म क ३२

हृत् म क १४३

हृत् म क १४३

हृत् म क २ ३

हृत् म क ५, क ८४

हृत् म क ४४१

हृत् म क ८३७

हृत् म क ८३९

हृत् म क २ ८, क ८३९

हृत् म क २ २, क ३ ४ क ३६३

क ३६७

हृत् म क २ ८

हृत् म क २ ४ क ३६५, क ३६८

- श्रीमद्-हवात्र व ५ व ८४
 श्री सचिना व १५६
 श्वास्त्य व २४५
 श्रीहस्ता व ५९२, व ५८९
 श्री व १९६
 श्मिना व ७१२
 श्मिना व २३८
 श्मि व ३१०
 श्मि व ३१
 श्मि व ३१७
 श्मि व ३४९ व ४४३
 श्मि व २३७
 श्मिना व २४३
 श्मि व २८
 श्मि व २३८
 श्मि व २२२
 श्मि व २२२
 श्मि व २२२
 श्मि व २२४
 श्मि व ४३९

परिशिष्ट क

[पुस्तक के मूक भाग में कूटे हुए कुछ आक्षेपक शब्दों के पर्याय और विक्रान्त यहाँ दिये गए हैं।]

- विद्या—ज्ञानकार, भीषित प्राणयुक्त प्राणवान् सजीव सप्राण।
 वि०—मृत।
 सागडा—वधुरस्त पट्टा पहलवान पीत पुट्ट, मोटा छोटा स्वल्प इट्टा-इट्टा इट्ट-मुट्ट।
 दे०—'बलवान'।
 वि०—'कमबोर' धस्त्वम्।
 सुकना—उपमा ताप्याय पठार, बराबरी

- मिलान मुकाबिला मुजाबेहूत सुपुष्पा समता समानता सावुल्य।
 सुष—खर, पाप विष्णु बनस्पति दूब हीरो।
 सौद—उबर, काद डैड ठोन्, पेट।
 धून—बुबा फल्ल बाबी सट्ट्य।
 बरबू—गुर्गि वू बोय।
 सुषावू—सुर्गव सुर्गवि मुर्गवि सौरव।
 विपाङ्गना—खराब करना मट्ट कल्ल, बरबाद करना विक्रान्त करना।
 वि०—बनाना।
 भीष—मिषा विदुकी बुटकी धावना।
 धम—भ्राति बोधा मरय।
 मितध्वयो—कंबुस कमबर्न किष्मव-घार, हुपन लव मफलीबुस मितध्वन।
 ध्यान—अधिगृह, लब्धाच्छद, मियान।
 बर्गनीय—बाबरनीय ईज्य परमेज्य पुज्य प्रार्थनीय माय्य बंध अज्ञेय सम्पत्त्व।
 वि०—गुच्छ भुषित।
 विकलता—अनुमाहट, जानुकता बिठा भवडाहट, बेकली बेबीगी म्याकुलता।
 विहार—जानव जामोड कैचि भीडा खेच प्रमोड मजा मीज।
 म्याड—काम कामक्रिया देखी बसबी बरबी बर्पी सट्ट्य।
 कबेठ—ईमित इघाच इघाच।
 संदेह—संदेशा कुबर, सनेव सनेवा समाचार, हाक।
 संवत्—भाषार, मिबहु, निर्गवव नियव प्रतिवव विचार।
 सपुष्प—काममाव इट्टाकार्य सपुष्पीमृत।
 वि०—बसपुष्प।
 अतरव—मूर्खवेल चतुरव।
 ध्वन—दे ग १२ व २९

